



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं०. 76]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912

No. 76]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

MINISTRY OF COMMERCE

(आयात व्यापार नियंत्रण)

(Import Trade Control)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

New Delhi, the 30th March, 1990

PUBLIC NOTICE NO. 2-ITC(PN)/90-93

सार्वजनिक सूचना सं. 2-आई टी सी (पी एन)/90-93

Subject :—Hand Book of Procedures, 1990—93
(Volume II).

विषय :—प्रक्रिया पुस्तक, 1990—93 (खण्ड-2)

काइल संख्या एच बी./1/1/90—93.—इस सार्वजनिक सूचना
के अंतर्गत में प्रक्रिया पुस्तक, 1990-93 (खण्ड-2) दी गई है।

File No. HB/I/1/90—93.—The Hand Book of
Procedures, 1990—93 (volume II) is contained in
the Annexure to this Public Notice.

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

TEJENDRA KHANNA,
Chief Controller of Imports & Exports.

आयात और निर्यात (नियंत्रण अधिनियम)

30 अप्रैल, 1979 तक यथा-संशोधित आयात और निर्यात
नियंत्रण अधिनियम, 1947

यह अधिनियम आयात एवं निर्यात को निषिद्ध करने या नियंत्रित करने के लिए है, चूंकि आयात और निर्यात को निषिद्ध, प्रतिबंधित या अन्यथा नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है ।

इसलिए एतद्वारा यह अधिनियम बनाया जाता है :—

1. संक्षिप्त नाम, व्याप्ति, प्रारम्भ और अवधि :—

(1) यह अधिनियम, आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 कहलाएगा ।

(2) यह सम्पूर्ण भारत में लागू होगा ।
यह 25 मार्च 1947 से लागू होगा ।

2. परिभाषा :—इस अधिनियम में जब तक संदर्भ में अन्यथा रूप से आवश्यक न हो :—

(क) “न्याय प्राधिकारी” का अर्थ है खण्ड 4ए के अन्तर्गत या उसमें विशिष्टीकृत प्राधिकारी;

(ख) “अपील प्राधिकारी” का अर्थ है, खण्ड-4-ड में उल्लिखित प्राधिकारी;

(ग) “मुख्य नियंत्रक” का अर्थ है, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात;

(घ) “नियंत्रण आदेश” का अर्थ है इस अधिनियम के अन्तर्गत बनाया गया या बनाया गया समझा जाने वाला नियंत्रण आदेश;

(ङ) “सीमा शुल्क केन्द्र” का अर्थ वही है जो सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 में उसके लिए दिया हुआ है;

(च) “उप-मुख्य नियंत्रक” का अर्थ है, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात;

(छ) “आयात” और “निर्यात” का अर्थ है समुद्री जहाज, स्थल वाहन या हवाई जहाज द्वारा क्रमशः भारत में सामान लाना या बाहर भेजना;

(ज) “प्राधिकार-पत्र” का अर्थ है एक ऐसा पत्र जिसमें लाइसेंसधारी को प्राधिकृत किया गया हो कि उस को प्रदान किए गए लाइसेंस के मद्दे उक्त पत्र में नामांकित किसी अन्य व्यक्ति को सामान के आयात करने की अनुमति दी जाए;

(झ) “लाइसेंस” का अर्थ है प्रदान किया गया एक लाइसेंस और इसमें किसी भी नियंत्रण आदेश के अन्तर्गत जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी परिमिट भी शामिल है;

(ञ) “निर्धारित” का अर्थ है इस अधिनियम के अन्तर्गत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित नियम;

(ट) “मान्यताप्राप्त अभिकरण” का अर्थ है वह अभिकरण जिसको आयातित माल के वितरण का कार्य मुख्य नियंत्रक, द्वारा सौंपा गया हो ।

3. आयात और निर्यात को निषेध या प्रतिबंधित करने का अधिकार:—(1) केन्द्रीय सरकार राजपत्र में आदेश प्रकाशित करके निम्नलिखित सभी मामलों में या इन मामलों की विशेष श्रेणियों में यदि कोई हो तो ऐसे अपवादों के अधीन निषेध करने, प्रतिबंधित करने या अन्यथा रूप से नियंत्रित करने के लिए शर्तें बना सकती है जो उस आदेश द्वारा या उसके अधीन बताई जाएं :—

(क) उल्लिखित प्रकार के माल का तट से आयात या निर्यात करना या पोत भण्डार के रूप में उसका लदान;

(ख) यदि उल्लिखित प्रकार का माल जहाज या वाहन जिसमें वह ले जाया जा रहा है उसमें से उतारे बिना भारत से बाहर ले जाया जा रहा हो तो उसे भारत के किसी पत्तन या स्थान पर लाना ।

(2) जिस माल पर उप-धारा (1) के अधीन कोई आदेश लागू होता हो उसका आयात या निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11 के अधीन निषिद्ध माना जाएगा और उस पर तदनुसार उपर्युक्त अधिनियम के सभी उपबन्ध लागू होंगे ।

(3) उपर्युक्त अधिनियम में उल्लिखित अन्य बातों के बावजूद भी केन्द्रीय सरकार राजपत्र में आदेश प्रकाशित करके भारत में आयातित किसी भी सामान या किसी विशेष श्रेणी के सामान की निकासी को रोक सकती है, प्रतिबन्धित कर सकती है या उस पर शर्तें लगा सकती है चाहे वह सामान घरेलू खपत के लिए हो या विदेश को लदान के लिए ।

4. वर्तमान आदेशों का जारी रहना :—भारत सुरक्षा नियमावली के नियम 84 के अधीन या आपात उपबन्ध अध्यादेश (1946 का वर्तमान आदेश, 1946 का 20 को जारी रखना) के

अधीन और इस अधिनियम के लागू होने से तुरन्त पहले लागू उक्त नियम के अधीन जारी किए गए सभी आदेश जिस सीमा तक वे इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत नहीं हैं उस सीमा तक लागू रहेंगे और उन्हें इस अधिनियम के अन्तर्गत माना जाएगा ।

(4क) लाइसेंस के लिए आवेदन करने और उसे जारी करने अथवा उसका नवीकरण करने की फीस :—केन्द्रीय सरकार आदेश जारी करके, उस आदेश में यदि किसी व्यक्ति या किसी श्रेणी के व्यक्तियों के सम्बन्ध में कोई छूट दी गई हो तो उसे छोड़कर शेष मामलों में किसी आवेदन-पत्र के लिए या इस अधिनियम के अधीन दिये गए अथवा इस अधिनियम के अधीन जारी माने गए आदेश के अधीन जारी किए गए या नवीकरण किए गए लाइसेंस के लिए फीस वसूल कर सकती है ।

(4ख) प्रवेश और निरीक्षण करने के प्राधिकार :—इस बारे में मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया हुआ कोई व्यक्ति या उसके अधीन कार्य करने वाला कोई अधिकारी जो उप-मुख्य नियंत्रक के पद से कम का न हो (उसे इसके बाद इस अधिनियम में “प्राधिकृत व्यक्ति” कहा जाएगा) वह किसी भी उचित समय पर ऐसे किसी भी स्थान में प्रवेश कर सकता है जहां :—

(1) ऐसा आयातित माल या सामग्री हो जिसे इस अधिनियम के अधीन जब्त किया जा सकता हो, या

(2) लेखा पुस्तकें या दूसरा कोई दस्तावेज या चीजें, जो उसकी राय में, इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे संबंध होंगे उन्हें छिपाकर रखने का सन्देह है तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों और चीजों का निरीक्षण कर सकता है और यदि उचित समझे तो उन लेखा पुस्तकों या दस्तावेजों की नकल या उनसे उद्धरण ले सकता है ।

(4ग) तलाशी लेने का प्राधिकार :—यदि प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश ही विश्वास हो जाए कि :—

(1) कोई आयातित माल या सामग्री, जिसे इस अधिनियम के अधीन जब्त किया जा सकता है, या

(2) कोई लेखा पुस्तक, या दूसरे दस्तावेज या चीजें जो उसकी राय में, इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे संबंध रखती होंगी, किसी जगह छिपाकर रखी हों, तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों या चीजों का तलाशी लेने के लिए ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है ।

(4घ) आयातित माल या सामग्री को जब्त करने का प्राधिकार :—(1) यदि प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश यह विश्वास हो जाए कि इस अधिनियम के अधीन किसी आयातित माल या सामग्री को जब्त करना जरूरी है तो वह उस माल और सामग्री यदि वे किसी पैकेज या कागज या बर्तन में हो तो उन्हें भी और यदि आयातित माल या सामग्री किसी दूसरे माल और सामग्री में मिला कर रखी हो तो उस माल या सामग्री को भी जब्त कर सकता है ;

किन्तु यदि ऐसे माल या सामग्री को जब्त करना व्यावहारिक न हो, तो प्राधिकृत व्यक्ति माल या सामग्री के मालिक को आदेश दे सकता है कि वह उस की पूर्वानुमति के बिना उस माल या सामग्री को न हटाए, न अलग करे या उसे अन्यथा न निपटाए ।

(2) यदि उपधारा (1) के अधीन किसी माल या सामग्री को जब्त किया गया हो और उस माल या सामग्री को जब्त करने के छः महीने के भीतर धारा 45 के अन्तर्गत उनकी जब्ती का कोई नोटिस नहीं दिया गया हो तो जिस व्यक्ति से उस माल या सामग्री को जब्त किया गया है उस व्यक्ति को वह माल और सामग्री वापस की जाएगी ।

किन्तु मुख्य नियंत्रक उपर्युक्त छः महीने की अवधि को पर्याप्त कारण होने पर ज्यादा से ज्यादा 6 महीने और बढ़ा सकता है ।

(3) प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे किसी भी दस्तावेजों या चीजों को जब्त कर सकता है जो उसकी राय में इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे संबंधित होंगी ।

(4) जिस व्यक्ति से उपधारा (3) के अधीन किसी दस्तावेज को जब्त किया जाएगा उस व्यक्ति को प्राधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति में उन दस्तावेजों की प्रतिलिपियां बनाने या उनसे उद्धरण लेने की अनुमति दी जाएगी ।

(5) जो व्यक्ति उपधारा (3) के अधीन जब्त किए गए दस्तावेज या दूसरी चीजों का कानूनी हकदार है उसे यदि प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा उन दस्तावेज या चीजों को अपने पास रख लेने पर किसी कारण से आपत्ति हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण बताते हुए उन दस्तावेजों और चीजों को लौटाने के लिए केन्द्रीय सरकार से आवेदन करना होगा ।

(6) केन्द्रीय सरकार उपधारा (5) के अधीन आवेदन मिलने पर आवेदक को अपनी बात कहने का अवसर देगी और उस पर जो आदेश देना उचित समझेगी वह आदेश देगी ।

(7) अहां कहीं—

(क) किसी व्यक्ति ने कोई दस्तावेज पेश या प्रस्तुत किया

हो अथवा किसी व्यक्ति की अभिरक्षा या नियंत्रण से इस अधिनियम या बंधों के लिए लागू किसी दूसरे कानून के अधीन कोई दस्तावेज जप्त किया गया हो, अथवा

- (ख) इस अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के सम्बन्ध में अपराध के किसी आरोप की जांच करते समय भारत से बाहर किसी स्थान से (ऐसे प्राधिकारी या व्यक्ति द्वारा निर्धारित ढंग से विधिवत् अधिप्राप्त) कोई दस्तावेज प्राप्त हुआ हो।

और जिस व्यक्ति ने यह दस्तावेज पेश किया हो या जिस व्यक्ति से वह दस्तावेज जप्त किया हो उस व्यक्ति के खिलाफ अथवा उसके साथ जिस व्यक्ति पर मुकदमा चल रहा हो या कार्रवाई की जा रही हो उस व्यक्ति के खिलाफ वह दस्तावेज प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जाए तो यथास्थिति अदालत या न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी, उस समय लागू किसी भी दूसरे कानून में उसके विपरीत की गई व्यवस्था के बावजूद भी :—

- (1) जब तक अन्यथा प्रमाणित न हो जाए यह मानेगा कि हस्ताक्षर और हस्तलेख किसी खास व्यक्ति का है, खास व्यक्ति के हाथ का लिखा प्रतीत होता है या जिसके बारे में अदालत या न्याय करने वाला प्राधिकारी उचित कारणों से यह समझेगा कि वह हस्ताक्षर और हस्तलेख किसी खास व्यक्ति का है; उस खास व्यक्ति की अपनी लिखावट में है और जो दस्तावेज लिखा या साक्षात्कृत किया गया है उसके मामले में यह मानेगा कि जिस व्यक्ति द्वारा वह लिखा या साक्षात्कृत किया गया प्रतीत होता है उसी व्यक्ति ने उसका निष्पादन और साक्षात्कृत किया है,
- (2) यदि ऐसा दस्तावेज अन्यथा रूप से साक्ष्य में स्वीकार्य हो तो स्टाम्प लगे न होने पर भी उसे साक्ष्य में स्वीकार करेगा।

(4B) बाहनों को रोकने और कब्जे में लेने का अधिकार :— यदि किसी प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश सन्देह हो कि किसी ऐसे आयातित माल या सामग्री का, जो उसे अधिनियम के अधीन जप्त हो सकती है, ले जाने के लिए कोई वाहन या जानवर इस्तेमाल किया जा रहा है या इस्तेमाल किया जाने वाला है और उस प्रकार माल या सामग्री ले जाने से इस अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हो रहा है या होने वाला है तो वह किसी भी समय ऐसे वाहन या जानवर को रोक सकता है अथवा यदि वह वाहन हवाई जहाज हो तो उसे जमीन पर उतारने को मजबूर कर सकता है; और

- (क) उस वाहन या उसके किसी भाग की छानबीन कर सकता है अथवा तलाशी ले सकता है;

(ख) वाहन में या जानवर पर रखे माल या सामग्री की जांच कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है;

- (ग) यदि किसी वाहन या जानवर को रोकना जरूरी हो तो वह उसके लिए सभी प्रकार के कानूनी तरीके अपना सकता है यदि कोई कानूनी तरीके विफल हो जाएं तो वाहन या जानवर पर गोली चला सकता है।

और यदि उसे इस बात का दकीम हो जाए कि इस अधिनियम के किसी उपबन्ध या किसी नियंत्रण आदेश अथवा किसी लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए ऐसे वाहन या जानवर को कब्जे में लेना आवश्यक है तो वह उसे कब्जे में ले सकता है।

स्पष्टीकरण :—इस धारा में जहां भी वाहन शब्द आता है वहां उसमें यदि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो तो हवाई जहाज, गाड़ी और जलयान शामिल हैं।

(4C) तलाशी और जप्ती बण्ड प्रक्रिया, संहिता 1973 के अनुसार किए जाएंगे :—इस अधिनियम के अधीन जो भी तलाशी ली जाएगी और जप्ती की जाएगी उस पर तलाशी और जप्ती के सम्बन्ध में बण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के उपबन्ध, जहां तक हो सके, लागू होंगे।

(4D) अधिग्रहण : कोई भी आयातित माल या सामग्री जिसके सम्बन्ध में :—

(क) जिस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र के अधीन आयात किया गया है उसमें उस माल या सामग्री के उपयोग या वितरण के सम्बन्ध में उल्लिखित किसी शर्त का, या

(ख) उक्त माल या सामग्री के उपयोग या वितरण के सम्बन्ध में जिन शर्तों पर वे किसी मान्यताप्राप्त एजेंसी से या उसके माध्यम से प्राप्त हुए हैं उनमें से किसी शर्त का, या

(ग) नियंत्रण के आदेश में उस माल या सामग्री की बिक्री के बारे में उल्लिखित किसी निर्वेश का,

उल्लंघन किया गया हो, या किया जा रहा हो या करने की कोशिश की गई हो तो उस माल या सामग्री को और साथ ही जित पैकेज, क्वारिंज या बर्तन में वे थे उस पैकेज, क्वारिंज या बर्तन का अधिग्रहण कर लिया जाएगा और यदि वह माल या सामग्री किसी दूसरे माल या सामग्री के साथ इस तरह मिलाकर रखी हो जिससे उन्हें आसानी से अलग नहीं किया जा सकता हो तो उस दूसरे माल या सामग्री का भी अधिग्रहण कर लिया जाएगा;

किन्तु यदि यह प्रमाणित हो जाए और न्याय निर्णय करने वाले प्राधिकारी इस बारे में संतुष्ट हो कि इस अधिनियम के अधीन जिस माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा सकता है वह माल और सामग्री किसी व्यापार या उद्योग के लिए नहीं है बल्कि निजी उपयोग के लिए आयात किया गया था/की गई थी और वह उस व्यक्ति का नहीं जिसके किसी कार्य या चूक के कारण उसका अधिग्रहण किया गया है और उसने यह कार्य या चूक उस व्यक्ति की जानकारी या सहमति के बिना की है जिसका कि यह माल या सामग्री है, तो न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी अधिग्रहण का आदेश नहीं देगा; लेकिन जिस व्यक्ति के किसी कार्य या चूक के कारण उस माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा रहा था उस व्यक्ति पर इस अधिनियम के अधीन कोई दूसरी कार्रवाई की जाएगी।

4अ. वाहन का अधिग्रहण :—इस अधिनियम के अधीन जिस आयातित माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा सकता है उस माल या सामग्री को ले जाने के लिए जो वाहन या जानवर इस्तेमाल किया गया था, किया जा रहा है या करने की कोशिश की गई, उस वाहन या जानवर का अधिग्रहण कर लिया जाएगा, लेकिन यदि वाहन या जानवर का मालिक यह प्रमाणित करे कि स्वयं मालिक या उसके एजेंट को अथवा उस वाहन या जानवर के प्रभारी व्यक्ति की जानकारी या सहमति के बिना उसका इस्तेमाल इस काम के लिए किया गया था, किया जा रहा अथवा किया जाने वाला था, और उनमें प्रत्येक व्यक्ति ने वाहन या जानवर का इस तरह इस्तेमाल होने के विषय सभी उचित पूर्वोपाय किए हैं, तो उस वाहन या जानवर का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा,

किन्तु माल या यात्रियों को ले जाने के लिए इस्तेमाल किए गए किराए के जानवर के मामले में वाहन या जानवर के मालिक को वाहन या जानवर के अधिग्रहण के बदले में, उस वाहन से जो आयातित माल या सामग्री ले जाई गई, ले जाई जा रही थी; या ले जाने की कोशिश की गई उसके मूल्य तक के बराबर जुर्माना देने का विकल्प होगा।

4अ. (1) ज़ुमनि की बेयता :—जो व्यक्ति

- (क) किसी लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र के अधीन आयातित किसी माल या सामग्री का उपयोग या इस्तेमाल उस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र की शर्तों के अनुसार न करके अन्यथा करता है; या
- (ख) मान्यता प्राप्त एजेंसी द्वारा आयातित माल या सामग्री दिए जाने पर उसका उपयोग और इस्तेमाल, जिस प्रयोजन से उसे वह माल या सामग्री दी गई थी उस प्रयोजन के लिए प्रयोग न करके किसी अन्य प्रयोजन के लिए प्रयोग करता है या करवाता है, या
- (ग) निम्नलिखित को प्राप्त करने के लिए घोषणा-पत्र दे दिया हो :—

ऐसा घोषणा-पत्र देता है और उस घोषणा-पत्र में कोई गलत या झूठा बयान पाया जाए :—

- (1) किसी माल या सामग्री के आयात करने का लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र लेने के लिए, या
- (2) उस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र में कोई संबंधीली करवाने के लिए, या
- (3) किसी भी आयातित माल के आबंटन को प्राप्त करने के लिए, या
- (घ) जिस लाइसेंस अथवा प्राधिकार-पत्र के अनुसरण में माल अथवा सामग्री का आयात किया गया था उसकी शर्तों का उल्लंघन करते हुए आयातित माल सामग्री खरीदता है, उसे बेचता है अथवा उसे अन्यथा रूप से दे देता है, अथवा उसे खरीदने, बेचने अथवा अन्यथा रूप से देने की अनुमति देता है; या
- (ङ) मान्यता प्राप्त एजेंसी द्वारा किए गए आबंटन की शर्तों का उल्लंघन करके कोई आयातित माल अथवा सामग्री खरीदता है, बेचता है अथवा अन्यथा रूप से दे देता है अथवा उसे खरीदने, बेचने अथवा अन्यथा रूप से देने की अनुमति देता है;
- (च) जिस माल अथवा सामग्री का आयात किसी लाइसेंस अथवा प्राधिकार-पत्र के अन्तर्गत किया गया है अथवा जो किसी मान्यता प्राप्त एजेंसी से अथवा उसके माध्यम से प्राप्त किया गया है, उस माल या सामग्री के बेचने के बारे में जारी किए गए नियंत्रण आदेश के अन्तर्गत दिए गए किसी निर्देश का उल्लंघन करता है,

तो वाहे ऐसे माल का अधिग्रहण किया गया हो अथवा नहीं या चाहे ऐसा मान अधिग्रहण के लिए उपलब्ध हो या नहीं; उस माल अथवा सामग्री के पांच गुना अथवा एक हजार रुपए इसमें से जो भी अधिक हो, तक अर्थ दण्ड दिया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इस धारा में "मूल्य" का अर्थ वही लिया जाएगा जो अर्थ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है।

(2) यदि कोई व्यक्ति ऐसे किसी कार्य को रोकने या न करने के लिए उकसाता है जिस कार्य को करने या न करने पर किसी व्यक्ति पर उपधारा (1) के अन्तर्गत जुर्माना किया जा सकता है या ऐसा कार्य करने की कोशिश करता है तो चाहे ऐसे माल का अधिग्रहण किया गया हो अथवा न किया गया हो या उसका अधिग्रहण किया जा सकता हो या न किया जा सकता हो, इस प्रकार उकसाने या उकसाने का प्रयास करने वाले व्यक्ति को जिस माल अथवा सामग्री के बारे में उकसाया गया है, अथवा उकसाने का प्रयास किया गया है, उस माल या सामग्री के मूल्य के अधिकतम

पांच गुना तक अथवा एक हजार रुपए, इनमें से जो अधिक हो तक का अर्थ दण्ड दिया जाएगा ।

(3) यदि उपधारा (1) अथवा उपधारा (2) के अन्तर्गत किया गया जुर्माना नहीं दिया जाता है तो उसे लगान के बकाया के रूप में वसूल किया जाएगा :

किन्तु उपधारा (1) अथवा उपधारा (2) के अन्तर्गत जिस व्यक्ति पर जुर्माना किया गया है उस व्यक्ति की निजी धनराशि को अथवा उसे कर्ज दी गई रकम को न्याय निर्णय प्राधिकारी आदेश जारी करके कुर्क कर सकता है और इस कुर्की की कार्रवाई उसी प्रकार होगी जैसे सिविल न्यायालय द्वारा की गई कुर्की में की जाती है ।

43A. अर्थ दण्ड में हस्तक्षेप किए बिना अधिग्रहण या अर्थ दण्ड :—

इस अधिनियम के अन्तर्गत दिए गए अधिग्रहण अथवा जुर्माने के कारण इस अधिनियम के उपबन्धों अथवा उस समय लागू किसी अन्य कानून के अन्तर्गत दिए जाने वाले दण्ड पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

44. न्याय निर्णय :—इस अधिनियम के अन्तर्गत —

- (क) मुख्य नियंत्रक अथवा जिन मामलों में वह अपने सामान्य अथवा विशिष्ट आदेशों के अन्तर्गत अपर मुख्य नियंत्रक को यह अधिकार दे उनमें अपर मुख्य नियंत्रक;
- (ख) इस बारे में निर्धारित सीमा के अन्दर केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करके कम से कम उप मुख्य नियंत्रक के स्तर के अधिकारी को प्राधिकृत करती है वह अधिग्रहण करने का निर्णय करेगा अथवा अर्थ दण्ड देगा ।

44. माल स्वामी को अवसर प्रदान करना आदि :—

अधिग्रहण अथवा अर्थदण्ड का आदेश तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि माल, सामग्री, वाहन अथवा जानवर के मालिक अथवा अन्य सम्बद्ध व्यक्ति को लिखित रूप में :—

- (1) वे कारण सूचित न किए जाएं जिनके आधार पर ऐसे माल, सामग्री, वाहन अथवा जानवर का अधिग्रहण करने अथवा उसे अर्थदण्ड देने का प्रस्ताव है;
- (2) लिखित नोटिस देकर उसे नोटिस में निर्दिष्ट समय के भीतर उसमें उल्लिखित अधिग्रहण अथवा अर्थ दण्ड के विरुद्ध अपना लिखित प्रतिकेवल का समुचित अवसर न दिया जाए और यदि वह चाहे तो उसे मौखिक रूप से प्रत्यावेदन करने का अवसर भी दिया जाएगा ।

44. अपील :—इस अधिनियम के अन्तर्गत किए गए निर्णय या दिए गए आदेशों से यदि कोई व्यक्ति व्यक्ति हों तो निम्नलिखित स्थितियों में वह अपील कर सकता है :—

- (क) जिन मामलों में मुख्य नियंत्रक अथवा अपर मुख्य नियंत्रक अथवा केन्द्रीय सरकार ने निर्णय दिया हो अथवा आदेश जारी किया हो;
- (ख) जिन मामलों में अपर मुख्य नियंत्रक से नीचे के स्तर के अधिकारी ने निर्णय लिया हो उन मामलों में मुख्य नियंत्रक को, अथवा जिस मामले में वह ऐसा निर्देश दे उसमें अपर मुख्य नियंत्रक को अपील कर सकता है ।

उस व्यक्ति को अपनी अपील, आदेश प्राप्त होने से 45 दिन के भीतर करनी होगी :

किन्तु अपील प्राधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि अपील-कर्ता पर्याप्त कारणों से उक्त 45 दिनों के अन्दर अपील वायर न कर सका, तो इस प्रकार की अपील वायर करने के लिए वह 45 दिन का समय और दे सकता है :

किन्तु अर्थ दण्ड के आदेशों के विरुद्ध की जाने वाली अपील पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि अपीलकर्ता अर्थ दण्ड की रकम जमा नहीं करता :

किन्तु यदि अपील प्राधिकारी के विचार में अर्थ दण्ड की रकम जमा कराने में अपीलकर्ता को अकारण परेशानी होगी तो वह अपने विवेकाधिकार से, बगैर किसी शर्त के अथवा शर्त के साथ उसे जुर्माने की राशि जमा कराने से मुक्त कर सकता है ।

(2) यदि अपीलकर्ता चाहे तो अपील प्राधिकारी उसे सुनवाई का उचित मौका देकर और आवश्यक पूछताछ करने के बाद पिछले आदेशों की पुष्टि कर सकता है, उनमें परिवर्तन कर सकता है अथवा निर्णय बदल सकता है, या अपील के खिलाफ आदेश दे सकता है, अथवा वह जैसा उचित समझे और यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त साक्ष्य लेकर अपने निर्देशों सहित मामले को फिर से न्याय अथवा निर्णय के लिए लौटा सकता है :

किन्तु जुर्माने को बढ़ाने या लगाने या अधिक मूल्य के माल अथवा सामग्री का अधिग्रहण करने के आदेश इस धारा के अन्तर्गत तब तक जारी नहीं किए जाएंगे जब तक कि अपीलकर्ता को अपने अभाव में लिखित अभिवेदन देने तथा यदि वह चाहे तो सुनवाई का अवसर न दिया जाए ।

44. मुख्य नियंत्रक को पुनरीक्षण के अधिकार :— मुख्य नियंत्रक स्वयं या अन्यथा किसी भी ऐसी कार्रवाई के अभिलेख संग्रहाकर जिसमें अधीनस्थ अधिकारी ने अधिग्रहण अथवा अर्थ दण्ड का आदेश दिया हो, और जिसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की गई हो, उस आदेश या निर्णय की सत्यता, वैधता या औचित्य के बारे में स्वयं को संतुष्ट करने के लिए उनकी जांच कर सकता है और उस पर जैसा उचित समझे वैसा आदेश जारी कर सकता है :

किन्तु इस धारा के अधीन किसी निर्णय या आदेश में इस प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा जिसमें किसी व्यक्ति पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़े जब तक कि उस व्यक्ति को :—

- (क) ऐसे निर्णय या आदेश दिए जाने की तारीख में दो वर्ष के अन्दर निर्णय या आदेश बखलने के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस न दिया जाए, और
- (ख) बचाव में अपनी सफाई देने का उचित मौका न दिया जाए और यदि वह सुनवाई चाहता है तो उसकी सुनवाई न की जाए ।

4ग. न्याय निर्णय और अन्य प्राधिकारियों के अधिकार :—

(1) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या किसी अपील को सुनने वाले या पुनर्विचार करने का अपने अधिकारों का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को निम्नलिखित मामलों में मुकद्दमे सुनते समय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन सिविल न्यायालय के सभी अधिकार प्राप्त होंगे, अर्थात् :—

- (क) गवाहों को बलाने और उनकी हाजिरी सुनिश्चित करने में;
- (ख) किसी दस्तावेज को खोजने और पेश कराने में;
- (ग) किसी न्यायालय अथवा कार्यालय से सार्वजनिक अभिलेख या उनकी प्रति मांगने में;
- (घ) शपथ-पत्र पर साक्ष्य प्रस्तुत करने पर;
- (ङ) गवाहों और दस्तावेज की जांच के लिए कमीशन भेजने में ।

(2) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 345 और 346 के उद्देश्यों के लिए सिविल न्यायालय समझा जाएगा ।

(3) इस नियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को ऐसे अन्तिम आदेश जसा कि वह उचित समझे, देने का अधिकार होगा, और वह किसी भी निर्णय या आदेश को पर्याप्त कारण होने पर स्थगित करने के लिए आदेश दे सकता है ।

4त. मृत्यु या दिवालिया होने की स्थिति में कार्यवाई का बालू रहना :—

- (1) यदि न्याय निर्णय करने वाले प्राधिकारी ने जमाना कर दिया हो और :—
- (क) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष कोई अपील न की गई हो और अपील दाखिल किए जाने की अवधि समाप्त

होने से पहले अर्पित करने के हक्कदार व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए, या

- (ख) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर कर दी गई हो लेकिन अपील पर निर्णय होने से पहले अपीलकर्ता की मृत्यु हो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए,

तो उस व्यक्ति के बदले में, जैसा भी मामला हो, उनके कानूनी प्रतिनिधि या सरकारी समनुदेशिनी या सरकारी रिस्वीवर को अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने या अपील पर कार्यवाई जारी रखने का कानूनी अधिकार होगा और जैसा भी मामला हो, ऐसी अपील पर यथा संभव 4ड धारा के उपबन्ध लागू होंगे या लागू होते रहेंगे ।

(2) उपधारा (1) के अधीन सरकारी प्रतिनिधि या सरकारी रिस्वीवर के अधिकारों का प्रयोग, जैसा भी मामला हो, प्रेसिडेन्सी टाउन्स इन्सोल्वन्सी एक्ट, 1909 या प्रोविशियल इन्सोल्वन्सी एक्ट, 1920 के उपबन्ध के अनुसार किया जाएगा ।

5. दण्ड :—यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश से या इन आदेशों के अधीन मंजूर किए गए लाइसेंस की शर्तों का या ऐसे प्राधिकार जिसके अधीन मान्यताप्राप्त अभिकरण के माध्यम से उसे आयातित माल प्राप्त हुआ था, से सम्बद्ध शर्तों का उल्लंघन करें । या उल्लंघन करने का प्रयत्न करें या उल्लंघन करने में सहायता करें तो वह सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के उपबन्धों के अधीन अधिग्रहण या दण्ड पर विपरीत प्रभाव डाले बिना ही निम्नलिखित अनुसार होगा :—

- (क) जिस सामान के सम्बन्ध में इन प्रकार का उल्लंघन किया गया हो या उल्लंघन करने में सहायता की गई हो यदि उस सामान का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक हो तो सात साल तक की कैद और जुर्माने का भी दण्ड दिया जा सकता है; तथा
- (ख) किसी अन्य मामले में तीन साल तक की कैद और जुर्माने की सजा भी दी जा सकती है ।

किन्तु इसके विरुद्ध विशेष और पर्याप्त कारणों के अभाव में जिनका न्यायालय के निर्णय में उल्लेख किया जाएगा यह कैद छः महीने से कम नहीं होगी ।

5क. न्याय प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदेश का उल्लंघन करने पर जमाना :—यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन किसी न्यायिक अधिकारी या अपील प्राधिकारी द्वारा किया गया जमाना अदा नहीं करता या अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी निदेश या

आदेश का उल्लंघन करता है, तो न्यायालय में दोष सिद्ध हो जाने पर उसे 2 वर्ष तक की कैद या जुर्माने की सजा दी जा सकती है या उसे यह दोनों दण्ड दिए जा सकते हैं ।

5ख. लेखन या गणना की गलतियाँ ठीक करना :—किसी निर्णय या आदेश में लेखन या गणना की गलतियाँ या संयोगवश हुई किसी भूल-भूक के कारण कोई अशुद्धि हो गई हो, तो निर्णय या आदेश देने वाला प्राधिकारी उसे किसी भी समय स्वयं या व्यक्ति द्वारा आवेदन करने पर ठीक कर सकता है ।

परन्तु यदि इस धारा के अधीन किए जाने वाले सुधार से किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, तो ऐसे व्यक्ति को इस विषय में प्रतिवेदन करने का उचित अवसर दिए बगैर इस प्रकार का सुधार नहीं किया जाएगा और यह सुधार उस निर्णय या आदेश के दिए जाने की तारीख से 2 वर्ष व्यतीत होने के बाद नहीं किया जाएगा ।

6. अपराधों का संज्ञान :—केवल केन्द्रीय सरकार द्वारा इस बारे में, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई लिखित शिकायत के अलावा कोई भी न्यायालय, धारा 5 के अधीन घण्टनीय किसी भी अपराध की सुनवाई नहीं करेगा और प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट या प्रथम श्रेणी मैजिस्ट्रेट से निम्न न्यायालय ऐसे किसी अपराध की जांच नहीं कर सकेगा ।

7. इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी और न ही किसी व्यक्ति के विरुद्ध इस अधिनियम के अधीन सम्भाव-पूर्वक किए गए या करने का इरादा रखे गए किसी काम के विरुद्ध या इसके अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश के

विरुद्ध कोई मुकदमा, अभियोजन या अन्य कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकेगी ।

8. नियम बनाने का अधिकार :—(1) केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना निकाल कर इस अधिनियम के उपबन्ध लागू करने के लिए नियम बना सकती है ।

(2) इन नियमों में निम्नलिखित सभी मामलों या किसी भी मामले की व्यवस्था विशेष रूप से और पूर्वोक्त अधिकार की व्यापकता को ध्यान में रखे बिना की जा सकती है; अर्थात् :—

(क) भारत से बाहर किसी स्थान से किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरीके से प्राप्त कोई भी दस्तावेज अधिप्रमाणित माना जाएगा

(ख) कोई अन्य विषय जिसका विधान करना अनिवार्य या जिसका विधान किया जाए ।

(3) इस अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए प्रत्येक नियम बनाए जाने के यथा शीघ्र बाद संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष तब प्रस्तुत किए जाने चाहिए जब सदन की सत्रावधि एक सत्र में या दो या दो से अधिक अनुवर्ती सत्रों में कुल मिलाकर 3 दिन हो और यदि ऐसे सत्र के तत्काल बाद के सत्र या पूर्वोक्त अनुवर्ती सत्रों के समाप्त होने से पहले दोनों सदन उस नियम में कोई परिशोधन करने की स्वीकृति दे दें या दोनों सदनों की राय हो कि नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो उसके बाद जैसा भी मामला हो या तो संशोधित निगम लागू होगा या बिल्कुल लागू नहीं होगा; परन्तु इस प्रकार के संशोधन या निषेध से ऐसे नियम के अधीन पहले से की गई किसी बात की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

आयात (नियंत्रक) आदेश 1955

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 (17/55) दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 (30 मार्च, 1990 तक यथा संशोधित)

केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत में और पाण्डीचेरी राज्य में लागू आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 और 4क के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात् :—

आदेश

1. संक्षिप्त नाम, और लागू होने की तारीख :

(1) यह आदेश आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 कहा जाएगा।

(2) यह तत्काल लागू होगा।

2. परिभाषा : इस आदेश में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक :—

(क) "अधिनियम" से आयात और निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) अभिप्रेत है;

(कक) "लाइसेंस" के लिए आवेदन में आयात व्यापार नियंत्रण नियमावली के अधीन दिया गया कोई भी आवेदन सम्मिलित है ;

(ककक) "लाइसेंस" में इस आदेश के अधीन जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी परमिट सम्मिलित है;

(ख) "लाइसेंसधारी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इस आदेश के अधीन लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट दिया गया है ;

(ग) "लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी" से यह प्राधिकारी अभिप्रेत है जो इस आदेश के अधीन लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट देने के लिए सक्षम हो ;

(घ) "एक प्राधिकृत अधिकारी" का अर्थ है मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, जो उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रैंक में कम का न हो।

(ङ) "अनुसूची" से इस आदेश की अनुसूची अभिप्रेत है ;

(च) "मूल्य" से वह अर्थ अभिप्रेत है जो अर्थ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है।

(छ) इस आदेश में प्रयुक्त शब्द और अभिव्यक्तियाँ, जो कि परिभाषित नहीं हैं, परन्तु अधिनियम में जिन्हें परिभाषित किया गया है, का क्रमशः वही अर्थ होगा जो मूल रूप से उनके लिए अधिनियम में दिया गया है।

3. कुछ माल के आयात पर रोक :—(1) इस आदेश में का कोई व्यक्ति को छोड़कर, कोई भी व्यक्ति केन्द्रीय सरकार या अनुसूची 2 में निर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा दिए गए लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट के अधीन या उसके अनुसार आयात किए जाने वाले माल को छोड़कर अनुसूची 1 में निर्दिष्ट माल का आयात नहीं करेगा।

(2) यदि किसी मामले में, यह पता चल जाए कि लाइसेंस के अधीन आयातित माल लाइसेंस में दिए गए व्यौरों के अनुसार नहीं है या जिस लाइसेंस के अधीन माल आयात किया गया है उसके जारी होने की तारीख से पहले माल जहाज से रवाना हो चुका था, तो उस आयात के बारे में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन लाइसेंसधारी के विरुद्ध को जाने वाली किसी भी कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यह समझा जाएगा कि लाइसेंस का उपयोग उक्त माल के आयात के लिए कर लिया गया है।

(3) यदि किसी मामले में यह पता चल जाए कि लाइसेंस के अधीन आयातित माल सभी बातों में निम्नलिखित अनुसार अर्थात् :—

(1) लाइसेंस में दिए गए माल के विवरण या मूल्य के अनुसार, या

(2) लाइसेंस पर लागू होने वाली या लाइसेंस में दिए गए ऐसे माल से संबंधित अन्य शर्तों के अनुसार नहीं है।

तो ऐसे माल का आयात वर्जित समझा जाएगा।

3-क. यदि आयातक उस लाइसेंस को माल के आ जाने पर प्रस्तुत न कर सके जो उसे प्रदान किया गया था, तो सीमा शुल्क अधिकारी अपने विवेक पर आयातक को माल छोड़ने को अनुमति दे सकता है, बशर्त कि आयातक इस आशय का एक बाण्ड अथवा जमानत-पत्र निष्पादित करे कि उसके पास आयात किए गए माल का वैध लाइसेंस है, जिसे वह यथोचित सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा निर्धारित

समय में प्रस्तुत कर देगा और यदि वह ऐसा करने में असमर्थ रहा तो वह संबंधित माल के अप्राधिकृत आयात के लिए सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन उसके विरुद्ध हो सकने वाली कार्रवाई पर प्रतिफल प्रभाव डालने बिना बाण्ड का जमानत-पत्र में उल्लिखित धनराशि यथाचित सीमा शुल्क प्राधिकारी को देगा।

4. लाइसेंस के लिए आवेदन-शुल्क :—(1) लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र लाइसेंस देने वाले उचित प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) प्रत्येक आवेदन के लिए अनुसूची 3 में उल्लिखित फीस उमा प्रकाश दी जाएगी जिस प्रकार अनुसूची 3 में कहा गया है लेकिन ऐसे आवेदन के बारे में कोई फीस नहीं दी जाएगी, जो निम्नलिखित द्वारा दिया गया हो :—

- (क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के किसी विभाग या कार्यालय द्वारा;
- (ख) किसी स्थानीय प्रधिकरण द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के आयात के लिए;
- (ग) किसी शिक्षा संस्था, धर्मार्थ संस्था या मशीनरी संस्था द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के आयात के लिए;

एक बार प्राप्त हुई फीस निम्नलिखित को छोड़कर किसी भी मामले में वापस नहीं की जाएगी :—

- (1) जब निर्धारित राशि से अधिक फीस जमा की गई हो;
- (2) जब फीस तो जमा की गई हो परन्तु आवेदन-पत्र न दिया गया हो;
- (3) जब फीस गलती से जमा कर दी गई हो लेकिन आवेदक को लाइसेंस फीस को अदायगों के लिए छूट दी गई हो;

नोट : मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को को गई अपील के लिए जमा की गई फीस किसी भी परिस्थिति में लौटाई नहीं जाएगी।

5. लाइसेंसों की शर्तें :—(1) लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी इस आदेश के अधीन लाइसेंस जारी करते समय नीचे दी गई एक या एक से अधिक शर्तों पर लाइसेंस जारी कर सकते हैं :—

- (1) यह कि लाइसेंस में उल्लिखित माल लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट तरीके के अलावा किसी अन्य तरीके से निपटाया नहीं जाएगा या लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किए गए व्यक्ति की लिखित स्वीकृति के बिना उसका अन्यथा उपयोग नहीं किया जाएगा;

(2) यह कि लाइसेंस के अधीन माल के आयात के बाव लाइसेंस में दिए गए निर्देशों के अनुसार निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर न तो बेचा जाएगा और न ही विनिरित किया जाएगा;

(3) यह कि लाइसेंस के लिए आवेदक एक बाण्ड भरेगा जिसमें वह यह वचन देगा कि मैं उन शर्तों का अनुपालन करूंगा जिन पर मुझे लाइसेंस दिया जा रहा है।

2. इस आदेश के अधीन जारी किया गया लाइसेंस अनुसूची 5 में दी गई शर्तों के अधीन होगा।

3. प्रदान किया जाने वाला प्रत्येक लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के भी अधीन समझा जाएगा :—

(1) कोई भी व्यक्ति लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी या इस बारे में ऐसे प्राधिकारी द्वारा जिसे अधिकार प्रदान किए जाएं उस व्यक्ति की लिखित स्वीकृति के बिना किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं करेगा और न ही उसे हस्तांतरण द्वारा प्राप्त करेगा।

(2) यह माल जिसके आयात के लिए लाइसेंस दिया गया है, आयात के समय और इसके बाद जब तक कि सीमा शुल्क कार्यालय से उसे छुड़ा न लिया जाए, लाइसेंस धारी की सम्पत्ति होगी। परन्तु इस उप-खण्ड की मद (1) और (2) की शर्त भारत के राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम और केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण और स्वामित्वाधीन इस प्रकार की अन्य संस्थाओं और एजेंसियों को जिन्हें आयात सरणीबद्ध करने का काम सौंपा गया है, को जारी किए गए लाइसेंस पर लागू नहीं होगी।

आगे यह भी शर्त होगी कि इस उपखंड की मद (1) और (2) के अन्तर्गत शर्तें निम्नलिखित के सम्बन्ध में भी लागू नहीं होगी (क) पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ताओं को बेचने के लिए माल के आयात के लिए पात्र निर्यात सदनों, व्यापार सदनों या स्टार व्यापार सदनों को जारी किए गए लाइसेंस, (ख) वास्तविक उपयोक्ताओं को माल बेचने के लिए केन्द्रीय या राज्य सरकार के स्वामित्व की या इन के द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को जारी किए गए लाइसेंस, (ग) पंजीकृत निर्यातकों

के लिए आयात नीति के तहत पंजीकृत निर्यातकों को जारी किए स्वतन्त्र रूप से हस्तान्तरणीय आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस और अतिरिक्त लाइसेंस, और (घ) इस सम्बन्ध में विशेष रूप से जारी किए जाने वाले आयात (नियंत्रण) आदेश के तहत स्टॉक और बिक्री के लिए और वास्तविक उपयोक्ता शर्त के बिना खुले सामान्य लाइसेंस के तहत अनुमेय आयात।

(3) जिस माल के आयात के लिए लाइसेंस दिया गया है वह माल यदि लाइसेंस में अन्यथा उल्लिखित न हो तो डिस्पोजल के माल से इतर नया माल होगा।

4. इस आदेश के अधीन प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसी अन्य शर्तें भी हो सकती हैं जो अधिनियम या इस आदेश से असंगत नहीं हों और जिन्हें लाइसेंस प्राधिकारी ठीक समझे।

“(4A) प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण सम्बन्धी भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका समझौता जापान की शर्तानुसार यदि कोई व्यक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका से माल का आयात करता है तो उसे ऐसे जापान की शर्तानुसार जारी किए गए आयात प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट सभी शर्तों और आवश्यकताओं का, और इस माल के आयातकर्ता द्वारा भारत सरकार के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार को दिए गए ऐसे अन्य आवश्यकताओं का भी अनुपालन करना होगा।”

4(ख) लाइसेंस में सम्मिलित बल बिना मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की लिखित अनुमति के आयात नहीं किया जाएगा।

5. लाइसेंस धारक केन्द्रीय सरकार द्वारा लगाई या सगाई जाने वाली सभी शर्तों का पालन करेगा।

6. लाइसेंस संजूर न करना :—(1) केन्द्रीय सरकार या आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी निम्नलिखित स्थितियों में लाइसेंस देने से इन्कार कर सकते हैं या लाइसेंस देने वाले किसी अन्य प्राधिकारी को लाइसेंस प्रदान न करने के लिए कह सकते हैं :—

- (क) यदि इस उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा उपलब्ध न हो;
- (ख) यदि आवेदक को लाइसेंस देना राज्य के हितों के विरुद्ध हो;
- (ग) यदि सामग्री का आयात और वितरण किसी विशेष या विशेषज्ञ एजेंसी या किसी अन्य माध्यम से सम्पूर्ण करने का निश्चय किया गया हो;
- (घ) यदि आवेदक किसी भागीदार फर्म में साझेदार या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का निदेशक हो जिसके सम्बन्ध में फिलहाल खण्ड 8, 8क या 8ख के अधीन कोई कार्रवाई की जा रही हो;

(घ) यदि आवेदन पर फिलहाल खण्ड-8, 8क या 8ख के अधीन कार्यवाही की जा रही है;

(ङ) यदि आवेदक ऐसी भागीदारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी है, तो उसका कोई साझे या पूर्णकालिक निदेशक अथवा संचालक, जैसी भी स्थिति हो, जिसके विरुद्ध खण्ड 8, 8क या 8ख के अधीन कार्रवाई की जा रही है;

(च) यदि सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन आवेदक से जो राशि जमा करने के लिए कहा गया है या उक्त अधिनियम के अधीन उस पर जो जुर्माना किया गया है, वह तीन महीने से दिया नहीं गया है; और

(छ) यदि आवेदक अधिनियम के अन्तर्गत अंतिम रूप से उस पर लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने में असमर्थ रहता है।

(2) उप-खण्ड (1) के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करने से इन्कार कर देने पर उस अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित आयात नीति और लागू क्रियाविधि के अधीन की जाएगी;

7. लाइसेंस में संशोधन :—लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी स्वयं या लाइसेंसधारी द्वारा आवेदनपत्र दिए जाने पर इस आदेश के अधीन दिए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो लाइसेंस को इस अधिनियम या इस आदेश या उस समय लागू किसी कानून के उपबंधों के अनुसार बनाने के लिए या लाइसेंस की किसी अशुद्धि या त्रुटि को सुधारने के लिए आवश्यक हो, लेकिन लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी लाइसेंसधारी के अनुरोध पर लाइसेंस में जो भी संशोधन करेगा वह आयात व्यापार नियंत्रण विनियम-मावली के अनुसार ही करेगा।

8. माल आयात करने से, लाइसेंस प्राप्त करने से या आयातित माल के आबंटन से बंचित करने का अधिकार :—

(1) केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी किसी लाइसेंसधारी या आयातक या किसी अन्य व्यक्ति को सभी से या निम्नलिखित में से प्राप्त एक अर्थात् माल का आयात करने या लाइसेंस प्राप्त करने या आयातित माल को भारतीय राज्य व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से या सीधे आबंटन के लिए बंचित कर सकते हैं और उसके विरुद्ध इस सम्बन्ध में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल असर डाले बिना यह आदेश दे सकते हैं कि कोई लाइसेंस या आयातित माल का आबंटन नहीं किया जाएगा और उसे इस आदेश के अन्तर्गत एक निश्चित अवधि के लिए माल का आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्र किसी भी समय इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार न पाया जाए; या
- (ख) यदि ऐसे आवेदन-पत्र में कोई कथन मिथ्या कपटपूर्ण या भ्रामक हों; या
- (ग) यदि यह पता लगे कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में किसी ऐसे प्रलेख का उपयोग किया है जो मिथ्या या जाली है या जिसमें तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया है; या
- (घ) यदि उसने, किसी भी समय, आयात लाइसेंस में कोई हेरफेर किया हो या बिना लाइसेंस के माल आयात किया हो या अपने व्यापार के सिलसिले में या लाइसेंस प्राप्त करने के किसी अष्ट तरीके या धोखाधड़ी के कार्य में शामिल हो कर या किसी लाइसेंसधारी को कुछ प्रलोभन देकर या अन्यथा कोई लाइसेंस प्राप्त करने की कोशिश करता पाया गया हो; या
- (ङ) यदि किसी तरफ से उसके किसी एजेंट या कर्मचारी ने लाइसेंस प्राप्त करने में कोई अष्ट तरीका अपनाया हो या धोखाधड़ी के किसी काम में शामिल हुआ हो; या
- (च) यदि उसने लाइसेंस या लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र में दी गई या उसके साथ लगी शर्तों का पालन नहीं किया हो या उल्लंघन किया हो या उल्लंघन करने का प्रयास किया हो या उल्लंघन करने के लिए किसी को प्रेरित किया हो; या
- (छ) यदि उसने सीमा शुल्क, माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा से सम्बद्ध किसी कानून को भंग (किसी नियम, आदेश या विनियम सहित) किया हो; या
- (ज) यदि उसने आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक या लाइसेंस देने वाले किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा मांगी गई कोई सूचना न दी हो या कोई दस्तावेज प्रस्तुत न किया हो; या
- (झ) यदि वह डी० जी० टी० डी० अथवा किसी अन्य संबंधित प्रयोजक प्राधिकारी को नियमित रूप से उत्पादन विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थ हो या;
- (ञ) यदि वह आयातित माल के संबंध में वितरण पर नियंत्रण, जहाँ पर नियंत्रण लागू हो, करने में असमर्थ हो।
- (2) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी विशिष्ट लिखित आदेश द्वारा :—

(क) विवर्जित कर सकता है—

- (1) उस व्यक्ति को जिसके संबंध में विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी कार्यकलाप निरोध अधिनियम, 1974 (1974 का

52) (इसके बाद 1974—अधिनियम कहा गया है) के अधीन कारावास का आदेश लागू किया गया हो; या

- (2) उस साक्षीदार फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साक्षीदार या पूर्णकालिक निवेशक अथवा प्रबंध संचालक हो, को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम अथवा किसी अन्य ऐसे ही अभिकरण के माध्यम से लाइसेंस अथवा आयातित माल का आबंटन प्राप्त करने से; और

- (ख) ऐसे व्यक्ति साक्षीदार फर्म या कम्पनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है इस पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना वह निदेश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति साक्षीदार फर्म या कम्पनी को ऐसे विशेष आदेश में निदिष्ट अवधि के लिए माल के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी और लाइसेंस अथवा आयातित माल का आबंटन प्रदान नहीं किया जाएगा।

शर्त यह होगी कि ऐसे व्यक्ति, या जैसा भी मामला हो, साक्षीदार फर्म या कम्पनी जिसका वह व्यक्ति साक्षीदार या पूर्णकालिक संचालक या प्रबंध संचालक हो, के सम्बन्ध में ऐसा विशिष्ट आदेश तब लागू नहीं होगा जब कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कारावास का आवेदन :—

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड-9 या खण्ड 12-क के परन्तुक लागू न होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश इस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (2) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश खण्ड-9 के उपखण्ड (3) के अन्तर्गत पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 9 के उप-खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड-8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो, अथवा
- (3) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 12 (क) के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आवेदन उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत

प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12क के उप-खण्ड (6) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

- (4) सक्षम अधिकारी क्षेत्र की अदालत द्वारा वह कारावास का आदेश हटा दिया गया हो।

(3) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी एक आयातक अथवा लाइसेंसधारी अथवा अन्य किसी भी व्यक्ति को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम या इससे मिलते जुलते किसी अन्य अभिकरण के माध्यम से किसी भी माल का आयात करने अथवा लाइसेंस प्राप्त करने अथवा आयातित माल का आबंटन करने से रोक सकती है और इस मामले में ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध की जाने वाली अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त यह निर्देश दे सकती है कि ऐसे व्यक्ति को न तो कोई लाइसेंस और न ही आयातित माल का आबंटन प्रदान किया जाएगा और इस आदेश के अन्तर्गत विनिश्चित अधिकार के लिए ऐसे व्यक्ति को किसी भी माल का आयात करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी यदि केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी के विचार में,

(क) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति; या

(ख) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, साझेदार फर्म अथवा एक लिमिटेड कंपनी हो या उसके साझेदार अथवा पूर्ण कालिक निदेशक अथवा प्रबंध संचालक हो;

(ग) अहां, जैसा भी मामला हो, ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति साझेदार फर्म में साझेदार हो अथवा लिमिटेड कंपनी, साझेदारी की फर्म या साझेदारी की लिमिटेड कंपनी में पूर्ण कालिक निदेशक अथवा प्रबंध संचालक हो

(1) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति अथवा ऐसा साझेदार अथवा पूर्ण-कालिक निदेशक अथवा प्रबंधक संचालक अथवा ऐसी साझेदार फर्म अथवा लि० कंपनी जैसा भी मामला हो, प्रदान किये गये किसी भी आयात लाइसेंस का बिना किसी उचित कारण के इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा हो अथवा पूर्णरूप से इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा है; अथवा

(2) निर्यात (निर्यात) आदेश, 1977क की धारा 7क उप-धारा (3) की कन्डिका (1) में निर्दिष्ट कोई कार्य किया है।

8क. माल का आयात करने, लाइसेंसों की मंजूरी या आयातित माल के आबंटन को स्थगित करने के अधिकार :—

केन्द्रीय सरकार का आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी भी व्यक्ति द्वारा माल का आयात अथवा लाइसेंस की मंजूरी या भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से लाइसेंसधारी को या आयातक को या किसी अन्य व्यक्ति को आयातित माल का आबंटन तब तक के लिए रोक सकते हैं जब तक कि उसके विरुद्ध खण्ड 8 में दिए गए एक या इससे अधिक आरोपों की जांच का निर्णय न हो जाए। लेकिन इससे उसके विरुद्ध की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइसेंस की मंजूरी या आयातित माल का आबंटन सामान्य रूप से 12 महीने से अधिक अवधि के लिए स्थगित नहीं किया जाएगा;

किन्तु स्थगन का ऐसा आदेश बापिन लिए जाने पर उप-युक्त प्राधिकारी जो शर्तें, पाबन्दियां या सीमाएं निर्धारित करना उचित समझे, उन शर्तों, पाबन्दियों और सीमाओं के अधीन स्थगन की अवधि के लिए विदेशी मुद्रा की स्थिति, स्वदेशी उत्पादन और अन्य संगत कारणों को ध्यान में रखते हुए लाइसेंस या आयातित माल का आबंटन कर सकता है।

8ख. लाइसेंस के लिए आवेदन या आयातित माल के आबंटन को स्थगित करने के अधिकार :—

जब किसी लाइसेंसधारी या आयातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध खण्ड 8 में उल्लिखित किसी आरोप की जांच चल रही हो और केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी इन बातों से संतुष्ट हों कि उक्त आरोप के बारे में और औरा प्राप्त किए बिना लाइसेंस देना या आयातित माल का आबंटन करना लोक हित में नहीं है आवेदन में उल्लिखित किसी भी बात के बावजूद ऐसे व्यक्ति से लाइसेंस के लिए प्राप्त आवेदन पर निर्णय को स्थगित कर सकते हैं या भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी को ऐसे व्यक्ति को आयातित माल का आबंटन बिना किसी कारण बताए और इन बातों में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्थगित रखने के लिए आदेश दे सकते हैं :—

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइसेंस की मंजूरी या आबंटन सामान्य रूप से 6 महीने से अधिक समय के लिए स्थगित नहीं किया जाएगा।

8ग. खण्ड 8 या 8क के अधीन की गई कार्रवाई का प्रचार

(1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में जिस व्यक्ति या व्यक्तियों के विरुद्ध खण्ड 8 या 8-क के अधीन कार्रवाई की गई है उनके या उसके नाम तथा अन्य सम्बद्ध विवरण लोक हित को ध्यान में रखते हुए प्रकाशित करना जरूरी या लाभप्रद है तो वह ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम तथा इस प्रकार का विवरण जिस तरीके से चाहे प्रकाशित कर सकती है अथवा प्रकाशित करवा सकती है।

(2) यदि अपील दायर न की गई हो तो जब तक अपील प्राधिकारी के पास अपील दायर करने की अवधि समाप्त न हो जाए तब तक और यदि अपील दायर की गई हो तो जब तक अपील पर निर्णय न हो जाए तब तक इस संबंध में की गई इस प्रकार की किसी भी कार्रवाई के बारे में उप-खण्ड (1) के अधीन कुछ भी प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

व्याख्या :—किसी फर्म, कंपनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के बारे में यदि केन्द्रीय सरकार की राय में मामले की परिस्थितियाँ उचित ठहरें तो जसा भी मामला हो, फर्म के साझेदार के नाम, कंपनी के निदेशकों, प्रबन्ध एजेंटों, सचिवों, और खजांचीयों या प्रबन्धकों के नाम या संस्था के सदस्यों के नाम प्रकाशित किए जा सकते हैं।

9. लाइसेंस रद्द किया जाना :—(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या इस सम्बन्ध में प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत दिए गए किसी भी लाइसेंस को निम्नलिखित परिस्थितियों में रद्द कर सकता या उसे निष्प्रभावी बना सकता है:—

- (क) यदि लाइसेंस भूल से या गलती से जारी किया गया हो या धोखेबाजी अथवा तथ्यों को गलत बयान करके प्राप्त किया गया हो;
- (ख) यदि लाइसेंस इस आदेश के उपबन्धों या नियमों के विपरीत प्रदान किया गया हो;
- (ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन किया हो;
- (घ) यदि केन्द्रीय सरकार या सम्बद्ध अधिकारी को यह विश्वास हो कि जिस प्रयोजन के लिए लाइसेंस दिया गया या उससे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा;
- (ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशूलक के किसी कानून या समान आयात-निर्यात सम्बन्धी किसी नियम और विनियम या विदेशी मुद्रा सम्बन्धी किसी विनियम का उल्लंघन किया हो।

(2) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अथवा इस सम्बन्ध में अन्य कोई प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशिष्ट आदेश द्वारा इस आदेश के अन्तर्गत निम्न-

लिखित को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को अप्रभावी कर सकता है:—

- (क) एक व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में अधिनियम, 1974 के अन्तर्गत कारावास का आदेश लागू किया गया हो, अथवा
- (ख) एक साझेदार फर्म अथवा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को जिसका वह व्यक्ति साझेदार अथवा पूर्णकालिक निदेशक या प्रबन्ध संचालक, जैसा भी मामला हो।

शर्त यह होगी कि ऐसा विशिष्ट आदेश उस व्यक्ति के सम्बन्ध में या उस साझेदारी की फर्म या कंपनी के सम्बन्ध में लागू नहीं होगा जिसका वह व्यक्ति साझेदार या पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबन्ध संचालक हो जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया ऐसा कारावास आदेश :—

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए 1974 अधिनियम के खण्ड 9 या खण्ड 12-क के परन्तुक लागू होते हो इस कारण वह कारावास का आदेश इस अधिनियम के खण्डों के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (2) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश खण्ड 9 के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 9 के उप-खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो, या
- (3) वह कारावास का आदेश हो जिस के लिए अधिनियम 1974 के खण्ड 12-क के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 22-क के उप-खण्ड (6) के साथ पठित खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (4) गक्षम अधिकारी क्षत्र की अदालत द्वारा वह कारावास का आदेश हटा दिया गया हो।

(3) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम अथवा इस मामले में कोई भी प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशिष्ट आदेश द्वारा इस आदेश के अधीन जारी किए गए किसी भी लाइसेंस को अप्रभावी घोषित कर सकता है अथवा रद्द कर सकता है जब कि ऐसे लाइसेंस को रद्द करने की

प्रक्रिया उपधारा (1) के अन्तर्गत की गई हो, लेकिन फिर भी ऐसा प्रत्येक विशिष्ट आदेश ऐसे मामले में रद्द कर दिया जाएगा जिसमें लाइसेंस रद्द करने का फैसला ऐसी प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद किया गया हो।

10. सुनवाई का अवसर दिया जाना:—(1) सुनवाई का उचित अवसर दिए बिना किसी लाइसेंसधारी या किसी आयातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध धारा 7 या धारा 8 या उपधारा 8-क की उपधारा (1) या उपधारा (3) या धारा 9-क की उपधारा (1) के अन्तर्गत कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई व्यक्ति धारा 8 या धारा 8(क) की उपधारा (1) या उपधारा (3) या धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन उसके विरुद्ध की गई किसी कार्रवाई से व्यथित हो तो वह की गई कार्रवाई की सूचना दिए जाने की तारीख से 45 दिन के भीतर इस प्रचार की कार्रवाई के विरुद्ध अपील दायर कर सकता है। यह अपील उस अधिकारी के पास दायर की जाएगी जिसकी नियुक्ति अपील सुनने के लिए प्राधिकृत अधिकारी के रूप में सरकारी राजपत्र में अधिसूचित की गई हो।

(3) उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्राधिकारी आवेदक को उसकी इच्छा पर सुनवाई के लिए उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात् और आगे अपनी इच्छानुसार कोई आवश्यक पूछताछ करने के पश्चात् अपील के विरुद्ध की गई कार्रवाई की पुष्टि करने हुए उसमें आशोधन करते हुए या उसको प्रतिनोमित करते हुए ऐसा आदेश दे सकता है जो वह उचित समझे या यदि वह आवश्यक समझे तो अतिरिक्त साक्ष्य प्राप्त करने के बाद ऐसे निर्देश के साथ मामले को नई कार्रवाई या कार्यवाही के लिए वापस भेज सकता है, जिन्हें वह उचित समझे।

बशर्ते कि धारा 8 के अन्तर्गत जिस अवधि के लिए आवेदक बंचित किया गया है उसमें वृद्धि करने के लिए कोई आदेश इस धारा की उपधारा के अन्तर्गत तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसको यदि वह ऐसा चाहता है अपने पक्ष में सुनवाई के लिए प्रतिवेदन करने का अवसर प्रदान न किया गया हो।

10क. आयातित माल के मूल्य, किस्म आदि की घोषणा:—

चाहे शुल्क लगता हो अथवा नहीं, किसी भी सामान का किसी भी सीमा शुल्क गणन पर आयात करने पर, इस प्रकार के सामान का मालिक अपनी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार प्रविष्टि बिल का नियमानुसार निर्धारित किए गए प्रलेख में इस प्रकार के सामान के मूल्य, किस्म तथा गुण के बारे में विवरण देना और इस प्रकार के प्रविष्टि बिल या प्रलेखों में नीचे की ओर दिए गए व्योरो के सत्य होने की घोषणा करेगा।

10क. आयातक-नियंत्रक (आई. ई. सी.) कोड संख्या के रूप में घोषणा:—

किसी भी सीमा शुल्क पत्र पर किसी भी माल का आयात या उमा निर्यात करने समय आयातक या निर्यातक/आयात एवं प्रविष्टि बिल अथवा सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) और आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम (1947 का 18) के तहत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेजों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसको आबंटित "आयातक-निर्यातक कोड संख्या" का अभिलेख करेगा और ऐसे प्रविष्टि बिल अथवा दस्तावेज के अन्त में इस प्रकार के लिए किए गए अभिलेख की सुनवाई के समर्थन में घोषणा देगा। जहां पर आयातक या निर्यातक को इस प्रकार की आयात-निर्यात कोड संख्या प्राप्त करने में छूट प्राप्त है वहां वह इस प्रकार की छूट प्रदान करने वाले मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात प्राधिकारी का नाम बतायेगा।

10ख. आयातित माल का उपयोग:—(1) भारतीय व्यापार निगम द्वारा या मान्यता प्राप्त किसी अन्य एजेंसी द्वारा किए गए आबंटन या वितरण के दौरान प्राप्त किए गए किसी भी आयातित माल का उपयोग कोई भी व्यक्ति केवल उसी तरीके से और उसी उद्देश्य के लिए करेगा जिसकी उसने आबंटन या वितरण के लिए अपने आवेदनपत्र में या ऐसी आवेदनपत्र की पुष्टि में दिए गए दस्तावेज में घोषणा की हो।

(2) धारा 10(ग) के उपबन्धों के अधीन कोई भी व्यक्ति लाइसेंस के मद्दे आयात किए गए माल को, आयात व्यापार के नियंत्रण अधिनियम के अधीन जारी किए गए प्राधिकार पत्र के बल पर तब तक न तो उपयोग करेगा न बेवेगा जब तक कि ऐसी प्राधिकारपत्र में ऐसा करने की शर्तें न हों।

10ग. कुछ मामलों में आयातित माल को बिक्री के लिए निवेश देने का अधिकार:—

(1) जिस मामले में माल का आयात करने पर या उसके बाद किसी समय भी, मामले की सुनवाई के लिए लाइसेंसधारी को उचित अवसर प्रदान करने के बाद मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसे माल का उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है अथवा नहीं किया जाना चाहिए तबके लिए वह आयात किया गया था तो वह आदेश द्वारा माल के आयात को (यदि माल का आयात खुले सामान्य लाइसेंस अथवा विशेष सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया हो) अथवा लाइसेंसधारी को या ऐसे माल को या अधिकतर नियंत्रण में रहने वाले किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे माल का ऐसे व्यक्ति को ऐसे समय के

भीतर, ऐसी कीमत पर और ऐसे तरीके से बेचने का निर्देश दे सकता है जो उस निर्देश में उल्लिखित हों।

- (2) उप खंड (1) के अधीन निर्धारित किये जाने वाले मूल्य से सामान के उतारने तक की कुल कीमत छुड़ाई और छुड़ाई तथा इस संबंध में मामले की परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जो भी प्रासंगिक खर्च उचित समझे जाएं, शामिल किए जाएंगे।

- (2-क) यदि माल का आयात भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन इसी प्रकार के किन्हीं अन्य संस्थानों या एजेंसियों या किसी अन्य मान्यताप्राप्त एजेंसी की मार्फत किया गया हो और इन प्रकार आयात किया गया सामान किसी व्यक्ति को आबंटित किया गया हो तो ऐसे व्यक्ति को भी मुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

- (3) जिस लाइसेंसधारी या व्यक्ति को खण्ड (1) के अधीन कोई निर्देश दिया जाए, उसे उप निर्देश का पालन करना होगा।

10. (घ) किसी घोषणा पत्र, विवरणपत्र, या हस्ताक्षर पर हस्ताक्षर करने या बिना की मनाही :—

(1) यदि किसी व्यक्ति को यह ज्ञान हो या उसके पास यह मानने का पर्याप्त आधार हो कि किसी घोषणा, वस्तुस्थिति या प्रलेख में कोई बयान गलत दिया गया है तो वह कोई लाइसेंस प्राप्त करने या किसी प्रकार का सामान आयात करने के प्रलेख नहीं देगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करेगा और न ही किसी दूसरे से ऐसी घोषणा करवायेगा या वस्तुस्थिति नहीं दिलावाएगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करवाएगा और न उन्हें हस्ताक्षर करेगा और न ही किसी को हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित करेगा।

(2) लाइसेंस प्राप्त करने या कोई माल आयात करने के लिए कोई भी व्यक्ति कोई झूठ तरीका या कपटपूर्ण पद्धति नहीं अपनाएगा।

10ड. मुख्य नियंत्रक/अपर मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधन करने का अधिकार :—

मुख्य नियंत्रक अथवा अपर मुख्य नियंत्रक अपनी इच्छा-नुसार या अन्यथा रूप में किसी भी ऐसी कार्रवाई के रिकार्ड को मंगवा सकता है और जांच पड़ताल कर सकता है जिसमें उसके अधीनस्थ किसी भी अधिकारी द्वारा धारा 8 की उप-धारा (1) अथवा उप-धारा (3) के अन्तर्गत विवरित

करने या धारा 9 की उप धारा (1) के अन्तर्गत लाइसेंस रह करने की कार्रवाई की गई हो अथवा उसे पूर्ण किया गया हो (जो भी कुछ इसका परिणाम हो) और ऐसी कार्रवाई के सही होने, वैधानिकता अथवा औचित्य के लिए उसको संतुष्ट करने के प्रयोजनार्थ कोई शरील प्रस्तुत न की गई हो और उस कार्रवाई पर ऐसे आदेश दे सकता है जो वह ठीक समझे।

बनते कि इस उप-धारा के अन्तर्गत की गई कोई भी कार्रवाई इस सीमा तक परिवर्तित नहीं होगी कि वह किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले जब तक कि वह व्यक्ति—

- (1) ऐसी कार्रवाई की जाने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के भीतर यह कारण प्रमाणित करने का एक नोटिस प्राप्त न कर ले कि ऐसी कार्रवाई परिवर्तित क्यों न कर दी जाए; और
- (2) जब तक कि उसे प्रतिवेदन देने का उचित प्रबन्ध प्रदान न किया गया हो और यदि वह ऐसा चाहे तो बकाय के लिए मुनवाई का मुकदमा न दिया गया हो।

11. बचाव खण्ड :—(1) इस आदेश में से कोई भी बात निम्नलिखित किसी भी माल के आयात पर लागू नहीं होगी :—

- (क) रक्षा कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण या स्वामित्व के अधीन एजेंसियों/उपक्रमों द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुएं।
- (ख) आपूर्ति मंत्रालय के क्रय संगठन के अधिकरण अर्थात् सन्तत स्थित इण्डिया मण्डली मिशन और वाणिज्य मंत्रालय स्थित इण्डिया मण्डली मिशन की मार्फत केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार, सांविधिक निगम, सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टाक कम्पनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम द्वारा आयात किया जाने वाला सामान;
- (ग) केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी सांविधिक निगम या सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टाक कम्पनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम द्वारा आयात किया जाने वाला ऐसा सामान जिसके बारे में आदेश महा-निदेशालय पूर्ति और निपटान, नई दिल्ली की मार्फत दिये जाते हों;

(घ) बाह्यनान्तरण द्वारा या आयातित और आ पहुंचने पर पोत भंडार के रूप में या अन्य प्रकार से भारत से बाहर परन्तु नेपाल, भूटान और भूटान को छोड़कर किसी देश को पुनः निर्यात के लिए बाण्डिड या आयातित और आ पहुंचने पर यथापूर्वोक्त पुनः निर्यात के लिए आयातित

माल प्रन्तु बाद में राजनयिक कर्मचारियों, भारत में कानसुलर अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र संघ के कर्मचारियों और उसकी विशेष एजेन्सियों को रिहा किया गया माल जिन्हें क्रमशः वित्त मंत्रालय (डी० आर०) अधिवचना सं० 3 दिनांक 8 जनवरी, 1957 और संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार तथा प्रतिरक्षण) अधिनियम, 1947 के अधीन शुल्क का भुगतान करने से छूट है;

- (घ) अनुमोदित कर मुक्त दुकानों पर बिक्री के लिए पहुंचने पर आयातित और बान्निड चाहे वह स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे बाहर जाने वाले या आने वाले यात्रियों के लिए हों;
- (ङ) ऐसा सामान जो डाक द्वारा या अन्यथा रूप से भारत के रास्ते से भेजा जा रहा हो या उसे नेपाल, तिब्बत और भूटान को छोड़कर डाक द्वारा या अन्यथा रूप से भारत से बाहर किसी अन्य देश को पुनः प्रेषित किया जा रहा हो, परन्तु शर्त यह है कि ऐसा सामान भारत में जब तक रहे तब तक वह डाक/सीमा शुल्क प्राधिकारियों के कब्जे में रहे;
- (च) शुल्क में छूट या शुल्क की पूर्णरूप से या आंशिक रूप से वापसी का दावा करते हुए नेपाल, तिब्बत और भूटान को भारत के रास्ते से वायुमार्ग द्वारा अफगानिस्तान को या स्थल मार्ग से भारत से बाहर किसी अन्य देश को भेजा जाने वाला माल, परन्तु शर्त यह है कि सामान का आयात किसी ऐसे देश द्वारा स्वयं या उसकी सरकार की ओर से किया गया हो जिसकी सीमा भारत से लगती हो या आयातकर्ता यह वचन दे कि वह निश्चित अवधि के भीतर यह प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर देगा कि इस प्रकार का सामान भारत की सीमा से बाहर चला गया है और यदि ऐसा न हुआ तो वह यथोचित सीमा-शुल्क प्राधिकारी द्वारा इस सामान के बारे में जो भी जुरमना किया जाएगा वह जुरमना भरेगा, इसके अलावा यह शर्त भी होगी कि उस सामान में कोई ऐसी वस्तुएं न हों जो निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमावली के अधिकार क्षेत्र से बाहर हों;
- (छ) यात्री असबाब के रूप में किसी व्यक्ति द्वारा उस समय लागू असबाब नियमावली के अन्तर्गत स्वीकार्य सीमा तक आयात किया जा सकता है परन्तु इस सामान में अनुसूची-1 के शीर्ष सं० 29.01/45 के अन्तर्गत आने वाली 1/2 पाउंड की 500 गोलियां या 100 एम्प्यूलस से अधिक कुनैन शामिल नहीं है।

परन्तु किसी पर्यटक द्वारा किए जाने वाले आयात के मामले में शर्त यह है कि जिन मूल्यवान वस्तुओं को पर्यटक असबाब नियमावली 1978 के नियम 7 के अनुसार पुनः निर्यात करना अनिवार्य हो उसे भारत छोड़ने पर पुनः निर्यात किया जाएगा और ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि वे वस्तुएं ऐसी हैं जिनका सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) के अधीन आयात निषेध है;

इसके अलावा जिन वस्तुओं पर इस उप-पैरा के अन्तर्गत छूट दी गई है, यह छूट इस शर्त के अधीन होगी कि ऐसी वस्तुओं को बेचा नहीं जाएगा, बिक्री के लिए विज्ञापित नहीं किया जाएगा या दुकान पर प्रदर्शित नहीं किया जाएगा, जब तक कि (क) टी० बी० सैटों के मामले में, जो ऐसे व्यक्ति या यात्री या कर्मिंदार के सदस्य द्वारा छुड़ाए जाने की तिथि से कम से कम 5 वर्षों की अवधि तक प्रयोग में न लाया गया हो अथवा (ख) अन्य वस्तुओं के मामले में जब तक कि उनका बाजार भाव उनकी खरीद के नए बाजार भाव की तुलना में नए की तुलना में घट कर 50% से कम नहीं रह जाय। अन्यस्त्यों को छोड़कर जो बेचा/द्वारकर नहीं किया जा सकता यह आयातक के जीवन काल तक रहेगा और ना ही उपहार में दे सकता है।

(उछ) किसी व्यक्ति द्वारा डाक के जरिए निजी प्रयोग के लिए आयात किया गया सामान या किसी संस्थान अथवा अस्पताल द्वारा अपने प्रयोग के लिए आयात किया गया सामान, परन्तु जिसमें निम्नलिखित सामान शामिल नहीं है --

- (1) अनुसूची-1 की शीर्ष संख्या 12.05/10 के अन्तर्गत आने वाले वनस्पति बीजों के डाक पैकेट जिनका वजन एक पाउंड से अधिक हो।
- (2) अनुसूची-1 की शीर्ष संख्या-01.01/06 के अन्तर्गत आने वाली मधुमक्खियां।
- (3) अनुसूची-1 की शीर्ष संख्या 09.01/10 के अन्तर्गत आने वाली चाय।
- (4) पुस्तकें, पत्रिकाएं, जर्नल और साहित्य जिनकी फिलहाल लागू आयात नीति के अनुसार आयात करने की मनाही हो।
- (5) मान, जिसका आयात लागू आयात नीति के अन्तर्गत मरणीबद्ध है।
- (6) नशीले पेय-पदार्थ।
- (7) ग्राम्पेयस्त्र और गोला बारूद।
- (8) उपभोग इलैक्ट्रोनिक मर्दे जिनका मूल्य पांच सौ रुपए से अधिक हो (श्रवण सहायक और जीवन रक्षक उपकरण, उपस्कर एवं माधित और उनके पुर्जों को छोड़कर)।

बर्तने कि एक समय में यथा पूर्वोक्त आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 1250 रुपए से अधिक न होगा।

टिप्पणी :— उपहार में प्राप्त वस्तुओं के अलावा, अन्य वस्तुओं के मूल्य की अदायगी रिजर्व बैंक आफ इण्डिया की अनुमति से प्राधिकृत व्यापारियों के जरिए विदेशी मुद्रा में की जा सकेगी।

(ज) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा सीमा शुल्क प्राधिकारियों के लिए जारी किए गए किसी कार्यकारी अनुदेश के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं।

(झ) राजनयिकों, कंसुलरों अधिकारियों और भारत में व्यापार आयुक्तों द्वारा या उनकी ओर से आयात किया गया सामान जिस पर उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 8 जनवरी, 1957 की अधिसूचना संख्या 3 के अनुसार सीमा शुल्क अदा नहीं करना पड़ता।

(ञ) किसी ऐसे देश से आयात किया गया सामान जिसे पुनः आयात करने पर सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) की धारा 20 के अधीन भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 16 मई, 1957 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 113, तारीख 25 मार्च, 1958 की अधिसूचना सं० 103, 11-10-1958 की अधिसूचना सं० 260 और 261, 25-10-1958 की अधिसूचना सं० 269, 270, 271, 273, 274, 275, और 276 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 2-8-1976 की अधिसूचना सं० 204 अथवा यथासंशोधित अधिसूचना सं० 174, दिनांक 24-9-1966 या भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व एवं बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 103, दिनांक 16-5-1978 अथवा अधिसूचना सं० 80 दिनांक 29-8-1979 के अनुसार सीमा शुल्क नहीं देना होता है।

(ट) भारत में या विदेशों में निर्मित ऐसी वस्तुओं के पुर्जे जो विनिर्माताओं को परेपिती से मरम्मत करने और पुनः निर्यात करने के लिए प्राप्त हुए हों, परन्तु शर्त यह है कि :—

(1) सीमा शुल्क प्राधिकारियों को सम्बद्ध मामले की सत्यता पर विश्वास हो; और

(2) तारीख 9-12-1961 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 132 के अधीन पुनः आयात करने पर सीमा-शुल्क की अदायगी से छूट प्राप्त वस्तुओं से इतर वस्तुओं के मामले में आयातकर्ता सम्बद्ध पत्र पर आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी के पास यह बंध-पत्र प्रस्तुत करे कि इस प्रकार

आयात की गई वस्तुएं मरम्मत करने के बाद छ महीने के भीतर पुनः निर्यात कर दी जाएंगी।

(ठ) संयुक्त राष्ट्र संघ के प्राधिकारियों और उनकी विश्व एजेंसियों द्वारा आयात किया जाने वाला सामान जिस पर संयुक्त राष्ट्र संघ (विशेषाधिकार और प्रति-रक्षण) अधिनियम, 1947 के प्रनुसार सीमा शुल्क की छूट है।

(ड) निजी गाड़ियों के अस्थायी आयात संबंधी सीमा-शुल्क समझौते के अनुच्छेद 1 में परिभाषित गाड़ियों या उक्त समझौते के अनुच्छेद 4 में उल्लिखित उनके पुर्जे, जिन पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 53-कत, दिनांक 1 मई, 1977 द्वारा उत्तरीय या संशोधित अधिसूचना सं० 296 दिनांक 2 अगस्त, 1976, के अनुसार सीमा शुल्क की छूट है, परन्तु शर्त यह है कि—

(1) इस प्रकार की गाड़ियों या उनके पुर्जे उक्त अधिसूचना में दी गई अवधि या सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा बढ़ाई गई अवधि के भीतर पुनः निर्यात कर दिए जाएं।

(2) इस प्रकार की गाड़ियों या उनके पुर्जों के बारे में अस्थायी बाह्य आयात अनुज्ञापत्र या परागमन अनुज्ञापत्र के उपबन्धों या उक्त अधिसूचना के उपबन्धों का उल्लंघन न किया जाए;

अन्यथा इस प्रकार की गाड़ियों और संघटक पुर्जों पर इस आदेश में दिए गए उपबन्ध लागू होंगे और इस प्रकार की गाड़ियों या संघटकों को ऐसी वस्तुएं माना जाएगा, जिनका सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अनुसार आयात करने की मनाही है।

परन्तु शर्त यह है कि इन अपवादों में दी गई किसी भी बात से किसी वस्तु या किसी ऐसी अन्य मनाही या विनियमावली पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा जो ऐसी वस्तुओं को आयात किए जाने के समय लागू हों।

(ड) कोई ऐसा सामान जो नेपाल की सरकार द्वारा जारी किए गए आयात लाइसेंस में शामिल हो और आयातक यथोचित सीमा-शुल्क प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अनुज्ञित बैंक में यथोचित सीमा शुल्क प्राधिकारी को इस सम्बन्ध में जमाना दे कि वह सम्पूर्ण माल या उसके किसी भाग के सम्बन्ध में शुल्क और आयात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्धों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया जुर्माना चुकाएगा जिसके नेपाल राज्य में दाखिल होने की अनुमति नहीं है।

(ण) भारतीय निर्माता को या अन्यथा रूप से केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा मरम्मत के लिए माल और जो विदेशों में स्थित केन्द्रीय या राज्य सरकारों के किसी अन्य कार्यालयों को पुनः निर्मात किया जाता हो ।

(2) इस आदेश का कोई भी उपबन्ध भारतीय खाद्य निगम द्वारा आयात किए जाने वाले खाद्यान्न पर लागू नहीं होगा बशर्ते कि निकासी के समय आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत कर दे कि सम्बद्ध आयात के लिए केन्द्रीय सरकार ने स्वीकृति दे दी है ।

(3) इस आदेश में दिया गया कोई भी उपबन्ध मुफ्त वी जाने वाली ऐसी किसी सामग्री तथा खाद्य सामग्री के आयात पर लागू नहीं होगा जो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अनुमोदित एजेंसियों

द्वारा मुफ्त उपहार के रूप में सप्लाई की जाती है और जिन पर वित्त मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) की 21 जून, 1975 की अधिसूचना संख्या-जी० एस० आर०-766 के अधीन सीमा शुल्क की छूट प्राप्त है ।

(4) धारा 5, धारा 8-क, धारा 8-ग और धारा 10-ग को छोड़कर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस अथवा विशेष सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी माल का आयात इस आदेश में दिए गए के अनुरूप लागू नहीं होगा ।

12. निरसन:- अनुसूची 4 में दी गई अधिसूचना में निहित आदेश एतद्वारा निरस्त किए जाते हैं :-

परन्तु किए गए किसी भी कार्य या की गई किसी भी कार्रवाई को जिसमें उक्त आदेशों के अधीन की गई नियुक्ति या जारी किया गया लाइसेंस भी शामिल है, इस आदेश के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया कार्य या की गई कार्रवाई माना जाएगा ।

अनुसूची-1

(खण्ड-3 देखें)

नोट :—कालम (1) में प्रत्येक शीर्षक संख्या सीमा शुल्क (संशोधित) वर अधिनियम, 1985 (1985 का 8) की अनुसूची से संबंधित अध्याय और शीर्ष संख्या के अनुरूप है, तथा कालम (2) की प्रत्येक प्रविष्टि का वही अर्थ और सीमा है जो उक्त पहली अनुसूची के तबनुरूपी अध्याय और शीर्षक की है।

अनुभाग—1

जीवित पशु : पशु उत्पाद

अध्याय—1

जीवित प्राणी

शीर्ष सं०	वस्तु का वर्णन
(1)	(2)
01.01	जीवित घोड़े, गधे, टट्टू और खच्चर
01.02	जीवित गोजातीय प्राणी
01.03	—शुद्ध नस्ल के प्रजनन प्राणी
01.04	जीवित भेड़ और बकरियाँ
01.05	जीवित कुक्कुट अर्थात् गैलस डाम-स्टिकस जाति के मुर्गे, बतख, हंस, गीध और गिनि मुर्गे
01.06	अन्य जीवित प्राणी

अध्याय—2

मांस और खाद्य मांस अवशिष्ट

02.01	ताजा या द्रुतशीतित गोजातीय प्राणियों का मांस
02.02	गोजातीय प्राणी का हिमशीतित मांस
02.03	शूकर का ताजा, द्रुतशीतित या हिमशीतित मांस
02.04	भेड़ या बकरी का ताजा, द्रुतशीतित या हिमशीतित मांस
02.05	घोड़े, गधे, टट्टू या खच्चर का ताजा, द्रुतशीतित या हिमशीतित मांस

(1)

(2)

02.06

शूकर, भेड़, बकरी, घोड़े, गधे, टट्टू या खच्चर गोजातीय प्राणियों का ताजा, द्रुतशीतित या हिमशीतित खाद्य अवशिष्ट

02.07

शीर्ष सं० 01.05 के कुक्कुट का ताजा द्रुतशीतित या हिमशीतित मांस और खाद्य अवशिष्ट

02.08

अन्य ताजा द्रुतशीतित या हिमशीतित मांस और खाद्य मांस अवशिष्ट

02.09

शूकर की लीन मांस रहित बसा और कुक्कुट (बसा अपरिष्कृत) ताजा, द्रुतशीतित, हिमशीतित, लवणित, लवण जल में रखी शुष्कित या धूमित

02.10

लवणित, लवण जल में रखा, शुष्कित या धूमित मांस और खाद्य मांस अवशिष्ट का अपवर्ण

अध्याय—3

मछली और केस्टेशियन, मोलस्क तथा अन्य जलीय अपृष्ठवंशी

03.01

जीवित मछलियाँ

03.02

ताजी या द्रुतशीतित मछली जिनमें शीर्ष सं० 03.01 के अन्तर्गत आने वाली फिलेट मछली और अन्य मछली मांस नहीं है।

(1)	(2)	(1)	(2)
03.03	मछली, हिमशीतिल, जिनमें चीपे में 03.04 के अन्तर्गत आने वाली फिश फिलेट और अन्य मछली मांस शामिल नहीं है	04.03	छाछ, दही, जमा दूध और क्रीम, योगहट्ट, के/फिर और अन्य किण्वित या अम्लित दूध या क्रीम, चाहे वह सांद्रित हो या नहीं, उसमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं या वह सुरक्षित हो या नहीं या उसमें फल या कोको मिला हो या नहीं
03.04	मछली के टुकड़े और अन्य मछली का मांस (चाहे क्रीमा हो या नहीं) ताजे, द्रुतशीतिल या हिमशीतिल	04.04	छेने का पानी चाहे वह सांद्रित हो या नहीं या उसमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं; ऐसे उत्पाद जिनमें प्राकृतिक दुग्ध संघटक अन्तर्बिष्ट हो चाहे उनमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या अन्तर्बिष्ट नहीं है
03.05	शुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी मछली, धूमित मछली, चाहे वह धमन प्रक्रिया से पहले या उसके दौरान पकाई गई हो या नहीं; मनुष्य के उपयोग के लिए उपयुक्त मछली भोजन	04.05	मक्खन और अन्य बसा और दूध व्युत्पन्न तेल पनीर और दही
03.06	जीवित, ताजी, द्रुतशीतिल, हिमशीतिल, शुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी क्रैस्टेशिया, चाहे कवच हो या नहीं, कवच में, बाष्प में या पानी में उबालकर पकाई गई क्रैस्टेशिया, चाहे द्रुतशीतिल, हिमशीतिल, शुष्कित, लवणित, या लवण जल में रखी हों या नहीं	04.06	पनीर और दही
03.07	जीवित, ताजी, द्रुतशीतिल, हिमशीतिल, शुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी, मोलस्क, चाहे वे कवच में हों या नहीं, क्रैस्टेशिया और मालस्क जीवित, ताजी, द्रुतशीतिल, हिमशीतिल, शुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी से भिन्न, हो	04.07	पक्षियों के अण्डे, छिलके सहित ताजे, परिरक्षित या पकाए हुए
	अध्याय—4	04.08	पक्षियों के अण्डे और अण्डों का पीतक छिलके रहित, ताजे, शुष्कित, पाप द्वारा या पानी में उबाल कर पकाए गए, सांचों में ढाले गए हिमशीतिल या अन्यथा परिरक्षित चाहे उनमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं
	डेरी उत्पाद, पक्षियों के अण्डे, प्राकृतिक मधु, प्राणियों से उत्पन्न बाघ उत्पाद जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	04.09	प्राकृतिक मधु
		04.10	प्राणियों से उत्पन्न बाघ उत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या अन्तर्बिष्ट नहीं है
			अध्याय—5
04.01	दुग्ध और क्रीम जो न तो सांद्रित हों न ही उसमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो		प्राणियों से उत्पन्न उत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या अन्तर्बिष्ट नहीं है
04.02	दुग्ध और क्रीम, चाहे सांद्रित हो या भिन्नमें चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हो	05.01	मानव-बाल, अकर्मित, चाहे धुले हुए या अभिमार्जित हों या नहीं, मानव-बालों के अपशिष्ट

(1)	(2)	(1)	(2)
05.02	--सुअर, शूकर या जंगली सुअर के शूक या बाल; बैजर के बाल और भुश बनाने के लिए अन्य बाल, ऐसे शूक या बालों के अप-शिष्ट		हों किन्तु जिन्हें काटकर आकार न दिया गया हो उनके अपशिष्ट और चूर्ण
05.03	घोड़े के बाल और घोड़े के बालों के अपशिष्ट चाहे वे आधारीक पदाय सहित या उसके बिना किसी परत के रूप में रखे गए हों या नहीं	05.09	प्राणियों से उत्पन्न प्राकृतिक स्पंज
05.04	(मछली से भिन्न) प्राणियों की आंखें, मूत्राशय और आमाशय, चाहे वे संपूर्ण हों या टुकड़ों में	05.10	एम्बरग्रेस, कस्टोरियम, सिबट और कस्तूरी; कन्थे रीटीज, पित्त, चाहे सुखाया गया हो या नहीं; ग्रंथि और प्राणियों के अन्य उत्पाद जो ताजे, द्रुतशीतित, हिमशीतित या अन्यथा अनन्तित रूप से परिरक्षित भेषजिक उत्पाद तैयार करने में उपयोग किए जाते हैं
05.05	पक्षियों के पंखों या कोमल-पिच्छों सहित उनके त्वर और अन्य भाग, पंख और पंखों (चाहे उनके किनारों का कटौन किया गया हो या नहीं) और कोमल पिच्छों के भाग; जो परिरक्षण के लिए साफ़ करने, विसंक्रमण या अभिक्रियाकरण के अतिरिक्त और क्रमित नहीं किए गए हैं; पंख या पंखों के भागों के चूर्ण और अपशिष्ट	05.11	प्राणियों से उत्पन्न ऐसे उत्पाद, जो अन्यथा विनिर्दिष्ट या अन्तर्विष्ट नहीं हैं अध्याय 1 या 3 के अन्तर्गत आने वाले मृत प्राणी जो मानव उपयोग के लिए अयोग्य हैं
			अनुभाग--2
			अनस्पति उत्पाद
			अध्याय--6
05.06	हड्डियाँ और शृंग फोड, जो अकर्मित, निर्वसीकृत, केवल तैयार (किन्तु जिन्हें काटकर आकार न दिया गया हो) अम्ल से अभिक्रियित या अजिल टिनकृत हों, इन उत्पादों का चूर्ण और अपशिष्ट		जीवित वृक्ष और अन्य पौधे, शल्ककंद और जड़ें और उसी प्रकार की चीजें काटे गए फूल और अलंकृत पत्र समूह
05.07	हाथी दांत, कण्ठप कवच, हेबलास्थि और हेबलास्थि बाल, सींग, शृंगार, खुर, नाखून, मखर और चौंच, जो अकर्मित और केवल तैयार हों किन्तु जिन्हें काटकर आकार न दिया गया हो; इन उत्पादों के चूर्ण और अपशिष्ट	06.01	शल्ककंद, कंद, गांठदार मूल, धनकंद, शिखर और प्रकन्द, जो प्रसुप्त, बढ़ोत्तरी या पुष्प अवस्था में हैं शीर्ष सं० 12.12 के अन्तर्गत आने वाली जड़ों से भिन्न विकोरी पौधे और जड़ें
05.08	मूंगा और वसी ही सामग्री जो, अकर्मित या केवल तैयार हों किन्तु अन्यथा कर्मित न हों, मोसस, फ्रेस्टेशिया या एकाईनोडर्म के कवच और पशु-हड्डी, जो अकर्मित और केवल तैयार	06.02	अन्य जीवित पौधे (जिनके अन्तर्गत उनकी जड़ें भी हैं), कटिंग और स्लिवें; छलक जनावर
		06.03	ताजा, शुष्कित, रंजित, विरंजित, संसेचित या अन्यथा इस प्रकार के काटे गए फूल और कलियाँ, जो पुष्प गुच्छों के लिए या अलंकरण प्रयोजनों के लिए उपयुक्त हैं

(1)	(2)	(1)	(2)
06.04	ताजा, शुष्कित, रंजित, विरंजित संश्लिष्ट या अन्यथा निमित्त पर्ण समूह, शाखाएं और पौधों के अन्य भाग, पुष्प या पुष्प कलियों के बिना और घास, मोस और लाइकेन, जो इस प्रकार का भाल है जो पुष्प गुच्छों या अलंकरण प्रयोजनों के लिए उपयुक्त है।		उपयोग के लिए उस अवस्था में अनुपयुक्त हैं।
	अध्याय—7 खाद्य वनस्पतियां तथा कुछ जड़े और कंद	07.12	शुष्कित वनस्पति जो भावत, कटी हुई, स्लाइस की हुई, तोड़ी हुई या चूरा की हुई हो, किन्तु और निमित्त न हों।
07.01	ताजे या द्रुतशीतित भालू	07.13	छिलके वाली शुष्कित फलीदार वनस्पति, चाहे वह छिलकेदार हो या बिना छिलके के, चाहे विभक्त की हुई हो या बिना विभक्त की हुई।
07.02	ताजे या द्रुतशीतित टमाटर	07.14	ताजा या शुष्कित मैनिओक, अरारूट, सालेप, जंकसलम आरटीचोक्स, शकरकंदी और वैसी ही जड़ें और कंद, जिनमें स्टाच और इन्सुलिन की मात्रा अधिक हो, जो चाहे स्लाइस किए हुए हों या नहीं, चाहे गुटीका के रूप में हों या नहीं, साबुदाने का पिच।
07.03	ताजी या द्रुतशीतित प्याज, शैलट, लहसुन, लीक और अन्य लगुनी वनस्पतियां।		अध्याय—8 खाद्य फल और गिरी फल, निम्बुकुल फल या तरबूज के छिलके
07.04	ताजी या द्रुतशीतित बन्दगोभी, फूलगोभी, कोह्लीगोभी, केन और उसी प्रकार के खाद्य ब्रेसिका	08.01	ताज या शुष्कित नारियल, बाजील नट और काजू, चाहे वे छिलके सहित हों या छिलके रहित।
07.05	ताजा या द्रुतशीतित सलाद (लेकटा सैटीवा) और कामनी (साइकोरियम एस पी पी)	08.02	ताजे या शुष्कित नारियल, गिरी फल, चाहे वे छिलके सहित हों या छिलके रहित।
07.06	ताजा या द्रुतशीतित गाजर, शलजम, सलाद, चुकन्दर सैलसिफाई, सेलेरिएक, मूली और ऐसी ही खाद्य जड़ें।	08.03	केले, जिसके अन्तर्गत कदली भी हैं, ताजे या शुष्कित
07.07	ताजे या द्रुतशीतित खीरे और घेरकित।	08.04	छुहारा, अंजीर, अनन्नास, एबोका-डोस, अमरूद, आम और मैंगो-स्टीन, ताजे या शुष्कित।
07.08	ताजी या द्रुतशीतित छिलके वाली या छिलके के बिना फलीदार वनस्पतियां	08.05	निम्बुकुल फल, ताजे या शुष्कित
07.09	ताजी या द्रुतशीतित अन्य वनस्पतियां।	08.06	अंगूर ताजे या शुष्कित
07.10	हिमशीतित वनस्पतियां (बिना पकाई गई या भाप या पानी में उबाल कर पकाई गई)।	08.07	खरबूजा (जिसमें तरबूज सम्मिलित है) और पपीते, ताजे
07.11	वनस्पतियां जो (उदाहरणार्थ, सल्फर डाइआक्साइड गैस में या लवण जल में, गन्धक जल में या अन्य परिरक्षित घोल में) अनन्तम रूप से परिरक्षित है किन्तु नुरन्त	08.08	सेब, नाशपाती और किसस ताजे

(1)	(2)	(1)	(2)
08.09	खुबानी, चेरी, आड़ू (जिसमें नेक्टरेडन, सम्मिलित है) प्लम और स्लो, ताजे	09.06	दालचीनी और दालचीनी वृक्ष-फल
08.10	अन्य फल, ताजे	09.07	लौंग (पूर्ण फल, लौंग और टहनियाँ)
08.11	फल और गिरी, बिना पकाए गए या वाष्प द्वारा या जल में उबालकर पकाए गए हिमशीतित, चाहे उसमें अतिरिक्त चीनी या अन्य मधुरित सामग्री हो या नहीं	09.08	नायफल, जाबिर्दी और इलायची
08.12	फल और गिरी जो अनन्तिम रूप से परिरक्षित हैं (उदाहरणार्थ सल्फरडाइआक्साइड गैस से सवण जल में गंधक जल में या अन्य परिरक्षक घोलों में) किन्तु उस अवस्था में तुरन्त उपभोग के लिए अनुपयुक्त हैं	09.09	शतपुष्पा, बेडियन, मौफ, धनिया, जीरा, अजवायन या जुनिपर के बीज
08.13	फल, शुष्कित जो शीर्ष सं० 08.01 से 08.06 से भिन्न हैं, इस अध्याय में के गिरी या शुष्कित फलों का मिश्रण।	09.10	अदरक, केसर, हल्दी, (कुरकुमा), अजवायन, तेजफल, करी और अन्य मसाले
08.14	निम्बुकूल फल या तरबूज के छिलके (जिसके अन्तर्गत ताजे तरबूज भी हैं) ताजे, हिमशीतित, शुष्कित या सवण जल में, गंधक जल में या अन्य परिरक्षक घोलों में परिरक्षित		
अध्याय—9		अध्याय—10	
काफी चाय, मेट और मसाले		धान्य	
09.01	काफी, चाहे भुनी हुई या कैफीन मुक्त की हुई हो या नहीं, काफी की भूसी और छिलके, काफी के वे अनुकल्प जिसमें किसी भी अनुपात में काफी है	10.01	गेहूं और मेसलीन —इयूरम गेहूं —अन्य
09.02	चाय	10.02	राई
09.03	मेट	10.03	जौ
09.04	पाइरर वंश के काली निचं; कैपसिकम वंश या पाइमेंटा वंश के शुष्कित या संदलित अथवा पिसे फल।	10.04	जई
9.05	वैनिला	10.05	मक्का (मकई)
		10.06	चावल
		10.07	—अनाद चरी
		10.08	कटु, ज्वार और कैनेरी बीज तथा अन्य धान्य
		अध्याय—11	
		कुटाई उद्योग के उत्पाद, माल्ट और स्टार्च, इन्सुलिन ग्लूटेन	
		11.01	गेहूं या मैसलिन आटा
		11.02	गेहूं या मैसलिन के आटे में मिला किसी धान्य का आटा
		11.03	—धान्य दलिया, चूर्ण और पैलेट्स
		11.04	अन्यथा कमित धान्य अन्न (उदाहरणार्थ छिलका उन्नाय दुआ, बेलित, फ्लेक्ड मोटी जैसा बनाया गया, स्लाइस किया गया या कुचला गया) शीर्ष सं० 10.06 के चावल, धान्य के अंकुरों, साबूत, बेलित, पत्रकित या पिसे हुए

(1)	(2)	(1)	(2)
11.05	आटा, चूर्ण और आलू के पत्रक	12.11	इस प्रकार के पोषे और पोषोंके भाग (जिनके अन्तर्गत बीज और फल भी हैं) जो प्रथमतः सुगंधित सामग्री, ओषधियों या कोटनाणी, फफूँदी नाशी या वैसे ही प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, चाहे वे ताजे या शुष्कित हों, चाहे कटे हुए, दले हुए या चूर्णित हों या नहीं
11.06	पार्थ सं० 07.13 के अन्तर्गत आने वाली शुष्कित फलीदार वनस्पतियों शीर्ष सं० 07.14 की गन्बूदाने या डों कंदमूलों का आटा और अवचूर्ण, अध्याय 8 के उत्पादों का आटा अवचूर्ण और चूर्ण		
11.07	मान्य चाहे भुना हुआ हो या नहीं	12.12	दालचीनी की फलियाँ, समुद्री शैवाल और अन्य शैवाल, चीनी चुकंदर और गन्ना, ताजा या शुष्कित चाहे पिसी हुई हो या नहीं, हृणफल और गिरियाँ और अन्य वनस्पति-उत्पाद (जिनके अन्तर्गत साइकोरियम इण्डिकाइड सेटी-कम प्रकार की बिना भुनी कासनी की जड़ें भी हैं) उस हिस्से की जो प्रथमतः मानव के उपयोग में आते हैं और किसी अन्य शीर्ष के अन्तर्गत नहीं है
11.08	म्यार्च, इन्जुलिन		
11.09	नेहें स्पूटेन, चाहे शुष्कित हो या नहीं		

अध्याय—12

तिलहन, और तेलोत्पादक फल, प्रकीर्ण फल, बीज और फल, औद्योगिक या औषधीय बीघे, पुष्पाल और चारा

12.01	सोयाबी चा टूटे हों या नहीं		
12.02	मूंगफली, बिना भुनी हुई या अन्यथा बिना पकाई गई, चाहे छिनके छतारी हुई हो या टूटी हुई हो या नहीं	12.13	अनिमित्त धान्य पुष्पाल और भूमी, चाहे काटी हुई, पिसी हुई, संपीड़ित या गुटिका के रूप में हो या न हो
12.03	आपरा	12.14	स्वीडन का जलजम, मंगोल्डस, चारे की जड़ें, सुखी घान, रिजका (अल्फाल्फा), क्लोवर, मेनफोइल, चारा काले, ल्यूपाइन्स बैच और वैसे ही हरे चारे के उत्पाद, चाहे वे गुटिकाओं के रूप में हों या नहीं
12.04	अलसी, चाहे टूटी हुई हो या नहीं		
12.05	रेप या कोल्जा बीज, चाहे टूटे हुए हों या नहीं		
12.06	सूरजमुखी बीज, चाहे टूटे हुए हों या नहीं		
12.07	अन्य तिलहन और तेलोत्पाद के फल चाहे वे टूटे हों या नहीं		
12.08	मरसों को छोड़कर, तिलहन या तेलोत्पाद की फलों का आटा और अवचूर्ण		
12.09	इस प्रकार के बीज, फल और बीजाणु जो बीने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं	13.01	लाख, प्राकृतिक गोंद, रजिन, गोंद रजिन और गुलमेंहवी
12.10	हाथ शंकु, ताजे या शुष्कित, चाहे पिसे हों या न हों, चूर्ण हो या न हो या गुटिका; ल्यूपुलिन के रूप में लें	13.02	वनस्पति रस और मार, पैकिटिक पदार्थ, पैक्टिनेट और पक्टेड; एगारथ एगार और अन्य श्लेष्मक तथा गाढ़ा करने वाले पदार्थ चाहे वे उपान्तरित हों या न हों, जो वनस्पति पदार्थों के निकाले गए हों

अध्याय—13

लाख, गोंद, रजिन और अन्य वनस्पति रस और मार

(1)	(2)	(1)	(2)
	अध्याय—14	15.03	शूकर वसा स्टीगरिन, शूकर वसा तेल, ओलिओस्टिगमिन, ओलियो तेल और कर्बी तेल, जो पायसीकृत या मिश्रित या अन्यथा निर्मित नहीं हैं
14.01	वनस्पति संप्रयन सामग्री, वनस्पति उत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	15.04	मछली या समुद्री स्तनपायी की वसा और तेल तथा उनके टुकड़े, परिष्कृत हों या न हों, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
14.02	ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उपयोग मुख्यतः भराई करने या पेड़ लगाने के लिए किया जाता है (उदाहरणार्थ बांस, रेटेन, नमकून, सरपत, ओसिर, रेफिया, माफ किया हुआ, विरंजित या रंगा हुआ धान्य पुराल और चूना छाल)	15.05	ऊन ग्रीज और उससे व्युत्पन्न वसा पदार्थ (इसके अन्तर्गत लेनोलिन भी है)
	ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उपयोग मुख्यतः भराई करने या पेड़ लगाने के लिए किया जाता है (उदाहरणार्थ कैपोंक वनस्पति तंतु और ईल घास), समर्थनकारी सामग्री सहित या रहित परतों में रखी गई हो या, न रखी गई हो	15.06	अन्य पशु वसा और तेल तथा उनके अंश परिष्कृत हों या न हों, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
14.03	ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उपयोग मुख्यतः साड़ू या बुशों में किया जाता है (उदाहरणार्थ ब्रूमकार्ने, ग्रीसावा, कच-घास और ईस्टले) हैकों या बण्डलों में हो या न हो ।	15.07	सोयाबीन तेल और उसके अंश, परिष्कृत हों या न हों, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
14.04	ऐसे वनस्पति उत्पाद जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	15.08	मूंगफली का तेल और उसका भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
	अनुभाग—3	15.09	जैतून का तेल और उसके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
	प्राणी या वनस्पति वसा और तेल तथा उनके विबलन उत्पाद, निर्मित खाद्य वसा, प्राणी और वनस्पति मोम	15.10	केवल जतून से अभिप्राप्त अन्य तेल और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों जिसके अन्तर्गत शीर्ष सं० 15.09 के अन्तर्गत आने वाले तेल और उनके भागों के साथ इन तेलों या इनके भागों में मिश्रण है
	अध्याय—15	15.11	ताड़ का तेल और उसके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
15.01	शूकर वसा; अन्य परिष्कृत शूकर वसा या कुक्कुट वसा, दाब कर या विलायक निष्कषित हो या न हो		
15.02	गोजातीय पशुओं, भेड़ों, या बकरियों की कच्ची या परिष्कृत वसा, दाब कर या विलायक निष्कषित हों या न हों		

(1)	(2)	(1)	(2)
15.12	सूरजमुखी का बीज, कुसुम या बिनीले का तेल और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों		छोड़कर जो शीर्ष सं० 15.16 के अन्तर्गत आते हैं; इस अध्याय के अन्तर्गत आने वाले प्राणी या वनस्पति बसा या तेलों के अथवा विभिन्न बसा या तेलों के भागों के अन्तर्गत मिश्रण या विनिर्मितियां, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
15.13	नारियल (खोपरा) ताड़ की गिरी या बाबसूका तेल और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों	15.19	श्रीद्वैगिक मॉन्गोबॉक्सिलिक बना अम्ल परिष्करण द्वारा तैयार अम्ल तेल श्रीद्वैगिक बसा एल्काहल
15.14	तोरिया, कांदाया या सरसों का तेल और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों ।	15.20	ग्लिसराल (ग्लिसरीन) चाहे यह शुद्ध हों या नहीं; ग्लिसराल जल और ग्लिसराल याई
15.15	अन्य अवाष्पणीय वनस्पति बसा और तेल (जिनके अन्तर्गत जो-जोबा का तेल है) और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों	15.21	वनस्पति मोम (ट्राइग्लिसराइड से भिन्न) मनुमोम, अन्य कीट मोम और स्पेमेनेटो, चाहे परिष्कृत या रंगी हों या नहीं
15.16	प्राणि या वनस्पति बसा और तेल और उनके भाग, भागतः या पूर्णतः हाइड्रोजनीकृत, अंतः एस्टरीकृत, पुनः एस्टरीकृत या इलेइडिनकृत चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु और निर्मित न किए गए हों	15.22	डेप्रान, बसा पदार्थों या प्राणी या वनस्पति मोमों के अभिक्रियण से उत्पन्न अवशिष्ट
15.17	मार्जरीन; इस अध्याय के अन्तर्गत आने वाली प्राणी या वनस्पति बसा या तेलों के अथवा विभिन्न बसा या तेलों के भागों के खाद्य मिश्रण या विनिर्मितियां, शीर्ष सं० 15.16 के अन्तर्गत आने वाली खाद्य बसा या तेलों या उनके भागों से भिन्न	<p>अनुभाग—4</p> <p>निर्मित खाद्य, पदार्थ, सुपेय स्फिरिड और सिरका तम्बाकू और तम्बाकू अनुकल्प से विनिर्मित</p> <p>अध्याय—16</p> <p>मांस मछली, अथवा कस्टेशियन या अन्य जलीय अपृष्ठवंशी निर्मितियां</p>	
15.18	प्राणी या वनस्पति बसा और तेल और उनके भाग, क्याचित, प्राक्सांकृत निर्जलीकृत, गंधकिकृत, धूमित, निर्वात या अग्निम गैस में उष्मा द्वारा बहुलीकृत या अन्यथा रासायनिक रूप से रूपांतरित उनको	16.01	मांस, मांसावशिष्ट या रक्त के मांसज और वैसे ही उत्पाद, इन उत्पादों पर आधारित खाद्य निर्मितियां
		16.02	अन्य निर्मित या परिवर्धित मांस मांसावशिष्ट या रक्त
		16.03	मांस का गाढ़ और दूध; मछली या कस्टेशियन मांसांक या अन्य जलीय अपृष्ठवंशी;
		16.04	निर्मित या परिवर्धित मछली; मछली के अण्डे से निर्मित केबियर और उनके अनुकल्प

(1)	(2)	(1)	(2)
16.05	क्रेस्टेशियन मोलस्क और अन्य जलीय अपृष्ठवंशी		निमित्तियां, जिसमें कोको चूर्ण वा अनुपात भार के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है शीघ्र से 04.01 से 04.04 के सामान का खाद्य निमित्तियां जिनमें कोको चूर्ण नहीं हों
	अध्याय—17		
	चीनी और चीनी की कन्फैक्शनरी		
17.01	गन्ना चीनी या शुक्ल चीनी और रासायनिक रूप से शुद्ध किया गया सुक्रोस, ठोस रूप में	19.02	पैस्टा, पका हुआ या भरा हुआ हो या न हो (मांस या अन्य पदार्थ सहित) या अन्यथा निर्मित जैसे कि मोटी सबई, मकरोनी, नूडल, लासगने नूची, राबियोली के खोनी, कीमा पुआव निर्मित हो या न हो।
17.02	ठोस रूपमें अन्य चीनी जिसके अन्तर्गत रासायनिक रूप से शुद्ध लेक्टोज, माल्टोस, ग्लूकोज और फल शर्करा भी हैं। चीनी का शर्बत जिसमें मिलाए हुए सुक्रिक या रंगकारी अन्य द्रव्य नहीं है, कृत्रिम मधु, उसमें प्राकृतिक मधु मिश्रित हों या न हों, करामेल	19.03	टेपिओका और स्टार्च से निर्मित उसके अनुकूल पत्र, दाने, मोती, छोट के रूप में या वैसे ही रूपों में
17.03	चीनी के निष्कर्षण या परिष्करण से परिणामी मोलेस	19.04	मक्का (कान से भिन्न धान्य या धान्य से उत्पाद को कुत्तार या भूतार प्राप्त) (उदाहरणार्थ कान पत्र), दानों के रूप में पट्टे से पका हुआ या अन्यथा निर्मित
17.04	चीनी की कन्फैक्शनरी (जिसके अन्तर्गत सफेद चाकलेट भी है) जिसमें कोको नहीं है	19.05	डबलरोटी, पेस्ट्री, कंक, बिस्कुट और अन्य बेकर का सामान उसमें कोको हो या न हो, कम्बुनियन बेकर ऐसी खाली सम्पूटिकाएं जो भोजन उपयोग के लिए उपयुक्त हैं सीलिंग बेकर राइस पेपर और वैसे ही उत्पाद।
	अध्याय—18		
	कोको और कॉको से निमित्तियां		
18.01	कोको की बीन साबूत या टूटी हुई बन्ची या भुनी हुई		
18.02	कोका खोल, भूसी, छिलका और अन्य कोको अवशिष्ट		
18.03	कोका पेस्ट निर्वसीकृत हों या न हों		
18.04	कोका मक्खन, बसा और तल		
18.05	कोको चूर्ण जिनमें चीनी या अन्य मधुरण द्रव्य नहीं हैं		
18.06	चाकलेट और अन्य खाद्य निमित्तियां जिनमें कोको है।		
	अध्याय—19		
	आम, आटे या स्टार्च दूध निमित्तियां पेस्ट्री बनाने वाले उत्पाद		
19.01	माल्ट का सार, आटा अन्नचूण स्टार्च या माल्ट के सार का खाद्य		
	अध्याय—20		
	बनस्पतियों, फलों, गिरी फलों या पौधों के अन्य भागों की निमित्तियां		
		20.01	बनस्पतियों, फल, गिरी फल और पौधों के अन्य खाद्य भाग गिरा या ऐसिडिक अम्ल द्वारा निर्मित या परिष्कृत
		20.02	टमाटर, सिरका या एमिटिक अम्ल से भिन्न रूप में निर्मित या परिष्कृत

(1)	(2)	(1)	(2)
20.03	छत्रक और कुकुरमत्ता (बुम्बी), मिर्का या ऐसीटिक अम्ल से भिन्न रूप में निर्मित या परिवर्धित	21.02	गॉस्ट (मक्रिय या निष्क्रिय), अन्य एकल-कोशिय सूक्ष्म जीव मत्तक किन्तु इसमें शीर्ष सं० 30.02 के अधीन आने वाली वेबर्सान नहीं हैं) निर्मित बेकिय पाउडर
20.04	अन्य वनस्पतियाँ, जो सिरका या ऐसीटिक अम्ल, हिमजोतित से भिन्न रूप में निर्मित या परिवर्धित हैं	21.03	सास और उसके लिए निर्मित मिश्रित मसाले और श्रत स्वादबर्धक, शरबों का घाटा और चूर्ण तथा निर्मित सरसों
20.05	अन्य वनस्पतियाँ, जो सिरका या ऐसीटिक अम्ल से भिन्न किसी वस्तु से निर्मित या परिवर्धित की गई हैं, हिमजोतित नहीं	21.04	सूप और सास तथा उनके लिए निर्मितियाँ, समायोजित मिश्र खाद्य तथा खाद्य निर्मितियाँ
20.06	चनें में परिवर्धित फल, गिरीफल, फल का छिनका और पौधों के अन्य भाग (शुष्कित, रसास या किण्वित)	21.05	ग्राइम क्रीम और अन्य खाद्य बर्फ चाहे इसमें कोको शामिल हों या न हों
20.07	जैम, फल का जैम, मामलेड, फल या गिरीफल पुरी और फल या गिरीफल पैन्ड, जो पकाई गई निर्मितियाँ हैं, या अन्य मीठा पदार्थ चाहे उनमें चीनी मिलाया गया है या नहीं	21.06	उसमें कोका मिला हुआ या नहीं खाद्य निर्मितियाँ जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
20.08	फल, गिरीफल और पौधों के अन्य खाद्य भाग, अन्यथा निर्मित या परिवर्धित, चाहे उनमें चीनी या अन्य मीठा पदार्थ या स्फिरिट मिलाई गई हों या नहीं और जो नहीं विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	22.01	अध्याय—22 सुपेय, स्प्रिट और सिरका जल, जिसके अन्तर्गत प्राकृतिक या कृत्रिम खनिज जल और वातित जल भी है, जिनमें चीनी या अन्य मधुरित पदार्थ नहीं मिला हुआ है और न ही वह सुरुक्षित है बर्फ और हिम
20.09	फलों के रस (जिसमें अंगूर मार्ल्ड भी हैं) और वनस्पतियों के रस, जो अक्रियित हैं और जिनमें स्फिरिट मिला हुआ नहीं है, चाहे उनमें चीनी या अन्य मधुरित पदार्थ मिला हुआ है या नहीं	22.02	जल, जिनके अन्तर्गत खनिज जल और वातित जल भी है, जिनमें चीनी या अन्य मधुरित पदार्थ मिला हुआ है या वह सुरुक्षित है और अन्य में एस्कोहली सुपेय, जिसमें शीर्ष सं० 20.09 के अन्तर्गत फल और वनस्पति के रस नहीं हैं
अध्याय—21			मार्ल्ड से बनी बीयर
प्रकीर्ण खाद्य निर्मितियाँ		22.03	ताजे अंगूर की शराब, जिनके अन्तर्गत पीस्टिक शराब भी है, शीर्ष सं० 20.09 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न अंगूर मसत
21.01	काफी, चाय या मेट के सार, या और मसत और इन उत्पादों के आधार से या काफी, चाय या मेट के आधार से बनी निर्मितियाँ भुनी हुई कासमी और भुनी हुई कासमी के अन्य अनुकल्प और उनके सार, सत और सांद्र	22.04	बरमूथ और ताजे अंगूरों का शराब जो पौधों या सुगंधित पदार्थों से सुशोषित है।
		22.05	

(1)	(2)	(1)	(2)
22.06	अन्य विनिर्मित मुपेय (उदाहरणार्थ माइडर, पैरीमाइड)	23.05	मृगफलों तेल के निष्कर्षण से प्राप्त खली और अन्य ठोस अवशिष्ट, चाहे वह पिना हुई या वह पेलेट के रूप में है या नहीं
22.07	प्रबलता की दृष्टि से 80 डिग्री या उससे अधिक का अविस्तीकृत एथिल ऐल्कोहल, एथिल ऐल्कोहल और अन्य स्फिरिड, विकसीकृत किसी भी सांद्रता की	23.06	शीर्ष सं० 23.04 या 23.05 के अन्तर्गत आने वाले से भिन्न वनस्पति धना या तेल के निष्कर्षण से प्राप्त खली और अन्य ठोस अवशिष्ट, चाहे वह पेलेट के रूप में हो या न हों
22.08	प्रबलता की दृष्टि से 70 डिग्री या उससे कम सांद्रता का अविस्तीकृत एथिल ऐल्कोहल स्फिरिड, लिफर अन्य स्फिरिड्स मुपेय; मुपेयों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त होने वाला योगिक एल्कोहोल्स निमित्तियां	23.07	शराब ली; अर्गल
22.09	एसाटिक अम्ल से प्राप्त सिरका और सिरके के अनुकूल	23.08	पशु-खाद्य के रूप में उपयोग किए वनस्पति पदार्थ और वनस्पति अवशिष्ट, वनस्पति अवशिष्ट और उपोत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
	अध्याय—23	23.09	पशु-खाद्य के उपयोग को निमित्तियां

खाद्य उद्योगों के अवशिष्ट और अवशिष्ट, निमित्त पशु-खारा

23.01	मांस, मांस अवशिष्ट, मछली या कस्टेशिया, मोनस्क या अन्य अलीय अष्टवर्गी का आटा, पूर्ण और डलिया, जो मानव उपयोग के आयोग्य है; निःसाध
23.02	धान्य या फलियोंदार पौधों की छीलन, कुटाई या अन्य प्रक्रिया से प्राप्त चोकर, कटे हुए टुकड़े और अन्य अवशिष्ट, चाहे वे पेलेटों के रूप में है या नहीं
23.03	सटार्थ विनिर्माण के अवशिष्ट और तत्समान अवशिष्ट बुन्दर की लुगदी, चीला विनिर्माण से प्राप्त कोई और अन्य अवशिष्ट निम्बन और भासवन लकड़हट तथा अवशिष्ट, चाहे वे पेलेट के रूप में हो या न हो
23.04	सोयाबीन तेल के निष्कर्षण से प्राप्त खली और अन्य ठोस अवशिष्ट चाहे वह पिना हुई या पेलेट के रूप में है या नहीं

अध्याय—24

तम्बाकू और विनिर्मित तम्बाकू के अनुकूल

24.01	अविनिर्मित तम्बाकू, तम्बाकू का उच्छिष्ट
24.02	तम्बाकू या तम्बाकू के अनुकूल के सिगार, शूषट सिगारलोम और सिगरेट
24.03	अन्य विनिर्मित तम्बाकू और विनिर्मित तम्बाकू अनुकूल, "समांगीकृत" या "पुनर्रचित" तम्बाकू; तम्बाकू सोर और मत

अनुभाग 5

खनिज उद्भवा

अध्याय—25

तमक, तथ्यक, बिट्टी और पत्थर, प्लास्टर सामग्री, क्लास और सीमेंट

25.01	तमक (जिसके अन्तर्गत टेबल तमक और विकसीकृत तमक है) और शुद्ध सोडियम फॉस्फोराइड, चाहे अलीय बॉल में हो या नहीं; समुद्री जल
-------	---

(1)	(2)	(1)	(2)
23.02	अभक्षित लोहा पाइराइट	23.13	साबो, एमरी, प्राकृतिक धूरिंद, प्राकृतिक गानेट और अन्य प्राकृतिक अपघर्षक, चाहे उष्मा अभिक्रियित हो या नहीं
25.03	सभी प्रकार का गंधक जो उद्भूत-पातित गंधक, अगक्षित गंधक और कोलाइडी गंधक में भिन्न है	25.14	स्लेट चाहे उनका स्थूल रूप में समाकर्मन किया गया हो या नहीं अथवा उन्हें आरी द्वारा या अन्यथा आयाताकार की शक्ति (जिसके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) में बत्ताकों या स्लेबों में केवल काटा गया हो
25.04	प्राकृतिक ग्रेफाइट	25.15	नंगमरमर, टुकड़ाइन, एक्वामिन और अन्य कैल्शियम स्मारकीय या भवन के 2.5 या उससे अधिक गुरुत्व के स्पष्ट विनिर्दिष्ट गुरुत्व के पत्थर और ऐन्वास्टर चाहे उनका स्थूल रूप में समाकर्मन किया गया हो या नहीं अथवा उन्हें आरी द्वारा या अन्यथा आयाताकार की शक्ति में (जिनके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) बत्ताकों या स्लेबों में केवल काटा गया हो
25.05	सभी प्रकार की प्राकृतिक रेत, चाहे वह रंजित हो या नहीं, जो अध्याय 26 की धातुवाली रेत में भिन्न है।	25.16	ग्रनाईट, पाफ़िरी, बेनाल्ट, बलुआ पत्थर और अन्य स्मारकीय या भवन के पत्थर चाहे उनका स्थूल रूप में समाकर्मन किया गया हो या नहीं अथवा उन्हें आरी द्वारा या अन्यथा आयाताकार की शक्ति में (जिनके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) बत्ताकों या स्लेबों में केवल काटा गया हो
25.06	स्कटिक (प्राकृतिक रेत में भिन्न), क्वार्ट्जाइट, चाहे उनका स्थूल रूप में समाकर्मन किया गया हो या नहीं, अथवा उन्हें आरी द्वारा या अन्यथा आयात की शक्ति में जिसके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) बत्ताकों में या स्लेबों (टुकड़ों) में केवल काटा गया है।	25.17	उस प्रकार की गुटिका, बजरी दूदा दृष्टा या संबलित पत्थर जो सामान्यता कंकरीट के मिलाव के लिए, मड़क पक्की करने के लिए या रेल के लिए उपयोग में लाया जाता है या अन्य मिट्टी या अन्य मिट्टियों समुदाय कंकड़ और फिट्ट चाहे ताप अभिक्रियित हो या नहीं धातु मल का मैकैडम मंडूर या बैस ही भौतिक अपशिष्ट चाहे उनमें शीर्ष के प्रथम भाग में उल्लिखित नामों समाविष्ट हो या नहीं; टाई
25.07	क्रैमोनिन और क्रोमोनिन वाली मिट्टी चाहे वह निस्तोषित हो या नहीं		
25.08	अन्य मिट्टी (जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 68.06 के अन्तर्गत आने वाली विस्तारित मिट्टी है) एण्डालूसाइट, कायनाइट और मिलीमनाइट चाहे वह निस्तोषित हो या नहीं मलाइट, शमाट या डाइनाज मिट्टी		
25.09	चाक		
25.10	प्राकृतिक कैल्शियम फास्फेट, प्राकृतिक ऐल्यूमिनम, कैल्शियम फास्फेट और फास्फोटिक चाक		
25.11	शीर्ष सं० 28.16 के अन्तर्गत आने वाले बैरियम आक्साइड से भिन्न प्राकृतिक बैरियम सल्फेट (बराईटोज) प्राकृतिक बैरियम कार्बोनेट (विदेराइट) चाहे निस्तोषित हो या नहीं		
25.12	सिलिसियस फासिल अवशूण (उदाहरणार्थ, कीजेलगर, ट्रिपोलाइट, और डाइटोमाइट) और 1 या उससे कम से अपेक्षित गुरुत्व की बेंसी हो निम्निकास्य मिट्टी, चाहे निस्तोषित हो या नहीं		

(1)	(2)	(1)	(2)
	मैकडम शीर्ष सं० 25.15 या 25.16 के अन्तर्गत आने वाले पत्थरों की कणिकाएँ, शकलन, चूर्ण चाहे वे ताप अभिक्रियित हों या नहीं ।	25.24	एस्बेस्टोस.
25.18	डोलोमाइट चाहे वे निम्नापित हों या नहीं स्थूल रूप से समाकर्मित या भारी द्वारा या अन्यथा आयात कार की शकल में (जिसके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) ब्लॉकों या स्लेबों में केवल काटा गया डोलोमाइट मपीडित डोलोमाइट (जिनके अन्तर्गत टाई डोलोमाइट है)	25.25	अश्वक जिसके अन्तर्गत विपादन अश्वक है; अश्वक आणित
25.19	प्राकृतिक मैग्नीशियम कार्बोनेट (मैग्नेसाइट) पयूज हुआ मैग्नीशिया मूल तापित (सिटरित) मैग्नीशिया चाहे उसमें मिटरन से पहले हमारे आक्साइड की कम मात्राएँ मिली गई हों या नहीं, अन्य मैग्नेशियम आक्साइड चाहे वह शुद्ध हो या नहीं	25.26	प्राकृतिक सिट्टाइट, चाहे भारी द्वारा खीर कर अन्यथा आयातकार (जिसके अन्तर्गत वर्गीकार है) प्राकृति के ब्लाक या स्लेबों में समाकर्मित या मात्र काटा गया हो या न काटा हो टैल्क ।
25.20	जिप्सम; ग्रेन हाइड्राइट प्लास्टर (जिसमें निम्नापित जिप्सम या कैल्सियम सल्फेट अन्तर्विष्ट है) चाहे रंगे गए हों या नहीं और चाहे वे त्वरक या मदक की अल्प मात्रा वर्गी हो या नहीं	25.27	प्राकृतिक कायोलाइट; प्राकृतिक कायोलाइट
25.21	चूना पत्थर पत्थर; चूना पत्थर और इस प्रकार का अन्य कैल्शियमी पत्थर जो चूना या सीमेंट के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त होता है ।	25.28	प्राकृतिक बोरेट और उसके साथ (निम्नापित हों या न हों), किन्तु इसके अन्तर्गत प्राकृतिक प्राइन से अलग किए गए बोरेट नहीं है प्राकृतिक बोरिक अम्ल जिसमें शुष्क वजन के आधार पर संगणित एच ₂ बीओ ₃ का 85 प्रतिशत अधिक नहीं है ।
25.22	शीर्ष सं० 28.25 के अन्तर्गत आने वाले कैल्शियम आक्साइड और हाइड्राक्साइड से मिला बिना बुझा चूना और हाइड्राइलिक चूना ।	25.29	फोस्फोर, न्यूनाइट नेफलिन और नेफलिन साइनाइट फुलुओर-स्फार
25.23	पोर्टलैण्ड सीमेंट गेल्सिमिनी सीमेंट ("सीमेंट फोर्ड") धातुमल सीमेंट, सुपर सल्फेट सीमेंट और वैसे ही हाइड्रालिक सीमेंट चाहे वह रंगा गया हो या बिजकर के रूप में हो या नहीं	25.30	खनिज पदार्थ, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है ।

अध्याय—26

अयस्क, धातुमल, और मांस

26.01	लोह अयस्क और मांस जिनके अन्तर्गत भजित लोहा पाइराइट भी है ।
26.02	मैंगनीज अयस्क और मांस जिनके अन्तर्गत शुष्क भार के अनुसार संगणित 20 प्रतिशत या अधिक मात्रा में मैंगनीज सहित मैंगनीजमय लोह अयस्क और मांस है ।
26.03	तांबा अयस्क और मांस
26.04	निकल अयस्क और मांस
26.05	कोबाल्ट अयस्क और मांस
26.06	प्लूमिनियम अयस्क और मांस
26.07	सीसा अयस्क और मांस
26.08	जस्ता अयस्क और मांस
26.09	टिन अयस्क और मांस
26.10	कोबियम अयस्क और मांस

(1)	(2)	(1)	(2)
26.11	टंग्स्टेन अयस्क और सांद्र ।	27.06	कोयले लिग्नाइट या पीट से आसवित टार और अन्य खनिज टार, चाहे निर्जलीकृत अथवा भागतः आसवित हो या न हो जिसके अन्तर्गत पुनर्गठित टार भी है ।
26.12	यूरेनियम या थोरियम अयस्क और सांद्र ।		
26.13	मालिब्डेनम अयस्क और सांद्र ।		
26.14	टांग्स्टेनियम अयस्क और सांद्र ।	27.07	उच्च तापमान कोलतार के आसवन के तेल और अन्य उत्पाद; वैसे ही उत्पाद जिसमें ऐरोमैटिक रचकों का भार अन-ऐरोमैटिक रचकों से अधिक है ।
26.15	नायोबियम, टैटेलय, बेनेडियम या जर्कोनियम अयस्क और सांद्र		
26.16	बहुमूल्य धातु अयस्क और सांद्र ।		
26.17	अन्य अयस्क और सांद्र ।	27.08	कोलतार या अन्य खनिज टायर से अभिप्राप्त पिच और पिच कोक ।
26.18	लोहे या इस्पात के विनिर्माण से बानेदार धातु मल (धातुमल रेत)		
26.19	लोहे या इस्पात के विनिर्माण से (बानेदार धातुमल से भिन्न धातुमल) इंस स्केलिंग और अन्य अपशिष्ट ।	27.09	पेट्रोलियम तेल और बिटुमनी खनिजों से अभिप्राप्त तेल, कच्चा तेल ।
		27.10	कच्चे तेल से भिन्न पेट्रोलियम तेल तथा बिटुमनी खनिजों से अभि- प्राप्त तेल, ऐसी निमित्तियां जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं और जिनमें पेट्रोलियम तेल या बिटुमनी खनिजों से अभिप्राप्त तेल भार के अनुसार 7 प्रतिशत या अधिक हैं, परन्तु यह तब जब ये तेल उन निमित्तियों के मूल रचक हों ।
26.20	भस्म और अवशिष्ट (लोहे या इस्पात के विनिर्माण से भिन्न) जिनमें धातु या धात्विक योगिक हैं ।		
26.21	अन्य धातुमल और भस्म, जिनके अन्तर्गत समुद्री शैवाल भस्म (केल्प) भी है ।		
अध्याय--27			
खनिज ईंधन, खनिज तेल और उसके आसवन के उत्पाद, बिटुमनी पदार्थ, खनिज मोम		27.11	पेट्रोलियम गैस और अन्य गैसीय हाइड्रोकार्बन ।
27.01	कोयला; कोयले से विनिर्मित कोयले के गोले, अण्डाभ और इसी प्रकार के ठोस ईंधन ।	27.12	पेट्रोलियम जैली, पैराफीन मोम, बाइकोफिस्टली पेट्रोलियम मोम, स्लैक मोम, ओजोकेराइट, लिग्नाइट मोम, पीट, मोम, अन्य खनिज मोम और वैसे ही उत्पाद जो संश्लेषण या अन्य प्रक्रियाओं द्वारा अभिप्राप्त किए जाते हैं, चाहे रंगीन हों या न हों ।
27.02	लिग्नाइट, चाहे संपीड़ित हो या न हो, जैट को छोड़कर ।		
27.03	पीट (जिसके अन्तर्गत पीट लिटर भी है) चाहे संपीड़ित हो या न हो ।	27.13	पेट्रोलियम कोक, पेट्रोलियम बिटुमेन और पेट्रोलियम तेलों या बिटुमनी खनिजों से अभिप्राप्त तेलों के अन्य अवशिष्ट ।
27.04	कोयले लिग्नाइट या पीट का कोक और अर्द्ध कोक चाहे संपीड़ित हो या न हो, रिटार्ट कार्बन ।		
27.05	पेट्रोलियम गैसों और अन्य गैसीय हाइड्रोकार्बन से भिन्न, कोयला गैस, जलीय गैस उत्पादक गैस और बसी ही गैसों ।	27.14	प्राकृतिक बिटुमेन और एस्काल्ट, बिटुमनी या तेल शेल और टार रेन; एस्कलाइट और एस्काल्टी बट्टाने ।

(1)	(2)	(1)	(2)
27.15	प्राकृतिक एस्काइट, प्राकृतिक विटुमेन, पेट्रोलियम विटुमेन, खनिज टार या खनिज टार पिच पर आधारित विटुमेनी मिश्रण (उदाहरणार्थ विटुमेनी मेस्टिक, कट-बैक)	28.10	बोरॉन के आक्साइड ; बोरिक अम्ल
27.16	विद्युत ऊर्जा	28.11	अन्य अकार्बनिक अम्ल और अन्य अधातु के अकार्बनिक आक्सीजन यौगिक
	अनुभाग 6		हैलोजन या अधातु सल्फर यौगिक
	रसायनिक सम्बद्ध उद्योगों के उत्पाद	28.12	अधातु के हैलाइड और हैलाइड आक्साइड
	अध्याय 28	28.13	अधातु के सल्फाइड, बाणिज्यिक फास्फोरस ट्राइसल्फाइड
	अकार्बनिक रसायन, बहुमूल्य धातुओं, दुर्लभ मृत्तिका धातुओं रेडियोएक्टिव तत्वों या आइसोटोपों के कार्बनिक और अकार्बनिक यौगिक	IV.	अकार्बनिक बेस और धातु के आक्साइड हाइड्रोक्साइड और परोक्साइड
	1. रसायन तत्व	28.14	अमोनिया, निर्जलित या जलित घोल में
28.01	फ्लूओरिन, क्लोरिन, ब्रोमाइन और आयोडीन	28.15	सोडियम हाइड्रोक्साइड (कास्टिक सोडा) : पोटेशियम हाइड्रोक्साइड (कास्टिक पोटैश) : सोडियम या पोटेशियम का पैरोक्साइड
28.02	सल्फर उर्द्वेपालित या अवक्षेपित कोलाइडल सल्फर	28.16	मैग्नेशियम के हाइड्रोक्साइड और पैरोक्साइड : स्टोमटियम या बैरियम के आक्साइड, राईडोक्साइड और पेरोक्साइड
28.03	कार्बन (कार्बन-कज्जल और अन्य प्रकार का कार्बन जिसे कहीं भी विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं किया गया है)	28.17	जिंक आक्साइड; जिंक पैरोक्साइड
28.04	हाइड्रोजन, विरलित गैस और अन्य अधातु	28.18	एन्थ्रामिनियम आक्साइड (जिसे अन्तर्गत कृत्रिम कोरंडम भी है); एन्थ्रामिनियम हाइड्रोक्साइड
28.05	क्षार या क्षारीय मृत्तिका धातुएं, दुर्लभ मृत्तिका धातु सैकेण्डियम और यट्रियम, चाहे अन्तर्मिश्रित या अन्तर्-मिश्रातु हैं या नहीं; पारा	28.19	क्रोमियम आक्साइड और हाइड्रोक्साइड
	अधातुओं के अकार्बनिक अम्ल और अकार्बनिक आक्सीजन यौगिक	28.20	मैंगनीज आक्साइड
28.06	हाइड्रोजन क्लोराइड (हाइड्रोक्लोरिक अम्ल) : क्लोरोसल्फ्यूरिक अम्ल	28.21	लोह आक्साइड और हाइड्रोक्साइड, मृत्तिका रंग जिनमें एफ Fe_2O_3 के रूप में मूल्योक्त संयुक्त लोह, भार के अनुसार, 70 प्रतिशत या अधिक है
28.07	सल्फ्यूरिक अम्ल; ओलियम	28.22	कोबाल्ट आक्साइड और हाइड्रोक्साइड; बाणिज्यिक कोबाल्ट आक्साइड
28.08	नाइट्रिक अम्ल, सल्फोनाइट्रिक अम्ल	28.23	टिटैनियम आक्साइड
28.09	डाइफोस्फोरस पेन्टाक्साइड, फोस्फोरिक अम्ल और पोलिफोस्फोरिक अम्ल	28.24	सीसा आक्साइड; लाल सीसा और नारंगी सीसा

(1)	(2)	(1)	(2)
28. 25	हाइड्रोजाइन और हाइड्रोजीलीयाइन और उनके अकार्बनिक लवण; अन्य अकार्बनिक बेस; अन्य धातु आक्साइड, हाइड्रोक्साइड और पैरोक्साइड	28. 39	सिलिकेट ; वाणिज्यिक भार धातु सिलिकेट
		28. 40	बोरेंट ; परआक्सोबोरेंट (परबोरेंट)
		28. 41	आक्सोधातु या पराक्सोधातु अम्लों के लवण
		28. 42	अकार्बनिक अम्ल या परआक्सी अम्ल के अन्य लवण जिसके अन्तर्गत ऐजाइड नहीं है
V. अकार्बनिक अम्लों और धातुओं के लवण		VI. प्रकीर्ण	
28. 26	पराक्सी लवणक्लोराइड; फ्लोरो-सिलिकेट, फ्लोरोएल्यूमिनाइड और अन्य संमिश्रित फ्लोरिन लवण	28. 43	कोनाइडी बहुमूल्य धातुएं, बहुमूल्य धातुओं के अकार्बनिक या कार्बनिक यौगिक, चाहे उन्हें रासायनिक रूप से परिभाषित किया गया हो या नहीं; बहुमूल्य धातुओं के यौगिक
28. 27	क्लोराइड, क्लोराइड आक्साइड और क्लोराइड हाइड्रोक्साइड; ब्रोमाइड और ब्रोमाइड आक्साइड; आयोडाइड और आयोडाइड आक्साइड	28. 44	रेडियोएक्टिव रासायनिक तत्व और रेडियोएक्टिव आइसोटोप (जिनके अन्तर्गत विखण्डनीय या उर्वरक रासायनिक तत्व और आइसोटोप हैं) और उनके यौगिक; इन उत्पादों को अनाविष्ट करने वाले मिश्रण और अर्वाशष्ट
28. 28	हाइपोक्लोराइट, वाणिज्यिक कैल्शियम हाइपोक्लोराइट, क्लोराइट, हाइपोब्रोमाइट		
28. 29	क्लोरेट और परक्लोरेट, ब्रोमेट और परब्रोमेट, आयोडेट और परआयोडेट		
28. 30	सल्फाइड; पालीथल्फाइड	28. 45	शीर्ष सं. 28. 44 से भिन्न आइसोटोप, ऐसे आइसोटोपों के अकार्बनिक या कार्बनिक यौगिक, चाहे रासायनिक रूप से परिभाषित हों या नहीं
28. 31	साइनाथोनेट और सल्फोआक्सीलेट	28. 46	दुर्लभ मृदा धातु के यूरियम के, सेकेण्डियम के या इन धातुओं के मिश्रणों के अकार्बनिक या कार्बनिक यौगिक
28. 32	थल्फाइट; थियोसल्फेट	28. 47	इंद्रजवा परमांशनाइड, चाहे यूरिया से ठोस बनाए गए हों या नहीं
28. 33	सल्फेट; फिटकरी, पर-आक्सोल्फेट (परसल्फेट)	28. 48	फास्फाइड, चाहे रासायनिक रूप से परिभाषित हों या नहीं जिनके अन्तर्गत फेरोफास्फेट नहीं है
28. 34	नाइट्राइट, नाइट्रेट	28. 49	कार्बनाइड, चाहे रासायनिक रूप से परिभाषित है या नहीं
28. 35	फास्फिनेट (हाइपोफास्फाइट), फास्फोनेट (फास्फाइट), फास्फेट और पोलिफास्फेट	28. 50	हाइड्राइड, नाइट्राइड, एजाइड, सिलीसाइड और बोराइड, चाहे रासायनिक रूप से परिभाषित हैं या नहीं
28. 36	कार्बोनेट; परआक्सोकार्बोनेट (पर-कार्बोनेट); वाणिज्यिक अमोनियम कार्बोनेट, जिसमें अमोनियम कार्बोनेट भी है		
28. 37	साइनाइड, साइनाइड आक्साइड और समिश्र साइनाइड		
28. 38	फ्लिमनेट, साइनेट और थायोसाइनेट		

(1)	(2)	(1)	(2)
28.51	अन्य अकार्बनिक यौगिक (जिसके अन्तर्गत आसुत या चालकता जल और उसी प्रकार की शुद्धता का जल है); द्रव वायु (चाहे विरल गैस हटाई गई हो या नहीं), संपीड़ित वायु, सम्मिश्रण, बहुमूल्य धातुओं के सम्मिश्रण से भिन्न ।		से परिभाषित है या नहीं) और उनके हैलाजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद ।
	अध्याय 29 कार्बनिक रसायन	29.10	गोलाकारों वाले रिंग सहित इथाक्साइड, इथाक्सी अल्कोहल, इथाक्सी फिनोल और इथाक्सी ईथर और उनके हैलो-जेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद ।
29.01	असंक्रिय 3 हाइड्रोकार्बन	29.11	एसीटाल और हेमीएसीटाल, चाहे अन्य आक्सीजन फलन सहित हो या नहीं, और उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटिकृत-नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद ।
29.02	साइक्लिक हाइड्रोकार्बन		
29.03	हाइड्रोकार्बन के हैलोजेनेटिकृत व्युत्पाद		5 एलिडहाइड-फलन मिश्र
29.04	हाइड्रोकार्बन के सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद चाहे हैलोजेनेटिकृत हों	29.12	एलिडहाइड, चाहे अन्य आक्सीजन फलन सहित हो या नहीं, एलिडहाइड, पैराफोरमलिडहाइड के अशुद्ध ।
	2 अल्कोहल और उनके हैलोजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोसेटिकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद	29.13	—शीर्ष सं० 29.12 के उत्पादों के हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद
29.05	एसाइक्लिक अल्कोहल और उनके हैलोजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद		6 केटोन-फलन मिश्र और क्विनोन-फलन मिश्र
29.06	साइक्लिक अल्कोहल और उनके हैलोजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद	29.14	कीटोन और क्विनोन, चाहे अन्य-आक्सीजन फलन सहित हो या नहीं और उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद
	3 फिनेल, और उनके हैलोजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद		7—कार्बनसिलिक अम्ल और उनके एनहाइड्राइड, हैनाइड, परआक्साइड और परआक्सी अम्ल और उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोसेटिकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद
29.07	फेनील; फेनील-अल्कोहल	29.15	मोनो रेसिकल, मोनोकार्बोअक्सी-लिक अम्ल और उनके एनहाइड्राइड हैनाइड, परआक्साइड और परआक्सी अम्ल उनके हैलोजेनीकृत, सल्फो-नेटिकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद ।
29.08	फिनाल या फिनाल अल्कोहल के हैलोजेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-कृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद के	29.16	असंतृप्त एसिक्लिक मोनों कार्बो-कसीलिक अम्ल, अशुद्ध मोनों कार्बो-कसीलिक अम्ल, उनके एनहाइड्राइड हैनाइड, परआक्साइड और परआक्सी अम्ल; उनके हैलोजेनीकृत, सल्फो-नेटिकृत, नाइट्रोकृत और नाइट्रो-सेटिकृत व्युत्पाद ।
	4 ईथर अल्कोहल, परआक्साइड, ईथर परआक्साइड, तीन सवस्थायकलय सहित इपोक्साइड, एसीटाल तथा हेमिसेटल और उनके हैलोजेन टिकृत, सल्फोनेटिकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद		
29.09	ईथर, ईथर अल्कोहल, ईथरफिनाल, ईथर अल्कोहल फिनाल, अल्कोहल पर-आक्साइड, ईथर परआक्साइड, केटोन परआक्साइड (चाहे रासायनिक रूप		

(1)	(2)	(1)	(2)
29.17	पालीकार्बोक्सीलिक अम्ल, उनके एनहाइड्राइड, हैलाइड, परआक्साइड और परआक्सी अम्ल, उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद । एसिक्लिक पाली कार्बोक्सीलिक अम्ल, उनके एनहाइड्राइड, हैलाइड पर-आक्साइड, परआक्सी अम्ल और उनके व्युत्पाद ।	29.29	अन्य नाइट्रोजन फलन सहित यौगिक 10. कार्ब-अकार्बनिक यौगिक, विषमचकीय यौगिक, स्थूलक अम्ल और उनके लवण तथा स फोमोमाइड
29.18	अतिरिक्त आक्सीजन फलन सहित कार्बोक्सिलिक अम्ल और उनके एन हाइड्राइड, हैलाइड, परआक्साइड और परआक्सी अम्ल, उनके हैलोजेनीकृत सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद ।	29.30	कार्ब-बंधक यौगिक
8. अकार्बनिक अम्लों के एस्टर और उनके लवण और हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद ।		29.31	अन्य कार्ब-अकार्बनिक यौगिक
29.19	फास्फोरिक एस्टर और उनके लवण, जिनके अन्तर्गत लक्टोफास्फेट है, उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद ।	29.32	केवल आक्सीजन विषम-अणु (अणुओं) सहित विषमचकीय यौगिक ।
29.20	अन्य अकार्बनिक अम्लों के एस्टर (जिनके अन्तर्गत हाइड्रोजन हैलाइड के एस्टर नहीं हैं) और उनके लवण; उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद ।	29.33	केवल नाइट्रोजन विषम-अणु (अणुओं) सहित विषमचकीय यौगिक न्यूक्लिक अम्ल और उनके लवण
9. नाइट्रोजन-फलन मिश्र		29.34	अन्य विषमचकीय यौगिक
29.21	एमीन फलन मिश्र	29.35	सल्फोनामाइड
29.22	आक्सीजन फलन एमीनों मिश्र	11. प्रोविटामिन, विटामिन और हार्मोन	
29.23	चतुष्क अमोनियम लवण और हाइड्राक्साइड; लेसिथिन और अन्य फास्फो-एमीनोलिपिड	29.36	प्रोविटामिन और विटामिन, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित (जिनके अन्तर्गत प्राकृतिक सांद्र हैं) उनकी व्युत्पत्तियां जो विटामिन के रूप में मुख्यतया उपयोग में लाई जाती हैं और पूर्वगामी के अंतर मिश्रण, चाहे वे किसी विनायक में हो या नहीं ।
29.24	कार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बो-निक अम्ल के एमाइड फलन मिश्र	29.37	हार्मोन, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित; उनकी व्युत्पत्तियां जो मुख्यतया हार्मोन के रूप में उपयोग में लाई जाती हैं, अन्य स्टेरायड जो मुख्य-तया विटामिन के रूप में उपयोग में लाए जाते हैं ।
29.25	कार्बोक्सीमाइड-फलन यौगिक (जिसके अन्तर्गत सेबरीन और इनके लवण हैं) तथा इमीन-फलन यौगिक	12. ग्लाइकोसाइड और बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित और उनके लवण, ईथर, एस्टर और अन्य व्युत्पत्तियां ।	
29.26	नाइट्रोइल-फलन यौगिक	29.38	ग्लाइकोसाइड, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित और उनके लवण, ईथर, एस्टर और अन्य व्युत्पत्तियां ।
29.27	डाइएजो, एजो, या एजोक्सी-यौगिक	29.39	बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित और उनके लवण ईथर एस्टर और अन्य पत्तियां
29.28	हाइड्रोजन या हाइड्राक्सिल एमीन की कार्बनिक व्युत्पत्तियां		

1	2	1	2
	13. अन्य कार्बनिक यौगिक		
29.40	चीनी, रासायनिक रूप से शुद्ध ओ सक्रोस, लेक्टोज, माल्टोज, ग्लूकोज, और फ्रक्टोज से भिन्न है; चीनी ईथर और चीनी ऐस्टर और उनके लवण जो शीर्ष सं० 29.37, 29.38 या 29.39 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों से भिन्न हैं।		आने वाले माल नहीं है) जिसमें चिकित्सीय या रोगनिरोधी उपयोग के लिए मिश्रित या अमिश्रित उत्पाद हैं जो मापित मात्राओं में या रूपों में या पैकिंग या पैकिंग में फुटकर विक्रय के लिए रखे गए हैं,
29.41	एटिबायोटिक्स :	30.05	तत्थी, गेज, पट्टियां और बैसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ मरहम पट्टियां, आसंजक प्लास्टर पुल्टिस) जो भेषजिक पदार्थों से संसेचित या विलेपित हों या जो चिकित्सीय शल्य दंत या पशु-चिकित्सा के प्रयोजनों के लिए फुटकर विक्रय के लिए रूपों में या पैकिंग में रखे गए हों।
29.42	अन्य कार्बनिक यौगिक		
	अध्याय—30		
	भेषजीय उत्पाद		
30.01	चिकित्सीय उपयोगों के लिए शुद्धित ग्रंथियां और अन्य अंग, चाहे चूणित हों या नहीं; कार्ब चिकित्सीय उपयोगों के लिए ग्रंथियों या अन्य अंगों या उनके स्राव के सार; हैपैरिन और उसके लवण; चिकित्सीय या रोगनिरोध उपयोगों के लिए तैयार किए गए अन्य मानक या प्राणि- पदार्थ जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।	30.06	इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट भेषजिक माल।
30.02	चिकित्सीय, रोगनिरोधी या नैदानिक उपयोगों के लिए तैयार किया गया मानव रक्त, प्राणिरक्त; ऐन्टि- सीरा और अन्य रक्त अंग; बैक्सीन जीव विष, सूक्ष्मजीव (बीस्ट को छोड़कर) के संवर्धन और वैसे ही उत्पाद।		अध्याय—31
30.03	भेषज (जिसमें शीर्ष सं० 30.02, 30.05 या 30.06 के अन्तर्गत आने वाले माल नहीं है) जिसमें दो या अधिक ऐसे संघटक हैं जो चिकित्सीय या रोगनिरोधी उपयोगों के लिए एक दूसरे के साथ मिश्रित किए गए हैं किन्तु जो मापित मात्राओं में या रूपों में या पैकिंग में फुटकर विक्रय के लिए नहीं रखे गये हैं।	31.01	प्राणी या वनस्पति उर्वरक, (चाहे एक दूसरे के साथ मिश्रित या रासायनिक रूप से अभिक्रियित हों या नहीं) प्राणी या वनस्पति उत्पाद को मिश्रित करके या रासायनिक अभिक्रमण द्वारा उत्पादित उर्वरक।
30.04	भेषज (जिसमें शीर्ष सं० 30.02,	31.02	खनिज या रासायनिक उर्वरक, नाइट्रोजनी।
		31.03	खनिज या रासायनिक उर्वरक फास्फेटों
		31.04	खनिज या रासायनिक उर्वरक पोटेशियमी।
		31.05	खनिज या रासायनिक उर्वरक जिनमें उर्वरक तत्वों, अर्थात् नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम में से दो या तीन उर्वरक तत्व अंतर्निहित हों; अन्य उर्वरक; इस अध्याय के अन्तर्गत आने वाले माल टिकियों में या वैसे ही रूपों में या पैकेजों में जिनका कुल भार 10 कि० ग्रा० से अधिक न हो।

1	2	1	2
अध्याय—32 चर्मशोधन और रंजन सार, टैनिनस और उनकी व्युत्पत्तियां, रंजन, वर्णक और अन्य रंगकारी द्रव्य; पेन्ट और वार्निश, पुट्टि और अन्य मैसिटक; स्याहियां		32. 07	निर्मित वर्णक, निर्मित शामक और निर्मित रंग, काचनीय इनेमल और स्लेज, गनगोब (प्लिग), द्रव चयक और वैसी ही निर्मितियां जो इस प्रकार की हैं जो चीनी मिट्टी, इनेमल या कांच के कारखाने में उपयोग में लाई जाती हैं, कांच के फिट और चूण, कणिकाओं या पत्रकों के रूप में अन्य कांच।
32. 01	वनस्पति उद्भव के चर्मशोधन सार; टैनिन और उनके लवण, ईधर, ऐस्टर और अन्य व्युत्पत्तियां।	32. 08	पेन्ट और वार्निश (जिनके अन्तर्गत इनेमल और प्रलाक्ष हैं) जो संश्लिष्ट बहुलक या रासायनिक रूप में रूपान्तरित प्राकृतिक बहुलक पर आधारित हैं और जो निर्जल माध्यम में परिक्षिप्त या धुले हुए हों, विनयन (घोल) जो इस अध्याय के टिप्पण 4 में परिभाषित हैं।
32. 02	संश्लिष्ट कार्बनिक चर्मशोधन पदार्थ; अकार्बनिक चर्मशोधन पदार्थ; टैनिन निर्मितियां चाहे उनमें प्राकृतिक टैनिन पदार्थ हों या नहीं; चर्म शोधनपूर्व की एजाइसी निर्मितियां।	32. 09	पेन्ट और वार्निश (जिनके अन्तर्गत इनेमल और प्रलाक्ष हैं) जो संश्लिष्ट बहुलक और रासायनिक रूप में रूपान्तरित प्राकृतिक बहुलक पर आधारित हैं और जो जलीय माध्यम में परिक्षिप्त या धुले हुए हैं।
32. 03	वनस्पति या प्राणी उद्भव के रंगकारी द्रव्य (जिसके अन्तर्गत वर्णक रंजन सार हैं किन्तु प्राणी कज्जल चारकोल नहीं है) चाहे वे रासायनिक रूप से परिभाषित हों या नहीं, इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट वनस्पति या प्राणी उद्भव के रंगकारी द्रव्य पर आधारित निर्मितियां।	32. 10	अन्य पेन्ट और वार्निश (जिनके अन्तर्गत इनेमल, प्रलाक्ष और डिस्टेंपर हैं); इस प्रकार के निर्मित जल वर्णक जो चमड़े के परिमज्जन के लिए उपयोग किए जाते हैं।
32. 04	संश्लिष्ट कार्बनिक रंगकारी द्रव्य, चाहे वे रासायनिक रूप से परिभाषित हों या नहीं; इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट संश्लिष्ट कार्बनिक रंगकारी द्रव्यों पर आधारित निर्मितियां इस प्रकार के संश्लिष्ट कार्बनिक उत्पाद जो प्रतिदीप्त प्रभासक या संदीपक के रूप में उपयोग में लाए जाते हैं।	32. 11	निर्मित शोषक
32. 05	वर्णलाक्ष, इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट वर्णलाक्ष पर आधारित निर्मितियां।	32. 12	द्रव्य या पेस्ट के रूप में, निर्जल माध्यम में परिक्षिप्त वर्णक (जिसके अन्तर्गत धात्विक चूर्ण और पत्रक हैं) जो इस प्रकार के हैं जो पेन्ट (जिनके अन्तर्गत इनेमल हैं) के विनिर्माण में उपयोग में लाए जाते हैं, स्टाम्प पणिकाएं; रंजन और अन्य रंजन द्रव्य जो रूपों में या पैकिंग में फुटकर विक्रय के लिए रखे जाते हैं।
32. 06	अन्य रंगकारी द्रव्य; इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट ऐसी निर्मितियां जो शीर्ष सं० 32. 03, शीर्ष सं० 32. 04 या शीर्ष सं० 32. 05 के अन्तर्गत आने वाली निर्मितियों से भिन्न हैं; इस प्रकार के अकार्बनिक उत्पाद जो संदीपक के रूप में उपयोग में लाए जाते हैं, चाहे वे रासायनिक रूप से परिभाषित हों या नहीं।	32. 13	कलाकारों, छात्रों या माइनस्ट्रीट पेंटर्स के रंग, रूपांतरकारी आभा, आमोद के रंग और वैसे ही पदार्थ

1	2	1	2
	जो गोलियों, ट्यूबों, जारों, बोतलों, पैनों में या बैसे ही रूपों में या पैकिंगों में हों	33.05	केशों पर उपयोग के लिए निमित्तियां।
32.14	ग्लेजियर पुट्टी, रोपण पुट्टी, रेजिन सीमेंट, संविरोधी यौगिक और अन्य मैस्टिक, पेंट्स फिलिंग, भवनमुखों, अंतर्दीवारों, फर्शों, छतों या बैसी ही वस्तुओं के लिए गैर-उच्चताप सह पृष्ठलेपन निमित्तियां।	33.06	मुंजीय और दंत की स्वच्छता के लिए निमित्तियां, जिनके अन्तर्गत कृत्रिम बंतावली स्थायीकारक पेस्ट और चूण हैं।
32.15	मुद्रण वाली स्थाही, लिखने वाली स्थाही या रेखाचित्र वाली स्थाही और अन्य स्थाहियां, चाहे सांद्रित या ठोस हों या नहीं।	33.07	शेव पर्व शॉविंग या शेव-परवात की निमित्तियां, शरीर निगन्धक स्नान निमित्तियां, बाल सफा और अन्य सुगंधित सामग्री, प्रसाधन सामग्री या प्रसाधन विनिमित्तियां, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट और सम्मिलित नहीं हैं; निर्मित कक्ष गंधहारक, चाहे वे सुगंधित हों या नहीं या विसंक्रामक गुणों वाले हों या नहीं।

अध्याय—33

वाष्पशील तेल और रेजिनायड, सुगन्धित सामग्री, प्रसाधन सामग्री या प्रसाधन निमित्तियां

33.01	वाष्पशील तेल (जो टर्पिनरहित हो या नहीं) जिनके अन्तर्गत कंक्रिट और एन्सोल्यूट हैं; रेजिनायड; चर्बी में, अवाष्पशील तेल में और इसी प्रकार की अन्य वस्तुओं में वाष्पशील तेल के सांद्र जो एनफ्थरेंस या द्रव संसर्जन से अभिप्राप्त किया जाता है; वाष्पशील तेलों का डिस्टिलेशन के उत्पादों का टर्पीनिक; वाष्पशील तेल के जलीय आमुत और जलीय घोल।
33.02	गंधयुक्त पदार्थों का मिश्रण और इन पदार्थों में से किसी एक या अधिक के आधार सहित मिश्रण (जिसके अन्तर्गत एल्कोहली घोल हैं) जो उद्योग में कच्चे माल के रूप में उपयोग में लाए जाते हैं।
33.03	सुगन्धित सामग्री और प्रसाधन जल
33.04	सौंदर्य या रूप सज्जा की निमित्तियां और त्वचा की परिचर्या के लिए निमित्तियां (श्लेष द्रव्यों से भिन्न) जिनके अन्तर्गत सनस्क्रीम या धूप रंग निमित्तियां, नत्र प्रसाधन या पादप्रसाधन की निमित्तियां हैं।

अध्याय—34

साबुन, कार्बनिक-पृष्ठ-सक्रिय कर्मक, धोने की निमित्तियां, स्नेहक निमित्तियां; कृत्रिम मोम, निर्मित मोम, पालिश या निघषण निमित्तियां, मोमबत्तियां और बैसी ही वस्तुएं, प्रतिरूपण पेस्ट, “बंत मोम” और प्लास्टर के आधार सहित बंत निमित्तियां

34.01	साबुन, साबुन के रूप में उपयोग के लिए कार्बनिक-पृष्ठ-सक्रिय उत्पाद और निमित्तियां, जो डंडों, टिकियों, सांचे में डले टुकड़ों या आकारों के रूप में हों, चाहे उनमें साबुन हो या नहीं; कागज, तलपी, नमदा और अव्यूतित सामग्री जो साबुन या अपमार्जक से संश्लिष्ट, विलेपित या आवेष्टित हों।
34.02	कार्बनिक पृष्ठ-सक्रिय कर्मक (साबुन) भिन्न); पृष्ठ-सक्रिय निमित्तियां, धोने की निमित्तियां (जिनके अन्तर्गत सहायक धोने की निमित्तियां हैं) और साफ करने की निमित्तियां, चाहे उनमें साबुन हों या नहीं जो शीर्ष सं० 34.01 से भिन्न हैं।
34.03	स्नेहक निमित्तियां (जिनके अन्तर्गत स्नेहकों पर आधारित कतन, तेल विनिमित्तियां, बोल्ड या नट मोवन निमित्तियां, जंग रोधी या संस्कारण प्रतिरोधी निमित्तियां और सांवा मोबा निमित्तियां हैं, और ऐसी

1	2	1	2
	निमित्तियां जो टैक्स्टाइल सामग्री (मश, दुपटार, भर्मे या अन्य सामग्रियों के तेल या ग्रीज अभि- श्रयण के लिए उपयोग में लाई जाती हैं, किन्तु इसके अन्तर्गत वे निमित्तियां नहीं हैं जिनमें भार के आधार पर 70 प्रतिशत या अधिक पेट्रोलियम तेल या विटमनी खनिजों से प्राप्त तेल आधारित रबड़ों के रूप में समा- विष्ट है।		अध्याय--35 एल्बमनाइड पदार्थ रूपान्तरित स्टार्च, सरेस, एन्जाइम
	-- जिनमें पेट्रोलियम तेल या विटमनी खनिजों से प्राप्त तेल समाविष्ट हैं।	35.01	केसीन, केसीनेट और अन्य केसीन व्युत्पत्तियां, केसीन सरेस।
34.04	कृत्रिम मोम और निमित्त मोम।	35.02	एल्बुमिन, ऐल्बुमिनेट और अन्य ऐल्बुमिन व्युत्पत्तियां।
34.05	जूतों, फर्नीचर, कोचबर्क, कांच या धातु के लिए पालिश और क्रीम; निर्धरण पेस्ट और चूर्ण और वैसी ही निमित्तियां (चाहे वे कागज, तलपी, नमदा, अत्युत्तित सामग्री सेलूलर प्लास्टिक या सेलूलर रबड़ के रूप में हों या नहीं, जो ऐसी विनिमित्तियों से संश्लिष्ट, विलेपित या आवेष्टित हों) जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 34.04 के अन्तर्गत आने वाले मोम नहीं हैं।	35.03	जिलेटिन (जिसके अन्तर्गत आयताकार जिलेटिन भी हैं) शीटें, चाहे वह पृष्ठ कर्मित या रंगीन हों या नहीं और जिलेटिन व्युत्पत्तियां; आइजि- ग्लाम; प्राणी से उत्पन्न अन्य सरेस, जिसके अन्तर्गत शीर्ष सं० 35.01 के अन्तर्गत आने वाले केसीन सरेस नहीं हैं।
		35.04	पेपटोंस और उनकी व्युत्पत्तियां, अन्य प्रोटीन पदार्थ और उनकी व्युत्पत्तियां जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; खाल चूर्ण चाहे क्रीम हो या नहीं।
34.06	मोमवत्ती, टेपर और वैसी ही वस्तुएं।	35.05	डेकस्ट्रीन और अन्य रूपान्तरित स्टार्च (उदाहरणार्थ पुर्य जिलेटिनित या एस्टरफाइड स्टार्च); स्टार्च पर, या डेकस्ट्रीन; पर, या अन्य रूपान्तरित स्टार्च पर आधारित सरेस।
34.07	प्रतिरूपण पेस्ट, इनके अन्तर्गत ऐसे पेस्ट हैं जो बच्चों के आमोद-प्रमोद के लिए रखे गए हैं और ऐसी निमित्तियां जो "दंतमोम" या "दंत टाप योगिक" कहलाती हैं; जो फुटकर विक्रय के लिए सैट में, पैकिंग में प्लेडस में छोड़े के नाल के आकार में, छड़ों या ब्रैमे ही रूप में रखे गए हैं; (निष्ठापित जिप्सम या कैल्शियम सल्फेट के) प्लास्टर के आधार सहित दंत चिकित्सा के उपयोग के लिए अन्य निमित्तियां।	35.06	निमित्त सरेस, अन्य निमित्त आसंजक, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं, ऐसे उत्पाद जो सरेस या आसंजक के रूप में उपयोग के लिए उपयुक्त ह, जो सरेस या आसंजक के रूप में फुटकर विक्रय के लिए रखे गए हैं, जिनका शब्द भार 1 कि० ग्रा० में अधिक नहीं है।
		35.07	एन्जाइम, निमित्त एन्जाइम जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
			अध्याय--36 विस्फोटक प्रातिशब्दी उत्पाद; विद्यासलाई; स्वतः उवलनशील निबस्तुरा, कुछ बाह्य निमित्तियां
		36.01	नोदक चूर्ण।

1	2	1	2
36.02	निर्मित विस्फोटक, नोडक चूर्ण से भिन्न।		गरेज, आसंजक और उसी प्रकार की विनिमित्तियों से भिन्न) फोटो-चित्र के उपयोग के लिए अभिश्रित उत्पाद, जिन्हें माप किए प्रभागों में रखा गया है या उपयोग किए जाने के लिए तैयार रूप में रखा गया है।
36.03	सुरक्षा, प्रयुज, अधिस्फोटक प्रयुज, आघात या अधिस्फोटक टोपी, प्रज्वालक, विद्युत अधिस्फोटक।		
36.04	आतिशबाजी, संकेत ज्वाला, वर्षा राकेट, झुहरा संकेत और अन्य आतिशबाजी की वस्तुएं।		
36.05	दियासलाई, शीर्ष सं० 36.04 के अन्तर्गत आने वाली आतिशबाजी की वस्तुओं से भिन्न।	38.01	कृत्रिम ग्रेनाइट, कोलाइट या अर्ध-कोलाइट ग्रेनाइट; ग्रेनाइट अन्य कार्बन के आधार पर पेटेंटों, प्लेटों के रूप में विनिमित्तियों या अन्य विनिमित्तियों।
36.06	फेरोसीरिफ और रानी प्रकार की अन्य स्वतः चलनशील मिश्रधातुएं, इस अध्याय के टिप्पण 2 में यथा-विनिमित्त दाह्य सामग्री की वस्तुएं।	38.02	सक्रियित कार्बन; सक्रियित प्राकृतिक खनिज उत्पाद; प्राणी काजल, जिनके अन्तर्गत मुक्तशेष प्राणी काजल भी है।
अध्याय—37		38.03	ढाल तेल, चाहे परिष्कृत हो या न हो।
फोटो चित्र, या चलचित्र वस्तुएं		38.04	लकड़ी की खुगदी के विनिमित्त से प्राप्त अवशिष्ट लाद चाहे वह सांद्रित विशकृत या रासायनिक रूप से अभिक्रियामित हो या नहीं, जिसके अन्तर्गत लिग्निन सल्फोनेट हैं, किन्तु जिसके अन्तर्गत शीर्ष सं० 38.03 के ढाल तेल नहीं हैं।
37.01	कागज, पेपर बोर्ड, टेक्सटाइल से भिन्न किसी सामग्री की फोटोचित्र प्लेटें और चपटी सुग्राहीकृत, अनु-दूभाषित, फिल्मों, चपटी सुग्राहीकृत अनुदभाषित तुरन्ती प्रिन्ट फिल्म चाहे पैक में हो या नहीं।	38.05	शंकुधारी काष्ठ; आसवन या अन्य गतिमान से उत्पादित गोंद, या सल्फेट तारपीन और अन्य तारपीन तेल; कच्चा त्रिपेन्टीन; सल्फेट तारपीन और अन्य कच्चा पैरासाइडीन; पाइप तेल जिसमें एल्फा-टेरपेनियोल मुख्य अवक के रूप में है।
37.02	कागज, पेपर बोर्ड, या टेक्सटाइल से भिन्न किसी सामग्री की रील की हुई सुग्राहीकृत, अनुदभाषित फोटो चित्र फिल्म, तुरन्ती प्रिन्ट फिल्म।	38.06	रोजिन और रेजिन अम्ल और उनके व्युत्पन्न, रोजिन रिप्रेंट और रेजिन तेल, रस गोंद।
37.03	फोटोचित्र कागज, पेपरबोर्ड और टेक्सटाइल, सुग्राहीकृत, अनुदभाषित।	38.07	सफड़ी तार, लकड़ी तार तेल; लकड़ी क्रियाजोट; लकड़ी नेपथा
37.04	उद्भाषित किन्तु डेवेलप की गई फोटोचित्र प्लेटें, फिल्म कागज और टेक्सटाइल।		
37.05	उद्भाषित और डेवेलप की गई फोटोचित्र प्लेटें और फिल्म, चल-चित्र फिल्म से भिन्न।		
37.06	उद्भाषित और डेवेलप की गई चलचित्र फिल्म जिनमें ध्वनि पट्टी हो या न हो, या जिनमें केवल ध्वनि पट्टी हो।		
37.07	फोटोचित्र के उपयोग के लिए रासायनिक विनिमित्तियों (वानिश,		

1	2	1	2
	वनस्पति पिच; निचक पिच और ऐसी ही विनिमित्तियां जो रोजाना भिन्न अम्ल या वनस्पति पिच पर आधारित हैं।	38.12	निमित्त रबरत्पूरक या प्लास्टिक के लिए यौगिक प्लास्टिक जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; रबर या प्लास्टिक के लिए प्रतिआक्सीकरण निमित्तियां और अन्य यौगिक स्थायीकारक।
38.08	शीटनाशी, कुलंकनाशी, बबकनाशी, फाकनाशी, अंकुरनाशी उत्पाद और पावन वृद्धि नियामक, बिसंक्रामक और ऐसी ही उत्पाद जो फुटकरविक्रय के लिए कर्तों में या पैकिंगों में या निमित्तियों में या वस्तुओं के रूपों में (उदाहरणार्थ गल्फर से अभिक्रियित पट्टियां बत्तियां और मोमबत्तियां और मक्खनी-भार कागज) रखे गए हों।	38.13	अग्निशामकों के लिए निमित्तियां और चार्ज, चाज किए गए अग्निशामक; जैतड़।
38.09	परिच्छेदक, रंगाई या रंगक पदार्थों और अन्य उत्पादों तथा निमित्तियों के स्थिरीकरण को स्थिर करने के लिए रंगाई कैरियर (उदाहरणार्थ प्रसाधन और रंग-व्यक्त) जो वस्त्र, कागज, चमड़े या वैसे ही उद्योगों में उपयोग में लाए जाते हैं; जो अन्य विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।	38.14	कार्बनिक संयुक्त विनायक और पतला करने वाले; जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; निमित्त पेंट या बानिशों के मिटाने वाले।
		38.15	अभिक्रिया प्रारंभक, अभिक्रिया त्वरक और उत्प्रेरक निमित्तियां, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
		38.16	शीर्ष सं० 38.01 के उत्पादों से भिन्न, उच्चताप सह सीमेंट, चूना-लेप, कंक्रीट और वैसे ही संघटक।
38.10	धातु पृष्ठ के लिए पिक्रिलिंग निमित्तियां; सोल्डर करने, पक्का टाँका लगाने या बोल्ट करने के लिए फलस्क और अन्य आनुवंशी निमित्तियां; धातु और अन्य सामग्रियों से मिचकर बने, सोल्डर करने, पक्का टाँका लगाने या बोल्ट करने के लिए चूर्ण और पेस्ट; एल्यूमीनियम या राइ को बोल्ट करने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले प्रकार की क्रोड या निरोपन निमित्तियां।	38.17	मिश्रित क्षारीय बेन्जीन और मिश्रित क्षारीय नेपथेलीन उनसे भिन्न जो शीर्ष सं० 27.07 या 29.02 के अन्तर्गत आते हैं।
		38.18	रासायनिक तत्व, जो डिस्क, बैफर या वैसे ही रूपों में; इलेक्ट्रानिकी में उपयोग के लिए माफ़ित है; इलेक्ट्रानिकी में उपयोग के लिए रासायनिक योगित जो माफ़ित हों।
38.11	अग्निज तेल के लिए या खनिज तेलों के रूप में ऐसे ही प्रयोजन के लिए उपयोग का गई अन्य तेलों के लिए अक्रियशील निमित्तियां, आक्सीकरण निरोधी, गंध-निरोधी, श्यानता उत्साहक, संभार-रोधी निमित्तियां और अन्य निमित्तियां।	38.19	हाइड्रोजन संभारण के लिए हाइड्रोजन ब्रेक तरल और अन्य निमित्त ब्रव जिनमें भार के अनुसार 70 प्रतिशत से कम पेट्रोलियम तेल या त्रिभुमनी ध्वनिजों से प्राप्त पेट्रोलियम तेल नहीं है।
		38.20	द्विमीकरणरोधी निमित्तियां और निमित्त विहिमि रण तरल।
		38.21	सूक्ष्म जीवों के विकास के लिए तैयार सवधेन माध्यम।

1	2
38. 22	मिश्रित नैरातिक अभिकर्मक या प्रयोगशाला अभिकर्मक, उनमें भिन्न जो शीर्ष सं० 30.02 या 30.06 में है।
38. 23	ठंडाईनाल सांचे या क्रोड के लिए निर्मित बंधक, रासायनिक उत्पाद और रासायनिक या सहबद्ध उद्योगों की निमित्तियां (जिनके अन्तर्गत प्राकृतिक उत्पादों के मिश्रण भी हैं) जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; रासायनिक या सहबद्ध उद्योगों के अवशिष्ट उत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।

अनुभाग-— 7

प्लास्टिक और उसकी वस्तुएं

रखड़ और उसकी वस्तुएं

अध्याय-— ३९

प्लास्टिक और उसकी वस्तुएं

1. प्राथमिक रूप

39.01	प्राथमिक रूपों में एथिलीन के बहुलक।
39.02	प्राथमिक रूपों में, प्रोपिलीन के या अन्य ओलिफिन के बहुलक।
39.03	प्राथमिक रूपों से स्तिरिन के बहुलक।
39.04	प्राथमिक रूपों में बाइनिल क्लोराइड के या अन्य हेलोजनित ओलिफिन के बहुलक।
39.05	प्राथमिक रूपों में बाइनिल एसिटेट या अन्य बाइनिल एस्टर के बहुलक; प्राथमिक रूपों में अन्य बाइनिल बहुलक।
39.06	प्राथमिक रूपों में एक्रिलिक अम्ल।
39.07	प्राथमिक रूपों में पालिएस्टल, अन्य पोलिग्लाइस और एपाक्साइड रेजिन; प्राथमिक रूपों में पोलिकारबोनेट, एल्काइड रेजिन पोलिग्लाइस एस्टर और अन्य पोलिग्लाइस।

1	2
39.08	प्राथमिक रूपों में पोलिमाइड।
39.09	प्राथमिक रूपों में एमिनो रेजिन, फीनोलिक रेजिन और पोलियूरिथेन।
39.10	प्राथमिक रूपों में तिनिकान।
39.11	प्राथमिक रूपों में पेट्रोलियम रेजिन, कूमेरोन-इण्डेन रेजिन, पोलिटरेपेन, पोलिसल्फाइड, पोलिसल्फोन और इस अध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट अन्य उत्पाद, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
39.12	प्राथमिक रूपों में सेलुलोज और उसके रासायनिक व्युत्पाद जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
39.13	प्राथमिक रूपों में प्राकृतिक बहुलक (उदाहरणार्थ, ऐल्गिनिक अम्ल) और रूपांतरित प्राकृतिक बहुलक (उदाहरणार्थ दहीकृत प्रोटीन, प्राकृतिक रबड़) के रासायनिक व्युत्पाद जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
39.14	शीर्ष सं० 30.01 से 39.13 तक के प्राथमिक रूपों में बहुलकों पर आधारित आसन-विनिमयके 2-अवशिष्ट कतरने और स्क्रेप, अर्द्ध विनिर्माण वस्तुएं
अवशिष्ट, कतरने तथा स्क्रेप, अर्ध निमित्त, वस्तुएं	
39.15	प्लास्टिक अवशिष्ट कतरने और स्क्रेप।
39.16	प्लास्टिक या मॉनोफिलामेंट जिन्की कोई अनुप्रस्थ काट विमा 1 मिमी. से अधिक है छड़, छड़ियां और प्रोफाइल आकृतियां चाहे वे पृष्ठ कमित हों या न हों किन्तु अन्यथा कमित न हों।
39.17	प्लास्टिक की ट्यूबें, पाइप और हांज और उनके निरुक्ति (उदाहरणार्थ जोर, एम्बा, स्प्रिंग)।
39.18	प्लास्टिक के फर्श आच्छादन, चाहे स्वयं आसंजक हों या न हों, रीलों में या टाइलों के रूप में या अध्याय के टिप्पण 3 में वर्णित परिभाषित बॉयार या सीलिंग के प्लास्टिक की आच्छादन।

1	2	1	2
	अनुभाग—8		
	कच्ची खालें, और चर्म, फरदार चर्म और उनही वस्तुएं, जीनसाजी और साज, और यात्रा की वस्तुएं, हंड बैग और बैसे ही आधान (रेशम कोट की तांत से भिन्न, तांत की वस्तुएं)	41.07	अन्य प्राणियों का चमड़ा जिन पर बाल न हों और जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के अन्तर्गत आने वाले चमड़े से भिन्न हों।
	अध्याय—41	41.08	सांभर (जिसके अन्तर्गत समुद्रय सांभर हैं) चमड़ा।
	कच्ची खाल और चर्म, (जो फरदार चर्म हो) और चमड़ा	41.09	पेटेंट चमड़ा और पेटेंट परवर्जित चमड़ा, प्राचीन चमड़ा।
41.01	गोवंशीय या अश्वकुल प्राणियों की खालें या चर्म (ताजे, लवणित, शुष्कित, सूना मिले हुए, पिकल किए हुए या अन्यथा परिरक्षित किंतु चर्मशोधित, पार्श्वमेंट परिसज्जित या और निर्मित न किए गए हों) चाहे विरोपित या विभक्त हों या नहीं।	41.10	चमड़े या संगठन चमड़े की कतरनें और अन्य अपशिष्ट जो चमड़े की वस्तुओं, चमड़ा धून; पूर्ण और आटा के विनिर्माण के लिए उपयुक्त न हों।
41.02	भेड़ या मेमने के कच्चे चर्म (ताजे या लवणित, शुष्कित सूना लगे, पिकल किए हुए या अन्यथा परिरक्षित, किंतु चर्म शोधित पार्श्वमेंट परिसज्जित या और निर्मित न हो) चाहे विरोपित या विभक्त हों या नहीं उनसे भिन्न जो इस अध्याय के टिप्पण 1 (ग) द्वारा अपवर्जित हैं।	41.11	चमड़े या चमड़े फाइबर के आधार सहित संगठन चमड़ा, जो पट्ट, शीट या पट्टी में हों, चाहे रोलों में हों या नहीं।
41.03	अन्य कच्ची खालें और चर्म (ताजे या लवणित, शुष्कित, सूना लगे, पिकल किए या अन्यथा परिरक्षित किंतु चर्म शोधित पार्श्वमेंट परिसज्जित या और निर्मित न किए गए हों) चाहे विरोपित या विभक्त हों या नहीं, उनसे भिन्न जो इस अध्याय के टिप्पण 1 (ख) या 1 (ग) द्वारा अपवर्जित हैं।		अध्याय—42
41.04	गोवंशीय या अश्वकुल प्राणियों के चमड़े जिन पर बाल न हों और जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के अन्तर्गत आने वाले चमड़े से भिन्न हैं।		चमड़े की वस्तुएं, जीनसाजी और साज या यात्रा की वस्तुएं; हंड बैग, और बैसे ही आधान (रेशम कोट की तांत से भिन्न); प्राणी तांत की वस्तुएं
41.05	भेड़ या मेमने की त्वचा चमड़ा, जिन पर बाल न हों, जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के अन्तर्गत आने वाले चमड़े से भिन्न हैं।	42.01	किसी सामग्री की किसी प्राणी के लिए जीन साजी और साज (जिनके अन्तर्गत ट्रेस, लीड, मीपेड, मजल, सैंडल क्लॉथ, सैंडल बैग, डाग कोट और बैसी ही वस्तुएं)
41.06	बकरियों या उनके बच्चों की त्वचा, चमड़ा, जिन पर बाल न हों, जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के अन्तर्गत आने वाले चमड़े से भिन्न हों।	42.02	चमड़े, संगठन चमड़े प्लास्टिक चादर, टेक्सटाइल सामग्री, बकननीकृत, फाइबर, पंपर बोर्ड के अथवा पूर्णतया या मुख्यतया ऐसी सामग्री चढ़ाए गए बक्से, सूटकेस, बेनिटीकेस, एक्जीक्यूटिव, केस, ब्रीफ केस, स्कूल साकेल, स्केटकेस, वाहनोक्लर केस, कैमरा केस, वाद्य यंत्र केस, बन्दूक-केस, होल्स्टर और बैसे ही आधान, यात्री के लिए थैले, प्रसाधन के लिए थैले, पाठ थैले, हंडबैग, खरीदारी के लिए थैले, बलेट, पर्स, मैपकेस, डिग्रेड केस तम्बाकू की थैलियां, औजार के थैले खेल कूद के सामान के लिए थैले बीतल रखने के लिए केस, आसूषण के बक्से, कटली केस और बैसे ही आधान।

1	2	1	2
42.03	चमड़े या संगठन चमड़े के परिधान की वस्तुएं और चमड़े के उपसाधन ।		में हो, चिप्पी या कण, बुरादा या अप-जिण्ट लकड़ी और स्नैप के रूप में लकड़ी, चाहे वे लट्ठों, ब्रिकेट, प्लेट या ऐम ही हों में संचित हो या नहीं ।
42.04	चमड़े और संगठन चमड़े की वस्तुएं जो इस प्रकार की हों जो मशीनरी या यांत्रिक साधनों में उपयोग की जाती हैं या जो अन्य तकनीकी उपयोग के लिए हैं ।	44.02	लकड़ी का कोयला, (जिसके अन्तर्गत शोम या नट चारकोल भी है) चाहे संचित हो या नहीं ।
42.05	चमड़े या संगठन चमड़े की अन्य वस्तुएं	44.03	स्थूल, लकड़ी जिस पर से छाल या नयकाष्ठ हटाया गया हो या नहीं या जो मोटे तौर पर वर्गाकार है ।
42.06	तांत (रेशम कौट से भिन्न तांत) की, गोल्ड-बीटर चर्म की, ब्लैडर या टेन्डन की वस्तुएं ।	44.04	हृपबुड, कटे पोल, बल्ली, लकड़ी के पिकेट और खुटे नुकीले किन्तु लंबाई में बिना चिरे, लकड़ी की छड़ियां जो मोटी काटी छांटी गई हैं किन्तु गहरी या मोड़ी नहीं गई है या अन्यथा खरीदी नहीं गई है और जो टहलने की छड़ियों, छाने, औजार के हैंडल और ऐसी ही अन्य वस्तुओं के विनिर्माण के लिए उपयुक्त है, चिप्पी और इसी प्रकार की अन्य लकड़ी ।
अध्याय—43		44.05	काष्ठ ऊन, बुरादा ।
फरदार चर्म और कृत्रिम फर, उनकी विनिर्मितियां		44.06	लकड़ी के रेल या ट्रामवे स्लीपर (काग टाई) ।
43.01	कच्चा फरदार चर्म (जिसके अन्तर्गत सिर, पूंछ, पंजे और अन्य भाग या कतरन हैं, जो फरियरों के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं) जो शीर्ष सं० 40.01, 41.02 या 42.03 के अन्तर्गत आने वाली कच्ची खालों और चमड़े से भिन्न हैं ।	44.07	लम्बाई में चिरी या चिप बनाई गई लकड़ी, जो तराशी गई या छिली गई है, चाहे वह समतलित पालिश की गई या फिगर उवायटिड हो या नहीं किन्तु जो मोटाई में 6 मिमी से अधिक नहीं है ।
43.02	शोधित या परिसाधित फरदार चर्म (जिसके अन्तर्गत सिर, पूंछ, पंजे और अन्य भाग या कतरन हैं) जो असमंजित या समंजित है (अन्य सामग्रियों को जोड़े बिना) जो शीर्ष सं० 43.03 के अन्तर्गत आने वाले से भिन्न हैं ।	44.08	पूष्ठावरण चादर और प्लाईवुड के लिए चादरें (चाहे वे सम्बन्धित हों या नहीं) और अन्य लकड़ी जो लम्बाई में चिरी हुई, तराशी हुई या छिली हुई है, चाहे समतलित, पालिश की हुई या फिगर जोड़दार हो या नहीं, किन्तु जो मोटाई में 6 मि०मी० से अधिक नहीं है ।
43.03	फरदार चर्म के परिधान की वस्तुएं, गपड़ों के उपसाधन और अन्य वस्तुएं ।	44.09	लकड़ी (जिसके अन्तर्गत काष्ठ-कुहिम के लिए असमंजित पट्टियां और चिल-बल्लरी भी हैं) जो निरन्तर (दंगदार, खांचदार, लूलदार, परबदार, वा-जोड़दार, मनकेदार, सांघे में कपी हुई
43.04	कृत्रिम फर और उनकी वस्तुएं ।		
अनुभाग—9			
लकड़ी और लकड़ी की वस्तुएं, लकड़ी का कोयला, कार्क और कार्क की वस्तुएं, पुश्ताल की, एस्पारटों की और अन्य प्लेडिंग सामग्रों की विनिर्मितियां, बेंत के सामान और लपची की चीजें			
अध्याय—44			
लकड़ी और लकड़ी की वस्तुएं, लकड़ी का कोयला			
44.01	ईंधन लकड़ी जो, लट्टे पिण्डक, टहनी, गटठर के रूप में या इसी प्रकार के रूपों		

2

1

2

- गोलाकार या इसी प्रकार की) अपने किसी सिरे या फलक के साथ-साथ स्थित है चाहे समतलित, पालिश की हो या फिगर जोड़दार हो या नहीं
- 44.10 लकड़ी या अन्य काष्ठीय सामग्री के कर्ण बोर्ड या इसी प्रकार के बोर्ड चाहे वे रेसिन या अन्य कार्बनिक संयोजी पदार्थ से संपीड़ित हों या नहीं
- 44.11 लकड़ी के फाइबर बोर्ड या अन्य काष्ठीय सामग्री चाहे वह रेसिन या अन्य कार्बनिक पदार्थों से सम्बन्धित हो या नहीं
- 44.12 प्लाईवुड, पृष्ठावृत्त पेनल और इसी प्रकार की स्तरित लकड़ी
- 44.13 सघनित लकड़ी, जो ब्लाकों, प्लेटों, पट्टियों और प्रोफाइल आकारों में है
- 44.14 रंगचित्रों, फोटोग्राफ, दर्पण या इसी प्रकार की अन्य वस्तुओं के लिए लकड़ी की चौखटे
- 44.15 पैक करने के लकड़ी के केस, बक्से, क्रेट, पीपे और इसी प्रकार की लकड़ी के पैकिंग, लकड़ी के केबल पीपे, पैलेट, वाक्स पैलेट और लकड़ी के अन्य लदाई बोर्ड
- 44.16 लकड़ी के कास्क वॉरेल, वट, टब और अन्य कूपर उत्पादन और उनके भाग, जिसके अन्तर्गत काष्ठिका भी है
- 44.17 लकड़ी के औजार, औजार बाड़ी, औजारों के हैंडल, साड़ू या वृक्ष की बाड़ी और हैंडल, लकड़ी के वूट या जूतों के सांने तथा कलवूत
- 44.18 राजगीर का लकड़ी का योजकर्म और बढ़ईगिरी जिसके अन्तर्गत सैलूलर लकड़ी के पेनल, समजित पारक्वेट पेनल, शिगल और शेक भी हैं,
- 44.19 लकड़ी के खाने-पीने के बर्तन और रसोई के बर्तन
- 44.20 लकड़ी, पच्चीकारी और जड़ाऊ लकड़ी आभूषणों या छुरीकांटे के लिए कास्केट या केस और इसी प्रकार की लकड़ी

की वस्तुएं, लकड़ी की मूर्तिकाएं और अन्य अलंकारात्मक लकड़ी के फर्नीचर की वस्तुएं जो अध्याय-94 के अन्तर्गत नहीं आती हैं

लकड़ी की अन्य वस्तुएं

अध्याय—45

कार्क और कार्क की वस्तुएं

- 45.01 प्राकृतिक कार्क, अपरिष्कृत या साधारण रूप से तैयार किया गया, अपरिष्कृत कार्क, संदलित, दानेदार या पिसा कार्क
- 45.02 प्राकृतिक कार्क, डिब्रेकड या स्थूलतः वर्गीकार, या आयतकार (जिसके अन्तर्गत वर्गीकार भी है) ब्लाक प्लेट, चादरें या पट्टियां (जिनके अन्तर्गत कार्क या डाट के लिए नुकीले ब्लॉक भी हैं)
- 45.03 प्राकृतिक कार्क की वस्तुएं
- 45.04 संपीड़ित कार्क (बंधक पदार्थ सहित या उसके बिना) और संपीड़ित कार्क की वस्तुएं

अध्याय—46

पुआल की एस्पाटों की और अन्य संग्रथन सामग्री को विनिर्मितियां, बास्केट सामान और खपच्ची की वस्तुएं

- 46.01 संग्रथ और संग्रथन सामग्री के इसी प्रकार के उत्पाद चाहे वे पट्टियों में समजित हों या नहीं, संग्रथन सामग्री, संग्रथ और समानान्तर गुफों में इकट्ठी बद्ध या चादर के रूप में व्यूतित संग्रथन सामग्री के उसी प्रकार के उत्पाद चाहे वस्तुएं परि-सज्जित वस्तुएं हों या नहीं (उदाहरणार्थ पायदान, चटार्ई, पर्दे)
- 46.02 संग्रथन सामग्री से प्रत्यक्षतः आकार के बने हुए या शीर्ष सं० 46.01 के अन्तर्गत आने वाले सामान से बने हुए, बत के सामान, खपच्ची की चीजें और अन्य वस्तुएं, लुफा की वस्तुएं

1	2	1	2
अनुभाग—10			
लकड़ी या अन्य रेशेदार सेलुलोसी सामग्री की लुगदी कागज या पेपर बोर्ड का अपशिष्ट और स्कैप कागज और पेपर बोर्ड और उनकी वस्तुएं			
अध्याय—47			
लकड़ी या अन्य रेशेदार सेलुलोसी सामग्री की लुगदी कागज या पेपर बोर्ड या अपशिष्ट और स्कैप			
47.01	यांत्रिक लकड़ी की लुगदी	48.04	समुद्भूत छिद्रित, रंगीन सतह वाले, सतह मजे हुए या छपे हुए हों, चाहे वे रोल किए हुए जिसकी चौड़ाई 36 से० मी० से अधिक हो या ऐसे आयाताकार (जिसके अन्तर्गत वर्ग हैं) शीटों में हो जिसकी कम से कम एक भुजा अनवलेित अवस्था में 36 से० मी० की हो।
47.02	रसायनिक लकड़ी की लुगदी घुलनशील श्रेणियां		शीर्ष सं० 48.02 या 48.03 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न अविलेपित क्राफ्ट कागज और पेपर बोर्ड चाहे वह रोल या शीटों में
47.03	रासायनिक लकड़ी की लुगदी, अन्य घुलनशील श्रेणियों से भिन्न सोडा या सल्फेट	48.05	—अन्य अविलेपित कागज और पेपर बोर्ड जो रोल हो या शीटों में हो
47.04	रासायनिक लकड़ी की लुगदी, घुलनशील श्रेणियों से भिन्न सल्फाइट	48.06	वनस्पति, चर्मपत्र, चिकनाई रोधी कागज, अनुरेखण कागज और कांचमय और अन्य चमकदार पारदर्शी या पारभासी कागज, जो रोल हो या शीटों में हो
47.05	अर्ध-रासायनिक लकड़ी की लुगदी		मिश्र कागज और पेपर बोर्ड (जो कागज या पेपर बोर्ड की चपटी परतों को आपस में किसी आसंजक से चिपका कर तैयार किया गया हो जो विलेपित सतह वाले या असेचित न हो, चाहे आंतरिक रूप से प्रबलित हो या नहीं, और चाहे वे रोल में हो या शीटों में हों
47.06	अन्य रेशेदार सेलुलोस सामग्री की लुगदियां	48.07	शीर्ष सं० 48.03 या 48.18 के अन्तर्गत आने वाले कागज और पेपर बोर्ड से भिन्न ऐसा कागज और पेपर बोर्ड जो नालीदार (सरेस सहित या रहित चपटी पृष्ठ चादरें) क्रेपदार, शिकनदार समुद्भूत या छिद्रित हो, चाहे वह रोल में हो या शीटों में हो
47.07	कागज या पेपर बोर्ड का अपशिष्ट और स्कैप		कार्बन कागज, स्वतः प्रतिलिपि कागज और अन्य प्रतिलिपिकरण या अन्तरण कागज (जिसके अन्तर्गत अनुलिपिक, स्टेंसिल, या ग्राफसेट प्लेट के लिए विलेपित या संसेचित कागज भी है) चाहे वह छपा हुआ हो या नहीं और चाहे ऐसा रोल किया हुआ हो जिसकी चौड़ाई 36 से० मी०, से अधिक हो या ऐसी आयाताकार (जिसके अन्तर्गत वर्ग हैं) शीटों में
अध्याय—48			
कागज और पेपर बोर्ड; कागजी लुगदी की, कागज की या पेपर बोर्ड की वस्तुएं			
48.01	अखबारी कागज, रोल किए हों या शीटों में	48.08	
48.02	इस प्रकार का अविलेपित कागज और पेपर बोर्ड जिनका उपयोग लेखन, मुद्रण या अन्य आलेखी प्रयोजनों के लिए किया जाता है और शीर्ष सं० 48.01 या 48.03 के अन्तर्गत आने वाले कागज से भिन्न छिद्रित कार्ड स्टैक और छिद्रित टेप कागज जो रोल किया हुआ हो या शीट में हो; हस्त निर्मित कागज और पेपर बोर्ड।	48.09	
48.03	शीच या आनन ऊतक स्टैक, तौलिया या नेपकिन स्टैक और इसी प्रकार का कागज जिसका गृहस्थी या स्वच्छता प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है, सेलुलोस तल्पी और सेलुलोन फाइबर के जाल चाहे वे क्रेपदार शिकनदार		

1	2	1	2
	हो जिसकी कम से कम एक भुजा अन- येकिन अवस्था में 36 से० मी० की हो 36 से० मी० से अधिक चादरों (जिनमें वर्ग भी है) की अवस्था में ।		जिसमें कागज लेखन सामग्री का प्रकीर्ण अन्तर्दिष्ट हो।
48.10	कागज और पेपर बोर्ड जो एक या दोनों ओर से काओलिन (चीनी मिट्टी) या किसी अन्य अकार्बनिक पदार्थ से विलेपित हो, किसी बंधक के साथ या बिना बंधक के हो और किसी अन्य विलेपन रहित है चाहे वह रंगीन सतह वाली, सजी-सतह वाला या छपा हुआ हो चाहे रोल किया हुआ हो या शीटों में हो ।	48.18	शीच कागज, रुमाल, शोधन ऊतक, तौलिया, मेजपोश, सर्वियट, शिणु नैपकिन, टैम्पन, बिछावन की चादरें और इसी प्रकार की गृहस्थी, स्वच्छता या अस्पताल की वस्तुएं, कागज की लुगदी, कागज, सेलुलॉस तल्पी या सेलुलॉस फाइबर, जाल परिधान की वस्तुएं और कपड़ों के उपमात्र
48.11	शीर्ष सं० 48.03, 48.0, 48.10 या 48.18 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न कागज, पेपर बोर्ड, सेलुलॉस तल्पी और सेलुलॉस फाइबर के जाल, विलेपित, गंसेचित, अच्छादित, रंगीन सतह वाले, सतह सजी हुई या छपे हुए, चाहे रोल में हो या शीट में हों	48.19	कागज, पेपर बोर्ड, सेलुलॉस, तल्पी या सेलुलॉस फाइबर जाल के डिब्बे, बक्से केस, थैले और पैकिंग के अन्य आधान, इस प्रकार के कागज या पेपर बोर्ड के बाक्स फाइल, पत्र द्रे और बैसी ही वस्तुएं जिनका उपयोग कार्यालयों दुकानों या वैसे ही स्थानों में किया जाता है
48.12	कागज की लुगदी के फिल्टर ब्लॉक, सिल्लियाँ और प्लेट	48.20	कागज या पेपर बोर्ड के रजिस्टर, लखा बही, नोटबुक, आर्डर बुक, रसीद बुक, पत्र पैड, ज्ञापन पैड, डायरी और इसी प्रकार की वस्तुएं, अभ्यास पुस्तिका, स्याही सीख पैड, बंधक (लून जीफ या अन्य) फोल्डर, फाइल कवर, बहुमुख व्यापारिक प्ररूप, अन्तरापत्रित कार्बन सेट और लेखन सामग्री की अन्य वस्तुएं; कागज और पेपर बोर्ड का नमूना या संग्रहण एलबम और पुस्तिका कवर ।
48.13	सिगरेट का कागज चाहे वह आकार में या पुस्तिकाओं अर्थात् ट्यूब के रूप में कटा हो या नहीं	48.21	सभी प्रकार के कागज या पेपर बोर्ड लेबल चाहे छपे हुए हों या नहीं
48.14	भिन्न कागज और बैसा ही भिन्न आच्छादन; बिड़की पारदर्शी कागज	48.22	कागज लुगदी, कागज या पेपर बोर्ड के बाबिन, स्क्व और वैसे ही आधार (चाहे छिद्रित या दृढ़ीकृत हो या नहीं)
48.15	कागज और पेपर बोर्ड के आधार पर फर्ण की बिछावन चाहे वह आकार में कटी हो या नहीं	48.23	अन्य कागज, पेपर बोर्ड, सेलुलॉस तल्पी और सेलुलॉस फाइबर के जाल जो आकार या आकृति में कटे हुए हों, कागजी लुगदी, कागज, पेपर बोर्ड सेलुलॉस तल्पी या सेलुलॉस फाइबर जाल की अन्य वस्तुएं
48.16	कार्बन कागज, स्वयं प्रतिनिधि कागज और अन्य प्रतिलिपिकरणीय अन्तरण कागज (शीर्ष सं० 48.09 के अन्तर्गत आने वाले से भिन्न) कागज को अनु- लिपित स्टेंसिल और आफसेट प्लेट चाहे वे बाक्सों में रखी हो या नहीं		
48.17	कागज या पेपर बोर्ड के लिफाफे, पत्र कार्ड, सादा पोस्ट कार्ड और पत्रा- चार कार्ड; कागज या पेपर बोर्ड के बाक्स कोष्ट, छोला, लेखन काम्पेन्डियम		

1	2	1	2
	अध्याय—49		
	मुद्रित पुस्तकें, समाचार-पत्र, चित्र और मुद्रण उद्योग के अन्य उत्पाद, पाण्डुलिपियाँ, टाइपलिपियाँ और रेखांक		
49.01	मुद्रित पुस्तकें, विवरणिका, पर्चे और वैसे ही मुद्रित सामग्री, चाहे वह एकल शीट में हों या नहीं	49.10	किसी भी प्रकार के मुद्रित कैलेण्डर, जिनके अन्तर्गत कैलेण्डर खातक है।
49.02	समाचार पत्र, पत्रिकाएँ और नियत-कालिक पत्रिकाएँ, चाहे वे सचित्र हों या नहीं चाहे उनमें विज्ञापन सामग्री हों या नहीं	49.11	अन्य मुद्रित सामग्री, जिसके अन्तर्गत मुद्रित चित्र और फोटो है।
49.03	बालकों के लिये सचित्र, ड्राइंग या रंगकारी पुस्तकें		अनुभाग—11
49.04	मुद्रित या पाण्डुलिपि में संगीत, चाहे वह जिल्द बंधा हुआ या निदर्श चित्र में हो या नहीं।		टेक्सटाइल और टेक्सटाइल की वस्तुएँ
49.05	सभी प्रकार के नक्शे और जलराशिदीय या वैसे ही चार्ट जिनके अन्तर्गत एटलस, भित्ति नक्शे, स्थलाकृतिक रेखांक और मुद्रित ग्लोब है।		अध्याय—50
49.06	स्थापत्य, इंजीनियरी, औद्योगिक, वाणिज्यिक, स्थलाकृतिक या वैसे ही प्रयोजनों के लिये रेखांक और ड्राइंग जो हाथ से तैयार की गई मूल प्रतियों में हों, हस्तलिखित पाठ, सूक्ष्म ग्राहोक्त कागज पर फोटोचित्र पुनरुत्पादन और पूर्वावर्ती सामग्री की कार्बन प्रतिलिपियाँ		रेशम
49.07	उस देश में जिसके लिए नियत किया गया है, चालू या नये जारी किये गये डाक महसूल स्टाम्प, राजस्व स्टाम्प और वैसे ही स्टाम्प जो उपयोग में न लाए गए हों, नये कागज, बैंक फार्म; बैंक नोट स्टॉक, शेयर प्रमाण-पत्र या बन्ध पत्र और हक की वैसे ही दस्तावेज	50.01	संशुद्धन के लिये उत्तुंग रेशम कीट काकून
49.08	अनुचित (डोकेल कोमेनिज)	50.02	कच्चा रेशम (जो प्रक्षिप्त न हो)
49.09	मुद्रित या निदर्श-चित्र पोस्टकार्ड ऐसे मुद्रित कार्ड जिनमें व्यक्तिगत शुभकामना, मन्देश या सूचना दी गई हो चाहे वे निदर्श-चित्र हों या नहीं, चाहे वे लिफाफा या सम्बर्धन सहित हों या उनमें रहित हों	50.03	अप्रक्षिप्त रेशम (जिनके अन्तर्गत संशुद्धन के लिये उत्तुंग काकून अप्रक्षिप्त सूत और गार्नेट गिरा हुआ मान्य है)।
		50.04	रेशम सूत (अप्रक्षिप्त रेशम से कटे हुए सूत से मिले) जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया है।
		50.05	अप्रक्षिप्त रेशम से कटा सूत, जो फुटकर विक्रय के लिए नहीं रखा गया है।
		50.06	रेशमी सूत और अप्रक्षिप्त रेशम से कटा सूत, जो फुटकर विक्रय के लिये रखा गया हो, रेशम कीट की तांत।
		50.07	रेशम या अप्रक्षिप्त रेशम के व्यूति फैब्रिक
			अध्याय—51
			ऊन, बारीक या मोटे प्राणी बाल; छोड़े के बालों का सूत और व्यूतित फैब्रिक
		51.01	ऊन, जो धूतित या कंकनकृत नहीं है।
		51.02	बारीक या मोटे प्राणी बाल जो धूतित या कंकनकृत नहीं है।
		51.03	ऊन का या बारीक या मोटे प्राणी बालों का अप्रक्षिप्त, जिसके अन्तर्गत सूत अप्रक्षिप्त भी है किन्तु इसके अन्तर्गत गार्नेट किया हुआ स्टॉक नहीं है।

1	2	1	2
51.04	ऊन का, या बारीक या मोटे प्राणीबाल का गार्नेट किया हुआ स्टोक	52.05	कपास सूत (सिलाई धागे से भिन्न) जिसमें भार में सूत 85 प्रतिशत या उससे अधिक हो और जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया हो
51.05	धूनिता या कंकतकृत ऊन और बारीक या मोटे प्राणीबाल (जिनके अन्तर्गत टुकड़ों में कंकतकृत ऊन भी है)	52.06	कपास सूत (सिलाई धागा से भिन्न), जिसमें भार में कपास 85 प्रतिशत से कम है और जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया हो
51.06	धूनिता ऊन का सूत, जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया है	52.07	कपास सूत (सिलाई धागे से भिन्न), जो फुटकर विक्रय के लिये रखा गया हो
51.07	कंकतकृत ऊन का सूत, जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया है	52.08	कपास के व्यूतिता, फैब्रिक, जिनमें कपास भार में 75 प्रतिशत या उससे अधिक है, जिसका भार 200 ग्राम से अधिक हो
51.08	बारीक प्राणी बाल का सूत (धूनिता या कंकतकृत), जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया है	52.09	कपास के व्यूतिता फैब्रिक, जिसमें भार में कपास 85 प्रतिशत या उससे अधिक है, जिसका भार 200 ग्राम से अधिक हो
51.09	ऊन का सूत या बारीक, प्राणीबाल, जो फुटकर विक्रय के लिये रखे गये हैं	52.10	कपास के व्यूतिता फैब्रिक, जिनमें भार में कपास 85 प्रतिशत से कम हो और जो मुख्यतः या एकमात्र मानव निर्मित फाइबर के साथ मिश्रित हों तथा जिसका भार 200 ग्राम से अधिक न हो
51.10	मोटे प्राणी बाल का या छोड़े के बाल का सूत (जिसके अन्तर्गत जिम्प किये हुए छोड़े के बाल का सूत भी है), चाहे फुटकर विक्रय के लिये रखा गया हो या नहीं	52.11	कपास के व्यूतिता फैब्रिक, जिसमें भार में कपास 85 प्रतिशत से कम हो और जो मुख्यतः या एकमात्र मानव निर्मित फाइबर के साथ मिश्रित हो तथा जिसका भार 200 ग्राम से अधिक हो
51.11	धूनिता ऊन के या धूनिता बारीक प्राणी बाल के व्यूतिता फैब्रिक	52.12	कपास के अन्य व्यूतिता फैब्रिक
51.12	कंकतकृत ऊन के या कंकतकृत बारीक प्राणी बाल के व्यूतिता फैब्रिक		
51.13	मोटे प्राणी बाल का या छोड़े के बाल का व्यूतिता फैब्रिक		
अध्याय—52		अध्याय—53	
कपास		अन्य व्यूतिता फैब्रिक, कागज सूत और कागज सूत के व्यूतिता फैब्रिक	
52.01	कपास, जो धूनिता या कंकतकृत नहीं है	53.01	सन, जो अग्रिष्कृत या प्रसंस्कृत हो किन्तु कटा हुआ न हो, सन के ह्रस्व और तन्तु अप
52.02	कपास अपशिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत अपशिष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टोक भी है)		
52.03	धूनिता या कंकतकृत कपास		
52.04	कपास का सिलाई धागा, चाहे फुटकर विक्रय के लिये रखा हो या नहीं		

1	2	1	2
	शिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत के अपशिष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक है)।	53.10	शीर्ष 53.03 के अन्तर्गत आने वाले जूट के या अन्य टेक्सटाइल बास्ट फाइबर के व्युत्पन्न फाइबर
53.02	टू, हैम्प (कैनेबिस साटिवा, एल), जो अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हो किन्तु कटा हुआ न हो, टू, हैम्प के ह्रस्व तन्तु और अपशिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत के अपशिष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक है)	53.11	अन्य वनस्पति टेक्सटाइल फाइबरों के व्युत्पन्न फैब्रिक; कागज के सूत के व्युत्पन्न फैब्रिक
53.03	जूट और अन्य टेक्सटाइल बास्ट फाइबर (जिसके अन्तर्गत, सन, टू, हैम्प और रेमी नहीं हैं), जो अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हो किन्तु कटे हुए न हों; इन फाइबरों के ह्रस्व तन्तु, और अपशिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत के अपशिष्ट और गार्नेट, किया हुआ स्टाक है)।		अध्याय--54
53.04	जीनस अगेब के सीसल और अन्य टेक्सटाइल फाइबर, जो अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हों किन्तु कटे हुए न हों; इन फाइबरों के ह्रस्व तन्तु और अपशिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत अपशिष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक है)।	54.01	कृत्रिम फिलामेंट के सिलाई के धागे चाहे वे फुटकर विक्रय के लिए रखे जाते हैं या नहीं
53.05	नारियल अबाका, (मनीला हैप या म्यूजा टेक्सटाइल नी) रेमी और अन्य वनस्पति टेक्सटाइल फाइबर जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं, अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हैं, किन्तु कटा हुआ नहीं है इन फाइबरों के ह्रस्व तन्तु, नाइल और अपशिष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत अपशिष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक है)।	54.02	संश्लिष्ट फिलामेंट सूत (सिलाई के धागों से भिन्न) जो फुटकर विक्रय के लिए नहीं रखे जाते हैं और जिनके अन्तर्गत 67 डेसिटेक्स से कम का संश्लिष्ट मोनो फिलामेंट है।
53.06	सन का सूत	54.03	कृत्रिम फिलामेंट सूत (सिलाई के धागों से भिन्न) जो फुटकर विक्रय के लिए नहीं रखे जाते हैं जिसके अन्तर्गत 67 डेसिटेक्स के कृत्रिम मोनो फिलामेंट है
53.07	शीर्ष सं० 53.03 के अन्तर्गत आने वाले जूट के या अन्य टेक्सटाइल बास्ट फाइबरों के सूत	54.04	67 डेसिटेक्स या अधिक के संश्लिष्ट मोनो फिलामेंट (जिसकी अनुप्रस्थ काट वाली कोई विमा 1 मि० मी० से अधिक नहीं है; 5 मि० मी० से वे अनधिक की स्पष्ट चौड़ाई के संश्लिष्ट टेक्सटाइल सामग्रियों के स्ट्रिप और वैसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ कृत्रिम पुआल)
53.08	अन्य वनस्पति टेक्सटाइल फाइबर का सूत; कागज का सूत	54.05	67 डेसिटेक्स या अधिक के कृत्रिम मोनो फिलामेंट जिसकी अनुप्रस्थ काट वाली कोई विमा 1 मि० मी० से अधिक नहीं है; 5 मि० मी० से अनधिक की स्पष्ट चौड़ाई के कृत्रिम टेक्सटाइल के स्ट्रिप और वैसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ कृत्रिम प्रआल)
53.09	सन के व्युत्पन्न फैब्रिक	54.06	कृत्रिम फिलामेंट सूत (सिलाई के धागों से भिन्न) जो फुटकर विक्रय के लिये रखे जाते हैं

(1)	(2)	1	2
54.07	संश्लिष्ट फिलामेंट सूत के व्युत्पन्न फैब्रिक जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 54.04 की सामग्रियों से प्राप्त व्युत्पन्न फैब्रिक है।	55.11	कृत्रिम स्टेपल फाइबर का (सिलाई धागे से भिन्न) सूत जिसे फुटकर विक्रय के लिये प्रस्तुत किया गया हो।
54.08	कृत्रिम फिलामेंट सूत के व्युत्पन्न फैब्रिक जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 54.05 की सामग्रियों से प्राप्त व्युत्पन्न फैब्रिक है।	55.12	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर के व्युत्पन्न फैब्रिक जिसमें भार के आधार पर 85 प्रतिशत या अधिक संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर है।
अध्याय 55		55.13	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर के व्युत्पन्न फैब्रिक जिसमें भार के आधार पर 85 प्रतिशत से कम ऐसे फाइबर हैं, जो 170 ग्राम से अधिक भार के कपास के साथ मुख्यतः या पूर्णतः मिश्रित हैं।
कृत्रिम स्टेपल फाइबर			
55.01	उपशीर्ष सं० फिलामेंट ह्यूस्वतन्तु		
55.02	कृत्रिम फिलामेंट ह्यूस्वतन्तु		
55.03	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर, जो कटाई के लिये धुनित, कंकतकृत या अन्यथा प्रसंस्कृत न किया गया हो।	55.14	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर के व्युत्पन्न फैब्रिक जिसमें भार के आधार पर 85 प्रतिशत से कम ऐसे फाइबर हैं, जो 170 ग्राम से अधिक भार के कपास के साथ मुख्यतः या पूर्णतः मिश्रित हैं।
55.04	कृत्रिम स्टेपल फाइबर, जो कटाई के लिये धुनित कंकतकृत या अन्यथा प्रसंस्कृत न किया गया हो।		
55.05	कृत्रिम फाइबर का अपशिष्ट (जिस के अन्तर्गत नायल सूत अपशिष्ट और गानेट किया हुआ स्टॉक भी है)	55.15	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबरों के अन्य व्युत्पन्न फैब्रिक
55.06	संश्लिष्ट स्टेपल फाइबर, जो कटाई के लिये धुनित कंकतकृत या अन्यथा प्रसंस्कृत किया गया हो।	55.16	कृत्रिम स्टेपल फाइबरों के व्युत्पन्न फैब्रिक
55.07	कृत्रिम स्टेपल फाइबर, जो कटाई के लिये धुनित कंकतकृत या अन्यथा प्रसंस्कृत किया गया हो।	अध्याय—56	
55.08	कृत्रिम स्टेपल फाइबर या सिलाई धागा, चाहे फुटकर विक्रय के लिये रखा गया हो या नहीं।	तल्पी, तमदा और अन्युत्पन्न, विशेष सूत, रज्जुक, रज्जु, रस्सी और केबल और उनकी वस्तुएं	
55.09	संश्लिष्ट फाइबर का (सिलाई धागे से भिन्न) सूत जो फुटकर विक्रय के लिये प्रस्तुत नहीं किया गया हो।	56.01	टैक्सटाइल सामग्री की तल्पी और उस की वस्तुएं टैक्सटाइल फाइबर जो 5 से०मी० से अधिक लम्बी नहीं है (गुच्छा) टैक्सटाइल धूल और चक्की की छोटी गांठें।
55.10	कृत्रिम स्टेपल फाइबर का (सिलाई धागे से भिन्न) सूत जिसे फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया हो।	56.02	तमदा, चाहे संसेचित, बिसेपित, घाञ्छादित या पटलित हो या नहीं।
		56.03	अवयवित चाहे संसेचित, बिसेपित, घाञ्छादित या पटलित हो या नहीं

(1)	(2)	(1)	(2)
56.04	रबड़ धागा और रज्जु, टेक्सटाइल आच्छादित; टेक्सटाइल सूत और स्ट्रीप्स और शीर्ष सं० 54.05 के अन्तर्गत आने वाली वैसी ही वस्तुएं जो रबड़ या प्लास्टिक से संसृजित, विलेपित, आच्छादित, या आवृत	57.03	गलीचे और टेक्सटाइल की अन्य फर्श बिछाने गुच्छेदार, चाहे बनी हुई हों या नहीं
56.05	धातुगत सूत चाहे जिम्प हो या नहीं जो टेक्सटाइल सूत या स्ट्रीप या शीर्ष सं० 54.04 या 54.05 के अन्तर्गत आने वाली वैसी ही वस्तुएं जो धागे, स्ट्रीप या चूर्ण के रूप में धातु से संयुक्त हो या धातु आच्छादित हो	57.04	गलीचे और टेक्सटाइल की अन्य फर्श बिछाने नमदा की जो गुच्छेदार या फ्लाक की गई न हो चाहे बनी हो या नहीं
56.06	जिम्प सूत और स्ट्रीप र शीर्ष सं० 54.04 या 54.05 के अन्तर्गत आने वाली वैसी ही वस्तुएं जो जिम्प की गई हों (शीर्ष सं० 56.05 और जिम्प बोर्ड के बाल वाले सूत से भिन्न) शनील सूत (जिसमें गुच्छा शनील सूत भी है) फंदा बेल	57.05	अन्य गलीचे और टेक्सटाइल के अन्य फर्श बिछाने चाहे बने हो या नहीं
56.07	रज्जुक, डोरी, रस्सी और केबल चाहे संयुक्त या गुंफित हो या नहीं और चाहे रबड़ या प्लास्टिक से आवृत या आच्छादित हो या नहीं	अध्याय 58	
56.08	रज्जुक, डोरी या रस्सी की गांठदार मत्स्य पकड़ने का बना हुआ जाल और टेक्सटाइल सामग्री का अन्य बना हुआ जाल	विशेष व्युत्पन्न फैब्रिक, गुच्छेदार, टेक्सटाइल, फैब्रिक, लेस टेपेस्टरी, झालर, कसीराकारी	
अध्याय 57		58.01	शीर्ष सं० 58.02 58.06 के अन्तर्गत आने वाले या फैब्रिक से भिन्न व्युत्पन्न मत्स्य फैब्रिक और शनील फैब्रिक
गलीचे और टेक्सटाइल की अन्य फर्श बिछाने		58.02	शीर्ष सं० 58.06 के अन्तर्गत आने वाले संकरे फैब्रिक से भिन्न टेरी टावलिंग और वैसी ही व्युत्पन्न टेरी फैब्रिक, शीर्ष सं० 57.03 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों से भिन्न गुच्छेदार टेक्सटाइल फैब्रिक
57.01	गलीचे और टेक्सटाइल की अन्य फर्श बिछाने, गांठ वाली, चाहे बनी हुई हों या नहीं	58.03	शीर्ष सं० 58.06 के अन्तर्गत आने वाले संकरे फैब्रिक से भिन्न गेज
57.02	गलीचे और टेक्सटाइल की अन्य फर्श बिछाने व्युत्पन्न, जो गुच्छेदार या फ्लाक की गई न हों चाहे बनी हुई	58.04	टल और अन्य जाली वाले फैब्रिक जिनके अन्तर्गत व्युत्पन्न, बुने हुए या क्रोशिया फैब्रिक नहीं हैं लेस, खण्डों में पट्टियों में या मोटिफ में
		58.05	गोबेलेन, स्लैण्डर, आबूग्रान व्युत्पन्न या उसी प्रकार की हस्त व्युत्पन्न टेपेस्टरी और सुई के काम की टेपेस्टरी (उदाहरण के लिए पेटिट प्वाइंट काम (डांका) चाहे बने हों या नहीं
		58.06	शीर्ष सं० 58.07 के माल से भिन्न संकरे व्युत्पन्न फैब्रिक; संकरे फैब्रिक जिसमें आसंजक के माध्यम से समुच्चयित बाना के बिना ताना हो (बोल्डफस)

1	2	1	2
58.07	लेबल, पैज और बैसी ही टेक्सटाइल की वस्तुएं खण्डों में, पट्टियों में या आकृति या आकार में कटी हुई जिस पर कसीदाकारी न की गई हो	59.03	शीर्ष सं० 59.02 के अन्तर्गत प्लास्टिक से भिन्न, प्लास्टिक से संसिक्त, विलेपित, आच्छादित या पटलित टेक्सटाइल फैब्रिक
58.08	टुकड़ों में थ्रोड (गुफित), टुकड़ों में अलंकृत झालर, जिन पर बनी हुई या क्रोशिया की हुई से भिन्न कसीदाकारी न हो, अम्बा, फुंदना और बैसी ही वस्तुएं	59.04	लिनोलियम, जो आकारानुसार कटा है या नहीं, फर्श आच्छादन जिसका विलेपित या आच्छादित टेक्सटाइल पुण्ड है चाहे वह आकारानुसार कटी है या नहीं
58.09	धातु धागों के व्यूतित फैब्रिक और धातुविकृत सूत के व्यूतित फैब्रिक जो शीर्ष सं० 56.05 के अन्तर्गत हैं और जो इस प्रकार हैं जिनका उपयोग परिधानों में, साजसज्जा की फैब्रिक या बैसे ही प्रयोजनों के लिए किया जाता है और जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है	59.05	टेक्सटाइल बीवार आच्छादन
58.10	टुकड़ों, पट्टियों या मोटियों पर कसीदाकारी	59.06	रबड़ीकृत टेक्सटाइल फैब्रिक जो शीर्ष सं० 59.02 से भिन्न है
58.11	टुकड़ों में क्लिप्ट किए हुए टेक्सटाइल उत्पाद, जो भराई करके मिल करके या अन्यथा पैडों को जोड़कर टेक्सटाइल सामग्रियों की एक या अधिक पतों में मिलकर बना है तथा जो शीर्ष सं० 58.10 की कसीदाकारी से भिन्न है	59.07	अन्यथा संसिक्त, विलेपित या आच्छादित टेक्सटाइल फैब्रिक, रंगमंच के दृश्य वाले चित्रित कैनवास, स्टूडियो पिछवाई या बैसी ही वस्तुएं
	अध्याय—59	59.08	तैलों, स्टोवों, लाइटर्स, मोमबत्तियों या बैसी ही वस्तुओं के लिए व्यूतित प्लेटित या बुनी हुई टेक्सटाइल, बत्तियां, ताप दीप्त गैस के मँटल और उनके लिए नलदार बुने हुए गैसों के मँटल फैब्रिक चाहे वे संसिक्त हैं या नहीं
संसिक्त, विलेपित, आच्छादित या पटलित टेक्सटाइल फैब्रिक, औद्योगिक उपयोग के लिए उपयुक्त प्रकार की टेक्सटाइल वस्तुएं		59.09	टेक्सटाइल होजपाइपिंग और बैसी ही टेक्सटाइल ट्यूबिंग, चाहे वह बख्तर या अन्य सामग्री के अन्तर, कवच या उप साधन रहित हो या उसके सहित
59.01	गोद या मंडिल पदार्थों से विलेपित टेक्सटाइल जिनका उपयोग पुस्तकों या बैसी ही वस्तुओं के बाहरी आवरण के लिए किया जाता है; आरेखन कपड़ा, तैयार चित्रित कैनवास; बकरम और बैसे ही कड़े किए गए इस प्रकार के टेक्सटाइल फैब्रिक जिनका उपयोग हँट आधार के रूप में किया जाता है	59.10	टेक्सटाइल सामग्री के संचारण या संवाहक पेटियां या पेटीवाले कपड़े चाहे वे धातु या अन्य सामग्री से प्रबलित हैं या नहीं
59.02	नायलान या अन्न पोलिएमाइड, पोलिएस्टर या विस्कोस रेयान के उच्च लमिण्डता सूत के टायर काई फैब्रिक	59.11	नक्कीकी उपयोग के लिए टेक्सटाइल उत्पाद और वस्तुएं जो इस अध्याय के टिप्पण 7 में विनिर्दिष्ट हैं
	अध्याय—60		
	बुना हुआ और क्रोशिए से बना हुआ फैब्रिक		
	60.01	बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए सएवार फैब्रिक, जिसके अन्तर्गत लम्बे सएवार फैब्रिक और टेरी फैब्रिक	

(1)	(2)	1	2
60.02	अन्य बने हुए क्रोशिया से बने हुए फैब्रिक	61.09	टी-शर्ट, सिग्लेट्स और अन्य वेस्टे, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई
अध्याय—61		61.10	जर्सी, पुलओवर, कार्डिगन, वेस्टकोट और वैसे ही वस्तुएं, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई
बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए परिधान की वस्तुएं और वस्त्रों के उपसाधन		61.11	बच्चों के वस्त्र और कपड़ों के उपसाधन, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
61.01	पुरुषों और लड़कों के ओवरकोट, कार कोट, कैप, क्लोक, धनोरक (जिसके अन्तर्गत स्की जैकेटें भी हैं), विंड-शीटर, विंड जैकेट और वैसे ही वस्तुएं बुने हुए या क्रोशिए से बुने हुए, जो शीर्ष सं० 61.03 से भिन्न हैं।	61.12	ट्रेक सूट, स्की सूट और तैरने की पोशाक, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई
61.02	स्त्रियों और लड़कियों के ओवरकोट, कार कोट, कैप अलोक, धनोरक (जिसके अन्तर्गत स्की जैकेटें हैं), विंड-शीटर, विंड जैकेट और वैसे ही वस्त्र, बुने हुए या क्रोशिए से बने, जो शीर्ष सं० 61.04 से भिन्न हैं।	61.13	शीर्ष सं० 59.03, 59.06 या 59.07 के बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए फाइबर के वस्त्र
61.03	पुरुषों और लड़कों के सूट, समुच्चय, जैकेट, ब्लेजर, पतलून, बिब और ब्रेस ओवर ब्राल, ब्रिजिस और निकर (तैरने के कपड़ों से भिन्न), बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए	6.14	अन्य वस्त्र, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
		61.15	पैटी होज, टाइट, मौज, जुराब (साक्स) और अन्य हीजरी, जिसके अन्तर्गत बेरोकोज वेन्स और बिना सोल के जूते के लिए मौजे हैं, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
61.04	स्त्रियों और लड़कियों के सूट, समुच्चय, जैकेट, पोशाकें, स्कर्ट, विभक्त स्कर्ट, पतलून, बिब और ब्रेस ओवरब्राल और निकरें (तैरने की पोशाक से भिन्न) बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए	61.16	दस्ताने, मिटन और मिट, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
61.05	पुरुषों और लड़कों की कमीजें, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई	61.17	अन्य बने हुए कपड़ों के उपसाधनों, बुने हुए या क्रोशिए से बने, वस्त्रों या कपड़ों के उपसाधनों के बुने हुए या क्रोशिए से बने भाग
		अध्याय—62	
61.06	स्त्रियों और लड़कियों के ब्लाउज, कमीजें और कमीज-ब्लाउज, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई	परिधान की वस्तुएं और कपड़ों के उपसाधन जो बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए न हों	
61.07	पुरुषों और लड़कों के अंडरपेंट, ब्रीफ, नाइटशर्ट, पाजामा, बाथरोब, ड्रेसिंग गाउन और वैसे ही वस्तुएं, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई	62.01	शीर्ष सं० 62.03 से भिन्न पुरुषों या लड़कों के ओवरकोट, कास्कोट, कैप, लबाधा, एनोराक (जिनके अन्तर्गत स्की-जाकिट हैं) विंड शीटर्स, विंड-जाकेट और ऐसी वस्तुएं
61.08	स्त्रियों और लड़कियों के स्लिप, पेटीकोट, ब्रीफ, पेटी, नाइट ड्रेस, पाजामा, डीले-डाले कपड़े, बाथरोब, ड्रेसिंग गाउन और वैसे ही अन्य वस्त्र, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए	62.02	शीर्ष सं० 62.04 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं से भिन्न स्त्रियों या लड़कियों के ओवरकोट, कार-कोट, कैप, लबाधा, एनोराक (जिनके अन्तर्गत स्की जाकिट हैं) विंड-शीटर्स, विंड, जैकेट और वैसे ही वस्तुएं

1	2	1	2
62.03	पुरुषों या लड़कों के सूट, इन्सैम्बल, जाकिट, ब्लेजर, पाजामे विब और ब्रेस ओवर आल ब्रिजिस और निकर (स्नान की पोशाक से भिन्न)	62.17	बने हुए कपड़ों के अन्य उपसाधन; शीर्ष सं० 62.12 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न वस्त्रों या कपड़े के उपसाधनों के भाग
62.04	स्त्रियों, या लड़कियों के सूट, इन्सैम्बल, जाकिट, पोशाक, स्कर्ट, विभाजित स्कर्ट, पाजामे, विब और पट्टा ओवरआल जांघिए और निकर (स्नान की पोशाक से भिन्न)	अध्याय—63	
62.05	पुरुषों या लड़कों की कमीजें	बनी हुई टेक्सटाइल की अन्य वस्तुएं, सेट, जोर्ण-शीर्ण कपड़े और जोर्ण-शीर्ण टेक्सटाइल वस्तुएं, चिथड़े	
62.06	स्त्रियों या लड़कियों के ब्लाउज, कमीजें और कमीज ब्लाउजें		
62.07	पुरुषों या लड़कों के बनियान और अन्य अन्तर्वसन, ग्रण्डरवेट, ब्रीफ, शयन कमीज और पाजामा, स्नान के कपड़े, ड्रेसिंग गाउन और बैसी ही वस्तुएं	63.01	कम्बन और यात्रा वाले रंग
62.08	स्त्रियों या लड़कियों के बनियान और अन्य अन्तर्वसन, पहाने का जांघिया, पेटीकोट, ब्रीफ, पेंटीज, शयन-पोशाक, पाजामा, सुगम वेशभूषा, स्नान के कपड़े, ड्रेसिंग, गाउन और बैसी ही वस्तुएं	63.02	विस्तर की लिनेन, मेज की लिनेन, शीवचर की लिनेन और रनोईधर की लिनेन
62.09	शिशुओं के वस्त्र और कपड़े के उपसाधन	63.03	पर्दे, (जिनके अन्तर्गत ड्रैप है) और अन्दर के पर्दे, पर्दे या विस्तर की झालर
62.10	शीर्ष सं० 56.02, 56.03, 59.03, 59.06 या 59.07 के अन्तर्गत आने वाले फैब्रिक से बने वस्त्र	63.04	साज-सज्जा को अन्य वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 94.04 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं हैं
62.11	ट्रेज सूट, स्की सूट और तैरने की पोशाक, अन्य वस्त्र	63.05	इत प्रकार को चोरियां या धौने जो माल को पैकिंग करने के उपयोग में लाए जाते हैं
62.12	ब्रेसरो, गरडल, कार्सेट, ब्रेम, सस्पेंडर, गेटिश और बैसी वस्तुएं और उनके भाग आड़े वे धुने हुए या क्रोशिए से बने हुए हैं या नहीं	63.06	तिरनाल, नाव के लिए पाल, पालबोर्ड या भूयान आनिंग, मल्लजार्ड, तम्बू और शिविर सम्बन्धी मात
62.13	रुमाल	63.07	अन्य बनी हुई वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत पोशाक पैटर्न हैं
62.14	शाल स्कार्फ, मफलर, दुपट्टे, ओढ़नी और बैसी ही वस्तुएं	II सेट	
62.15	टाइयां, बो टाइयां और क्रेट		
62.16	दस्ताने, मिटन और मिट	63.08	रा, टोपट्टी, कशोशकारी किए गए मेज-राश या ने टाईडन या बैसी हो टेक्सटाइल वस्तुएं तैयार करने के लिए बूतिन फैब्रिक और सूत से युक्त हों या नहीं हों, जिनका फुटकर विक्रय के लिए पैकिंग किया गया हो
		III जोर्ण-शीर्ण कपड़े और टेक्सटाइल की जोर्ण-शीर्ण वस्तुएं, चिथड़े	
		63.09	जोर्ण-शीर्ण कपड़े और अन्य जोर्ण-शीर्ण वस्तुएं
		63.10	उपयोग किए गए या नए चिथड़े, स्क्रीप रज्जुक, रज्जु, रस्सा और केबल और रज्जुक, रज्जु, रस्सा या केबल की जीर्ण शीर्ण वस्तुएं, टेक्सटाइल सामग्रियों को

1	2	(1)	(2)
	अनुभाग--12	65.03	नमदा हैट और नमदे के अन्य सिर के पहनावे जो शीर्ष सं० 65.01 के हैट ढांचों, बुझों या ऐसे प्लेटों से निर्मित हों चाहे वे अस्तर लगी झालर लगी हो या नहीं
	अध्याय--64	65.04	हैट और सिर के अन्य पहनावे, जो चुन्तदार हों या किसी भी सामग्री की पट्टियों को संमजित करके बनाए गए हैं, चाहे वे अस्तर लगे या झालर लगे हों या नहीं
	जूते, नेटिस और बैसी ही वस्तुएं, ऐसी वस्तुओं के भाग		
64.01	जबसह जूते जिनके बाहरी तल्ले और अपर रबड़ या प्लास्टिक के हों, जिनके अपर न तो तल्ले जुड़े हों और न ही सिलाई द्वारा, कील, पेच, प्लग लगाकर या बैसी ही प्रक्रियाओं से संमजित किए गए हों ।	65.05	हैट और सिर के अन्य पहनावे, बुने या कसादाकारी किए गए हों या लैस, नमदे या धान में (न कि पट्टियों में) टेक्सटाइल फैब्रिक से निर्मित हल चाहे वे अस्तर लगे या झालर लगे हुए या नहीं, किसी भी सामग्री के केश जाल; चाहे वे अस्तर लगे या झालर लगे हों या नहीं
64.02	अन्य जूते जिनके बाहरी तल्ले और अपर रबड़ या प्लास्टिक के हों ।		
64.03	जूते जिनके बाहरी तल्ले रबड़, प्लास्टिक चमड़े या संगठन चमड़े के हों और अपर चमड़े के हों		
64.04	जूते जिनके बाहरी तल्ले रबड़, प्लास्टिक चमड़े या संगठन चमड़े के और अपर टेक्सटाइल सामग्री के हों	65.06	सिर के अन्य पहनावे चाहे वे अस्तर लगे या झालर लगे हों या नहीं
64.05	अन्य जूतें	65.07	सिर के पहनावे के लिए शीर्ष पट्टियां, अस्तर, आच्छादन, हैट आघार, हैट पीक और विनस्ट्रैप
64.06	जूतों के भाग, उतारने योग्य भीतरी तल्ले, ऐसी तल्प और इसी प्रकार की वस्तुएं गुल्फक्राण, टंगलाण, और ऐसी वस्तुएं और उनके भाग		
	अध्याय--65		
	सिर के पहनावे और उनके भाग		
65.01	हैट आकार, हैट ढांचे और नमदे के कुछ जो न तो आकृति में अवरुद्ध हों और न ही बाढ़ निर्मित हों नमदे के प्लेटों और मानचोन (जिनके अन्तर्गत स्लिट मानचोन भी हैं)	66.01	छाते और धूप के छाते (जिनके अन्तर्गत टहलने की छड़ी, छाते, उद्यान छाते और इसी प्रकार के छाते हैं ।)
65.02	हैट आकृतियां जो चुन्तदार हैं या किसी भी सामग्री की पट्टियों को संमजित करके बनाई गई हैं और जो न तो आकृति में अवरुद्ध हों और न ही बाढ़ निर्मित हों, अस्तर लगी हों और न झालर लगी हो	66.02	टहलने की छड़ियां, बैठने की छड़ी चाबुक, घोड़े का चाबुक और बैसी ही अन्य वस्तुएं
		66.03	शीर्ष सं० 66.01 या 66.02 के अन्तर्गत आने वाले भाग, झालर और उपसाधन
			अध्याय--66
			छाते, धूप के छाते, टहलने की छड़ियां, बैठने की छड़ी, चाबुक घोड़े का चाबुक और उनके भाग

(1)	(2)	(1)	(2)
अध्याय—67			
निर्मित पंख और कोमल पिच्छ या पंखों या कोमल पिच्छों से बनाई गई वस्तुएं : कृत्रिम फूल, मानव बालों की वस्तुएं		से रंगे दाने, चिप्पी और चूर्ण (जिसके अन्तर्गत स्लेट भी है)	
67.01	पक्षियों के चर्म और अन्य भाग, जो उनके पंख या कोमल पिच्छ सहित, पंख, कोमल पिच्छ के भाग और उनकी वस्तुएं शीर्ष सं० 05.05 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न और कोमल पंखलेखनी तथा पुष्पदण्डी	68.03	निर्मित स्लेट और स्लेट या संपीड़ित स्लेट की वस्तुएं
67.02	कृत्रिम फूल, पर्ण समूह और फल तथा उनके भाग; कृत्रिम फूलों, पर्ण समूह और फल से बनाई गई वस्तुएं	68.04	गोसने, सान चढ़ाने, पालिश करने, हाईंग करने या कतन करने के लिए बना ढांचे के चक्की के पाट पेषण पत्थर, सान चक्र ऐसी ही अन्य वस्तुएं हाथ के सान चढ़ाने या पालिश करने के पत्थर और उनके भाग जो प्राकृतिक पत्थर के संपीड़ित प्राकृतिक या कृत्रिम अवशेषों या चीनी मिट्टी के हैं जिनके भाग अन्य सामग्रियों के हों या न हों
67.03	सज्जित पत्ता, विरचित या अन्यथा कर्मित मानव बाल ऊन या अन्य प्राणी बाल या अन्य टेक्सटाइल की वस्तुएं जो विग या वैसी ही वस्तुओं को बनाने के लिए तैयार की गई हैं	68.05	टेक्सटाइल सामग्री, कागज, पेपर बोर्ड या अन्य सामग्रियों के आधार पर प्राकृतिक या कृत्रिम अपघर्षक चूर्ण या दाने, चाहे वे निश्चित आकार; काटे या अन्यथा बनाए गए हैं या नहीं
67.04	मानव बाल या प्राणी बाल या टेक्सटाइल वस्तुओं की विग, नकली दाढ़ी, मोहें, चश्मे, स्विच और वैसी ही अन्य वस्तुएं; मानव बाल की वस्तुएं जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	68.06	धातुमज ऊन, शैल ऊन और इस प्रकार के खनिज ऊन; अपशक्तित वर्मिक्यूलाइट प्रसारित मिट्टी, फेनित धातुमज और इसी प्रकार की प्रसारित खनिज सामग्रियां; ताप रोधक, ध्वनिरोधक या ध्वनि अवशोषी खनिज सामग्रियों के मिश्र और वस्तुएं, जो शीर्ष सं० 68.11 या 68.12 या अध्याय 69 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं से भिन्न हैं
अनुभाग—13			
पत्थर, प्लास्टर, सीमेंट, ऐस्बेस्टास, अन्नक या वैसी ही सामग्रियों की वस्तुएं		एस्फाल्ट या अन्य सद्ृश सामग्रियों की वस्तुएं (उदाहरणार्थ पेट्रोलियम पिट्टुमेन या तारकोल पिच)	
चीनी मिट्टी के उत्पाद, कांच और कांच के सामान		68.07	
अध्याय—68			
पत्थर, प्लास्टर, सीमेंट, ऐस्बेस्टास, अन्नक या वैसी ही सामग्रियों की वस्तुएं		68.08	पैनल, बोर्ड, टाइल्स, ब्लाक और वनस्पति फाईबर के, पुआल के या सीमेंट, प्लास्टर या अन्य खनिज बंधकों से संपीड़ित लकड़ी की शोविंग्स, चिप्स, कण, बुरादा या अन्य अपशिष्ट की उसी प्रकार की वस्तुएं
68.01	प्राकृतिक पत्थर के सेट्स, चक्का पत्थर और पहिया पत्थर (स्लेट को छोड़कर)	68.09	प्लास्टर या प्लास्टर पर आधारित संघटनों की वस्तुएं
68.02	कर्मित स्मारकीय या इमारती पत्थर (स्लेट को छोड़कर) और उसकी वस्तुएं, जो शीर्ष सं० 68.01 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न हैं; प्राकृतिक पत्थर की भोजाईक क्यूब और उसी प्रकार की वस्तुएं (जिसके अन्तर्गत स्लेट भी है) चाहे वह पृष्ठाधार पर हो या नहीं प्राकृतिक पत्थर के कृत्रिम रूप	68.10	सीमेंट, कंक्रीट या कृत्रिम पत्थर की वस्तुएं चाहे वे प्रबलित हों या नहीं
		68.11	ऐस्बेस्टास-सीमेंट की, सेल्युलोज फाईबर सीमेंट की वस्तुएं या वैसी ही वस्तुएं

(1)	(2)
68.12	संविनचित एस्वेस्टास फाईबर एस्वेस्टास के आधारीक सहित या एस्वेस्टोस और मैगनीशियम कार्बोनेट के आधारीक सहित मिश्रण शीर्ष सं० 68.11 य 68.13 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न ऐसे मिश्रणों या एस्वेस्टास की वस्तुएं (उदाहरणार्थ, धागा व्युत्तित फैब्रिक, कपड़े, सिर के पहनावे जूते गैस्केट वे चाहे प्रबलित हों या नहीं
68.13	ध्वंश सामग्री और उसकी वस्तुएं (उदाहरणार्थ, चादर, रोल, पट्टियाँ, सेगमेंट, डिस्क, वाशर, पैड) जो एस्वेस्टास के, अन्य खनिज पदार्थ के या सेलुलोस के आधार सहित ब्रेक के लिए कलत्र या उसी प्रकार की वस्तुओं के लिए, मड़ी हुई न हों, चाहे वे टेक्सटाईल या अन्य सामग्री से संयुक्त हों या नहीं
68.14	कमिन्त अभ्रक और अभ्रक की वस्तुएं जिसके अन्तर्गत संपीड़ित या पुनरचित अभ्रक है, चाहे वह कागज, पेपर बोर्ड या अन्य सामग्री के आधार पर हों या नहीं
68.15	पत्थर या अन्य खनिज पदार्थों की वस्तुएं (जिसके अन्तर्गत पीट की वस्तुएं भी हैं), जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं

अध्याय-69

चीनी मिट्टी के उत्पाद

I. सिलिशियस फासिल अवचूर्ण का या वैसी ही सिलिशियस मिट्टी का माल और उच्च तापसह माल।

69.01	सिलिकामय फासिल, अवचूर्ण या वैसी ही सिलिकामय मिट्टी की (उदाहरणार्थ कांजेलगुर, ट्रिपोलाइट या टायटामाइट ईटें, ब्लाक, टाइल और अन्य चीनी मिट्टी का माल
69.02	सिलिकामय फासिल अवपूर्ण या वैसी ही सिलिकामय मिट्टी के माल से भिन्न उच्चतापसह ईट, ब्लाक, टाइल और वैसी ही उच्चतापसह चीनी मिट्टी का निर्माणी माल

(1)	(2)
69.03	अन्य उच्चतापसह चीनी मिट्टी माल (उदाहरणार्थ, रिटार्ट, क्रमिनल, सफल नाजल, प्लग, आधार, क्यूपेल, नली पाइप, शीर्ष और छड़ी जो उनसे भिन्न है) जो सिलिकामय फासिल अवचूर्ण या वैसी ही सिलिकामय मिट्टी के हैं

II. अन्य चीनी मिट्टी के उत्पाद

69.04	चीनी मिट्टी की इमारती ईटें, फर्श के ब्लाक, आधार या भरक टाइलें और वैसी ही वस्तुएं
69.05	छत के टाइल, चिमनी पात्र, काउल, चिमनी-लाइनर, स्थापत्य अलंकरण और चीनी मिट्टी का अन्य निर्माण संबंधी माल
69.06	चीनी मिट्टी के पाइप, कण्ड्यूट और गटरन और पाइप फिटिंग
69.07	बिना चमकी चीनी मिट्टी का पटिया और खड़जे, चूल्हे और दीवाल के टाइल, बिना चमकी चीनी मिट्टी के मोजाएक क्यूप और वैसी ही वस्तुएं, चाहे वे किसी पृष्ठाधान पर हों या नहीं
69.08	चमकदार चीनी मिट्टी का पटिया और खड़जे, चूल्हे या दीवाल के टाइल, चमकदार चीनी मिट्टी के मोजाएक क्यूब और वैसी ही वस्तुएं, चाहे वे किसी पृष्ठाधान पर हों या नहीं
69.09	प्रयोगशाला, रसायनिक या अन्य तकनीकी उपयोग के लिए चीनी मिट्टी का सामान, चीनी मिट्टी की ब्रौणी, टब और वैसी ही आधान जो कृषि में प्रयोग में लाए जाते हैं चीनी मिट्टी के पात्र, जार और वैसी ही वस्तुएं जो माल को ले जाने या पैक करने में उपयोग में लाई जाती हैं
69.10	चीनी मिट्टी के सिक, धावन कुंडी धावन कुंडी की पीठिका, बाथ बिडे, वाटर ब्लोजेट पैन, पलशिंग सिस्टर्न, मूत्रालय और वैसी ही स्वच्छता फिक्सचर
69.11	झाने-बाने के बर्तन, रसोई के बर्तन अन्य घरेलू वस्तुएं और पॉसिलेन या चीनी मिट्टी की प्रसाधन वस्तुएं

(1)	(2)	(1)	(2)
69.12	चीनी मिट्टी के खाने-पीने के बर्तन, रसोई के बर्तन, अन्य घरेलू वस्तुएं और प्रसाधन वस्तुएं, उनसे भिन्न जो पॉलि-लेन या चीनी मिट्टी की हैं	70.09	कांच के दर्पण, चाहे फ्रेम वाले हों या नहीं, जिनके अन्तर्गत पार्श्व दृश्य दर्पण हैं
69.13	मूर्तिका और चीनी मिट्टी की अन्य सजावटी वस्तुएं	70.10	कांच के कारखाय, बॉतलें, फ्लास्क, जार, पात्र, शीर्षा, एम्प्यूरस और अन्य आधान, जो माल के प्रवहन या पैक करने में उपयोग में लाए जाने वाले प्रकार के हैं; कांच के परिरक्षण जार; कांच के छाट, डबकन, और संवरक
69.14	अन्य चीनी मिट्टी की वस्तुएं		
अध्याय-70			
कांच और कांच का सामान		70.11	कांच आवरण (जिसके अन्तर्गत बल्ब और द्यूब हैं) खुले और उनके कांच के भाग, बिना फिटिंग के, विद्युत् लैपों के लिए, केथोड-किरण द्यूब या ऐसे ही सामान
70.01	भस्म कांच और अन्य अपशिष्ट और कांच की स्केप, माम, कांच		
70.02	गोल कांच (शीर्ष सं० 70.18 के सूक्ष्मगोलक से भिन्न, छड़े या नलिकाएं अकर्मित	70.12	निर्वात प्लास्क या अन्य निर्वात बर्तनों के लिए कांच की अन्तर-वस्तुएं
70.03	ढलवां कांच और बेहलित कांच, शीटों या प्रोफाइलों में, चाहे वे अवशोषक या परावर्ती वाले हों या न हों, किन्तु अन्यथा कर्मित न हों	70.13	इस प्रकार के कांच के सामान जिनका उपयोग खाने-पीने के, रसोई घर के, शौच के, कार्यालय के, आन्तरिक सजावट के या ऐसे ही प्रयोग के लिए किया जाता है (शीर्ष सं० 70.10 या 70.18 के सामानों से भिन्न)
70.04	कर्मित कांच और फुलाया, शीटों में, चाहे अवशोषक या परावर्ती पतों वाले हों या नहीं किन्तु अन्यथा कर्मित न हों		
70.05	प्लव कांच और पृष्ठवर्षित या पालिश किया हुआ कांच, आदरों में, चाहे अवशोषक या परावर्ती पतों वाले हों या नहीं, किन्तु अन्यथा कर्मित न हों	70.14	संकेतक कांच के सामान और कांच के प्रकाशीय प्रयोज्य (उनसे भिन्न जो शीर्ष सं० 70.15 के अन्तर्गत आते हैं) जो प्रकाशीय रूप से कर्मित न हों
70.06	शीर्ष सं० 70.03, 70.04 या 70.05 के अन्तर्गत आने वाला, कांच मुड़ा हुआ, किनारा-कर्मित, उत्कीर्ण, बर्माया हुआ, एनेमल किया हुआ या अन्यथा कर्मित, किन्तु जो अन्य सामग्रियों के साथ फ्रेम किया गया या फिट किया गया न हो	70.15	दीवाल घड़ियों या कलाई घड़ियों के शीशे और इसी प्रकार के शीशे, नोन-करेक्टिब या करेक्टिब चप्रमों के शीशे, चक्र, मुड़े, खोखले या बैसे हों, जो प्रकाशीय रूप से कर्मित नहीं हैं, खोखले कांच गोलक और उनके खंड, ऐसे कांच के विनि-मण के लिए
70.07	मुरआ कांच, जो कठोर (पाना चढ़ा) या पट्टित कांच से मिल-कर बना हो	70.16	संपीड़ित या संचित कांच के खंड, क्लाक, सिल्ली, छिंटें, बर्ग, टाहलें या अन्य वस्तुएं; चाहे उनमें तार
70.08	कांच की बहुभित्ति रोधा यूनिट		

(1)	(2)	(1)	(2)
	रतने हों या नहीं, जो ऐसी किस्म के हैं जिनका उपयोग भवन निर्माण या संश्लेषण के लिए किया जाता है, कांच के दृश्य और कांच के अन्य छोटे सामान चाहे वे पृष्ठभागीय पर हों या नहीं मौजाइक या उसी प्रकार की मजबूत के प्रयोजन के लिए; सीसिट लाइटें और वैसे ही सामान; बहुत सेलुलर या फोम कांच, ग्लासों, पेनलों, प्लेट, खोलों में या उसी प्रकार के रूपों में	71.02	गए न हों; क्रमबद्ध न किए गए मोती, प्राकृतिक या कलचरी जो परिवहन की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से गूँथ दिए गए हों हीरे, चाहे कर्मित हों या नहीं, किन्तु जो मड़े हुए या जड़े हुए न हों
70.17	प्रयोगशाला, स्वच्छता या भेषिका वास के कांच के सामान, चाहे वे क्रमबद्ध या अक्रमबद्ध हों या नहीं	71.03	रत्न (हीरे से भिन्न) और उपरत्न, चाहे वे कर्मित या क्रमबद्ध किए गए हों या नहीं, किन्तु जो गूँथ गए मड़े गए या जड़े गए नहीं हों; अक्रमबद्ध रत्न (हीरे से भिन्न) और उपरत्न जो परिवहन की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से गूँथ दिए गए हों
70.18	कांच के मनके, नकली मोती, नकली रत्न या उपरत्न और समरूप कांच के छोटे सामान, और नकली आभूषण से भिन्न उनकी वस्तुएं प्रास्थेदिक वस्तुओं में भिन्न कांच की आखें; नकली आभूषणों में भिन्न लघु प्रतिभाएं और लैम्प कर्मित कांच के अन्य आभूषण 1 मि० मी० व्यास में अधिक कांच सूक्ष्मगोलाक	71.04	कृत्रिम या पुनर्निर्मित रत्न या उपरत्न, चाहे वे कर्मित या क्रमबद्ध किए गए हों या नहीं किन्तु जो गूँथे गए, मड़े गए या जड़े गए नहीं हों, अक्रमबद्ध कृत्रिम या पुनर्निर्मित रत्न या उपरत्न, जो परिवहन की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से गूँथ दिए गए हों
70.19	कांच के फाइबर (जिनके अन्तर्गत कांच ऊन भी है) और उनकी वस्तुएं (उदाहरणार्थ सूत वृत्ति फैब्रिक)	71.05	प्राकृतिक या कृत्रिम रत्न या उपरत्न की धूल और चूर्ण II-बहुमूल्य धातु और बहुमूल्य धातु से अधिपट्टित धातु
70.20	कांच की अन्य वस्तुएं	71.06	बिना गढ़ी गई या अध्वनिमित रूप में या चूर्ण के रूप में चांदी (जिसके अन्तर्गत स्वर्ण या प्लेटिनम लेपित चांदी आती है)
अनुभाग 14			
प्राकृतिक या कलचरी मोती, रत्न या उपरत्न, बहुमूल्य धातुएं बहुमूल्य धातुओं की परत चढ़ी धातुएं और उनकी वस्तुएं, नकली आभूषण, सिस्का		71.07	चांदी से अधिपट्टित आधार धातु जो अध्वनिमित से आगे कर्मित न हो
अध्याय-71			
प्राकृतिक या कलचरी मोती, रत्न या उपरत्न, बहुमूल्य धातुएं, बहुमूल्य धातुओं की परत चढ़ी धातुएं और उनकी वस्तुएं, नकली आभूषण, सिस्का		71.08	बिना गढ़ी या अध्वनिमित रूप में या चूर्ण के रूप में स्वर्ण (जिसके अन्तर्गत प्लेटिनम से लेपित स्वर्ण आता है)
I. प्राकृतिक या कलचरी मोती और रत्न या उपरत्न			
71.01	मोती, प्राकृतिक या कलचरी, चाहे, कर्मित या क्रमबद्ध हों या नहीं किन्तु जो गूँथे गए, मड़े गए, जड़े	71.09	स्वर्ण से अधिपट्टित आधार धातु या चांदी, जो अध्वनिमित से आगे कर्मित न हो

1	2	1	2
71.10	बिना गढ़ा या अर्धविनिमित रूप में या चूर्णरूप में प्लेटिनम		भार के आधार पर लौह की न्यूनतम शुद्धता 99.94 प्रतिशत पिंडकों, फिलेटों या वैसे ही रूप में हो ।
71.11	प्लेटिनम के अधिपट्टित आधार धातु, चांदी या स्वर्ण जो अर्ध-विनिमित से आगे कर्मित न हो	72.04	फैरस अपशिष्ट और स्क्रेप, पुनर्गलन-शील स्क्रेप, लौह या इस्पात की सिलिलियां
71.12	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से अधिपट्टित धातु का अपशिष्ट या स्क्रेप	72.05	कच्चे लौह की कणिकाएं और चूर्ण, स्वीगल आइजेन लौह या इस्पात
	III-आ भूषण, स्वर्णकार और रजतकार के सामान तथा अन्य वस्तुएं	72.06	II. लोहे और अमिश्र धातु इस्पात सिलिलियों में या अन्य प्राथमिक रूपों में लौह और अमिश्र धातु इस्पात (इसके अन्तर्गत शीर्ष सं० 72.03 का लौह नहीं है)
71.13	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से अधिपट्टित धातु के आभूषण की वस्तुएं और उनके भाग	72.07	लौह या अमिश्र धातु इस्पात के अंश-परिसज्जित उत्पाद
71.14	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से अधिपट्टित धातु के स्वर्णकार या रजतकार के सामान की वस्तुएं	72.08	600 मिलीमीटर या अधिक चौड़ाई के लौह या अमिश्र धातु इस्पात के चपटे वेलिलत उत्पाद जो तप्त-वेलिलत, बिना परत चढ़े हुए, विलेपित या लेपित हों ।
71.15	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से अधिपट्टित धातु की अन्य वस्तुएं		600 मिलीमीटर या अधिक चौड़ाई के लौह या अमिश्र धातु इस्पात के चपटे-वेलिलत उत्पाद, जो शीत-वेलिलत (शीतअपचित) बिना परत चढ़े हुए विलेपित या लेपित हों
71.16	प्राकृतिक या कल्चरी मोती, रत्न या उपरत्न (प्राकृतिक, कृत्रिम या पुनर्निमित) की वस्तुएं	72.09	
71.17	नकली आभूषण		
71.18	सिक्के		
	अनुभाग-15	72.10	अधिपट्टित, विलेपित या लेपित, 600 मि० मी० या अधिक की चौड़ाई वाले लोहे या अमिश्र धातु इस्पात के चपटे वेलिलत उत्पाद
	आधार धातु और आधार धातु की वस्तुएं		
	अध्याय-72		
	लोहा और इस्पात	72.11	600 मि० मी० से कम की चौड़ाई वाले लोहे और अमिश्रधातु इस्पात के चपटे वेलिलत उत्पाद जो बिना परत चढ़े हुए नहीं, लेपित या विलेपित हों
	प्राथमिक सामग्रियां		
	कणिकामय या चूर्ण रूप में उत्पाद		
72.01	कच्चा लोहा और स्पिगल आइजेन पिण्डों, ब्लाकों या अन्य प्राथमिक रूपों में	72.12	600 मि० मी० से कम की चौड़ाई वाले चपटे वेलिलत उत्पाद जो परत चढ़े हुए लेपित या विलेपित हों
72.02	लौह मिश्र धातु		
72.03	लौह अयस्क का प्रत्यक्ष अपचय करके प्राप्त फेरस उत्पाद और पिंडकों, पिलेटों या वैसे ही रूपों में अन्य स्पंजी फेरस उत्पाद जिनमें	72.13	लौह या अमिश्रधातु इस्पात के अनियमित रूप से, कुंडलित कुण्डलियों में तप्त-लेपित शलाकाएं और

(1)	(2)	(1)	(2)
72.14	लोह या अमिश्रधातु इस्पात की अन्य शलाकाएं और छड़ें जिन्हें गढ़ा, तप्त, वेल्लित, तप्त कर्षित या तप्त वहिर्वधित से आगे कर्मित न किया गया हो किन्तु इसके अन्तर्गत वे हैं जो वेल्लित करने के पश्चात् यावर्तित हो गई हैं	72.26	अन्य मिश्रधातु इस्पात के चपटे-वेल्लित उत्पाद, जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० से कम हो
72.15	लोह या अमिश्रधातु इस्पात की अन्य शलाकाएं और छड़ें	72.27	अन्य मिश्रधातु इस्पात की शलाकाएं और छड़ें जो तप्त वेल्लित और अनियमित रूप से कुण्डलियों में लपेटी हुई हों
72.16	लोहे या अमिश्रधातु इस्पात के कोण, आकृति और सैक्शन	72.28	अन्य मिश्रधातु इस्पात की अन्य शलाकाएं और छड़ें अन्य मिश्रधातु इस्पात के कोण, आकृतियां और सैक्शन; मिश्रधातु या अमिश्रधातु इस्पात की खोखली प्रबधन शलाकाएं और छड़ें
72.17	लोहे या अमिश्रधातु इस्पात के तार	72.29	अन्य मिश्रधातु इस्पात का तार
III. स्टेनलैस स्टील		अध्याय—73	
72.18	सिलिका या अन्य प्राथमिक रूप में स्टेनलैस स्टील, स्टेनलैस स्टील के परिरूपित उत्पाद	लोहे या इस्पात की वस्तुएं	
72.19	स्टेनलैस स्टील के चपटे-वेल्लित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० या अधिक है	73.01	लोहे या इस्पात की शीट पाइलिंग, चाहे वे प्रबधित, छिदित या समायोजित तत्वों से बनाई गई हों या नहीं, लोहे या इस्पात के वैल्ड किए हुए कोण, आकृति और सैक्शन
72.20	स्टेनलैस स्टील के चपटे-वेल्लित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० से कम हो	73.02	रेल या ट्राम मार्ग के निर्माण की लोहे या इस्पात की सामग्री, अर्थात् निम्नलिखित : पटरियां, चैक पटरियां और रैक पटरियां, स्विच ब्लैंड, क्रॉसिंग फ्राग, प्वाइंट छड़ें और अन्य क्रॉसिंग वस्तुएं, स्लीपर (क्रॉस-ट्राई) फिश प्लेटें, कुर्सियां, कुर्सियों के बेज, सोल प्लेटें (आधार प्लेटें) रेलक्लिप, बेंड प्लेटें, टाइयां और रेल की पटरियों को जोड़ने या लगाने के लिए विशिष्ट अन्य सामग्री
72.21	स्टेनलैस स्टील की अनियमित कुंडलित कुण्डलियों में तप्त वेल्लित शलाकाएं और छड़ें	73.03	ढलवां लोहे की नालियां, पाइपें और खोखले प्रोफाइल
72.22	स्टेनलैस स्टील की अन्य शलाकाएं और छड़ें, स्टेनलैस स्टील के कोण, आकृति और सैक्शन	73.04	(ढलवां लोहे से भिन्न) लोहे या इस्पात की सीवनहीन नालियां, पाइपें और खोखले प्रोफाइल
72.23	स्टेनलैस स्टील के तार	73.05	लोहे और इस्पात की अन्य नालियां और पाइपें (उदाहरणार्थ वेल्ड की हुई, रिबेट लगी हुई या उसी प्रकार
IV अन्य मिश्रधातु इस्पात, मिश्रधातु का मिश्रधातु इस्पात का खोखली बर्मा शलाकाएं और छड़ें			
72.24	सिलिकाओं या अन्य प्राथमिक रूपों में अन्य मिश्रधातु इस्पात; अन्य मिश्रधातु इस्पात की अंश-परिरूपित उत्पाद		
72.25	अन्य मिश्रधातु इस्पात के चपटे-वेल्लित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० या उससे अधिक है		

(1)	(2)	(1)	(2)
	से बंद), जिनके आन्तरिक और बाहरी वृत्ताकार अनुप्रस्थ काट है, जिनका बाहरी घेरा 406.4 मि० मी० से अधिक है		उष्मारोधक हो या नहीं किन्तु उनमें यांत्रिक या उष्मीय उपस्कर न लगाए गए हों
73.06	लोहे या इस्पात की अन्य नलियां, पाइपें और खोखले प्रोफाइल (उदाहरणार्थ, खुले सीवन, या वैल्व किए, रिबेट लगे हुए या उसी प्रकार से बंधे)	73.11	संपीडित या द्रवित गैस के लिए लोहे या इस्पात के आधान
		73.12	लोहे या इस्पात के गुंफित तार रस्से, केबल, संग्रथित बंड, स्लिंग और वैसी हो वस्तुएं, जो विद्युत में रोधी न हों
73.07	लोहे या इस्पात की नली या पाइप फिटिंगें (उदाहरणार्थ: यूमक, एल्बो, स्लीव)	73.13	लोहे या इस्पात के कंटकीय तार लोह या इस्पात की बाड़ लगाने के लिए प्रयोग किए जाने के लिए व्यावर्तित हुए या एकल चपटा तार, चाहे वह कंटकीय हो या नहीं और ढीला व्यावर्तित दोहरा तार
73.08	लोहे या इस्पात की संरचनाएं (शीर्ष सं० 94.06 के पूर्व संविरचित भवनों की छोड़कर) और संरचनाओं के भाग (उदाहरणार्थ पुल, पुल के संक्शन, जलपाश द्वार, मीनारें, जालक भस्तूल छतें, छत के ढांचे, दरवाजे और खिड़कियां और उनके ढांचे तथा दरवाजों की चौखटें, शटर, जंगले, स्तंभ और लाट); लोहे या इस्पात की प्लेटें, छड़ें, कोण, अकृतियां, सेक्शन नलियां और वैसी ही अन्य वस्तुएं जो संरचनाओं को तैयार करने में उपयोग के लिए निर्मित हैं	73.14	लोहे या इस्पात के तार का कपड़ा (जिसके अन्तर्गत बिना सिरों वाले बंड है) जंगला, जालियों और बाड़, लोह या इस्पात की प्रभारित धातु
		73.15	लोहे या इस्पात की जंजीर और उनके भाग
		73.16	लोह या इस्पात के लंगर, कांय लंगर और उनके भाग
		73.17	लोहे या इस्पात की कीलें, विरजी, ड्राइंग पिन, लहन्दा कील, स्टेपस (शीर्ष सं० 83.05 से भिन्न) और वैसी ही वस्तुएं, चाहे उनके सिरों अन्य सामग्री के हों या नहीं हों, किन्तु इनके अन्तर्गत ऐसी वस्तुएं नहीं हैं जिनके सिरों तांबे के हैं
73.09	(संपीडित या द्रवित गैस से भिन्न) किसी सामग्री के लिए लोहे या इस्पात के कंड, टंकियां, नाथ और वैसी ही आधान, जिनकी क्षमता 300 लि० से अधिक है, चाहे वे अस्तित्व या ऊष्मा-रोधी हों या न हों, किन्तु जिनमें यांत्रिक या उष्मीय उपस्कर फिट नहीं किए गए हैं	73.18	लोहे या इस्पात के पंच, बोल्ट, नट, कोचपेंच, पेच हुक, कील, फष्ठी, फष्ठीपिन, वाशर (जिनके अन्तर्गत स्प्रिंग वाशर आता है) और वैसी ही वस्तुएं
73.10	(संपीडित या द्रवित गैस से भिन्न) किसी सामग्री के लिए लोहे या इस्पात की टंकियां, पीपे, ड्रम, डिब्बे, बक्से, और वैसी ही आधान जिनकी धारिता 300 लीटर से अधिक न हो चाहे उनमें अस्तर या	73.19	मिलाई की सुइयों, बुनाई की सुइयों, सूआ, क्रोशिया हुक, कसीदाकारी स्टीलेटों और हाथ में प्रयोग के लिए लोहे या इस्पात की इसी प्रकार की वस्तुएं, लोहे या इस्पात

(1)	(2)	(1)	(2)
	के सुरक्षा पिन और अन्य पिन जो	74.05	तांबे की मास्टर मिश्रधातुएं
	अन्यत्र विनिर्दिष्ट या समाविष्ट	74.06	तांबा चूर्ण और पदक
	नहीं हैं।	74.07	तांबा शलाकाएं, छड़ें और प्रोफाइल
73.20	लोहे या इस्पात की कमानियां और	74.08	तांबा तार
	कमानियों के लिए पत्तियां	74.09	0.15 मि० मी० से अधिक मोटाई
73.21	लोहे या इस्पात के स्टोव, चूल्हे, भंभरी		की तांबे की प्लेटें, शीटें और पट्टियां
	कुकर (जिसके अन्तर्गत वे भी हैं	74.10	0.15 मि० मी० से अनधिक मोटाई
	जिसमें केन्द्रीय तापक के लिए अनुषंगी		(किसी पृष्ठक को छोड़कर) की
	बायलर लगे हैं) बारनेक्यू अंगीठी,		तांबे की पर्णों (बाहे मुद्रित या कागज
	गैसरिंग, प्लेट तापक और इसी प्रकार		गत्ता, प्लास्टिक या बैसी ही पृष्ठ
	के गैस विद्युत घरेलू साधन और उनके		सामग्री के पृष्ठ वाली हों या न हों
	पुर्जे	74.11	तांबे की ट्यूब और पाइप
73.22	लोहे या इस्पात के केन्द्रीय तापन के	74.12	तांबे की ट्यूब या पाइप फिटिंगें
	लिए बिकिरक, जो विद्युतीय तप्त		(उदाहरणार्थ, युग्मक, ऐल्बो, बाहु)
	नहीं हों और उनके पुर्जे, वायु तापक	74.13	तांबे की गुम्फित तार, केबल, संग्रहित
	और उष्ण वायु वितरक (जिनके		पट्ट और इसी प्रकार का सामान,
	अन्तर्गत ऐसे वितरक भी आते हैं		जो विद्युत रोधी नहीं किया गया है
	जो ताजी अनुकूलित वायु का वितरण	74.14	तांबे के तार का कपड़ा (जिसके
	कर सकते हैं) जो विद्युतीय तापित		अन्तर्गत बिना सिरे वाले बैड भी
	नहीं हैं, जिनमें लोहे या इस्पात का		हैं), जंगला और जाली; तांबे का
	मोटर चालित पंखा या ब्लोअर	74.15	प्रसारित धातु
	लगा हो और उनके पुर्ज		तांबे की या तांबे के शीर्ष वाली
73.23	लोहे या इस्पात की, लोहे या इस्पात		लोहे या इस्पात की कीलें, विरंजी,
	ऊर्ण की मेज, रसोई या अन्य घरेलू		ड्राइंग पिन, स्टेपिल (शीर्ष सं०
	वस्तुएं और उनके पुर्ज; लौहा या इस्पात		83.05 की वस्तुओं से भिन्न) और
	ऊर्ण; लोहे या इस्पात के पात्र परिमार्जक		बैसी ही वस्तुएं; तांबे के स्क्रू,
	और परिमार्जन या पालिशिंग पैड		बोल्ड, नट, स्क्रू, हुक, रिबेट, फर्नी,
73.24	लोहे या इस्पात के स्वच्छता पात्र और		फर्नी पिन, वाशर (जिनके अन्तर्गत
	उनके भाग		कमानो वाशर भी हैं) और बैसी
73.25	लोहे या इस्पात की अन्य ढलवां		ही वस्तुएं
	वस्तुएं	74.16	तांबे की कमानियां
73.26	लोहे या इस्पात की अन्य वस्तुएं	74.17	तांबे के घरेलू प्रयोजनों के लिए
			प्रयुक्त किस्म के पकाने के या तापक
			उपकरण, जो अविद्युत हैं और
			उनके पुर्जे
			तांबे की खाना परोसने की, रसोई
			घर की या अन्य गृहस्थी की
			वस्तुएं और उनके भाग; तांबे के
			पात्र निघर्षक और तांबे के निघर्षण
			या पालिश करने के पैड, दस्ताने और
			बैसी ही वस्तुएं, तांबे का स्वच्छता
			सामान और उनके भाग
			तांबे की अन्य वस्तुएं
अध्याय-74			
तांबा और उसकी वस्तुएं			
74.01	तांबा मैट; सीमेंट तांबा (अवशेषित	74.18	तांबे की खाना परोसने की, रसोई
	तांबा)		घर की या अन्य गृहस्थी की
74.02	अपरिष्कृत तांबा; विद्युत अवधनी		वस्तुएं और उनके भाग; तांबे के
	परिष्करण के लिए तांबा ऐनोड		पात्र निघर्षक और तांबे के निघर्षण
74.03	बिना गड़ा हुआ परिष्कृत तांबा और		या पालिश करने के पैड, दस्ताने और
	मिश्रधातुएं		बैसी ही वस्तुएं, तांबे का स्वच्छता
74.04	तांबा अपशिष्ट और स्कैप	74.19	सामान और उनके भाग
			तांबे की अन्य वस्तुएं

(1)	(2)	(1)	(2)
	अध्याय—75		
	निकल और उसकी वस्तुएं		
75.01	निकल मेट, निकल आक्साइड सिंटर और निकल धातु के अन्य मध्यवर्ती उत्पाद		और संरचना के भाग (उदाहरणार्थ पुल, पुल के भाग, मीनार (लाट) जालक मस्तूल, छतें छत ढांचा, दरवाजे और खिड़कियां और उनके फ्रेम, चौखट और दरवाजों के लिए देहली, जंगला, खंभा और स्तंभ);
75.02	बिना गढ़ा हुआ निकल —निकल अधातु मिश्रित —निकल मिश्रधातु		एल्युमिनियम प्लेट, छड़ें, प्रोफाइल, नली और वैसी ही वस्तुएं जो संरचना में उपयोग के लिए तैयार की जाएं
75.03	निकल अपशिष्ट और स्क्रेप		
75.04	निकल चूर्ण और पत्रक		
75.05	निकल शलाकाएं, छड़ें, प्रोफाइल और तार	76.11	किसी सामग्री के लिए (संपीड़ित या तरल गैस से भिन्न) एल्युमिनियम कुंड, टंकियां, बेट और वैसे ही आधान जो 300 लि० से अधिक धारिता के हों चाहे वे अस्तित्व या उष्मारोधित हों या नहीं हों किन्तु यांत्रिक या तापीय उपस्कर लगे हों
75.06	निकल प्लेटें, शीटें, पट्टी और पर्णों		
75.07	निकल नलियां, पाइप और नलियां या पाइप फिटिंगें (उदाहरणार्थ कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)		
75.08	निकल की अन्य वस्तुएं		
	अध्याय—76	76.12	किसी सामग्री (संपीड़ित या तरल गैस से भिन्न) के लिए एल्युमिनियम हैस्क, ड्रम, पीपे, बक्से और वैसे ही आधान (जिनके अन्तर्गत अनभ्य या समेटवां नलिकायुक्त आधान है) जो 300 लि० से अधिक की धारिता के हों चाहे उन पर आधारित या उष्मारोधी हों या नहीं किन्तु उन पर यांत्रिक या तापीय उपस्कर लगे हों
	एल्युमिनियम और उसकी वस्तुएं		
76.01	बिना गढ़ा एल्युमिनियम		
76.02	एल्युमिनियम अपशिष्ट और स्क्रेप		
76.03	एल्युमिनियम चूर्ण और पत्रक		
76.04	एल्युमिनियम शलाकाएं, छड़ें और प्रोफाइल		
76.05	एल्युमिनियम तार		
76.06	एल्युमिनियम प्लेटें, शीटें और पट्टी जिनकी मोटाई 2 मि०मी० से अधिक है	76.13	संपीड़ित या तरल गैस के लिए एल्युमिनियम के आधान
76.07	एल्युमिनियम पर्णों (चाहे वह मुद्रित या कागज, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक या अन्य पृष्ठावली पदार्थ से पृष्ठावली किया गया हो या नहीं) जिसकी मोटाई (पृष्ठावली छोड़कर) 2 मि०मी० से अधिक न हो	76.14	एल्युमिनियम के गुंफित तार, केबल, लेपित बंड और वैसी ही वस्तुएं जो विद्युत से रुद्ध न की गई हों
		76.15	एल्युमिनियम की मेज, रसोई की या अन्य गृहस्थी की वस्तुएं और उनके भाग, बर्तन मांजने की मशीन, और एल्युमिनियम के रंगड़ने या पालिश करने के पैड, दस्ताने और वैसी ही वस्तुएं; एल्युमिनियम के स्वच्छता सम्बन्धी सामान और उनके भाग
76.08	एल्युमिनियम नली और पाइप		
76.09	एल्युमिनियम नली और पाइप फिटिंग (उदाहरणार्थ कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)		
76.10	एल्युमिनियम संरचना शीर्ष सं० 94.06 के अन्तर्गत आने वाले पूर्व संविरचित भवनों को छोड़कर	76.16	एल्युमिनियम की अन्य वस्तुएं

(1)	(2)	(1)	(2)
	अध्याय-78		हों) जिसकी मोटाई (पृष्ठावली को छोड़कर) 0.2 मिलीमीटर से अधिक हो, रांगा चूर्ण और पत्रक
	सीसा और उसकी वस्तुएं		
78.01	बिना गढ़ा सीसा		
78.02	सीसा अपशिष्ट और स्क्रेप	80.06	रांगे की नालिकाएं, पाइप और नालिकाएं या पाइप फिटिंग (उदाहरणार्थ कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)
78.03	सीसा की शलाकाएं, छड़ें, प्रोफाइल और तार		
78.04	सीसा की प्लेटें, चादरें, पट्टियां और पर्णियां—सीसा का चूर्ण और पत्रक	80.07	रांगा की अन्य वस्तुएं
78.05	सीसे की नालिकाएं, पाइपों और नालिकाओं या पाइपों की फिटिंग (उदाहरणार्थ, कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)	81.01	अध्याय-81
78.06	सीसा की अन्य वस्तुएं	81.02	अन्य आधार धातुएं सीमेंट और उनकी वस्तुएं
	अध्याय-79		
	जस्ता और उसकी वस्तुएं	81.03	टंगस्टेन, (बुल्फ्रेम) और उसकी वस्तुएं जिसमें अपशिष्ट और स्क्रेप है
79.01	बिना गढ़ा जस्ता		मालिबडेनम और उसकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
79.02	जस्ता अपशिष्ट और स्क्रेप	81.04	टेंटेलग और उनकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट स्क्रेप है
79.03	जस्ता की धूल, चूर्ण और पत्रक		मैग्नीशियम और उनकी वस्तुएं, जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
79.04	जस्ता की छड़ें, शलाकाएं, प्रोफाइल और तार	81.05	कोबाल्ट मेट और कोबाल्ट धातु-कर्म के अन्य मध्यवर्ती उत्पाद, कोबाल्ट और उसकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है ।
79.05	जस्ता की प्लेटें, चादरें, पट्टियां और पर्णियां	81.06	विस्मथ और उसकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट स्क्रेप है
79.06	जस्ते की नालिकाएं, पाइपों और नालिकाएं या पाइप फिटिंग (उदाहरणार्थ कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)	81.07	कैडमियम और उसकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
79.07	जस्ता की अन्य वस्तुएं		
	अध्याय 80	81.08	टिटैनियम और उसकी वस्तुएं, जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
	टिन और उसकी वस्तुएं		
80.01	बिना गढ़ा रांगा	81.09	जिरकोनियम और उसकी वस्तुएं जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
80.02	रांगा अपशिष्ट और स्क्रेप		
80.03	रांगा शलाकाएं, छड़ें, प्रोफाइल और तार	81.10	एंटीमनी और उसकी वस्तुएं, जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है
80.04	रांगा प्लेट, चादर और पट्टियां जिसकी मोटाई 0.2 मिलीमीटर से अधिक हो		
80.05	रांगा पर्णी (चाहे छपा हो या नहीं या कागज, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक या वैसी ही वर्णित सामग्री से क्षेपित	81.11	मैंगनीज और उसकी वस्तुएं जिनके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्क्रेप है ।

(1)	(2)	(1)	(2)
81.12	बेरिलियम, क्रोमियम, जमनियम, वैनेडियम, गैलियम, हैफनियम, इंडियम, बायोनियम, (कोलो-म्बियम) रीनियम और थैलियम और इन धातुओं की वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्कैप है		ब्लो लैम्प, यांत्रिक औजारों के उपांग तथा उनके उपसाधनों से भिन्न शिकंजे और क्लैम्प; निहाई, सुबाय घंगीठी, हाथ से या पांव से चलाए जाने वाले ढांचे सहित सानचक्र
81.13	सीमेंट और उसकी वस्तुएं, जिसके अन्तर्गत अपशिष्ट और स्कैप है अध्याय-82 आधार धातु के औजार उपकरण कटलरी चम्मच और कांटे; आधार धातु के बने इनके भाग	82.06	खुदरा बिक्रय के लिए सेट में रखे और शीर्ष सं० 82.02 में 82.05 में के दो या अधिक शीर्षों के अन्तर्गत माने वाले औजार
82.61	निम्न प्रकार के हाथ के औजार, फावड़े, बेलचे, कुदालें, गैसी खु कांटे और पटेले, कुल्हाड़ी, गण्डासा और इसी प्रकार के खुपदि औजार, किसी भी प्रकार की कलम, कैंची, हासिये व बरांती, घास काटने की कैंची, ब्राइ, कर्तरी, काष्ठ कील और इसी प्रकार के औजार जिनका उपयोग कृषि, उद्यान कृषि, वानिकी में किया जाता है	82.07	हाथ के औजारों के लिए, या यांत्रिक औजारों के लिए (उदाहरणार्थ प्रेस करने, स्टाम्प लगाने, छिद्र करने, टेप करने, बूझी बनाने, प्रवेधन, वेधन, मोड़न, मिलियन, मोड़न या पेच कसने के लिए विविध औजार चाहे शक्ति चालित हों या नहीं, जिसके अन्तर्गत धातु कर्षण या बहुवेधन के लिए ढाढ़यां और चट्टान प्रवेधन या मृत्तिका वेधन औजार
82.02	हाथ के भारे, सभी प्रकार के भारों के ब्लेड (जिनके अन्तर्गत प्रकर्तन, छेद करने वाली मशीन या बिना दांतेदार भारों के ब्लेड है)	82.08	मशीनों या यांत्रिक साधनों के लिए छुरी और कर्तन ब्लेड
82.03	रेतियां तथा मोटी रेतियां, प्लायर (जिसमें कर्तन प्लायर भी हैं) संवेशिका, चिमटी, कर्तनी, पाइप कर्तक, बोलज क्रापर्स, छिद्रण पंच, और वैसे ही हाथ के औजार	82.09	औजारों के लिए प्लेटें, छेद नोकें और वैसे ही वस्तुएं जो चढ़ी हुई न हों तथा जो सितुदरित धात्विक कार्याइड या समेट की हो।
82.04	हस्त चालित स्पेनर और रिच (जिनके अन्तर्गत टॉर्कमीटर रिच है, किन्तु टेप रिच नहीं है) हथ्थे वाले या बिना हथ्थे वाले विनिमय स्पेनर साकेट	82.10	हस्त चालित, यांत्रिक साधन जिनका भार 10 किलोग्राम या कम हो और जो इस प्रकार की हो जिनका उपयोग भोजन और पेय को तैयार करने, अनुकूलित करने या परोसने के प्रयोजनों के लिए किया जाता है
82.05	हाथ के औजार (जिसके अन्तर्गत ग्लेजिमर्स डायमंड है) जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं,	82.11	शीर्ष सं० 82.08 के अन्तर्गत माने वाली छुरियों से भिन्न कर्तन ब्लेड सहित छुरियां, चाहे कर्तक हों या नहीं (जिसमें छटाई की छुरी भी है) और उनके लिए ब्लेड

(1)	(2)	(1)	(2)
82.12	रेजर और रेजर ब्लेड (जिनके अन्तर्गत पट्टियों में रेजर ब्लेड ब्लैंक हैं)	83.04	वैसी ही वस्तुओं के लिए दरवाजे और सेफ डिपॉजिट
82.13	कैंची, टेलर कर्तनी और उसी प्रकार की कर्तनी और उसके ब्लेड।		शीर्ष सं० 94.03 के अन्तर्गत आने वाले कार्यालय फर्नीचर से भिन्न आधार धातु के फाईलिंग कबिनेट, कार्डइंडेक्स कबिनेट, पेपर ट्रे, पेपर-रेस्ट, पेन-ट्रे, कार्यालय स्टाम्प स्टैंड और वैसे ही कार्यालय या डेस्क उपस्कर
82.14	कटलरी की अन्य वस्तुएं (उदाहरणार्थ केश कर्तक, बुशर या रसोई घर विदारक, कर्तक और मिस करने वाली छुरियां, पेपर छुरियां), मेनिक्चोर या पैडीक्योर और उपकरण (जिनमें नेल फाइल सेट भी है)	83.05	आधार धातु के लूज लीफ बंधकों या फाइलों के लिए फिटिंगें, पत्रों की क्लिप्स, इन्डैक्सिंग-टैगो और वैसे ही कार्यालय की वस्तुएं, आधार धातु के स्ट्रिप्स में स्टैपिल (उदाहरणार्थ, कार्यालयों, अपहोल्सटरी, पैकेजिंग के लिए)
82.15	चम्मच, कांटे, करछुल, अपमाथिष केक परोसने वाली, मत्स्य छुरी, मक्खन छुरी, चीनी चिमटा और रसोई या खाने-पीने के वैसे ही बर्तन हैं।	83.06	आधार धातु की बटियां, घंटे और वैसे ही वस्तुएं, जो बिजली की नहीं हैं, आधार धातु की लघु प्रनिभाएं और अन्य अलकरण, आधार धातु के फोटोग्राफ, चित्र या वैसे ही फ्रेम, आधार धातु के दर्पण
अध्याय-83			
आधार धातु की प्रकीर्ण वस्तुएं			
83.01	आधार धातु के वियोज्य ताले और ताले (चाबी संयोजन या बिजली से प्रचालित); धातु के खटके और खटकों सहित फ्रेम जिनमें ताले बने हुए हों, आधार धातु की पूर्वगामी वस्तुओं में से किन्हीं के लिए चाबियां	83.07	फिटिंगों सहित या उनके बिना आधार धातु की नम्य नली
		83.08	आधार धातु के ऐसे खटके, खटकों सहित फ्रेम, बाकल, बक्कल खटके, टुक, आंठे, अधिकाएं और वैसे ही वस्तुएं, जो कपड़ों, जूतों, मायवानों, हेण्डबगों, यात्री की वस्तुओं, अन्य तैयार वस्तुओं के लिए उपयोग किए जाते हैं, आधार धातु के गेट या द्विमुखी रिबन, आधार धातु के मनके और सनमें
83.02	आधार धातु की मढ़ाई फिटिंगें और वैसे ही वस्तुएं जो फर्नीचर, दरवाजों, सीढ़ियों, मिष्ठकियों, वर्णनियों, कोब वर्क, जीनसाजी, टुकों, जैस्ट, संदूकची या वैसे ही अन्य वस्तुओं के लिए उपयुक्त हों, आधार धातु के हैट रैक, हैट खूंटी, ब्रैकेट और वैसे ही फिक्सचर, आधार धातु की मढ़ाई सहित कौस्टर, आधार धातु के स्वचालित डोर क्लोजर	83.09	आधार धातु की डाटें, टोपियां, और कबकन (जिनके अन्तर्गत आउट कार्क, पेच टोपियां और अक्सराबी डाटें हैं) बोटलों के कागसूल, चड़ीदार बग, बग आच्छाद, सील तथा पैकिंग सबधी अन्य उपसाधन
83.03	आधार धातु के कवचित या प्रबलित सेफ, तिजोरियां, और कोष-कक्ष तकदी या बिलेख बक्से और		

(1)	(2)	(1)	(2)
83.10	शीर्ष सं० 94.05 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं को छोड़कर, आधार धातु की हस्ताक्षर प्लेटें नाम प्लेटें, पता प्लेटें और वैसे ही प्लेटें, संख्याएं, अक्षर, और अन्य प्रतीक	84.05	भित्त उपयोजित, अतितापित, कज्जल हटाने वाला यंत्र, गैस प्रति-तापक) भाप या अन्य वाष्प शक्ति यूनिटों के लिए कंडन्सर
83.11	आधार धातु के या धातु कार्बाइड के तार, छड़ें, नली, प्लेट, इलेक्ट्रोड और वैसे ही उत्पाद, जो इस प्रकार की फलक्स सामग्री से विलेपित और क्रोडित हैं और जो धातु के या धातु कार्बाइडों के सोल्डर करने, पक्का टांका लगाने, वैल्डिंग या निक्षेपण के लिए उपयोग में लाई जाती है, संपीड़ित आधार धातु के चूर्ण के ऐसे तार और छड़ें, जिनका उपयोग धातु स्प्रे करने के लिए किया जाता है	84.06	शोधकों सहित या रहित उत्पादक गैस या जल-गैस जनित शोधकों सहित या रहित ऐसीटिलीन गैस-जनित और वैसे ही जल-प्रक्रिया गैसजनित
अनुभाग 16		84.07	भाप टर्बाइन और अन्य वाष्प टर्बाइन
मशीनरी और यांत्रिक साधन, विद्युती उपस्कर उनके पुर्जों, ध्वनि अभिलेखित और पुनरुत्पादित दूरदर्शन प्रतिबिम्ब और ध्वनि अभिलेखित और पुनरुत्पादित और ऐसी वस्तुओं के पुर्जों और उपसाधन		84.08	चिन्गारी ज्वलन प्रत्यागामी या रोटरी अन्तर्दहन पिस्टन इंजन
अध्याय 84		84.09	संपीड़न ज्वलन अंतर्दहन पिस्टन इंजन (डीजल या अर्द्ध-डीजल इंजन)
न्यूक्लीयर रिएक्टर, बायलर, मशीनरी और यांत्रिक साधन उनके पुर्जों			शीर्ष सं० 84.07 या 84.08 के इंजनों के साथ एकमात्र या मुख्यतया उपयोग के लिए उपयुक्त पुर्जों
84.01	न्यूक्लीयर रिएक्टर, न्यूक्लीयर रिएक्टर के लिए अकिरणित ईंधन तत्व (कार्बिज), समस्थानिक पृथक्करण के लिए मशीनरी और उपकरण	84.10	द्रवचालित टर्बाइन, जलचक्र और उनके नियामक
84.02	भाप या अन्य वाष्पजनक बायलर (ऐसे केन्द्रीय तापन ऊष्ण जल बायलरों से भिन्न, जो निम्नदाब भाप के उत्पादन के लिए भी समर्थ हैं); अतिताप जल बायलर	84.11	टर्बोजेट, टर्बो-नोदक और अन्य गैस-टर्बाइन
84.03	केन्द्रीय तापन बायलर जो शीर्ष सं० 84.02 के अंतर्गत आने वालों से भिन्न हों	84.12	अन्य इंजन और मोटरें
84.04	शीर्ष सं० 84.02 या 84.03 के बायलरों के साथ उपयोग के लिए सहायक संयंत्र (उदाहरणार्थ	84.13	द्रव पदार्थों के लिए पम्प चाहे वे मापक युक्त फिट किए हों या नहीं, द्रव उत्थापक
		84.14	वायु या निर्वात पम्प, वायु या अन्य गैस संपीड़क और पंखे, पंखों से युक्त संवातन या पुनः चक्रण हुड चाहे उनमें फिल्टर हो या नहीं
		84.15	वातानुकूल मशीनें, जिनमें मोटर चालित पंखा तथा तापमान और आर्द्रता को बदलने के लिए तत्व समाविष्ट हों, जिनके अन्तर्गत ऐसी मशीनें भी हैं जिनमें आर्द्रता को पृथक रूप से नियंत्रित नहीं किया जा सकता

(1)	(2)	(1)	(2)
84.16	द्रव ईंधन के लिए संक्षीपित ठोस ईंधन के लिए या गैस के लिए भट्टी बर्नर, यांत्रिक स्टोकर, यांत्रिक घर्षणी, यांत्रिक भस्म विसर्जक और वैसे ही साधन		बोतलों, डिब्बों, बक्सों, थैलों या अन्य आधानों को भरने, बन्द करने, सील करने, कैप्सूल करने या उन पर लेबल लगाने की मशीनरी पैक करने या खपेटने की अन्य मशीनरी, सुपेयों को वातित करने की मशीनरी;
84.17	अद्योगिक या प्रयोगशाला भट्टियाँ और बन्द चूल्हे जिनके अन्तर्गत भस्मक भी हैं, जो बिजली से न चलते हैं	84.23	तोलने की मशीनरी (जिसके अन्तर्गत 5 सेंटी० ग्राम या अधिक की सुग्राहिता की तुला नहीं है) जिसके अन्तर्गत भारचालित गणन या जांच मशीनें हैं, तोलने की मशीन के सभी प्रकार के बाट
84.18	प्रशीतित, हिमीकरण यंत्र और अन्य प्रशीतन या हिमकारी उपस्कर, बिजली से चलने वाले या अन्य, शीर्ष सं० 84.15 की वातानुकूलन मशीनों से भिन्न ऊष्मा पम्प	84.24	द्रवों या चूर्णों के प्रक्षेपण, परि-क्षेपण या छिड़काव के लिए यांत्रिक साधन (चाहे वे हाथ से चलते हों या नहीं), अग्निशामक, चाहे वे चार्ज किए गए हों या नहीं, स्प्रेगन और वैसे ही साधन, भाप या रेत विस्फोटन मशीनें और वैसे ही जेट प्रक्षेपण मशीनें
84.19	मशीनरी, संयंत्र या प्रयोगशाला उपस्कर, चाहे वे ऐसी प्रक्रिया द्वारा, जैसे कि तापन, पकाना, भनना, आसवन, परिशोधन, निजवाणाकरण, पास्तेरीकरण, शुष्कन, वाष्पन, वाष्पीकरण, संघनन या शीतलन, जिससे तापमान का परिवर्तन होता है, सामग्रियों के अभिक्रियण के लिए विद्युत से तापित हो या नहीं और जो इसी प्रकार की मशीन या संयंत्र से भिन्न हों जिन्हें घरेलू प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाया जाता है, तात्क्षणिक या संचयन जल तापक, जो बिजली से न चलते हों	84.25	पुली टैकिल और स्क्रिप उद्वाहक से भिन्न उद्वाहक, विन्चें और कैपस्टन, जैक—पुली टैकिल और स्क्रिप उद्वाहक से भिन्न उद्वाहक या उस प्रकार के उद्वाहक जिनका उपयोग यान उठाने के लिए किया जाता है;
	धातु या कांच के लिए मशीनों से भिन्न कैलेडरण या अन्य वेल्डन मशीनें, और उनके लिए सिलण्डर	84.26	डैरिक, क्रेन, जिनके अन्तर्गत केबिल क्रेन भी हैं, गतिशील उत्थापन फ्रेम, स्ट्रेडल वाहक और क्रेन फिट किए गए संकर्म ट्रक
84.21	अपकेन्द्रण यंत्र, जिसके अन्तर्गत अपकेन्द्रण शुष्कक भी हैं, द्रवों या गैसों के लिए फिल्टर या शोधन मशीनरी और साधन अपकेन्द्रण यंत्र, जिनके अन्तर्गत अपकेन्द्रण शुष्कक भी हैं	84.27	फोर्क-लिफ्ट ट्रक, अन्य संकर्म ट्रक जिनमें उठाने या प्रहस्तन के लिए उपस्कर फिट किए गए हों
		84.28	उठाने, प्रहस्तन, लादने या उतारने की अन्य मशीनरी (उदाहरणार्थ लिफ्टें, एस्कलटर, संवाहक, टेली-फैरिक)
84.22	व्यंजन-पात्र धोने की मशीन, बोतलों या अन्य आधानों को साफ करने या सुखाने के लिए मशीनरी,	84.29	स्वतः नोदित बुलडोजर, ऐंगिल-डोजर, ग्रेडर, समतलक स्क्रेपर, यांत्रिक बेलचे, उत्खनक, बेलचे

(1)	(2)	(1)	(2)
84.30	लोडर, ट्रैम्पन मशीनें और रोड रोलर	84.38	उद्योग के लिए या घान्य या शुष्कित फलीदार वनस्पतियों के कर्मकरण के लिए उपयोग में लाई जाती है फार्म टाइप मशीनरी से भिन्न मशीनरी
84.31	मिट्टी, खनिजों या ग्रयस्कों के लिए अन्य चाल, श्रेणीकरण, सम-तलन, स्क्रीपिंग, उत्खनन, ट्रैम्पन, सतहन, निष्कर्षण या वैद्यन मशीनरी, पाइलड्राइवर और पाइल-निष्कर्षक, हिमहल और हिमब्लोअर	84.39	औद्योगिक निमित्त या खाद्य या पेय के विनिर्माण के लिए मशीनरी जो इस अध्याय में विनिर्दिष्ट या अन्यत्र सम्मिलित नहीं है प्राणी या नियत की गई बसा या तेल के निष्कर्षण या निर्मितिकरण के लिए मशीनरी से भिन्न मशीनरी
84.32	पुर्जों जो उपशीर्ष सं० 84.25 से 84.30 तक के अन्तर्गत आने वाली मशीनरी में पूर्णतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उपयुक्त	84.40	फाइवरी सेलुलोसी सामग्री की लुगवी बनाने या कागज या पेपर-बोर्ड बनाने या परिसज्जित करने की मशीनरी
84.33	मृदा की तैयारी या खेती के लिए कृषि, उद्यान कृषि या वानिकी मशीनरी लान, या खेलकूद मैदान रोलर	84.41	जिल्बसाजी की मशीनरी जिसके अन्तर्गत पुस्तक सीने की मशीन है
84.34	फसल कटाई या श्रेणिक मशीनरी, जिसके अन्तर्गत पुआल या चारा बेलर भी हैं; सूखी घास या घास कर्तक; अण्डा, फल या अन्य कृषि उपज की सफाई, छटाई या श्रेणीकरण के लिए मशीनें जो शीर्ष सं० 84.37 की मशीनरी से भिन्न हैं	84.42	कागज की लुगवी कागज या पेपरबोर्ड बनाने की अन्य मशीनरी जिसके अन्तर्गत सभी प्रकार की कर्तन मशीन है
84.35	दोहन मशीनें और डेरी मशीनरी	84.43	टाइप क्लार्क और टाइप सेटिंग के लिए मुद्रण ब्लाक प्लेटें, सिलिण्डर या अन्य मुद्रण संघटकों को तैयार करने या बनाने के लिए मशीनरी
84.36	दाबने के यंत्र, दलित तथा वैसी ही मशीनरी जिसका उपयोग, वाइन, लाइन, साइडर, फलों के रस या वैसे ही सुपेयों के निर्माण में होता है	84.44	साक्षित्र और उपस्कर (शीर्ष सं० 84.56 से 84.65 तक के मशीन औरों से भिन्न मशीनरी मुद्रण-टाइप ब्लाक प्लेटें सिलिण्डर और अन्य मुद्रण संघटक; मुद्रण प्रयोजनों के लिए तैयार किए गए ब्लाक प्लेटें सिलिण्डर और लिथोमुद्रण पत्थर (उदाहरणार्थ समतल किए हुए दानेदार या पालिश किए हुए) ।
84.37	कृषि, उद्यान कृषि, वानिकी, कुक्कुट पालन या मधुमक्खी पालन सम्बन्धी अन्य मशीनरी जिनके अन्तर्गत यांत्रिक या उष्मीय उपस्कर के साथ फिट किए गए अंकुरण संयंत्र भी हैं; कुक्कुट पालन उष्मायित्र और बूडर		मुद्रण मशीनरी मुद्रण के सहायक उपयोगों के लिए मशीन
	बीज अनाज या शुष्कित फलीदार वनस्पतियों की सफाई छटाई या श्रेणीकरण के लिए मशीनें इस प्रकार की मशीनरी जो मिलिंग		कुत्रिम टेक्सटाइल सामग्री के निष्कर्षण ड्राइंग बुनावट या कर्तन के लिए मशीनें

(1)	(2)	(1)	(2)
84.45	टेक्सटाइल फाइबर तैयार करने के लिए मशीनें; कटाई बुरा करने की या व्यावर्तन मशीनें और टेक्सटाइल सूत का उत्पादन करने के लिए अन्य मशीनरी टेक्सटाइल संश्लेषण या वेष्टन (जिसके अन्तर्गत बाना वेष्टन भी है) मशीनें और शीर्ष सं० 84.46 या 84.47 की मशीनों पर उपयोग के लिए टेक्सटाइल सूत तैयार करने के लिए मशीनें		दस्ती करने की, दबाई (जिसके अन्तर्गत म्यूजिंग प्रेस भी हैं) विरंजन, रंगाई, ड्रेसिंग, परिसंजन, विरंजन या संसंजन के लिए मशीनरी (शीर्ष सं० 84.50 की मशीनों से भिन्न मशीनरी) और आधार फैब्रिक या अन्य आधार पर पेस्ट लगाने के लिए ऐसी मशीनें जो फर्श की बिछावटों, जैसे कि लिनोलियम के विनिर्माण में उपयोग की जाती हैं, टेक्सटाइल फैब्रिक के संश्लेषण, असंश्लेषण, तहकरण, कर्तन या पिकन के लिए मशीनें
84.46	न्यूनतम मशीनें (करघा)		
84.47	बुनाई मशीनें टांका आधारित मशीनें और जिम्प सूत टूल फीता कशीदा झालरब्रेड या जाली बनाने के लिए मशीनें और गुच्छे बनाने के लिए मशीनें	84.52	शीर्ष सं० 84.40 के अन्तर्गत धाने वाली पुस्तक सीने की मशीन से भिन्न सिलाई मशीनें, सिलाई मशीनों के लिए विशेष रूप से अधिक अभिकल्पित फर्नीचर आधार, और आधार सिलाई मशीन
84.48	शीर्ष सं० 84.44, 84.45, 84.46 या 84.47 की मशीनों के साथ उपयोग के लिए सहायक मशीनरी उदाहरणार्थ डानी जैकड स्वचालित गतिरोधी शटल परिवर्तनकारी यंत्रावली; इस शीर्ष की या शीर्ष सं० 84.44, 84.45, 84.46 या 84.47 की मशीनों के साथ पूर्णतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उद्युक्त पुर्जे और उपसाधन (उदाहरणार्थ तकुभा; तकुभा फ्लायर्स पृष्ठाधार कभी उत्तारण निपिल शटल हील्ड और हील्डडांवा होजरी सुइयां)	84.53	खाल, चर्म या चमड़ा निर्मित चर्म-शोधित या कर्मित बनने के लिए या जूता या खाद, चर्म या चमड़े की अन्य वस्तुएं बनाने या उनकी मरम्मत करने के लिए मशीनरी, जो सिलाई मशीन से भिन्न है
		84.54	धातुकर्म में या धातु हलाई शाला में उपयोग में लाए जाने वाले संपरिचरणा, कण्डूल, मिश्रक; साथे और हलाई की मशीनें
		84.55	धातु रोलिंग मिश्र और उनके लिए रोल
84.49	धान में या आकृति में नमदा या अभ्यूतित वस्तुओं के विनिर्माण या परिसंजन के लिए मशीनरी जिसके अन्तर्गत फ्लैट-हेट बनाने वाली मशीनरी और हेट बनाने वाले ब्लाक	84.56	सामग्री हटाकर, खंसेर या अन्य किरण या फोटो पुंज, पराश्रव्य, विद्युत विसर्जन, विद्युत रसायन, इलेक्ट्रान पुंज, आयनिक-पुंज या लज्जा धार्क प्रक्रिया द्वारा किसी सामग्री के कर्मण के लिए मशीन के प्रयोग
84.50	घरेलू या लघु प्रकार की धोने की मशीनें, जिनके अन्तर्गत धोने और सुखाने की मशीनें भी हैं	84.57	कर्मण धातु के लिए मशीनी केन्द्र, यूनिट सन्निर्माण मशीन (एकल केन्द्र) और बहु केन्द्र अन्तरण मशीनें
84.51	टेक्सटाइल सूत, फैब्रिक या टेक्सटाइल की निर्मित वस्तुओं की बुनाई, मकाई, निष्पीड़न, सुखाई,	84.58	धातु हटाव के लिए लेख

1	2	1	2
84. 59	धातु हटाकर प्रवेधन, बेधन, मिलिंग, चूड़ी बनाने या टेप करने के लिए मशीन के औजार (जिनके अन्तर्गत वे-टाइप यूनिट हैड मशीन है), जो शीर्ष सं० 84. 58 के अन्तर्गत आने वाले लेख से भिन्न है		सामग्री के कर्मण या शीत कर्मण कांच के लिए मशीन-औजार
84. 60	पेषण पत्थर, अपघर्षण या पालिश करने वाले उत्पादों द्वारा धातु, सिंटरित धात्विक कार्बाइडों या सीमेंट के अलोटन, नुकीला बनाने, पीसने, शाणन, सूक्ष्म घर्षण, पालिश करने या अन्यथा परितज्जित करने के लिए मशीन के औजार जो शीर्ष सं० 84. 61 के अन्तर्गत आने वाले गिअर कर्तन, गिअर पेषण या गिअर परितज्जन मशीन से भिन्न है	84. 65	कर्मण लकड़ी, कार्क, हड्डी, दूढ़ रबड़, दूढ़ प्लास्टिक या वैसी ही दूढ़ सामग्री के लिए मशीन-औजार (जिसके अन्तर्गत कील लगाने, स्टैपल करने, गोंद लगाने या अन्यथा समंजन की मशीनें भी हैं)
84. 61	समतलन, आकृति देने, खांचा बनाने, ब्रोचन, गिअर काटने, गिअर पीसने या गिअर परितज्जन, चिराई करने, काटने की मशीन और औजार अपसाटक धातु, सिंटरित धातु कार्बाइड या सीमेंट द्वारा कर्मित अन्य मशीन के औजार, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	84. 66	शीर्ष सं० 84. 56 से शीर्ष 84. 65 तक के अन्तर्गत आने वाली मशीनों के साथ एकमात्र या प्रधानतया उपयोग के लिए प्रयुक्त पुर्जे या उपसाधन जिनके अन्तर्गत कार्य या औजार होल्डर, स्वतः खुलने वाले ठप्पे के अग्रभाग मशीन-औजारों के लिए विभाजक अग्रभाग और अन्य विशेष संलग्नक, हाथ से कार्य करने के किसी औजार के लिए औजार होल्डर
84. 62	गढ़कर, घनताड़न या ठप्पा मुद्रांकन द्वारा कर्मित धातु के लिए मशीन के औजार (जिनके अन्तर्गत दबाने के यंत्र भी हैं); बंकन, तहकरण, सीधा करके, चपटा करके, काटकर, छिद्रित करके, खांच कर के धातु कर्मण के लिए मशीन के औजार (जिसके अन्तर्गत बनाने के यंत्र भी हैं); कर्मण धातु या धात्विक कार्बाइड के लिए दाबने के यंत्र, जो ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं है	84. 67	हाथ से काम करने, वार्तीय या स्वयंपूर्ण अविद्युत मोटर के लिए औजार
84. 63	सामग्री को बिना हटाए, कर्मण धातु, सिंटरित धात्विक कार्बाइड या सीमेंट के लिए अन्य मशीन औजार	84. 68	सोल्डर करने, पक्का टांका लगाने या वैल्ड करने की मशीनरी और उपकरण, चाहे कर्तन करने के योग्य हों या नहीं किन्तु उनसे भिन्न जो शीर्ष सं० 85. 15 के अन्तर्गत हैं; गैस चलित सतह पायन मशीनें और साधित
84. 64	पत्थर, चीनी मिट्टी, कंक्रीट, ऐस्बेस्टोस-सीमेंट या वैसी ही खनिज	84. 69	टाइपराइटर और शब्द संसाधक मशीन
		84. 70	परिकलन मशीनें, लेखा मशीनें नकदी रजिस्टर, पोस्टेज फ्रैंकिंग मशीनें टिकट देने वाली और वैसी ही अन्य मशीनें, जिनमें परिकलन युक्ति लगी है।
		84. 71	डाटा संसाधित स्वचालित मशीनों और उनके यूनिट-चुंबकीय या प्रकाशीय रीडर कोडलिपि डाटा को डाटा माध्यम में प्रतिलिखित करने की मशीनें और ऐसे डाटा

1	2	1	2
84.72	संसाधित जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है अन्य कार्यालय मशीनें (उदाहरणार्थ हैक्टोग्राफ या स्टैसिल अनुलिपित मशीनें, पता लेखन मशीनें, स्व-चालित बैंक नोट, डिस्पेंसर, सिक्का छंटाई मशीनें, सिक्का गिनने लपेटने की मशीनें, पेंसिल तराश मशीनें, छिद्रण या स्टेपिल मशीनें)	84.78	विनिर्माण के लिए मशीन जो इस अध्याय में अन्यथा अविनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है तम्बाकू निर्मित करने या बनाने के लिए मशीनरी, जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है
84.73	शीर्ष सं० 84.69 से शीर्ष सं० 84.72 तक के अन्तर्गत मशीनों के साथ एकमात्र या प्रधानतया उपयोग के लिए उपयुक्त पुर्जे और उपसाधन (आवरणों, वहन केसों और उसी प्रकार की वस्तुओं से भिन्न)	84.79	मशीन और यांत्रिक साधित जो अलग-अलग काम के हों और जो इस अध्याय में अन्यथा विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
84.74	मिट्टी, पत्थर, अयस्क या अन्य खनिज पदार्थों के जो ठोस रूप में हों (जिनके अन्तर्गत चूर्ण और लेप भी हैं), छांटने, छानने, पृथक् करने, धोने, दलने, पीसने, मिलाने या गूँथने के लिए मशीनरी; ठोस खनिज ईंधनों, चीनी मिट्टी के लेपों, अदृढ़ीकृत, सीमेंट पलस्तर सामग्री या चूर्ण और लेप के रूप में अन्य खनिज उत्पादों को संपीड़ित करने, ढालने या आकार देने के लिए मशीनरी; रेल के ढलाई सांचे बनाने के लिए मशीनें;	84.80	धातु की ढलाई के लिए संचन बक्स, संचन आधार संचन पैटर्न, (सिलिका सांचों से भिन्न) धातु, धातु कार्बाइड, कांच, खनिज सामग्रियों, रबड़ या प्लास्टिक के लिए सांचे
84.75	विद्युत या इलैक्ट्रानिक लैम्प, ट्यूबों या बल्बों या फ्लैश बल्बों को कांच के आवरण में समंजित करने की मशीनें, तप्त कर्मण कांच या कांच के बर्तनों के विनिर्माण के लिए मशीनें	84.81	पाइपों, बायलर शैलों, टंकियों, कुंडों या वैसी ही वस्तुओं के लिए टोंटियों, कार्क, बाल्व और वैस ही साधित जिनके अन्तर्गत दाब कम करने वाले बाल्व ताप स्थायी नियंत्रित बाल्व हैं
84.76	स्वचालित माल वेडिंग मशीन (उदाहरणार्थ डाक, महसूल टिकट, सिगरेट, खाद्य या सुपेय की मशीनें) जिनके अन्तर्गत मनी चेंजिंग मशीनें भी हैं।	84.82	बाल या रोलर बेयरिंग
84.77	कर्मण रबड़ या प्लास्टिक के लिए या इन सामग्रियों से उत्पादों के	84.83	संचारण शैफ्ट (जिनके अन्तर्गत कैम शैफ्ट और क्रैंक शैफ्ट हैं) और क्रैंक, बेयरिंग हाउसिंग और प्लेन शेफ्ट बेयरिंग, गियर और गियरिंग; बाल पैच, गियर बाक्स और अन्य चाल परिवर्तक जिसके अन्तर्गत ग्रेवियक संपरिवर्तक है, फ्लाई व्हील और पुली, जिनके अन्तर्गत पुली ब्लाक है, क्लच और शेफ्ट कपलिंग (जिनके अन्तर्गत सार्विक जोड़ हैं)
		84.84	अन्य सामग्री या धातु की दो या अधिक पतों के साथ संयोजित धात्विक शीटिंग, के गार्केट और वैसे ही जोड़, गेस्केट के सैट या प्रकीर्ण और वैसे ही जोड़, जिनकी संरचना एक जैसी न हो और जो कोष्ठों, लिफाफों या वैसी ही पैकिंग में रखे जाए

1	2	1	2
84. 85	मशीनरी के पुर्जों जिनमें विद्युत अनुयोजक या विद्युतरोधी, कुंडली संस्पर्शी या विद्युत संबंधी अन्य लक्षण अंतर्विष्ट न हो और जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित न हो	85. 09	स्वयं पूर्ण विद्युत मॉटर सहित विद्युत यांत्रिक घरेलू साधन
		85. 10	स्वयंपूर्ण विद्युत मॉटर सहित क्षेत्रक और
		85. 11	ऐसा विद्युत ज्वलन या प्रवर्तन उपस्कर जिसका उपयोग चिमनारी ज्वलन या संपीडन ज्वलन, अन्तर्बहुत इंजनों के लिए किया जाता है (उदाहरणार्थ ज्वलन मैग्नेटर्स, चुम्बकीय डाइनेमों ज्वलन कुंडलियां, स्पर्कलिग प्लग और द्राप्टिक प्लग प्रवर्तक मॉटर हैं); अनिल (उदाहरणार्थ डाइनेमों, प्रवर्तक) और ऐसे कट आउट जो ऐसे इंजनों के साथ-साथ प्रयुक्त किये जाते हैं।
		85. 12	ऐसे विद्युत प्रकाश और संकेतन उपस्कर (जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 85. 39 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं नहीं आती हैं) विडिस्क्रीन वाइपर,
			डिफ़ोस्टर और डेसिस्टर जो माइकिलों या मोटर यानों के लिए उपयोग में आते हैं
85. 01	विद्युत मोटर और अनिल (जिनसे सेटों से भिन्न)	85. 13	ऐसे गुवाह्य विद्युत लैम्प जो अपने ही ऊर्जा स्रोत से कार्य करने के लिए उद्दिष्ट है (उदाहरणार्थ शुष्क बैटरियां संचायक बैटनेटों) और जो शीर्ष सं० 85. 12 के अन्तर्गत आने वाले प्रकाश उपस्कर से भिन्न हैं
85. 02	विद्युत अनिल सेट और पूर्ण परिवर्तक हसपीडन ज्वलन अन्तर्बहुत पिस्टन इंजन लगा अनिल सेट (डीजल या अर्ध डीजल इंजन)	85. 14	औद्योगिक या प्रयोगशाला विद्युत (प्रेरण और पैराविद्युत सहित) भट्टियां और बंद बूल्हे, अन्य औद्योगिक या प्रयोगशाला प्रेरण या पैरा-विद्युत तापन उपस्कर
85. 03	शीर्ष सं० 85. 03 या शीर्ष सं० 85. 02 के अन्तर्गत मशीनों के एकमात्र या प्रधानतया उपयोग के लिए उपयुक्त पुर्जे	85. 15	विद्युत (जिनके अन्तर्गत विद्युत में तप्त नैस भी है) लेसर या अन्य प्रकाश या प्रोटोन किरण, पराश्रव्य इलेक्ट्रान किरणपुंज, चुम्बकीय स्पंद या प्लाज्मा आर्क सोलडिफिंग, पक्का टांका मगाने या बैलिङ्ग की मशीनें और उतारण चाहे वे काटने में समर्थ हों या नहीं धातुओं या मिस्टरिट धातु
85. 04	विद्युत द्रापकार्मर परिस्थटकवर्तक उदाहरणार्थ परिशोधक और प्रेरक		
85. 05	विद्युत चुम्बक, स्थायी चुम्बक और चुम्बकन के पश्चात् स्थायी चुम्बक होने के लिए आशयित वस्तुएं; विद्युत-चुम्बकीय या स्थायी चुम्बक वाले चक, क्लैम्प और वैसी ही हॉल्डर युक्तियां; विद्युत-चुम्बक युग्मक क्लच और ब्रेक; विद्युत-चुम्बकीय उत्थापन हेड, चुम्बक और स्थायी चुम्बक और चुम्बकन के पश्चात् स्थायी चुम्बक होने के लिए आशयित वस्तुएं		
85. 06	प्राथमिक सेल और प्राथमिक बैटरियां		
85. 07	विद्युत संचायक, जिसके अन्तर्गत उसके पथकित भी हैं, चाहे वे आयताकार (जिनके अन्तर्गत वर्गाकार भी हैं) हो या नहीं		
85. 08	स्वयं पूर्ण विद्युत मोटर सहित हाथ से काम करने के लिए विद्युत यांत्रिक और		

अध्याय 85

(1)	(2)	(1)	(2)
85. 16	कार्बाइडों के तप्त छिड़काव के लिए विद्युत मशीनें और उपकरण		37 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों से भिन्न, अन्य दृश्य घटनाओं का वैसा ही अभिलेखन
	विद्युत तात्क्षणिक या संघनन जल तापक और निमज्जन तापक, विद्युत स्पेस तापन उपकरण और विद्युत मुदा तापन उपकरण विद्युत तापीय हेयर ड्रैसिंग, उपकरण (उदाहरणार्थ हेयर ड्रायर, हेयर कर्लर, कॉलिंग टॉर्गहीटर) और हस्त ड्रायर; विद्युत मंत्रणन इस्त्री, अन्य विद्युत तापी, ऐसे साधन जो घरेलू प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाये जाते हैं; विद्युत तापन प्रतिरोधक जो उनसे भिन्न हैं जो कि शीर्ष सं० 85. 45 के अन्तर्गत आते हैं	85. 24	रिकार्ड टेप और ध्वनि के लिए अन्य अभिलिखित माध्यम या अन्य वैसा ही अभिलिखित दृश्य घटनाएं जिसके अन्तर्गत रिकार्डों के उत्पादन के लिए मैट्रिक्स और मास्टर्स हैं किन्तु जिसके अन्तर्गत अध्याय 37 के अन्तर्गत आने वाले उत्पाद नहीं हैं
85. 17	लाइन टेलीफोन तंत्र या लाइन टेली-ग्राफी तंत्र के लिए विद्युत उपकरण जिनके अन्तर्गत कैरियर करेंट लाइन सिस्टमों के लिए ऐसे उपकरण हैं	85. 25	रेडियो, टेलीफोन तंत्र, रेडियो टेली-ग्राफी तंत्र, रेडियो प्रसारण या दूर-दर्शन के लिए संचारण साधन, चाहे उनमें अभिग्रहण साधन या ध्वनि अभिलेखन या पुनरुत्पादन साधन समाविष्ट हों या नहीं, दूरदर्शन कैमरे
85. 18	माइक्रोफोन और उनके स्टैण्ड; लाउडस्पीकर, चाहे वे अपने संवेष्टनों में आरुढ़ हों या नहीं, हेड फोन, ईयरफोन और संयुक्त माइक्रोफोन/स्पीकर सेट, श्रम आवृत्ति विद्युत एम्पलीफायर, विद्युत ध्वनि एम्पलीफायर सेट	85. 26	रेडार साधन, रेडियो नौपरिवहन सहायक साधन और रेडियो सुदूर नियंत्रण साधन
		85. 27	रेडियो टेलीफोन तंत्र, रेडियो टेली-ग्राफी तंत्र या रेडियो प्रसारण के लिए अभिग्रहण साधन चाहे वे एक ही ढांचे में ध्वनि अभिलेखन या पुनरुत्पादन साधन या दीवार घड़ी के साथ संयुक्त हो या नहीं
85. 19	टर्नटेबल (रिकार्ड डेक) रिकार्ड प्लेयर, कैसट प्लेयर और अन्य ध्वनि पुनरुत्पादन साधन, जिसके अन्तर्गत ध्वनि अभिलेखन युक्ति समाविष्ट नहीं है	85. 28	दूरदर्शन ग्राही (जिसके अन्तर्गत दूरदर्शन मानीटर और वीडियो प्रक्षेपित्र भी हैं), चाहे वे एक ही ढांचे में, रेडियो प्रसारण ग्राहियों या ध्वनि अथवा वीडियो अभिलेखन या पुनरुत्पादन साधन के साथ संयुक्त हों या नहीं
85. 20	चुम्बकीय टेप रिकार्डर और अन्य ध्वनि अभिलेखन साधन चाहे उनमें ध्वनि पुनरुत्पादन युक्ति समाविष्ट हो या नहीं	85. 29	पुर्जे जो एकमात्र या प्रधानतया शीर्ष सं० 85. 25 से 85. 28 तक के अन्तर्गत आने वाले साधनों के साथ प्रयुक्त किये जाने के लिए उपयुक्त हैं
85. 21	वीडियो अभिलेखन या पुनरुत्पादन साधन	85. 30	रेल, ट्राम, सड़क, अन्तर्वेशीय जलमार्ग, पार्किंग सुविधाओं, पत्तन संस्थापनों या विमान क्षेत्रों, (शीर्ष सं० 86. 08 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न) के लिए विद्युत संकेतन सुरक्षा या यातायात नियंत्रण उपकरण
85. 22	शीर्ष सं० 85. 19 से 85. 21 के अन्तर्गत आने वाले साधनों के पुर्जे और उपसाधन		
85. 23	ध्वनि अभिलेखन के लिए तैयार अभिलिखित माध्यम और अध्याय		

1	2	1	2
85. 31	विद्युत ध्वनि या दृश्य संकेतन साधित्र (उदाहरणार्थ, घंटियां, साइरन, सूचक पैनल, चोर घंटी या अग्नि चेतावनी) उनमें भिन्न जो शीर्ष सं० 85. 12 या 85. 30 के अन्तर्गत आते हैं	85. 39	विद्युत फिलामेंट लैम्प या विद्युत विसर्जन लैम्प जिनके अन्तर्गत सील की हुई बीम लैम्प, यूनिट और पराबैंगनी या अवरक्त लैम्प हैं, आर्क लैम्प
85. 32	विद्युत संधारित्र स्थिर विचलनीय या समायोजनीय (पूर्व सैट)	85. 40	तापानयनिक, शीत कैथोड या फोटो कैथोड वाल्व और द्यूब (उदाहरणार्थ निर्वर्तित या वाष्प या गैस भरी हुई वाल्व और द्यूब पारद आर्क परिशोधन वाल्व और द्यूब कैथोड-किरण द्यूब, टेली-विजन के कैमरे की द्यूब)
85. 33	विद्युत प्रतिरोधक (जिनके अन्तर्गत धारा नियंत्रक और विमयमापी हैं) जो ताप प्रतिरोधकों से भिन्न हैं	85. 41	डायोड ट्रांजिस्टर और वैसे ही अर्ध-चालक युक्ति, सुग्राही अर्ध-चालक युक्ति, जिनके अन्तर्गत फोटोवोल्टीय सेल हैं, चाहे वे मोड्युलों में समुच्चयित हों या नहीं और चाहे पैनलों में तैयार हों या नहीं, प्रकाश उत्सर्जक डायोड; आरक्त दाब विद्युत क्रिस्टल
85. 34	मुद्रित परिपथ	85. 42	इलेक्ट्रानिक समाकलित परिपथ और सूक्ष्म समुच्चय
85. 35	1000 वोल्ट से अधिक बोल्टता के लिए विद्युत परिपथों को स्विच करने या उनकी संरक्षा के लिए या विद्युत परिपथों तक या उनमें कनेक्शन करने के लिए विद्युत उपकरण (उदाहरणार्थ स्विच, फ्यूज, तड़ित निवर्तक, बोल्टता सीमक, महोर्मि निरोधक, प्लग जंक्शन बाक्स)	85. 43	ऐसी विद्युत मशीनें और यंत्र जिनका अलग-अलग काम है और जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
85. 36	1,000 वोल्ट से अधिक बोल्टता के लिए विद्युत परिपथों को स्विच करने या उनकी संरक्षा के लिए विद्युत परिपथों तक या उनमें कनेक्शन करने के लिए विद्युत उपकरण (उदाहरणार्थ स्विच, रिले, फ्यूज महोर्मि निरोधक प्लग, साकेट लैम्पहोल्डर, जंक्शन बाक्स)	85. 44	विद्युतरोधी (जिनके अन्तर्गत इन्सुलित या एन्कोडिफाई भी हैं) विद्युत तार, केबल (जिनके अन्तर्गत समाक्ष केबल हैं) और अन्य विद्युतरोधी विद्युत चालक चाहे उनमें अनुयोजक फिट हों या नहीं; प्रकाशीय फाइबर केबल जो अलग-अलग आच्छादित फाइबरों से बनाए गए हों चाहे वे विद्युत चालक के साथ समुच्चयित हों या नहीं और चाहे उनमें अनुयोजक फिट हों या नहीं
85. 37	विद्युत नियंत्रण या विद्युत वितरण के लिए बोर्ड, पैनल, (जिनके अन्तर्गत संख्यात्मक नियंत्रण, पैनल हैं) कंसोल, डेस्क, केबिनेट और अन्य आधार जिनमें शीर्ष सं० 85. 35 या 85. 36 के अन्तर्गत आने वाले एक या अधिक उपकरण लगे हों, जिनमें अध्याय 90 के अन्तर्गत आने वाले साधित्र या उपकरण समाविष्ट करने वाले यंत्र भी हैं और जो शीर्ष संख्या 85. 17 के अन्तर्गत आने वाले स्विचन उपकरण से भिन्न हैं	85. 45	इस प्रकार के कार्बन इलेक्ट्रोड, कार्बन धूष, लैम्प कार्बन, बैटरी, कार्बन और ग्रेफाइट की अन्य वस्तुएं या अन्य कार्बन जिनका उपयोग विद्युत प्रयोजनों के लिए किया जाता है, चाहे वे धातु सहित हों या उसके बिना
85. 38	ऐसे पुर्जों जो शीर्ष सं० 85. 35, 85. 36 या 85. 37 के अन्तर्गत आने वाले उपकरणों से पूर्णतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उपयुक्त हैं	85. 46	किसी सामग्री के विद्युतरोधी

1	2	1	2
85. 47	शीर्ष सं० 85. 46 के विद्युत्तरोधी से भिन्न विद्युत्त मशीनों, साधनों या उपस्कर के लिए विद्युत्तरोधी फिटिंगों, जो ऐसी फिटिंगें हैं जो पूर्णतः विद्युत्तरोधी सामग्री की हों किन्तु जो केवल समंजन के प्रयोजन के लिए संचन के दौरान जोड़े गए धातु के किन्हीं लघु घटकों के (उदाहरणार्थ चूड़ीदार साकेट) अतिरिक्त हों विद्युत्त रोधी सामग्री से अस्तरित आधार धातु के विद्युत्त तार टयूबिंग और उसके जोड़	86. 07	रेल या ट्राम लोकोमोटिव या जलस्टाक के पुर्जें
85. 48	मशीनरी या उपकरणों के पुर्जें जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।	86. 08	रेल और ट्राम पथ फिक्सचर और फिटिंग रेल, ट्राम सड़कों, अन्तर्देशीय जलमार्गों पाकिंग सुविधाओं, पत्तन संस्थापनों या विमान क्षेत्रों के यांत्रिक (जिसके अन्तर्गत विद्युत्त यांत्रिक भी है) संकेत देने वाले सुरक्षा या यातायात नियंत्रण उपस्कर पूर्वगामियों के पुर्जें
अनुभाग-17		86. 09	आधान (जिनके अन्तर्गत तरल पदार्थों के परिवहन के लिए आधान भी हैं) जो परिवहन के एक या अधिक साधनों द्वारा ले जाए जाने के लिए विशेष रूप से अभिकल्पित और उपस्कृत हों।
यान वायुयान, जलपयान और सहभुक्त परिवहन उपस्कर		अध्याय 87	
अध्याय 86		रेल या ट्राम लोकोमोटिव, जल स्टोक और उनके पुर्जें, रेल या ट्राम पथ फिक्सचर और फिटिंगें और उनके पुर्जें, सभी प्रकार के यांत्रिक यातायात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत्त यांत्रिक भी हैं)	
86. 01	रेल लोकोमोटिव जो विद्युत्त के बाह्य स्रोत से या विद्युत्त संचायकों द्वारा शक्ति-मय हों।	87. 01	ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87. 09 के अन्तर्गत आते हैं)
86. 02	अन्य रेल लोकोमोटिव, लोकोमोटिव टेंडर	87. 02	लोक परिवहन प्रकार के यात्री मोटर यान
86. 03	शीर्ष सं० 86. 04 की वस्तुओं से भिन्न स्वतः नोदित रेल या ट्राम कोच, बैन और ट्रक	87. 03	मोटर कारें और मोटर यान जो मुख्य रूप से व्यक्तियों के परिवहन के लिए अभिकल्पित हैं (उन में छोड़कर जो शीर्ष सं० 87. 02 के अन्तर्गत आते हैं, जिनके अन्तर्गत स्टेशन बैगनें और दौड़ वाली कारें भी हैं)
86. 04	रेल या ट्राम अनुरक्षण या सेवा यान, चाहे स्वतः नोदित हों या नहीं (उदाहरणार्थ कर्मणालाण, फ्रेन्, ब्रेलास्ट टैपर, ट्रेकलाइनर, परीक्षण कोच और पथ निरीक्षण यान)	87. 04	माल के परिवहन के लिए मोटर यान
86. 05	रेल या ट्राम यात्री, कोच या स्वतः नोदित न हों, सामान बैन, डाक घर कोच और अन्य विशेष प्रयोजन रेल या ट्राम कोच जो स्वतः नोदित न हों (शीर्ष सं० 86. 04 की वस्तुओं में छोड़कर)	87. 05	विशेष प्रयोजन के लिए मोटर यान, उनसे भिन्न जो कि मुख्य रूप से व्यक्तियों या माल के परिवहन के लिए परिकल्पित हैं (उदाहरणार्थ ब्रेकडाउन लारियां, फ्रैन लारियां, अग्नि शमन लारियां, कंक्रीट मिक्सर लारियां, सड़क साफ करने वाली लारियां, तेल छिड़कने वाली लारियां जल कर्म-शास्त्र, जल विकीरण एकक)
86. 06	रेल या ट्राम माल बैन और बैगनें, जो स्वतः नोदित नहीं		

1	2
87.06	ऐसे बेसिन जिनमें इंजन लगे हों, शीर्ष सं० 87.01 से 87.05 के मोटर यानों के लिए
87.07	बाड़ी (जिनके अन्तर्गत कैब है), शीर्ष सं० 87.01 से 87.05 के मोटर यानों के लिए
87.08	शीर्ष सं० 87.01 से 87.05 के मोटर यानों के पुर्जे और उपसाधन
87.09	इस प्रकार के संकर्म ट्रक, स्वतःनोदित, जिनमें उत्पादन या हथालन उपस्कर न लग हों, जिनका उपयोग कारखानों, भाण्डागारों, डॉक क्षेत्रों या विमान पत्तनों में माल के कम दूरी के परिवहन के लिए किया जाता है; इस प्रकार के ट्रैक्टर जिनका उपयोग रेल स्टेशन के प्लेटफार्मों पर किया जाता है; पूर्वगामी यानों के पुर्जे
87.10	टैंक और अन्य बख्तरबंद लड़ाकू यान, जिनमें मोटर लगी हो, चाहे उनमें आयुद्ध फिट किए गए हों या नहीं और ऐसे यानों के पुर्जे
87.11	मोटर साइकिलें (जिनके अन्तर्गत मोपेड भी हैं) और ऐसी साइकिलें जिनमें सहायक मोटर फिट की गई हों, चाहे वे साइडकार सहित हों या उनके बिना; साइड कारें
87.12	बाइसाइकिलें और अन्य साइकिलें (जिनके अन्तर्गत डिलीवरी ट्राइ-साइकिलें हैं) जिनमें मोटर न लगी हो
87.13	अशक्त व्यक्तियों के लिए गाड़ियां, चाहे उनमें मोटर लगी हो या नहीं अथवा जो अन्यथा यन्त्रनोदित हों या नहीं
87.14	शीर्ष सं० 87.11 से 87.13 तक के अन्तर्गत आने वाले यानों के पुर्जे और उपसाधन
87.15	शिगु गाड़ियां और उनके पुर्जे
87.16	ट्रेलर और अर्द्ध-ट्रेलर; अन्य यान जो यन्त्रनोदित नहीं हैं; उनके पुर्जे

1	2
	अध्याय 88
	वायुयान, अंतरिक्षयान और उनके पुर्जे
88.01	गुब्बारे और डिस्क्रिबल, ग्लाइडर, हेंग ग्लाइडर और अन्य शक्तिचालन रहित वायुयान
88.02	अन्य वायुयान (उदाहारणार्थ, हैली-काप्टर विमान); अंतरिक्षयान (जिनके अन्तर्गत उपग्रह हैं) और अंतरिक्षयान प्रमोचन यान
88.03	शीर्ष सं० 88.01 या 88.02 के अन्तर्गत आने वाले माल के पुर्जे
88.04	पैराशूट (जिनके अन्तर्गत डिस्क्रिबल पैराशूट हैं और रोडोशूट, उनके पुर्जे और उनके उपसाधन
88.05	वायुयान प्रमोचन गियर, डेक प्रगाही या बैसे ही गियर, भूतल उड़ान प्रशिक्षक; पूर्वगामी वस्तुओं के पुर्जे
	अध्याय 89
	पोत, नावें, और प्लावी संरचनाएं
89.01	समुद्री पर्यटन पोत अभियान नौका, फौरी नौका, स्पोरापोत, बजरा और बैसे ही जलयान जो व्यक्तियों या माल के परिवहन के लिए हैं
89.02	मत्स्यन जलयान मत्स्य उत्पादों के प्रसंस्करण और परिरक्षण के लिए कारखाना पोत और अन्य जलयान
89.03	क्रीड़ा नौका या अन्य जलयान जो मनोरंजन या खेलकूद के लिए हैं; खेई जाने वाली नौका और डोंगी
89.04	कणनावें और ढकेजने वाले यान
89.05	प्रकाश-जलयान, कायर फ्लोट, ट्रेजर, प्लावी क्रेन और अन्य जलयान जिनकी नौगम्यता उनके मुख्य कार्य की सम्बन्धी है; प्लावी डाक, प्लावी या निमज्जनीय प्रबंधन या उत्पादन प्लेटफार्मे
89.06	अन्य जलयान जिनके अन्तर्गत युद्धपोत और रक्षा नौकाएं हैं जो खेई जाने वाली नौकाओं से भिन्न हैं

1	2	1	2
89.07	अन्य प्लवी संरचनाएं (उदाहरणार्थ रैफ्ट, टैंक, काफर बांध अवतरण स्टेज, बोया और बीकन)		किन्तु इसके अंतर्गत रेडियो, खगोलिकी के यंत्र नहीं हैं
89.08	ब्रेक अप के लिए जलयान और अन्य प्लवी संरचनाएं।	90.06	फोटोचित्रण कैमरे (जो चलचित्र कैमरे से भिन्न हों) फोटोचित्रण प्लैशलाइट उपकरण और शीर्ष सं० 85.39 के विवरण लेम्पों से भिन्न प्लैश बल्ब
अनुभाग 18		90.07	चलचित्र कैमरे और प्रक्षेपित्र चाहे उनमें ध्वनि अभिलेखित या पुनरुत्पादी उपकरण हों या नहीं
प्रकाशीय, फोटोग्राफिक, चलचित्रवीथी मापने, जांचने, प्रमितता चिकित्सीय या शल्यचिकित्सीय यंत्र और उपकरण; बीमार घड़ियां और कलाई की घड़ियां, बाछयंत्र, उनके पुर्जे और उपसाधन।		90.08	चलचित्र प्रक्षेपित्र से भिन्न प्रतिबिम्ब प्रक्षेपित्र; (चलचित्र से भिन्न) फोटोचित्र एनलार्जर और अपचालक।
अध्याय 90		90.09	फोटो की प्रतियां निकालने वाला उपकरण जिसमें प्रकाशीय पद्धति हो या वह हास्टैकट टाइप का हो और ताप द्वारा प्रतियां निकालने वाला उपकरण।
प्रकाशीय, फोटोग्राफिक, चलचित्रवीथी, मापने, जांचने, प्रमितता चिकित्सीय या शल्य चिकित्सीय यंत्र और उपकरण; उसके पुर्जे और उपसाधन		90.10	फोटोचित्र (जिसके अंतर्गत चलचित्र भी हैं) प्रयोगशालाओं के लिए उपकरण और उपस्कर (जिनके अंतर्गत सुग्राही कृत-भर्द चालक सामग्री पर परिपथ पैटर्न के प्रक्षेपण के लिए उपकरण भी हैं) जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; नेगटोस्कोप; प्रक्षेपण स्क्रीन
90.01	प्रकाशीय फाइबर और प्रकाशीय फाइबर बंडल; प्रकाशीय फाइबर केबलें उनसे भिन्न जो शीर्ष सं० 85.44 के अंतर्गत आते हैं; द्रवण सामग्री की शीटें और प्लेटें, कांच के ऐसे अवयवों से भिन्न जो प्रकाशीय रूप से तैयार नहीं हैं किसी भी सामग्री के लेन्स (जिनके अंतर्गत कांटेक्ट लेन्स भी हैं) प्रिज्म दर्पण और अन्य प्रकाशीय अवयव जो मड़े हुए न हों।	90.11	संयोजित प्रकाशीय सूक्ष्मदर्शी जिसके अंतर्गत वे भी हैं जो सूक्ष्म-फोटोचित्रण सूक्ष्म-चलचित्रण या सूक्ष्म-प्रक्षेपण के लिए हैं
90.02	कांच के ऐसे अवयवों से भिन्न जो प्रकाशीय रूप में तैयार नहीं हैं, किसी भी सामग्री के लेन्स, प्रिज्म, दर्पण और अन्य प्रकाशीय अवयव जो मड़े हुए हैं और जो यंत्रों या उपकरणों के पुर्जे या उनकी फिटिंग हैं	90.12	प्रकाशीय सूक्ष्मदर्शी से भिन्न सूक्ष्मदर्शी; विवर्तन उपकरण
90.03	चश्मों, धूप के चश्मों या उसी प्रकार की वस्तुओं के लिए फ्रेम और मढ़ाई और उनके पुर्जे।	90.13	ऐसी द्रव क्रिस्टल युक्तियां, जिनमें ऐसी वस्तुएं नहीं हैं जिन्हें अन्य शीर्षों से अधिक विनिर्दिष्ट रूप से उपबंधित किया गया है; लेसर डायोड से भिन्न लेसर; ऐसे अन्य प्रकाशीय साधित्र और यंत्र जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
90.04	दोषनिवारक, संरक्षात्मक या अन्य चश्मे, धूप के चश्मे और बैसी ही वस्तुएं	90.14	दिशा सूचक कम्पास; अन्य नौ-परिवहन यंत्र और साधित्र
90.05	ट्विन्नेली, एक्नेली, अन्य प्रकाशीय दूरबीन और उनके लिए मढ़ाई की वस्तुएं, अन्य खगोलीय यंत्र और उनके लिए मढ़ाई की वस्तुएं;		

1	2
90.15	सर्वेक्षण (जिसके अन्तर्गत फोटो ग्रामिती सर्वेक्षण भी है) जलराशिकीय, समुद्रविज्ञान, जलविज्ञान, मौसम विज्ञान या भू-भौतिकी यंत्र और साधन जिनके अन्तर्गत कम्पास नहीं है, परासमापी
90.16	5 सेंटीग्राम या उससे अधिक सुग्राहित की तुलाएं; चाहे वे बाटों के सहित हों या उनसे रहित।
90.17	रेखण, चिन्हांकन और गणितपरिकलन यंत्र (उदाहरणार्थ ड्राफ्टिंग मशीनें, पेन्टोग्राफ, प्रोट्रैक्टर, रेखण सेट, स्लाइड रूल, डिस्क परिकलित); लम्बाई मापने के लिए यंत्र, हाथ में उपयोग के लिए (उदाहरणार्थ, माप, दंड और टेप, सूक्ष्म मापी केलिपर जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं)
90.18	चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, दन्त चिकित्सा या पशु-चिकित्सा विज्ञानों में प्रयुक्त यंत्र और साधन जिनके अन्तर्गत साइन्टिफिक उपकरण, अन्य विद्युत चिकित्सा उपकरण, और दृष्टि परीक्षण यंत्र भी हैं।
90.19	यांत्रिक चिकित्सा साधन; मालिश के उपकरण; मनोवैज्ञानिक, अभिरुचि परीक्षण उपकरण, प्रोजेन चिकित्सा आक्सीजन चिकित्सा; एरोसोल चिकित्सा, कृत्रिम श्वास या अन्य चिकित्सीय श्वासन उपकरण।
90.20	अन्य श्वास लेने के साधन और गैस मास्क, जिसके अन्तर्गत ऐसे संरक्षणात्मक मास्क, जिनमें न तो यांत्रिक पुर्जे हैं और न ही बदलने योग्य फिल्टर हैं।
90.21	विकलांग साधन जिनके अन्तर्गत वैज्ञाकी भी हैं, शल्य बैस्ट और हानिया पैदा, स्पलिट और अन्य अस्थिभंग साधन, शरीर के कृत्रिम भाग; श्रवण सहाय और अन्य ऐसे साधन जो शरीर में किसी छूट या निःशक्तता की पूर्ति के लिए पहने या लगाए या रोपित किए जाते हैं।

1	2
90.22	ऐसे उपकरण जो ऐक्स-किरण के या एल्फा बीटा या गामा के विकिरणों के उपयोग पर आधारित हों, चाहे वे चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा या पशु चिकित्सा संबंधी उपयोगों के लिए हों या नहीं, जिसके अन्तर्गत रेडियोग्राफी या रेडियोथिरेपी साधन, ऐक्स-किरण द्यूब और अन्य ऐक्स-किरण जनित, उच्च विभव जनित, नियंत्रण पैनल और बैस्क, स्क्रीन, परीक्षा या उपचार मेजें, कुर्सियां और बैसी ही अन्य वस्तुएं भी हैं।
90.23	ऐस यंत्र, उपकरण और माडल जो प्रदर्शन के प्रयोजनों (उदाहरणार्थ, शिक्षा और प्रदर्शन के लिए अभिकल्पित हैं जो अन्य उपयोगों के लिए अनुपयुक्त हों।
90.24	सामग्रियों (उदाहरणार्थ, धातु काष्ठ, टेक्सटाइल, कागज, प्लास्टिक) की कठोरता, दृढ़ता, संपीडन, प्रत्यास्थता या अन्य यांत्रिक गुणों का परीक्षण करने के लिए मशीनें और साधन।
90.25	उत्पलबधनस्वमापी और वैसे ही प्लबोमान यंत्र, तापमापी, उत्तापमापी, वायुदाबमापी, आर्द्रतामापी, वायुवाष्पमापी, चाहे वे अभिलेखनरत हों या नहीं, इन उपकरणों का कोई समुच्चय।
90.26	द्रवों या गैसों के प्रवाह, तल, दाब या अन्य परिवर्तितार्थ, मापने या जांचने के लिए उपकरण और साधन (उदाहरणार्थ, प्रवाहमापी, समतल गेज, दाबांतरमापी उष्मा-मापी) किन्तु शीर्ष सं० 90.14, 90.15, 90.28 या 90.32 के अन्तर्गत आने वाले यंत्र और उपकरण इनके अन्तर्गत नहीं हैं।
90.27	भौतिक या रासायनिक विश्लेषण के लिए यंत्र और उपकरण (जैसे ध्रुवणमापी, अपवर्तनांक-मापी, स्वीकृतममापी गैस या धूम्र विश्लेषण उपकरण) श्यानता, संरक्षता प्रसार, पठ तनाव बैसीया ही अन्य भी

1	2	1	2
	को मापने या जाँचने के लिए यंत्र और उपकरण, ताप, ध्वनि या प्रकाश की मात्राओं को मापने या जाँचने के लिए यंत्र और उपकरण (जिनके अन्तर्गत उद्भासनमापी भी है) अणु-तक ।	91.02	कलाई घड़ी, जेब घड़ी और अन्य घड़ियाँ जिनके अन्तर्गत विराम घड़ियाँ भी आती हैं और जो उनसे भिन्न हैं जो शीर्ष सं० 91.01 के अन्तर्गत आती हैं ।
90.28	गैस द्रव या विद्युत प्रवाह अथवा उत्पादन मापी, जिसके अन्तर्गत उनके लिए अंशोक्तनमापी भी है ।	91.03	संचलन पुर्जों सहित दीवार घड़ियाँ उन दीवार घड़ियों को छोड़कर जो शीर्ष सं० 91.04 के अन्तर्गत आती हैं ।
90.29	परिक्रमण गणित, उत्पादन गणित, टेक्नोमीटर, मीलमापी पदगणित और बसी ही वस्तुएं गति उपवर्गक और ध्रुववेग मापी, जो शीर्ष सं० 90.15 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं से भिन्न अंतरिक्ष ।	91.04	यंत्र पेनल दीवार घड़ियाँ और यानों, वायुयानों अन्तरिक्ष यानों या जलयानों के लिए उसी प्रकार की दीवार घड़ियाँ ।
90.30	विद्युत की मात्राओं को मापने या जाँचने के लिए दोलनदर्शी, स्पेक्ट्रम विश्लेषक और अन्य यंत्र तथा उपकरण किन्तु शीर्ष सं० 90.28 के अन्तर्गत आने वाले मीटरों को छोड़कर अल्फा, बीटा, गामा, एक्स-किरण, अंतरिक्षी या अन्य आयनकारी विकिरणों को मापने या अभिशात करने के लिए यंत्र या उपकरण ।	91.05	अन्य दीवार घड़ियाँ ।
90.31	ऐसे मापन या जाँच यंत्र, उपकरण और मशीनें जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; प्रोफाइल प्रक्षेपित ।	91.06	दिन का समय अभिलेखित करने का उपकरण और समय के अन्तरालों को मापने, अभिलेखित करने या अन्यथा उपस्थित करने के लिए उपकरण दीवार घड़ियों या घड़ियों के संचलन पुर्जों या तुल्यकालिक मोटर के साथ (उदाहरणार्थ ममय रजिस्टर, समय अभिलेखित ।
90.32	स्वचालित नियामक या नियंत्रण यंत्र और उपकरण ।	91.07	दीवार घड़ियों या घड़ियों के संचलन पुर्जों वाले या तुल्यकालिक मोटर वाले टाइम स्विच ।
90.33	ऐसे पुर्जों और उपसाधन (जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं), जो अध्याय 90 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों, उपकरणों, यंत्रों या साधन के लिए हैं ।	91.08	घड़ियों के संचलन पुर्जों, पूर्ण और समंजित ।
	अध्याय-91	91.09	दीवार घड़ियों के संचलन पुर्जों पूर्ण और समंजित ।
	दीवार घड़ियाँ और घड़ियाँ तथा उनके पुर्जों	91.10	पूर्ण घड़ी या दीवार घड़ी के संचलन पुर्जों, असमंजित या भागतः समंजित (संचलन पुर्जों के सेट); अपूर्ण घड़ी या दीवार घड़ी के संचलन पुर्जों, समंजित घड़ी या दीवार घड़ी के स्थूल संचलन पुर्जों ।
91.01	कलाई घड़ी, जेब घड़ी, और अन्य घड़ियाँ जिनके अन्तर्गत विराम घड़ियाँ भी हैं और जिन में बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से सज्जित धातु का केस लगा हो ।	91.11	घड़ियों के केस और उनके पुर्जों ।
		91.12	दीवार घड़ियों के केस और इस अध्याय के अन्य भाग के लिए उसी प्रकार के केस, तथा उनके पुर्जों ।
		91.13	घड़ों का स्टैप, घड़ी पट्टे, और घड़ी ब्रेसलेट तथा उनके पुर्जों ।
		91.14	अन्य दीवार घड़ियाँ या घड़ियों के पुर्जों

(1)	(2)	(1)	(2)
	अध्याय-92		
	वाद्य यंत्र		
	ऐसी वस्तुओं के पुर्जे और उपसाधन		
92.01	पियानो, जिनके अंतर्गत स्वचालित पियानो हैं, वीणा और अन्य कुंजी फलक तार वाले यंत्र।	93.02	शीर्ष सं० 93.03 या 93.04 के अन्तर्गत आने वाले आयुधों से भिन्न रिवाल्वर और पिस्तौल।
92.02	अन्य तार वाले वाद्य यंत्र (उदाहरणार्थ गिटार, बायलिन वीणा)।	93.03	अन्य अग्नायुध और बैरी ही युक्तियाँ जिनका प्रचालन किसी विस्फोटक चार्ज को दागने से होता है (उदाहरणार्थ खेलकूद संबंधी शाट गन और राइफलें, नालमुखभरण अग्नायुध, बैरी पिस्तौल और बैरी ही अन्य युक्तियाँ जो केवल संकेत प्रदीपक के प्रक्षेपण के लिए अभिकल्पित हों, ब्लेकगोलाबारूद को दागने के लिए पिस्तौल और रिवाल्वर, केप्टीव नॉल्ट ह्यूमनकिलर, लाइन थ्रोइंग गन)।
92.03	कुंजीफलक पाइप आर्गन, हारमोनियम और खुली धातु की रीड सहित वैसे ही कुंजीफलक यंत्र।	93.04	शीर्ष सं० 93.07 के अन्तर्गत आने वाले आयुधों को छोड़कर अन्य आयुध (उदाहरणार्थ स्पिंग, वायु या गैस गन और पिस्तौल, ट्रन्चेन)
92.04	अक्राडियन और वैसे ही यंत्र, माउथ आर्गन।	93.05	शीर्ष सं० 93.01 से 93.04 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के पुर्जे और उपसाधन।
92.05	अन्य हवा वाद्य यंत्र (उदाहरणार्थ शहनाई, तुरही, मशकबोन)।	93.06	बम, हथगोले, (ग्रेनेड) तारपीडो, सुरंगें (माइन्स) प्रक्षेपणास्त्र (मिसाइलें) और वैसे ही युद्ध सामग्री तथा उसके पुर्जे, कारतूस और अन्य गोलाबारूद तथा प्रोजेक्टाइल्स और उसके पुर्जे जिसके अन्तर्गत शाट तथा कारतूस बाइ है।
92.06	ताल वाद्य यंत्र, (उदाहरणार्थ ढोल, काष्ठतरंग, मंजीरा, करताल, मराकस)	93.07	तलवार, खड्ग, संगीन, बल्लम और वैसे ही आयुध तथा उसके पुर्जे और उनके लिए म्यानें और उनके आवरण।
92.07	वाद्य यंत्र (उदाहरणार्थ औरगेन, गिटार अक्रोडिऑन) जिनकी ध्वनि उत्पादित की जाती है, या विद्युत से विस्तारित की जानी चाहिए।		
92.08	संगीत पेटी, फेयर ब्राउन्ड, आर्गन, यांत्रिक स्ट्रीट आर्गन, यांत्रिक गायनबर्ड, म्यूजिकल सा और अन्य वाद्य यंत्र, जो इस अध्याय के किसी अन्य शीर्ष के अन्तर्गत नहीं आते हैं, सभी प्रकार के डिक्काय काल, सीटी, काल हार्न और मुख से बजाए जाने वाले अन्य ध्वनि संकेत यंत्र।		
92.09	वाद्य यंत्रों के पुर्जे (उदाहरणार्थ, संगीत पेटी के लिए यंत्राकार) और उपसाधन (उदाहरणार्थ यांत्रिक यंत्रों के लिए कार्ड, डिस्क और शैल) सभी प्रकार के ताल मापी, स्वरित्र फोर्क और पिच पाइप्स।		

अनुभाग 19**आयुध और गोलाबारूद, उनके पुर्जे और उपसाधन****अध्याय 93****आयुध और गोलाबारूद और उनके पुर्जे और उपसाधन**

- 93.01 रिवाल्वरों, पिस्तौलों और शीर्ष सं० 93.07 के अन्तर्गत आने वाले आयुधों से भिन्न सैन्य आयुध।

अनुभाग-20**प्रकीर्ण विनिर्मित वस्तुएं****अध्याय-94**

कनीश्वर, बिछीने, गद्दे, गद्दों के आधार गहियों और बैसे ही भरे हुए साज-सामान, लैम्प और प्रकाश वाली फिटिंग जो कहीं और विनिर्मित या सम्मिलित नहीं हैं; प्रदीप्त, चिह्न, प्रदीप्त ताप-पट और वैसे ही वस्तुएं, पूर्व रचित भवन

- 94.01 शीटें (शीर्ष सं० 94.02 के अन्तर्गत आने वाली से भिन्न) चाद्रे

(1)	(2)
94.02	वे शैथ्या रूपांतरित हो सकती हों या नहीं, और उनके भाग। चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, दन्त-चिकित्सा या पशु चिकित्सा सम्बन्धी फर्नीचर (उदाहरणार्थ शल्य टेबल, परीक्षण टेबल, यांत्रिक फिटिंगों सहित अस्पताल शैथ्याएं, दंत चिकित्सक की कुर्सियां, हज्जाम की कुर्सियां और वैसी ही कुर्सियां जिनमें धूर्षण के साथ-साथ लिटाने और उठाने की क्रियाएँ भी हों; पूर्वगामी वस्तुओं के पुर्जे।
94.03	अन्य फर्नीचर और उनके पुर्जे।
94.04	गद्दे के आधार, बिछाने की वस्तुएं और वैसा ही साज-सामान (उदाहरणार्थ, गद्दे, रजाइयां, बड़ी समुद्री बत्तख के पंख, गद्दियां, पूफ और तकिए, जिनमें स्प्रिंग लगे हुए हों या जो किसी सामग्री से भरे हुए हों या आंतरिक रूप से सज्जित हों या कोशिकीय खड़ अथवा प्लास्टिक के हों, चाहे वे आच्छादित हों या नहीं।
94.05	लम्प और प्रकाश वाली फिटिंग, जिनमें सर्वलाइट और स्पॉट लाइट और उसके पुर्जे भी सम्मिलित हैं जो कहीं और विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं प्रदीप्त चिन्ह, प्रदीप्त नामपट्ट और वैसी ही अन्य वस्तुएं जिनमें स्थायी रूप से लगे हुए प्रकाश स्रोत हों और उनके पुर्जे जो कहीं और विनिर्दिष्ट या सम्मिलित न हों।
94.06	1. लित विनिर्मित अध्याय 95
खिलौने, खेल और खेलकूद का सामान, उनके भाग और उपसाधन	
95.01	बच्चों के चढ़ने के लिए अभिकल्पित पहिएदार खिलौने (उदाहरणार्थ तीन पहियों वाली साइकिलें, स्कूटर, पादिक कार); गुड़िया वाहन।
95.02	गुड़ियां, जो केवल मानव प्राणियों का प्रतिरूपण करती हैं।

(1)	(2)
95.03	अन्य खिलौने, छोटे आकार "स्केल" के प्रतिरूप और वैसे ही मनोरंजक प्रतिरूप चाहे चालू हालत में हो या नहीं; सभी प्रकार की पहेलियां।
95.04	खेल तमाशा (फनफेयर), टेबल या बैठक खेलों के लिए वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत पिन टेबल, बिलियर्ड, केसिनो खेलों के लिए विशेष मेज और स्वचालित बालिंग एलि उपस्कर हैं।
95.05	आनन्दमय, रंगरेलियां या अन्य मनोरंजक वस्तुएं जिनके अन्तर्गत जादू करतब और अनूठे परिहास भी हैं
95.06	जिमनास्टिक, खेलकूद, अन्य खेलकूद (जिनके अन्तर्गत टेबिल टेनिस भी है।) या बहिरंग खेलें जो इस अध्याय में अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; तरण ताल और पेंडलन ताल।
95.07	संबी, मत्स्यकांटा और अन्य लाइन। मत्स्यन संभार, मत्स्य स्थलन जाल, तितली जाल और वैसे ही जाल; (शीर्ष सं० 92.08 या 97.05 से भिन्न) "पक्षी" प्रलोभक और वैसी ही शिकार करने और असन की आवश्यक वस्तुएं।
95.08	चकरियां, झूले, आखटन दीर्घाएं और अन्य मेलास्थल आमोद-प्रमोद, चल सर्कस, चल प्राणिशालाएं और चल-नाट्यशालाएं।

अध्याय 96

प्रकीर्ण विनिर्मित वस्तुएं

96.01	कर्मित हाथी दांत, अस्थि, कछुए की खोपड़ी, सींग, मृगश्रंग, मृंगा-मुक्ता और अन्य प्राणी नक्काशी सामग्रियां और इन सामग्रियों की वस्तुएं (जिनके अन्तर्गत सचन से प्राप्त वस्तुएं आती हैं)।
96.02	कर्मित वनस्पति या खनिज नक्काशी सामग्री और इन सामग्रियों की वस्तुएं: मोम की या स्टीयरिन की, प्राकृतिक गोंद या प्राकृतिक रेजिन की या प्रतिरूपण पेस्ट की संचित या नक्काशी की

1	2	1	2
	हुई वस्तुएं और अन्य संचित या नक्काशी की हुई वस्तुएं, जो अन्यत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं; कर्मित, अद्वितीय जिलेटिन (शीर्ष सं० 35.03 के अन्तर्गत आने वाली जिलेटिन के सिवाय) और अद्वितीय जिलेटिन की वस्तुएं ।	96.11	तारीख, मुद्रांकन या संख्यांक व मोहरे (वैसी ही वस्तुएं जिनके अन्तर्गत लेबलों के मुद्रण या समुदभरण के लिए युक्तियां भी हैं) जो हस्त-चालन के लिए अभिकल्पित हैं हस्त-चालित कम्पोजन स्टिक और ऐसी कम्पोजन स्टिकों को अन्तर्विष्ट करने वाले हस्त मुद्रण सेट ।
96.03	झाड़ू और ब्रुश (जिनके अन्तर्गत ऐसे ब्रुश भी हैं जो यंत्रों, साधनों या यानों के भाग हैं) हस्तचालित यांत्रिक फर्श अफसार्जक, जिसमें मोटर नहीं लगी हो, झाड़न और पंख वाले डस्टर; ब्रुश या ब्रुश बनाने के लिए निर्मित गांठें और गुच्छे; पेंट पैड और रोलर; रबड़ झाड़ू (लिफ्टवां रबड़ झाड़ू से भिन्न) ।	96.12	टाइपराइटर और इसी प्रकार के रिबन स्याही युक्त या छाप प्रदान के लिए अन्यथा निर्मित चाहे वे स्पूलों पर हों या कारतूसों में हों या न हों; स्याही पैड चाहे उसमें स्याही लगी हो या न लगी हो, डिब्बों सहित या बिना डिब्बों के ।
96.04	हस्त छाननी और हस्त प्रचालनी ।	96.13	सिगरेट लाइटर और अन्य लाइटर, चाहे वे यांत्रिक या बिजली के हों या न हों और उनके ऐसे पुर्जों जो फिल्ट और बत्ती से भिन्न हों ।
96.05	वैयक्तिक प्रसाधन, सिलाई या जूतों या कपड़े साफ करने के लिए यात्रा सेट ।	96.14	धूम्रपान पाइप (जिसके अन्तर्गत पाइप बाड भी हैं) और सिगार या सिगरेट होल्डर और उनके पुर्जों ।
96.06	बटन, प्रैस बंधक, स्नैप बंधक और प्रैस स्टड, बटन धागे और इन वस्तुओं के अन्य धागे, बटन ब्लैक ।	96.15	कंव, केश-स्लाइडें और वैसी ही वस्तुएं; केशपिन, कलिंग पिन, कलिंग जिप्स, हेयर क्लर और वैसी ही वस्तुएं जो उनसे भिन्न हैं जो कि शीर्ष सं० 85.16 के अन्तर्गत आती हैं और उनके पुर्जों ।
96.07	स्लाइड बंधक और उसके भाग ।	96.16	इत्र-स्प्रे और वैसे ही प्रसाधन स्प्रे और उनके आधार तथा शिप; प्रसाधन सामग्रियां या प्रसाधन निर्मितियों के प्रयोग के लिए पाउडर-पफ और पैड ।
96.08	बाल फाईंड लेखनी; फास्ट-टिपदार और अन्य संरघटितदार लेखनी और मार्कर; फाउटेन पेन, स्टाइलो-लेखन और अन्य लेखनियां अनुलिपित्र स्टाइलो, नोदक और स्लाइडिंग पेंसिलें, पेन होल्डर, पेंसिल होल्डर और इसी प्रकार के होल्डर पूर्ववर्ती वस्तुओं (जिसके अन्तर्गत कैप और क्लिप हैं) जो उनसे भिन्न हैं जो कि शीर्ष सं० 96.09 के अन्तर्गत आते हैं ।	96.17	निर्वातफ्लास्क और अन्य निर्वात पात्र जो केश सहित पूरे हों; उनके भाग जो कांच की अन्तर्वस्तु से भिन्न हैं ।
96.09	पेंसिलें (जो शीर्ष सं० 96.08 के अन्तर्गत आने वाली पेंसिलों से भिन्न हैं) फ्रेयान पेंसिल लेड, पेंस्टल, ड्राइंग चारकोल, लिखने के या ड्राइंग चाक और दर्जी के चाक ।	96.18	दर्जी की डमियां और अन्य पुतले; दुकान की खिड़की की सजावट के लिए, उपयोग में लाए जाने वाले ग्राटोमेटा और अन्य सजीव प्रदर्शन ।
96.10	स्लैट और बोर्ड, जिनकी लेखन या ड्राइंग सतह हो या चौखटेदार या नहीं ।		

(1)	(2)	(1)	(2)
अनुभाग 21		विनिर्दिष्ट-घटक	
कलाकृतियाँ, संग्राही वस्तुएं और पुरावस्तुएं		<p>(1) औद्योगिक संयंत्र की,</p> <p>(2) निवाड़ी परियोजना की,</p> <p>(3) शक्ति परियोजना की,</p> <p>(4) खनन परियोजना की,</p> <p>(5) तेल या अन्य खनिज की खोज की परियोजना की,</p> <p>(6) ऐसी अन्य परियोजनाओं की, जिन्हें केन्द्रीय सरकार देश के आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए निमित्त राजपत्र में अधिसूचित करें।</p>	
अध्याय 97		<p>किसी विद्यमान यूनिट की प्रारम्भिक स्थापना या किसी विद्यमान यूनिट के विस्तार के लिए अपेक्षित हैं और पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट माल के मूल्य के 10 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त पुर्जों, अन्य कच्ची सामग्री (जिसके अन्तर्गत अध्रपरिसज्जित सामग्री है) या खपनेवाला सामान, परन्तु यह तब जब कि ऐसे अतिरिक्त पुर्जों, कच्ची सामग्री या खपने वाला सामान, पूर्वोक्त मद 1 से 6 में वर्णित संग्रह या परियोजना के अनुरक्षण के लिए आवश्यक हो</p>	
97.01	पूणतया हाथ से बनाए गए चित्र, ड्राइंग और पेस्टल जो शीर्ष सं० 49.06 के अन्तर्गत आने वाली ड्राइंगों से भिन्न है तथा हस्त चित्रित या हस्तसज्जित विनिर्मित वस्तुओं से भिन्न हैं; कालेज और वैसे ही सजावटी प्लेक।	98.02	प्रयोगशाला रसायन।
97.02	मौलिक उत्कीर्ण, प्रिण्ट और लिथोग्राफ।	98.03	यात्री द्वारा या कर्मीदल के किसी सदस्य द्वारा अपने सामान के रूप में आयात की गई सभी शुल्क्य वस्तुएं।
97.03	किसी भी सामग्री की मौलिक मूर्तियाँ और मूर्ति संग्रह।	98.04	वैयक्तिक उपभोग के लिए डाक या वायुयान द्वारा आयात की गई तथा, आयात और निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन उनके आयात के बारे में किसी भी प्रतिषेध से छूट प्राप्त सभी शुल्क्य वस्तुएं, किन्तु उनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 98.03 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं नहीं हैं।
97.04	उपयोग में लाए गए डाक महसूल स्टाम्प या राजस्व स्टाम्प, स्टाम्प-मोहर छाप (फर्स्ट डे कवर, डाक सामग्री स्टाम्पित कागज) और वैसे ही वस्तुएं यदि उपयोग में न लाई गई हों तो ऐसे देश में जिसके लिए उद्दिष्ट हैं चालू या नए जारी किए हुए न हों।	98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)
97.05	संग्रह और संग्राही वस्तुएं जो प्राणी विज्ञान, वनस्पति विज्ञान खनिज विज्ञान शरीर रचना विज्ञान, इतिहास, पुरातत्व विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान, मानव जाति या सिक्कों संबंधी रुचि वाली हों।	98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)
97.06	एक सौ वर्ष से अधिक की पुरावस्तुएं।	98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)
अध्याय 98		98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)
परियोजना आयात, प्रयोगशाला, रसायन, यात्री सामान, वायुयान या डाक द्वारा वैयक्तिक आयात; पोत सामग्री		98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)
98.01	मशीनरी की निम्नलिखित सभी मद अर्थात्, जिनके अन्तर्गत प्राइम मूवर है, यंत्र, उपकरण और साधन, नियंत्रण गियर और संचरण उपकरण, पूर्वोक्त मदों के विनिर्माण के लिए सहायक उपकरण (जिनके अन्तर्गत वे भी आते हैं जो अनुसंधान और विकास प्रयोजनों, परीक्षण और क्वालिटी नियंत्रण के लिए अपेक्षित हैं), और साथ ही सभी घटक (चाहे परिसज्जित हो या नहीं) या कच्ची सामग्री उनके तथा	98.05	किसी जलयान या वायुयान के फलक पर के सामान की निम्नलिखित वस्तुएं जिन पर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52)

(1)	(2)	(1)	(2)
	के अधीन शुल्क उद्ग्रहणीय है, अर्थात्—		(22) ब्लेओमाइसिन इंजेक्शन में इंजियम (111) ।
	अध्याय 99		(23) एल-एस्पेरजिनेस (कोलै- स्पेस) इंजेक्शन ।
	प्रकीर्ण माल		(24) ल्यूकोबोरिन कैल्शियम इंजेक्शन ।
99.01	निम्नलिखित कैसर रोधी औषधियाँ अर्थात् :—		(25) मेलफालान टिकिया और इंजेक्शन ।
	(1) ऐक्टिनो माइसिन डी इंजेक्शन ।		(26) मर्कापायोपुरीन टिकिया ।
	(2) एमी नो ग्लूटोथिमिडो ।		(27) मेथोट्रेक्सेट टिकिया और इंजेक्शन ।
	(3) ऐम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शनस ।		(28) मिथामाइसिन इंजेक्शन ।
	(4) ऐजाथायोप्रीन टिकिया और इंजेक्शनस ।		(29) मिटोमाइसिन सी इंजेक्शन और कप्सूल ।
	(5) ब्लेयोमाइसिन इंजेक्शन ।		(30) मिटोटैन टिकिया ।
	(6) ब्यूसल्फन टिकिया ।		(31) मस्टाइन हाइड्रोक्लोराइड इंजेक्शन ।
	(7) कार्म्यूस्टीन (बी० सी० एन यू) इंजेक्शन ।		(32) फास्फोरस (32 पी) इंड्राली- म्फेटिक इंजेक्शन ।
	(8) क्लोरेम्बुसिल टिकिया ।		(33) प्रोकाबजोन हाइड्रोक्लोराइड कप्सूल ।
	(9) सी ग्राई एम-प्लैटिनम इंजेक्शन		(34) 32-पी सोडियम फास्फेट इंजेक्शन ।
	(10) साइक्लोसाईटिडीन इंजेक्शन ।		(35) रेसेमिक फनिलएलेनाइन नाइट्रोजन भस्टर्ड, हाइड्रो- क्लोराइड टिकिया और इंजेक्शन ।
	(11) साइक्लोफास्फे साइडटिकिया और इंजेक्शन के लिए साइक्लोफास्फेमाइड ।		(36) रेडियो ग्राइसोटोप टी० आई० 201
	(12) साइटरेबाइन इंजेक्शन ।		(37) इंजेक्शन के रूप में सोडियम आर्सेनेट 74 ।
	(13) डाकार्बेजाइन इंजेक्शन ।		(38) स्ट्रोडियम क्लोराइड (85 एस० आर०) इंजेक्शन ।
	(14) डोनोरेविसिन इंजेक्शन ।		(39) टैमोक्सिफेन साइट्रेट टिकिया ।
	(15) डोक्सोरेबिसिन हाइड्रो- क्लोराइड इंजेक्शन ।		(40) टस्टोलैक्टोन इंजेक्शन ।
	(16) एटापोसाइड कप्सूल/ इंजेक्शन ।		(41) थायॉटेपा इंजेक्शन ।
	(17) फ्लोक्सुरिडीन (एफ० यू० डी० आर०) इंजेक्शन ।		(42) थायोग्युएनाइन टिकिया ।
	(18) 5-फ्लूरोरेसिल कप्सूल और इंजेक्शन ।		(43) टेद्रामाइन टिकिया और इंजेक्शन ।
	(19) फटोराफर इंजेक्शन और कप्सूल ।		(44) ट्राफांस्फेमाइड टिकिया ।
	(20) हाइड्रोक्सी यूरिया कप्सूल ।		
	(21) आइफोस्फेमाइड इंजेक्शन ।		

(1)	(2)	(1)	(2)
99.02	<p>(15) विन्ल्लास्ट्रान मल्फेट इंजैक्शन ।</p> <p>(16) विन्क्रिस्ट्राइन मल्फेट इंजैक्शन ।</p> <p>निम्नलिखित काडियो वैस्कुलर अर्थात्</p> <p>(1) डायजॉबमाइड इंजैक्शन ।</p> <p>(2) डिम्नाइरेमाइड फास्फेट इंजैक्शन / कैप्सूल/टिकिया ।</p> <p>(3) डायमाइन हाइड्रोक्लोराइड इंजैक्शन ।</p> <p>(4) आइसोप्रैनेलाइन इंजैक्शन ।</p> <p>(5) गिफेडीयापीन कैप्सूल ।</p> <p>(6) प्रेजोपिन टिकिया ।</p> <p>(7) क्विनिडाइन ग्लूकोनेट इंजैक्शन ।</p> <p>(8) स्ट्रेप्टाकिनेज और स्ट्रेप्टा-डार्नेस निर्मितिया ।</p> <p>(9) स्ट्रेप्टाकिनेज इंजैक्शन ।</p>	<p>99.05</p> <p>99.06</p> <p>99.07</p> <p>99.08</p> <p>99.09</p>	<p>एण्टी पा० आई०, एण्टी एस०, एण्टी मानव स्लैबुलिन सेरा, एण्टी-एफ, एण्टी के०, एण्टी सेलेन, एण्टी जे० के० ए० और एण्टी आई ।</p> <p>कृत्रिम प्लाज्मा ।</p> <p>कृत्रिम गुर्दा ।</p> <p>सभी प्रकार के गर्भ निरोधक ।</p> <p>निम्नलिखित कलाकृतियां अर्थात् :</p> <p>(1) किसी सार्वजनिक स्थान में सार्वजनिक फायदे के लिए रखे जाने वाले मूर्ति संग्रह श्रीर चित्र ।</p> <p>(2) सार्वजनिक प्रकृति के स्मारक जो किसी सार्वजनिक स्थान में रखे जाने के लिए आशयित हैं जिसके अन्तर्गत उनको संरचना में प्रयुक्त या प्रयुक्त को जाने वाला सामग्री भी है, चाहे वह कर्मित हो या नहीं ।</p> <p>कलाकृतियां जो किसी सार्वजनिक संग्रहालय या राष्ट्रीय संस्थान में प्रदर्शन के लिए आशयित हैं ।</p> <p>पुरावशेष जो किसी सार्वजनिक संग्रहालय या राष्ट्रीय संस्थान में प्रदर्शन के लिए आशयित हैं ।</p> <p>किसी चिड़ियाघर द्वारा आयातित प्राणा और पक्षी ।</p> <p>आयतन गुणवत्ता और विनाशक परिवर्तन ।</p> <p>शैक्षणिक प्रयोग के लिए न्यून माडल, दीवार चित्र और आरेख</p> <p>डाक महत्त्व अप्रयुक्त</p> <p>कागजा मुद्रा ।</p> <p>डाक द्वारा या विमान भाड़ा के रूप में 200 रु० से अधिक मूल्य के आयातित सार्वजनिक दान जिसके अन्तर्गत ऐतिहासिक पत्र नहीं हैं ।</p> <p>भारतीय रेड क्रॉस द्वारा दान के रूप में प्राप्त ऊन, ऊनी फैब्रिक और ऊनी परिवान ।</p>
99.03	<p>निम्नलिखित सेरा और टोका अर्थात्:</p> <p>(1) एण्टी-डॉ प्रतिरक्षा स्लैबुलिन (मानव) उपभोग के लिए तैयार रूप में</p> <p>(2) गैस गैन्ग्राण एण्टी टाकिन गैरम ।</p> <p>(3) हेपेटाइटिस वा टीका ।</p> <p>(4) हेपेटाइटिस बी प्रतिरक्षा गैरम ।</p> <p>(5) निष्कृत रैबीज टीका (मानव डिप्लायड सेल) ।</p> <p>(6) खपरा टीका ।</p> <p>(7) अनुवारी वाक भक्ति मेनो-न्जीकाकोल ए मो मिश्रित टीका ।</p> <p>(8) पापुम्येनिरिन टीका (सबिन और साक) ।</p> <p>(9) विनिदिष्ट विसुग्राहीकरण टीका ।</p> <p>(10) एण्टी प्लेग सेरम ।</p>	<p>99.10</p> <p>99.11</p> <p>99.12</p> <p>99.13</p> <p>99.14</p> <p>99.15</p> <p>99.16</p> <p>99.17</p>	<p>सामान्य लवण (जिनके अन्तर्गत खनिज लवण, समुद्र लवण और खान का लवण हैं) ।</p>
99.04	<p>रक्त सत्रु सेरा, अर्थात् एण्टी सा, एण्टी डी, एण्टी सी, एण्टी ई, एण्टी एफ, एण्टी एन, एण्टी एन० टी०,</p>	<p>99.18</p>	<p>सामान्य लवण (जिनके अन्तर्गत खनिज लवण, समुद्र लवण और खान का लवण हैं) ।</p>

अनुसूची-2

(खण्ड-3 देखें)

आयात लाइसेंस देने के लिए सक्षम अधिकारी

1	2	1	2
1. मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात	अनुसूची-1 के अन्तर्गत आने वाली किसी भी वस्तु के लिए।	एरिया (डी० टी० ए०) से माल के संभरण कर्ताओं का सम्बन्ध है)।	
2. अपर मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात	—वही—	11. सहायक विकासयुक्त (आयात एवं निर्यात), सांताक्रुज, बम्बई जहां तक सांताक्रुज इलैक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात, प्रतिपूर्ति लाइसेंस लेने के लिए, ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ एरिया (डी० टी० ए०) से माल के संभरण-कर्ताओं का सम्बन्ध है)	अनुसूची-1 के अन्तर्गत आने वाली किसी भी वस्तु के लिए।
3. निर्यात-आयुक्त	—वही—	12. उप विकास आयुक्त फैल्दा, निर्यात संसाधन क्षेत्र, फैल्दा। पश्चिम बंगाल	—वही—
4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	—वही—	13. उप विकास आयुक्त, मद्रास निर्यात संसाधन क्षेत्र, मद्रास	—वही—
5. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	—वही—	14. संयुक्त विकास आयुक्त/उप विकास आयुक्त नोएडा	—वही—
6. सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात	—वही—	निर्यात संसाधन क्षेत्र नोएडा (उ० प्र०)	
7. नियंत्रक, आयात निर्यात	—वही—	15. उप विकास आयुक्त कोचीन निर्यात संसाधन क्षेत्र, कोचीन (केरल)	—वही—
8. अनुसूची-1 में दी गई वस्तुओं में से किसी भी वस्तु के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भी अधिकारी	—वही—		
9. सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/नियंत्रक, आयात-निर्यात, न्यू कोडला, (जहां तक मुक्त व्यापार क्षेत्र कांडला का सम्बन्ध है।	—वही—		
10. उप विकासयुक्त (विकास) सांताक्रुज, बम्बई (जहां तक सांताक्रुज इलैक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस लेने के लिए ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ			

अनुसूची-3
(खण्ड-4 देखें)

आयात लाइसेंस के लिए दिए जाने वाले आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित शुल्क देना होगा :—

क्र० सं०	ब्यौरे	शुल्क की राशि
1.	जिन मामलों में आवेदन पत्र में निर्दिष्ट वस्तुओं का मूल्य 50,000/ रुपये से अधिक न हो ;	100/ रुपये
2.	जिन मामलों में आवेदन पत्र में निर्दिष्ट वस्तुओं का मूल्य 50,000 रुपये से अधिक हो परन्तु एक करोड़ रुपये से अधिक न हो।	प्रत्येक एक हजार तथा उसके अंश रुपये पर एक रुपया और पचास पैसे बशर्ते की वह एक सौ रुपये से कम न हो
3.	जहाँ आवेदन पत्र में निर्दिष्ट माल का मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक हो।	प्रत्येक एक हजार तथा उसके अंश रुपये पर एक रुपया और पचास पैसे बशर्ते कि यह एक लाख रुपये से अधिक न हो।

बशर्ते कि :—

(1) जहाँ आवेदन-पत्र में विशिष्टीकृत माल का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं हो जाना, वहाँ कच्चे माल, घटक या अतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए छोटे पैमाने के वास्तविक उपयोगिता या पंजीकृत नियंत्रक द्वारा आयात लाइसेंस के लिए दिए गए आवेदन-पत्र के सम्बन्ध में लगने वाले शुल्क की राशि 100/- रुपये होगी।

(2) आवेदन पत्र में निर्दिष्ट माल के मूल्य को ध्यान में रखे बिना निम्नलिखित के सम्बन्ध में देय राशि निम्नलिखित अनुसार होगी:

(I) गौण लाइसेंस देने के लिए आवेदन पत्र 100 रु०

(2) अनुलिपि लाइसेंस देने के लिए आवेदन पत्र 100 रु०

(3) विखंडित लाइसेंस देने के लिए आवेदन-पत्र 500 रु० प्रत्येक विखंडित लाइसेंस के लिए

(4) आयातक-निर्यातक कोड नम्बर (आई ई सी) देने के लिए आवेदन-पत्र 500 रु०

(5) स्पीड पोस्ट द्वारा आवेक्षित आयात लाइसेंस और अन्य पत्राचार के आवेदन के मामले में 100 रु०

(6) (क) अध्यक्ष प्रबंध निदेशक, निदेशक या साक्षीदार या फर्म के प्राधिकृत कर्मचारी को पहचान पत्र जारी करने के लिए आवेदन पत्र 100 रु०

(ख) मूल पहचान पत्र खो जाने पर अनुलिपि पहचान पत्र जारी करने के लिए 50 रु०

(3) आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट माल के लिए मूल्य के होते हुए भी अशोध/पुनरीक्षण वाले आवेदन-पत्रों के लिए देय शुल्क की राशि निम्न प्रकार होगी :—

1. प्रथम अपील—100/-रुपए

2. द्वितीय अपील—200/-रुपए

(4) किसी आयात लाइसेंस की पोत लदान की अवधि में वृद्धि के लिए दिए जाने वाले आवेदन-पत्र के साथ 100/- रुपये का शुल्क देना होगा चाहे कितना भी मूल्य हो।

(5) स्कूटर/आटो साइकिल/मोटर साइकिल/मोपेड्स सहित एक वाहन के आयात के लिए आवेदन-पत्र के सम्बन्ध में अदा किए जाने वाले शुल्क की धनराशि 500/- रुपये होगी और यह आवेदन-पत्र में विशिष्टीकृत ग्रेड के मूल्य को ध्यान में दिए बिना होगी।

बशर्ते कि निम्नलिखित के सम्बन्ध में कोई शुल्क नहीं दिया जाएगा :—

(क) किसी भी वस्तु के लिए (वाहन को छोड़कर) यदि उस व्यक्ति विशेष को उन वस्तुओं का आयात अपने वैयक्तिक प्रयोग के लिए करना हो न कि व्यापार या विनिर्माण कार्यों के लिए तो उस सम्बन्ध में आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजा गया आवेदन-पत्र ; या

(ख) सनाचार प्रतिष्ठान द्वारा 40 टन की मात्रा से कम अव्यवहारी कागज आयात करने के लिए आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजे गए आवेदन-पत्र।

शुल्क वसूल करने के लिए सार्वजनिक जानकारी के लिए निम्नलिखित हिदायतें दी गई हैं :—

(1) शुल्क मुख्य शीर्षक '1453' विदेश व्यापार और निर्यात संवर्धन के अधीन लघु शीर्षक 102, 'आयात लाइसेंस आवेदन-पत्र शुल्क' में जमा करना चाहिए।

(2) आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेप को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय बैंक की किसी भी एक शाखा में शुल्क जमा करना चाहिए।

(3) यदि आवेदक ऐसे स्थान पर रहता है जहाँ आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेप प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय बैंक की कोई शाखा नहीं है, तो आवेदन शुल्क एवं अन्य आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेपों को बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कराने की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

(4) इस आदेश के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क के भुगतान का प्रमाण जब तक आवेदन पत्र के साथ नहीं भेजा जाएगा, तब तक उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

अनुसूची 4

(खण्ड—12 देखें)

1. विगत वाणिज्य विभाग द्वारा जारी की गई यथा-संशोधित अधिसूचना सं० 23/आई० टी० सी० सं० 43, दिनांक 1 जुलाई, 1943।
2. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं० 2/आई० टी० सी०/48, दिनांक 6 मार्च, 1948।
3. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधि-

सूचना सं० 4-आई० टी० सी०/48, दिनांक 1 मई, 1948।

4. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं० 51-आई० टी० सी०/50, दिनांक 15 नवम्बर, 1950।
5. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किया गया आदेश सं० 4/55, दिनांक 30 जून, 1955।

अनुसूची—5

(खण्ड—5 देखें)

आयात लाइसेंसों के लिए लागू शर्तें

1. निम्नलिखित शर्तें सभी आयात लाइसेंसों के लिए लागू होंगी :—

- (1) यदि किसी मामले में, लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस में शामिल किसी माल के आयात के वित्तदान के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोला जाए, तो विदेशी मुद्रा के जिस प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से साख खोला जाए वह भी साख में शामिल माल की सीमा तक संयुक्त लाइसेंसधारी माना जाएगा।
- (2) लाइसेंस के मद्दे किए जाने वाले प्राधिकृत भुगतानों में भारत में आयातक/एजेंट को विदेशी संभारक विनिर्माता द्वारा दिया गया कमीशन, बट्टा या छूट शामिल नहीं होंगे।

2. वास्तविक उपयोक्ताओं को "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के साथ जारी किए गए आयात लाइसेंसों के लिए निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

- (1) लाइसेंस के मद्दे आयात किए गए माल का उपयोग लाइसेंसधारी द्वारा केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा जिसके लिए वह आयात किया गया था और उसका उपयोग उसी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसर में किया जाएगा जिसका पता उस आवेदन पत्र में दिया गया है जिसके मद्दे यह लाइसेंस दिया गया है। उस माल का कोई भी भाग किसी अन्य पार्टी को न तो हस्तांतरित किया जाएगा, न उनके द्वारा उपयोग किया जाएगा और न ही किसी भी तरीके से उपयोग करने की अनुमति दी जायेगी लेकिन, जिस मामले में वास्तव में आवश्यक होगा

तो जब तक वास्तविक उपयोक्ता शर्त का पालन हो तब तक वह माल अन्य कारखाने में संसाधित कराया जा सकता है या दूसरे प्रतिष्ठान में उपयोग के लिए रखा जा सकता है।

- (2) लाइसेंसधारी लाइसेंस के मद्दे आयातित माल की खपत और उपयोग का एक उचित लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और उस लेखे को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा निर्धारित किया गया हो।
- (3) सभी वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक एकांक) महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली को या सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को उत्पादन का विवरण नियमित रूप से प्रस्तुत करेंगे।
- (4) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक एकांक) महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली को या सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को और इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली (जो भी आयातित माल के लिए उपयुक्त हो) को अपने द्वारा आयातित मालों का अर्धे वार्षिक विवरण-पत्र भेजेगा।
- (5) यदि अनुसंधान और विकास एकांकों द्वारा किए गए आयातों का मूल्य किसी एक समय में एक लाख रुपये से अधिक हो तो सीमाशुल्क कार्यालय के माध्यम से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर सभी अनुसंधान और विकास एकांकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को सूचित करना होगा। किसी इलेक्ट्रॉनिक माल के बारे में उन्हें इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली को भी सूचित करना चाहिए।

अर्ध वर्ष के दौरान उपयोग

**** 12. रिपोर्ट के अधीन अर्ध वर्ष के दौरान लाइसेंस की मुद्रा नियंत्रण प्रति में शेष अप्रयुक्त मूल्य (₹०)**

ग. दिये गए आदेश							
13. गारं वर्य में दिए गए आदेशों का मूल्य (र०)							
14. णेय मूल्य (र०)							

प. खोले गए साख-पत्र

15. तिथि

दिनांक	मास	वर्ष

16. खोले गए साख मूल्य (र०)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

17. शेष मूल्य र०

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

18. लाइसेंस की वैधता अवधि की समाप्ति होने की तिथि (नवीकरण की अवधि सहित यदि कोई हो)

दिनांक	मास	वर्ष

समाप्ति की तिथि

मास	वर्ष

पुनर्वैधीकरण की अवधि

नोट:—रूपया एक खाने में केवल मात्राओं सहित एक शब्द का एक श्रेक भरें जैसे कि निदेशक, सांख्यिकी मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 इस प्रकार भरा जाएगा।

नि	वे	श	क	सा	शि	य	की			
म	उ	य	नि	यं	ल	क	जा	या	त	
ए	वं	नि	या	त	:	का	या	ल	य	
न	ई	दि	ह	सी	1	1	0	0	1	1

*उदाहरणार्थ 28-2-90 को समान अर्थ-वार्तिक रिटर्न के लिए निम्न प्रकार से भरें :—

दिनांक	मास	वर्ष
2	8	0
2	9	0

*रूपया केवल वास्तव में की गई प्रदायगी का मूल्य दिखाने । खोले गए भाष्यपत्र के मूल्य को इन खानों में दिखाने की आवश्यकता नहीं है।

**सांख्यिक प्रदायगी का शेष अप्रयुक्त मूल्य य खाने में भरा जाए।

असबाब नियम, 1978

101 कस्टम दिनांक 16-5-78 द्वारा प्रवर्तित अधिसूचना 213 कस्टम, दिनांक 13-11-79, 247-कस्टम दिनांक, 26-12-80, 57/83-कस्टम दिनांक 1-3-83, 166/83, कस्टम दिनांक 8-6-83, 26/85-कस्टम दिनांक 4-2-85 20/86-कस्टम दिनांक 20-1-86, 141/86 कस्टम दिनांक 13-2-86, 467/86 कस्टम दिनांक 25-11-86, 245/87-कस्टम दिनांक 25-6-87, 1/88-कस्टम (एन०टी०) दिनांक 8-1-88 और 47/89 (एन०टी०) कस्टम दिनांक 14-8-89 द्वारा यथा संशोधित किया गया है।

2. जी० एस० आर० सं० 290(ई)—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खण्ड 79 उप-खण्ड (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और असबाब नियम 1970 और सीलोन असबाब नियम, 1930 का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नेपाल या भूटान को छोड़कर किसी अन्य देश से आने वाले यात्रियों (पर्यटकों को छोड़कर) को सीमा शुल्क अदायगी के बिना सामान का आयात करने की अनुमति देने के लिए निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती है :—

1. संक्षिप्त नाम, आरम्भ :

(1) यह नियमावली, सामान नियमावली, 1978 कहलायेगी।

(2) यह नियमावली, तत्काल से लागू होगी।

2. प्रयुक्त व्यक्तिगत सामान :—व्यक्तिगत पहनावे की प्रयुक्त वस्तुएं (गहनों को छोड़कर लेकिन केवल एक हाथ की घड़ी) जिसका मूल्य 500 रुपये से अधिक न हो, शामिल हैं (और जीवन की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए यात्री के व्यक्तिगत प्रयोग में आने वाली वस्तुओं को बिना शुल्क के स्वीकृति दी जाए)।

3. सामान्य निशुल्क छूट :—नियम 2 में विशिष्टकृत वस्तुओं के अतिरिक्त और नियम 9 की शर्तों के अनुसार 12 वर्ष और इससे अधिक आयु के एक यात्री को वस्तुओं को बिना शुल्क के आयात करने के लिए भी इन मामलों में स्वीकृति दी जा सकती है :—

(क) तीन सौ रुपये मूल्य तक, श्रीलंका से आने वाले यात्री के मामले में, और :

(कक) मालदीप से आने वाले यात्रियों के मामले में :—

(i) सात सौ पचास रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की अवधि तीन दिन से अधिक न हो

(ii) बारह सौ पचास रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की अवधि तीन दिन से अधिक हो

(ख) एक हजार दो सौ पचास रुपये मात्र मूल्य तक, श्रीलंका या मालदीप या नेपाल भूटान से भिन्न देश से

आने वाले यात्री के मामले में यदि उपयुक्त प्राधिकारी संतुष्ट हो जाए कि ऐसी वस्तुएं यात्री या उसके परिवार के उपयोग के लिए हैं या उपहार निशानी के रूप में देने के लिए हैं।

(i) 12 वर्ष से कम आयु के यात्री को शुल्क मुक्त वस्तुओं का आयात करने की अनुमति, इन मामलों में दी जा सकती है :—

(क) पचहत्तर रुपये मूल्य तक, श्रीलंका से आने वाले यात्रियों के मामले में,

(कक) माल द्वीप से आने वाले यात्रियों के मामले में :—

(1) दो सौ रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की अवधि तीन दिन से अधिक न हो

(2) तीन सौ रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की अवधि तीन दिन से अधिक हो तथा

(ख) तीन सौ रुपये मूल्य तक, श्रीलंका या मालदीप या नेपाल अथवा भूटान से भिन्न देश से आने वाले यात्री के मामले में;

(ii) हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्री के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट पर यात्रा करते हैं और भारत से बाहर या श्रीलंका, मालदीप या दोनों में 10 दिनों से कम ठहरने के पश्चात् भारत में लौटते हैं, ऐसे व्यस्क यात्री के मामले में 30 रु० मूल्य तक की वस्तुएं और साढ़े सात रु० की वस्तुएं ऐसे यात्रियों के मामले में जो 18 वर्ष की आयु से कम हों उन्हें प्रत्येक दिन भारत से बाहर रहने पर शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति दी जाएगी; और

(iii) हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्री के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट से यात्रा करता है और दस दिनों से कम भारत से बाहर श्रीलंका या मालदीप या नेपाल अथवा भूटान से भिन्न देश में ठहरने के पश्चात् भारत लौटता है उसे भारत से बाहर प्रत्येक दिन ठहरने पर ऐसे व्यस्क यात्री के मामले में एक सौ पन्चीस रुपए मूल्य तक और 18 वर्ष से कम आयु के यात्री के मामले में 30 रु० मूल्य तक की वस्तुओं का शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति दी जाएगी।

स्पष्टीकरण :— इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ, “रियायती टिकट” का अर्थ उस टिकट से है जो 75 प्रतिशत या इससे अधिक की रियायत देने के बाद जारी किया गया है।

इस नियम में निर्धारित शर्तों तथा सीमाओं के अग्रधीन एक यात्री को रंगीन टेलीविजन सेट या वीडियो कैसेट रिकार्डर या वीडियो कैसेट प्लेयर या केवल वीडियो कैमरा जिसकी कीमत पांच सौ रुपये तक हो, शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति है।

इस नियम में जिस शर्त का उल्लेख नहीं है वह किसी भी साथ में ली जाने वाले असबाब के आयात के सम्बन्ध में लागू नहीं होगी।

4. प्रयुक्त घरेलू वस्तुओं के लिए अतिरिक्त छूट—यस यात्री के सम्बन्ध में जो तीन मास से अधिक अवधि के लिए विदेश में अपने व्यवसाय के लिए लगा हो, उसे घरेलू वस्तुएँ खलाने के लिए वास्तव में प्रयुक्त वस्तुएँ जैसे लिनन, बर्तन, मेज पर रखने वाले बर्तन, रसीईधर के उपकरण और इस्त्री जिनका कुल मूल्य 1000/- रुपये हो, का आयात करने की स्वीकृति दी जा सकती है।

4(क) यात्रियों की कुछ श्रेणियों के सम्बन्ध में प्रयुक्त व्यक्तिगत सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए अतिरिक्त भत्ता—(1) पासपोर्ट अधिनियम, 1967 (1967 का 15) के अधीन जारी किए गए वैध पासपोर्ट के धारक उस यात्री के मामले में जो विदेश में एक साल की अवधि से कम न रहा हो और उसके बाव भारत में लौट रहा हो, उसका कुल पांच हजार रुपये तक के व्यक्तिगत सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए जो विदेश में कम से कम 6 मास की अवधि तक उसके या उसके परिवार के पास रही हों और उसके द्वारा या उसके परिवार के द्वारा वहाँ उपयोग में लाई गई हों वे निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी सीमा शुल्क कर के बिना आयात की जा सकती हैं :—

- (1) ऐसा यात्री जो कम से कम एक वर्ष की अवधि से विदेश में कार्य कर रहा हो और वह उस कार्य को समाप्त करके भारत में लौट रहा हो,
- (2) ऐसा यात्री घोषणा द्वारा इस बात की पुष्टि करे कि विषयाधीन सामान विदेश में कम से कम छः मास की अवधि के लिए या उसके लिए उसके परिवार के पास रहा है और उसका उपयोग उसके या उसके परिवार द्वारा किया गया है और ऐसे माल की जांच करने पर सम्बन्धित परिस्थितियाँ विपरीत नहीं पाई जाती हों।

(2) इस नियम में निहित कोई भी बात निम्नलिखित वस्तुओं के लिए लागू नहीं होगी :—

- (क) मोटर साईकिल, स्कूटर या मापेड,
- (ख) वातानुकूलक
- (ग) प्रशोतक और डीप फ्रीजर्स
- (घ) अग्न्यस्त्र
- (च) 50 से अधिक के अग्न्यस्त्र कार्टेजिज
- (ङ) 200 से अधिक सिगरेट या 50 से अधिक सिगार या 250 ग्राम से अधिक तम्बाकू, और

- (च) 0.95 लीटर से अधिक अल्कोहलिक लीकर
- (1) टेलीविजन रिसीवर
- (2) साउंड रिकार्डिंग या रिप्रोड्यूसिंग अप्रेट्स
- (3) वीडियो रिप्रोड्यूसिंग अप्रेट्स
- (ङ) कम्प्यूटर तथा कम्प्यूटर पेरिफरल कैलकुलेटिंग मशीन के सिवाय

(i) बड़े प्रोसेसिंग मशीन

4(ख) विदेश में ठहरने की अवधि के दौरान एक यात्री जिसने भारत का अल्पावधि के लिए दौरा किया हो उसके संबंध में नियम 4क के प्रयोजनार्थ उसकी विदेश में ठहरने की अवधि की गणना करने का तरीका :—इस नियमों के नियम 4क के प्रयोग के लिए सम्बन्धित यात्री द्वारा इस नियम के प्रयोजनार्थ विदेश में ठहरने की अवधि के दौरान भारत के समस्त अवधि के लिए लीये गयीं दौरे, यदि कोई हों, तो उन दौरों की कुल अवधि अगर 15 दिनों से अधिक की नहीं है तो उसे ध्यान में नहीं रखा जायेगा बशर्ते कि भारत के दौरों पर बिताई गई अल्पावधि को निकाल कर, विदेश में ठहरने की कुल अवधि 365 दिनों से कम नहीं होनी चाहिए।

5. व्यावसायिक उपस्कर के लिए छूट :—एक यात्री जो विदेश में 3 महीने से अपना व्यवसाय कर रहा हो उसे ऐसे सुवाह्य उपस्कर, औजार, यन्त्र और साधन आदि जो साधारणतः ऐसे व्यवसाय में अपेक्षित हों, के लिए 5000 रुपये मूल्य तक बिना किसी कर के आयात करने की अनुमति दी जा सकती है।

बशर्ते कि सामान्य उपयोग की वस्तुएँ, जैसे कैमरा, टंकण मशीन, कैंसेट रिकार्डर और डिक्टाफोन के निशुल्क आयात की अनुमति इस नियम के अन्तर्गत नहीं दी जाएगी।

6. आभूषण—उस यात्री के वास्तविक उपयोग के लिए जो बाहर के देश में एक वर्ष से अधिक से रह रहा हो, पुरुष यात्री होने के मामले में 1500 रुपये के कुल मूल्य तक के और स्त्री यात्री होने के मामले में 3000 रुपये के मूल्य तक के गहनों को बिना किसी शुल्क के अनुमति दी जा सकती है।

7. साथ न लाया गया सामान—(1) इन नियमों में निर्धारित शर्तों और प्रतिबन्धों के अधीन, उपयुक्त अधिकारी भारत में यात्री के पहुँचने के पश्चात् साथ न लाये गए वास्तविक सामान के लिए बिना किसी शुल्क के या शुल्क के साथ आयात की स्वीकृति दे सकता है यदि यह सामान विदेश में उसके पास था और जो यात्री के भारत में पहुँचने के एक महीने के भीतर पोतबंदीन किया गया था या जो 15 दिन के भीतर हवाई अड्डा द्वारा पेशित किया गया था।

किन्तु यदि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता, जैसा भी मामला हो, को यह सन्तुष्ट हो जाए कि बावजूद सभी उचित प्रयासों के यात्री अपने साथ न लाए गए वास्तविक सामान का उपयुक्त अवधि के भीतर पोंतलवान नहीं कर सका या प्रेषित नहीं कर सका तो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, एक महीने की समय सीमा अवधि को तीन मास तक बढ़ा सकता है या 15 दिनों की अवधि को बढ़ाकर दो मास कर सकता है और सीमा शुल्क समाहर्ता आगे किसी भी समय तक समय सीमा बढ़ा सकता है।

(2) यात्री के भारत में पहुंचने से पहले किसी भी सीमा शुल्क स्टेशन पर दो महीने के भीतर उतरे हुए वास्तविक सामान के लिए उपयुक्त अधिकारी द्वारा इन नियमों में निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन निशुल्क आयात की स्वीकृति दी जा सकती है।

बशर्ते कि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, लिखित रूप में रिकार्ड किए जाने वाले कारणों से सन्तुष्ट हो जाता है कि यात्री को उक्त दो मास की अवधि के भीतर पहुंचने से उन्हें उन कारणों, से रोक लिया गया था जो उनके नियंत्रण से बाहर है जैसे यात्री के या उसके परिवार के सदस्य का अचानक बीमार हो जाना, या प्राकृतिक आपदाएं या जाना, असामान्य परिस्थितियां आ जाना, या देश में या सम्बन्धित देशों में परिवहन या यात्रा व्यवस्थाओं में बाधाएं आ जाना या अन्य कोई भी कारण जिनके आधार पर यात्री की निर्धारित यात्रा में परिवर्तन करना आवश्यक समझा जाए, तो 2 मास की समय सीमा को—

(1) सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा बढ़ाकर चार मास तक किया जा सकता है, और

(2) सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

8. कर्मीदल के सदस्यों पर इन नियमों का लागू होना—
नियम 2, 3, 5, 6, और 9 उन अधिकारियों और कर्मीदल के सदस्यों पर लागू होंगे जो अपनी नियुक्ति की समाप्ति के बाद अन्तिम बार अपने सामान की निकासी के लिए विदेश में जाने वाले पोतों में व्यस्त हैं;

किन्तु नियम 5 के अन्तर्गत दी गई रियायत पहली नियुक्ति की समाप्ति पर अन्तिम बार विदेश जाने वाले पोतों में व्यस्त अधिकारियों को छोड़कर अन्य के लिए नहीं होगी।

9. वे वस्तुएं जिन्हें शुल्क से छूट नहीं है—इन वस्तुओं या नियम 3 और 4 के होते हुए भी निम्नलिखित वस्तुओं के लिए नियमों के अन्तर्गत आयात स्वीकृति नहीं दी जाएगी, अर्थात्:—

(1) मोटर साईकिल, स्कूटर और मोपिड;

(2) ग्रान्यस्त्र,

(2क) 50. से अधिक ग्रान्यस्त्र,

(3) 200 से अधिक सिगरेट या 50 से अधिक सिगार या 250 ग्राम से अधिक तम्बाकू; और

(4) 0.95 लीटर से अधिक अल्कोहलिक लीकर।

फाइल सं० 497/14/81—कस्टम

आवास स्थानान्तरण नियम, 1978 के नियम 2 से स्पष्टीकरण को संशोधन करने की आवश्यकता समझते हुए यह अधिसूचना जारी की गई है।

10. इन नियमों और निवास के स्थानान्तरण नियमों, दोनों के अन्तर्गत एक ही समय पर छूट सुविधा का उपयोग न किया जाना।

इन नियमों और सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा-79 के अन्तर्गत निर्मित असबाब स्थानान्तरण नियमावली में कोई शर्त होते हुए भी एक यात्री इन नियमों के नियम-4क के उपबन्धों और असबाब स्थानान्तरण नियमावली, 1978 के उपबन्धों का एक साथ लाभ उठाने का पात्र नहीं होगा।

ह०/-

पी० के० जैन

अधर सचिव, भारत सरकार

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1983

10 फाल्गुन, 1904 (शक),

अधिसूचना

सं० 58/83—सीमा शुल्क

जी० एस० आर०—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के खण्ड 25 के उपखण्ड 1 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, की अधिसूचना सं० 142 सीमा शुल्क, दिनांक 15 जुलाई, 1980 का अधिक्रमण करते हुए और इससे संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची की शीर्षक सं० 100.01 के अन्तर्गत आने वाली और प्रस्तुत सारिणी के कालम (1) में उल्लिखित वस्तुओं का असबाब के रूप में किसी यात्री या कर्मीदल के सदस्य द्वारा भारत में आयात करने पर उन वस्तुओं पर उगाहे जाने योग्य उक्त प्रथम अनुसूची में उल्लिखित सीमा शुल्क कर से उस सीमा तक छूट प्रदान करती है जो उक्त सारिणी के कालम 2 की तदनुसूची प्रविष्टि में उल्लिखित दर पर गिनी दरशि से अधिक हो।

सारणी	वस्तुओं का विवरण	दर
(1)		(2)
असबाब नियमावली, 1978 के नियम 3 के अन्तर्गत- गत ऐसे यात्री या सदस्य के लिए अनुमेय कर मुक्त भत्ते से मूल्य में अधिक कोई वस्तु		
(क) अकेले सामान से इतर सामान के प्रथम 2000 रुपए के लिए	130% यथा मूल्य	
(कक) अकेले सामान पर	200% यथा प्रतिगत	
(ख) शेष पर	200% यथा मूल्य	

स्पष्टीकरण 1 :—जिस मामले में असबाब नियमावली, 1978 के नियम 3 के अन्तर्गत किसी एक वस्तु का कर मुक्त भत्ते से अधिक हो उसमें कर मूल्य ऐसे यात्री या सदस्य के लिए अनुमेय की धन-राशि केवल इस प्रकार अनुमेय कर मुक्त भत्ते के उस अतिरिक्त मूल्य पर उस सीमा तक गिनी जाएगी जो सीमा ऐसे यात्री या सदस्य द्वारा असबाब की अन्य वस्तु की निकासी करने के लिए उपलब्ध की गई हो।

स्पष्टीकरण 2 :—जहां ऐसा यात्री या सदस्य किसी भी वस्तु का 2000 रुपए की सीमा तक के लिए उक्त सारणी की धारा (क) के अधीन निहित दर को स्वयं उपलब्ध करना चाहता है, तो वह उस सीमा तक किसी भी भद के लिए उक्त को उपलब्ध करने के लिए हकदार नहीं होगा।

2. इस अधिसूचना में निहित कोई भी बात निम्नलिखित के लिए लागू नहीं होगी:—

- (1) मोटर साईकिल स्कूटर या मोपेड,
- (2) अग्न्येस्त्र
- (2क) 50 से अधिक अग्न्येस्त्र कारतूस
- (3) सम्बद्ध असबाब नियमावली के अन्तर्गत शुल्क मुक्त यायात के लिए निर्धारित मात्रा से अधिक सिगरेट, सिगार या तम्बाकू, और
- (4) 500 रुपए से अधिक मूल्य के कपड़े।

हस्ताक्षरित/-
जे० श्रीधरन,
अवर सचिव, भारत सरकार

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1986
10 फाल्गुन, 1907 (शक)

अधिसूचना

सा० को० नि० सं० 183/86-सीमाशुल्क-केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की 26 सितम्बर, 1980 की अधिसूचना सं०-194-सीमा-शुल्क का अधिक्रमण करते हुए और उम बात से संतुष्ट होकर कि ऐसा करना सार्वजनिक हित में आवश्यक है, एतद्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 98.03 के अन्तर्गत आने वाली सभी भदों (ब्राडकास्ट टेलिविजन रिसीवर सेटों को छोड़कर) को, जब वे किसी यात्री अथवा कर्मिबल के किसी सदस्य द्वारा भारत में असबाब के रूप में लाई जाएं, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत लगने वाले समस्त अतिरिक्त सीमाशुल्क से छूट देती है।

हस्ताक्षर/-
(गोतम राय)

अवर सचिव, भारत सरकार

आवास स्थानान्तरण नियमावली, 1978

(अधिसूचना सं० 124-सीमा शुल्क, विभांक 22-6-78 द्वारा यथा संशोधित)

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई, 1978

26 बैशाख, 1900 शक

अधिसूचना
(सीमा शुल्क)

जा० एस० नार० सं० 392 (६०) —सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 79 द्वारा प्रदत्त अधि-

कारों का प्रयोग करते हुए और आवास स्थानान्तरण नियमावली, 1969 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली का निर्माण करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम :—यह नियमावली स्थानान्तरण नियमावली, 1978 कही जाए।

2. ऐसा व्यक्तिगत घरेलू सामान जिसके आयात पर कुछ शर्तों के अधीन शुल्क से छूट दी गई हो—व्यक्तिगत सामान (सीमा-शुल्क की छूट देने से सम्बन्धित शर्तों) नियमावली, 1975 और इस नियमावली के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन ऐसे व्यक्ति के व्यक्ति और घरेलू सामान के आयात पर सीमा-शुल्क की अदायगी से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट दी जाएगी जो व्यक्ति भारत में वास्तव में रहने के लिए आया हो :—

(क) वह व्यक्ति भारत में रिहायश के लिए आने के तत्काल पहले कम से कम दो वर्षों तक लगातार विदेश में रहा हो, और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के लिए आया हो;

(ख) उस व्यक्ति का घोषणा द्वारा यह प्रमाणित करना होगा कि आयातित सामान उसका या उसके परिवार का अपना सामान है और कम से कम एक वर्ष से वह या उसका परिवार उस सामान का इस्तेमाल करता आया है और सामान की जांच करने से और परिस्थितियों की जांच करने से यही साबित होता हो;

(ग) पर्यटक के साथ न लाए गए असबाब का असबाब नियमावली, 1978 में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर पोत लदान कर दिया गया हो अथवा प्रेषण कर दिया गया हो अथवा वहां पहुंच गया हो।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, “व्यक्तिगत और घरेलू असबाब” की अभ्युक्ति में बहुत अधिक सोने के आभूषण शामिल नहीं होंगे, कहने का अर्थ है कि जिन आभूषणों का मूल्य सामान्यतः सोने की मात्रा के आधार पर पुरुष यात्री के सम्बन्ध में एक हजार पाँच सौ रुपये और स्त्री यात्री के सम्बन्ध में तीन हजार रुपये से अधिक नहीं है।

3. ऐसी वस्तुएं जिन पर शुल्क की अदायगी से छूट नहीं दी जाती :—नियम 2 में किसी अन्य बात के निहित होते हुए भी, इन नियमों के अन्तर्गत मोटर वाहन, पोत, वायुयान, 35 मि० मी० और इससे अधिक की सिनेमाटोग्राफ फिल्में, वातानुकूलक, रेफ्रिजरेटर और डीप फ्रीजर के आयात की अनुमति शुल्क की अदायगी के बिना नहीं दी जाएगी।

4. व्यावसायिक उपकरणों आदि के लिए छूट :—नियम 2 के अन्तर्गत अनुमित वस्तुओं और उस नियम के खण्ड (ग) में दी गई समय-सीमा के अधीन अनुमित वस्तुओं के अतिरिक्त एक उच्च योग्यता-प्राप्त वैज्ञानिक, शिल्प विज्ञानी, डाक्टर अथवा इंजीनियर जो कम-से-कम 2 वर्ष विदेश में रहने के पश्चात् स्थायी रूप से भारत में बसने के लिए लौट रहें उसे अपने व्यवसाय में

साधारणतः अपेक्षित 30 हजार रुपये मूल्य तक के उपरक रों औजारों, यंत्रों और साधनों को शुल्क की अदायगी के बिना आयात करने की छूट होगी।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के उद्देश्य के लिए “उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिक, शिल्प विज्ञानी, डाक्टर अथवा इंजीनियर” वह व्यक्ति है जिसके पास भारतीय अथवा विदेशी विश्वविद्यालय की विज्ञान, शिल्प विज्ञान, चिकित्सा अथवा इंजीनियरी में स्नातकोत्तर अथवा इसके समकक्ष, जैसा भी मामला हो, डिग्री हो और वह कम से कम एक वर्ष के लिए विदेश में अपने क्षेत्र अथवा विषय में नियुक्त अथवा कार्यरत रहा हो।

5. अल्पावधि यात्रा के लिए शर्तें :—इन नियमों के उद्देश्य के लिए, यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त 2 वर्ष की अवधि के दौरान छोटी अवधि के लिए भारत की यात्रा पर आता है और इन यात्राओं की कुल अवधि छः मास से अधिक नहीं है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

शर्त यह होगी कि यदि संबंधित व्यक्ति भारत में छः मास से अधिक रहने के यथेष्ट कारण बताए तो इस अवधि के लिए भी सीमा-शुल्क समाहर्ता उन्हें क्षमा कर सकता है।

6. विदेश में रहने की अवधि में कमी करने से संबंधित शर्तें :—इन नियमों के उद्देश्य के लिए, किसी व्यक्ति के विदेश में रहने की दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा-शुल्क समाहर्ता द्वारा इस शर्त पर क्षमा किया जा सकता है जबकि वह संतुष्ट हो कि व्यक्ति सेवान्त छुट्टी अथवा लम्बी छुट्टी वित्तों के लिए अथवा किसी विशेष परिस्थितियों में भारत लौट आया है।

इन नियमों और असबाब नियम 4-क दोनों पर एक ही समय रियायत का लाभ नहीं उठाया जा सकता।

सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खण्ड 79 के अधीन बने असबाब नियम, 1974 के नियम प्रावधान, कुछ भी दिए गए के बावजूद भी यात्री इन नियमों के प्रावधानों और उक्त असबाब नियम, 1978 के नियम 4क के प्रावधानों का एक ही समय में लाभ उठाने का पात्र नहीं होगा।

सं० 103/कस्टम, (फा० सं० 497/6/78-कस्टम 6)

सं० 124/कस्टम (फा० सं० 49/6/78-कस्टम 6)

सं० 260/कस्टम (फा० सं० 497/4/87-कस्टम 6)

सं० 269/कस्टम (फा० सं० 495/5/85-कस्टम 6)

अधिसूचना सं० 19-कस्टम/86, दिन क 26-1-86 और अधिसूचना सं० 4/88 गैर टैरिफ सीमाशुल्क दिन क 21-1-88 द्वारा यथा संगोषित अधिसूचना सं० 84-कस्टम दिनांक 22-8-75।

जी० एम० आर० सं० 453 (ई०)—सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के उपखण्ड 79 के उपखण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और असबाब नियम (छूट की शर्तें) 1963 (विस्तृत मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना, राजस्व एवं वित्त विभाग), सं० 19, दिनांक 23 जनवरी, 1963 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती है, क्रमशः
(1) इन नियमों को असबाब (छूट की शर्तें) नियम 1975 की संज्ञा दी जाए।

2. जहाँ सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 79 के अन्तर्गत किसी यात्री या कर्मिंदल के किसी सदस्य के असबाब के किसी माल पर लगाए जाने वाले आयात शुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त होती हो तो छूट इस शर्त पर होगी कि ऐसा माल दुकान में न तो बेचा जाएगा, न प्रदर्शित किया जाएगा, न विज्ञापित या बिक्री के लिए दिया जाएगा या दिखाया जाएगा।

(क) और अग्न्यस्त्र के मामले में भी ऐसे अग्न्यस्त्र तब तक न तो उपहार में दिए जायेंगे या न रखने के लिए दिए जायेंगे और न ही छोड़े जायेंगे, यात्री के जीवन के जीवन काल में अथवा कर्मिंदल के सदस्य, जैसा भी मामला हो, अथवा

(ख) और अन्य माल के मामले में भी यह कि ऐसा अन्य माल तब तक न तो उपहार में दिया जाएगा या अन्यथा रूप से छोड़ दिया जाएगा, जब तक ऐसे व्यक्तियों या यात्रियों या कर्मिंदल के सदस्यों ने निकासी की तारीख से 5 वर्षों की अवधि तक ऐसे माल का उपयोग न कर लिया हो।

भारत सरकार

बिस्व मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर, 1980

4 अगस्त 1902 (शक)

अधिसूचना

सीमा शुल्क

जी० एस० आर० सं० 558(ई) —सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के खण्ड 25 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, बिस्व मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 230-सीमा शुल्क, दिनांक 5 दिसम्बर, 1979 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना जनता के हित में है, एतद्वारा संलग्न तालिका के कालम (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक माल के आयात की सीमा शुल्क दर अधिनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अधीन उस पर लगाए जाने योग्य उतने प्रतिशत सीमा शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट प्रदान करती है जितना कि उक्त तालिका के कालम (3) में संलग्न प्रतिशत में विनिर्दिष्ट दरों से अधिक हो जबकि वह व्यक्ति उन वस्तुओं का अपने असबाब के रूप में वास्तव में निवास स्थान स्थानांतरण के समय आयात कर रहा हो :-

(1) ऐसा व्यक्ति निवास का स्थानांतरण करने से पूर्व दो वर्षों पहले की न्यूनतम अवधि से विदेश में रह रहा

हो और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के लिए अपना निवास बदल रहा हो;

(2) ऐसा व्यक्ति एक घोषणा द्वारा इस बात की पुष्टि करता हो कि माल उसके अपने अथवा उसके परिवार के अधिकतर प्रयोग में कम से कम एक वर्ष के लिए रहा है और ऐसे माल की आंध और वर्तमान परिस्थितियां देश के विरुद्ध प्रतीत न होती हों।

(3) ऐसी वस्तुओं को बेचने, प्रदर्शन करने अथवा विज्ञापित करने या बिक्री करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि उसका बाजार भाव नए माल के बाजार भाव के 50 प्रतिशत से कम न हो, और

(4) सामान नियमावली, 1978 में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर यात्री के साथ न आने वाले माल का लवान अथवा प्रेषण कर दिया गया हो अथवा वह पहुंचा दिया गया हो।

स्पष्टीकरण :- इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए—

(क) यदि संबंधित व्यक्ति द्वारा उपर्युक्त 2 वर्षों की अवधि के दौरान अल्पावधि के लिए भारत की ऐसी यात्राएं की गई हों जिनकी अवधि 6 महीनों से अधिक न हो तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

(ख) किसी व्यक्ति के विदेश में रहने की अवधि में दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा-शुल्क समाहर्ता द्वारा इस शर्त पर क्षमा किया जा सकता है कि वह इस बात से संतुष्ट हो कि संबंधित व्यक्ति संभाव्य छुट्टियां अथवा लम्बी छुट्टी बिताने के लिए अथवा किसी अन्य विशेष कारण से भारत में पहले ही लौट आया है।

शर्त यह होगी कि छः मास से अधिक भारत में रहने की अवधि संबंधित व्यक्ति द्वारा सीमा शुल्क समाहर्ता को समुचित कारण बताए जाने पर ही क्षमा की जा सकेगी :-

सारणी

क्र० सं०	माल का ब्योरा	सीमा शुल्क की दर
1	2	3
1.	100 लिटर तक की क्षमता के घरेलू रेफ्रीजरेटर्स	15%
2.	100 लिटर से अधिक और 165 लिटर तक की क्षमता वाले घरेलू रेफ्रीजरेटर्स	20%
3.	अन्य घरेलू रेफ्रीजरेटर्स	40%
4.	जेप फ्रीजिज	40%
5.	वातानुकूलक	50%

हस्ताक्षरित/कि० कुमार

अवर सचिव भारत सरकार

सं० 195—कस्टम/मिसिल सं० 495/92/79—कस्टम—6

भारत सरकार
बाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 27-आई० टी० सी० (पी० एन०)/80

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1980

विषय : निजी असबाब के रूप में माल का आयात ।

नेपाल को छोड़कर किसी भी देश से आने वाले यात्रियों के लिए लागू वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली की अधिसूचना संख्या 101 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978, सं० 102 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978, सं० 103, कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978 एवं सं० 105 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है ।

2. यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की उप-धारा 11(1) (छ), पहले से ही थोड़े समय के लिए लागू असबाब नियमों के अन्तर्गत स्वीकृत सीमा तक यात्री असबाब के रूप में आयातित माल के लिए उक्त अधिनियम को लागू करने से छूट प्रदान करती है ।

3. किसी भी गैर-पर्यटक यात्री के बिना आयात लाइसेंस के, लेकिन सीमा-शुल्क कर चुकाने पर ही निजी या घरेलू सामान से संबंधित मर्चों को निजी असबाब के अंश के रूप में उसके स्वयं के उपयोग के लिए या उसके परिवार के उपयोग के लिए आयात करने की अनुमति दी जा सकती है । बशर्ते कि अग्नेयस्त्र का आयात इन शर्तों के अधीन होगा कि :—

- (1) किसी यात्री ने पिछले दस वर्षों के दौरान इसी श्रेणी के विदेशी अग्नेयस्त्र का आयात नहीं किया हो या उसे अन्यथा रूप से प्राप्त नहीं किया हो;

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन के लिए रिवाल्वर और पिस्तौल एक ही श्रेणी के अग्नेयस्त्र माने जाएंगे तथा बन्दूक और राइफल दूसरी श्रेणी के अग्नेयस्त्र माने जाएंगे;

- (2) रिवाल्वर या पिस्तौल 32 या इससे कम बोर की हो; और
- (3) प्रतिधारक को अग्नेयस्त्र बेचा नहीं जाएगा, उपहार के रूप में नहीं दिया जाएगा या अन्यथा रूप से निकासी की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए उसमें अनग नहीं किया जाएगा ।

4. भारत मूल का एक पर्यटक चाहे उसके पास भारतीय पासपोर्ट हो या विदेशी पासपोर्ट हो और जो सामान्यतया विदेश में रह रहा हो उसे निजी या घरेलू सामान की मर्चों को उपहार के रूप में या अपने मित्रों या सम्बन्धियों को यादगार के रूप में देने के लिए सीमा-शुल्क कर का भुगतान करने पर बिना किसी आयात लाइसेंस के निजी असबाब के भाग के रूप में आयात करने

की स्वीकृति दी जा सकती है बशर्ते कि अग्नेयस्त्र का प्रयोग इन शर्तों के अधीन होगा कि :—

- (1) यात्री ने पिछले दस वर्षों के दौरान उसी श्रेणी के विदेश में निमित्त अग्नेयस्त्र का आयात न किया हो;

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन के लिए, रिवाल्वर और पिस्तौल एक ही श्रेणी के अग्नेयस्त्र माने जाएंगे तथा बन्दूक और राइफल दूसरी श्रेणी के अग्नेयस्त्र माने जाएंगे ।

- (2) रिवाल्वर या पिस्तौल .32 बोर या इससे कम बोर की हो; और

- (3) अग्नेयस्त्र किसी भी उस व्यक्ति को उपहार के रूप में भेंट नहीं किया जाएगा जिसने पिछले दस वर्षों के दौरान उसी श्रेणी के विदेशी अग्नेयस्त्र का आयात किया हो या जिसके पास उसी श्रेणी का विदेशी अग्नेयस्त्र हो । (उपहार प्राप्त करने वाले व्यक्ति यह भी सुनिश्चित करेंगे कि वे इस शर्त का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं) ।

5. उपर्युक्त रियायत तभी प्रदान की जा सकती है जब कि सीमाशुल्क कार्यालय का उचित अधिकारी संतुष्ट हो जाता है कि मर्चों का आयात वास्तव में यात्री या उसके परिवार के उपयोग के लिए, जैसा भी मामला हो, उपहार या यादगार में देने के लिए किया जा रहा है और इस शर्त के अधीन कि उन्हें तब तक बेचने प्रवर्णित करने, विज्ञापित करने या बिक्री नहीं करने दिया जाएगा या दुकान में प्रदर्शन के लिए नहीं रखा जायेगा जब तक कि :—

- (क) अग्नेयस्त्र और टी० बी० सेट्स की निकासी की तारीख से पांच वर्षों की अवधि तक के लिए ऐसे व्यक्ति या यात्री या कर्मचाल के एक सदस्य द्वारा उपयोग नहीं कर लिया गया है, या

- (ख) अन्य सामान के मामले में, जब तक कि उनका बाजार मूल्य उनकी खरीद के नए बाजार मूल्य की तुलना में घटकर 50% से कम नहीं रह जाता ।

6. इसके साथ-साथ, एक कुत्ता और अन्य पालतू जानवर जैसे बिल्ली और पशियों के आयात की स्वीकृति सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को निम्नलिखित स्वास्थ्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर बिना किसी आयात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्ध के दी जा सकती है :—

- (1) सरकार की ओर से वैध प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत पशुचिकित्सा अधिकारी से इस सम्बन्ध में एक स्वास्थ्य प्रमाणपत्र कि आयातित कुत्ते में आयुजैस्की डिजीज, डिस्टोम्पर, रबीज, लेप्थे-ओसिस और लेप्टोसपिरोसिस और बिल्ली के मामले में रेबीज और डिस्टोम्पर जैसी बीमारियां नहीं हैं ।

- (2) जिन देशों में कुत्तों और बिल्लियों में पागलपन का संक्रामक रोग है, उनमें पैदा हुए कुत्तों और बिल्लियों

के आयात के मामले में टीके के रिहाई, उपयोग की गई बैक्सीन, बैक्सीन के किण्वन और उत्पादन प्रयोग-शाला के नाम सहित इस सम्बन्ध में एक स्वारस्य प्रमाणपत्र होना चाहिए कि कुत्ते/बिल्ली को पागलपन के विकट एक महीने से अधिक टीके लगाए गए थे, परन्तु ये टीके स्नायविक डिग बैक्सीन के साथ या स्नायविक पोत आरोहण से पहले 12 महीनों के भीतर या चिकित्सकीय बैक्सीन के साथ 36 महीने के भीतर लगाए गए थे। दोनों बैक्सीनों का पहले पोस्टमोर्टम परीक्षण सन्तोषजनक था।

- (3) दोनों के मामले में, इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र कि बास्त्विक पोत आरोहण से पहले 30 दिनों के भीतर दोनों को नकारात्मक परिणामों के साथ मिटकोमिस के लिए प्रत्येक निर्धारण परीक्षण के निम्ने अधिकार में रखा गया था।

7. सार्वजनिक सूचना सं० 58 आई० टी० सी० (पी० एन०)/79, दिनांक 13 नवम्बर, 1979 द्वारा यथा संशोधित बाणिज्य मंत्रालय की पिछली सार्वजनिक सूचना सं० 34 आई टी सी (पी एन)/78, दिनांक 16 मई, 1978 का यह सार्वजनिक सूचना अधिकरण करती है।

स्पष्टीकरण :—सार्वजनिक सूचना में 'अनुबाव' का वही अर्थ दिया गया है जो कि उसके लिए सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के खण्ड 2 की उप-धारा (3) में निर्धारित किया गया है।

हस्ताक्षरित/-

(मणि नारायणस्वामी)

मध्य निबंधक, आयात-नियंत्रण

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 44-आई० टी० सी० (पी एन)/80,

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

विषय: निजी अनुबाव के रूप में माल का आयात।

निजी अनुबाव के रूप में माल के आयात में सम्बद्ध बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 27-आईटीसी (पी एन)/80, दिनांक 15 जुलाई, 1980 और सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पी एन)/78, दिनांक 30 जून, 1978 की ओर ध्यान दिया जाता है।

2. पुनः विचार करने पर, उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना सं० 27-आईटीसी (पी एन)/80, दिनांक 15 जुलाई, 1980 के पैरा 4 में आने वाले बिग्रेसी मूला परिवर्तनीय

शब्द को हटाने का निश्चय किया गया है। उपर पैरा 4 को अनुसार संशोधित किया जाएगा।

3. अधिकारियों एवं मूला के कर्मचारियों द्वारा निजी अनुबाव के रूप में आयात में सम्बद्ध सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पी एन)/78, दिनांक 30 जून, 1978 को भी एतद्वारा रद्द किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप, ऐसे व्यक्तियों द्वारा निजी अनुबाव के रूप में माल का आयात बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 27-आई टी सी (पी एन)/80, दिनांक 15 जुलाई, 1980 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

हस्ताक्षरित/-

(मणि नारायणस्वामी)

मध्य निबंधक, आयात-नियंत्रण

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर, 1986

सार्वजनिक सूचना सं० 131 आईटीसी (पीएन)/85-88 विषय:—व्यक्तिगत अनुबाव के रूप में माल का आयात।

फा० सं० आई पी सी/3/37/79—व्यक्तिगत अनुबाव के रूप में माल के आयात के संबंध में बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 27-आईटीसी (पीएन)/80, दिनांक 15-7-1980 और सार्वजनिक सूचना सं० 44 आई टी सी (पी एन)/80, दिनांक 17 नवम्बर, 1980 की ओर ध्यान दिया जाता है।

2. सार्वजनिक सूचना सं० 44-आई टी सी (पी एन)/80, दिनांक 17 नवम्बर, 1980 द्वारा यथासंशोधित 27-आई टी सी (पी एन)/80 दिनांक 15-7-1980 के पैरा 3, 4 और 5 को निम्नांकित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

3. एक गैर-पर्यटक यात्री को भी बिना किसी आयात लाइसेंस के, परन्तु सीमा शुल्क का भुगतान करने पर उसके निजी प्रयोग के लिए या परिवार के प्रयोग के लिए व्यक्तिगत या घरेलू सामान (अग्नेयस्त्रों को छोड़कर) की किसी भी मात्रा को उसके अनुबाव के भाग के रूप में आयात करने की अनुमति दी जा सकती है।

4. भारतीय मूल का एक पर्यटक चाहे उसके पास भारतीय या विदेशी पासपोर्ट हो जो सामान्यतः विदेश में रहता हो उसे लाइसेंस के बिना, परन्तु सीमा शुल्क चुकाने पर उसके अनुबाव के भाग के रूप में व्यक्तिगत या घरेलू सामान (अग्नेयस्त्रों को छोड़कर) की किसी भी मात्रा

को मित्तों या सम्पत्तियों को उपहार या यादगार के रूप में देने के लिए करने की अनुमति दी जा सकती है।

5. उपर्युक्त गियायत की अनुमति दी जा सकती है बशर्ते कि भीमा शुल्क का उपर्युक्त अधिकारी उस बात में संतुष्ट हो जाए कि मित्तों का आयात यात्री या उसके परिवार के वास्तविक उपयोग के लिए या उपहार या यादगार के रूप में देने के लिए है और यह इस बात के अधीन है कि ये मित्तें न तो बेची जाएंगी और न बेचने के लिए प्रदर्शित या विक्रीयता की जाएंगी या दी जाएंगी और न दुकान में रखी जाएंगी जब तक कि:—

(क) टी० बी० के मामले में, जब तक कि वे ऐसे

व्यक्ति, अथवा यात्री अथवा वायुयान दल के सदस्य द्वारा निकासी की विधि से कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए प्रयोग न कर ली गई हों, अथवा

- (ख) अथवा माल के मामले में जब यह माल नया या उस समय के बाजार मूल्य के 50 प्रतिशत से कम का बाजार मूल्य में लाना हो गया हो।
6. यह संशोधन लोक हित में किया गया है।

हस्ताक्षरित/-

राजीव मोहन मिश्र

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी, 1988

सं० 98/85-88--आयात--निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० 10/65 दिनांक 1-12-65 का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन सीमाशुल्क समझौता, और सीमाशुल्क अधिकारी लोहा एवं इस्पात के बिक्री

आयुक्त, लोहा तथा इस्पात के उद्योगिक आयुक्त और केन्द्रीय जांच ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा के पुलिस अधीक्षकों को उक्त अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत किसी दण्डनीय अपराध के संबंध में न्यायालयों में निवेदन रूप में शिकायत करने के लिए प्राधिकृत करती है।

हस्ताक्षरित/-

राजीव लोचन मिश्र

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-व्यापार नियंत्रण

आदेश संख्या 1-90-93

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 1/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

कलकत्ता। आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) विनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा वक्षिणी प्रकीर्ण/किर्णी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च 1993 तक भारत में कच्चे माल और संघटकों और उपमोडों को वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) आयात की जाने वाली सबेँ सरकारी राजस्व में समय-समय पर जारी की गई वार्षिक सूचना द्वारा बका-संशोधित आयात एवं निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और 8 के अन्तर्गत म आती हैं।

(2) इस लाइसेंस के अधीन आयात-निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड I) के परिशिष्ट 6 की सूची में दिए मर्कों के अलावा मर्कों को आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(3) वास्तविक उपयोगता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्कों के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपक्ष एवं विभिन्नतर उचित लेखा रक्खेण और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निविष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(4) वास्तविक उपयोगता को इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल को आपत तथा समुपयोजन का निर्धारित प्रपक्ष तथा विधि से उपयुक्त लेखा रक्खेण होगा और यथानिर्दिष्ट प्रपक्ष के अन्तर लाइसेंसिंग प्राधिकारी प्रपक्ष अन्य सरकार के प्राधिकारी को प्रस्तुत करना होगा।

(5) माल को निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोगता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रपक्ष औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण की सं० और तारीख, विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र करेगा कि (1) ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है या उसे प्रपक्ष रूप से प्रभावहीन नहीं किया गया है और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रयोजक प्राधिकारी के पास औद्योगिक यूनिट के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोडान के विस्तृत अनुसार है। यदि प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रपक्ष से लाइसेंस पंजीकरण संख्या न दी गई हो तो आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संयुष्टि के लिये इस संबंध में प्रपक्ष प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किने मने आयात के लिये पात्र है। माल की निकासी के समय, वास्तविक

उपयोगता (औद्योगिक), प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके लिये अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोडान यदि कोई हो तो उसकी एक प्रमाणित प्रति भी भेजेगा।

(6) उन मामलों में जहाँ यूनिट स्वदेशीकरण के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन है; वहाँ वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा कुले सामान्य लाइसेंस के अधीन संघटकों का आयात साध्यात्म सूची प्रक्रिया के अधीन होगा। ऐसी यूनिटों को आयात किये जाने वाले संघटकों की सूची उस प्राधिकारी द्वारा स्थापित करा ली जागी बाह्ये जितने चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम का अनुमोदन किया बा। लघु क्षेत्र की यूनिटों के मामलों में सूची स्थापन विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली या विकास आयुक्त (लघु उद्योग), की ओर से लघु उद्योग विकास संघ द्वारा होना बाह्ये। सीमा शुल्क प्राधिकारी संबंधित प्राधिकारी द्वारा स्थापित सूची के आधार पर कुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित संघटकों की निकासी अनुमित करेगा। जबकि वास्तविक उपयोगता को संबंधित प्राधिकारी से संघटकों की साध्यात्म सूची साध्यात्म करने हेतु जमा करवाने के 45 दिन बाध तक सूची नहीं मिलती तो सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा आयातित माल की निकासी की अनुमति उसकी इस घोषणा के आधार पर दीगी कि सूची संबंधित प्राधिकारी को जमा करा दी गई थी और निर्यातक प्राधिकारी, चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम से निर्धारित समय में निर्णय प्राप्त नहीं हुआ है।

(7) स्वदेशीकरण के जो मामले चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं आते हैं, की यूनिटों के मामलों में वास्तविक उपयोगता को सीमा शुल्क निकासी के समय ऐसी घोषणा सीमा शुल्क प्राधिकारियों को धनी होगी।

(8) ऐसे यूनिट जिनका स्वदेशीकरण विनिर्माण कार्यक्रम समाप्त हो गया है, उन्हें आयातित माल की निकासी के समय, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को ऐसा घोषणा-पत्र देना होगा कि उनका चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम समाप्त हो गया है तथा आयातित मर्कों में चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के दौरान स्वदेशीकरण का मामला अनुसूचित नहीं है/बा।

(9) कुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात वाले अत्यधिकतर संघटकों पर सूची साध्यात्म प्रक्रिया लागू नहीं होगी।

(10) जिन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के चरण प्रयोजक प्राधिकारी के अन्तर्गत पंजीकरण है, वह की इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल, संघटकों और उपमोडों का आयात करने के लिये पात्र होगा।

(11) लघु क्षेत्र में जिन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के पास प्रयोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र

है जिसे विशेष रूप से "अन्योन्य" चिह्नित किया गया है, तो वे भी कच्चे मांस, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, जब निकासी के समय यह साक्ष्य प्रस्तुत किया जाये कि संबंध बास्तविक उपयोगिता में आयातित मांस के लागत सीमा भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य के लिये बैंक गारण्टी के साथ इस संबंध में एक बाण्ड भेजा है कि बास्तविक उपयोगिता आयातित मांस का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समय में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाणपत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

(12) वे लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन की होंगी।

(13) मानव निर्मित रेशों, मोटे लन, तावों, कच्ची ऊन/चिकनी ऊन/पटेला ऊन (जो कि ताफ अथवा कंभी न की गई हो)/अंगोरा बकरी के बाल (मोहियर)/अंगोरा बकरी के चिकनी बाल (मोहियर), अंगोरा बकरी के पटेला बाल (मोहियर) (साफ अथवा कंभी न किये हुए), ऊनी रेश/संश्लिष्ट रेश/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में रही ऊन के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी संबंधित बेल, आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवायी धड़ों। आयात तभी किये जायेंगे जब संबंधित संबंधितों पर बल आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहूर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिये संबंधित की दो प्रतियां बल आयुक्त के पास रखी जायेगी और यह आयातक को मांस की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिये एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर बिबिधत्व मोहूर लगी होगी। बांध के डेकों के पंजीकरण के समय पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिये जिसमें पूर्व पंजीकृत नयी डेकों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित मांस का उपयोग/निपटान वर्णित जाना चाहिए।

(14) जैसा कि ऊपर पैरा (13) में दिया गया है बल आयुक्त, बम्बई के पास संबंधित के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र बास्तविक उपयोगिताओं की बितरण के लिये मानव निर्मित रेशों, मोटा लन और बावों भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार निगम (एग टी सी), नई दिल्ली, द्वारा आयात किये जा सकते हैं।

(15) सोडा ऐश, पी बी की रेजिन, और सोडा कार्बन/तांबा मिस स्केल के लिये पात्र आयातकों की अपनी संबंधित महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सैल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवायी चाहियें। महानिदेशक तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया बही होगी जो ऊपर पैरा 12 में दी गई है।

(16) 3 फार्मिन रीफा एन बी. 1-अमोनों-4-मिथाइल पाइर-राजल और रीफा एन के मामलों में, संबंधित आयातकों को अपने डेक सक्षम संबंधित तथा विकास आयुक्त (ड्रग), रसायन तथा खाद मंत्रालय, विकास आयुक्त का कार्यालय (ड्रग), लाम्बो भवन, नई दिल्ली-110001 के पास पंजीकृत करवाने होंगे। आयात केवल पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित डेकों पर विकास आयुक्त (ड्रग) के कार्यालय की मोहूर लगाने पर ही संभव है। इस के लिए डेक को दो प्रतियां विकास आयुक्त (ड्रग) के पास जमा करवाती होंगी और वे एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर मोहूर लगा कर आयातक को वापस देंगी। यह प्रति मांस के निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के पास प्रस्तुत करनी होगी। परवर्ती डेक के पंजीकरण के समय पात्र आयातक को एक विवरण में पूर्व डेकों से आयातित मांस के आयात और उनके उपयोग के बारे में जानकारी पंजीकरण प्राधिकारी को भूषणा/रिकाई के लिए देनी होगी।

(17) (1) ऊनी बिबड़ों/रई ऊन/संश्लिष्ट बिबड़ों के आयात की अनुमति केवल तब दी जायेगी जब कि इनका आयात पूर्णरूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की अवस्था में किया जा रहा हो।

(2) इस प्रयोजन के लिये ऊनी बिबड़ों की परिभाषा प्रकार की गई है।

(क) "नए" ऊनी कपड़े के अवशेष साईं बड़े बुने हुए या कड़ाई किये हुए कपड़ों के हो और जो बस्त्रों की कटाई करने के बाद बच जाते हैं। इनमें दर्जी द्वारा काट दिये गये बास्तविक टुकड़े, रपाव दिये गये नमूने और सीमल के टुकड़े भी शामिल हैं।

(ख) "पुराने" ऊनी कपड़े के वे बिबड़े (कटाई किये हुए और काटे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रईया याग के विनिर्माण के लिये आवश्यक हों और उनमें सजावटी गेँ या कटे हुए कपड़े, गेँ कपड़े या गेँ कपड़े शामिल हों जिनकी रफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।

(ग) बिबड़ों को सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा उनकी अधिसूचना में निर्दिष्ट आवश्यकताओं के समनुषंग अवश्य होना चाहिए।

(3) यह परिभाषा संश्लिष्ट बिबड़ों के लिये आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।

(4) ऊनी रेश/संश्लिष्ट रेश/मोटा ऊन का आयात केवल दो पत्तनों अर्थात् बम्बई और विल्ली, थार्ड सी सी के माध्यम से अनुमेष होगा।

(18) कच्चे काजू की निर्यात के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुसार बास्तविक उपयोगिता (संसाधन एकता) की बितरण करने के लिये इन लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने के लिये पात्र होगा।

(19) कच्चे काजू की निर्यात के मामले में आयात संबंधित उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जायेगी।

(20) गैर-निर्मित इस्पात और मिश्रित की सब (ओ विशेषतः साधारण निर्धारित नीति, 1990-93 (खण्ड-I के पैरा 23 (2) के उप पैरा (ii) और (iii) में बताए गए हैं उनके अलावा) जो कुछ सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात हो सकते हैं के मामले में, पात्र आयातकों की ऐसी संबंधित करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर या मांस के पोतलखान की नियुक्ति की, इनमें जो भी पहले हों, उसी की बांहा एवं इस्पात निर्यातक, कलकत्ता या उसका किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात संबंधितों का पंजीकरण कराना पड़ेगा। मोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया बही होगी जो ऊपर पैरा (11) में दी गई है। उन मामलों में जहाँ संबंधित के पंजीकरण के लिए निर्धारित अवधि के बाद अनुपस्थित किया गया हो जहाँ आयातक को पंजीकरण के लिए संबंधित के पसतवेन प्रस्तुत करने में हुए विनम्र को अपरा करने के लिए विकास आयुक्त (मोहा एवं इस्पात) कलकत्ता में आवेदन करना चाहिए। विकास आयुक्त (मोहा एवं इस्पात) गुणावगुण के आधार पर ऐसे मामलों पर विचार करेंगे और यदि संतुष्ट हुए तो विनम्र क्षमा करने के बाद संबंधित का पंजीकरण करेंगे।

(21) महाभारी नाशक और वास-पात नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में संबंधित बास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) प्रत्येक मांस के परेषण की निकासी के लान दिनों के भीतर आयातित गये, उनकी मात्रा और उनके लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य के आधार पर विवरण (बनस्पति संरक्षण विभाग), नई दिल्ली को सूचित करेगा।

(22) पालित्तिकान सिंगल क्रिस्टल मिलिकान इन्फाट/बाई/राइस/और मेटलर्जिकल ग्रेड सिलिकान के अलावा के मामले में आयात संबंधित बाबापत्र खोलने से पहले इलेक्ट्रोनिकी विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत कराई जायेगी ऐसे रजिस्ट्रेशन के साक्ष्य के रूप में इलेक्ट्रोनिकी विभाग द्वारा संबंधित संबंधितों पर मोहूर लगाने के पश्चात् ही आयात किया जायेगा।

(23) घीस और स्नेहक तेल के मामले में 50,000 रुपये तक आयात किया जा सकता है बशर्ते कि भारतीय तेल निर्यात, मार्केटिंग डिबीजन, बम्बई ने प्रमाणित प्रमाण पत्र जारी कर दिया हो।

(24) आयात-निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-8 के भाग 1 में उल्लिखित कुछ मर्चों के मामले में विशेष उद्योग के लाभों का उल्लेख किया गया है। इन मर्चों के लिये संबंधित उद्योगों में लगे हुए केवल वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) ही आयात के लिये प्राप्त होंगे।

(25) आयात-निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) भाग 1, सूची-8 परिशिष्ट-6 के भीतर आने वाली मर्चें निर्यात आयात, सड़नों द्वारा वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) को बिक्री के लिए वास्तविक उपयोगिता मर्चों के अधीन आयात कर सकते हैं। वास्तविक उपयोगिता की शर्त को छोड़कर, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन मर्चों के आयात पर लागू सभी शर्तें प्रतिरिक्त लाइसेंसों के मर्चे खुले सामान्य लाइसेंसों की मर्चों के सम्बन्ध में समान रूप से लागू होंगी।

(26) आयात-निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6, सूची-8 के भाग 2, के अधीन आने वाली मर्चें, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) और अन्य द्वारा बण्डार एवं बिक्री के लिये आयात की जा सकती है।

(27) कतरन के रूप में आयातित पीतल ताबा, पाइप्स और ट्यूब्स के मामले में लम्बाई में उनका आकार 60 सें. मी. से अधिक नहीं होना चाहिए जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी प्रेस बिजनेस में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।

(28) आयात-निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूची-11, के अन्तर्गत आने वाली मर्चों का वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) द्वारा कबल तभी आयात किया जा सकता है जबकि वह इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के विनियमों/पंजीकरण लाइसेंस रखता है।

(29) आयात-निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) सूची-11, परिशिष्ट-6 में आने वाली मर्चों का आयात तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लि. (प्रो. प्राई. एल.) भारतीय गैस प्राधिकरण को पेट्रोलियम ओपरेशन के संबंध में डाइविंग सेवाओं के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लिमिटेड/भारतीय गैस प्राधिकरण, से संबंधित प्राप्त कर रही है, कर सकती है। ऐसी यूनिटों को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल इंडिया लिमिटेड, भारतीय गैस प्राधिकरण से इस बात का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिये कि आयात की मर्चें उन्हें प्रदान की गई सविद्या के निष्पादन के लिए अधीन हैं।

(30) खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित माल मुख्य-निर्यातक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की बिना अनुमति के निर्यात के लिए अनुबंध नहीं है।

(31) उन लाइसेंसों के अधीन आयात द्वारा संबद्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और सम्बद्ध एकक अपने अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

(32) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/किर्जी में तैयार प्रयत्न विनिर्मित नहीं किया गया हो।

(33) खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात के लिए अनुमित कच्चा माल, सॉफ्टक और उपभोग्य का भारत की पोतलवान क्षेत्र के माध्यम के आधार पर आयात निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड-1) की प्रबंध के दौरान आयात करना अनुमित होगा यदि मर्च खुले सामान्य लाइसेंस से नहीं बचता जाता। तथापि पक्के भावेष अपरिवर्तनीय खोले गए साक्ष्य-पत्र द्वारा समर्थित और 28 फरवरी, 1993 से पहले स्थापित भावेषों के बारे में उनका पोतलवान 30 जून, 1993 तक हो सकता है।

(34) उपर्युक्त शर्तें सं. 32 में की गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मर्च के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले प्राप्त आयातकों द्वारा खोले गये और स्थापित किये गये अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र द्वारा समर्थित पक्के भावेषों के मर्च पोत लदान किया जाना चाहिये। ऐसे संरक्षण के लिए अपरिवर्तनीय साक्ष्यपत्र के प्रतिरिक्त अन्य कोई पक्की व्यवस्था नहीं होगी।

(35) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(36) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आधार/अनुपालन से किसी समय भी उपभुक्ति, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो इसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिये लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिये।

टिप्पणी :—इस भावेष के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग बर्थ" और "अगला "लाइसेंसिंग बर्थ" का जहां भी "अमल" घाता है उसका बही भर्ष है जो 1990-93 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

ह.

तेजेश्वर शर्मा

मुख्य निबंधक, आयात एवं निर्यात

([फाइल सं. आई पी सी/3/5/90])

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार विनियम

आदेश सं. 2/90-93

नया सामान्य लाइसेंस सं. 2/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

नम. आ.—आयात-निर्मात (निर्माण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई आर्थिक सूचना द्वारा यथासंशोधित 1990—93 (खण्ड 1) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-1, भाग ख में विनिश्चित विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च 1993 तक निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयातक, मूल्यांकन, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पूंजीगत एक ऐसा वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक या अर्ध-औद्योगिक) हो जिसे ऐसी मशीनों को अपने मशीन कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसरों में "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन आवश्यकता हो। पूंजीगत माल के आयात की सुविधा आयात पत्र धारक मशीनों को भी उपलब्ध है।
- (2) इस प्रकार आयातित माल नया होगा।
- (3) (1) विशेष श्रेणी के लिए सूचीबद्ध पूंजीगत माल उसी श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा आयात किया जा सकता है तथापि, 'मशीन उपकरण', 'मापक यन्त्र', 'औद्योगिक उपकरण', 'पेकिंग मशीनों' एवं विविध मशीनों के अन्तर्गत आने वाली मशीनों का आयात सभी वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा कूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया जा सकता है। यदि वास्तविक उपयोगिता कूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किसी अन्य श्रेणी द्वारा आयात के लिए अनुमति पूंजीगत माल का आयात करने का इच्छुक है तो उसका आयात मूल्यांकन, तकनीकी विकास से इस प्रमाण पत्र के आधार पर सीमा शुल्क द्वारा अनुमति किया जाएगा कि यह माल उसके अपने कारखाने में उपयोग के लिए अर्पित है।
- (2) परिशिष्ट-1, भाग-ख की प्रविष्टि सं. 2(1) के अधीन क्रम सं. 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 88, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 और 135 के अधीन सूचीबद्ध मशीन उपकरणों के आई सी/आई/एन सी।
- (3) "कूले और कलाई मशीनों" के आयात की केवल उन्हीं मशीनों की अनुमति होगी जो पिछले दो वर्षों में संबंधित उत्पाद का निर्यात 20% (मूल्य तथा मात्रा) तक कर रहे हैं। इस आयात का वस्तुस्थिति से एक प्रमाण पत्र शुल्क प्राधिकारी को समक्ष प्रस्तुत करना होगा।
- (4) पुराने पूंजीगत माल/कम्प्यूटर/कम्प्यूटर बस सिस्टम पैरीकेरल/कूले सामान्य लाइसेंस के अधीन का आयात अनुमति नहीं दिया जाएगा।

() अतिरिक्त पुर्त (जहाँ अनुमति या प्रतिबन्धित विवरण के) जिसमें मुख्य उपकरण के मूल्य के 15% तक का साक्षि और टूलिंग भी शामिल है का आयात भी कूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया जा सकता है। यदि ऐसे अतिरिक्त पुर्त, उपसाक्षि और टूलिंग 15% से अधिक मूल्य के लिए अर्पित है, तो वास्तविक उपयोगिता ने उस वास्तविक मूल्य की निविष्ट करते हुए जिसके लिए कूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मुख्य उपकरण के अतिरिक्त पुर्त/उपसाक्षि/टूलिंग के आयात की अनुमति दी जा सकती है कि लिखित अनुमति मूल्यांकन, तकनीकी विकास से प्राप्त करनी चाहिए और उसे भिन्नाई के लिए सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाए।

- (5) अतिरिक्त पुर्त, उपसाक्षि और टूलिंग या तो मुख्य उपकरण के साथ या उनके बाद आयात किए जाने के लिए अनुमति दिए जाएं, लेकिन मुख्य उपकरण के पहुंचने से पहले नहीं।
- (4) विद्यार्थी पूंजीगत माल के आयात द्वारा आर्बेन का उत्पादन लाइसेंस/प्राधिकृत श्रमता से अधिक नहीं होगा।
- (5) आयातित माल की निर्यात के समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) को सीमाशुल्क प्राधिकारियों के दृष्टान्त एवं स्थापना अधिनियम, निम्न अधिनियम अथवा संबंधित स्थानीय कानून जिनके द्वारा उनकी आयात करने का हक है, के अन्तर्गत वर्तमान बंध पूंजीगत प्रमाण-पत्र मूल रूप में अथवा छोटी प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
- (6) माल की निर्यात के समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) प्रायोजक प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के रूप में अपने औद्योगिक लाइसेंस आयात-पत्र पंजीकरण का बीड़ा देते हुए अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की मंजूरी और दिनांक और विनिर्माण की अन्तिम उत्पाद (द) और यह पुष्टि करते हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस आयात-पत्र पंजीकरण से तो रद्द किए गए हैं या वापस लिए गए हैं या अन्यथा रूप से प्रयत्न में है और (2) आयातित माल औद्योगिक एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों के बिल्कुल अनुसार है, एक घोषणा-पत्र सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संज्ञा नहीं दी गई है, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारी की मनुष्टि के लिए इस सम्बन्ध में

अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करते होंगे कि वह लाइसेंसधारी है औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

- (7) ऐसा आयात किया गया माल बहिष्कृत अथवा किसी में बंधाया या विनिर्मित किया गया हो।
- (8) खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति मशीनरी और उपकरण का पोतखदान आयात और निर्यात वर्ष 1990-93 की अवधि के दौरान जब तक कि सब को खुले सामान्य लाइसेंस से छूट नहीं दिया जाना, अनुमित है। ऐसे मामलों में जहाँ पक्की संविदा मिल गई है और किसी मुद्रा जोखर (रिस्क) के साथ 28 फरवरी 1993 से पूर्व पंजीकृत की गई है तो पोतखदान 31 मार्च 1994 तक किया जा सकता है। विशेष मामलों में जहाँ माल की डिलीवरी का समय अधिक लम्बा हो, मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात, यदि किसी खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत पोतखदान की निधि को आगे बढ़ा सकते हैं।
- (9) उपयुक्त शर्त (8) के होते हुए भी यदि सरकारी राजपत्र में लोकहित में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना द्वारा किसी मद को खुले सामान्य लाइसेंस से निकाला जाता है। सरकार यह अधि-

कार सुरक्षित रखती है कि उस समय सीमा, जो कि नई पक्की संविदा के सबे पोत खदान किया जाना चाहिए और सार्वजनिक सूचना को जारी करने की तिथि से पूर्व विदेशी मुद्रा बैंक के साथ पंजीकृत होना चाहिए, को निर्धारित कर सकती है।

- (10) यह लाइसेंस आयात (निबंधन) आदेश 1936 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (11) यदि किसी माल के आयात के समय उनके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो यह लाइसेंस का उसकी प्रायोग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (12) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) आयातक का किसी ऐसे आयात अनुपालन से किसी समय जो उम्मुनि, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करते हैं। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

ह -

(सिरोमूख खन्ना)

मुख्य निर्यातक - आयात-निर्यात

(फाइल नं०--आईपीसी-3/8/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं 3/90--93

खुला सामान्य लाइसेंस सं 3/90

नई दिल्ली 30 मार्च, 1990

का आ-1 अप्रैल 1990 से 31 मार्च, 1993 तक आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिण अफ्रीका और फिजी संघ को छोड़कर विषय के किसी भी देश से सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा-संशोधित 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक की आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 4, 9 या 10 में प्रवृत्त वस्तुओं से निम्न प्रयोजित प्रतिरिक्त पुर्जों के रूप में अपेक्षा: सभी अनुमेष पुर्जों, जो वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा अपने निजो उपयोग के लिए उपयोगियों, प्रमुखी उपकरण, निर्यात और प्रयोगशाला, उपकरण और सुरक्षा उपकरणों सहित, लाइसेंसिंग दर्ज के अग्रिम माह की पहली तिथि को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुक्षण के लिए अपेक्षित हों, वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक अथवा गैर-औद्योगिक) द्वारा उनके आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की आवश्यक अनुमति होती है:—

(1) वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा-शुल्क अधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंसों पंजीकरण प्रमाण-पत्रों अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस औद्योगिक एकक के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारों के पास पंजीकरण की संख्या दिनांक और बिनिमित्त अन्तिम उत्पाद का विवरण देने हुए एक ऐसा घोषणा-पत्र देते जिससे इस बात की पुष्टि होती कि ऐसा लाइसेंस अंशिक रूप से नहीं किया गया है अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अन्यथा रूप में उपयोग नहीं किया गया है। जिस मामलों से सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा पृथक पंजीकरण संख्या आवंटित नहीं की गई है, आयातक सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की सन्तुष्टि के लिए अन्य कोई प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंसधारी औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।

(2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (गैर-औद्योगिक) इकटान और स्थापना अधिनियम, सिनेमाटोग्राफिक अधिनियम, अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण-पत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति जो उनको आयात के लिए अधिष्टान करनी हो, सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।

(3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमेष प्रतिरिक्त पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य के 5 प्रतिशत पर या दो सी बिनिमित्त संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 2 प्रतिशत अथवा संगणक जो कि फोटो बनाने वाली मशीनों का एक अभिन्न अंग है, के 5 प्रतिशत

पर दी जाएगी। आयातित माल की निकासी के समय जैसे भी मामला हो, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी को सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या सम्बन्धित प्रायोजित प्राधिकारी की लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली के खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणा-पत्र भी देना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जाती है उसके लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य अनुमेष सीमा से ज्यादा नहीं हो। सनदी लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

(4) कम्प्यूटर सैटोनेस का खोरेखन सि (सीएससी) पुराने और री-कॉन्फिग पुर्जों उपभोग्य और तकनीकी प्रतिक्षण माल का आयात, आयातित कम्प्यूटर सिस्टम के लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य की पाँच प्रतिशत के समग्र मूल्य के भीतर अपनी जिम्मेदारी में अनुरक्षित किए जाने वाले या ऐसे मालिकों द्वारा मनीटर, किए जाने वाले इसी प्रकार के सिस्टम जो कि अपने को सी. एस. सी. के साथ पंजीकृत कराएँ। आयातित माल की निकासी के समय सी. एस. सी. को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को सनदी लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (कार्यरत) का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें उनकी अपनी जिम्मेदारी के अन्तर्गत अनुरक्षित आयातित कम्प्यूटर सिस्टम या सी. एस. सी. के साथ पंजीकृत स्वामियों द्वारा अनुरक्षित इसी प्रकार के सिस्टमों का लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य दिया गया हो।

(5) राज्य बिजली बोर्डों, परियोजनाओं और नपक्रमों, जो बिजली उत्पादन और वितरण के कार्य में लगे हैं, पल्लव व्याम और सिवई विभाग परियोजनाएं बिनागोय उपक्रम भी खु. सा. ना. के अधीन आयातकालीन प्रतिरिक्त पुर्जों (अनुमित और गैर-अनुमित प्रतिरिक्त पुर्जों दोनों) बिना मंत्रालय या प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा बिदेशी मुद्रा की रिहाई के अर्थाधीन आयात कर सकते हैं। तथापि, यदि ऐसे आयातों के प्रतिरिक्त पुर्जों का मूल्य 25 लाख रु० से अधिक हो तो उसकी सूची महा-निदेशक, तकनीकी विकास से सांख्यिकीय करवाती अपेक्षित होगी।

(6) उपर्युक्त किसी बात के बावजूद भी, उपर्युक्त 3 में उल्लिखित अन्य शर्तों के अद्याधीन कम्प्यूटर सिस्टम के मामले में गैर-अनुमेष पुर्जों के आयात की अनुमति भी समय सीमा के भीतर दी जाएगी।

- (7) वे सघु क्षेत्र के एकक जिनके पास सम्बन्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के प्रतिम पंजीकरण हैं, वास्तविक उपयोक्ताओं को ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इन लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र होंगे।
- (8) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखाणा और ऐसे लेखों को लाइसेंस अधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारियों को उनके द्वारा विशिष्टीकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 3 में शर्त 1 के भी अधीन होगा।
- (10) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजी में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (11) खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमित ऐसे माल का पोतलदान आयात-निर्यात सीति, 1990-93 की अवधि के दौरान यदि ये आइटम खुले सामान्य लाइसेंस, से बच न दिए गए हों, किया जा सकता है। उन मामलों में जहाँ पहले ठेके कर लिए गए हैं और विदेशी मुद्रा बीलर (बैंक) के पास 28 फरवरी, 1993 से पहले पंजीकृत करा लिए गए हैं, पोतलदान 31 मार्च, 1994 तक किया जा सकता है। उन विशिष्ट मामलों में जहाँ किसीवरी अवधि लम्बी हो, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आगे पोत लदान की तिथि में वृद्धि कर सकते हैं।
- (12) उपर्युक्त शर्त सं. (11) में की गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से की गई किसी भी मव के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिबर्तनीय साख-पत्र द्वारा समचित पक्के आदेशों संविदा बंधनों कि प्रस्ताधीन संविदा सार्वजनिक सूचना जारी होने से पूर्व किसी विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के पास विधिवत् रूप में पंजीकृत हो या फर्म के मदे पोतलदान किया जाना चाहिए। आदेशों की अन्य किस्मों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (13) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस को उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (14) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) और औद्योगिक आयातक को किसी ऐसे आभार अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधान की अनुपालना करनी चाहिए।

ह. -

(लेजिस्ल ब्राना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(आई. पी. सी. फाइल सं.-3/5/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 4/90-93

कुशा सामान्य लाइसेंस सं. 4/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का. आ. —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1988 से 31 मार्च, 1990 तक सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित नीचे विशिष्टीकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

1. विदेश में मरम्मत के पश्चात् लागत-बीमा-भाड़े के आधार पर निशुल्क अथवा भुगतान (लागत-बीमा भाड़ा) पर जो कि आयातित मशीनरी (इलेक्ट्रॉनिक और कम्प्यूटर उप-जुड़नारों के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का 30 प्रतिशत) के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत से अधिक न हो अथवा एक लाख रुपए, इनमें से जो भी कम हो, मर्वों का (टिकाऊ उपभोग्य को छोड़कर) पुनः आयात किया जा सकता है बशर्ते कि सीमा शुल्क प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट हो कि पुनः आयातित मल वही है जिसकी विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।

2. 2,000 रुपए मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची पदों और परिपक्वों के मुक्त उपहार।

3. मशीनरी और संयंत्र स्थानों कार्य और निर्माण, अनुसंधान आंकड़ों से संबंधित वे जाके और ड्राइंग (माइक्रोफिल्म सहित) जो मुक्त में संचारित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।

4. एक प्रेषण में अधिकतम 20,000 रुपए के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुक्त में संचारित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मछु मक्खियाँ, चाय और नए शेष ज शामिल नहीं हैं।

5. वास्तविक तकनीकी तथा चाय के व्यापारिक नमूने जो 1000 रु. लागत भाड़ा मूल्य से अधिक न हों और एक परेषण में हों चाय बोर्ड, कलकत्ता की सिफारिश पर मुक्त सप्लाई किए जा सकते हैं तो उसकी सिफारिश को माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा।

6. मुक्त में संचारित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही परेषण में 2,000 रुपए के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से अधिक न हो।

7. विदेशी संचारिकों द्वारा मुक्त में संचारित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए क्षतिपूर्ण या अनुप-युक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो टूट-फूट गया हो, उसके बदले में किसी बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री और विनिर्मिता के खाने के मद्दे आयातित माल बशर्ते कि —

(क) प्रतिस्थापन वाले माल का पोत लवान पहले आयात किए गए माल के सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी की विधि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 मशीनों से अधिक हो तो पोत लवान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो;

(ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस शर्त पर किया गया हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए बीमा और या भाड़े का भुगतान करेगा और धन परेषित करते समय स संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धन-परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे:—

(1) मुक्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष्य के रूप में बहुप्रवर्धित करते हुए मूल पत्र-कि माल मुक्त संचारित किया जा रहा है।

(2) लाइसेंस एजेंट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक के सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वावलम्बी, समदो इंजी-नियर (या सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाण-पत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में क्षतिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी;

(3) जिस मामले के उपर्युक्त उप खंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोत लवान किया गया हो तो उस मामले में मशीनों या उनके पुर्जों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रवर्धित करते हुए साक्ष्य;

(4) नए सिरे से धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कम्पनी द्वारा मांगे गए भुगतान का साक्ष्य। लेकिन, यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा बशर्ते कि प्रेषित धन की प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कम्प

द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक की दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में 2 प्रतिशत की वृद्धि की अनुमति प्रति-स्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

8. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी शर्त के अधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित भेषज और औषधियाँ/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन मांग का निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

9. विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को मुफ्त में संभरित भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक वर्ष के लिए लागत-सीमा-भाषा मूल्य में 10 हजार रुपये अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के लिखित सिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

10. भारत के औषधि नियंत्रक नई दिल्ली की लिखित सिफारिश, माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा।

11. पशुपालन सामुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की सिफारिश पर मुफ्त अथवा भुगतान पर भेजे गए पशु टीके जिसमें मुर्गी पालन-टीके भी शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।

12. कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गये पंजीकरण के आधार पर और कीटनाशी अधिनियम, 1968 की अनुसूची के सम्मिलित भवों के संबंध में समिति द्वारा बिगिष्ट रूप में उल्लिखित मात्रा तथा उक्त अधिनियम की अनुसूची में सम्मिलित भवों के संबंध में भारत सरकार के संयुक्त सुरक्षा सलाहकार के लिखित अनुमोदन पर मुफ्त संभरित किए गये कीटनाशी (महामारी

और घातपात नाशी सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने माल के समाशोधन के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।

13. उपर्युक्त क्रम सं. (5), (10) से (12) में दर्शाई गई भवों के संबंध में, जहाँ पर भवें मुक्त में भेजी गयीं हों, अनुमोदित माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पैकिंग में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ-साफ प्रक्षारों में नमूने बिर्का के लिए नहीं, प्रकृत होगी।

14. इस लाइसेंस के अंतर्गत आयातित व्यापार सूची-अल एवं परिपक्व खाके एवं ड्राइंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने के आयात के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्यथा रूप से हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

15. इस व्यवस्था के अंतर्गत व्यापार नमूनों के रूप में अंतिम उपभोक्ता माल के आयात की अनुमति नहीं दी जायेगी तथापि औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण/प्राशय-पत्रधारण वास्तविक उपभोक्ता इसके अतिरिक्त के लिए ऐसी भवों को तकनीकी के रूप में आयात करने के लिए प्राप्त होंगे।

16. यदि किसी भाल के आयात के समय उसके आयात का प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो उस आदेश का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

17. प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपभोक्तार्यों (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आयात/अनुपालन से किसी समय भी उत्थुम्कित, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करते हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

ह./-

(सेक्टर खाना)

सूक्ष्म नियंत्रक, आयात-निर्यात

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं 5/90-93

न्यूसा सामान्य लाइसेंस सं० 5/90

नई दिल्ली, 30 मार्च 1990

का. धा. आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) का धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय एट्ठद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी

- (i) भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विकास यूनितें ।
- (ii) केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विज्ञानिक अथवा अनुसंधान प्रयोगशालाएं, उच्च शिक्षा संस्थान तथा अस्पताल ।
- (iii) भारत सरकार द्वारा स्थापित टैस्ट हाउस औद्योगिक मानक श्रृंखलों (बी आई एस) द्वारा मान्यता प्राप्त ।

को उसके द्वारा अपेक्षित कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों, मशीनरी उपकरण, यंत्रों, उपसाधकों और अतिरिक्त पुर्जों की भर्तों का दक्षिण अफ्रीका और फिजी संघ को छोड़कर किसी भी देश से । अप्रैल, 1988 में 31 मार्च, 1990 तक भारत में आयात के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है : -

- (1) आयात निकासी के समय सीमा शुल्क अधिकारियों की केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार जो भी हो, द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देते हुए और यह घोषणा करते हुए कि आयातित मर्चे, उनके निजी उपयोग के लिए अपेक्षित हैं, एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे । अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, वह यह भी घोषणा करेंगे कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है ।
- (2) भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विकास यूनितें भी प्रतिबंधित कृत्वियों में लिए गए पूंजीगत माल तथा उपकरणों को अनुसंधान एवं विकास के उद्देश्य के लिए आयात करने के लिए पात्र होंगी । अनुसंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए अपेक्षित व्यवसायिक ग्रेड उपभोक्ता माल का आयात भी खूबे सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आयात किया जा सकता है बशर्ते कि एक वर्ष में एक सम्बर से अधिक कोई आइटम आयात किया जाए और उस एकल आइटम का मूल्य 5 लाख रुपये से अधिक न हो । अनुसंधान और विकास संस्थान के प्रधान को यह प्रमाणित करना अपेक्षित होगा कि पूंजीगत माल और उपकरणों की प्रतिबन्धित मर्चे आयात आयात किए जाने वाले व्यवसायिक ग्रेड उपभोक्ता इरेबल्स का आवश्यकता अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिए अपेक्षित हैं ।

- (3) इस प्रावधान के अन्तर्गत पुराने मशीनरी का आयात अनुमति नहीं किया जाएगा ।

- (4) कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सब-सिस्टम/कम्प्यूटर, पेरिफेरल्स का आयात भी इलेक्ट्रॉनिकी विभाग से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् खूबे सामान्य लाइसेंस के अधीन किया जा सकता है । तथापि, सभी व्यक्तियों द्वारा खूबे सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत अनुमति कम्प्यूटर और कम्प्यूटर सिस्टम के आयात के लिए इलेक्ट्रॉनिक विभाग को पूर्व-स्वीकृति लेनी आवश्यक नहीं होगी ।

- (5) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजी में न किया गया हो ।

- (6) व्यवसायिक ग्रेड उपभोक्ता इरेबल्स के अतिरिक्त कार्यालय मशीनों और उपभोक्ता माल का आयात करना अनुमति नहीं होगा ।

- (7) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजनार्थ किसी भी प्रकार के जीवित एवं तनुकारी साइकोडार्गैनिज्म के आयात के मामले में, सीमाशुल्क निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि विभाग के पशुपालन प्रायुक्त को पूर्व अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए ।

- (8) आयातक पतन से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतिक प्राधिकारों को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इसके अधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेंगे : -

- (1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली एवं मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को भी इसकी सूचना दी जाए ।

- (2) इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के संबंध में, इलेक्ट्रॉनिक विभाग दिल्ली को ।

- (3) तकनीकी विकास महानिदेशालय नई दिल्ली को उन मामलों में जिनमें एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो ।

- (4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हो, के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबद्ध प्रशासकीय महालय को ।

- (9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची-5 में वर्णित है । के भी अधीन होगा ।

- (10) ऐसा माल बिना किसी रिवावर्ता अर्थात् के, चाहे वह अथवा कुछ भी हो 31 मार्च 1993 को या उसके पहले भारत को लौटाने पर बिना गया हो अथवा फरवरी 1993

की अंतिम तिथि को या उससे पहले की गई और विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की संबंधों के मद्दे/मसीनरी/उपस्कर/अतिरिक्त पुर्जों के मामले में अगले 31 मार्च 1994 को अथवा इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से संचालन कर दिया गया हो।

- (11) उपर्युक्त शर्तें सं० 10 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राज्य में सार्वजनिक सूचना जारी करके कुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मश के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाठ आयातकों द्वारा जोड़े गए और स्थापित किए गए अपरिचालनीय साखपत्र द्वारा समर्पित पक्के प्रारिक्तों के मद्दे पीतलदान किया जाता चाहिए। अन्य प्रकार के प्रारिक्तों के मामले में ऐसी कोई सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

- (12) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (फीसोमिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

हो/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 6/90-93

शुद्ध सामान्य लाइसेंस सं० 6/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का० प्रा० आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन वक्षिण अफ्रीका सघ/किजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के द्वारा यथासंशोधित आयात एवं निर्यात प्रति 1990-93 (खंड 1) के परिशिष्ट-3 में निहित संबद्ध मदों के सामने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) प्रतिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में बिष्ट-कृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिया की गई विदेशी मुद्रा के भंडे किया जाएगा।
- (2) आयातित माल का वितरण संबद्ध सरणीबद्ध प्रतिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल वक्षिण अफ्रीका सघ/किजी में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के जाहे जो कुछ भी हो 30 सितम्बर, 1994 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। बशर्ते कि 31 मार्च 1993 को या इससे पहले उसके आदेश कर दिए गए हों।
- (5) उपर्युक्त शर्त सं० 4 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके बुले सामान्य लाइसेंस में से की गई किसी भी मद के मामले में

सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिबर्तनीय साक्ष्यपत्र द्वारा समर्पित उसके आदेशों के मद्देपोल्लक्षण किया जाना चाहिए।

- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (7) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आयात या ऐसी किसी भी शर्त का अनुसरण करने से किसी भी समय उग्रभुक्ति, रियायत या कील प्रदान नहीं करता है जिस आयात या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

हं/-

(तज्ज्ञ अना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फाइल सं० आर.पी.सी. 3/5/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार निबंधन

आदेश सं० 7/80-93

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 7/90

नई दिल्ली, 30 मार्च 1990

का०आ० आयात निबंधन (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिम्मे, जुड़नारों, मोल्डस, डाइज एवं पेटर्न (रंगीन रोलर डाईज सहित), मोल्डस (डायो क्रामिक के लिए मोल्डस सहित) और प्रेस सहित (और प्रेस औजारों) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा व्यापारसंशोधित [1990-93 की आयात निबंधन नीति (खंड-1) के परिशिष्ट-1, भाग क, 2 और 3 भाग क में प्रवर्गित से भिन्न] और उनके पृष्ठों के भारत में आयात की सामान्य, अनुमति 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च 1993 तक दक्षिण अफ्रीका संघ/फिजो को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है:—

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मर्दों की आवश्यकता रखते हुए, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या संबद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, को भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) हो,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा।
- (3) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण प्रस्ताव औद्योगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोगिता को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण संख्या तथा दिनांक और विनिर्दिता अंतिम उत्पाद के व्योरे देते हुए संबद्ध वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संबद्ध सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शपथ देते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है, जिन मामलों में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रलग पंजीकरण संख्या प्रार्थित न की गई हो उनमें आयातक संभा शुल्क प्राधिकारियों की संपूर्ण के लिए अन्य उचित माध्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (5) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजो में उत्पादन या विनिर्मित न हों।

(6) ऐसे माल का पोतलवान 31 मार्च, 1993 को या इससे पूर्व भारत को प्रेषण के अधीन से या फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पहले छोले गए अपरिवर्तनीय साक्षपत्रों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे 31 मार्च, 1994 को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किसी क्रिम की रियायती प्रवृत्ति की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

(7) उपर्युक्त शर्त संख्या 8 में दी गई व्यवस्था के बावजूद की लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके बुले सामान्य लाइसेंस में से नी गई किसी की मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पत्र आयातकों द्वारा छोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष पत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे पोतलवान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

(8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे वाणिज्य या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई अनुमति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इस लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

ह०/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फाइल सं० 3/8/90 आई०पी०सी०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-व्यापार नियन्त्रण

आवेदन सं. 8/90—93

खुला लाइसेंस सं. 8/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का.भा. आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग (प्रो.एन.जी.सी.), आयल इंडिया लि., भारतीय गैस प्राधिकरण लि., में भारत स्वर्ण खान लि. और भारतीय रेटेल प्राधिकरण लि. (एस.ए.आर.एल.) द्वारा कच्चे माल की मदों, संघटकों, उपभोग्य मशीनरी, उपकरण और यन्त्र, उपसाधकों, औजारों और प्रतिरिक्त पुर्जों (किन्तु उपभोग्य माल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो) भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

(1) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (प्रो.एन.जी.सी.), आयल इंडिया लि. और भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमित मदें वे होंगी जिनकी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन तेल उद्योग में देशीय क्षमता के दृष्टिकोण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देशीय दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। इसके लिए साक्ष्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। नीचे (4) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी। परिशिष्ट-1 भाग ख में दी गई मशीनरी, और अनुमेय प्रतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए तेल उद्योग में देशीयकरण पर अधिकार प्राप्त समिति की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) मैसेस भारत स्वर्ण खनिज लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमित की गई वे मदें होंगी जिनकी महानिदेशक तकनीकी विकास नई दिल्ली ने देशीय दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। परिशिष्ट-1, भाग 'ख' में दी गई मशीन तथा अनुमेय प्रतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए स्वदेशी दृष्टिकोण से निकासी आवश्यक नहीं होगी। समूची इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जें हैं, तथा दूरसंचार उपकरण शामिल हैं किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) के अन्तर्गत आने वाले दूरसंचार उपकरणों के अलावा आयात केवल इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा अनुमति देने के पश्चात् ही अनुमित किया जाएगा। यदि ऐसे निर्यातों का मूल्य 25 रु. से अधिक होगा तो पैरा 6(17) के अन्तर्गत आने वाले दूर संचार उपकरणों के लिए दूर संचार विभाग (दूर संचार समिति) की पूर्ण अनुमति आवश्यक होगी। इस बारे में साक्ष्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों का प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. द्वारा आयात के लिए अनुमित मदें वे होंगी जो दुर्गापुर, राउरकेला और बुरनपुर (भारतीय लोहा एवं इस्पात कम्पनी में) इस्पात संयंत्रों की परियोजनाओं के प्राधुनिकीकरण के लिए अपेक्षित हैं और जो स्वदेशी कोण से संचित की अपेक्षता (इस्पात) के अन्तर्गत अधिकृत समिति द्वारा मुक्त हैं। इस प्रभाव का

प्रमाण सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। परिशिष्ट-1, भाग-ख और अनुमित प्रतिरिक्त पुर्जों में दी गई मशीनरी के आयात के लिए स्वदेशी निकासी अपेक्षित नहीं होगी। आयात केवल इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मुक्त विदेशी मुद्रा के मदें ही किया जाएगा। परिशिष्ट-1 भाग-ख और अनुमित प्रतिरिक्त पुर्जों में दी गई मशीनरी के आयात के लिए अधिकृत समिति द्वारा निकासी आवश्यक नहीं होगी।

(4) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मदें किए जाएंगे लेकिन नीचे के पैरा (5) और (6) में आने वाले को छोड़कर।

(5) जहां सविन संविदाएं उस विदेशी टेकदार को दी गयी हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, बशर्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाता हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, मैसेस आयल इंडिया लि./भारतीय गैस प्राधिकरण लि. यह बचन दे कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे उन मुद्रों जिनकी खपत अथवा अप्रत्यक्ष गुम अथवा खराब अथवा स्क्रैप हो चुकी हैं, को छोड़कर जिन्हें तेल और प्राकृतिक गैस आयोग, भारतीय तेल लि. तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा प्रमाणित किया गया हो। यदि आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या कैमरा जो किसी मद के साथ जुड़ा हुआ हो और जो उसके पुर्जों के रूप में हो तो ऐसी कंप्यूटर हार्डवेयर का आयात, प्रो.एन.जी.सी. मुख्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए गए बचन के अधीन होगा।

(6) जहां सर्वश्री मजगांव डाक्स लि. अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपक्रम की आफ-शोर/ग्रान-शोर संविदा दी जाती है और विदेशी इंजीनियरों/विशेषज्ञों की सेवाएं कार्यों की पूरा करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनियरों/विशेषज्ञों, कार्यों के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपस्कर लाते हैं, बशर्ते कि (क) विषयाधीन माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मजगांव डाक्स या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है कि आयातित औजार यंत्र और उपस्कर उन कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।

(7) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।

(8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

(9) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ में और फिजी में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।

(10) भारत को ऐसे माल का लघान बिना किसी रियायती प्रमाप्ति के धाहे जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और अतिरिक्त पुर्जों के मामले में इसका लघान लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत की गई पक्की संविदा के मद्दे भगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।

(11) उपर्युक्त शर्त सं. 10 में दी गयी व्यवस्था के बावजूद भी लोकाहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खोले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मर्च के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले कच्चे मांस, सघटकों और उपभोग्य के मामले में खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख्यपत्र द्वारा समर्पित पक्के आदेशों के मद्दे और पूंजीगत माल और अतिरिक्त पुर्जों के मामले में विदेशी मुद्रा व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत किए गए पक्के डेके के मद्दे पोत-सदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

(12) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी विशेष प्रचारा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आश्चार या ऐसे किसी भी शर्त का पालन करने के किसी भी समय उन्मुक्ति रियायत या वोल प्रदान नहीं करता है जिस आश्चार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उसमें लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह/-

(तंजपुर प्रान्त)

मुद्रा नियंत्रक आमान नियंत्रित

(फाइल सं०--आई० टी० टी०-3/5/90)

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० ७/७०—७३

खुला सामान्य आदेश सं० ७/७०

नई दिल्ली, ३० मार्च, १९७०

का०आ० आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १८) के खंड-३ द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन १ अप्रैल, १९७० से ३१ मार्च, १९७३ तक एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइन्स वायुयुक्त लि० पब्लिक्स लि० और अन्य उन एयर लाइनों को जो आई ए टी ए के सदस्य हैं, और इसके अन्तर्गत विशिष्टीकृत श्रेणियों को अतिरिक्त पुर्जों, उपभोग्य सामग्री १९७०-७३ (खंड-१) को आयात-नियंत्रण नीति के परिशिष्ट-५ भाग-ख के अन्तर्गत आने वाली ग्रीज और स्लेट्स को छोड़कर एयरक्राफ्ट के टायर और द्रव्य, पुस्तिकाओं तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संचालित और रक्षित एयरक्राफ्ट के फ्लीट के सम्बद्ध निर्देशन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है:—

१. कोई भी उपभोग्य सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार से उल्लेख क्यों न किया गया हो, इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
२. आयातित मर्चे "वास्तविक उपयोक्ता शर्त" के अधीन होंगी।
३. निकासी के समय आयातक एयरलाइन्स और आई ए टी ए के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के व्योरो को दशति हुए सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
४. एक्जीक्यूटिव/ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट के मालिक चाहे निजी या सार्वजनिक क्षेत्र के हों, खुला सामान्य लाइसेंस के अधीन अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए, सीमाशुल्क को इस आशय का साक्ष्य प्रस्तुत करने पर, अतिरिक्त पुर्जों (अनुभेय और प्रतिबंधित वॉमों) का आयात कर सकते हैं, कि अतिरिक्त पुर्जों के आयात की निकासी महानिदेशक नागरिक उड्डयन, नई दिल्ली से कर दी है।
५. आयातित माल दक्षिण अफ्रीका सच और फिजी से और या वहाँ उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।

६. भारत को माल का लवान बिना किसी रियायती प्रवृत्ति के चाहे जो कुछ भी हो ३१ मार्च १९७३ को या इससे पूर्व परेषण माध्यम से कर दिए जाते हैं।
७. उपर्युक्त शर्त सं० ७ में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाले आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साक्ष्य द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के मद्दे पोल लवान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।
८. यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश १९५५ की अनुसूची-५ की शर्त-१ के अधीन होगा।
९. इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
१०. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है, जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हों आयातकों को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह०/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फाइल सं०—आई०पी०सी०-३/५/७०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

घावेण सं० 10/90--93

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का० भा० आयात तः 11 नियति (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में एक सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित इसमें संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट वस्तुओं की मर्यादा, प्रत्येक मर्यादा के सामने संकेतिक पात्र वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिणी अफ्रीका संघ/किजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने को सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मर्यादा के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा;
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिकित्सा औजार आदि वैज्ञानिक औजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा शुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा पत्र देगा।
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के अतिरिक्त पुर्जों के मामले में आयातक की सीमा शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अद्यतन भुगतान/छूट के साथ सहित, संबंधित वाहन या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा।
- (4) पुराने कम्प्यूटर/कम्प्यूटर वैरुद्ध सिस्टम का आयात अनुमित नहीं किया जाएगा।
- (5) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के जाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हों,
- (6) उपर्युक्त शर्त सं० (5) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मर्यादा के सामने में, सरकार को ऐसी सख्त सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय मात्रा पत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेशों के अतिरिक्त-संज्ञा किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।
- (7) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की अर्ध-1 के अधीन होगा।

- (9) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अवस्था उसके आयात को प्रभावित करने वाला विधायक इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।
- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना पड़ेगा।

ह०/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(क्राइस सं० आई०पी०सी० 3/5/90)

खुले सामान्य लाइसेंस सं० 10/90, दिनांक 30 मार्च, 1990
लिए अनुसूची

सं०	मर्यादा	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3
1.	मेघज और औषध	(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।
		(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा, और
		(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय

1	2	3
		में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य पच्चीस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
2. (क) चिकित्सा जिसमें शल्य चिकित्सा आण्टिकल और दस्त चिकित्सा संबंधी औजार, उपकरण और यंत्र और बथलाई के पुर्जे और उनके अनुषंगी एवं दस्त चिकित्सा सामान भी शामिल है।	(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान बार लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।	
(ख) आयात निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 6 की सूची में दर्शाई गई शल्य चिकित्सा के लिए सोवत और सुइयाँ	(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।	
3. एक्स-रे-इन्टेंसिफाइंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।	
4. वैज्ञानिक और मापन औजार एवं रसायन	विज्ञान तकनीकी इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्र के इंजनों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में बीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।	
5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन	राज्य औद्योगिक नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में पचास हजार रुपये (लागत बीमा भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औद्योगिक तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण उपयोग-मालाएँ।	
6. मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के प्रतिरिक्त पुर्जे	(i) वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान दस हजार रु० लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक।	

1	2	3
		(ii) वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपये लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक।
7. अभ्यवसायी रेडियो संचार उप-स्कर जिसमें किट्स, उपसाधित (ग्रन्टीना, रोटरी मोटर, फीड लाइन, स्टेडिंग वेव रेडियो फ़िज सहित) यंत्र, प्रतिरिक्त पुर्जे और संघटक शामिल हैं। उपस्कर निम्नलिखित फ्रीक्वेंसी रेंज और पावर सीमाओं के भीतर समरूप हों।		लाइसेंसधारी रेडियो अभ्यवसायियों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य बीस हजार रुपये से अधिक न हो भारत सरकार संचार मंत्रालय वायरलेस योजना एवं समन्वय स्कन्ध की पूर्ण अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।

I. हाई फ्रीक्वेंसी बैंड (एच एफ)

1820 -- 1860 किलो हर्ट्ज	150 वाट
3500 -- 3708 किलो हर्ट्ज	150 वाट
3890 -- 3900 किलो हर्ट्ज	150 वाट
7000 -- 7100 किलो हर्ट्ज	150 वाट
14000 -- 14350 किलो हर्ट्ज	150 वाट
18068 -- 18168 किलो हर्ट्ज	150 वाट
21000 -- 21450 किलो हर्ट्ज	150 वाट
24890 -- 24990 किलो हर्ट्ज	150 वाट
28000 -- 29700 किलो हर्ट्ज	150 वाट

II. बेरी हाई फ्रीक्वेंसी (बी एच एफ)

फ्रीक्वेंसी रेंज	माउंट-पुट निमित
144 -- 146 मेगा हर्ट्ज	25 वाट

III. मस्टा हाई फ्रीक्वेंसी (यू एच एफ) माइक्रोवेव

फ्रीक्वेंसी रेंज	माउंट-पुट पावर लिमिट
1266 -- 1300 मेगा हर्ट्ज	25 वाट
3300 -- 3400 मेगा हर्ट्ज	25 वाट
5725 -- 5840 मेगा हर्ट्ज	25 वाट

टिप्पणी:—ब्यामपापन के प्रयोजनार्थ हाई फ्रीक्वेंसी ट्रान्समिटरों में या 10 एम एच बैंड या 15 एम एच बैंड मानक फ्रीक्वेंसी रिसेपशन सुविधा भी शामिल है।

8. निम्नलिखित न्यूनतम विन्यास या अधिक के कम्प्यूटर और कम्प्यूटर आधारित सिस्टम, बशर्ते कि आयात एक क्षेत्र में सभी व्यक्तियों द्वारा अपने प्रयोग के लिए किया गया है:—

(क) आपरेटिंग सिस्टम सोफ्टवेयर: + के न्यूनतम 32 बिट बड़े लेंगथ वाले सी० पी० यू०

1	2	3	1	2	3
(ख) प्रत्येक सी०पी० यू० पर 64 एन० बी० या अधिक की मेम मेमोरी।					भारतीय बाल फिल्म सोसायटी अपने उपयोग के लिए, उनके नाम में सरकार द्वारा रिलीज की गई विदेशी मुद्रा के आधार पर।
(ग) 5090 एम०बी० या अधिक + की डिस्क स्टोरेज कैपसिटी			(2) वीडियो फिल्में		दूरदर्शन और बाल इंडिया रेडियो उनके नाम में सरकार द्वारा रिलीज की गई विदेशी मुद्रा के आधार पर।
(घ) न्यूनतम 100 एम०बी०/सेक की आई/प्रोर बैंडविड्थ। छुले सामान्य लाइसेंस की इस सुविधा के अधीन टर्मिनलों की संख्या 10 तक सीमित होगी तथापि, वित्थास में वर्क स्टेशन शामिल नहीं हैं।			(3) प्रधानतः बच्चों के लिए प्रमोव्ड विदेशी रूपक फिल्मों के वीडियो राइट्स		भारतीय बाल फिल्म सोसायटी अपने उपयोग के लिए सरकार द्वारा उनके नाम में रिलीज की गई विदेशी मुद्रा के आधार पर।
“9. निम्नलिखित विशिष्टीकरण (क) यानों की मूल चैसिस के केबल और ट्रक के टायर 1000X20—16 पी आर 1000X20—14 पी आर 900X20—16 पी आर 900X20—14 पी आर 900X20—12 पी आर (रिफ्लेड लग और सेमि—लग प्रकार के नाइलोन टायर)	(ख) मोटर यान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 68 के खण्ड (ख) में निश्चित राज्य सड़क परिवहन उपक्रम।		11. न्यूज क्लिपिंग सहित आडियो—विज्युअल न्यूज या आडियो—विज्युअल न्यूज मैटीरियल		केन्द्र सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा यथा प्रमाणित वास्तविक उपयोगता।
(ग) राज्य सड़क परिवहन उपक्रम संगम जो सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 (1860 का 21) के अधीन रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी है वेष्टिए 1965-66 की रजिस्ट्रीकरण सं. एस-2815 तारीख 2 अगस्त, 1965।			12. परिवहन उद्योग द्वारा अपेक्षित निम्नलिखित उपस्कर उपकरण		दुकान/प्रतिष्ठान स्थानीय कोनून के अधीन पंजीकृत सरकारी विभाग/गैराज और वर्कशॉप
(घ) यानों के स्वामियों के ऐसे संगम त्रिममें उक्त टायरों का उपयोग किया जाता है और वे उस रूप में भारत सरकार के औद्योगिक विकास विभाग द्वारा इस निमित्त उनके द्वारा बनाई गई स्कीम के अनुसार अनुमोदित है।			1. एगजैस्ट गैस एनालाइजर		
(ङ) अधिकारी, प्राधिकारी, उपक्रम किसी राज्य सरकार के अधीन विभाग या अन्य निकाय जो संबंधित सरकार द्वारा उक्त टायरों का आयात करने के लिए प्राधिकृत है और जो उस रूप में भारत सरकार के औद्योगिक विभाग द्वारा इस निमित्त उसके द्वारा बनाई गई स्कीम के अनुसार अनुमोदित है।			2. स्मोकमीटर		
			3. ब्रेक टेस्टिंग मशीन (ब्रेक ड्राइनेमेंट मीटर)		
			4. हेड लाइट एम टेस्टर		
			5. फ्लट ह्वी एनाइलमेन्ट टेस्टर		
			6. शॉक एब्जोर्बर टेस्टर		
			7. प्ले डिटेक्टर		
			8. ब्रूल स्पाइनिंग		
			9. इजिन परफोमेंस के वास्तविक टेस्ट के लिए किंग टेस्टर		
			10. सिगनलिंग इन्विपमेंट टेस्टर		
			11. स्पीडोमीटर टेस्टर		
			12. ब्रेक एनालाइजर (स्वास में थ्रुकोहल की मात्रा मापने के लिए)		
			13. सिम्पलेटर (कुशल ड्राइविंग के रिफ्लेक्शन के प्रशिक्षण के लिए सहायक के रूप में सिम्पलेटर प्रकार के गैडेट्स)		
			14. कोलेपसिबल स्टीयरिंग कोलम की जांच के लिए अपेक्षित टेस्टिंग इन्विपमेंट।		

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 11/90-93

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 11/90

दिनांक 30 मार्च, 1990

का.भा. --आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ताओं को 1-अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल, (2) कच्चे माल, (3) संघटकों, (4) उपभोग्यों एवं (5) अतिरिक्त पुर्जों का किसी भी देश से आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु दक्षिणी अफ्रीका संघ और फिजी इसमें शामिल नहीं हैं:--

(1) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई के पाम जहाजों की मरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।

(2) कस्टम बाडिड परिसर में माल का आयात किया जाएगा। आयातकों को जहाजों की मरम्मत करने के उद्देश्य से माल को कस्टम बाडिड परिसर से बाहर आयात करने की अनुमति दी जाएगी। मरम्मत करने के बाद माल को कस्टम बाडिड परिसर में वापस लाया जाएगा। जहाजों की मरम्मत के लिए प्रयोग की गई माल के संबंध में क्षेत्र के सीमा शुल्क समाहर्ता और महा निदेशक (पोत परिवहन) बम्बई को आवश्यक विवरणिका भेजी जाएगी। आयातक को उचित लेखा-जोखा रखना होगा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के निरीक्षण के लिए रहेगा।

(3) आयातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए चाहे वे जहाज भारतीय हों या विदेशी वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग को अधिसूचना सं. 211/83-कस्टम और सं. 212/83-कस्टम, दोनों दिनांक 23 जुलाई, 1983 के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा।

(4) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संबंधित वास्तविक उपयोक्ता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत बीमा भाड़ा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत से कमाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा बैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित करा कर

बंधित लाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई को प्रस्तुत करेगा।

(5) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।

(6) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध छववा उसके आयात को प्रभावित करने वाले विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार से माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

(7) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसे किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति रियायत या छील प्रदान नहीं करता है, जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह./-

(सेक्टर खान्ना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(काइल सं०-आई०पी०सी०-3/5/90)

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

प्रादेश सं. 12/90-93

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 12/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का.भा. :- आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 16) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिणी अफ्रीका संघ/पि.जी.के. प्रतिष्ठित किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना से किसी भी माल के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :-

- (1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विधवाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है।
- (2) आयातित माल भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण भारत में 31 मार्च 1993 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, संचालित किया जाता है।
- (4) ऐसा माल दक्षिण अफ्रीका संघ तथा किजी में उत्पन्न अथवा विनिर्मित नहीं हो।

2. इस लाइसेंस के अंतर्गत वो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना का इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी आयातित माल जिसका

व्योरा प्रमाणपत्र में दिया जाता है, भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत में आने लगे तो (उपरोक्त माल से भिन्न) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

3. यदि माल के आयात के समय आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार पर ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मूलित, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानून(नो) या विनियमों के अधीन हो। आयातक की उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

हो/-

(तैयार करना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फाइल सं.-आई.पी.सी. 3/5/90)

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

आवेश सं. 13/90—93

मुला सामान्य लाईसेंस सं. 13/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

भा. आ. :—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ और किजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोगिता द्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय समय पर दी गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथा संशोधित आयात एवं निर्यात नीति 1990—93 (खण्ड 1) के परिशिष्ट-6 की सूची-1 में दिखाए गए रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए अर्पणित मणीनरी, उपस्कर, परीक्षण उपकरणों और आभूषण पुर्जों के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है, जिनका सत्यापन रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद प्रशिक्षण संस्थान और रत्न एवं आभूषण उद्योग से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के उपयोग हेतु रत्न एवं आभूषण के लिए निर्यात संवर्धन परिषदों द्वारा किया गया हो।

- (1) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्तों के अधीन होगा,
- (2) इस तरह से आयात माल नया विनिर्मित होगा,
- (3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निर्यात की तारीख के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह शपथ लेते हुए यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है, न अन्यथा रूप से अप्रभावी किया गया है। स्वयंकारों और शिल्पकारों की सहकारिता समिति और रत्न एवं आभूषण से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान इसी प्रकार से सहकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेंगी।
- (4) रत्न और आभूषण उद्योग से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों रत्न एवं आभूषणों के लिए अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं, रत्न प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं को सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारी को मायता दर्शाते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- (5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/किजी में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो।

(6) ऐसा माल 31 मार्च, 1993 की अथवा उसके पहले किसी भी रियायत अवधि के बिना भारत की परेण के माध्यम से लाद दिया गया हो,

(7) उपर्युक्त शर्त सं. (6) में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तीय साख्य द्वारा समर्थित वक्के आवेशों के मद्दे पोट लदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के मामलों में इस प्रकार कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

(8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 को अनुसूची—5 की शर्त—1 के अधीन होगा।

(9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त रियायत या छीम प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (ऑथोगिक) या आयात शुल्क कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह/०

तेजेन्द्र खन्ना

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फा०सं० आई०पी०सो०-3/5/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 14/90—93

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 14/90

नई दिल्ली, 30 मार्च 1990

का.आ. :— आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दक्षिण अफ्रीका संघ और फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शान्तों के अधीन (क) सरकारी विभाग (केन्द्रीय या राज्य), (ख) विभागीय संस्थान, (ग) रेलवे, (घ) डाक, (ङ) दूर-संचार, (च) दूरदर्शन, (छ) आकाशवाणी, (ज) राज्य विद्युत बोर्ड सार्वजनिक क्षेत्र के अन्तर्गत उपक्रम परियोजनाओं, (झ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

1. परिशिष्ट 1 भाग-क में आने वाला पूंजीगत माल और परिशिष्ट-8 में आने वाले उपकरण आयात के लिए अनुमति नहीं होंगे। अन्य पूंजीगत माल के आयात के लिए (परिशिष्ट 1, भाग-ख के अन्तर्गत आने वालों को छोड़कर) महा निवेशक तकनीकी विकास की पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। मेरीन इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार उपस्कर सहित किन्तु इसे नीति के पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के मामले में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार आयोग) से पूर्ण निकासी लेनी आवश्यक होगी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है।

2. जिम्स, जुड़ारों, डाइज और नयूने (कंडूर रोसर डाइज सहित) मोल्डस (डाईकास्टिंग के लिए मोल्ड सहित) और प्रैस टूल का आयात भी किया जा सकता है।

3. परिशिष्ट-2, भाग-ख और 3 में आने वाले कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों के संबंध में महानिदेशक तकनीकी विकास और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग (यदि किसी इलेक्ट्रॉनिक मद किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है) से पूर्ण स्वीकृति लेनी अनिवार्य होगी। पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार आयोग) से पूर्ण निकासी लेनी आवश्यक होगी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है।

4. सरणीबद्ध मर्चों का आयात अनुमति नहीं होगा।

5. प्रशासकीय मंत्रालय/बिना मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा दी गई विदेशी मुद्रा के मद्दे आयात किया जाएगा।

6. दूरदर्शन और आकाशवाणी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुमोदन और उसके लिए दी गई विदेशी मुद्रा के आधार पर प्रदर्शित फिल्मों, वीडियो और टेप साउण्ड टेपों के आयात के लिए भी पात्र होगा।

7. सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजनाएं/संस्थान जो बिजली के उत्पादन में लगे हुए हैं वे प्रशासकीय मंत्रालय/केन्द्रीय विद्युत विभाग/बिना मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा दी गई विदेशी मुद्रा के मद्दे ही अतिरिक्त पुर्जों के आयात की सुविधा ले सकते हैं। परिशिष्ट 2, भाग ख, 3 और 10 में आने वाले प्रतिबंधित अतिरिक्त पुर्जों के आयात के लिए महा निवेशक तकनीकी विकास से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। किसी इलेक्ट्रॉनिक मद के सम्बन्ध में किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है तो इलेक्ट्रॉनिक विभाग की पूर्ण अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार आयोग) से पूर्ण निकासी लेनी आवश्यक होगी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है। यह सुविधा पत्तन ग्यासों, सिंकाई विभाग परियोजना प्राधिकरणों, विभागीय रूप से चलाए जा रहे औद्योगिक संस्थानों और रेलवे को भी उपलब्ध होगी।

8. रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक संस्थान, बुले सामान्य लाइसेंस के अधीन परिशिष्ट 1, भाग ख में आने वाले पूंजीगत माल, परिशिष्ट 2, 3, 5 और 8 में आने वालों से भिन्न कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करने के लिए पात्र होंगे। लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंधित यूनिट को प्राबंठित विदेशी मुद्रा से अधिक मूल्य का कुल आयात नहीं होगा और सोमामूलक से निकासी के समय आयातक यूनिट इस संबंध में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि निकासी के अधीन/पहले ही निकासी किए गए माल का मूल्य लाइसेंसिंग वर्ष में संबंधित आयातक यूनिट को रक्षा मंत्रालय द्वारा इस उद्देश्य के लिए दी गई कुल विदेशी मुद्रा की धनराशि ज्यादा नहीं है।

9. (1) कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात बुले सामान्य लाइसेंस के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले उद्यम भी शामिल है, के द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई और परिशिष्ट-2, भाग-ख और 3 में आने वाले कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों के लिए देशीय बटिकोण से पूर्ण निकासी के आधार पर किया जा सकता है। मेरीन इलेक्ट्रॉनिक्स और दूर-संचार उपस्कर सहित किन्तु आयात नीति 1990—93 खण्ड-1 के पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक मद के मामले में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रॉनिक विभाग से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। आयात नीति 1990—93 (खण्ड-1) के पैरा 6(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार आयोग) से पूर्ण निकासी लेनी आवश्यक होगी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25

लाख रुपये से अधिक है। परिशिष्ट-1, भाग-क और भाग-ख में आने वाले के अलावा पूंजीगत माल के आयात का मूल्य यदि 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है तो सचिव (औद्योगिक विकास) की अध्यक्षता में पूंजीगत माल की मुख्य समिति का अनुमोदन अपेक्षित होगा। खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात तकनीकी विकास महानिदेशालय (डी०जी०टी०डी०) द्वारा मूची साक्षात्कृत और वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई के आधार पर अनुमित होगा। 1.5 करोड़ रुपये मूल्य तक के पूंजीगत माल का आयात परिशिष्ट 1 भाग-क और भाग-ख में आने वाले के अतिरिक्त) देशीय निकासी और वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई के आधार पर खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमित होगा। सीमाशुल्क प्राधिकारी इस सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के आधार पर निकासी अनुमित करेंगे।

(2) पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों उपभोग्यों तथा अतिरिक्त पुरुषों के खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात की उपर्युक्त सुविधा

विदेशी मुद्रा एवं स्वदेशी वृष्टिकोण से निकासी के आधार पर जैसाकि ऊपर विद्या गया है, खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमित मर्दों के अलावा मर्दों का आयात करने के लिए रक्षा मंत्रालय के अधीन सरकारी उपक्रमों को भी उपबन्ध होगी।

10. निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष महानिदेशक तकनीकी विकास/इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग दूरसंचार विभाग द्वारा स्वीकृत देशीय वृष्टिकोण से स्वीकृत एवं विमुक्त विदेशी मुद्रा का आवश्यक साध्य प्रस्तुत करना होगा।

ह०/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्गत

(फाइल सं० आई०पी०सी० 3/5/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 15/90—93

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/90

नई दिल्ली, 30 मार्च 1990

आ. क्र० आ०—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) की खण्ड-3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण की मदों का प्रतीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है:—

- (1) क्रम सं० 1 में शामिल "अध्यापन साहित्य" के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मदें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टाक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती है।
- (2) "अध्यापन साहित्य" के मामले में आयात की अनुमति केवल माध्यमताप्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, प्रसूताओं परामर्शदाताओं, माध्यमता प्राप्त-वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबन्ध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए ही जाएगी। फिल्मों के आयातक (चाहे वैज्ञानिक या बीडियो हो) तकनीकी सहायता के रूप में फिल्म सेंसर के केन्द्रीय बोर्ड से प्राप्त एक प्रमाण-पत्र कि आयातित फिल्में "पूर्णतया शिक्षाप्रद" हैं, सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (3) दालों के मामले में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के पास स्वयं को पंजीकृत कराना होगा। आयात तभी किए जायेंगे जबकि ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित संविदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए अनुबन्ध की प्रति नेफेड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर बिधिवत मुहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे, जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।
- (4) औषध मदों के मामले में, जहाँ कहीं आवश्यक हो, औषध एवं श्रृंगार ब्रसाइन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन शैव लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
- (5) खजूरों, होम्योपैथिक औषधियों, कैंसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में, बरम्बरगत छोटे पैकिंग में ही आयात अनुमेष्य होगा।

- 6(1) आयात-निर्यात नीति, 90—93 के परिशिष्ट-8 की धूची 2 में आने वाले जीवन रक्षी उपस्कर के आयातकर्ता को महानिदेशक, तकनीकी विकास अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा इस प्रयोजन के लिए नामित अन्य किसी अधिकरण द्वारा किये गए वैध प्रमाण-पत्र को सीमाशुल्क निकासी के समय प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।
- 6(2) जीवन रक्षक उपस्करों के आयातक भी मशीनों के साथ अथवा अलग से ऐसे उपस्करों के आयात के लिए पात्र होगा।
- (7) खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित माल का निर्यात मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की लिखित अनुमति के बिना अनुमेष्य नहीं है।
- (8) इस प्रकार आयात किया गया माल बकिणी अफीका/दक्षिणी पश्चिमी अफीका संघ/फिजी में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (9) ऊर्जा खसत/संरक्षण उपस्करों जिसमें ऊर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने/प्रयोग करने के सिस्टम और बिवाई-सिस्ट भी शामिल हैं के मामले में आयातक नाम कम्पेंशन एनर्जी स्त्रोत विभाग, ब्लाक नं० 14, लोधी रोड, सी जी वी कम्प्लेक्स नई दिल्ली-3 को सीमाशुल्क से माल की निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपस्कर से संबंधित निम्नलिखित सूचना सेजगा:—

- (1) आयातित उपस्कर का विवरण
- (2) उसका लागत—ग्रीना—भाड़ा मूल्य
- (3) आयातित उपस्कर पर चुकाई गई सीमा शुल्क की धनराशि
- (4) वह देश जिससे आयात किया गया।
- (10) केवल उन व्यक्तियों, जो कि इन्सैक्यूरीसाइड अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत पंजीकृत हैं के द्वारा जिनैलिक एसिड का आयात अनुमित किया जाएगा।
- (11) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च 1993 को या उससे पहले पोत पर लाश गया हो।

- (12) उपर्युक्त शर्त सं० 10 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को किसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्र द्वारा समर्थित पक्के आदेश के मद्दे पोतलदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (13) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (14) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।
- (15) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातक को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पता करना चाहिए।

ह/—

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फा० सं० आई०पी०सी०-3/5/90)

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/90 दिनांक 30 मार्च, 1990 के लिए अनुसूची

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायक साहित्य

- (1) शैक्षिक प्रकृति की रीडर एवं प्रिंटर सहित या रहित माइक्रो-फिल्म और माइक्रो-फिजिज; और
- (2) ओडियोकैसेट के साथ या बिना शैक्षिक प्रकृति के फिल्म स्ट्रिप्स/सलाइड्स; शैक्षिक प्रकृति के ओडियो कैसेट/वीडियो टेप्स और शैक्षिक प्रकृति की वीडियो डिस्कें।

2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तिगतों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण

3. आयात और निर्यात नीति 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में आने वाले जीवनदायक उपस्कर और उनके अतिरिक्त पुर्जें।

4. परिवार कल्याण उपस्कर/यंत्र उपकरण अर्थात् निम्नलिखित:-

- (1) (क) लप्रोस्कोप;
(ख) कलड स्कोप;
(ग) हाइस्ट्री-स्कोप;
(घ) वैक्यूम संकशन एपरेट्स
(ङ) उनके उपसाधित्र और अतिरिक्त पुर्जें भी, और

(2) रजड कंट्रासेप्टिव यंत्र (केवल डायफागाम्स),

- (3) टी फ्रेम, इन्सुलर रोड, ट्यूब फ्रेज, पी ई मोनोफिल्मेन्ट धागे, कापर बायर तथा सनीवज एवं पुंच (रंगीन कंडाम्स, डायफागाम, जैली और फोम टिकिया, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।

(4) फ्लेपिक रिग्स (सिलास्टिक बैंडस)

5. आयात निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज फ्री प्रिपरेशन, जीवनदायक और कैंसर रोधी भेषज।

6. परिष्कृत रूप में होम्योपथिक औषधियां या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेन्सी के होम्योपैथिक भेषज (सिंगल) 'हुग्घ चीनी' सहित थोक में और बायोकेमिकल औषधियां।

7. आयात निर्यात नीति 1988—91 (खण्ड I) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जैड, मोतियों और मृगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर आभूषण किस्म के लिए दी जाएगी):।

8. दाल

9. खजूर (गोले या सूखे) (भारतीय पोत लदानों द्वारा आयातित)

10. सेंधा नमक

11 (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्में (चिकित्सा)

- (1) साइन एन्जियोग्राफिक फिल्में
- (2) कार्पिंग फिल्में (एक्स-रे रेडियोग्राफ कार्पिंग के लिए)
- (3) दन्त एक्स-रे फिल्में
- (4) डुपलीकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि. मी. निगेटिव एवं रिवर्सन टाइप
- (5) निजी मोनीटरिंग फिल्में
- (2) एरोग्राफिक फिल्में
- (3) फोटो टाइप सैटिंग ग्राह पी स्टेबलाइजेशन पेपर
- (4) मुद्रण उद्योग के लिए थर्माग्राफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोसिंग पाउडर
- (5) माइक्रो-फाइल फिल्में
- (6) इनफ्रा रेड और आल्ट्रा वायलेट फिल्में
- (7) गुर्दा शल्य चिकित्सा फिल्में

12. हाथ षड़ी/दीवार षड़ी और टाइम पीस के लिए स्नेहक तेल

13. फिशिंग हुक्स

14. (क) 16 एम०एम० या कम के गेज में शैक्षिक एवं निर्देशात्मक फिल्में (विडियो फिल्मों सहित) / जिन्हें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "प्री-डोमिनेंटली शिक्षाप्रद" प्रमाणित किया गया हो।

(ख) 16 एम० एम० या कम के गेज में विडियो फिल्मों सहित बच्चों की फिल्मों जो कि लम्बाई में 800 मीटर या कम हों तथा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "बच्चों की फिल्म" के रूप में प्रमाणित की गई हो।

15. फोटो-ग्राफिक फिल्मों (रंगीन)

16. फोटोग्राफिक कलर पेपर

17. 120 साइज रोलस से भिन्न फोटोग्राफिक फिल्मों (सादा)

18. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड

19. ख़्वाश मनके

20. निम्नलिखित सिनेमैटोग्राफिक फिल्मों प्रदर्शित :—

(1) 8 एम० एम० (रंगीन) और

(2) 8 एम० एम० (सादी नेगेटिव)

21. 1990—93 की आयात निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 में सूची सं० 6 के अनुसार दन्तय सामग्री।

22. आयात निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 9 के अनुसार आकस्मालिक मर्दे।

23. ओजोन जनरेटिंग अपरेट्स

24. सुरमोक मीटर्स-हार्डिज और बोस्च टाइप-आटोमोबाइल एगजास्ट के लिए

25. आटोमोबाइल एगजास्ट के लिए वाहनीय एगजास्ट से आने वाले सी ओ, एच सी, एन ओ एक्स, सी ओ, 2 (इन पोलीटेस्ट के एक या अधिक) के मापन के लिए—एगजास्ट गैस एनेसाइजर्स।

26. निम्नलिखित ऊर्जा बचत/संरक्षण उपकरण जिनमें ऊर्जा के पुनः त्वीकरण और वैकल्पिक स्रोतों के लिए कार्य करने वाले सिस्टम एण्ड डिवाइसिज वकिंग आन शामिल हैं :—

(1) बिड ड्राईवन जनरेटर्स

(2) बिड बम्प

(3) फोटोवोल्टेइक सेल्स/पैनल्स/मोड्यूल्स सिस्टमस को छोड़कर सौर ऊर्जा उपस्कर

(4) फोटोइलैक्ट्रिक सेंसर्स सहित थ्रोटोमैटिक इलैक्ट्रानिक टूकिंग किस्म के पैराबोलिक फोकसिंग सिस्टम।

(5) पोर्टेबल एक्जास्ट गैस एण्ड कम्ब्यूशन एनालाइजर्स ;

(6) स्टीम ट्रेप लीक डिटेक्टर

(7) अल्ट्रासोनिक लीक डिटेक्टर

(8) सौर ऊष्मा नियंत्रण फिल्मों

(9) एनेमोमीटर, हाटा लोगर्स आदि जैसे वायु मापक उपकरण

(10) बायोमास बेड एवं सोलर बेड स्टिलिंग इंजिन

(11) 50 कि.वा. से अधिक क्षमता वाले बायोमास गैसिफायर्स

27. आयात-निर्यात नीति, 1990—93 (खंड 1) के परिशिष्ट 2, 3, भाग क, 8 और 10 में सम्मिलित पुर्जों को छोड़कर अतिरिक्त :—

(1) मुद्रण मशीनरी,

(2) मशीनी औजार धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने, घिसने और पालिश करने के लिए, किसी भी मानक या अनुबंधी उपस्कर सहित।

(3) निम्नलिखित सहित सिनेमैटोग्राफिक उपस्कर :—

(i) पिक्चर और साउंड प्रिंटिंग लैम्पस

(ii) प्रोजेक्शन लैम्पस-जेनोन या टंगस्टन

(iii) सिनेमास्कोप लेंसों सहित लेंस/जूम लेंस

(iv) प्रोजेक्शन बाल्यूम इंडीकेटर्स

(v) 10 किलो वाट, 5 किलो वाट, 2 किलो वाट, 1 किलो वाट तथा 500 किलो वाट क्षमता के स्टूडियो लैम्प

(4) ट्रांसर्स

28. आऊट बोर्ड प्रोटर्स

29. 1990—93 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और परिशिष्ट-6 की किसी भी सूची में उल्लिखित से भिन्न प्रयोगशाला और रीजेंट केमिकल्स

30. जिबेरीलिक एसिड

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
आयात व्यापार नियंत्रण

प्रदेश सं. 16/90—93

बुला सामान्य साइसेंस सं. 16/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का० भा० : आयात-निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय समय पर यथा संशोधित, सार्वजनिक सूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इसके साथ संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण की मदों का वणिगी प्रतीका संघ/फिजी को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक भारत में आयात की सामान्य अनुमति देती है:—

(1) पारट्री वीकसीन के आयात के मामले में:—

- (1) सीमाशुल्क से माल की निकासी के समय आयातक पशु-पालन आयुक्त, भारत सरकार, कृषि विभाग से (बिबरण/मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के संबंध में एक विनिश्चित सिफारिस पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (2) संबंध आयातक, सीमाशुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि विभाग को आयातित 'मर्बों', उनकी मात्रा और उनके लागत-बीमा-माढ़ा मूल्य के व्यौरे के संबंध में सूचना भेजेगा।
- (3) आयातित माल सम्बन्धित कुक्कट काम/अण्डजशाला के हाथों में "वास्तविक उपयोगता" शर्त के अधीन होगा।

(2) प्रोस्टाग्लोबिन पी. जी. एफ-2 एका के मामले में आयातक को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को पशुपालन आयुक्त, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया "अनिवार्यता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा"।

3. चिकित्सा गैस सिलिंडरों के मामले में आयात की स्वीकृति उन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) को दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (आक्सीजन) और नारुडम आक्साइड के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण है और उनके पास औषध तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन जारी किया गया वैध लाइसेंस है। यह निम्नलिखित शर्तों के भी अधीन होगा:—

- (1) आयातित चिकित्सा गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल चिकित्सा प्रयोजनार्थ चिकित्सा गैस कम्प्रेसिंग और सप्लाय के लिए होगा।
- (2) आयात किए जाने वाले सिलिंडर और इसमें लगे वाल्व मुख्य नियंत्रक विस्फोटक द्वारा अनुमोदित होने चाहिए और गैस सिलिंडर नियम, 1981 के अधीन उपयोग के लिए स्वीकृत हों।
- (3) गैस के आयात के रूप में आयातित गैस सिलिंडर ऐसी सामग्री से निर्मित होने चाहिये जो सामान्यतः ऐसी गैसों के लाने के लाने में प्रयुक्त की जाती है।

(4) आयातक मुख्य नियंत्रक विस्फोटक से गैस सिलिंडर नियम 1981 के अधीन अपेक्षित आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

4. अग्निशमन के लिए 15 मीटर पानी की क्षमता तक के सी०ओ० गैस सिलिंडर के मामले में उपरोक्त (2), (3) और (4) में उल्लिखित शर्तें लागू होंगी।

5. शोकन इलेक्ट्रिक मोटरों के मामले में धातु कतरन व्यापार कार-पोरेशन लि०/मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित कोई अन्य राज्य अधिकरण पाछ आयातक होगा। आयातित माल (एम०एस०टी०सी०) धातु कतरन व्यापार कारपोरेशन, सम्बन्धित अधिकरण द्वारा रखा जाएगा। और पत्रास्तविक उपयोगताओं की वितरित किया जायेगा।

6. मैनेटिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वाटर कंटीनरिंग सिस्टम के मामले में स्थानीय निकाय (भूमिसिपल कारपोरेशन आदि) सरकारी विभाग और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान पाछ होंगे।

7. ग्रेप गार्डवेयर के मामले में पाछ आयातक केन्द्र या राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र के कृषि विकास निगम, सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कृषक सहकारी समितियाँ, कृषकों के संघ होंगे। आयातित माल केवल अंगूर के उत्पादों के विवरण के लिए होगा और आयातक आयातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को संबंध लाइसेंसिंग प्राधिकारी और सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

8. अनुसूची की क्रम सं० 7 में उल्लिखित फोटो रसायनों के मामले में (1) ग्राफ इन्स्टेनलिसमेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के अधीन पंजीकृत वास्तविक उपयोगता और (2) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म स्टूडियो, फिल्म संसाधन प्रयोगशालाएं और परीक्षण प्रयोगशालाएं, पाछ आयातक होंगे।

9. अनुसूची की क्रम सं० 8 में उल्लिखित 3/4 इंच यूमेटिक और एक इंच बीडियो कैसेट/टिप्स के मामले में पाछ आयातक बीडियो साइट-बेयर उत्पादन के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास पंजीकृत होंगे।

10. अनुसूची की क्रम सं० 9 में उल्लिखित किसी तरह के भी कम्प्यूटर साफ्टवेयर के मामले में निम्नलिखित आयातक पाछ होंगे:—

- (क) अपने उपयोग के लिए सरकारी विभाग और कम्प्यूटर विनिर्माताओं सहित वास्तविक उपयोगता।
- (ख) स्टॉक और बिक्री के प्रयोजन के लिए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के साथ पंजीकृत किए हुए साफ्टवेयर सदन।
- (ग) स्टॉक और बिक्री के लिए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग।

11. अनुसूची में कम सं. 12 के अन्तर्गत आने वाले कृषि/बागवानी, गायपानाशी के मामले में, स्टॉक और बिक्री के प्रयोजन के लिए आयात केवल भारतीय कृषक उर्वरक सत्रकारी संघ, कृषक भारतीय सहकारी संघ, हिन्दुस्तान इन्सेक्टिसाइड लिमिटेड और राज्य कृषि उद्योग निगम द्वारा अनुमित किया जाएगा।

12. पाली यूरेथिन समूह के मामले में, आयात-निर्यात के प्रयोजन के लिए इन्फ्लेटेबल बालों के विनिर्माण में कार्यरत वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) को अनुमित किया जाएगा और राज्य व्यापार निगम को निर्यात प्रयोजन के लिए इन्फ्लेटेबल बालों के विनिर्माण में वास्तविक उपयोगिताओं को वितरण के लिए अनुमित किया जाएगा। यह भी निम्न-लिखित शर्तों के अधीन होगा :—

- (1) निर्यात के लिए इन्फ्लेटेबल बालों के विनिर्माण में रत ऐसे वास्तविक उपयोक्ता जो राज्य व्यापार निगम (एम टी सी) से सीधी मद का आयात या प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो उन्हें अपने ठेके खल सामान निर्यात संवर्धन परिषद (एन जी ई. पी. सी.) के पास पंजीकृत कराने अवैधित होंगे। आयात केवल ऐसे पंजीकरण के माध्य के रूप में एन.जी.ई.पी.सी. द्वारा मोहर लगाने के पश्चात् ही किए जाएंगे। इन प्रयोजन के लिए ठेके की दो प्रतियां एन.जी.ई.पी.सी. के पास भेजी जाएंगी और वे इसमें एक प्रति मास के निकासी के समय सीमाशुल्क को प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मोहर लगाकर आयातक को लौटा देंगे।
- (2) आयात के समय आयातक का खेलकूद सामान निर्यात संवर्धन परिषद से सीमाशुल्क प्राधिकारी को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि निर्यात के उद्देश्य के लिए आयातक इन्फ्लेटेबल बाल का विनिर्माण है।
- (3) परवर्ती संविदा के पंजीकरण के समय पात्र निर्यातक को यह निश्चित करने हुए एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि इन्फ्लेटेबल बालों के निर्यात एवं विनिर्माण के प्रयोजन के लिए पहले से ही पंजीकृत संविदा के आयातित मात्र की उपयोगिता एवं आयात का विवरण दिया हो।
- (4) राज्य व्यापार निगम के लिए खेल कूद सामान निर्यात संवर्धन परिषद के साथ आयात संविदा का पंजीकरण करवाता अनिवार्य होगा।

13. बेकिंग के लिए इंधियन फ्लेय बैकल के मामले में, निम्नानुसार सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा जिनमें बैकल की स्कैपिंग प्राधिकृत की गई हो :—

- (i) महानिदेशक, शिपिंग, थम्बई से एक प्रमाण-पत्र जिन मामलों में बैकल उनके साथ पंजीकृत हों ; (नौसेना मुख्यालय)
- (ii) रक्षा मंत्रालय (नौसेना मुख्यालय) से एक प्रमाण-पत्र जिन मामलों में बैकल उनके स्वयं के हों ; और
- (iii) पोर्ट ट्रस्ट, कोस्ट गार्ड आदि के बैकल के मामले में संबंधित संगठनों से एक प्रमाण-पत्र।

14. सब्जियों/फूलों के बीजों, सजावटी पौधों के बीजों, फूलों के द्युबर्स और बल्ब्स और अनुसूची की मद सं. 15 में संदर्भित फूलों की कटिंग, सेपलिंग, बडबुड आदि के मामले में (क) राज्य सरकार के कृषि/बागवानी विभाग, राज्य कृषि विषयविशालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई सी ए आर)। (ख) बीज का उत्पादन करने वाली वे भारतीय कम्पनियां/फर्म जो राष्ट्रीय बीज निगम के पास पंजीकृत हैं (ग) राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य बीज निगम (घ) खाद्य संसाधन औद्योगिक यूनिट्स और (ङ) राज्य सरकारों के कृषि/बागवानी निवेशक के पास पंजीकृत फूलों और सब्जियों के उत्पादक पात्र आयातक होंगे।

15. (1) शर्त (13क) में संश्लिष पात्र आयातकों द्वारा सब्जियों/फूलों के बीजों, सजावटी पौधों के बीजों, फूलों के द्युबर्स और बल्ब्स का आयात, पादप, फल एवं बीज (भारत में आयात करने के लिए विनियमन) आदेश, 1984 (जिसे आगे उक्त आदेश कहा गया है), के प्रावधानों द्वारा ऐसे संगरोध विनियमनों को पूरे करने के बाद निर्यात किया जाएगा जो प्रत्यक्ष निरीक्षण, प्रयोगशाला निरीक्षण और वृद्धि परीक्षण के उद्देश्य के लिए उक्त आदेश के तहत निर्धारित किए गए हों। परेण तब तक अधिन गौधाम में आयातक की लागत पर रखा जाएगा जब तक संगरोध/सीमाशुल्क निकासी न दे दी जाए। सब्जियों/फूलों/सजावटी पौधों के बीजों फूलों के द्युबर्स और बल्बों की सीमा शुल्क से निकासी उक्त आदेश में उल्लिखितानुसार संगरोध निकासी पत्र की प्राप्ति होने पर की जाएगी।

- (2) अगर परेण को देखने से यह पता चले कि उसमें किसी बीमारी, या महामारी या विदेशी बीमारी के गोलकृमि लगे हुए हैं या प्रकट हैं तो सम्पूर्ण परेण को अस्वीकार कर दिया जाएगा और इसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नष्ट कर दिया जाएगा।

16. (1) फूलों की कटिंग और सेपलिंग के पात्र आयातकों के पास पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा यथाविधित पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन नुविधाएं होनी चाहिए।

- (2) फूलों के कटिंग, सेपलिंग, बडबुड आदि के आयात के लिए वास्तविक निरीक्षण एवं प्रयोगशाला निरीक्षण के अतिरिक्त पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन अनिवार्य होगा। उक्त आदेश द्वारा यथा निर्धारित या उसके अधीन पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन नुविधाएं शर्त (13क) में दिए गए के अनुसार पात्र आयातकों द्वारा स्थापित की जानी होंगी।

- (3) सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा पादप संरक्षण सलाहकार से क्वारंटाइन निकासी प्राप्त होने पर परेण की सीमाशुल्क निकासी की जाएगी।

- (4) फूलों के कटिंग, सेपलिंग बडबुड इत्यादि जिनके लिए पी. ई. क्यू. निरीक्षण की आवश्यकता होती है उन्हें पी.ई. क्यू. नुविधा में लगया जाएगा। पीछे, फल और बीज (भारत में आयात के लिए विनियमन) आदेश, 1984 के अधिन निर्धारित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किए जाएंगे। यदि संगरोध/सीमाशुल्क निकासी के उपरान्त उक्त प्राधिकारी निरीक्षण के दौरान यह देखता है कि इसमें कोई विदेशी कीड़ा या बीमारी है तो निर्धारित ढंग से उसी समय सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।

17. मात्र की निकासी के समक्ष आयातक संबद्ध प्राधिकारी के पास माय्यता/पंजीकरण के ब्योरे प्रार्थित माय्यता/पंजीकरण प्रमाण की संख्या एवं विनांक के ब्योरे देते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसी माय्यता/पंजीकरण रह नहीं किया है या वापस नहीं किया गया है या अन्यथा रूप से अप्रमाणी नहीं किया गया है ऐसे मामलों में जहाँ संबद्ध प्राधिकारी द्वारा प्रलय माय्यता पंजीकरण सं. आर्बटिस नहीं की गई है तो आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारी को संतुष्टि के लिए अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

18. ताजे फलों के मामले में राष्ट्रीय कृषि विपणन फेडरेशन (नेफेड) द्वारा वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की उन्मुक्ति पर ही आयात समुदेश होगा। आयातित मात्र की निकासी

के समय तैफ़ की सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास इससे संबंधित आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

- (1) विश्वविद्यालय जिनमें माने गए विश्वविद्यालय और मान्यता प्राप्त शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान शामिल हैं;
- (2) पब्लिक, राष्ट्रीय और राज्य पुस्तकालय;
- (3) उच्च शिक्षा के संस्थान;
- (4) पुस्तक विक्रेता जिनकी न्यूनतम वार्षिक बिक्री आय 5 लाख रु. है;
- (5) औद्योगिक स्थापनाओं की अनुसंधान और विकास इकाइयाँ; और
- (6) अपने व्यावसायिक प्रयोग हेतु वैज्ञानिक, डाक्टर, इंजीनियर, विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर, एडवोकेट, सनदी लेखापाल इत्यादि जैसे व्यावसायिक, बशर्ते कि उनका एक वित्तीय वर्ष में आयान लायत बीमा भाड़ा मूल्य के 10,000/- रु. से अधिक का न हो।

19. शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी पुस्तकों के मामले निम्नोक्त बातें लागू होंगी :—

- (क) पुस्तकों के विदेशी संस्करण जिनका प्राधिकृत भारतीय पुनर्मुद्रण संस्करण उपलब्ध है, का आयात अनुमेष नहीं होगा।
- (ख) भारतीय प्रकाशन के विदेशी पुनर्मुद्रण के आयात की शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली की विशिष्ट पूर्व लिखित अनुमति के बिना अनुमेष नहीं किया जाएगा।
- (ग) भारतीय कोस्टलाइन्स के केवल ऐसे निबंधालय सम्बन्धी चाटों के आयात को अनुमेष तभी किया जाएगा जबकि उनकी विशिष्टतः निकासी मुख्य हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा की जाएगी।
- (घ) विदेशी में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राधिकृत पुनर्मुद्रणों के आयात को अनुमेष नहीं किया जाएगा।
- (ङ) पूर्णतः शैक्षिक स्वरूप के रिकार्ड या प्री-रिकार्डिड प्राणियों तथा बीडियो कैसेटों या बिडियो डिस्क तथा प्री-रिकार्डिड प्लेपी डिस्क, जोकि पुस्तक के अधिष्ठ भंग हैं, का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि सप्लायर ने प्रमाणित कर दिया है कि रिकार्ड या प्री रिकार्डिड कैसेट या बीडियो डिस्क या प्री-रिकार्डिड प्लेपी डिस्क पुस्तक के अधिष्ठ भंग है और सम्बद्ध बीजक में रिकार्ड प्री रिकार्डिड प्राणियों तथा बीडियो कैसेट या प्री-रिकार्डिड प्लेपी डिस्को या बीडियो डिस्क का प्रयोग किया गया है।
- (च) पुस्तक विक्रेता माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष बहुराल बुकान तथा प्रतिष्ठान के पंजीकरण सम्बन्धी सम्बद्ध विधि के अन्तर्गत अपने पंजीकरण की मूल कापी (जो इस समय वैध है) या ऐसे मूल की फोटो कापी प्रस्तुत करेंगे या प्रकाशकों या पुस्तक विक्रेताओं के किसी व्यावसायिक मंष की सदस्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। सनदी या लागत लेखाकार या कम्पनी सचिव, जोकि फर्म का सम्बन्धित नहीं है निदेशक या फर्म के किसी कर्मचारी या इसके किसी सहयोगी द्वारा पुस्तकों की वार्षिक बिक्री की आय को दर्शाते हुए दिया गया प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

(च) पुस्तक विक्रेता खुले साहसिक लाइसेंस के अधीन आयातित पुस्तकों के मूल्य के बारे में, मूल श्रवण का ब्योरा, क्या पुस्तकें तकनीकी हैं या गैर तकनीकी और प्रत्येक ओ दो का मूल्य बताते हुए तिमाही विवरण अंजीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजेगा। ऐसा विवरण न भेजने पर आयात-निर्यात कोड नम्बर रद्द हो सकता है।

(छ) शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों, उच्च शिक्षा के संस्थानों तथा पब्लिक लाइब्रेरी को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष, केन्द्र या राज्य सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा, जैसा भी मामला हो, उन्हें मान्यता दिए जाने से सम्बन्धी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और उन्हें इस आशय की एक घोषणा करनी होगी कि आयातित पुस्तकों उनके स्वयं के इस्तेमाल के लिए हैं। निजी रूप से बित्त-पोषित अनुसंधान संस्थानों को जिनके केन्द्र या राज्य सरकार से औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उन्हें उनके द्वारा किए जा रहे अध्ययन या अनुसंधान परियोजनाओं के लिए सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ है।

(ज) व्यावसायिकों को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को संगत व्यावसायिक निकाय या मंष की अपनी सदस्यता के सम्बन्ध में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें वर्ष के दौरान किए गये आयातों का विवरण और इस आशय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान उनका कुल आयात 10,000/- रु. के मूल्य से अधिक का नहीं हुआ है।

(झ) सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातक को इस आशय का घोषणा देनी होगी कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं जो आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) 1990-93 के अनुसार अनुमेष नहीं हैं।

20. शैक्षिक वैज्ञानिक और तकनीकी पत्रिकाओं, म्यूज मैगजीन और अखबारों के मामले में खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत सभी व्यक्तियों को उनका आयात करने की अनुमति होगी।

21. माल की निकासी के समय आयातक को सीमाशुल्क अधिकारी को यह घोषणा प्रस्तुत करनी होगी जिसमें संबंधित प्राधिकारी के साथ मान्यता प्राप्त पंजीकरण के विवरण दिये गये हों जैसे मान्यताप्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या तथा तारीख और यह बतलबद्धता कि ऐसी मान्यता पंजीकरण को रद्द अथवा वापिस तथा अन्य प्रकार से अप्रभावी नहीं बनाया गया हो। जिन मामलों में, संबंधित प्राधिकारी द्वारा मान्यता पंजीकरण संख्या अलग से नहीं दी गई हो तो आयातक को सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।

22. आयातक को इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किये गये माल की खपत उपयोग का उचित लेखा-जोखा निर्धारित प्रपत्र एवं विधि में रखना होगा और जैसा कि निर्धारित किया गया हो, उन अवधि के भीतर लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा किसी अन्य सरकारी प्राधिकारी को करना होगा।

23. खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित माल का निर्यात मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की अनुमति के बिना अनुमेष नहीं है।

24. इस प्रकार आयात किया गया माल बखिणी प्रकीका और फिजी में उत्पादित या निर्मित न हों।

25. ऐसे माल किसी भी रिपारती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च 1993, को या इससे पहले परेषण के सामन्य से भारत के लिए लाया गया हो।

26. उपर्युक्त शर्तें सं० 25 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक हित में सरकारी राजपत्र में सांख्यिक सूचना जारी करके भुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी मय के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सांख्यिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पास आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए कंप्यूटरीय सांख्यिक द्वारा समर्थित पहले आदेशों के मद्दे नज़र रखा जाया जाया चाहिए अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई सुरक्षा व्यवस्था प्रदान नहीं की जाएगी।

27. यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची 5 की शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।

28. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

29. अन्य कानून या विनियमों के अंतर्गत वास्तविक उपयोगिता को भी अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं, यह लाइसेंस उनसे कोई उन्मुक्ति छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबंधों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

हस्ताक्षर

तेजेंद्र खन्ना

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

(फाइल सं० आई पी. सी. 3/5/90)

भुले सामान्य लाइसेंस सं० 18/88--91 दिनांक 30 मार्च 1988 की अनुसूची

1. पाल्ट्री बैनलीन (सभी किस्में)
2. 10.2 लीटर पानी की क्षमता और कम क्षमता के मैथिलिक गैस सिलेण्डर
3. घग्नि शमकों के लिए 15 लीटर तक की पानी की क्षमता वाले डायकसाइड गैस सिलेण्डर
4. होकल-इलेक्ट्रिक मोटर
5. मैग्नेटिक/एलैक्ट्रोमैग्नेटिक बाटर कंडीशनल सिस्टम
6. ग्रेप गार्ड पेपर
7. फोटोग्राफिक केमिकल्स-डिबेलपरस, फिक्सजरस, इन्टेंसिफायरस रिड्यूसरस, टोमसे और क्लीनिंग एजेंट्स।

8. 1 इंच यू-मैटिक और एक इंच बीडयो कैसेट/टिप्स।

9. किसी मीडिया में कम्प्यूटर साफ्टवेयर, जिसमें 50 रुपये या उससे कम के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य प्रति जिसके सहित प्लोपी डिस्कट साफ्टवेयर शामिल हैं।

10. पोलियूरीथेन लैबर।

11. बैंकिंग के लिए इंडियन प्लेग बैनल।

12 निम्नलिखित कीटनाशी, ककूरीनाशी, और चासपात नाशी:--

- (1) मोनोकोटोफोस
- (2) मिथाइल पैराथियोन
- (3) डिमिथोबेट
- (4) बी. एच. सी.
- (5) सेलाथियोन
- (6) एन्थोसलकान
- (7) फोरेट
- (8) डिबेन
- (9) जिनेन
- (10) बिराम
- (11) 2, 4-डी
- (12) म्यूटा-नोरो
- (13) डैथियोकार्ब
- (14) फाइटोप्रोड्यूरोन

13. ताजे फल

14. प्रोस्टाग्लेडिन पी जी एफ 2 एल्का

"15 (1) घग्निशमकों/कूलों के बीज, सजावटी पौधों के बीज, फूलों के दूधबर्त और बरबस।

(2) कूलों के कटिंग्स, सेपलिंग्स, बडबुड घग्नि।"

"16. (क) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें (आयात-निर्यात नीति, 1990--93 (खण्ड-I) के परिशिष्ट-6 की सूची-7 में विषयों की विस्तृत सूची दी गई है।

(ख) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार-पत्र।"

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

प्रादेश संख्या 17/90--93

शुद्ध सामान्य लाइसेंस सं. 17/90

दिनांक 30 मार्च, 1990,

का.प्र. आयात एवं निर्यात (अ) (आयात अधिनियम, 1947 (1947 का 18) (अ) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका संघ/किंगडम को छोड़कर किसी भी देश से पूंजीगत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) पाठ आयातक निम्नलिखित होंगे :—

- (1) कोल इंडिया लि.
- (2) नेबेली लिगनाइट कार्पोरेशन लि.
- (3) भारत कोकिंग कोल लि.
- (4) सेंट्रल कोल फील्ड लि.
- (5) ईस्टर्न कोल फील्ड लि.
- (6) वेस्टर्न कोल फील्ड लि.
- (7) सेंट्रल मार्बल प्लानिंग एण्ड डिजाइन इन्स्टीट्यूट लि.
- (8) सिंगरेणी कोलरीज कम्पनी लि.
- (9) साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड लि.
- (10) मार्बल कोल फील्ड लि.

(2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा जारी की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जायेगा।

(3) सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित आयात निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 1 भाग क के उल्लिखित पूंजीगत माल और परिशिष्ट 8 के अधिनियम वाले यंत्र के आयात की अनुमति नहीं दी जायेगी, पूंजीगत माल की अन्य वस्तुओं के संबंध में (परिशिष्ट 1 भाग ख में दर्शाई गई वस्तुओं को छोड़कर), आयात महानियंत्रक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली वैश्वीय दृष्टिकोण से निकासी के अधीन, होगा। मेरीन इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार उपकरण सहित किन्तु इस नीति के पैरा 8(17) में आने वाले दूरसंचार उपकरण को छोड़कर किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के मामले में यदि ऐसे आयातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। पैरा 8(17) में आने वाले दूरसंचार उपकरण के लिए दूरसंचार विभाग (दूरसंचार प्रायोग) से पूर्ण निकासी लेनी आवश्यक होगी यदि ऐसे आयात का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक है। सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित परिशिष्ट-1, भाग-ख में दर्शाई गई वस्तुओं के लिए वैश्वीय दृष्टिकोण से निकासी की आवश्यकता नहीं होगी :—

(4) ऐसा आयात किया गया माल नया विनिर्माण होगा।

(5) आयात (वास्तविक उपयोगिता) शर्त के अधीन होगा।

(6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के भी अधीन होगा।

(7) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका तथा किंगडम में तैयार वस्तुओं विनिर्मित न किया गया हो।

(8) भारत को ऐसे माल का खदान किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1993 को या इससे पूर्व, या 1994 की फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई वस्तु की संख्या के मद्दे पहले 31 मार्च 1993 को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो।

(9) उपर्युक्त शर्त के 8 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके कुछ सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी वस्तु के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाठ आयातकों द्वारा किए गए वस्तुओं के और विदेशी विनियम बोर्ड द्वारा आदेशों के मद्दे पोत खदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में कोई ऐसी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।

(10) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई विदेशी या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(11) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (वैश्वीय) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, तो उसे उसके वास्तविक या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई अनुमति छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

ह./-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य निदेशक आयात-निर्यात

(का.सं. प्राई. पी. सी. -3/5/90)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 18/90-93

सूचना सामान्य लाइसेंस संख्या 18/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का.प्र. (अ) आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति 1990-93 (खण्ड 1) के अन्तर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के अर्थात् वास्तविक उपयोक्तारों (औद्योगिक) द्वारा पूंजीगत माल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त पुर्जों का दक्षिण अफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च 1993 तक आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के अर्थात् सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) पात्र आयातक भारतीय प्रवासी होंगे (जिसमें वह आदिवासी भारतीय शामिल है, जिसने विदेशी राष्ट्रियता प्राप्त कर ली है) और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय हो।
- (2) आयात की गई मर्चें सरकार की औद्योगिक नीति के अनुरूप नया औद्योगिक यूनिट लगाने अथवा वर्तमान यूनिट के विस्तार विविधता, आधुनिकीकरण के लिए या सेवा उद्योग लगाने के लिए होगी।
- (3) आयात में सम्मिलित सारी विदेशी मुद्रा की आयातक द्वारा व्यवस्था की जाएगी। आयात में भारत द्वारा कोई प्रेषण सम्मिलित नहीं है।
- (4) आयातक द्वारा न तो निवेश की गई पूंजी और न ही लाभांश स्वदेश भेजने के लिए अनुमति होगा।
- (5) आयात "वास्तविक उपयोक्तार" की शर्तों के अर्थात् होगा। आयात की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक के लिए उस पूंजीगत माल को बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तत्पश्चात्, ऐसी बिक्री केवल मुख्य निर्यातक आयात-निर्यात, नई दिल्ली की पूर्वानुमति से ही की जाएगी।
- (6) सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी के समय आयातक को एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि :—

(क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कमाई से/श्रोतों से खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण शामिल नहीं है, और ;

(ख) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विषयाधीन मशीनरी और अन्य माल के आयात के विषय में उस राज्य उद्योग निदेशालय को सूचित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। परन्तु इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के मामलों में

सूचना इलेक्ट्रॉनिक विभाग, लोक न्यायक भवन, नई दिल्ली को भेजी जाएगी। ऐसे सूचना की प्रति सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारी तकनीकी प्राधिकारी को भी भेजनी चाहिए। जिसकी एक प्रति सम्बन्धित उद्योग निदेशक को भेजी जाएगी।

- (7) पात्र व्यक्ति परिशिष्ट-1, भाग-ख में निर्दिष्ट पूंजीगत माल का आयात कर सकते हैं। किसी औद्योगिक यूनिट को लगाने के लिए 35 लाख (अवतरित लागत) रुपये मूल्य तक के प्रति-बंधित सूची में निर्दिष्ट मर्चों के अतिरिक्त, अन्य पूंजीगत माल का आयात किया जा सकता है।
- (8) इस लाइसेंस के अन्तर्गत पुरानी मशीनरी के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (9) जिस उद्योग में आयातित मशीनरी का प्रयोग किया जाएगा, उसमें आयात-निर्यात, नीति 1990-93 के पैरे 6(8) में लघु उद्योग के लिए तब की गई ऊपरी सीमा से अधिक मूल्य का संबंध और मशीनरी में पूंजीगत निवेश नहीं होगा।
- (10) पहले वर्ष में आवश्यक कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्यों की अनुमति इस लाइसेंस के अन्तर्गत विशेष अनुमोदन समिति (एन.प्रार.आई.) उद्योग मंत्रालय द्वारा अनुमति के आधार पर दी जाएगी। आयातक द्वारा आयातित कच्चा माल, संघटक और उपभोग्य भारत में लगाए जा रहे उद्योग में प्रयोग किए जाएंगे।
- (11) संबद्ध औद्योगिक यूनिट को (यदि वे नई हैं), निर्धारित नीति के अनुसार पूंजीगत माल के आयात की तिथि से एक वर्ष की अवधि के अन्तर संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के पास स्वयं को पंजीकृत करवाना अपेक्षित होगा।
- (12) पात्र आयातक, विदेशी मुद्रा विनियमों का अनुपालन करेंगे और लागू नियमों के अर्थात् यथाप्रयोजित विदेश में शेष विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेंगे।
- (13) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/फिजी में निर्मित न हो।
- (14) भारत को ऐसे माल का लवाण परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना, चाहे जो कुछ भी हो, की 31 मार्च 1993 को या इससे पूर्व या नीचे-सांकेतिक तिथियों की कर दिया जाता है :—
- (क) उन कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में 30 जून 1993 को या इससे पूर्व जिसके लिए जहां फरवरी 1993 मास की अंतिम तिथि को इससे पूर्व अपरिबर्तनीय साक्ष-पत्र कोल दिए जाते हैं।

(क) जन पूंजीगत माल और अतिरिक्त-पुजों के मामले में अगले 31 मार्च 1994 को या इससे पूर्व जहाँ फरवरी मास 1993 की अंतिम तिथि को इससे पूर्व एक पक्की संविदा कर ली गई हो और उसे बिदेसी मुद्रा का लेनदेन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

(15) उपर्युक्त अर्ध स. 14 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मय के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिबर्तनीय साब-पत्र द्वारा समचित पक्के आदेशों के मद्देपोलनदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।

(16) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(17) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (ऑब्जेक्टिव) या आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके वांछित या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने में कोई उम्मीद, छूट या डोल प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

ह/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य निबंधक, आयात निर्यात

(आ. सं. आई. पी. सी. ०-३/५/९०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-निर्यात नियंत्रण

आदेश सं० 1990—93

कुल सामान्य लाइसेंस सं० 19/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का०घा० (घ) :—आयात निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अगला आदेश जारी होने तक विदेश में परियोजनाएं लेने वाले परियोजना ठेकेदारों को, भारतीय रिजर्व बैंक, या एक्जिम बैंक आफ इंडिया/आई डी बी आई से अपेक्षित अनुमति लेने के बाद भारत से लिए गए या विदेश से खरीदे गए (i) संबंधित उपस्करों, (ii) मशीनरी और सम्बंध अतिरिक्त पुर्जों (iii) संबंधित औजारों और (iv) संबंधित उपसाधनों या वणिगी अफ्रीका संघ, तथा वणिगी पश्चिमी अफ्रीका तथा फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से, परियोजनाएं पूर्ण हो जाने पर देश में पुनः आयात/आयात करने की सामान्य अनुमति देती है। लेकिन ऐसे पुनः आयात/आयातित माल की निकासी चाहते समय परियोजना ठेकेदार को सम्बंध सीमा शुल्क प्राधिकारियों के पास इस संबंध में एक घोषणापत्र दाखिल करना अपेक्षित होगा कि इन संबंधित उपस्करों, मशीनरी और संबंधित अतिरिक्त पुर्जों, संबंधित औजारों और संबंधित उपसाधनों का परियोजना (परियोजना का नाम देना है) के निष्पादन के लिए प्रयोग किया गया था और या तो भारत के लिए गए थे या विदेश से खरीदे गए थे जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक सर एक्जिम बैंक आफ इंडिया/आई डी बी आई से अपेक्षित अनुमति प्राप्त कर ली गई थी।

2. उपर्युक्त अनुमति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को इस संबंध में संतुष्टिदायक साध्य प्रस्तुत करने पर उस कार्यालय उपस्कर के मामले में भी उपलब्ध होनी चाहिए जिसका प्रयोग कम से कम एक वर्ष के लिए विदेश में परियोजना के निष्पादन के दौरान किया गया था।

पुनः आयात/आयात इस शर्त के अधीन होगा कि :—

(1) ऐसे माल का लाइसेंस वर्ष का 31 मार्च को या इससे पहले

भारत के परेषण के माध्यम से पोतलबान कर दिया गया हो,

(2) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू होंगे। इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(3) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्तारों (प्रौद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आभार अनुपालन से किसी समय भी उम्मुक्ति रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

(4) उपर्युक्त अनुमति उक्त अन्य शर्तों के भी अधीन होगी जो विषयाधीन माल की खरीद के लिए अनुमति देते समय भारतीय रिजर्व बैंक/एक्जिम बैंक आफ इंडिया/आई डी बी आई द्वारा लगाई गयी थी।

टिप्पणी: इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1990-93 को आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

तेजेंद्र खन्ना,
मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

[मि०सं० 1/2/74-ई पी सी]।

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 20/90—93

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 20/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का.प्र.।—(अ) आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार संबंधित क्षेत्रों में स्थापित वास्तविक उपयोगिताओं को (1) पूंजीगत माल (बाह्य नया हो या पुराना) (2) कच्चा माल (3) संघटक, (4) अतिरिक्त पुर्जों (5) उपभोग्य सामग्री (6) पैकिंग सामग्री (7) औजार जिम्स फिक्सचर्स और गैजिज या (8) प्रावि रूप और तकनीकी नमूने को उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए प्रत्येक किस्म के वी से अधिक नहीं हों (9) मुक्त व्यापार क्षेत्र निर्यात संसाधन क्षेत्र में डीजल जनरेटिंग सेट का आयात करने के लिये प्राय के आवेदन होने तक सामान्य अनुमति प्रदान करती है जो प्रत्येक मामले में उस साल के लिए लागू वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन होगी। तथापि, आयात-निर्यात नीति 1990-93 खण्ड-एक के परिशिष्ट 2, भाग क के अधीन धरेलु दर सूची 4.3 में आयात के लिए निषेध मर्चों की इस खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत मुक्त व्यापार क्षेत्र में आयात करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. पुराने पूंजीगत माल के आयात के लिए, आयातक साल की निकासी के समय सीमा शुल्क अधिकारी को जिस देश से आयात किया जाता है उस देश के रतन्त्र व्यवसायी सतही अभियन्ता/इसके समतुल्य संस्था से एक प्रमाण-पत्र प्रतिया पुरतक, 1990-93 के परिशिष्ट 3 में दिए गए प्रपत्र से प्रस्तुत करेगा। आयातक से मशीन की शेष आयु के संबंध में एक निजी बोधना-पत्र भी अपेक्षित होगा।

3. संबंधित क्षेत्र के विकास आयुक्त द्वारा सिफारिश करने पर, ऐसे वास्तविक उपयोगिता अपने स्वयं के उत्पादन/उपयोग, उत्पाद विविधीकरण और विकास पर या मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ (1) पैरा 1 में न माने वाले प्रावि रूप और तकनीकी नमूनों (2) ड्राइंग ड्राफ्ट, चार्ट्स, माइक्रो फिल्मों सहित तथ्यों की डाटा और (3) कार्यालय उपकरण, अतिरिक्त पुर्जों और उनके उपभोग्य को भी आयात कर सकते हैं।

4. ऐसे वास्तविक उपयोगिता (1) क्षेत्र में उनके द्वारा मरम्मत/सुधार करने के बाद पुनः निर्यात किए जाएंगे या (2) विदेशी प्रेषित को वास्तविक उपयोगिता द्वारा प्रेषित माल की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के भीतर (विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम 1973 (1973 का 46) के अधीन संबंध औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद) उससे माल की वापसी के लिए प्राप्त माल का भी आयात कर सकते हैं।

5. आयातक, आयात, खपत और सारे आयोजित माल का उपयोग और उसके द्वारा किये गए निर्यातों का निर्धारित प्रपत्र में ठीक प्रकार से लेखा रखेगा और उसे क्षेत्र के विकास आयुक्त को और संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को उनके द्वारा यथा अपेक्षित आवधिक रूप से भेजेगा। आयातक इस मामले में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य वर्धन की शर्त का अनुपालन करेगा। वह उसे जारी किए गए अनुमोदन पत्र/आशय पत्र/औद्योगिक लाइसेंस में जोड़ी गई अन्य सभी शर्तों की पुष्टि का भी पालन करेगा। किसी भी उक्त शर्त का पालन करने में असमर्थता को खुले सामान्य लाइसेंस का उत्पन्न माना जाएगा और आयातक पर आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के प्रावधानों और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन की जाने वाली कार्रवाई की जायेगी।

6. इस लाइसेंस पर किसी मान के लिए उसके माल को प्रभावी करने वाला कोई अन्य प्रतिबन्ध या विनियमन जो ऐसे माल के आयात करने के समय लागू होंगे उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) यह लाइसेंस आयात व्यापार नियंत्रण आवेदन सं. 19/88-91, दिनांक 30 मार्च, 88 के अधिनियम से है।

ह./-

(लेजेन्ड खप्रा)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(फा० सं० 6/108/87-ई० पी० सी०)

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 21/90—93

जुला मामाम्य लाइसेंस सं० 21/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का०घा०—(प्र) आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात संसाधन क्षेत्रों में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित 'रिजेक्टस' को निम्नलिखित शर्तों के अधीन थरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने के लिए भगला आदेश होने तक, सामान्य अनुमति देती है, अर्थात् :—

1. सभी व्यक्तियों की "रिजेक्टस" के आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी।

2. रिजेक्टस शब्द में वे उत्पाद आते हैं जिनमें निश्चित विनिर्माण की छूट हो और इस प्रकार से मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात मूल्योक्त क्षेत्रों में यूनिटों की घोषणा के अनुसार निर्यात करने के योग्य नहीं हैं। "रिजेक्टस" में उप मानकीकृत उत्पाद भी शामिल हैं लेकिन इनमें प्रतिरिक्त पुर्जे, बीजार, छीजन (वेस्ट) प्रथमा सह उत्पाद शामिल नहीं हैं। "रिजेक्टस" का निश्चय करने के लिए निम्नलिखित दिशा निर्देश अपनाये जाए :—

(1) यूनिट को यह प्रमाणित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनिर्माण में यूनिट द्वारा लगाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी की कमी के कारण "रिजेक्टस" का होना अपरिहार्य था।

(2) थरेलू टैरिफ क्षेत्र में इसकी स्वीकृति के समय यूनिट द्वारा "रिजेक्टस" पर "रिजेक्टस" की मोहर लगाई जाए और बीजक पर भी "रिजेक्टस" लिखा जाए।

(3) सीमा शुल्क सहायक समाहर्ता और केन्द्रीय प्राधिकारी जिनके क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनिट आते हैं उनकी संतुष्टि के लिये ही "रिजेक्टस" का निर्णय किया जाएगा। सहायक समाहर्ता यह निश्चय करेगा कि निम्नलिखित के संदर्भ में अमुक म रिजेक्टस है :—

(क) केला द्वारा विशिष्टीकृत कोटि नियंत्रण मापदण्ड,

(ख) यूनिट की प्रांतरिक कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट, और

(ग) अन्य तकनीकी राय जिसे वह आवश्यक समझे।

3. यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निर्यात या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस के उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके वायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुखित, छूट या छील प्रदान नहीं करता है।

5. आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

ह०/-

(तेजेश्वर खन्ना)

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(का० सं० 6/108/87-ई० पी०सी०)

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 22/90—92

कुल सामान्य लाइसेंस सं० 22/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का०सा०—(अ) आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भगवा आदेश होने तक एतद्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्र और निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित माल को परेसू टेरिफ क्षेत्र में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, अर्थात्:—

- (1) सभी व्यक्तियों को स्टाफ करने एवं विक्री के लिए आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित माल को परेसू टेरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात केवल तब किए जा सकते हैं जबकि सम्बद्ध मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र के विकासयुक्त ने परेसू टेरिफ क्षेत्र में ऐसे माल की बिक्री की अनुमति दे दी हो।

(3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके धारित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

ह/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(फा० सं० 6/108/87-ई० पी०सी०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार निबंधन

आदेश सं० 23/90—93

मुद्रा सामान्य लाइसेंस सं० 23/90

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च, 1990

क।०मा।०—(घ) आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एतद्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्र और निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान उत्पन्न स्क्रैप/बिस्ट/अवशिष्टों का बरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, अर्थात्:—

- (1) भण्डार करने एवं बिक्री के लिए सभी व्यक्तियों को आयात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान उत्पन्न स्क्रैप/बिस्ट/अवशिष्टों का बरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात केवल तब किए जा सकते हैं जब सम्बन्धित मुक्त व्यापार क्षेत्र या निर्यात संसाधन क्षेत्र विकासयुक्त ने स्क्रैप/बिस्ट/अवशिष्टों की बिक्री की अनुमति दे दी हो।

(3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई विवेक या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आयातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या वीज प्रदान नहीं करता है। आयातक को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

ह०/-

(तेजेश खन्ना)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(फा० सं० 6/108/87-ई० पी० बी०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश नं० 24/90-93

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 24/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

फा०आ०—(अ) आयात निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार शत प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनितों के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित वास्तविक उपभोक्ताओं को घागे आदेश जारी होने तक निम्नलिखित के आयात की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) पूंजीगत माल (चाहे नए हों या पुराने), जनरेटिंग सेट सहित,
- (2) उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए प्रोटो-टाइप और तकनीकी नमूने, जो प्रत्येक टाइप की संख्या दो से अधिक न हों,
- (3) कच्चा माल, संघटक, उपभोग्य और मध्यस्थी,
- (4) घटिरिक्त पुर्जें,
- (5) पैकिंग सामग्री,
- (6) सामान संचालन उपकरणों से संबंधित सामान जैसे फोर्क लिफ्ट और ट्रैक्ड ट्रैक्टर (केवल यूनित की प्रारम्भिक स्थापना के लिए),
- (7) (क) स्वयं उत्पादन करने के लिए, उपयोग या उत्पाद विविधीकरण या विकास या मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में प्रत्येक का एक सग :—

- (1) सी सी आई टी टी जी 2 जी 3
अथवा सी सी आई टी टी जी-3 के नमूने के साथ फेसीमाइल मशीन
- (2) डिक्टेशन टेप रिकार्डर
- (3) पेपर शेरडिंग मशीन
- (4) सिन्क्रोमाइज्ड जलाइल प्रोजेक्टर
- (5) बार्ड कापी लेने के लिए प्रबन्ध सहित अथवा सहित इलेक्ट्रॉनिक ग्राहट बोर्ड
- (6) कंज कंटरोल डिजीजन पैजर
- (7) डिजिटल पैजर
- (8) टेलीग्राफ
- (9) ग्राहकी फिलिम उपकरण
रीडर प्रिन्टर
- (10) इलेक्ट्रॉनिक डायरी/मोमी राइटर

- (11) टेलेकॉमिनिंग उपकरण (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सिफारिश पर और संचार विभाग के अनुमोदन पर

- (ख) फोटोकॉपींग पेपर, कैनकुलेटिंग मशीन पेपर रोल, टोनर और फोटोकॉपींग प्रयोजनों के लिए डिस्पॉजिट, उपर्युक्त 7(क) में (1) से (11) तक मशीनों के अनि-

रिक्त पुर्जें और इन मशीनों के लिए अपेक्षित प्रतिवर्ष 5000 रु० से कम के मूल्य के उपभोग्य औजार,

- (8) उपभोक्ताओं को वांछी कवरेज उपलब्ध कराने के प्रयोजन या बिजली बाध सेवा (चाहे निःशुल्क हो अथवा मूल्य पर हो) के लिए शत प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनितों द्वारा विनिर्मित परिष्कृत उत्पाद संबंधी पुर्जों का आयात, इसके वार्षिक उत्पादन की फेड्री मूल्य के 1.5 प्रतिशत की दर से या आयातित संघटकों के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 2 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमित किया जायगा।

निम्नलिखित शर्तों के अधीन :—

- (क) आयात वास्तविक उपभोक्ता शर्तों के अधीन होगा।
- (ख) माल कस्टम बांडिड फेडरी में आयात किया जाएगा।
- (ग) एकक सभी शर्तों की अनुपालना करेगा जो कि इस मामले में आयातित माल पर सीमा शुल्क के भुगतान की जूट की शर्त के अधीन हो।
- (घ) पत्तन से फेडरी तक माल के वाहनान्तरण के प्रयोजन के लिए ट्रांजिट बांड सहित कस्टम बांडिड क लिए लागू होने वाली सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी।
- (ङ) पूरा उत्पादन और कार्य संचालन कस्टम बांडिड फेडरी के अधीन होगा।
- (च) आयात एवं निर्यात नीति, 1990-93 (खण्ड-एक) के भाग-क, परिशिष्ट-2 के अन्तर्गत बरेलू पर सूची क्षेत्र में आयात के लिए प्रतिबंधित मर्चों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. पुराने पूंजीगत माल के आयात के लिए आयातक निकासी के समय जहां से आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक संपत्ती परिचरता/किसी समतुल्य संस्था से एक प्रमाणपत्र प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-एक) में दिए गए प्रपत्र में सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। आयातक द्वारा मशीनरी की सवजिष्ट समयावधि की शारे में एक वास्तवगत घोषणा करना भी अपेक्षित होगा।

3. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात आयुक्त की पूर्ण अनुमति पर ऐसे एककों को निम्नलिखित के आयात की अनुमति दी जाएगी :—

- (1) उपर्युक्त पैरा 1 के अन्तर्गत न घाने वाले जोटोटाएल और तकनीकी नमूने ;

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

प्रदेश सं० 26/90—83

जुला सामान्य लाइसेंस सं० 26/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का. आ.—(घ) आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे यूनितों को शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनितों को दिए गए अनुसूचन पत्र में दी गई अनुमति के अनुसार “बहिष्कृत माल” को धरेलू टैरिफ क्षेत्र में आयात करने के लिए, प्रगला आवेदन होने तक, सामान्य अनुमति देती है, अर्थात्:—

- (1) सभी व्यक्तियों को “बहिष्कृत माल” के आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी।
- (2) “बहिष्कृत माल” शब्द में वे उत्पाद आते हैं जिसमें निम्नलिखित विनिर्माण की त्रुटि है और इस प्रकार से संबंधित शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनितों की बोधना के अनुसार निर्यात करने के योग्य नहीं है तथा “बहिष्कृत माल” में उप-मानकीकृत उत्पाद भी शामिल हैं लेकिन इसमें अतिरिक्त पुर्जें, औजार, छीजन (बैस्ट) अथवा सह-उत्पाद शामिल नहीं हैं। “बहिष्कृत माल” का निषेध करने के लिए निम्नलिखित मानवर्णों को अपनाया जाए:—
 - (1) एकक को यह सत्यापित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनिर्माण में एकक द्वारा लगाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकनीक की कमी के कारण “बहिष्कृत माल” का होना अपरिहार्य था।
 - (2) धरेलू टैरिफ क्षेत्र में इसकी स्वीकृति के समय एकक द्वारा “बहिष्कृत माल” पर “बहिष्कृत” की मोहर लगाई जाए और बोधक पर भी “बहिष्कृत” लिखा जाए।

(3) सीमा-शुल्क सहायक समाहर्ता और केन्द्रीय आबकारी जिनके क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनित आते हैं, उनकी संतुष्टि के लिए कि “बहिष्कृत माल” को स्थापित किया जाएगा। सहायक समाहर्ता, श्रेता द्वारा विशिष्टीकृत कोटि नियंत्रण मापवर्ण, एकक की आंतरिक कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट और अन्य तकनीकी राय जिसे सहायक समाहर्ता मामले की आवश्यकतानुसार निर्णय से पूर्ण ज़रूरी समझे, तो इस संदर्भ में निर्णय लेने से पूर्व कि यह मद बहिष्कृत है, उपर्युक्त की जानकारी मंगवा सकता है।

- (3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके बाविल या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या डील प्रदान नहीं करता है आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

ह/-

(तैय्यर खडा)

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात

(फा० सं० 6/108/87-ई पी सी)

भारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 27/90—93

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 27/90

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का. आ. —(अ)आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एतद्वारा शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र में उत्पादन के दौरान बचे स्क्रैप/वेस्ट/रिमेन्ड के आयात की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है, नाममात्र :—

- (1) सभी व्यक्तियों को भण्डार एवं बिक्री के लिए आयात की अनुमति दी जायेगी।
- (2) शत-प्रतिशत निर्यात अभिमुख युनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान बचे स्क्रैप/वेस्ट/रिमेन्ड के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे आयात तभी प्रभावी हो सकते हैं जबकि बाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे स्क्रैप/वेस्ट/रिमेन्ड की बिक्री की अनुमति दे दी हो।

(3) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब आभातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके बाधित या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मीद, छूट या वीज प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिये लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिये।

ह०/-

(तेजेंद्र खन्ना)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(फा० सं० 6/108/87—ई पी सी)

IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL) ACT

Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended upto 30th April, 1979.

An Act to prohibit or control imports and exports.

Whereas it is expedient to prohibit, restrict or otherwise control imports and exports.

It is hereby enacted as follows:—

1. *Short title, extent, commencement and duration.*—(1) This Act may be called the Imports and Exports (Control) Act, 1947.

(2) It extends to the whole of India.

It shall come into force on the 25th day of March, 1947.

2. *Definitions.*—In this Act, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Adjudicating Authority" means the authority specified in, or under, section 4K;
- (b) "Appellate Authority" means the authority referred to in section 4M;
- (c) "Chief Controller" means the Chief Controller of Imports and Exports;
- (d) "Control Order" means a control order made or deemed to have been made under this Act;
- (e) "Customs Station" has the meaning assigned to it in the Customs Act, 1962;
- (f) "Deputy Chief Controller" means a Deputy Chief Controller of Imports & Exports;
- (g) "Import" and "Export" means, respectively, bringing into, and taking out of India by sea, land or air;
- (h) "Letter of Authority" means a letter authorising the licensee to permit another person, named in the said letter, to import goods against the licence granted to the licensee;
- (i) "Licence" means a licence granted, includes a customs clearance permit issued, under any control order;
- (j) "Prescribed" means prescribed by rules made under this Act;
- (k) "Recognised Agency" means an agency to which the functions of distribution of imported goods have been assigned by the Chief Controller.

3. *Powers to prohibit or restrict imports and exports.*—(1) The Central Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions for prohibiting, restricting or otherwise controlling in all cases or in specified classes of cases and subject to such exceptions, if any, as may be made by or under the order:—

- (a) the import, export carriage costwise or shipment as ships stores of goods of any specified description;
- (b) the bringing into any port or place in India of goods of any specified description intended to be taken out of India without being removed from the ship or conveyance in which they are being carried.

(2) All goods to which any order under sub-section (1) applies shall be deemed to be goods of which the import or

export has been prohibited under section 11 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), all the provisions of that Act shall have effect accordingly.

(3) Notwithstanding anything contained in the aforesaid Act, the Central Government may, by order published in the Official Gazette, prohibit, restrict or impose conditions on the clearance, whether for home consumption or for shipment abroad of any goods or class of goods imported into India.

4. *Continuation of existing orders.*—All orders made under rule 84 of the Defence of India Rules, or that rule as continued in force by the Emergency Provisions (Continuance) Ordinance, 1946 (Continuance of Existing Orders, XX of 1946), and in force immediately before the commencement of this Act shall so far as they are not inconsistent with the provisions of this Act, continue in force and be deemed to have been made under this Act.

4A. *Fee for applications for and issue or renewal of licences.*—The Central Government may, by order levy, subject to such exceptions, if any, in respect of any person or class of persons as may be specified in the order, any fee in respect of any application or in respect of any licence granted or renewed under any order made or deemed to have been made under this Act.

4B. *Power to enter and inspect.*—Any person authorised in writing in this behalf by the Chief Controller or any officer serving under him, not being an officer below the rank of a Deputy Chief Controller (hereinafter in this Act called the "authorised person"), may enter, at any reasonable time any premises in which—

- (i) any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act, or
- (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for or relevant to, any proceeding under this Act.

are suspected to have been kept or concealed and inspect such imported goods, materials, books of account, other documents or things and may take such notes or extracts from such books of account or other documents as he may think fit.

4C. *Power to search.*—If the authorised person has any reason to believe that—

- (i) any imported goods or materials liable to confiscation under this Act, or
- (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to any proceeding under this Act.

are secreted in any place, he may enter into and search such place or premises for such imported goods, materials, books of account, other documents or things.

4D. *Power to seize imported goods or materials.*—(1) if the authorised person has any reason to believe that any imported goods or materials are liable to confiscation under this Act, he may seize such goods or materials together with the package, covering or receptacle, if any, in which such goods or materials are found to have been mixed with any other goods or materials, he may seize such goods or materials together with the goods or materials with which they are so mixed:

Provided that where it is not practicable to seize any such goods or materials, the authorised person may serve on the owner of the goods or materials an order that he shall not remove, part with or otherwise deal with, the goods or materials except with the previous permission of such authorised person.

(2) Where any goods or materials are seized under sub-section (1) and no notice in respect thereof is given under Section 4L within six months of the seizure of the goods or materials the goods or materials shall be returned to the person from whose possession they were seized :

Provided that the aforesaid period of six months may, on sufficient cause being shown, be extended by the Chief Controller by a further period not exceeding six months.

(3) The authorised person may seize any documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to, any proceedings under this Act.

(4) The person from whose custody any documents are seized under sub-section (3) shall be entitled to make copies thereof or take extracts therefrom in the presence of the authorised person.

(5) If any person legally entitled to the documents or other things seized under sub-section (3) objects, for any reason, to the retention by the authorised person of the documents or things, he may make an application to the Central Government stating therein the reasons for such objection and requesting for the return of the documents or things.

(6) On receipt of an application under sub-section (5), the Central Government may after giving the applicant an opportunity of being heard, pass such order as it may think fit.

(7) Where any document—

(a) is produced or furnished by any person or has been seized from the custody or control of any person under this Act or any other law for the time being in force, or

(b) has been received from any place outside India (duly authenticated by such authority or person and in such manner as may be prescribed) in the course of the investigation of any offence alleged to have been committed by any person against this Act.

and such document is tendered in evidence against the person by whom it is produced or from whom it was seized or against such person any other person who is jointly tried, or proceeded against, with him, the court, or as the case may be the adjudicating authority shall notwithstanding anything to the contrary contained in any other law for the time being in force:—

(i) presume, unless the contrary is provided that the signature and every other part of such document which purports to be in the handwriting of any particular person or which the court or the adjudicating authority may reasonably assume to have been signed, by, or to be in the handwriting of any particular person, is under that person's handwriting, and in the case of a document executed or attested, it was executed or attested by the person by whom it purports to have been so executed or attested;

(ii) admit the document in evidence notwithstanding that it is not duly stamped, if such document is otherwise admissible in evidence.

4F. Power to stop and seize conveyances.—Any authorised person may, if he has any reason to suspect that any conveyance or animal is being or is about to be used for the transportation of any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act and that by such transportation any provision of this Act has been, is being or is about to be contravened at any time stop such conveyance or animal or in the case of an aircraft, compel it to land, and

(a) rummage and search the conveyance or any part thereof.

(b) examine and search any goods or materials in the conveyance or on the animal.

947 GI/90—20.

(c) if it becomes necessary to stop any conveyance or animal, he may use all lawful means for stopping it and where such means fail, the conveyance or animal may be fired upon,

and where he is satisfied that it is necessary to do to prevent the contravention of any provision of this Act or of any control order or condition of any licence or letter of authority, he may seize such conveyance or animal.

Explanation—Any reference in this section to a conveyance shall, unless the context otherwise requires, be construed as including a reference to an aircraft, vehicle or vessel.

4F. Search and seizure to be made in accordance with the Code of Criminal Procedure, 1973.—The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to searches and seizures shall so far as may apply to every search or seizure made under this Act.

4G. Confiscation—Any imported goods or materials in respect of which—

(a) any condition of the licence or letter of authority, under which they were imported, relating to the utilisation or distribution of such goods or materials, or

(b) any condition relating to the utilisation or distribution of such goods or materials subject to which they were received from, or through, a recognised agency, or

(c) any direction given under a control-order with regard to the sale of such goods or materials,

has been, is being or is attempted to be, contravened, shall together with any package, covering or receptacle in which such goods are found, be liable to confiscation, and, where such goods or materials are so mixed with any other goods or materials that they cannot be readily separated such other goods or materials shall also be liable to confiscation :

Provided that where it is established to the satisfaction of the adjudicating authority that any goods or materials, which are liable to confiscation under this Act, had been imported for personal use, and not for any trade or industry, and that they belong to a person other than the person who has, by any act or omission, rendered them liable to confiscation, and such act or omission was without the knowledge or connivance of the person to whom they belong such goods or materials shall not be ordered to be confiscated, but such other action is authorised by this Act may be taken against the person who has by such act of omission, rendered such goods or materials liable to confiscation.

4H. Confiscation of conveyance—Any conveyance or animal which has been, is being or is attempted to be, used for the transport of any imported goods, or materials which are liable to confiscation under this Act, shall be liable to confiscation unless the owner of the conveyance or animal proves that it was, is being, or is about to be so used without the knowledge or connivance of the owner himself, his agent, if any, and the person in-charge of the conveyance or animal and that each of them had taken all reasonable precautions against such use :

Provided that in the case of a conveyance or animal used for the transport of goods of passengers for hire, the owner of the conveyance or animal shall be given an option to pay, in lieu of confiscation of the conveyance or animal, a fine not exceeding the value of the imported goods or materials which have been, are being or attempted to be, transported by such conveyance.

4I. (1) Liability to penalty.—Any person who,—

(a) in relation to any goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority, uses or utilises such goods or materials otherwise than in accordance with the conditions of such licence or letter of authority; or

- (b) being a person to whom any imported goods or materials have been delivered by recognised agency, uses or utilises such goods or materials or causes them to be used or utilised, for any purpose other than the purpose for which they are delivered to him; or
- (c) having made a declaration for the purpose of obtaining—
 - (i) a licence or letter of authority to import any goods or materials, or
 - (ii) any amendment of such licence or letter of authority, or
 - (iii) allotment of any imported goods or materials, is found to have made in such declaration, any statement which is incorrect or false in material particulars; or
- (d) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the conditions of any licence or letter of authority in pursuance of which such goods or materials had been imported; or
- (e) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the terms of any allotment made by any recognised agency; or
- (f) contravenes any direction given under a control order with regard to the sale of goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority or which have been received from, or through, a recognised agency.

shall be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials or one thousand rupees, whichever is more, whether or not such goods or materials have been confiscated or are available for confiscation.

Explanation.—For the purposes of this section, “value” has the meaning assigned to it in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act, 1962.

(2) If any person abets the commission of any act or omissions, which act or omission would render any person liable to a penalty under sub-section (1) or attempts to commit any act aforesaid, the person so abetting or attempting should be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials in respect of which such abetment or attempt has been made, or one thousand rupees, whichever is more whether or not such goods have been confiscated or are available for confiscation.

(3) A penalty imposed under sub-section (1) or sub-section (2), may, if it is not paid, be recovered as an arrear of land revenue :

Provided that the adjudicating authority may, by order attach any money belonging to, or owed to, the person on whom any penalty has been imposed under sub-section (1) of sub-section (2), and such attachment shall be made in the same manner in which an attachment is made by a civil court.

4J. Confiscation or penalty not to interfere with other punishments.—No confiscation made or penalty imposed under this Act shall prevent the infliction of any other punishment to which the person affected thereby is liable under the provisions of this Act or under any other law for the time being in force.

4K. Adjudication.—Any confiscation may be adjudged or penalty may be imposed under this Act,—

- (a) by the Chief Controller, or where he so directs, by a general or special order, by the Additional Chief Controller.

- (b) subject to such limits as may be specified in this behalf, by such other officer not below the rank of a Deputy Chief Controller, as the Central Government may, by notification in the Official Gazette authorise in this behalf.

4L. Giving of opportunity to the owner of goods, etc.—No order of adjudication of confiscation or imposing a penalty shall be made unless the owner of the goods, materials, conveyance or animal, or other person concerned, is given a notice in writing—

- (i) informing him of the grounds on which it is proposed to confiscate such goods, materials, conveyance or animal or to impose a penalty.
- (ii) giving him a reasonable opportunity of making a representation in writing within such reasonable time as may be specified in the notice against the confiscation or imposition of penalty mentioned therein, and, if he so desires of being heard in the matter.

4M. Appeal.—(1) Any person aggrieved by any decision or order made under this Act may prefer an appeal :—

- (a) where the decision or order has been made by the Chief Controller or Additional Chief Controller to the Central Government;
- (b) where the decision or order has been made by any officer below the rank of the Additional Chief Controller, to the Chief Controller or where he so directs, to the Additional Chief Controller,

within a period of forty-five days from the date on which the order is served on such person :

Provided that the Appellate Authority may, if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from preferring the appeal within the aforesaid period of forty-five days allow such appeal to be preferred within a further period of forty-five days :

Provided further that in the case of an appeal against an order imposing a penalty, no such appeal shall be entertained unless the amount of the penalty has been deposited by the appellant :

Provided also that, where the Appellate Authority is of the opinion that the deposit to be made will cause undue hardship to the appellant, it may, at its discretion dispense with such deposit either unconditionally or subject to such conditions as it may impose.

(2) The Appellate Authority may, after giving to the appellants a reasonable opportunity of being heard, if he so desires and after making such further inquiries, if any, as it may consider necessary, pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the decision or order appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a fresh adjudication or decision as the case may be, after taking additional evidence, if necessary :

Provided that an order enhancing or imposing a penalty or confiscating goods or materials of a greater value shall not be made under this section unless the appellant has had an opportunity of making a representation and if he so desires of being heard in his defence.

4N. Powers of revision of the Chief Controller.—The Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceedings in which an order or adjudication or confiscation or imposing any penalty has been made by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such order or decision and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no decision or order shall be varied under this section so as to prejudicially affect any person unless such person :—

- (a) has within a period of two years from the date of such decision or order, received a notice to show cause why such decision or order shall not be varied, and
- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires, of being heard, in his defence.

40. *Power of adjudicating and other authorities.*—(1) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have all the powers of civil court, under the Code of Civil Procedure, 1908, while trying a suit, in respect of the following matters, namely :—

- (a) summoning and enforcing the attendance of witnesses;
- (b) requiring the discovery and production of any document;
- (c) requisitioning any public record or copy thereof from any court or office;
- (d) receiving evidence on affidavits; and
- (e) issuing commissions for the examination of witnesses or documents.

(2) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall be deemed to be a civil court for the purposes of sections 345 and 346 of the Code of Criminal Procedure, 1973.

(3) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have the power to make such orders of an interim nature as it may think fit and may also, for sufficient cause, order the stay of operation of any decision or order.

4P. *Continuance of proceedings in the event of death or insolvency.*—(1) Where a penalty has been imposed by the adjudicating authority and :—

- (a) no appeal against the order imposing such penalty has been preferred to the Appellate Authority and the person entitled to file such appeal dies or is adjudicated an insolvent before the expiry of the period within which the appeal can be preferred, or
- (b) an appeal has been preferred to the Appellate Authority against the order imposing such penalty but the appellant dies or is adjudicated an insolvent during the pendency of the appeal,

then, it shall be lawful, for the legal representatives of such person or the Official Assignee or the Official Receiver, as the case may be, to prefer an appeal to the Appellate Authority, or, as the case may be, to continue the appeal before the Appellate authority, in place of such person and the provisions of section 4M shall so far as may be, apply or continue to apply to such appeal.

(2) The powers of the Official Assignee or the Official Receiver under sub-section (1) shall be exercised by him subject to the provisions of the Presidency Towns Insolvency Act, 1909, or the Provincial Insolvency Act, 1920 as the case may be.

5. *Penalty.*—If any person contravenes or attempts to contravene or abets a contravention of, any order made or deemed to have made under this Act or any condition of a licence granted under any such order, or any authority under which imported goods were received from or through a recognised agency, he shall without prejudice in any confiscation or penalty to which he may be liable under the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) be punishable :

- (a) where the value of the goods, in relation to which such contravention or attempted contravention or

abatement of contravention has been made, exceeds ten lakh rupees, with imprisonment for a term which may extend to seven years and also with fine, and

- (b) in any other case, with the imprisonment for a term which may extend to three years and also with fine:

Provided that in the absence of special and adequate reasons to the contrary to be recorded in the judgment of the Court such imprisonment shall not be for less than six months.

5A. *Penalty for contravention of order made by Adjudicating Authority and Appellate Authority.*—If any person fails to pay the penalty imposed by the adjudicating or the Appellate authority or fails to comply with any direction or order made, or deemed to have been made, under this Act, he shall, upon conviction by a court, be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with fine or with both.

5B. *Correction of clerical or arithmetical mistakes.*—Clerical or arithmetical mistakes in any decision or order or errors arising therefrom from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the authority by which the decision or order was made either on its own motion or on the application of the aggrieved person :

Provided that where any correction proposed to be made under this section will have the effect of prejudicially affecting any person, no such correction shall be made except after giving to that person a reasonable opportunity of making a representation in the matter and no such correction shall be made after the expiry of a period of two years from the date on which such decision or order was made.

6. *Cognizance of offences.*—No Court shall take cognizance of any offence punishable under section 5 except upon complaint in writing made by an officer authorised in this behalf by the Central Government by general or special order, and no Court inferior to that of a Presidency Magistrate or a Magistrate of the First Class shall try any such offence.

7. No order made or deemed to have made under this Act shall be called in question in any Court, and no suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against any person for anything on good faith done or intended to be done under this Act or any order made or deemed to have been made thereunder.

8. *Power to make rules.*—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the provisions of this Act.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely :—

- (a) the person by whom, and the manner in which, any document received from a place outside India shall be authenticated.
- (b) any other matter which is required to be, or may be authenticated.

(3) Every rule made by the Central Government under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made before each House of Parliament, while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive session aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be so, however, that any such modification or amendment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

IMPORTS (CONTROL) ORDER, 1955

Government of India

MINISTRY OF COMMERCE

Imports (Control) Order, 1955 (No. 17/55) dated the 7th December, 1955 (as amended upto 30th March, 1990).

No. 17/55.—In exercise of the powers conferred by sections 3 and 4A of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) as in force in India and as applied to the State of Pondicherry, the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

ORDER

1. *Short title and Commencement.*—(1) This order may be called the Imports (Control) Order, 1955.

(2)—It shall come into force at once.

2. *Definition.*—In this Order, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'the Act' means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);
- (aa) application for 'licence' includes any application made under the Import Trade Control regulation;
- (aaa) licence includes a Customs Clearance Permit issued under this Order;
- (b) 'licensee' means a person to whom a licence or a Customs Clearance Permit is granted under this Order;
- (c) 'Licensing Authority' means an authority competent to grant a licence or Customs Clearance Permit under this Order;
- (d) "An Authorised Officer" means an officer not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports and Exports authorised by the Chief Controller of Imports & Exports.
- (e) 'Schedule' means a schedule to this Order;
- (f) 'Value' has the same meaning as in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act 1962 (52 of 1962).
- (g) Words and expressions used in this order and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. *Restriction of Import of certain goods.*—(1) Save as otherwise provided in this Order, no person shall import any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance, with a licence or a customs clearance permit granted by the Central Government or by any Officer specified in Schedule II.

(2) If in any case, it is found that the goods imported under licence do not conform to the description given in the licence or were shipped, prior to the date of issue of the licence under which they are claimed to have been imported then, without prejudice to any action that may be taken against the licensee under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), in respect of the said importation the licence may be treated as having been utilised for importing the said goods.

(3) If, in any case, it is found that the goods imported under a licence do not conform in every respect :—

- (i) to the description or value of the goods as contained in the licence; or
 - (ii) to the other conditions relating to such goods, as contained in, or applicable to the licence.
- the import of such goods shall be deemed to be prohibited

3A. In cases where the importer is unable to produce the licence which has already been granted to him at the time of arrival of goods, the proper officer of customs may at his discretion allow the importer to secure the clearance of goods on execution of a bond or letter of guarantee to the effect that he holds a valid licence in respect of the imported goods and shall produce the same within a period to be specified by the proper officer of customs, failing which he shall pay to proper officer of customs such amount as may be stipulated in the bond or letter of guarantee, without prejudice to any action that may be taken against him under Customs Act, 1962 (52 of 1962) for unauthorised importation of the goods concerned.

4. *Fees on Application of Licence.*—(1) Every application for a licence shall be made to the appropriate licensing authority.

(2) A fee as indicated in Schedule III shall be paid in respect of every application in the manner provided in the said Schedule :

Provided that no fee shall be payable in respect of any application when made by :—

- (a) the Central Government, a State Government or any department or office of the Central Government or State Government;
- (b) any local authority for the import of goods required for its own consumption;
- (c) any educational, charitable or missionary institution for the import of goods required for its own consumption;

*The fee once received will not be refunded under any circumstances except :—

- (i) where the fee has been deposited in excess of the prescribed scale;
- (ii) where the fee has been deposited but no application has been made.
- (iii) where the fee has been deposited in error but the applicant is exempt from payment of licence fee.

NOTE—Fees paid in respect of Appeals made to the Chief Controller of Imports and Exports and its Regional Licensing Authorities shall not be refunded under any circumstances.

5. *Conditions of Licences.*—(1) The licensing authority issuing a licence under this Order may issue the same, subject to one or more of the conditions stated below :—

- (i) that the goods covered by the licence shall not be disposed of except in the manner prescribed by the licensing authority or otherwise, dealt with without the written permission of the licensing authority or any person duly authorised by it;
- (ii) that the goods covered by the licence on importation shall not be sold or distributed at a price exceeding that which may be specified in any direction attached to the licence;
- (iii) that the applicant for a licence shall execute a bond for complying with the terms subject to which a licence may be granted.

(2) A licence granted under this Order shall also be subject to the conditions contained in Schedule V.

(3) It shall be deemed to be a condition of every such licence that :—

- (i) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted

the licence or of any other person empowered in this behalf by such authority.

- (ii) that the goods for the import of which a licence is granted shall be the property of the licensee at the time of import and thereafter upto the time of clearance through Customs.

Provided that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall not apply in relation to licences issued to the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India and other similar institutions or agencies owned or controlled by the Central Government and which are entrusted with canalisation of imports.

Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to (a) licences issued to engine export houses, trading houses or star trading houses for import of goods meant for disposal to Actual Users under the import policy for registered exporters; and (b) licences issued to Public Sector agencies owned or controlled by the Central or State Government for disposal of goods to the Actual Users, under the import policy in force.

- (iii) the goods for the import of which a licence is granted shall be new goods, other than disposal goods unless otherwise stated in the licence.

(4) A licence granted under this Order may contain such other conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

(4A) Any person importing goods from the United States of America in accordance with the terms of the Indo-US Memorandum of Understanding on Technology Transfer shall also comply with all the conditions and assurances specified in the Import Certificate issued in terms of such Memorandum, and such other assurances given by the person importing those goods to the Government of the United States of America through the Government of India.

(4B) that the goods covered by the licence shall not be exported without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

(5) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.

6. *Refusal of licence.*—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may refuse to grant a licence or direct any other licensing authority not to grant a licence :—

- (a) if no foreign exchange is available for the purpose;
- (b) if the grant of a licence to an applicant is prejudicial to the interests of the State;
- (c) if it has been decided to canalise imports and distribution thereof through special or specialised agencies or channels;
- (d) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a director of a Private Limited Company which is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (dd) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (e) if the applicant is a partnership firm or a limited Company, any partners or whole time director or managing director whereof as the case may be, is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (f) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months; and
- (g) if applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.

(2) The refusal of a licence under sub-clause (1) shall be without prejudice to any other action that may be taken in respect of an application by a licensing authority under the relevant import policy and procedure in force.

7. *Amendment of Licence.*—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provision of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any error or omission in the licence provided that the licensing authority may, on request by the licensee, amend the licence in any manner consonant with the Import Trade Control Regulations.

8. *Power to debar from importing goods or from receiving licences or allotment of imported goods.*—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may debar a licensee or importer or any other person from all or any of the following i.e. importing any goods or receiving licences or allotment of the imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf, that no licence or allotment of imported goods shall be granted to him and he shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order :—

- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provision of this Order; or
- (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement; or
- (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
- (d) if he has, on any occasion, tampered with an import licence or has imported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealing or in obtaining a licence, or is found to have solicited any licence by offering an inducement to the holder of the licence or otherwise; or
- (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence on his behalf; or
- (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any conditions embodied in, or accompanying a licence or an application for a licence; or
- (g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or
- (h) if he fails to produce any documents or information that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or any other licensing authority; or
- (i) if he fails to submit production returns regularly to the D.G.T.D. or any other sponsoring authority concerned; or
- (j) if he fails to comply with the distribution control in respect of imported goods where such control is applicable.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may, by special order in writing :—

- (a) debar—
 - (i) A person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974 Act); or
 - (ii) a partnership firm or a Private Limited Company of which such person is a partner or full-time director or managing director as the case may be, from importing goods or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals & Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency; and

- (b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no importation of goods shall be permitted and no licence or allotment of goods shall be granted to such person, partnership firm or company, for such period as may be specified in such special order :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board, or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9 of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A of that Act; or
- (iv) has been set aside by a Court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may debar an importer or a licensee or any other person from importing any goods or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence or allotment of imported goods shall be granted to such person and such person shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order if, in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of imports & Exports, or an authorised officer.

- (a) such licensee, importer or other person; or
- (b) where such licensee, importer or other person is a partnership firm or a limited company, any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be; or
- (c) where such licensee, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company such partnership firm or limited company, as the case may be:
 - (i) has failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any import licence granted to such licensee, importer or other person or such partner or whole time director or managing director or such partnership firm or limited company, as the case may be; or
 - (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 7 of the Export (Control) Order, 1977.

8A. Power to suspend importation of goods of grant of licences or allotments of imported goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may suspend the importation of goods by any person or grant of

licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency, to a licensee or importer or any other person pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 8 without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf;

Provided that grant of a licence or allotment of imported goods, shall not ordinarily be suspended under the clause for a period exceeding twelve months.

Provided further that on the withdrawal of such suspension, a licence or allotment of imported goods may be granted to him for a period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid, keeping in view the foreign exchange position, indigenous production and other relevant factors.

8B. Power to keep in abeyance applications for licences or allotments of imported goods.—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 8 is pending against licensee or importer or any other person, and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation, the grant of licence or allotment of imported goods will not be in the public interest, then notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may keep in abeyance any application for grant of licence from such person, or direct the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency to keep in abeyance allotment of imported goods to such person, without assigning any reason and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf ;

Provided that the period for which the grant of such licence or allotment is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

8C. Publicity of action taken under clause 8 or 8A.—

(i) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 8 or 8A is taken it may publish or cause to be published, the name of such person or class of such persons and such particulars in such manner as it thinks fit.

(ii) No publication under sub-clause (i) shall be made in relation to any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented has been disposed of.

Explanation.—In the case of a firm, company or other association of persons, the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or managers of the company or the members of the association as the case may be, may also be published if in the opinion of the Central Government, the circumstances of the case justify it.

9. Cancellation of licences (1).—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may cancel any licence granted under this Order or otherwise render it ineffective :

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation;
- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order;
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted;

- (e) If the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and regulations relating to the imports or exports of goods or of any law relating to the regulations of foreign exchange.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing render ineffective any licence granted under this order to—

- (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person, or
(b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a full time director or managing director, as the case may be;

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director when the order of detention made against such persons :—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or Section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of Advisory Board under Section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
(ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act; or
(iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (6) of section 12A of that Act; or
(iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing render ineffective or suspend the operation of any licence granted under this Order, where proceedings of cancellation of such licence have been initiated under sub-clause (1) so however, every such special order, shall be revoked where a decision is taken to cancel the licence after the completion of such proceedings.

10. *Opportunity of being heard to be given.*—(1) No action shall be taken under clause 7 or sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or clause (1) of clause 9 against a licensee or an importer or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or sub-clause (1) of clause 9 he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the Official Gazette constitute for the purpose of hearing appeals, within forty five days from the date of communication of the action taken.

(3) The authority referred to in sub-clause (2) may after giving to the appellant a reasonable opportunity of being heard if he so desires, and after making such further inquiries if any, as it may consider necessary pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the action appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a fresh proceedings or action as the case may be after taking additional evidence, if necessary.

Provided that an order to increase the period for which an applicant is debarred under clause 8, shall not be made

under this sub-clause unless he has had an opportunity of making a representation, and if he so desires, or being heard in his defence.

10A. *Declaration as to value, quality etc. of imported goods.*—On the importation into any customs ports of any goods whether liable to duty or not, the owner of such goods shall in the Bill of Entry or any other documents prescribed by rules, state the value, sort, quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or documents.

10AA. *Declaration as to Importer-Exporter Code Number (IEC).* : On the importation into or exportation out of any Customs port of any goods, the importer or exporter shall in the Bill of Entry or Shipping Bill or, as the case may be, in any other documents prescribed by rules, made under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), state the Importer-Exporter Code Number allotted to him by the licensing authority in accordance with the procedure prescribed by the Chief Controller of Imports and Exports, and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or Shipping Bill, or any other documents. Where such importer or exporter is exempted from obtaining Importer-Exporter Code Number he shall specify exemption order issued by the Chief Controller of Imports and Exports, granting him such exemption.

10B. *Utilisation of imported goods.*—(1) No person shall use any imported goods received by him during allotment or distribution made by the State Trading Corporation of India or any other recognised agency in a manner and for the purpose, otherwise than as declared by him in his application for such allotment or distribution or in any document submitted by him in support of such application.

(2) Subject to the provisions of clause 10C, no person shall use or dispose of any goods imported by him against a licence on the strength of a letter of authority issued in his favour under the Import Trade Control Regulation except in accordance with the terms and conditions of such letter of authority.

10C. *Power to make direction for the sale of imported goods in certain cases.*—(1) Where, on the importation of any goods or at any time thereafter, the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied after giving a reasonable opportunity to the licensee of being heard in the matter, that such goods cannot or should not be utilised for the purpose for which they were imported he may by order direct the importer of the goods (in case the goods were imported under Open General Licence or Special General Licence) or the licensee or any other persons having possession or control of such goods to sell such goods to such person within such time, at such price and in such manner as may be specified in the direction.

(2) The price that may be specified under sub-clause shall be the aggregate of the landed cost of the goods clearing and transportation charges and such other incidental charges incurred in relation thereto as are considered reasonable in the circumstances of the case by the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer.

(2-A) Where goods are imported through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India or other similar institutions or agencies owned or controlled by the Government or any other recognised agency, and such goods are allotted to any person, opportunity of being heard in the matter shall be given to such person also.

(3) The licensee or the person to whom any direction has been made under sub-clause (1) shall be bound to comply with such direction.

10D. *Prohibition regarding making, signing etc. of any declaration, statement or documents.*—(1) No person shall make sign or use or cause to be made signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence or in importing any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in importing any goods.

10E. *Powers of revision of the Chief Controller/Adtl. Chief Controller.*—The Chief Controller or Additional Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceedings in which any action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8, or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 9, has been initiated or completed (whatever the result may be) by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass orders thereon as he may think fit :

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person :

- (i) has, within a period of two years from the date of such action, received a notice to show cause why such action shall not be varied and;
- (ii) has been given a reasonable opportunity of making representation and if he so desires of being heard, in his defence.

11. *Savings*—(1) Nothing in this Order shall apply to the import of any goods :—

- (a) by the Central Government or agencies, undertakings owned and controlled by the Central Government for Defence purposes.
- (b) by the Central Government or any State Government, Statutory Corporation, public body or Government Undertaking run, as a Joint Stock Company through the agency of the Purchase Organisations of the Ministry of Supply i.e. India Supply Mission, London and India Supply Mission, Washington;
- (c) by the Central Government, any State Government or any statutory corporation or public body or Government undertaking run as a Joint Stock Company, orders in respect of which are placed through the Directorate General, Supplies and Disposals, New Delhi.
- (d) by transshipment or imported and bonded on arrival for re-export as ships stores to any country outside India except Nepal, Tibet and Bhutan or imported and bonded on arrival for re-export as aforesaid but subsequently released for use of Diplomatic personnel, Consular Officers in India and the officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempt from payment of duty under Ministry of Finance (D.R.) Notification No 3 dated the 8th January, 1957 and United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947, respectively;
- (dd) imported and bonded on arrival for sale at approved duty-free shops, whether to outgoing or incoming passengers, against payment in free foreign exchange.
- (e) which are in transit through India by post or otherwise, or are redirected by post or otherwise to a destination outside India, except Nepal, Tibet and Bhutan provided that such goods while in India are always in the custody of the postal/customs authorities;

(f) for transmission across India by air to Afghanistan or by land, to any other country outside India, except Nepal, Tibet and Bhutan under claim for exemption from duty or for refund of duty either in whole or in part, provided that such goods are imported by or on behalf of the Government of a country bordering on India or that the importer undertakes to produce within a specified period evidence that such goods have crossed the borders of India or in default to pay such penalty as the proper officer of customs may deem fit to impose on such goods and provided further that nothing therein contained entitles any goods to exemption from the Export Trade Control Regulations;

(g) by the person as passengers baggage to the extent admissible under the Baggage Rules for the time being in force except quintine falling under Heading number 29 of Schedule I exceeding five hundred tablets or 1 lb. powder or one hundred ampoules;

Provided that in the case of imports by tourists, articles of high value whose re-export is obligatory under Rule 7 of the Tourist Baggage Rules, 1978 shall be re-exported on his leaving India, failing which they shall be deemed to be goods of which the import has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

Provided further where any goods are exempted under this sub-paragraph, the exemption shall be subject to the condition that such goods shall not be sold, advertised or offered for sale or displayed in a shop, until (a) in the case of T.Vs. which have been used for a period not less than 5 years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew, or (b) in the case of other goods when market price has depreciated to less than 50% of their market price when new, except fire arms which cannot be sold or transferred during the life time of the importer for consideration or otherwise;

(gg) by any person through the post or otherwise for his personal use, or by any institution or hospital for its own use except :

- (i) Vegetable seeds falling under Heading number 12 of Schedule I, exceeding—one lb in weight,
- (ii) Bees falling under Heading number 01 of Schedule I.
- (iii) Tea falling under Heading number 09 of Schedule I.
- (iv) Books, magazines, journals and literature which are not allowed to be imported under the import policy for the time being in force.
- (v) Goods, the import of which is canalised under the import policy in force.
- (vi) Alcoholic beverages.
- (vii) Fire arms & ammunition.
- (viii) Consumer electronic items (except hearing aids and life saving equipments, apparatus and appliances and parts thereof).

Provided that the c.i.f. value of goods imported as aforesaid at any one time shall not exceed rupees two thousand.

Notes—The payment in respect of such goods other than those received as gift will be remittable through authorised dealers in foreign exchange with the permission of the Reserve Bank of India.

- (h) covered by an executive instruction issued by the Chief Controller of Imports and Exports to the customs authorities;
- (i) by or on behalf of Diplomatic personnel, consular officers and Trade Commissioner in India who are exempt from payment of Customs duty under Notification 3 dated the 8th January, 1957 of the Government of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Revenue);
- (j) from any country, which are exempt from Customs duty on reimportation under Section 20 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) or under Customs Notification Nos. 113 dated 16th May, 1957, 103 dated 25th March, 1958, 260 and 261, dated 11th October, 1958, 269, 271, 273, 274, 275 and 276, dated 25th October, 1958, and 204 dated 2nd August, 1976, of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), or Notification No. 174, dated 24th September, 1966 as amended or Notification No. 103 dated 16th May, 1978 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) or Notification No. 80 dated 29th August, 1970.
- (k) of Indian manufacture and foreign made parts of such goods, exported and received back by the manufacturer(s) from the consignee for repair and re-export, provided that :—
- (i) the customs authorities are satisfied with the *bona fide* of the case, and
 - (ii) in the case of goods other than those exempt from customs duty on re-importation under Customs Notification No. 132 dated 9th December, 1961, a bond is executed by the importer with the Import Trade Control Authority at port concerned to the effect that the goods thus imported will be re-exported after repair within six months;
- (l) by officials of the United Nations Organisation and its specified agencies who are exempt from payment of Customs duty under the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947;
- (m) being vehicles as defined in Articles I of the Customs Convention on the Temporary Importation of Private Road Vehicles or the component parts thereof referred to in Article 4 of the said convention and are exempt from payment of customs duty under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 296 dated the 2nd August 1976 as subsequently amended by Notification No. 63-Cus dated the 1st May, 1977, provided that :—
- (i) such vehicles or component parts are re-exported within the period specified in the said notification or within such further period as the customs authorities may allow;

(ii) the provisions of the said notification or of the Triptyque or Carnet-De-Passage permit are not contravened in relation to such vehicle or component parts;

falling which the provision of this Order shall apply to such vehicles or component parts and such vehicles or components shall be deemed to be goods the imports of which has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

Provided that nothing in these exceptions shall prejudice the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import of goods that may be in force at the time such goods are imported.

(n) covered by an import licence issued by His Majesty's Government of Nepal and the importer furnishes a bond to the proper officer of customs in the form prescribed by the proper officer of customs with a Scheduled Bank as surety to the effect that he shall pay the duty and pay penalty imposed for contravening Import Trade Control restrictions in respect of the whole or any portion of the goods which is not proved to have entered the territory of Nepal.

(o) of Indian manufacture or otherwise by the Central Government or any State Government for repair and re-export to Indian Embassies abroad or to any other office of the Central Government or State Government in a foreign country

(2) Nothing in this Order shall apply to the import of foodgrains by Food Corporation of India provided that at the time of clearance, a declaration to the effect that the import, in question has been approved by Central Government, is furnished by the importer to the Customs authorities.

(3) Nothing in this Order shall apply to the import of articles of free & edible material, which was supplied as free gift by the agencies approved by the United Nations Organisation and which are exempt from payment of customs duty under the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) Notification No. GSR 766 dated 21st June 1974

(4) Nothing in this order except clause 3, clause 8 clause 8A, clause 8C and clause 10C, shall apply to the import of any goods covered by Open General Licence or Special General Licence issued by the Central Government

12. *Repeals*.—The orders contained in the notification specified in Schedule IV are hereby repealed.

Provided that any thing done or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the aforesaid Orders, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provision of this Order

SCHEDULE 1

(See Clause 3)

NOTE :—Each heading number in Column (1) corresponds to the respective Chapter and heading number of the first Schedule to the Customs Tariff Amendment Act, 1985 as amended on 24-1-1986 and each entry in Column (2) has the same scope and meaning as the corresponding Chapter and heading of the said first Schedule.

Heading No.	Description of articles
1	2

SECTION I

LIVE ANIMALS : ANIMAL PRODUCTS

CHAPTER 1

Live Animals

00.01	Live horses, asses, mules and hinnies.
01.02	Live bovine animals.
01.03	Live swine.
01.04	Live sheep and goats.
01.05	Live poultry, that is to say, fowls of the species <i>Gallus domesticus</i> , ducks, geese, turkeys and guinea fowls.
01.06	Other live animals.

CHAPTER 2

Meat and edible meat offal

02.01	Meat of bovine animals, fresh or chilled.
02.02	Meat of bovine animals, frozen.
02.03	Meat of swine, fresh, chilled or frozen.
02.04	Meat of sheep or goats, fresh, chilled or frozen.
02.05	Meat of horses, asses, mules or hinnies, fresh, chilled or frozen.
02.06	Edible offal of bovine animals, swine, sheep, goats, horses, asses, mules or hinnies, fresh, chilled or frozen.
02.07	Meat and edible offal, of the poultry of heading No. 01.05, fresh, chilled or frozen.
02.08	Other meat and edible meat offal, fresh, chilled or frozen.
02.09	Pig fat free of lean meat and poultry fat (not rendered) fresh, chilled, frozen, salted, in brine, dried or smoked.
02.10	Meat and edible meat offal, salted, in brine, dried or smoked; edible flours and meals of meat or meat offal.

CHAPTER 3

Fish and crustaceans, molluscs and other aquatic invertebrates

03.01	Live fish.
03.02	Fish, fresh or chilled, excluding fish fillets and other fish meat of heading No. 03.04.

1	2
03.03	Fish, frozen, excluding fish fillets and other fish meat of heading No. 03.04.
03.04	Fish fillets and other fish meat (whether or not minced), fresh, chilled or frozen.
03.05	Fish, dried, salted or in brine; smoked fish, whether or not cooked before or during the smoking process; fish meal fit for human consumption.
03.06	Crustaceans, whether in shell or not, live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine; crustaceans, in shell, cooked by steaming or by boiling in water, whether or not chilled, frozen, dried, salted or in brine.
03.07	Molluscs, whether in shell or not, live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine; aquatic invertebrates other than crustaceans and molluscs, live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine.

CHAPTER 4

Dairy produce; birds' eggs; natural honey; edible products of animals origin, not elsewhere specified or included.

01.01	Milk and cream, not concentrated nor containing added sugar or other sweetening matter.
04.02	Milk and cream, concentrated or containing added sugar or other sweetening matter.
04.03	Buttermilk, curdled milk and cream, yogurt, kephir and other fermented or acidified milk and cream, whether or not concentrated or containing added sugar or other sweetening matter or flavoured or containing added fruit or cocoa.
04.04	Whey, whether or not concentrated or containing added sugar or other sweetening matter; products consisting of natural milk constituents whether or not containing added sugar or other sweetening matter, not elsewhere specified or included.
04.05	Butter and other fats and oils derived from milk.
04.06	Cheese and curd.
04.07	Bird's eggs, in shell, fresh, preserved or cooked.
04.08	Bird's eggs, not in shell and egg yolks, fresh, dried, cooked by steaming or by boiling in water moulded, frozen or otherwise preserved, whether or not containing added sugar or other sweetening matter.
04.09	Natural honey.
04.10	Edible products of animal origin, not elsewhere specified or included.

CHAPTER 5

Products of animal origin, not elsewhere specified or included.

05.01	Human hair, unworked, whether or not washed or scoured; waste of human hair.
05.02	Pigs, hogs or boar's bristles and hair; badger hair and other brush making hair; waste of such bristles or hair.

1	2
07.04	Cabbages, cauliflowers, kohirabi, kale and similar edible brassicas, fresh or chilled.
07.05	Lettuce (<i>Lectuca Sativa</i>) and chicory (<i>Chichorium</i> spp.), fresh or chilled.
07.06	Carrots, turnips, salad beetroot, salsify, celeriac, radishes and similar edible roots, fresh or chilled.
07.07	Cucumbers and gherkins, fresh or chilled.
07.08	Leguminous vegetables, shelled or unshelled, fresh or chilled.
07.09	Other vegetables, fresh or chilled.
07.10	Vegetables (uncooked or cooked by steaming or boiling in water), frozen.
07.11	Vegetables provisionally preserved (for example, by Sulphur dioxide gas, in brine, in sulphur water or in other preservative solutions), but unsuitable in that state for immediate consumption.
07.12	Dried vegetables, whole, cut, sliced, broken or in powder, but not further prepared.
07.13	Dried leguminous vegetables, shelled, whether or not skinned or split.
07.14	Manioc, arrowroot, salep, jerusalem artichokes, sweet potatoes and similar roots and tubers with high starch or insulin content, fresh or dried, whether or not sliced or in the form of pellets; sago pith.

06.01	Bulbs, tubes, tuberous roots, corns crowns and rhizomes, dormant, in growth or in flower; chicory plant and roots other than roots of heading No. 12.12.
06.02	Other live plants (including their roots), cuttings and slips; mushroom spawn.
06.03	Cut flowers and flower buds of a kind suitable for bouquets or for ornamental purposes, fresh, dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise prepared.
06.04	Foliage branches and other parts of plants, without flowers or flower buds and grasses, mosses and lichens, being goods of a kind suitable for bouquets or for ornamental purposes, fresh, dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise prepared.

07.01 Potatoes, fresh or chilled.
07.02 Tomatoes, fresh or chilled.
07.03 Onions, shallots, garlic, leeks and other alliums;
vegetables fresh or chilled.

08.01	Coconuts, Brazil nuts and cashew nuts, fresh or dried, whether or not shelled or peeled.
08.02	Other nuts, fresh or dried, whether or not shelled or peeled.
08.03	Bananas, including plantains, fresh or dried.
08.04	Dates, figs, pineapples, avocados, guavas, mangoes and mangosteens, fresh or dried.
08.05	Citrus fruit, fresh or dried.
08.06	Grapes, fresh or dried.
08.07	Melons (including watermelons) and papaws (Papayas), fresh.
08.08	Apples, pears and quinces, fresh.
08.09	Apricots, cherries, peaches (including nectarines) plums, and sloes, fresh.
08.10	Other fruits, fresh.
08.11	Fruit and nuts, uncooked or cooked by steaming or boiling in water, frozen, whether or not containing added sugar or other sweetening matter.
08.12	Fruit and nuts provisionally preserved (for example, by sulphur dioxide gas, in brine, in sulphur water or in other preservative solutions), but unsuitable in that state for immediate consumption.
08.13	Fruit, dried, other than that of heading Nos. 08.01 to 08.06 mixtures of nuts or dried fruits of this Chapter.
08.14	Peel of citrus fruit or melons (including watermelons), fresh, frozen, dried or provisionally preserved in brine, in sulphur water or in other preservative solutions.

1

2

CHAPTER 9

Coffee, Tea, Mate and Spices

- 09.01 Coffee, whether or not roasted or decaffeinated; coffee husks and skins, coffee substitutes containing coffee in any proportions.
- 09.02 Tea.
- 09.03 Mate.
- 09.04 Pepper of the genus *piper*; dried or crushed or ground fruit of the genus *Capsicum* or of the genus *Pimenta*.
- 09.05 Vanilla.
- 09.06 Cinnamon and cinnamon-tree flowers.
- 09.07 Cloves (whole fruit, cloves and stems).
- 09.08 Nutmeg, mace and cardamoms.
- 09.09 Seeds of anise, badian, fennel, coriander, cumin, caraway or juniper.
- 09.10 Ginger, Saffron, turmeric (curcuma), thyme, bay leaves, curry and other spices.

CHAPTER 10

Cereals

- 10.01 Wheat and meslin.
- 10.02 Rye.
- 10.03 Barley.
- 10.04 Oats.
- 10.05 Maize (corn).
- 10.06 Rice.
- 10.07 Grain sorghum.
- 10.08 Buckwheat, millet and canary seed; other cereals.

CHAPTER 11

Products of the Milling Industry; Malt; Starches; Inulin; Wheat Gluten.

- 11.01 Wheat or meslin flour.
- 11.02 Cereal flour other than of wheat or meslin.
- 11.03 Cereal groats, meal and pellets.
- 11.04 Cereal grains otherwise worked (for example, hulled, rolled, flaked, pearled, sliced or kibbled), except rice of heading No. 10.06; germs of cereals, whole, rolled, flaked or ground.
- 11.05 Flour, meal and flakes of potatoes.
- 11.06 Flour and meal of the dried leguminous vegetables of heading No. 07.13, of sago or of roots or tubers of heading No. 07.14; flour, meal and powder of the products of Chapter 8.
- 11.07 Malt, whether or not roasted.
- 11.08 Starches; inulin.
- 11.09 Wheat gluten, whether or not dried.

1

2

CHAPTER 12

Oil Seeds and Oleaginous Fruits, Miscellaneous Grains, Seeds and Fruits, Industrial or Medicinal Plants; Straw and Fodder

- 12.01 Soya Beans, whether or not broken.
- 12.02 Ground-nuts, not roasted or otherwise cooked, whether or not shelled or broken.
- 12.03 Copra.
- 12.04 Linseed, whether or not broken.
- 12.05 Rape or colza seeds, whether or not broken.
- 12.06 Sunflower seeds, whether or not broken.
- 12.07 Other oil seeds and oleaginous fruits whether or not broken.
- 12.08 Flours and meals of oil seeds or oleaginous fruits, other than those of mustard.
- 12.09 Seeds, fruit and spores, of a kind used for sowing.
- 12.10 Hop cones, fresh or dried, whether or not ground, powdered or in the form of pellets; lupulin.
- 12.11 Plants and parts of plants (including seeds and fruits), of a kind used primarily in perfumery, in pharmacy or for insecticidal, fungicidal or similar purposes, fresh or dried whether or not cut, crushed or powdered.
- 12.12 Locust beans, seaweeds and other algae, sugar beet and sugar cane, fresh or dried, whether or not ground; fruit stones and kernels and other vegetable products (including unroasted chicory roots of the variety *Cichorium intybus sativum*) of a kind used primarily for human consumption, not elsewhere specified or included.
- 12.13 Cereal straw and husks, unprepared, whether or not chopped, ground, pressed or in the form of pellets.
- 12.14 Swedes, mangolds, fodder roots, hay, lucerne, (al fal fa), clover, sainfoin, forage, kale, lupines, vetches and similar forage products, whether or not in the form of pellets.

CHAPTER 13

Lac, Gums, Resins and other Vegetable Saps and Extracts

- 13.01 Lac; natural gums, resins, gum-resins and balsams.
- 13.02 Vegetable saps and extracts; pectic substances, pectinates and pectates; agar-agar and other mucilages and thickeners, whether or not modified, derived from vegetable products.

CHAPTER 14

Vegetable Plaiting Materials; Vegetable Products not Elsewhere Specified or Included

- 14.01 Vegetable materials of a kind used primarily for plaiting (for example, bamboos, rattans, reeds, rushes, osier, raffia, cleaned, bleached or dyed cereal straw, and lime bark).
- 14.02 Vegetable materials of a kind used primarily as stuffing or as padding (for example, kapok, vegetable hair and eelgrass whether or not put up as a layer with or without supporting material).

1	2	1	2
14.03	Vegetable materials of a kind used primarily in brooms or in brushes (for example, boomcorn, piassava, couchgrass and ittle), whether or not in hanks or bundles.	15.17	Margarine; edible mixtures or preparations of animals or vegetable fats or oils or of fractions of different fats or oils of this Chapter, other than edible fats or oils or their fractions of heading No. 15.16.
14.04	Vegetable products not elsewhere specified or included.	15.18	Animal or vegetable fats and oils and their fractions, boiled, oxidised, dehydrated, sulphurised, blown, polymerised by heat in vacuum or in inert gas or otherwise chemically modified, excluding those of heading No. 15.16; inedible mixtures or preparations of animal or vegetable fats or oils or of fractions of different fats or oils of this Chapter, not elsewhere specified or included.
SECTION III		15.19	Industrial monocarboxylic fatty acids; acid oils from refining industrial fatty alcohols.
		15.20	Glycerol (glycerine), whether or not pure; glycerolwater and glycerol Lye.
ANIMAL OR VEGETABLE FATS AND OILS AND OTHER CLEAVAGE PRODUCTS; PREPARED EDIBLE FATS; ANIMAL OR VEGETABLE WAXES		15.21	Vegetable waxes (other than triglycerides), beeswax, other insect waxes and spermaceti, whether or not refined or coloured.
CHAPTER 15		15.22	Degras; residues resulting from the treatment of fatty substances or animal or vegetable waxes.
ANIMAL OR VEGETABLE FATS AND OILS AND OTHER CLEAVAGE PRODUCTS; PREPARED EDIBLE FATS; ANIMAL OR VEGETABLE WAXES		SECTION IV	
15.01	Lard; other pig fat and poultry fat, rendered, whether or not pressed or solvent-extracted.	PREPARED FOODSTUFFS; BEVERAGES, SPIRITS AND VINEGAR; TOBACCO AND MANUFACTURED TOBACCO SUBSTITUTES	
15.02	Fats of bovine animals, sheep or goats, raw or rendered, whether or not pressed or solvent-extracted.	CHAPTER 16	
15.03	Lard stearin, lard oil, oleostearin, oleo-oil and tallow oil, not emulsified or mixed or otherwise prepared.	<i>Preparations of meat, of fish or of crustaceans, molluscs or other aquatic invertebrates.</i>	
15.04	Fats and oils and their fractions, or fish or marine mammals, whether or not refined, but not chemically modified.	16.01	Sausages and similar products, of meat, meat offal or blood; food preparations based on these products.
15.05	Wool grease and fatty substances derived therefrom (including lanolin).	16.02	Other prepared or preserved meat, meat offal or blood.
15.06	Other animal fats and oils and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.03	Extracts and juices of meat, fish or crustaceans, molluscs or other aquatic invertebrates.
15.07	Soyabean oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.04	Prepared or preserved fish; caviar and caviar substitutes prepared from fish eggs.
15.08	Ground-nut oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.05	Crustaceans, molluscs and other aquatic invertebrates, prepared or preserved.
15.09	Olive oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	CHAPTER 17	
15.10	Other oils and their fractions, obtained solely from olives, whether or not refined, but not chemically modified, including blends of these oils or fractions with oils or fractions of heading No. 15.09.	<i>Sugars and Sugar Confectionery</i>	
15.11	Palm oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	17.01	Cane or beet sugar and chemically pure sucrose, in solid form.
15.12	Sunflower seed, safflower or cotton-seed oil and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	17.02	Other sugars, including chemically pure lactose, maltose, glucose and fructose, in solid form sugar syrups not containing added flavouring or colouring matter; artificial honey whether or not mixed with natural honey; caramel.
15.13	Coconut (copra), Palm kernel or babassu oil and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	17.03	Molasses resulting from the extraction or refining of sugar.
15.14	Rape, colza or mustard oil and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	17.04	Sugar confectionery (including white chocolate), not containing cocoa.
15.15	Other fixed vegetable fats and oils (including jojoba oil) and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	CHAPTER 18	
15.16	Animal or vegetable fats and oils and their fractions, partly or wholly hydrogenated, interesterified, re-esterified or elaidinised, whether or not refined, but not further prepared.	<i>Cocoa and Cocoa Preparations</i>	
		18.01	Cocoa beans, whole or broken raw or roasted
		18.02	Cocoa shells, husks, skins and other Cocoa waste.

1	2
18.03	Cocoa paste, whether or not defatted.
18.04	Cocoa butter, fat and oil.
18.05	Cocoa powder, not containing added sugar or other sweetening matter.
18.06	Chocolate and other food preparations containing cocoa.

CHAPTER 19

Preparations of Cereals, Flour, Starch or Milk; Pastrycooks' products

- 19.01 Malt extract; food preparations of flour, meal, starch or malt extract, not containing cocoa powder or containing cocoa powder in a proportion by weight of less than 50% not elsewhere specified or included; food preparations of goods of heading Nos. 04.01 to 04.04, not containing cocoa powder or containing cocoa powder in a proportion by weight of less than 10%, not elsewhere specified or included.
- 19.02 Pasta, whether or not cooked or stuffed (with meat or other substances) or otherwise prepared, such as spaghetti, macaroni, noodles, lasagne, gnocchi, ravioli, cannelloni; couscous whether or not prepared.
- 19.03 Tapioca and substitutes therefor prepared from starch, in form of flakes, grains, pearls, siftings or in similar form.
- 19.04 Prepared foods obtained by the swelling or roasting of cereals or cereal products (for example, corn flakes); cereals, other than maize (corn), in grain form, pre-cooked or otherwise prepared.
- 19.05 Bread, pastry, cakes, biscuits and other bakers' wares, whether or not containing cocoa; communion wafers, empty cachets of a kind suitable for pharmaceutical use, sealing wafers, rice paper and similar products.

CHAPTER 20

Preparations of Vegetables Fruit Nuts or other parts of Plants

- 20.01 Vegetables, fruit, nuts and other edible parts of plants, prepared or preserved by vinegar or acetic acid.
- 20.02 Tomatoes prepared or preserved otherwise than by vinegar or acetic acid.
- 20.03 Mushrooms and truffles, prepared or preserved otherwise than by vinegar or acetic acid.
- 20.04 Other vegetables prepared or preserved otherwise than by vinegar or acetic acid, frozen.
- 20.05 Other vegetables prepared or preserved otherwise than by vinegar or acetic acid, not frozen.
- 20.06 Fruit, nuts, fruit-peel and other parts of plants, preserved by sugar (drained, glaze or crystallised).
- 20.07 Jams, fruit jellies, marmalades, fruit or nut puree and fruit or nut pastes, being cooked preparations, whether or not containing added sugar or other sweetening matter.

1	2
20.08	Fruit, nuts and other edible parts of plants, otherwise prepared or preserved, whether or not containing added sugar or other sweetening matter or spirit, not elsewhere specified or included.
20.09	Fruit Juices (including grape must) and vegetable juices, unfermented and not containing added spirit; whether or not containing added sugar or other sweetening matter.

CHAPTER 21

MISCELLANEOUS EDIBLE PREPARATIONS

- 21.01 Extracts, essences and concentrates, of coffee, tea or mate and preparations with a basis of these products or with a basis of coffee, tea or mate; roasted chicory and other roasted coffee substitutes, and extracts, essences and concentrates thereof.
- 21.02 Yeasts (active or inactive); other single cell micro-organisms, dead (but not including vaccines, of heading No. 30.02); prepared baking powders.
- 21.03 Sauces and preparations therefor; mixed condiments and mixed seasonings; mustard flour and meal and prepared mustard.
- 21.04 Soups and broths and preparations therefor; homogenised composite food preparations.
- 21.05 Ice creams and other edible ice, whether or not containing cocoa.
- 21.06 Food preparations not elsewhere specified or included.

CHAPTER 22

Beverages, Spirits and Vinegar

- 22.01 Waters including natural or artificial mineral waters and aerated waters, not containing added sugar or other sweetening matter not flavoured; ice and snow.
- 22.02 Waters, including mineral waters and aerated waters, containing added sugar or other sweetening matter or flavoured, and other non-alcoholic beverages, not including fruit or vegetable juices of heading No. 20.09.
- 22.03 Bee made malt.
- 22.04 Wine of fresh grapes, including fortified wines; grape must other than that of heading No. 20.09.
- 22.05 Vermouth and other wine of fresh grapes flavoured with plants or aromatic substances.
- 22.06 Other fermented beverages (for example, cider, perry, mead).
- 22.07 Undenatured ethyl alcohol of an alcoholic strength by volume of 80% vol or higher; ethyl alcohol and other spirits, denatured, of any strength.
- 22.08 Undenatured ethyl alcohol of an alcoholic strength by volume of less than 80% vol; spirits, liquors and other spirituous beverages; compound alcoholic preparation of a kind used for the manufacture of beverages.
- 22.09 Vinegar and substitutes for vinegar obtained from acetic acid.

1	2	1	2
CHAPTER 23			
<i>Residues and waste from the Food Industries, prepared Animal Fodder</i>			
23.01	Flours, meals and pellets, or meat or meat offal of fish or of crustaceans, molluscs or other aquatic invertebrates, unfit for human consumption; greaves.	25.06	Quartz (other than natural sands); quartzite, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape.
23.02	Bran, Sharps and other residues, whether or not in the forms of pellets, derived from the sifting, milling or other working of cereals or leguminous plants.	25.07	Kaolin and other kaolinic clays, whether or not calcined
23.03	Residues of starch manufacture and similar residues, beet-pulp, bagasse and other waste of sugar manufacture, brewing or distilling dregs and waste, whether or not in the form of pellets.	25.08	Other clays (not including expanded clays of heading No. 68.06), andalusite, kyanite and sillimanite, whether or not calcined; mullite; chamotte or dinas earths.
23.04	Oil-cake and other solid residues, whether or not ground or in the form of pellets, resulting from the extractions of soyabean oil.	25.09	Chalk.
23.05	Oil-cake and other solid residues, whether or not ground or in the form of pellets, resulting from the extractions of ground nut oil.	25.10	Natural calcium phosphates, natural aluminium calcium phosphates and phosphatic chalk.
23.06	Oil cake and other solid residues, whether or not ground or in the form of pellets, resulting from the extractions of vegetable fats or oils, other than those of heading No. 23.04 or 23.05.	25.11	Natural barium sulphate (barytes); natural barium carbonate (witherite), whether or not calcined, other than barium oxide of heading No. 28.16.
23.07	Wine lees; argol.	25.12	Siliceous fossil meals (for example, kieselguhr, tripolite and diatomite) and similar siliceous earths, whether or not calcined, of an apparent specific gravity of 1 or less.
23.08	Vegetable materials and vegetable waste, vegetable residues and by-product, whether or not in the form of pellets, of a kind used in animal feeding, not elsewhere specified or included.	25.13	Pumice stone; emery, natural corundum, natural garnet and other natural abrasives, whether or not heat-treated.
23.09	Preparations of a kind used in animal feeding.	25.14	Slate, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape.
CHAPTER 24		25.15	Marble, travertine, ecaussine and other calcareous monumental or building stone of an apparent specific gravity of 2.5 or more and Alabaster, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape.
<i>Tobacco and manufactured Tobacco substitutes</i>		25.16	Granite, porphyry, basalt, sandstone and other monumental or building stone, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape.
24.01	Unmanufactured tobacco; tobacco refuse.	25.17	Pebbles, gravel, broken or crushed stone, of a kind commonly used for concrete aggregates, for road metalling or for railway or other ballast shingle and flint, whether or not heat-treated; macadam of slag, dross or similar industrial waste, whether or not incorporating the materials cited in the first part of the heading, tarred macadam; granules chippings and powder, of stones of heading No. 25.15 or 25.16, whether or not heat-treated.
24.02	Cigars, cheroots, cigarillos and cigarettes, of tobacco or of tobacco substitutes.	25.18	Dolomite, whether or not calcined; dolomite roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape; agglomerated dolomite (including tarred dolomite).
24.03	Other manufactured tobacco and manufactured tobacco substitutes; "homogenised" or "reconstituted" tobacco extracts and essences.	25.19	Natural magnesium carbonate (magnesite); fused magnesia; dead-burned (sintered) magnesia, whether or not containing small quantities of other oxides added before sintering other magnesium oxide; whether or not pure.
SECTION V		25.20	Gypsum; anhydrite; plasters (consisting of calcined gypsum or calcium sulphate (whether or not coloured, with or without small quantities of accelerators or retarders.
MINERAL PRODUCTS		25.21	Limestone flux; limestone and other calcareous stone, of a kind used for the manufacture of lime or cement
CHAPTER 25			
<i>Salt; Sulphur; Earths and Stone; Plastering Materials, Lime and Cement</i>			
25.01	Salt (including table salt and denatured salt) and pure sodium chloride; whether or not in aqueous solution; sea water.		
25.02	Unroasted iron pyrites.		
25.03	Sulphur of all kinds other than sublimed sulphur precipitated sulphur and colloidal sulphur.		
25.04	Natural graphite.		
25.05	Natural sands of all kinds, whether or not coloured, other than metal bearing sands of Chapter 26		

1	2
25.22	Quicklime, slaked lime and hydraulic lime, other than calcium oxide and hydroxides of heading No. 28.25.
25.23	Portland cement, aluminous cement ("ciment fondu") slag cement, supersulphate cement and similar hydraulic cements, whether or not coloured or in the form of clinkers.
25.24	Asbestos.
25.25	Mica, including splittings; mica waste.
25.26	Natural steatite, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs or a rectangular (including square) shape, talc.
25.27	Natural cryolite; natural chiolite.
25.28	Natural borates and concentrates thereof (whether or not calcined) but not including borates separated from natural brine; natural boric acid containing not more than 85% of H3BO3 calculated on the dry weight.
25.29	Felspar; leucite; nepheline and nepheline syenite; fluorspar.
25.30	Mineral substances not elsewhere specified or included.

CHAPTER 26

Ores, Slag and Ash

26.01	Iron ores and concentrates including roasted iron pyrites.
26.02	Manganese ores and concentrates, including maniferous iron ores and concentrates with a manganese content of 20% or more, calculated on the dry weight.
26.03	Copper ores and concentrates.
26.04	Nickel ores and concentrates.
26.05	Cobalt ores and concentrates.
26.06	Aluminium ores and concentrates.
26.07.	Lead ores and concentrates.
26.08	Zinc ores and concentrates.
26.09.	Tin ores and concentrates.
26.10.	Chromium ores and concentrates.
26.11	Tungsten ores and concentrates.
26.12.	Uranium or thorium ores and concentrates.
26.13.	Molybdenum ores and concentrates.
26.14.	Titanium ores and concentrates.
26.15	Niobium, tantalum, vanadium and zirconium ores and concentrates.
26.16.	Precious metal ores and concentrates.
26.17.	Other ores and concentrates.
26.18.	Granulated slag (slag sand) from the manufacture of iron or steel.
26.19	Slag, dross (other than granulated slag), scaling and other waste from the manufacture of iron or steel.
26.20.	Ash and residues (other than from the manufacture of iron or steel), containing metals or metallic compounds.
26.21	Other slag and ash, including seaweed ash (kelp).

CHAPTER 27

Mineral fuels. Mineral Oils and products of their distillation; Bituminous substances; Mineral Waxes

27.01	Coal briquettes, ovoids and similar solid fuels manufactured from coal.
27.02	Lignite, whether or not agglomerated, excluding jet.
27.03	Peat (including peat litter), whether or not agglomerated.
27.04	Coke or semi-coke of coal, of lignite or of peat whether or not agglomerated; retort carbon.
27.05	Coal gas, water gas, producer gas and similar gases, other than petroleum gases and other gaseous hydrocarbons.
27.06	Tar distilled from coal, from lignite or from peat, and other mineral tars, whether or not dehydrated or partially distilled, including reconstituted tars.
27.07	Oils and other products of the distillation of high temperature coal tar; similar products in which the weight of the aromatic constituents exceeds that of the non-aromatic constituents.
27.08	Pitch and pitch coke, obtained from coal tar or from other mineral tars.
27.09	Petroleum oils and oils obtained from bituminous minerals, crude.
27.10	Petroleum oils and oils obtained from bituminous minerals, other than crude; preparations not elsewhere specified or included, containing by weight 70% or more of petroleum oils or of oil obtained from bituminous minerals, these oils being the basic constituents of the preparations.
27.11	Petroleum gases and other gaseous hydrocarbons.
27.12	Petroleum jelly; paraffin wax, micro-crystalline petroleum wax, slack wax, ozokerite, lignite wax, peat wax, other mineral waxes, and similar products obtained by synthesis or by other processes, whether or not coloured.
27.13	Petroleum coke, petroleum bitumen and other residues of petroleum oils or of oils obtained from bituminous minerals.
27.14	Bitumen and asphalt, natural; bituminous or oil shale and tar sands; asphaltities and asphaltic rocks.
27.15	Bitumen and asphalt, natural; bituminous or oil natural bitumen, on petroleum bitumen or mineral tar or on mineral tar pitch (for example bituminous mastics, cut-backs).
27.16	Electrical Energy.

SECTION VI

PRODUCTS OF THE CHEMICAL OR ALLIED INDUSTRIES

CHAPTER 28

Inorganic Chemicals; Organic or Inorganic compounds of precious metals of Rareearth Metals, or Radioactive Elements or of Isotopes

I. CHEMICAL ELEMENTS

28.01	Fluorine, Chlorine, bromine and Iodine.
-------	---

1	2	1	2
28.02	Sulphur, sublimed or precipitated; colloidal sulphur.	28.29	Chlorates and perchlorates; bromates and perbromates; iodates and periodates.
28.03	Carbon (Carbon blacks and other forms of carbon not elsewhere specified or included).	28.30	Sulphides; polysulphides.
28.04	Hydrogen, rare gases and other non-metals.	28.31	Dithionites and sulphonylates.
28.05	Alkali or alkaline-earth metals; rare-earth metals, scandium and yttrium, whether or not intermixed or interalloyed; mercury.	28.32	Sulphites; thiosulphates.
II. INORGANIC ACIDS AND INORGANIC OXYGEN COMPOUNDS OF NON-METALS		28.33	Sulphates; alums; peroxosulphates (Persulphates).
28.06	Hydrogen chloride (hydrochloric acid); Chlorosulphuric acid	28.34	Nitrites; Nitrates.
28.07	Sulphuric acid; oleum	28.35	Phosphinates (hydrophosphites), Phosphonates (Phosphites), Phosphates and Polyphosphates.
28.08	Nitric acid; sulphonitric acids.	28.36	Carbonates; peroxocarbonates (percarbonates; commercial ammonium carbonate containing ammonium carbonate.
28.09	Diphosphorus pentoxide; phosphoric acid and polyphosphoric acids.	28.37	Cyanides, Cyanide oxides and complex cyanides.
28.10	Oxides of boron; boric acids.	28.38	Fluorides, cyanates and thiocyanates.
28.11	Other inorganic acids and other inorganic compounds of non-metals.	28.39	Silicates; commercial alkali metal silicates.
III. HALOGEN OR SULPHUR COMPOUNDS OF NON-METALS		28.40	Borates; peroxoborates (perborates).
28.12	Halides and halide oxides of non-metals.	28.41	Salts of oxometallic or peroxometallic acids.
28.13	Sulphides of non-metals; commercial phosphorus trisulphide.	28.42	Other salts of inorganic acids or peroxyacids, excluding azides.
IV. INORGANIC BASES AND OXIDES, HYDROXIDES AND PEROXIDES OF METALS		VI. MISCELLANEOUS	
28.14	Ammonia, anhydrous or in aqueous solution.	28.43	Colloidal precious metals; inorganic or organic compounds of precious metals, whether or not chemically defined; amalgams of precious metals.
28.15	Sodium hydroxide (Caustic soda); potassium hydroxide (caustic potash); peroxides of sodium or potassium.	28.44	Radioactive chemical elements and radioactive isotopes (including the fissile or fertile chemical elements and isotopes) and their compounds; mixtures and residues containing these products.
28.16	Hydroxide and peroxide of magnesium; oxides, hydroxides and peroxides, of strontium or barium.	28.45	Isotopes other than those of heading No. 28.44; compounds, inorganic or organic, of such isotopes, whether or not chemically defined.
28.17	Zinc Oxide; Zinc peroxide.	28.46	Compounds inorganic or organic, of rare-earth metals, of yttrium or of scandium or of mixtures of these metals.
28.18	Aluminium Oxide; (including artificial corundum); Aluminium Hydroxide.	28.47	Hydrogen peroxide, whether or not solidified with urea.
28.19	Chromium oxides and hydroxides.	28.48	Phosphides, whether or not chemically defined, excluding ferrophosphorous.
28.20	Manganese oxides.	28.49	Carbides, whether or not chemically defined.
28.21	Iron oxides and hydroxides; earth colours containing 70% or more by weight of combined iron evaluated as Fe_2O_3 .	28.50	Hydrides, nitrides, azides, silicides and borides, whether or not chemically defined.
28.22	Cobalt oxides and hydroxides; commercial cobalt oxides.	28.51	Other inorganic compounds (including distilled or conductivity water and water of similar purity) liquid air (whether or not rare gases have been removed); compressed air; amalgams, other than amalgams of precious metals.
28.23	Titanium oxides.	CHAPTER 29	
28.24	Lead oxides; red lead and orange lead.	<i>Organic Chemicals</i>	
28.25	Hydrazine and hydroxylamine and their inorganic salts; other inorganic bases; other metal oxides, hydroxides and peroxides.	29.01	Acyclic hydrocarbons.
V. SALTS AND PEROXYSALTS OF INORGANIC ACIDS AND METALS		29.02	Cyclic hydrocarbons.
28.26	Fluorides, fluoro-silicates, fluoroaluminates and other complex fluorine salts.	29.03	Halogenated derivatives of hydrocarbons.
28.27	Chlorides, chloride oxides and chloride hydroxides; bromides and bromide oxides iodides and iodide oxides.	29.04	Sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of hydrocarbons, whether or not halogenated.
28.28	Hypochlorites; commercial calcium hypochlorite, chlorites; hypochlorites.	947 GI/90-22	

1	2	1	2
II. ALCOHOLS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES		VIII. ESTERS OR INORGANIC ACIDS AND THEIR SALTS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES	
29.05	Acyclic alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.19	Phosphoric esters and their salts, including lactophosphates; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.
29.06	Cyclic alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.20	Esters of other inorganic acids (excluding esters of hydrogen halides) and their salts; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.
III. PHENOLS, PHENOL-ALCOHOLS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES		IX. NITROGEN—FUNCTION COMPOUNDS.	
29.07	Phenols; phenol-alcohols.	29.21	Amine-function compounds.
29.08	Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of phenols or phenol-alcohols.	29.22	Oxygen-function amino compounds.
IV. ETHERS, ALCOHOL PEROXIDES, ETHER PEROXIDES, KETONE PEROXIDES, EPOXIDES WITH A THREE MEMBERED RING, ACETALS AND HEMI-ACETALS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES		29.23	Quarternary ammonium salts and hydroxides; lecithins and other phosphoraminolipids.
29.09	Ethers, ether-alcohols, ether-phenols, ether alcohol phenols, alcohol peroxides, ether peroxides, ketone peroxides (whether or not chemically defined), and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.24	Carboxamide-function compounds; amide-function compounds of carbonic acid.
29.10	Epoxides, epoxyalcohols, epoxyphenols and epoxyethers, with a three membered ring, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.25	Carboxamide-function compounds (including saccharin and its salts) and imine-function compounds.
29.11	Acetals and hemiacetals, whether or not with other oxygen function, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.26	Nitrile-function compounds.
V. ALDEHYDE FUNCTION COMPOUNDS		29.27	Diazo, azo—or azoxy-compounds.
29.12	Aldehydes, whether or not with other oxygen function; cyclic polymers of aldehydes; para-form aldehyde.	29.28	Organic derivatives of hydrazine or of hydroxylamine.
29.13	Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of products of heading No. 29.12.	29.29	Compounds with other nitrogen function.
VI. KETONE-FUNCTION COMPOUNDS AND QUINONE-FUNCTION COMPOUNDS		X. ORGANO-INORGANIC COMPOUNDS, HETEROCYCLIC COMPOUNDS, NUCLEIC ACIDS AND THEIR SALTS AND SULPHONAMIDES	
29.14	Ketones and quinones, whether or not with other oxygen function, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.30	Organo-sulphur compounds.
VII. CARBOXYLIC ACIDS AND THEIR ANHYDRIDES, HALIDES, PEROXIDES AND PEROXYACIDS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES.		29.31	Other organo-inorganic compounds.
29.15	Saturated acyclic monocarboxylic acids and their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.32	Heterocyclic compounds with oxygen hetero-atom(s) only.
29.16	Unsaturated acyclic monocarboxylic acids, cyclic monocarboxylic acids, their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.33	Heterocyclic compounds with nitrogen hetero atom(s) only; nucleic acids and their salts.
29.17	Polycarboxylic acids, their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.34	Other heterocyclic compounds.
29.18	Carboxylic acids with additional oxygen function and their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29.35	Sulphonamides.
		XI. PROVITAMINES, VITAMINS AND HORMONES	
		29.36	Provitamins and vitamins, natural or reproduced by synthesis (including natural concentrates) derivatives thereof used primarily as vitamins, and Intermixtures of the foregoing, whether or not in any solvent.
		29.37	Hormones, natural or reproduced by synthesis; derivatives thereof used primarily as hormones; other steroids used primarily as hormones.
		XII. GLYCOSIDES AND VEGETABLE ALKALOIDS, NATURAL OR REPRODUCED BY SYNTHESIS AND THEIR SALTS, ETHERS AND OTHER DERIVATIVES	
		29.38	Glycosides, natural or reproduced by synthesis, and their salts, ethers, esters and other derivatives.
		29.39	Vegetable alkaloids, natural or reproduced by synthesis and their salts, ethers, esters and other derivatives.

1	2
XIII. OTHER ORGANIC COMPOUNDS	
29.40	Sugars, chemically pure, other than sucrose, lactose, maltose, glucose and fructose; sugar ethers and sugar esters, and their salts, other than products or heading No. 29.37, 29.38, or 29.39.
29.41	Antibiotics.
29.42	Other organic compounds.

CHAPTER 30*Pharmaceutical Products*

30.01	Glands and other organs for organo-therapeutic uses, dried whether or not powdered; extracts of glands or other organs or of their secretions for organo-therapeutic uses; heparin and its salts; other human or animal substances prepared for therapeutic or prophylactic uses, not elsewhere specified or included.
30.02	Human blood, animal blood prepared for therapeutic, prophylactic or diagnostic uses; antisera and other blood fractions vaccines, toxins, cultures of micro-organisms (excluding yeasts) and similar products.
30.03	Medicaments (excluding goods of heading No. 30.02, 30.05 or 30.06) consisting of two or more constituents which have been mixed together for therapeutic or prophylactic uses not put up in measured doses or in forms or packing for retail sale.
30.04	Medicaments (excluding goods of heading No. 30.02, 30.05 or 30.06) consisting of two or more mixed products for therapeutic or prophylactic uses, put up in measured doses or in forms or packing for retail sale.
30.05	Wadding, gauze, bandages and similar articles (for example, dressings, adhesive plasters, poultices), impregnated or coated with pharmaceutical substances or put up in forms or packings for retail sale for medical; surgical, dental or veterinary purposes.
30.06	Pharmaceutical goods specified in Note 3 in this Chapter.

CHAPTER 31*Fertilisers*

31.01	Animal or vegetable fertiliser, (whether or not mixed together or chemically treated; fertilisers produced by the mixing or chemical treatment of animal or vegetable products.
31.02	Mineral or chemical fertilisers, nitrogenous.
31.03	Mineral or chemical fertilisers, phosphatic.
31.04	Mineral or chemical fertilisers, potassic.
31.05	Mineral or chemical fertilisers containing two or three of the fertilising elements nitrogen, phosphorous and Potassium; other fertilizers; goods of this chapter in tablets or similar forms or in packages of a gross weight not exceeding 10 Kg.

CHAPTER 32

Tanning or dyeing extracts; tannins and their derivatives; dyes, pigments and other colouring matter: paints and varnishes; putty and other mastics; inks

32.01	Tanning extracts of vegetable origin; tannin and their salts, ethers, esters and other derivatives.
-------	---

1	2
32.02	Synthetic organic tanning substances; inorganic tanning substances; tanning preparations, whether or not containing natural tanning substances; enzymatic preparations for pre-tanning.
32.03	Colouring matter of vegetable or animal origin (including dyeing extracts but excluding animal black), whether or not chemically defined; preparations based on colouring matter of vegetable or animal origin as specified in Note 3 to this chapter.
32.04	Synthetic organic colouring matter, whether or not chemically defined; preparations based on synthetic organic colouring matter as specified in Note 3 to this chapter; synthetic organic products of a kind used as fluorescent brightening agents or as luminophores, whether or not chemically defined.
32.05	Colour-lakes; preparations based on colour lakes as specified in Note 3 to this chapter.
32.06	Other colouring matter; preparations as specified in Note 3 to this chapter other than those of heading No. 32.03, 32.04 or 32.05; inorganic products of a kind used as luminophores, whether or not chemically defined.
32.07	Prepared pigments, prepared opacifiers and prepared colours, vitrifiable enamels and glazes, engobes (slips), liquid lustres and similar preparations of a kind used in the ceramic enamelling or glass industry; glass frit and other glass, in the form of powder, granules or flakes.
32.08	Paints and varnishes (including enamels and lacquers) based on synthetic polymers or chemically modified natural polymers, dispersed or dissolved in a nonaqueous medium; solutions as defined in Note 4 to this chapter.
32.09	Paints and varnishes (including enamels, and lacquers) based on synthetic polymers or chemically modified natural polymers, dispersed or dissolved in an aqueous medium.
32.10	Other paints and varnishes (including enamels, lacquers and distempers); prepared water pigments of a kind used for finishing leather.
32.11	Prepared driers.
32.12	Pigments (including metallic powders and flakes) dispersed in non-aqueous media in liquid or paste form of a kind used in the manufacture of paints (including enamels); stamping foils; dyes and other colouring matters put up in forms or packing for retail sale.
32.13	Artists' students or signboard painters' colour, modifying tints, amusement colours and the like, in tablets, tubes, jars, bottles, pans or similar forms or packings.
32.14	Glaziers' putty, grafting putty, resin cements, caulking compounds and other mastics; painters, filling non-refractory surfacing preparation, for facades indoor walls, floors, ceilings or the like.
32.15	Printing ink, writing or drawing ink and other inks, whether or not concentrated or solid.

CHAPTER 33

Essential oils and resinoids; perfumery, cosmetic or toilet preparations

33.01	Essential oils (terpeneless or not), including concretes and absolutes; resinoid; concentrates of
-------	---

1	2	1	2
37.04	Photographic plates, film, paper, paperboard and textiles, exposed but not developed.	38.12	Prepared rubber accelerators; compound plasticisers for rubber or plastics, not elsewhere specified or included; anti-oxidising preparations and other compound stabilisers for rubber or plastics.
37.05	Photographic plates and film, exposed and developed, other than cinematograph film.	38.13	Preparations and charges for fire-extinguishers; charged fire-extinguishing grenades.
36.06	Photographic plates and film, exposed and developed whether or not incorporating sound track or consisting only of sound track.	38.14	Organic composite solvents and thinners, not elsewhere specified or included; prepared paint or varnish removers.
37.07	Chemical preparations for photographic uses other than varnishes, glues, adhesives and similar preparations; unmixed products for photographic uses, put up in measured portions or put up for retail sale in a form ready for use.	38.15	Reaction initiators, reaction accelerators and catalytic preparations, not elsewhere specified or included.

CHAPTER 38

Miscellaneous Chemical Products

38.01	Artificial graphite, colloidal or semi-colloidal graphite; preparations based on graphite or other-carbon in the form of pastes, blocks, plates or other semi-manufactures.
38.02	Activated carbon; activated natural mineral products; animal black; including spent animal black.
38.03	Tall oil, whether or not refined
38.04	Residual lyes from the manufacture of wood pulp, whether or not concentrated, desugared or chemically treated, including lignin sulphonates, but excluding tall oil of heading No. 38.03.
38.05	Gum, wood or sulphate turpentine and other terpenic oils produced by the distillation or other treatment of coniferous woods; crude dipentene; sulphate turpentine and other crude paracymene; pine oil containing alpha-terpinol as the main constituent.
38.06	Rosin and resin acids, and derivatives thereof; rosin spit and rosin oils; run gums.
38.07	Wood tar; wood tar oils, wood creosote; wood naphtha; vegetable pitch; brewer's pitch and similar preparations based on rosin, resin acids or on vegetable pitch.
38.08	Insecticides, rodenticides, fungicides, herbicides, anti-sprouting products and plant-growth regulators, disinfectants and similar products, put up in forms or packings for retail sale or as preparations or articles (for example, sulphur treated bands, wicks and candles, and fly papers).
38.09	Finishing agents, dye carriers to accelerate the dyeing or fixing of dyestuff and other products and preparations (for example, dressings and mordants of a kind used in the textile, paper, leather or like industries, not elsewhere specified or included).
38.10	Pickling preparations for metal surfaces; fluxes and other auxiliary preparations for soldering, brazing or welding; soldering, brazing or welding powders and pastes consisting of metal and other materials, preparations of a kind used as cores or coatings for welding electrodes or rods.
38.11	Anti-knock preparations, oxidation inhibitors, gum-inhibitors, viscosity improvers, anti-corrosive preparations and other prepared additives, for mineral oils (including gasoline) or for other liquids used for the same purposes as mineral oils.

38.16	Refractory cement, mortars, concretes and similar compositions, other than products of heading No. 38.01.
38.17	Mixed alkylbenzenes and mixed alkyl-naphthalenes, other than those of heading No. 27.07 or 29.02.
38.18	Chemical elements, doped for use in electronics, in the form of discs, wafers or similar forms; chemical compounds doped for use in electronics.
38.19	Hydraulic brake fluids and other prepared liquids for hydraulic transmission, not containing or containing less than 70% by weight of petroleum oils or oils obtained from bituminous minerals.
38.20	Anti-freezing preparations and prepared de-icing fluids.
38.21	Prepared culture media for development of microorganisms.
38.22	Prepared binders for foundry moulds or cores; other than those of heading No. 30.02 or 30.06.
38.23	Prepared binders for foundry moulds or cores; chemical products and preparations of the chemical or allied industries (including those consisting of mixtures of natural products) not elsewhere specified or included; residual products of the chemical or allied industries, not elsewhere specified or included.

SECTION VII

PLASTICS AND ARTICLES THEREOF; RUBBER AND ARTICLES THEREOF

CHAPTER 39

Plastics and articles thereof

39.01	Polymers of ethylene, in primary forms.
39.02	Polymers of propylene or of other olefins, in primary forms.
39.03	Polymers of styrene, in primary forms.
39.04	Polymers of vinyl chloride or of other halogenated olefins, in primary forms.
39.05	Polymers of vinyl acetate or of other vinyl ester in primary forms; other vinyl polymers in primary forms.
39.06	Acrylic polymers in primary forms.
39.07	Polyacetals, other polyethers and epoxide resins, in primary forms; polycarbonates, alkylid resins, polyalyl esters and other polyesters, in primary forms.
39.08	Polyamides in primary forms.

1	2	1	2
39.09	Amino-resins, phenolic resins and polyurethanes, in primary forms.	40.04	Waste, parings and scrap of rubber other than hard rubber and powders and granules obtained therefrom.
39.10	Silicones in primary forms.	40.05	Compounded rubber, unvulcanised, in primary forms or in plates sheets or strip.
39.11	Petroleum resins, coumarone-indene resins polyterpenes, polysulphones and other products specified in Note 3 to this Chapter, not elsewhere specified or included, in primary forms.	40.06	Other forms (for example, rods, tubes and profile shapes) and articles (for example, discs and rings), of unvulcanised rubber.
39.12	Cellulose and its derivatives, not elsewhere specified or included, in primary forms.	40.07	Vulcanised rubber thread and cord.
39.13	Natural polymers (for example, alginic acid) and modified natural polymers (for example, hardened proteins, chemical derivatives of natural rubber) not elsewhere specified or included in primary forms.	40.08	Plates, sheets, strip rods and profile shapes, of vulcanised rubber other than hard rubber.
39.14	Ion-exchangers based on polymers of headings Nos. 39.01 to 39.13 in primary forms.	40.09	Tubes, pipes and hoses, of vulcanised rubber other than hard rubber, with or without their fittings (for example, joints, elbows flanges).
II. WASTE, PARINGS AND SCRAP; SEMI-MANUFACTURES; ARTICLES		40.10	Conveyor or transmission belts or belting, of vulcanised rubber.
39.15	Waste, parings and scrap, of plastic.	40.11	New Pneumatic tyres, of rubber.
39.16	Monofilament of which any cross-sectional dimension exceeds 1 mm, rods, sticks and profile shapes, whether or not surface-worked but not otherwise worked or plastics.	40.12	Retreaded or used pneumatic tyres of rubber; solid or cushion tyres, interchangeable tyre treads and tyre flaps, of rubber.
39.17	Tubes, pipes and hoses, and fittings therefor (for example, joints, elbows, flanges of plastics.	40.13	Inner tubes, of rubber.
39.18	Floor covering of plastics, whether or not self-adhesive, in rolls or in the form of tiles; wall or ceiling covering of plastics, as defined in Note 9 to this Chapter.	40.14	Hygienic or pharmaceutical articles (including teats) of vulcanised rubber other than hard rubber, with or without fittings of hard rubber.
39.19	Self-adhesive plates, sheets, film foil, tape, strip and other flat shapes, of plastics, whether or not in rolls.	40.15	Articles of apparel and clothing accessories (including gloves) for all purposes, of vulcanised rubber other than hard rubber.
39.20	Other plates, sheets, film, foil and strip, of plastics non-cellular and not reinforced, laminated, supported or similarly combined with other materials.	40.16	Other articles of vulcanised rubber other than hard rubber.
39.21	Other plates, sheets, film, foil and strip, of plastics.	40.17	Hard rubber (for example, ebonite) in all forms, including waste and scrap; articles of hard rubber
39.22	Baths, shower-baths, wash-basins, bidets, lavatory pans, seats and covers, flushing cisterns and similar sanitary ware, of plastics.	SECTION VIII	
39.23	Articles for the conveyance or packing of goods, of plastics; stoppers, lids caps and other closures, of plastics.	RAW HIDES AND SKINS, LEATHER, FURSKINS, AND ARTICLES THEREOF; SADDLERY AND HARNESS; TRAVEL GOODS, HANDBAGS AND SIMILAR CONTAINERS ARTICLES OF ANIMAL GUT (OTHER THAN SILK-WORM GUT)	
39.24	Tableware, kitchenware, other household articles and toilet articles, of plastics.	CHAPTER 41	
39.25	Builder's ware of plastics, not elsewhere specified or included.	<i>Raw hides and skins (other than furskins) and leather</i>	
39.26	Other articles of plastics and articles of other materials of heading Nos. 39.01 to 39.14.	41.01	Raw hides and skins of bovine or equine animal (fresh or salted, dried, limed, pickled or otherwise preserved, but not tanned, parchment-dressed or further prepared), whether or not dehaired or split.
CHAPTER 40		41.02	Raw skins of sheep or lambs (fresh, or salted, dried, limed, pickled or otherwise preserved, but not tanned, parchment dressed or further prepared) whether or not with wool on or split, other than those excluded by Note 1(c) to this chapter.
<i>Rubber and articles thereof</i>		41.03	Other raw hides and skins (fresh or salted, dried, limed, pickled or otherwise preserved, but not tanned, parchment dressed or further prepared) whether or not dehaired or split, other than those excluded by Note 1(b) or 1(c) to this chapter.
40.01	Natural rubber, balata, gutta percha, guayulechicle and similar natural gums, in primary forms or in plates, sheets or strip.	41.04	Leather of bovine or equine animals, without hair on other than leather of heading No. 41.08 or 41.09.
40.02	Synthetic rubber and factice derived from oils, in primary forms or in plates, sheets or strip; mixtures of any product of heading No. 40.01 with any product of this heading, in primary forms or in plates, sheets or strip.		
40.03	Reclaimed rubber in primary forms or in plates, sheets or strips.		

1	2
41.05	Sheep or lamb skin leather, without wool on, other than leather of heading No 41.08 or 41.09.
41.06	Goat or kid skin leather, without hair on, other than leather of heading No 41.08 or 41.09.
41.07	Leather of other animals, without hair on, other than leather of heading No. 41.08 or 41.09.
41.08	Chamois (including combination chamois) leather.
41.09	Patent leather and patent laminated leather; metallised leather.
41.10	Parings and other waste of leather or of composition leather, not suitable for the manufacture of leather articles, leather dust, powder and flour.
41.11	Composition leather with a basis of leather or leather fibre, in slabs, sheets or strip, whether or not in rolls.

CHAPTER 42

Articles of leather; saddlery and harness; travel goods, hand-bags and similar containers; articles of animals gut (other than silk-worm gut)

42.01	Saddlery and harness for any animal (including traces, leads, knee pads, muzzles, saddle cloths, saddle bags, dog coats and the like) of any material.
42.02	Trunks, suit-cases, vanity-cases, executive-cases, brief-cases, school satchels, spectacle cases, binocular cases, camera cases, musical instrument cases, gun cases, holsters and similar containers; travelling bags, toilet bags, rucksacks, hand bags, shopping-bags, wallets, purses, map-cases, cigarette cases, tobacco-pouches, tool bags, sports bags, bottle-cases, jewellery boxes, powder-boxes, cutlery cases and similar containers, of leather or of composition leather or of plastic sheeting, of textile materials, of vulcanised fibre or of paperboard, or wholly or mainly covered with such materials.
42.03	Articles of apparel and clothing accessories, of leather or of composition leather.
42.04	Article of leather or of composition leather of a kind used in machinery or mechanical appliances or for other technical uses.
42.05	Other articles of leather or of composition leather.
42.06	Articles of gut (other than silk-worm gut), of goldbeater's skin, of bladders or of tendons.

CHAPTER 43

Furskins and artificial fur; manufactures thereof

43.01	Raw furskins (including heads, tails paws, and other pieces or cuttings, suitable for furriers' use), other than raw hides and skins of heading No. 41.01, 41.02 or 41.03.
43.02	Tanned or dressed furskins (including heads, tails, paws and other pieces or cuttings), unassembled, or assembled (without the addition of other materials) other than those of heading No. 43.03.
43.03	Articles of apparel, clothing accessories and other articles of furskin.
43.04	Artificial fur and articles thereof.

SECTION IX

WOOD AND ARTICLES OF WOOD; WOOD CHARCOAL; CORK AND ARTICLES OF CORK; MANUFACTURES OF STRAW, OF ESPARTO OR OF OTHER PLATING MATERIALS; BASKETWARE AND WICKERWORK

CHAPTER 44

Wood and articles of wood; wood charcoal

44.01	Fuel wood, in logs, in billets, in twigs, in fagots or in similar forms; wood in chips or particles; sawdust and wood waste and scrap, whether or not agglomerated in logs, briquettes, pellets or similar forms.
44.02	Wood charcoal (including shell or nut charcoal) whether or not agglomerated.
44.03	Wood in the rough, whether or not stripped or bark or sapwood, or roughly squared.
44.04	Hoopwood; split poles, piles, pickets and stakes of wood pointed but not sawn lengthwise; wooden sticks, roughly trimmed but not turned, bent or otherwise worked suitable for the manufacture of walking sticks, umbrellas, tool handles or the like; shipwood and the like.
44.05	Wood wool; wood flour.
44.06	Railway or tramway sleepers (cross-ties) of wood.
44.07	Wood sawn or chipped lengthwise, sliced or peeled, whether or not planed, sanded or finger-jointed, of a thickness exceeding 6 mm.
44.08	Veneer sheets and sheets for plywood (whether or not spliced) and other wood sawn lengthwise sliced or peeled, whether or not planed, sanded or finger-jointed, of a thickness not exceeding 6 mm.
44.09	Wood (including strips and friezes for parquet flooring not assembled) continuously shaped (tongued, grooved, rebated chamfered, V-joined, beaded, moulded, rounded or the like) along any of its edges or faces, whether or not planed, sanded or finger-jointed.
44.10	Particle board and similar board of wood or other ligneous materials, whether or not agglomerated with resins or other organic binding substances.
44.11	Fibreboard of wood or other ligneous materials, whether or not bonded with resins or other organic substances.
44.12	Plywood, veneered panels and similar laminated wood.
44.13	Densified wood, in black plates, strips or profile shapes.
44.14	Wooden frames for paintings, photographs, mirrors or similar objects.
44.15	Packing cases, boxes, crates, drums and similar packings, of wood; cable-drums of wood; pallets, box pallets and other load boards, of wood.
44.16	Casks, barrels, vats, tubs and other coopers' products and parts thereof, of wood including staves.
44.17	Tools, Tool bodies, tool handles, broom or brush bodies and handles, or wood; boot or shoe lasts and trees, of wood.

1	2	1	2
44.18	Builders' joinery and carpentry of wood, including cellular wood panels, assembled parquet panels, shingles and shakes.	48.02	Uncoated paper and paperboard, of a kind used for wrapping, printing or other graphic purposes, and punch card stock and punch tape paper, in rolls of sheets other than paper of Heading No. 48.01 or 48.03; hand-made paper and paperboard.
44.19	Tableware and kitchenware of wood.	48.03	Toilet or facial tissue stock, towel or napkin stock and similar paper of a kind used for household or sanitary purposes, cellulose wadding and webs of cellulose fibres whether or not creped, crinkled, embossed, perforated, surface-coloured, surface-decorated or printed, in rolls of a width exceeding 36 cm or in rectangular (including square) sheets with at least one side exceeding 36 cm in unfolded state.
44.20	Wood marquetry and inlaid wood; caskets and cases for jewellery or cutlery and similar articles of wood; statuettes and other ornaments, of wood; wooden articles of furniture not falling in Chapter 94.	48.04	Uncoated Kraft paper and paperboard, in rolls or sheets, other than that of Heading No. 48.02 or 48.03.
44.21	Other articles of wood.	48.05	Other uncoated paper and paperboard, in rolls or sheets.
CHAPTER 45		48.06	Vegetable parchment, greaseproof papers, tracing papers and glassine and other glazed transparent or translucent papers, in rolls or sheets.
<i>Cork and article of cork</i>		48.07	Composite paper and paperboard (made by sticking flat layers of paper or paperboard together with an adhesive) not surface-coated or impregnated, whether or not internally reinforced, in rolls or sheets.
45.01	Natural cork, raw or simply prepared; waste cork; crushed, granulated or ground cork.	48.08	Paper and paperboard; corrugated (with or without glued hat-surface sheets), creped, crinkled, embossed or perforated, in rolls or sheets, other than that of Heading No. 48.03 or 48.18.
45.02	Natural cork, debarked or roughly squared, or in rectangular (including square blocks, plates, sheets or strip. (Including sharp-edged blanks for corks or stoppers).	48.09	Carbon paper, self-copy paper and other copying or transfer papers (including coated or impregnated paper for duplicator stencils or offset plates), whether or not printed, in rolls of a width exceeding 36 cm or in rectangular (including square) sheets with at least one side exceeding 36 cm in unfolded state.
45.03	Articles of natural cork.	48.10	Paper and paperboard, coated on one or both sides with kaolin (China clay) or other inorganic substances, with or without a binder, and with no other coating, whether or not surface-coloured, surface-decorated or printed, in rolls or sheets.
45.04	Agglomerated cork (with or without a binding substance and articles of agglomerated cork.	48.11	Paper, paperboard, cellulose wadding and webs of cellulose fibres, coated, impregnated, covered surface-coloured, surface-decorated or printed in rolls or sheets, other than goods of Heading No. 48.03, 48.09, 48.10 or 48.18.
CHAPTER 46		48.12	Filter blocks, slabs and plates, of paper pulp.
<i>Manufactures of straw, of esparto or of other plaiting materials, basketware and wickerwork</i>		48.13	Cigarette paper, whether or not cut to size or in the form of booklets or tubes.
46.01	Plaits and similar products of plaiting materials, whether or not assembled into strips; plaiting materials, plaits and similar products of plaiting materials, bound together in parallel stands or woven, in sheet form, whether or not being finished articles (for examples, mats, matting, screens).	48.14	Wallpaper and similar wall covering; window transparencies of paper.
46.02	Basketwork, wickerwork and other articles, made directly to shape from plaiting materials or made up from goods of heading No. 46.01; articles of loofah.	48.15	Floor covering on a base of paper or of paperboard whether or not cut to size.
SECTION X		48.16	Carbon paper, self-copy paper and other copying or transfer paper (other than those of Heading No. 48.09), duplicator stencils and offset plates, of paper, whether or not put up in boxes.
<i>Pulp of wood or other fibrous cellulosic material; waste and scrap of paper or paperboard; paper and paperboard and articles thereof</i>		48.17	Envelopes, letter cards, plain postcards and correspondence cards, of paper or paperboard; boxes, pouches, wallets and writing compendiums, of paper or paperboard, containing an assortment of paper stationery.
CHAPTER 47			
<i>Pulp of wood or of other fibrous cellulosic material, waste scrap of paper or paperboard</i>			
47.01	Mechanical wood pulp.		
47.02	Chemical wood pulp dissolving grades.		
47.03	Chemical wood pulp, soda or sulphate, other than dissolving grades.		
47.04	Chemical wood pulp, sulphite, other than dissolving grades.		
47.05	Semi-chemical wood pulp.		
47.06	Pulps of other fibrous cellulosic material.		
47.07	Waste and scrap of paper or paperboard		
CHAPTER 48			
<i>Paper and paperboard; articles of paper of pulp, of paper or of paperboard</i>			
48.01	Newsprint in rolls or sheets.		

1	2
48.18	Toilet Paper, handkerchiefs, cleaning tissues, towels, tablecloths, serviettes, napkins for babies, tampons, bed sheets and similar household, sanitary or hospital articles, articles of apparel and clothing accessories, of paper pulp, paper, cellulose wadding or webs of cellulose fibres.
48.19	Cartons, boxes, cases, bags and other packing containers of paper, paperboard, cellulose wadding or webs of cellulose fibres; box files, letter trays, and similar articles, or paper or paperboard of a kind used in offices shops or the like.
48.20	Registers, account books, note books, order books, receipt books, letter pads, memorandum pads, diaries and similar articles, exercise books, blotting pads, binders (looseleaf or other), folders, file covers, manifold business forms, interleaved carbon sets and other articles of stationery, of paper or paperboard; albums for samples or for collections and book covers, of paper or paperboard.
48.21	Paper or paperboard labels of all kinds, whether or not printed.
48.22	Bobbins, spools, cops and similar supports of paper pulp, paper or paperboard (whether or not perforated or hardened).
48.23	Other paper, paperboard, cellulose wadding and webs of cellulose fibres, cut to size or shapes; other articles of paper pulp, paper, paperboard, cellulose wadding or webs of cellulose fibres.

CHAPTER 49

Printed books, newspapers, pictures and other products of the printing industry; manuscripts, typescripts and plans

49.01	Printing books, brochures, leaflets and similar printed matter, whether or not in single sheets.
49.02	Newspapers, journals and periodicals, whether or not illustrated or containing advertising material.
49.03	Children's picture drawing or colouring books.
49.04	Music, printed or in manuscript, whether or not bound or illustrated.
49.05	Maps and hydrographic or similar charts of all kinds including atlases, wall maps, topographical plans and globes, printed.
49.06	Plans and drawings for architectural engineering, industrial, commercial, topographical or similar purposes, being originals drawn by hand; hand written texts photographic reproductions on sensitised paper and carbon copies of the foregoing.
49.07	Unused postage, revenue or similar stamps of current or new issue in the country to which they are destined; stamp-impressed paper, cheque forms; banknotes, stock, share, or bond certificates and similar documents of title.
49.08	Transfer de-calcomanias.
49.09	Printed or illustrated postcards; printed cards bearing personal greetings, messages or announcements, whether or not illustrated, with or without envelopes or trimmings.
49.10	Calendars of any kind, printed, including calendar blocks.
49.11	Calendars of any kind, printed including calendar blocks and photographs.

947 GI/90—23.

SECTION XI

Textiles and textiles articles

CHAPTER 50

Silk

50.01	Silk-worm cocoons suitable for reeling.
50.02	Raw silk (not thrown).
50.03	Silk waste (including cocoons unsuitable for reeling, yarn waste and garnetted stock).
50.04	Silk yarn (other than yarn spun from silk waste) not put up for retail sale.
50.05	Yarn spun from silk waste, not put up for retail sale.
50.06	Silk yarn and yarn spun from silk waste, put up for retail sale; silk-worm gut.
50.07	Woven fabric of silk or of silk waste.

CHAPTER 51

Wool, fine or coarse animal hair; horse-hair yarn and woven fabric

51.01	Wool not carded or combed.
51.02	Fine or coarse animal hair, not carded or combed.
51.03	Waste of wool or of fine or coarse animal hair, including yarn waste but excluding granted stock.
51.04	Garnetted stock of wool or of fine or coarse animal hair.
51.05	Wool and fine or coarse animal hair carded or combed (including combed wool in fragments).
51.06	Yarn of carded wool, not put up for retail sale.
51.07	Yarn of combed wool, not put up for retail sale.
51.08	Yarn of fine animal hair (carded or combed) not put up for retail sale.
51.09	Yarn of wool or fine animal hair, put up for retail sale.
51.10	Yarn of coarse animal hair or of horse-hair (including gimped horsehair yarn) whether or not put up for retail sale.
51.11	Woven fabrics of carded wool or carded fine animal hair.
51.12	Woven fabrics of combed wool or of combed fine animal hair.
51.13	Woven fabrics of coarse animal hair or of horse-hair.

CHAPTER 52

Cotton

52.01	Cotton not carded or combed.
52.02	Cotton waste (including yarn waste and granted stock).
52.03	Cotton, carded or combed.
52.04	Cotton sewing thread, whether or not put up for retail sale.

1	2
52.05	Cotton yarn (other than sewing thread), containing 85% or more by weight of cotton, not put up for retail sale.
52.06	Cotton yarn (other than sewing thread), containing less than 85% by weight of cotton, not put up for retail sale.
52.07	Cotton yarn (other than sewing thread) put up more by weight of cotton, weighing more than 85% by weight of cotton, mixed mainly or soled
52.08	Woven fabrics of cotton, containing 85% or more by weight of cotton, weighing not less than 200 g/m.
52.09	Woven fabrics of cotton, containing 85% or more by weight of cotton, weighing more than 200 g/m.
52.10	Woven fabrics of cotton containing less than 85% by weight of cotton, mixed mainly or solely with man-made fibres, weighing not more than 200 g. m.
52.11	Woven fabrics of cotton, containing less than 85% by weight of cotton, mixed mainly or solely with man-made fibres, weighing more than 200 g/m.
52.12	Other woven fabrics of cotton.

CHAPTER 53

Other vegetable textiles fibres; paper yarn and woven fabrics of paper yarn

53.01	Flax, raw or processed but not spun; flax tow and waste (including yarn waste and garnetted stock).
53.02	True hemp (<i>Cannabis Sativa L.</i>), raw or processed but not spun; Tow and waste of true hemp (including yarn waste and garnetted stock).
53.03	Jute and other textile bast fibres (excluding flax, true hemp and ramie), raw or processed but not spun, tow and waste of these fibres (including yarn waste and garnetted stock).
53.04	Sisal and other textile fibres of the genus agave, raw or processed but not spun, tow and waste of these fibres (including yarn waste and garnetted stock).
53.05	Coconut abaca (Manila hemp or <i>Musa textiles Nee</i>), ramie and other vegetable textile fibres, not elsewhere specified or included, raw or processed but not spun; tow, noils and waste of these fibres (including yarn waste and garnetted stock).
53.06	Flax yarn.
53.07	Yarn of jute or of other textile bast fibres of heading No. 53.03
53.08	Yarn of other vegetable textile fibres: paper yarn.
53.09	Woven fabrics of flax
53.10	Woven fabrics of jute or of other textile bast fibres of heading No. 53.03
53.11	Woven fabrics of other vegetable textile fibres: woven fabrics or paper yarn.

1	2
CHAPTER 54	
<i>Man-made Filaments</i>	
54.01	Sewing thread of man-made filaments, whether or not put up for retail sale.
54.02	Synthetic filament yarn (other than sewing thread), not put up for retail sale, including synthetic monofilament of less than 67 decitex.
54.03	Artificial filament yarn (other than sewing thread), not put up for retail sale, including artificial monofilament of less than 67 decitex.
54.04	Synthetic monofilament of 67 decitex or more and of which no cross-sectional dimension exceeds 1 mm; strip and the like (for example, artificial straw) of synthetic textile materials of an apparent width not exceeding 5 mm.
54.05	Artificial monofilament of 67 decitex or more and of which no cross-sectional dimension exceeds 1 mm; strip and the like (for example, artificial straw) of artificial textile material of apparent width not exceeding 5 mm.
54.06	Man-made filament yarn (other than sewing thread) put up for retail sale.
54.07	Woven fabrics of synthetic filament yarn, including woven fabrics obtained from materials of heading No. 54.04.
54.08	Woven fabrics of artificial filament yarn, including woven fabrics obtained from materials of heading No. 54.05.

CHAPTER 55

Man-made staple fibres

55.01	Synthetic filament tow.
55.02	Artificial filament tow.
55.03	Synthetic staple fibres, not carded, combed or otherwise processed for spinning.
55.04	Artificial staple fibres, not carded, combed or otherwise processed for spinning.
55.05	Waste (including noils, yarn waste and garnetted stock) of man-made fibres
55.06	Synthetic staple fibres, carded, combed or otherwise processed for spinning.
55.07	Artificial staple fibres, carded, combed or otherwise processed for spinning.
55.08	Sewing thread of man-made staple fibres, whether or not put up for retail sale.
55.09	Yarn (other than sewing thread) of synthetic staple fibres, not put up for retail sale.
55.10	Yarn (other than sewing thread) of artificial staple fibres, not put up for retail sale.
55.11	Yarn (other than sewing thread) of man-made staple fibre, put up for retail sale.
55.12	Woven fabrics of synthetic staple fibres, containing 85% or more by weight of synthetic staple fibres.
55.13	Woven fabrics of synthetic staple fibres, containing less than 85% by weight of such fibres, mixed mainly or solely with cotton, of a weight not exceeding 170 g/m.

1	2
55.14	Woven fabrics of synthetic staple fibres, containing less than 85% by weight of such fibres, mixed mainly or solely with cotton, of a weight exceeding 170 G/M.
55.15	Other woven fabrics of synthetic staple fibres.
55.16	Woven fabrics of artificial staple fibres.

CHAPTER 56

Wadding, Felt and Non-Wovens; Special Yarns; Twine, Cordage, Ropes and Cables and Article Thereof

56.01	Wadding of textile materials and articles thereof; textile fibres, not exceeding 5 MM in length (flock), textile dust and mill neps.
56.02	Felt, whether or not impregnated, coated, covered or laminated.
56.03	Non-wovens whether or not impregnated, coated, covered or laminated.
56.04	Rubber thread and cord, textile covered, textile yarn and strip and the like of Heading No. 54.04 or 54.05, impregnated, coated, covered or sheathed with rubber or plastics.
56.05	Metallised yarn, whether or not gimped, being textile yarn, or strip or the like of Heading No. 54.04 or 54.05, combined with metal in the form of thread, strip or powder or covered with metal.
56.06	Gimped yarn, and strip and the like of Heading No. 54.04 or 54.05, gimped (other than those of Heading No. 56.05 and gimped horse-hair yarn); chenille yarn (including flock chenille yarn); loop-wale-yarn.
56.07	Twine, cordage, rope and cables, whether or not plaited or braided and whether or not impregnated, coated, covered or sheathed with rubber or plastics.
56.08	Knotted netting of twine, cordage or rope; made up fishing nets and other made up nets, of textile materials.

CHAPTER 57

Carpets and other Textile Floor Coverings

57.01	Carpets and other textile floor covering, knotted, whether or not made up.
57.02	Carpets and other textile floor coverings, wovens not tufted or flocked, whether or not made up, including "Klem", "Schumacks", "Karamanie", and similar hand-woven rugs.
57.03	Carpets and other textile floor coverings, tufted, whether or not made up.
57.04	Carpets and other textile floor coverings, of felt, not tufted or flocked, whether or not made up.
57.05	Other carpets and other textile floor coverings, whether or not made-up.

CHAPTER 58

Special Woven Fabrics; Tufted Textile Fabrics Lace; Tape-tries, Trimmings; Embroidery

58.01	Woven pile fabrics and chenille fabrics, other than fabrics of Headings No. 58.02 or 58.06.
58.02	Terry towelling and similar woven terry fabrics, other than narrow fabrics of Heading No. 58.06; tufted textile fabrics, other than products of Heading No. 57.03.
58.03	Gauge, other than narrow fabrics of Heading No. 58.06.
58.04	Tulles and other net fabrics, not including woven, knitted or crocheted fabrics; Lace in the piece, in strips or in motifs.
58.05	Hand-woven tapestries of the type gobelins, flanders, aubusson, beauvais and the like, and needle-worked tapestries (for example, petit point cross stitch), whether or not made up.
58.06	Narrow woven fabrics other than goods of Heading No. 58.07; Narrow fabrics consisting of warp without weft assembled by means of an adhesive (bolducs).
58.07	Labels badges and similar articles of textile materials, in the piece or strips or cut to shape or size, not embroidered.
58.08	Woven fabrics of metal thread and woven fabrics piece, without embroidery, other than knitted or crocheted, tassels, pompons and similar articles.
58.09	Woven fabrics of metal thread and woven fabrics of metallised yarn of Heading No. 56.05, of a kind used in apparel, as furnishing fabrics or for similar purposes, not elsewhere specified or included.
58.10	Embroidery in the piece, in strips or in motifs.
58.11	Quilted textile products in the piece, composed of one or more layers of textile materials assembled with padding by stitching or otherwise, other than embroidery of Heading No. 58.10.

CHAPTER 59

Impregnated, coated, covered or laminated textile fabrics, textile articles of a kind suitable for industrial use

59.01	Textile Fabrics coated with gum or amylaceous substances of a kind used for the outer covers of books or the like; tracing cloth; prepared painting canvas; Buckram and similar stiffened textile fabrics of a kind used for that foundations.
59.02	Tyre cord fabrics of high tenacity yarn of nylon or other polyamides, polyesters or viscose rayon.
59.03	Textile fabrics impregnated, coated, covered or laminated with plastics, other than those of Heading No. 59.02.
59.04	Linoleum, whether or not cut to shape; floor covering consisting of a coating or covering applied on a textile backing, whether or not cut to shape.
59.05	Textile wall coverings.
59.06	Rubberised textile fabrics, other than those of Heading No. 59.02.
59.07	Textile fabrics otherwise impregnated, coated or covered painted canvas being theatrical scenery, studio backcloths or the like.
59.08	Textile wicks, woven, plaited or knitted, for lamps, stoves, lighters, candles or the like; incandescent gas mantles and tubular knitted gas mantle fabric therefor, whether or not impregnated.

1	2	1	2
59.09	Textile Housepiping and similar textile tubing with or without lining, armour or accessories of other materials.	61.16	Gloves, mittens and mitts, knitted or crocheted.
59.10	Transmission or conveyor belts or belting, of textile material, whether or not reinforced with metal or other material.	61.17	Other made up clothing accessories, knitted crocheted, knitted or crocheted parts of garments or of clothing accessories.
59.10	Textile products and articles, for technical uses, specified in note 7 to this Chapter.		
CHAPTER 60		CHAPTER 62	
<i>Knitted or crocheted fabrics</i>		<i>Articles of apparel and clothing accessories, not knitted or Crocheted</i>	
60.01	Pile fabrics, including "long pile" fabrics and terry fabrics, knitted or crocheted.	62.01	Mens' or Boys' overcoats, car-coats, capes, cloaks, anoraks (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, other than those of Heading No. 62.03.
60.02	Other knitted or crocheted fabrics.	62.02	Womens' or Girls' overcoats, car-coats, capes, cloaks, anoraks (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, other than those of Heading No. 62.04.
CHAPTER 61		62.03	Mens' or Boys' suits, ensembles, jackets, blazers, trousers, bibs and brace overall, breeches and shorts (other than swimwear).
<i>Articles of apparel and clothing accessories, knitted or crocheted</i>		62.04	Womens' or Girls' suits, ensembles, jackets dresses, skirts, divided skirts, trousers, bib and brace overalls, breeches and shorts (other than swimwear).
61.01	Men's or Boy's overcoats, carcoats, capes, cloaks, anoraks (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, knitted or crocheted, other than those of Heading No. 61.03.	62.05	Mens' or Boys' shirts.
61.02	Womens' or Girls' overcoats, carcoats, capes, cloaks, anoraks, (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, knitted or crocheted, other than those of Heading No. 61.04.	62.06	Womens' or Girls' blouses, shirts and skirt-blouses.
61.03	Mens' or Boys' suits, ensembles, jackets, blazers, trousers, bib and brace overalls, breeches and shorts (other than swimwear) knitted or crocheted.	62.07	Mens' or Boys' singlets and other vests, under-pants, briefs, nightshirts, pyjamas, bathrobes, dress gowns and similar articles.
61.04	Womens' or Girls' suits, ensembles, jackets, dresses, skirts, divided skirts, trousers, bib and brace overalls, breeches, and shorts (other than swimwear), knitted or crocheted.	62.08	Womens' or Girls' singlets and other vests, slips, petticoats, briefs, panties nightdresses, pyjamas, negliges, bathrobes, dressing gowns and similar articles.
61.05	Mens' or Boys' shirts, knitted or crocheted.	62.09	Babies' garments and clothing accessories.
61.06	Womens' or Girls' Blouses, Shirts and shirt-blouses, knitted or crocheted.	62.10	Garments, made up of fabrics of Heading No. 56.02, 56.03, 59.03, 59.06 or 59.07.
61.07	Mens' or Boys' underpants, briefs, Nightshirts, pyjamas (bathrobes, dressing gowns and similar articles, knitted or crocheted	62.11	Track suits, skirt-suits and swimwear; other garments.
61.08	Womens' and Girls' slips, petticoats, briefs, panties, nightdresses, pyjamas, negliges, bathrobes, dressing gowns, nad similar articles, knitted or crocheted.	62.12	Brassieres, girdles, corsets, braces, suspenders, garters and similar articles and parts thereof, whether or not knitted or crocheted.
61.09	T-shirts, singlets and other vests, knitted or crocheted.	62.13	Handkerchiefs.
61.10	Jerseys, pullovers, cardigans, waistcoats and similar articles, knitted or crocheted.	62.14	Shawls, scarves, mufflers, mantillas, veils and the like.
61.11	Babies' garments and clothing accessories, knitted or crocheted.	62.15	Ties, bow ties and cravets.
61.12	Track suits, ski-suits and swimwear, knitted or crocheted.	62.16	Gloves, mittens and mitts.
61.13	Garments, made up of knitted or crocheted fabrics of Heading No. 59.03, 59.06 or 59.07.	62.17	Other made up clothing accessories; parts of garments or of clothing accessories, other than those of Heading No. 62.12.
61.14	Other garments, knitted or crocheted.		
61.15	Panty hose, tights, stockings, socks, and other hosiery, including stockings for varicose veins and footwear without applied soles, knitted or crocheted.	CHAPTER 63	
		<i>Other made up textile articles; sets; worn clothing and worn textiles articles; rags</i>	
		I—OTHER MADE UP TEXTILE ARTICLES	
		63.01	Blankets and travelling rugs.
		63.02	Bed linen, table linen, toilet linen and kitchen linen.
		63.03	Curtains (including drapes) and interior blinds; curtain or bed valances.

1	2
63.04	Other furnishing articles, excluding those of Heading No. 94.04.
63.05	Sacks and bags, of a kind used for packing.
63.06	Tarpaulins, sails for boats, sail-boards or land-craft, awnings, sunblinds, tents and camping goods.
63.07	Other made up articles, including dress patterns.

II SETS

63.08	Sets consisting of woven fabric and yarn, whether or not with accessories, for making up into rugs, tapestries, embroidered table cloths or serviettes, or similar textile articles, put up in packings for retail sale.
-------	--

III—WORN CLOTHING AND WORN TEXTILE ARTICLES; RAGS

63.09	Worn clothing and other worn articles.
63.10	Used or new rags, scrap twine, cordage, rope and cables and worn out articles or twine, cordage, rope or cables, of textile materials.

SECTION XII

FOOTWEAR, HEADGEAR, UMBRELLAS, SUN UMBRELLAS, WALKING-STICKS, SEAT-STICKS, WHIPS, RIDING-CROPS AND PARTS THEREOF, PREPARED FEATHERS AND ARTICLES MADE THEREWITH; ARTIFICIAL FLOWERS, ARTICLES OF HUMAN HAIR

CHAPTER 64

Footwear gaiters and the like, parts of such articles

64.01	Waterproof footwear with outer soles and uppers of Rubber or of plastics, the uppers of which are neither fixed to the sole nor assembled by stitching, riveting, nailing, screwing, plugging or similar processes.
64.02	Other footwear with outer soles and uppers of rubber or plastics.
64.03	Footwear with outer soles or rubber, plastics, leather or composition leather and uppers of leather.
64.04	Footwear, with outer soles of rubber, plastics, leather or composition leather and uppers of textile materials.
64.05	Other footwear.
64.06	Parts of footwear; removables in soles, heel cushions and similar articles, leggings and similar articles, and parts thereof.

CHAPTER 65

Headgear and parts thereof

65.01	Hat-forms, hat bodies and hoods of felt, neither blocked to shape nor with made brims; plateaux and manchons (including slit manchons), of felt.
65.02	Hat-shapes, plaited or made by assembling strips of any material, neither blocked to shape, nor with made brims, nor lined, nor trimmed.
65.03	Felt hats and other felt head-gear, made from the hat bodies, hoods or plateaux of Heading No. 65.01, whether or not lined or trimmed.
65.04	Hats and other headgear, plaited or made by assembling strips of any material, whether or not lined or trimmed.

1	2
65.05	Hats and other headgear, knitted or crocheted, or made up from lace, felt or other textile fabrics, in the piece (but not in strips), whether or not lined or trimmed; hair-nets of any material, whether or not lined or trimmed.
65.06	Other headgear, whether or not lined or trimmed.
65.07	Head-bands, linings, covers, hat foundations, hat frames, peaks and chinstraps, for headgear.

CHAPTER 66

Umbrellas, sun umbrellas, walking-sticks, seat-sticks whips, riding crops and parts thereof

66.01	Umbrellas and sun umbrellas (including walking-sticks umbrellas, garden umbrellas and similar umbrellas).
66.02	Walking-sticks, seat-sticks, whips, riding-crops and the like.
66.03	Parts, trimmings and accessories of articles of Heading No. 66.02.

CHAPTER 67

Prepared feathers and down and articles made of feathers or of down; artificial flowers; articles of human hairs

67.01	Skins and other parts of birds with their feathers or down, feathers, parts of feathers, down and articles thereof (other than goods of Heading No. 05.05 and worked quills and scapes).
67.02	Artificial flowers, foliage and fruit and parts thereof; articles made of artificial flowers, foliage or fruits).
67.03	Human hair, dressed, thinned, bleached or otherwise worked; wool or other animal hair or other textile materials, prepared for use in making wigs or the like.
67.04	Wigs, false beards, eyebrows and eyelashes, switches and the like, of human or animal hair or of textile materials; articles of human hair not elsewhere specified or included.

SECTION XIII

ARTICLES OF STONE, PLASTER, CEMENT, ASBESTOS, MICA OR SIMILAR MATERIALS; CERAMIC PRODUCTS; GLASS AND GLASSWARE

CHAPTER 68

Articles of stones, plaster, cement, asbestos, mica, or similar materials

68.01	Setts, curbstones and flagstone, or natural stone (except slate).
68.02	Worked monumental or building stone (except slate) and articles thereof other than goods of Heading No. 68.01 mosaic, cubes and the like of natural stone (including slate, whether or not on a base of textile material, of paper, of paper and powder, of natural stone (including slate)).
68.03	Worked slate and articles of slate or of agglomerated slate.
68.04	Milstones, grindstones, grinding wheels and the like, without frameworks, for grinding, sharpening, polishing, trueing or cutting, hand sharpening or polishing stones, and parts thereof, of natural stone, of agglomerated natural or artificial abrasives, or of ceramics, with or without parts of other materials.

1	2
68.05	Natural or artificial abrasive powder or grain, on a base of textile material, of paper, of paper-board or of other materials, whether or not cut to shape or sewn or otherwise made up.
68.06	Slag wool, rock wool and similar mineral wools; exfoliated vermiculite, expanded clays, foamed slag and similar expanded mineral materials; mixtures and articles of heat-insulating sound-insulating or sound-absorbing mineral materials, other than those of Heading No. 68.11 or 68.12 or of Chapter 69.
68.07	Articles of asphalt or of similar material (for example petroleum bitumen or coal tar pitch).
68.08	Panels, boards, tiles, blocks and similar articles of vegetable fibre, of straw or of shavings, chips, particles, sawdusts or other waste, of wood, agglomerated with cement, plaster or other mineral binders.
68.09	Articles of plaster or of composition based on plaster.
68.10	Articles of cement, of concrete or of artificial stone, whether or not reinforced.
68.11	Articles of asbestos-cement, of cellulose fibre-cement or the like.
68.12	Fabricated asbestos fibres; mixtures with a basis of asbestos or with a basis of asbestos and magnesium carbonate; article of such mixtures or of asbestos (for example, thread, woven, fabric, clothing, headgear, footwear, gaskets), whether or not reinforced, other than goods of Heading No. 68.11 or 68.13.
68.13	Friction material and articles thereof (for example, sheets, rolls, strips, segments, discs, washers, pads), not mounted, for brakes, for clutches or the like, with a basis of asbestos, of other mineral substances or of cellulose, whether or not combined with textile or other materials.
68.14	Worked mica and articles of mica, including agglomerated or reconstituted mica, whether or not on a support of paper, paper board or other materials.
68.15	Articles of stone or of other mineral substances including articles of peat), not elsewhere specified or included.

CHAPTER 69

CERAMIC PRODUCTS

I-GOODS OF SILICEOUS FOSSIL MEALS OR OF SIMILAR SILICEOUS EARTHS, AND REFRACTORY GOODS

69.01	Bricks, blocks, tiles and other ceramic goods of siliceous fossil meals (for example, kieselguhr, tripolite or diatomite) or of similar siliceous earths.
69.02	Refractory bricks, blocks, tiles and similar refractory ceramic constructional goods, other than those of siliceous fossil meals or similar siliceous earths.
69.03	Other refractory ceramic goods. (For example, retorts, crucibles, muffles, nozzles, plugs, supports, cupels, tubes, pipes, sheaths and rods), other than those siliceous fossil meals or of similar siliceous earths.

1	2
	II-OTHER CERAMIC PRODUCTS
69.04	Ceramic building bricks, flooring blocks, support or filler tiles and the like.
69.05	Roofing tiles chimney-pots, cowls, chimney liners, architectural ornaments and other ceramic constructional goods.
69.06	Ceramic pipes, conduits, guttering and pipe fittings.
69.07	Unglazed ceramic flags paving, hearth or wall tiles; unglazed ceramic mosaic cubes and the like, whether or not on a backing.
69.08	Glazed ceramic flags and paving, hearth or wall tiles; glazed ceramic mosaic cubes and the like whether or not on a backing.
69.09	Ceramic wares for laboratory, chemical or other technical uses; ceramic troughs, tubs and similar receptacles of a kind used in agriculture; ceramic pots, jars and similar articles of a kind used for the conveyance or packing of goods.
69.10	Ceramic sinks, wash basins, wash basin pedestals, baths bidets, water closet pans, flushing cisterns, urinals and similar sanitary fixtures.
69.11	Tableware, kitchenware, other household articles and toilet articles, of porcelain or china.
69.12	Ceramic tableware, kitchenware, other household articles and toilet articles, other than of porcelain or china.
69.13	Statuettes and other ornamental ceramic articles.
69.14	Other ceramic articles.

CHAPTER 70

Glass and Glassware

70.01	Cullet and other waste and scrap of glass; glass in the mass.
70.02	Glass in balls (other than microspheres of Heading No. 10.18), rods or tubes, unworked.
70.03	Cast glass and rolled glass, in sheets or profiles whether or not having an absorbent or reflecting layer, but not otherwise worked.
70.04	Drawn glass and blown glass, in sheets, whether or not having an absorbent or reflecting layers, but not otherwise worked.
70.05	Float glass and surface ground or polished glass, in sheets, whether or not having an absorbent or reflecting layer, but not otherwise worked.
70.06	Glass of Heading No. 70.03, 70.04 or 70.05, bent, edges worked, engraved, drilled enamelled or otherwise worked, but not framed or fitted with other materials.
70.07	Safety glass, consisting of toughened (tempered) or laminated glass.
70.08	Multiple-walled insulating units of glass.
70.09	Glass mirrors whether or not framed, including rear-view mirrors.
70.10	Carboys, bottles, flasks, jars, pots phials, ampoules and other containers of glass, of a kind used for the conveyance or packing of goods preserving jars of glass; stoppers, lids and other closures of glass.

1	2	1	2
70.11	Glass envelopes (including bulbs and tubes), open, and glass parts thereof, without fittings, for electric lamps, cathode-ray tubes or the like.		not strung, mounted or set; ungraded synthetic or reconstructed precious or semi-precious stones, temporarily strung for convenience of transport.
70.12	Glass inners for vacuum flasks or for other vacuum vessels.	71.05	Dust and powder of natural or synthetic precious or semi-precious stones.
70.13	Glassware of a kind used for table, kitchen, toilet, office, indoor decoration of similar purposes (other than that of Heading No. 70.10 or 70.18).		II— <i>Precious metals and metals clad with precious metal.</i>
70.14	Signalling glassware and optical elements of glass (other than those of Heading No. 70.15) not optically worked.	71.06	Silver (including silver plated with gold or platinum), unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form.
70.15	Clock or watch glasses and similar glasses, glasses for non-corrective or corrective spectacles, curved bent hollowed or the like; not optically worked, hollow, glass spheres and their segments for the manufacture of such glasses.	71.07	Base metal clad with silver, not further worked than semi-manufactured.
70.16	Paving clocks, slabs, bricks, squares, tiles and other articles of pressed or moulded glass, whether or not wired, of a kind used for building, or construction purposes; glass cubes and other glass small-wares, whether or not on a backing, for mosaics or similar decorative purposes; leaded lights and the like; multicellular or foam glass in blocks, panels, plates, shells or similar forms.	71.08	Gold (including gold plated with platinum) unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form.
70.17	Laboratory, hygienic or pharmaceutical glassware, whether or not graduated or calibrated.	71.09	Base metals or silver, clad with gold, not further worked than semi-manufactured.
70.18	Glass beads, imitation pearls, imitation precious or semi-precious stones and similar glass small-wares, and articles thereof other than imitation jewellery, glass eyes other than prosthetic articles; statuettes and other ornaments of lamp-worked glass, other than imitation jewellery; glass microspheres not exceeding 1 MM in diameter.	71.10	Platinum, unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form.
70.19	Glass fibres (including glass wool) and articles thereof (for example, yarn, woven fabrics).	71.11	Base metals, silver or gold, clad with platinum, not further worked than semi-manufactured.
70.20	Other articles of Glass.	71.12	Waste and scrap of precious metal or of metal clad with precious metal.
SECTION XIV NATURAL OR CULTURED PEARLS, PRECIOUS OR SEMI-PRECIOUS STONES PRECIOUS METALS, METALS CLAD WITH PRECIOUS METALS, AND ARTICLES THEREOF: IMITATION JEWELLERY: COIN			III— <i>Jewellery, Goldsmiths' and Silversmiths' wares and other articles.</i>
		71.13	Articles of jewellery and parts thereof, of precious metal or of metal clad with precious metal,
		71.14	Articles of goldsmiths' or silversmiths' wares and parts thereof, of precious metal or of metal clad with precious metal.
		71.15	Other articles of precious metal or of metal clad with precious metals.
		71.16	Articles of natural or cultured pearls, precious or semi-precious stones (natural, synthetic or reconstructed).
		71.17	Imitation jewellery.
		71.18	Coin.

SECTION XIV

NATURAL OR CULTURED PEARLS, PRECIOUS OR SEMI-PRECIOUS STONES PRECIOUS METALS, METALS CLAD WITH PRECIOUS METALS, AND ARTICLES THEREOF: IMITATION JEWELLERY: COIN

CHAPTER 71

Natural or cultured pearls, precious or semi-precious stones, precious metals, metals, clad with precious metals, and articles thereof; imitation jewellery; coin

I—*Natural or cultured pearls and precious or semi-precious stones.*

- 71.01 Pearls, natural or cultured, whether or not worked or graded but not strung, mounted or set; ungraded pearls, natural or cultured, temporarily strung for convenience of transport.
- 71.02 Diamonds, whether or not worked, but not mounted or set.
- 71.03 Precious stones (other than diamonds) and semi-precious stones, whether or not worked or graded but not strung, mounted or set; ungraded precious stones (other than diamonds) and semi-precious stones, temporarily strung for convenience of transport.
- 71.04 Synthetic or reconstructed precious or semi-precious stones, whether or not worked or graded but

SECTION XV

BASE METALS AND ARTICLES OF BASE METALS

CHAPTER 72

Iron and Steel

I—*Primary materials; products in Granular or Powder form.*

- 72.01 Pig iron and spiegeleisen in pigs blocks or other primary form.
- 72.02 Ferro-alloys.
- 72.03 Ferrous products obtained by direct reduction of iron ore and other spongy ferrous products, in lumps, pellets or similar forms; iron having a minimum purity by weight of 99.94% in lumps, pellets or similar forms.
- 72.04 Ferrous waste and scrap; remelting scrap ingots of iron or steel.
- 72.05 Granules and powders, of pig iron, spiegeleisen, iron or steel.

1	2	1	2
II—Iron and non-alloy Steel.		CHAPTER 73	
72.06	Iron and non-alloy steel in ingots or other primary forms (excluding iron of Heading No. 72.03).	73.01	Sheet piling of iron or steel, whether or not drilled, punched or made from assembled elements; welded angled, shapes and sections, of iron or steel.
72.07	Semi-finished products of iron or non-alloy steel.	73.02	Railway or tramway track construction material of iron or steel, the following: rails, check-rails and rack rails, switch blades, crossing frogs, point rods and other crossing pieces, sleepers (cross-ties), fish-plates, chairs, chair wedges, sole plates (base plates), rail clips, bedplates, ties and other material specialized for jointing or fixing rails.
72.08	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, hot-rolled, not clad, plated or coated.	73.03	Tubes, pipes and hollow profiles, of cast iron.
72.09	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, cold-rolled (cold-reduced), not clad, plated or coated.	73.04	Tubes, pipes and hollow profiles, seamless, of iron (other than cast iron) or steel.
72.10	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, clad, plated or coated.	73.05	Other tubes and pipes (for example, welded, riveted or similarly closed), having internal and external circular cross-sections, the external diameter of which exceed 406.4 MM, of iron or steel.
72.11	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of less than 600 MM, not clad, plated or coated.	73.06	Other tubes, pipes and hollow profiles (for example, open seam or welded, riveted or similarly closed), of iron or steel.
72.12	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of less than 600 MM, clad, plated or coated.	73.07	Tubes or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves) of iron or steel.
72.13	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel.	73.08	Structures (excluding prefabricated buildings of Heading No. 94.06) and parts of structures (for example, bridges and bridge sections, lock-gates, towers, lattice masts, roofs, roofing frameworks, doors and windows and their frames and thresholds for doors, shutters, balustrades, pillars and columns), of iron or steel; plates, rods, angles, shapes, sections, tubes and the like prepared for use in structures, of iron or steel.
72.14	Other bars and rods of iron or non-alloy steel, not further worked than forged, hot-rolled, hot-drawn or hot-extruded, but including those twisted after rolling.	73.09	Reservoirs, tanks, vats and similar containers for any material (other than compressed or liquified gas), of iron or steel, of a capacity exceeding 300L, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
72.15	Other bars and rods of iron or non-alloy steel.	73.10	Tanks, casks, drums, cans, boxes and similar container, for any material (other than compressed or liquified gas), of iron or steel, of a capacity not exceeding 300 L, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
72.16	Angles, shapes and sections of iron or non-alloy steel.	73.11	Containers for compressed or liquified Gas, of iron or steel.
72.17	Wire of iron or non-alloy steel.	73.12	Stranded wire, ropes, cables, plaited banks, slings and the like, of iron or steel not electrically insulated.
III—Stainless steel		73.13	Barbed wire of iron or steel; twisted hoop or single flat wire, barbed or not, and loosely twisted double wire, of a kind use for fencing of iron or steel.
72.18	Stainless steel in ingots or other primary forms; semifinished products of stainless steel.	73.14	Cloth (including endless bands) grill, netting and fencing of iron or steel wire; expanded metal of iron or steel.
72.19	Flat-rolled products of stainless steel, of a width of 600 MM or more.	73.15	Chain and parts thereof, of iron or steel.
72.20	Flat-rolled products of stainless steel, of a width of less than 600 MM.	73.16	Anchors, grapnels and parts thereof, of iron or steel.
72.21	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of stainless steel.	73.17	Nails, tacks, drawing pins, corrugated nails, staples (other than those of Heading No. 83.05) and similar articles, of iron or steel, whether or not with heads of other material, but excluding such articles with heads of copper.
72.22	Other bars and rods of stainless steel; angled, shape and sections of stainless steel.		
72.23	Wire of stainless steel.		
IV—OTHER ALLOYS STEEL; HOLLOW DRILL BARS AND RODS, OF ALLOY OR NON-ALLOY STEEL			
72.24	Other alloy steel in ingots or other primary forms; semi-finished products of other alloy steel.		
72.25	Flat-rolled products of other alloy steel, of a width of 600 MM or more.		
72.26	Flat-rolled products of other alloy steel, of a width of less than 600 MM.		
72.27	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, or other alloy steel.		
72.28	Other bars and rods of other alloy steel; angles, shapes and sections, of other alloy steel, hollow drill bars and rods of alloy or non-alloy steel.		
72.29	Wire of other alloy steel.		

1	2	1	2
73.18	Screws, bolts, nuts, coach-screw, hooks, rivets, cotters, cotter-pins, washers (including spring washers) and similar articles, of iron or steel.	74.17	Cooking or heating apparatus of a kind used for domestic purposes, non-electric and parts thereof, of copper.
73.19	Sewing needles, knitting needles, bodkins, crochet hooks, embroidery stilettos and similar articles, for use in the hand of iron or steel; safety pins and other pins, of iron or steel, not elsewhere specified or included.	74.18	Table, kitchen or other household articles and parts thereof, of copper; pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like, of copper; sanitary ware and parts thereof, of copper.
73.20	Springs and leaves for springs, of iron or steel.	74.19	Other articles of copper.
73.21	Stoves, ranges, grates, cookers (including those with subsidiary boilers for central heating) barbecues, braziers, gas-rings, plate warmers and similar non-electric domestic appliances, and parts thereof; of iron or steel.	CHAPTER 75 <i>Nickel and articles thereof</i>	
73.22	Radiators for central heating not electrically heated, and parts thereof, of iron or steel, air heaters and hot air distributors (including distributors which can also distribute fresh or conditioned air) not electrically heated, incorporating a motor-driven fan or blower, and parts thereof, of iron or steel.	75.01	Nickel matters, nickel oxide sinters and other intermediate products of nickel metallurgy.
73.23	Table, kitchen or other household articles and parts thereof; of iron or steel; iron or steel wool; pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like of iron or steel.	75.02	Unwrought nickel.
73.24	Sanitary ware and parts thereof, of iron or steel.	75.03	Nickel waste and scrap.
73.25	Other cast articles of iron or steel.	75.04	Nickel powders and flakes.
73.26	Other articles of iron or steel.	75.05	Nickel bars, rods, profiles and wire.
CHAPTER 74 <i>Copper and articles thereof</i>		75.06	Nickel plates, sheets, strip and foil.
		75.07	Nickel tubes, pipes and tube or pipe fitting (for example, couplings, elbows, sleeves).
74.01	Copper matters; cement copper (precipitated copper).	75.08	Other articles of nickel.
74.02	Unrefined copper; copper/anodes for electrolytic refining.	CHAPTER 76 <i>Aluminium and articles thereof</i>	
74.03	Refined copper and copper alloys, unwrought.		
74.04	Copper waste and scrap.	76.01	Unwrought aluminium.
74.05	Master alloys of copper.	76.02	Aluminium waste and scrap.
74.06	Copper powders and flakes.	76.03	Aluminium powder and flakes.
74.07	Copper bars, rods and profiles.	76.04	Aluminium bars, rods and profiles.
74.08	Copper wire.	76.05	Aluminium wire.
74.09	Copper plates, sheets and strip, of a thickness exceeding 0.15 mm.	76.06	Aluminium plates, sheets and strip, of a thickness exceeding 0.2 mm.
74.10	Copper foil (whether or not printed or backed with paper, paperboard, plastics or similar backing materials) of a thickness (excluding any backing) not exceeding 0.15 mm.	76.07	Aluminium foil (whether or not printed or backed with paper, paperboard, plastics or similar backing materials) of a thickness (excluding any backing) not exceeding 0.2 mm.
74.11	Copper tubes and pipes.	76.08	Aluminium tubes and pipes.
74.12	Copper tube or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).	76.09	Aluminium tubes or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).
74.13	Stranded wire, cables, plated bands and the like, of copper not electrically insulated.	76.10	Aluminium structure (excluding prefabricated buildings of heading No. 94.06) and parts of structures (for example, bridges and bridge-sections, towers, lattice masts, roofs, roofing frameworks, doors and windows and their frames and thresholds for doors, balustrades, pillars and columns); aluminium plates, rods, profiles, tubes and the like, prepared for use in structures.
74.14	Cloth (including endless bands), grills and netting, of copper wire; expanded metal of copper.	76.11	Aluminium reservoirs, tanks, vats and similar containers, for any material (other than compressed or liquified gas) of a capacity exceeding 300-L, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
74.15	Nails, tacks, drawing pins, staples, (other than those of Heading No. 83.05) and similar articles, of copper or of iron or steel with heads of copper; screws, bolts, nuts, screws, hooks, rivets, cotters, cotterpins, washers (including spring washers) and similar articles, of copper.	76.12	Aluminium casks, drums, cans, boxes and similar containers (including rigid or collapsible tubular containers), for any material (other than compressed or liquified gas) of a capacity not exceeding 300-L, whether or not lined or heat insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
74.16	Copper springs.		

1	2
76.13	Aluminium containers for compressed or liquefied gas.
76.14	Stranded wire, cables, plaited bands and the like of aluminium, not electrically insulated.
76.15	Table, kitchen or other household articles and parts thereof, of aluminium; pot scourers and scouring of polishing pads, gloves and the like, of aluminium, sanitary ware parts thereof, of aluminium.
76.16	Other articles of aluminium.

CHAPTER 77

Reserved for possible future use

CHAPTER 78

Lead and articles thereof

78.01	Unwrought lead.
78.02	Lead waste and scrap.
78.03	Lead bars, rods, profiles and wire.
78.04	Lead plates, sheets, strip and foil; lead powder and flakes.
78.05	Lead plates, sheets, strip and foil; lead powder example, couplings elbows, sleeves).
78.06	Other articles of lead.

CHAPTER 79

Zinc and articles thereof

79.01	Unwrought zinc.
79.02	Zinc waste and scrap.
79.03	Zinc dust, powder and flakes.
79.04	Zinc bars, rods, profiles and wire.
79.05	Zinc plates, sheets, strip and foil.
79.06	Zinc tubes, pipes and tube or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).
79.07	Other articles of zinc.

CHAPTER 80

Tin and articles thereof

80.01	Unwrought tin.
80.02	Tin waste and scrap.
80.03	Tin bars, rods, profiles and wire.
80.04	Tin plates, sheets and strip, of a thickness exceeding 0.2 mm.
80.05	Tin foil (whether or not printed or backed with paper, paperboard, plastics or similar backing materials), of a thickness (excluding any backing not exceeding 0.2 mm; tin powders and flake.
80.06	Tin tubes, pipes and tube or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).
80.07	Other articles of tin.

CHAPTER 81

Other base metals; cermets; articles thereof

81.01	Tungsten (wolfram) and articles thereof, including waste and scrap.
81.02	Molybdenum and articles thereof, including waste and scrap.
81.03	Tantalum and articles thereof, including waste and scrap

1	2
81.04	Magnesium and articles thereof, including waste and scrap.
81.05	Cobalt mattes and other intermediate products of cobalt metallurgy cobalt and articles thereof including waste and scrap.
81.06	Bismuth and articles thereof, including waste and scrap.
81.07	Cadmium and articles thereof, including waste and scrap.
81.08	Titanium and articles thereof, including waste and scrap.
81.09	Zirconium and articles thereof, including waste and scrap.
81.10	Antimony and articles thereof, including waste and scrap.
81.11	Manganese and articles thereof, including waste and scraps.
81.12	Beryllium, chromium, germanium, vanadium, gallium, hafnium, indium, niobium (columbium), rhenium and thallium, and article of these metals, including waste and scrap.
81.13	Cermets and articles thereof, including waste and scrap.

CHAPTER 82

Tools, implements, cutlery, spoons and forks, of base metal; parts thereof base metal

82.01	Hand tools, the following: spades, shovels, mattocks, picks, hoes, forks, and rakes, axes; bill hooks and similar hewing tools; secateurs of any kind; scythes, sickles hay knives, hedge shears, timber wedges and other tools of a kind used in agriculture, horticulture or forestry.
82.02	Hand saws; blades for saws of all kinds (including slitting, slotting, or toothless saw blades).
82.03	Files, rasps, pliers (including cutting pliers), pincers, tweezers, metal cutting shears, pipe cutters, bolt croppers, perforating punches and similar hand tools..
82.04	Hand-operated spanners and wrenches (including torque meter wrenches but not including tap wrenches); interchangeable spanner sockets, with or without handles.
82.05	Hand tools (including glaziers diamonds) not elsewhere specified or included; blow lamps, vices clamps and the like other than accessories for and parts of, machine tools, anvils, portable forges; hand or pedal operated grinding wheel with frameworks.
82.06	Tools of two or more of the headings No 82.03 to 82.05, put up in sets for retail sale.
82.07	Interchangeable tools for hand tools, whether or not power-operated, or for machine-tools (for example, for pressing, stamping punching, tapping, threading drilling, boring, broching, milling turning or screw driving) including dies for drawing or extruding metal, and rock drilling or earth boring tools.
82.08	Knives and cutting blades, for machines or for mechanical appliances.
82.09	Plates, sticks, tips and the like for tools, unmounted, of sintered metal carbides or cermets.
82.10	Hand-operated mechanical appliances, weighing 10 Kg. or less, used in the preparation, conditioning or serving of food or drinks.

1	2
82.11	Knives with cutting blades, serrated or not (including pruning knives) other than knives of heading No. 82.08, and blades therefor.
82.12	Razors and razor blades (including razor blade blanks in strips).
82.13	Scissors, tailors shears and similar shears, and blades thereof.
82.14	Other articles of cutlery (for example, hair clip-pers, butchers' or kitchen cleavers, choppers and mincing knives, paper knives); manicure or pedicure sets and instruments (including nail files).
82.15	Spoons, forks, ladles, skimmers, cake-servers, fish-knives, butter-knives, sugar tongs and similar kitchen or tableware.

CHAPTER 83

Miscellaneous articles of base metal

83.01	Padlocks and locks (key, combination or electrically operated), of base metal; clasps and frames with clasps, incorporating locks of base metal; keys for any of the foregoing articles, of base metal.
83.02	Base metal mountings, fittings and similar articles suitable for furniture, doors, staircases, windows, blinds, coachwork, saddlery, trunks, chests, caskets or the like; base metal hat-racks, hat-pegs, brackets and similar fixtures, castors with mountings of base metal; automatic door closers of base metal.
83.03	Armoured or reinforced safes, strong boxes and doors and safe deposit lockers for strong-rooms, cash or deed boxes and the like, of base metal.
83.04	Filing cabinets, card-index cabinets, paper trays, paper rests, pen trays, office-stamp stands and similar office or desk equipment of base metal other than office furniture of heading No. 94.03.
83.05	Fittings for loose-leaf binders or files, letter clips letter corners, paper clips, indexing tags and similar office articles, of base metal; staples in strips (for example, for offices, upholstery packaging) of base metal.
83.06	Bells, gongs and the like, non-electric, of base metal; statuettes and other ornaments, of base metal; photograph, picture or similar frames, of base metal; mirrors of base metal.
83.07	Flexible tubing of base metal, with or without clasps.
83.08	Clasps frames with clasps, buckles, buckle-clasps hooks, eyes, eyelets and the like, of base metal of a kind used for clothing, footwear, awnings, handbags, travel goods or other made up articles tubular or bifurcated rivets, of base metal; beads and spangles of base metal.
83.09	Stoppers, caps and lids (including crown corks screw caps and pouring stoppers), capsules for bottles, threaded bungs, bung covers, seals and other packing accessories, of base metal.
83.10	Sign plates, name plates, address plates and similar plates, numbers letters and other symbols, of base metal, excluding those of heading No. 94.05.

1	2
83.11	Wire, rods, tubes, plates, electrodes and similar products, of base metal or of metal carbides, coated or cored with flux material, of a kind used for soldering, brazing, welding or deposition of metal or of metal carbides; wire and rods of agglomerated base metal powder, used for metal spraying.

Section XVI

Machinery and mechanical appliances; electrical equipment; parts thereof; sound recorders and reproducers, television image and sound recorders and reproducers; and parts and accessories of such articles.

CHAPTER 84

Nuclear reactors, boilers, machinery and mechanical appliances; parts thereof.

84.01	Nuclear reactors fuel elements (cartridges), non-irradiated, for nuclear reactors; machinery and apparatus for isotopic separation.
84.02	Steam or other vapour generating boilers (other than central heating hot water boilers capable also of producing low pressure steam); super-heated water boilers.
84.03	Central heating boilers other than those of heading No. 84.02.
84.04	Auxiliary plant for use with boilers of heading No. 84.02 or 84.03 (for example, economisers, super-heaters, soot removers, gas recoverers); condensers for steam or other vapour power units.
84.05	Producer gas or water gas generators, with or without their purifiers; acetylene gas generators and similar water process gas generators, with or without their purifiers.
84.06	Steam turbines and other vapour turbines.
84.07	Spark-ignition reciprocating or rotary internal combustion piston engines.
84.08	Compression-ignition internal combustion piston engines (diesel or semi-diesel engines).
84.09	Parts suitable for use solely or principally with the engines of heading No. 84.07 or 84.08.
84.10	Hydraulic turbines, water wheels, and regulators, therefor.
84.11	Turbo-jets, turbo-propellers and other gas turbines.
84.12	Other engines and motors.
84.13	Pumps for liquids, whether or not fitted with a measuring device liquid elevators.
84.14	Air or vacuum pumps, air or other gas compressors and fans; ventilating or recycling hoods incorporating a fan, whether or not fitted with filters.
84.15	Air conditioning machines, comprising a motor driven fan and elements for changing the temperature and humidity including those machines in which the humidity cannot be separately regulated.
84.16	Furnace burners for liquid fuel, for pulverised solid fuel or for gas, mechanical stockers, mechanical grates, mechanical ash dischargers and similar appliances.
84.17	Industrial or laboratory furnaces and ovens, including incinerators, non-electric.

1	2	1	2
84.18	Refrigerators, freezers and other refrigerating or freezing equipment, electric or other; heat pumps other than air conditioning machines of heading No. 84.15.	84.34	Milking machines and dairy machinery.
84.19	Machinery, plant or laboratory equipment, whether or not electricity heated, for the treatment of materials by a process involving a change of temperature such as heating, cooking, roasting, distilling, rectifying, sterilising pasturising, steaming, drying, evaporating, vaporising, condensing or cooling, other than machinery or plant of a kind used for domestic purposes; instantaneous or storage water heaters, non-electric.	84.35	Presses, crushers and similar machinery used in the manufacture of wine, cider, fruit juices or similar beverages.
84.20	Calendaring or other rolling machines, other than for metals or glass, and cylinders therefor.	84.36	Other agricultural, horticultural, forestry, poultry-keeping or bee-keeping machinery, including germination plant fitted with mechanical thermal equipment; poultry incubators and brooders.
84.21	Centrifuges, including centrifugal dryers; filtering or purifying machinery and apparatus, for liquids or gases.	84.37	Machines for cleaning, sorting or grading seed grain or dried leguminous vegetables; machinery used in the milling industry or for the working of cereals or dried leguminous vegetable other than farm-type machinery.
84.22	Dish washing machines, machinery for cleaning or drying bottles or other containers, machinery for filling, clothing sealing, capsuling or labelling bottles, cans boxes, bags or other containers; other packing or wrapping machinery; machinery for aerating beverages.	84.38	Machinery not specified or included elsewhere in this Chapter for the industrial preparation or manufacture of food or drink, other than machinery for the extraction or preparation of animal or fixed vegetable fats or oils.
84.23	Weighing machinery (excluding balances of a sensitivity of 5 cg or better), including weight operated counting or checking machines; weighing machine weights of all kinds.	84.39	Machinery for making pulp of fibrous cellulosic material or for making or finishing paper or paperboard.
84.24	Mechanical appliances (whether or not hand-operated) for projecting, dispersing or spraying liquids or powders; fire extinguishers, whether or not charged; spray guns and similar appliances; steam or sand blasting machines and similar jet projecting machines.	84.40	Book-binding machinery, including book-sewing machines.
84.25	Pulley tackle and hoists other than skip hoists; winches and capstans; jacks.	84.41	Other machinery for making up paper pulp, paper or paperboard including cutting machines of all kinds.
84.26	Derricks, cranes, including cable cranes; mobile lifting frames, straddle-carriers and works trucks fitted with a crane.	84.42	Machinery, apparatus and equipment (other than the machine tools, of heading Nos. 84.56 to 84.65) for type-founding or type-setting, for preparing or making printing blocks plates, cylinders or other printing components; printing type blocks, plates, cylinders and other printing components; blocks, plates, cylinders and lithographic stones, prepared for printing purposes (for example, planed, grained or polished).
84.27	Fork-lift trucks; other works trucks fitted with lifting or handling equipment.	84.43	Printing machinery; machines for uses ancillary to printing.
84.28	Other lifting, handling, loading or unloading machinery (for example, lifts, escalators, conveyors, teleferics).	84.44	Machines for extruding, drawing, texturing or cutting man-made textile materials.
84.29	Self-propelled bulldozers angledozer, graders, levellers, scrapers, mechanical shovels, excavators, shovel loaders, tamping machines and road rollers.	84.45	Machines for preparing textile fibres; spinning, doubling or twisting machines and other machinery for producing textile yarns; textile reeling or winding (including weft-winding) machines and machines for preparing textile yarns for use on the machines of heading No. 84.46 or 84.47.
84.30	Other moving, grading, levelling, scraping, excavating, lumping, compacting, extracting or boring machinery, for earth minerals or ores; pile-drivers and pile-extractors, snow-ploughs and snow blowers.	84.46	Weaving machines (looms).
84.31	Parts suitable for use solely or principally with the machinery of heading Nos. 84.25 to 84.30.	84.47	Knitting machines, stitch-bonding machines and machines for making gimped yarn, tulle, lace embroidery, trimmings, braid or net and machines for tufting.
84.32	Agricultural, horticultural or forestry machinery for soil preparation or cultivation; lawn or sports ground rollers.	84.48	Auxiliary machinery for use with machines of heading Nos. 84.44, 84.45, 84.46 or 84.47 (for example, dobbies, jacquards, automatic stop motion shuttle changing mechanisms); parts and accessories suitable for use solely or principally with the machines of this heading or of heading Nos. 84.44, 84.45, 84.46 or 84.47 (for example, spindles and spindle flyers, card clothing combs, extruding nipples, shuttles, halds and hald-frames hosiery needles).
84.33	Harvesting or threshing machinery, including straw or fodder balers; glass or hay mowers; machines for cleaning, sorting or grading eggs, fruit or other agricultural produce, other than machinery of heading No. 84.37.	84.49	Machinery for the manufacture or finishing of felt or non wovens in the piece or in shapes, including machinery for making felt hats blocks for making hats.

1	2	1	2
84.50	Household or laundry-type washing machines, including machines which both wash and dry.	84.66	Parts and accessories suitable for use solely or principally with the machines of heading No. 84.56 to 84.65 including work or tool holders self-opening dieheads, dividing heads and other special attachments for machine tools, tools holders for any type of tools for working in the hand.
84.51	Machinery (other than machines of heading No. 84.50) for washing, cleaning wringing drying, ironing, pressing (including fusing presses bleaching, dyeing, dressing, finishing, coating or impregnating textile yarns, fabrics or made up textile articles and machines for applying the paste to the base fabric or other support used in the manufacture of floor coverings such as linoleum; machines for reeling, unreeling, folding, cutting or pinking textile fabrics.	84.67	Tools for working in the hand, pneumatic or with self-contained non-electric motor.
84.52	Sewing machines, other than book-sewing machines of heading No. 84.04 furniture bases and covers specially designed for sewing machines; sewing machine needles.	84.68	Machinery and apparatus for soldering, brazing or welding, whether or not capable of cutting, other than those of heading No. 85.15 gas-operated-surface tempering machines and appliances.
84.53	Machinery for preparing tanning or working hides skins or leather or for making or repairing footwear or other articles of hides, skins or leather, other than sewing machines.	84.69	Type-writers and word-processing machines.
84.54	Converters, ladles, Ingot moulds and casting machines, of a kind used in metallurgy or in metal foundries.	84.70	Calculating machines, accounting machines, cash registers, postage franking machines, ticket-issuing machines and similar machines, incorporating a calculating device.
84.55	Metal rolling mills and rolls therefor.	84.71	Automatic data processing machines and units thereof, magnetic or optical readers, machine for transcribing data onto data media in coded form and machines for processing such data, not elsewhere specified or included.
84.56	Machine-tools for working any material by removal of material by laser or other light or photon beam, ultrasonic, electro-discharge electrochemical electron beam, ionic beam or plasma arc processes.	84.72	Other office machine (for example, hectograph or stencil duplicating machines, addressing machines, automatic banknote dispensers, coinsorting machines, coin-counting or wrapping machines, pencil-sharpening machines, perforating or stapling machine.
84.57	Machining centres, unit construction machines (single station) and multi-station transfer machines, for working metal.	84.73	Parts and accessories (other than covers, carrying cases and the like suitable for use solely or principally with machines of heading Nos. 84.69 to 84.72.
84.58	Lathes for removing metal.	84.74	Machinery for sorting, screening, separating washing, crushing, grinding, mixing or kneading earth, stone, ores or other mineral substances, in solid (including powder or paste) form machinery for agglomerating, shaping or moulding solid mineral fuels, ceramic paste, unhardened cements plastering materials or other mineral products in powder or paste form; machines for forming foundry moulds of sand.
84.59	Machine-tools (including way-type unit head machines) for drilling, boring milling, threading or tapping by removing metal, other than lathes of heading No. 84.58.	84.75	Machines for assembling electric or electronic lamps, tubes or valves or flashbulbs, in glass envelopes; machines for manufacturing or hot working glass or glassware.
84.60	Machine-tools for deburring, sharpening, grinding, honing, lapping, polishing or otherwise finishing metal, sintered metal carbides or cermets by means of grinding stones, abrasives or polishing product other than gear cutting, gear grinding or gear finishing machines heading No. 84.61.	84.76	Automatic goods-vending machines (for example postage stamp, cigarette, food or beverage machines) including money changing machines.
84.61	Machine-tools for planing, shaping, slotting, broaching, gear cutting gear grinding or gear finishing, sawing, cutting off and other machine tools working by removing metal, sintered metal carbides or cermets, not elsewhere specified or included.	84.77	Machinery for working rubber or plastics or for the manufacture of products from these materials, not specified or included elsewhere in this Chapter.
84.62	Machine tools (including presses) for working metal by forging hammering or die-stamping, machine-tools (including presses) for working metal by bending, folding straightening, flattening, shearing, punching or notching; presses for working metal or metal carbides, not specified above.	84.78	Machinery for preparing or making up to supply not specified or included elsewhere in this Chapter.
84.63	Other machine-tools for working metal, sintered metal carbides of cermets, without removing material.	84.79	Machines and mechanical appliances having individual functions, not specified or included elsewhere in this Chapter.
84.64	Machine-tools for working stone, ceramics, concrete, asbestos-cement or like mineral materials or for cold working glass.	84.80	Moulding boxes for foundry, mould bases; moulding patterns; moulds for metal (other than ingot moulds, metal carbides, glass, mineral materials, rubber or plastics.
84.65	Machine tools (including machines for nailing stapling, glueing or otherwise assembling) for working wood, cork, bone, hard rubber, hard plastics or similar hard materials.	84.81	Taps, cocks, valves and similar appliances for pipes, boiler shells, tanks, vats or the like, including pressure reducing valves and thermostatically controlled valves.

1	2	1	2
84.82	Ball or roller bearings.	85.14	Industrial or laboratory electric (including induction or dielectric) furnaces and ovens; other industrial or laboratory induction or dielectric heating equipment.
84.83	Transmission shafts (including cam shafts and crank shafts) and cranks; bearing housing and plain shaft bearing; gears and gearing ball screws; gear boxes and other speed changers, including torque converters; flywheels and pulleys, including pulley blocks; clutches and shaft couplings (including universal joints).	85.15	Electric (including electrically heated gas), laser or other light or photon beam, ultrasonic, electron beam, magnetic pulse or plasma arc soldering, brazing or welding machines and apparatus, whether or not capable of cutting; electric machines and apparatus for hot spraying of metals or sintered metal carbides.
84.84	Gaskets and similar joints of metal sheeting combined with other material or of two or more layers of metal; sets or assortments of gaskets and similar joints, dissimilar in composition, put up in pouches, envelopes or similar packings.	85.16	Electric instantaneous or storage water heaters and immersion heaters electric space heating apparatus and soil heating apparatus; electro-thermic hair-dressing apparatus (for example, hair dryers, hair curlers, curling tong heaters) and hand dryers; electric smoothing irons; other electro-thermic appliances of a kind used for domestic purposes; electric heating resistors, other than those of heading No. 85.45.
84.85	Machinery parts, not containing electrical connectors, insulators coils, contacts or other electrical features, not specified or included elsewhere in this Chapter.	85.17	Electrical apparatus for line telephony or line telegraphy, including such apparatus for carrier-current line systems.
CHAPTER 85		85.18	Microphones and stands therefor; loud-speakers, whether or not mounted in their enclosures; headphones; earphones and combined microphone/speaker sets; audio-frequency electric amplifiers; electric sound amplifier sets.
<i>Electrical machinery and equipment and parts thereof; sound recorders and reproducers, television image and sound recorders and reproducers, and parts and accessories of such articles.</i>		85.19	Turntables (record decks), record-players, cassette-players, and other sound reproducing apparatus, not incorporating a sound recording device.
85.01	Electric motors and generators (excluding generating sets).	85.20	Magnetic tape recorders and other sound recording apparatus, whether or not incorporating a sound reproducing device.
85.02	Electric generating sets and rotary converters.	85.21	Video recording or reproducing apparatus.
85.03	Parts suitable for use solely or principally with the machines of heading No. 85.01 or 85.02.	85.22	Parts and accessories of apparatus of heading Nos. 85.19 to 85.21.
85.04	Electrical transformers, static converters (for example, rectifier and inductors).	85.23	Prepared unrecorded media for sound recording or similar recording of other phenomena, other than products of Chapter 37.
85.05	Electro-magnets; permanent magnets and articles intended to become permanent magnets after magnetisation; electromagnetic or permanent magnet chucks, clamps and similar holding devices; electromagnetic couplings, clutches and brakes, electromagnetic lifting heads.	85.24	Records, tapes and other recorded media for sound or other similarly recorded phenomena, including matrices and masters for the production of records, but excluding products of Chapter 37.
85.06	Primary cells and primary batteries.	85.25	Transmission apparatus for radio-telephony, radio-telegraphy, radio-broadcasting or television, whether or not incorporating reception apparatus or sound recording or reproducing apparatus; television cameras.
85.07	Electric accumulators, including separators therefor, whether or not rectangular (including square).	85.26	Radar apparatus, radio navigational aid apparatus and radio remote control apparatus.
85.08	Electro-mechanical tools for working in the hand, with self-contained electric motor.	85.27	Reception apparatus for radio-telephony, radio-telegraphy or radio-broadcasting, whether or not combined, in the same housing, with sound recording or reproducing apparatus or a clock.
85.09	Electro-mechanical domestic appliances, with self-contained electric motor.	85.28	Television receivers (including video monitors and video projectors) whether or not combined, in the same housing, with radio-broadcast receivers or sound or video recording or reproducing apparatus.
85.10	Shavers and hair-clippers with self-contained electric motor.	85.29	Parts suitable for use solely or principally with the apparatus of headings Nos. 85.25 to 85.28.
85.11	Electrical ignition or starting equipment of a kind used for sparkignition or compression-ignition internal combustion engines (for example, ignition magnetos; magneto-dynamos, ignition coils, sparking plugs and glow plugs starter motors); generators (for example, dynamos, alternators) and cut-out of a kind used in conjunction with such engines.		
85.12	Electrical lighting or signalling equipment (excluding articles of heading No. 85.39), wind-screen wipers, defrosters and demisters, of a kind used for cycles or motor vehicles.		
85.13	Portable electric lamps designed to function by their own source of energy (for example, dry batteries, accumulators, magnetos) other than lighting equipment of heading No. 85.12.		

1	2
85.30	Electrical signalling, safety or traffic control equipment for railways, tramways, roads, inland waterways, parking facilities, port installations or airfields (other than those of heading No. 86.08).
85.31	Electric sound or visual signalling apparatus (for example, bells, sirens, indicator panels, burglar or fire alarms) other than those of heading No. 85.12 or 85.30.
85.32	Electrical capacitors, fixed, variable or adjustable (pre-set).
85.33	Electrical resistors (including rheostats and potentiometers other than heating resistors).
85.34	Printed circuit.
85.35	Electrical apparatus for switching or protecting electrical circuits, or for making connections to or in electrical circuits (for example, switches, fuses, lightning arresters, voltage limiters, surge suppressors, plugs, junction boxes) for a voltage exceeding 1,000 volts.
85.36	Electrical apparatus for switching or protecting electrical circuits, or for making connections to or in electrical circuits (for examples, switches, relays, fuses, surge suppressors, plugs, sockets, lamp-holders, junction boxes) for a voltage not exceeding 1,000 volts.
85.37	Boards, panels (including numerical control panels, consoles, desks, cabinets and other bases, equipped with two or more apparatus of heading No. 85.35 or 85.36 for electric control or the distribution of electricity, including those incorporating instruments or apparatus of chapter 90, other than switching apparatus of heading No. 85.17).
85.38	Parts suitable for use solely or principally with the apparatus of heading No. 85.35, 85.36 or 85.37.
85.39	Electric filament or discharge lamps including sealed beam lamp units and ultra-violet or infra-red lamps; arc-lamps.
85.40	Thermionic, cold cathode or photocathode valves and tubes (for example, vacuum or vapour or gas filled valves and tubes, mercury arc rectifying valves and tubes, cathode-ray tubes, television camera tubes).
85.41	Diodes, transistors and similar semi-conductor devices; photosensitive semi-conductor devices, including photovoltaic cells whether or not assembled in modules or made up into panels; light emitting diodes, mounted piezo-electric crystals.
85.42	Electronic integrated circuits and micro-assemblies.
85.43	Electrical machines and apparatus, having individual functions, not specified or included elsewhere in this chapter.
85.44	Insulated (including enamelled or anodised) wire, cable including co-axial cable) and other insulated electric conductors, whether or not fitted with connectors; optical fibre cables, made up of individually sheathed fibres, whether or not assembled with electric conductors or fitted with connectors.
85.45	Carbon electrodes, carbon brushes, lamp carbons, battery carbons and other articles of graphite or other carbon, with or without metal of a kind used for electrical purposes.
85.46	Electrical insulators of any material.

1	2
85.47	Insulating filling for Electrical machines, appliances or equipment being fitting wholly of insulating material apart from any minor components of metals (for example, threaded sockets) incorporated during moulding solely for purposes of assembly other than insulators of heading No. 85.46, electrical conduit tubing and joints therefor of base metal line with insulating material.
85.48	Electrical parts of machinery or apparatus, not specified or included elsewhere in this Chapter.

SECTION XVII

Vehicles, aircrafts, vessels and associated transport equipment

CHAPTER 86

Railway or tramway locomotives, rolling-stock and parts thereof; railway or tramway track fixtures and fittings and parts thereof; mechanical (including electro-mechanical) traffic signalling equipment of all kinds.

- | | |
|-------|---|
| 86.01 | Rail locomotives powered from an external source of electricity or by electric accumulators. |
| 86.02 | Other rail locomotives; locomotive tenders. |
| 86.03 | Self-propelled railway or tramway coaches, vans and trucks, other than those of heading No. 86.04. |
| 86.04 | Railway or tramway maintenance or service vehicles, whether or not self-propelled (for example, workshops, cranes, ballast tampers, trackliners, testing coaches and track inspection vehicles). |
| 86.05 | Railway or tramway passenger coaches, not self-propelled; luggage vans, post office coaches and other special purpose railway or tramway coaches, not self-propelled (excluding those of heading No. 86.04). |
| 86.06 | Railway or tramway goods vans and wagons, not self-propelled. |
| 86.07 | Parts of railway or tramway locomotives or rolling stock. |
| 86.08 | Railway or tramway track fixtures and fittings; mechanical (including electro-mechanical) signalling, safety or traffic control equipment for railways, tramways, roads, inland waterways, parking facilities, port installations or airfields; parts of the foregoing. |
| 86.09 | Containers (including containers for the transport of fluids) specially designed and equipped for carriage by one or more modes of transport. |

CHAPTER 87

Vehicles other than railway or tramway rolling-stock, and parts and accessories thereof.

- | | |
|-------|--|
| 87.01 | Tractors (other than tractors of heading No. 87.09). |
| 87.02 | Public-transport type passenger motor vehicles. |
| 87.03 | Motor cars and other motor vehicles principally designed for the transport of persons (other than those of heading No. 87.02) including station wagons and racing cars. |
| 87.04 | Motor vehicles for the transport of goods. |
| 87.05 | Special purpose motor vehicles, other than those principally designed for the transport of persons or goods (for example, breakdown lorries, crane lorries, fire fighting vehicles, concrete-mixer lorries, road sweeper lorries, spraying lorries, mobile work-shops, mobile radiological units). |

1	2
87.06	Chassis fitted with engines, for the motor vehicles of heading Nos. 87.01 to 87.05.
87.07	Bodies (including cabs), for the motor vehicles of heading Nos. 87.01 to 87.05.
87.08	Parts and accessories of the motor vehicles of heading Nos. 87.01 to 87.05.
87.09	Works trucks, self-propelled, not fitted with lifting or handling equipment, of the type used in factories, warehouses, dock areas or airports for short distance transport of goods; tractors of the type used on railway station platforms; parts of the foregoing vehicles.
87.10	Tanks and other armoured fighting vehicles, motorised, whether or not fitted with weapons, and parts of such vehicles.
87.11	Motorcycles (including mopeds) and cycles fitted with an auxiliary motor, with or without side-cars; side-cars.
87.12	Bicycles and other cycles (including delivery tricycles not motorised).
87.13	Invalid carriages, whether or not motorised or otherwise mechanically propelled.
87.14	Parts and accessories of vehicles of headings Nos. 87.11 to 87.13.
87.15	Baby carriages and parts thereof.
87.16	Trailers and semi-trailers; other vehicles, not mechanically propelled; parts thereof.

CHAPTER 88

Aircraft, spacecraft and parts thereof

88.01	Balloons and dirigibles, gliders, handgliders and other non-powered aircraft.
88.02	Other aircraft (for example, helicopters, aeroplanes); spacecraft (including satellites) and spacecraft launch vehicles.
88.03	Parts of goods heading No. 88.01 or 88.02.
88.04	Parachutes (including dirigible parachutes) and parachutes parts thereof and accessories thereto.
88.05	Aircraft launching gear; deck-arrestor or similar gear; ground flying trainers; parts of the foregoing articles.

CHAPTER 89

Ships, boats and floating structures

89.01	Cruise ships, excursion boats, ferry-boats, cargo ships, barges and similar vessels for the transport of persons or goods.
89.02	Fishing vessels; factory ships and other vessels for processing or preserving fishery products.
89.03	Yachts and other vessels for pleasure or sports; rowing boats and canoes.
89.04	Tugs and pusher craft.

1	2
89.05	Light-vessels, fire-floats, dredgers, floating cranes, and other vessels the navigability of which is subsidiary to their main function; floating docks floating or submersible drilling or production platforms.
89.06	Other vessels, including warships and lifeboats other than rowing boats.
89.07	Other floating structures (for example, rafts, tanks, coffer-dams, landing stages, buoys and beacons).
89.08	Vessels and other floating structures for breaking up.

SECTION XVIII

Optical, photographic, cinematographic, measuring, checking, precision, medical or surgical instruments and apparatus; Clocks and watches; musical instrument; parts and accessories thereof.

CHAPTER 90

Optical photographic, cinematographic, measuring, checking, precision, medical or surgical instruments and apparatus; parts and accessories thereof.

90.01	Optical fibres and optical fibre bundles; optical fibres cables other than those of heading No. 85.44; sheets and plates of polarising material; lenses (including contact lenses) prisms, mirrors and other optical elements, of any material, unmounted other than such elements of glass not optically worked.
90.02	Lenses, prisms, mirrors and other optical element of any material, mounted, being parts of or fittings for instruments or apparatus, other than such elements of glass not optically worked.
90.03	Frames and mounting for spectacles, goggles or the like and parts thereof.
90.04	Spectacles, goggles and the like, corrective, protective or other.
90.05	Binoculars, monoculars, other optical telescopes, and mountings therefor; other astronomical instruments and mounting therefor; but not including instruments for radio-astronomy.
90.06	Photographic (other than cinematographic) cameras; photographic flashlight apparatus and flash bulbs other than discharge lamps of heading No. 85.39.
90.07	Cinematographic cameras and projectors; whether or not incorporating sound recording or reproducing apparatus.
90.08	Image projectors, other than cinematographic; photographic (other than cinematographic) enlargers and reducers.
90.09	Photo-copying apparatus incorporating an optical system or of the contact type and thermocopying apparatus.
90.10	Apparatus and equipment for photographic (including cinematographic) laboratories (including apparatus for the projection of circuit patterns on sensitised semi-conductor materials), not specified or included elsewhere in this Chapter neghroscope projection screens.
90.11	Compound optical microscopes, including those for microphotography microcinematography or microprojection.

1	2	2	
90.12	Microscopes other than optical microscopes; diffraction apparatus.	90.27	Instruments and apparatus for physical or chemical analysis (for example, polarimeters, refractometers, spectrometers, gas or smoke analysis apparatus); instruments and apparatus for measuring of checking viscosity, porosity expansion surface tension or the like instruments and apparatus for measuring or checking quantities of quantities of heat, sound or light including exposure meters micrometomes).
90.13	Liquid crystal devices not constituting articles provided for more specifically in other headings; lasers, other than laser diodes; other optical appliances and instruments; not specified or included elsewhere in this Chapter.	90.28	Gas liquid or electricity supply or production meters, including calibrating meters therefor.
90.14	Direction finding compasses; other navigational instruments and appliances.	90.29	Revolution counters, production counters, taximeters, mileometers pedometers and the like; speed indicators and tachometers; other than those of heading No. 90.15; stroboscopes.
90.15	Surveying (including photogrammetrical surveying), hydrographic, oceanographic, hydrological, meteorological or geophysical instruments and appliances, excluding compasses, rangefinders.	90.30	Oscilliscopes, spectrum analysers and other instruments and apparatus for measuring or checking electrical quantities; excluding meters of heading No. 90.28; instruments and apparatus for measuring or detecting alpha, beta, gamma, x-ray, cosmic or other ionising radiations.
90.16	Balances of a sensitivity of 5 cg or better, with or without weights.	90.31	Measuring or checking instruments, appliances and machines, not specified or included elsewhere in this chapter; profile projectors.
90.17	Drawing marking-out or mathematical calculating instruments (for example, drafting machines, pantographs, protractors, drawing sets, slide rules, disc calculators); instruments for measuring length, for use in the hand (for example, measuring rods and tapes, micrometers, callipers), not specified or included elsewhere in this chapter.	90.32	Automatic regulating or controlling instruments and apparatus.
90.18	Instruments and appliances used in medical, surgical, dental or veterinary sciences, including scintigraphic apparatus, other electro-medical apparatus, and sight-testing instruments.	90.33	Parts and accessories (not specified or included elsewhere in this Chapter) for machines, appliances, instruments of apparatus of Chapter 90.
90.19	Mechano-therapy appliances; massage apparatus, psychological aptitude testing apparatus; ozone therapy, oxygen therapy, aerosol therapy, artificial respiration or other therapeutic respiration apparatus.	CHAPTER 91	
90.20	Other breathing appliances and gas masks excluding protective masks having neither mechanical parts nor replaceable filters.	<i>Clocks and watches and parts thereof</i>	
90.21	Orthopaedic appliances, including crutches, surgical belt and trusses; splints and other fracture appliances; artificial parts of the body; hearing aids and other appliances which are worn or carried, or implanted in the body, to compensate for a defect or disability.	91.01	Wrist-watches, pocket-watches and other watches, including stop-watches, with case of precious metal or of metal clad with precious metal.
90.22	Apparatus based on the use of X-ray or of alpha, beta or gamma radiations, whether or not for medical, surgical, dental or veterinary uses, including radiography or radiotherapy apparatus, X-ray tubes and other X-ray generators, high tension generators, control panels and desks, screen, examination or treatment tables, chairs and the like.	91.02	Wrist-watches, pocket-watches and other watches, including stop-watches, other than those of heading No. 91.01.
90.23	Instruments, apparatus and models, designed for demonstrational purposes (for example, in education or exhibitions) unsuitable for other uses.	91.03	Clocks with watch movements excluding clocks of heading No. 91.04.
90.24	Machines and appliances for testing the hardness, strength, compressibility, elasticity or other mechanical properties or materials (for example, metals, wood, textiles, paper, plastics).	91.04	Instrument panel clock and clocks of a similar type for vehicles, aircraft, spacecraft or vessels.
90.25	Hydrometers and similar floating instruments, thermometers, pyrometers, barometers, hydrometers and psychrometers, recording or not and any combination of these instruments.	91.05	Other clocks.
90.26	Instruments and apparatus for measuring or checking the flow, level, pressure or other variables of liquids or gases (for example, flow meters, level gauges, manometers, heat meters), excluding instruments and apparatus of heading No. 90.14, 90.15, 90.28 or 90.32.	91.06	Time of day recording apparatus and apparatus for measuring recording or otherwise indicating intervals of time, with clock or watch movement or with synchronous motor (for example, time registers, time-recorders).
		91.07	Time switches with clock or watch movement or with synchronous motor.
		91.08	Watch movements, complete and assembled.
		91.09	Clock movements, complete and assembled.
		91.10	Complete watch or clock movements, unassembled or partly assembled (movement sets); incomplete watch or clock movements, assembled; rough watch or clock movements.
		91.11	Watch cases and parts thereof.
		91.12	Clock cases and cases of a similar type for other goods of this chapter, and parts thereof.
		91.13	Watch straps, watch bands and watch bracelets and parts thereof.
		91.14	Other clock or watch parts.

CHAPTER 92

Musical instruments; parts and accessories of such articles

- 92.01 Pianos, including automatic pianos; harpsichords and other keyboard stringed instruments.
- 92.02 Other string musical instruments (for example, guitars, violins, harp).
- 92.03 Keyboard pipe organs; harmoniums and similar keyboard instruments with the free metal reeds.
- 92.04 Accordions and similar instruments; mouth organs.
- 92.05 Other wind musical instruments (for example, clarinets, trumpets, bugpipes).
- 92.06 Percussion musical instruments (for example, drums, xylophones, cymbals, castanets, maraccas).
- 92.07 Musical instruments, the sound of which is produced, or must be amplified, electrically (for example, organs, guitars, accordions).
- 92.08 Musical boxes, fairground organs, mechanical street organs, mechanical singing birds, musical saws and other musical instruments not falling within any other heading of this chapter; decoy calls of all kinds; whistles, call horns and other mouth-blown sound signalling instruments.
- 92.09 Parts (for example, mechanisms for musical boxes) and accessories (for example, cards, discs and rolls for mechanical instruments) of musical instruments; metronomes, tuning forks and pitch pipes of all kinds.

SECTION XIX

Arms and ammunition; parts and accessories thereof

CHAPTER 93

- 93.01 Military weapons, other than revolvers, pistols and arms of heading No. 93.07.
- 93.02 Revolvers and pistols, other than those of heading No. 93.03 or 93.04.
- 93.03 Other firearms and similar devices which operate by the firing of an explosive charge (for example, sporting shotguns and rifles, muzzle-loading fire arms, very light pistols and other devices designed to project only signal flares, pistols and revolvers for firing blank ammunition, captive-bolt humane killers, line-throwing guns).
- 93.04 Other arms (for example, spring, air or gas guns and pistols, truncheons), excluding those of heading No. 93.07.
- 93.05 Parts and accessories of articles of heading Nos. 93.01 to 93.04.
- 93.06 Bombs, grenades, torpedoes, mines, missiles, and similar munitions of war and parts thereof; cartridges and other ammunition and projectiles and parts thereof, including shot and cartridge wads.
- 93.07 Swords, cutlasses, bayonets, lances, and similar arms and parts thereof and scabbards and sheaths therefor.

Section XX

Miscellaneous manufactured articles

CHAPTER 94

Furniture; bedding, mattresses, mattress supports, cushions and similar stuffed furnishing, lamps and lighting fittings, not elsewhere specified or included; illuminated signs, illuminated name-plates and the like; prefabricated buildings

- 94.01 Seats (other than those of heading No. 94.02) whether or not convertible into beds, and parts thereof.
- 94.02 Medical surgical, dental or veterinary furniture (for example, operating tables, examination tables, hospital beds with mechanical fittings, dentists' chairs); barbers' chairs and similar chairs, having rotating as well as both reclining and elevating movements; parts of the foregoing articles.
- 94.03 Other furniture and parts thereof.
- 94.04 Mattress supports; articles of bedding and similar furnishing (for example, mattresses, quilts, eiderdowns, cushions, pouffes and pillows) fitted with any springs or stuffed or internally fitted with material of or of cellular rubber or plastics, whether or not covered.
- 94.05 Lamps and lighting fittings including searchlights and spotlights and parts thereof, not elsewhere specified or included; illuminated signs, illuminated name-plates and the like, having a permanently fixed light source, and parts thereof not elsewhere specified or included.
- 94.06 Prefabricated building.

CHAPTER 95

Toys, games and sports requisites; parts and accessories thereof

- 95.01 Wheeled toys designed to be ridden by children (for example, tricycles, scooters, pedal cars) dolls' carriages.
- 95.02 Dolls representing only human beings.
- 95.03 Other toys; reduced size ("scale") models and similar recreational models working or not; puzzles of all kinds.
- 95.04 Articles for funfair, table or parlour games, including pinball machines, billiards, special tables for casino games and automatic bowling alley equipment.
- 95.05 Festive, carnival or other entertainment articles, including conjuring tricks and novelty jokes.
- 95.06 Articles and equipment for gymnastics, athletics, other sports (including table tennis) or outdoor games, not specified or included elsewhere in this chapter, swimming pools and paddling pools.
- 95.07 Fishing rods (fish-hooks and other line fishing tackle; fish landing nets, butterfly nets and similar nets; decoy "birds" (other than those of heading No. 92.08 or 97.05) and similar hunting or shooting requisites.
- 95.08 Roundabouts, swings, shooting galleries and other fairground amusements; travelling circuses, travelling menageries and travelling theatres.

1	2	1	2
CHAPTER 96		Section XXI	
<i>Miscellaneous manufactured articles</i>		<i>Works of art, collectors' pieces and antiques</i>	
96.01 Worked ivory, bone, tortoise-shell, horn, antlers, coral mother-of-pearl, and other animal carving material, and articles of these materials (including articles obtained by moulding).		CHAPTER 97	
96.02 Worked vegetable or mineral carving material and articles of these materials; moulded or carved articles of wax of stearin of natural gum or natural resins or of modelling pastes, and other moulded or carved articles, not elsewhere specified or included; worked, unhardened gelatin (except gelatin of heading No. 35.03) and articles of unhardened gelatin.		<i>Works of art, collectors' pieces and antiques</i>	
96.03 Brooms, brushes (including brushes constituting parts of machines appliances or vehicles), hand-operated mechanical floor sweepers not motorised, mops and feather dusters; prepared knots and tufts form broom or brush making; paint pads and rollers; squeegees (other than roller squeegees).		97.01 Paintings, drawings and pastels, executed entirely by hand, other than drawings of heading No. 49.06 and other than hand painted or hand-decorated manufactured articles: collages and similar decorative plaques.	
96.04 Hand sieves and hand riddles.		97.02 Original engravings, prints and lithographs.	
96.05 Travel sets for personal toilet, sewing or shoe or clothes cleaning.		97.03 Original sculptures and statuary, in any material.	
96.06 Buttons, press-fasteners, snap-fasteners and press-studs, button moulds and other parts of these articles; button blanks.		97.04 Postage or revenue stamps, stamps-postmarks first-new issue in the country to which they are and the like, used or if unused not of current or new issue in the country to which they are destined.	
96.07 Slide fasteners and parts thereof.		97.05 Collections and Collectors' pieces of zoological botanical, mineralogical anatomical, historical archaeological, palaeontological, ethnographic or numismatic interest.	
96.08 Ball point pens; felt tipped and other porous-tipped pens and markers, fountain pens, stylograph pens and other pens; duplicating stylos; propelling or sliding pencils; pen-holders, pencil-holders, and similar holders; parts (including caps and clips) of the foregoing articles, other than those of heading No. 96.09.		97.06 Antiques of an age exceeding one hundred years.	
96.09 Pencils (other than pencils of heading No. 96.08) crayons, pencil leads, pastels, drawing charcoals, writing or drawing chalks and tailors' chalks.		CHAPTER 98	
96.10 Slates and boards, with writing or drawing surfaces, whether or not framed.		<i>Project Imports : Laboratory Chemicals; passengers' Baggage; Personal Importations by air or post; ship stores;</i>	
96.11 Date, sealing or numbering stamps, and the like (including devices for printing or embossing labels), designed for operating in the hand: hand-operated composing sticks and hand printing sets incorporating such composing sticks.		98.01 All items of machinery including prime movers, instruments, apparatus and appliances, control gear and transmission equipment auxiliary equipment (including those required for research and development purposes, testing and quality control) as well as all components (whether finished or not) or raw materials for the manufacture of the aforesaid items and their components, required for the initial setting up of a unit, or the substantial expansion of an existing unit, of a specified;	
96.12 Typewriter or similar ribbons, inked or otherwise prepared for giving impressions, whether or not on spools or in cartridges; ink-pads, whether or not on spools or in cartridges; ink-pads, whether or not inked, or without boxes.		(1) Industrial plant	
96.13 Cigarette lighters and other lighters whether or not mechanical or electrical, and parts thereof other than flints and wicks.		(2) Irrigation project	
96.14 Smoking pipes (including pipe bowls) and cigar or cigarette holders, and parts thereof.		(3) Power project	
96.15 Combs, hair-slides and the like; hairpins, curling pins, curling grips; hair-curlers and the like, other than those of heading No. 85.16 and parts thereof.		(4) Mining project	
96.16 Scent sprays and similar toilet sprays, and mounts and heads therefor; powder-puffs and pads for the application of cosmetics or toilet preparations.		(5) Project for the exploration for oil or other minerals; and	
96.17 Vacuum flask and other vacuum vessels, complete with cases; parts thereof other than glass liners.		(6) Such other projects as the Central Government may, having regard to the economic development of the country notify, in the official Gazette in this behalf;	
96.18 Tailors' dummies and other lay figures; automata and other animated displays used for shop window dressing.		And spare parts, other raw material (including semi-finished material) or consumable stores not exceeding 10% of the value of the goods specified above provided that such spare parts, raw material or consumable stores are essential for the maintenance of the plant or project mentioned in 1 to 6 above.	
		98.02 Laboratory chemicals.	
		98.03 All dutiable articles imported by a passenger or a member of a crew in his baggage.	
		98.04 All dutiable articles, intended for personal use, imported by post or air, and exempted from any prohibition in respect of the imports thereof under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) but excluding articles falling under Heading No. 98.03.	
		98.05 The following articles of stores on Board a vessel or aircraft on which duty is leviable under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) namely, prepared or preserved meat fish and vegetables dairy products; soup food; fresh fruits and all other consumable stores excluding fuel, lubricating oil, alcoholic drinks and tobacco products.	

CHAPTER 99

Miscellaneous Goods

The following anti-cancer drugs, namely :

- (1) Actinomycin D injection.
- (2) Ammoglutothemide.
- (3) Amphotericin-B injection.
- (4) Azathioprine Tablets and injection.
- (5) Bleomycin injection.
- (6) Busulphan Tablets.
- (7) Carmustine (BCNU) injection.
- (8) Chlorambucin Tablets.
- (9) Cis-platinum injection.
- (10) Cyclocytidine injection.
- (11) Cyclophosphamide Tablets and Cyclophosphamide for injection.
- (12) Cytarabine injection.
- (13) Dacarbazine injection.
- (14) Daunorubicin injection.
- (15) Doxorubicin Hydrochloride injection.
- (16) Etoposide Capsules/Injection.
- (17) Floxuridine (FUDUR) Injection.
- (18) 5-Fluorouracil Capsules and injection.
- (19) Flutafur injection and capsules.
- (20) Hydroxyurea Capsules.
- (21) Ifosfamide injection.
- (22) Iridium (111) in Bleomycin injection.
- (23) L-Asparaginase (Colapase) Injection.
- (24) Leucovorin Calcium injection.
- (25) Melphalan Tablets and injection.
- (26) Mercaptopurine Tablets.
- (27) Methotrexate Tablets and injection.
- (28) Mithramycin injection.
- (29) Mitomycin C Injection and Capsules.
- (30) Mitoume Tablets.
- (31) Mustine Hydrochloride injection.
- (32) Phosphorous (32p) Intralymphatic injection.
- (33) Procarbazine Hydro-Chloride Capsules.
- (34) 32 P Sodium Phosphate Injection.
- (35) Racemic Phenylalanine Nitrogen Mustard, Hydrochloride Tablets and injection.
- (36) Radioisotope Tl 20.
- (37) Sodium Arsenate 74 As Injection.
- (38) Strontium Chloride (85 Sr.) Injection.
- (39) Tamoxifen Citrate Tablets.
- (40) Testolactone injection.
- (41) Thiotepa injection.
- (42) Thioguanine Tablets.
- (43) Tretamine Tablets and injection.
- (44) Trofosfamide Tablets.
- (45) Vinblastine Sulphate injection.
- (46) Vincristine Sulphate Injection.

99.02 The following cardiovascular drugs, namely :

- (1) Diaoxide injection.
- (2) Dispyramide phosphate injection/capsules/tablets.
- (3) Dopamine Hydrochloride injection.
- (4) Isoprenaline injection.
- (5) Nifedipine Capsule.
- (6) Prazocine Tablets.
- (7) Quinidine gluconate injection.
- (8) Streptokinase and streptodornase Preparations.
- (9) Streptokinase injection.

99.03 The following Sera and Vaccines, namely :

- (1) Anti-D Immunoglobulin (Human) in a form ready for use.
- (2) Gasgangrene Anti-toxin Serum.
- (3) Hepatitis B vaccine.
- (4) Hepatitis B Immunoglobulin.
- (5) Inactivated Rabies Vaccine (Human Diploid Cell).
- (6) Measles Vaccine.
- (7) Meningococcal A+C combined Vaccine with Diluent Solvent.
- (8) Poliomyelitis Vaccine (Sabin and Salk).
- (9) Specific Desensitizing Vaccine.
- (10) Anti-Plague Serum.

99.04 The blood group sera, namely :

Anti C, Anti E, Anti C, Anti e.,
Anti M, Anti N, Anti Le., Anti rL,
Anti S, Anti human Globulin.
Sera, Anti F, Anti Kell,
Anti Cellane,
Anti JKa, and Anti l.

99.05 Artificial Plasma.

99.06 Artificial Kidney.

99.07 All types of contraceptives.

99.08 The following works of art, namely :—

- (1) Statuary and pictures to be put up for public benefit in public place.
- (2) Memorials of a public character intended to be put up in a public place including materials used, or to be used in their construction, whether worked or not.

99.09 Works of art intended for exhibition in a public museum or national institution.

99.10 Antiques intended for exhibition in public museum or national institution.

99.11 Animals and birds imported by a zoo.

99.12 Trade catalogues and advertisement circulars.

99.13 Specimens, models, wall pictures and diagrams for instructional purposes.

99.14 Postage stamps, unused.

99.15 Paper money.

99.16 Bonafide gifts not exceeding Rs. 200/- in value imported by post or as air freight, excluding alcoholic drinks.

99.17 Wool, woollen fabrics and woollen apparels received as gifts by the Indian Red Cross.

99.18 Common salt (including rock salt, sea salt and table salt).

SCHEDULE-II

(See Clause 3)

OFFICERS COMPETENT TO GRANT IMPORT LICENCES

1	2	3	1	2	3
1. The Chief Controller of Imports and Exports		For any goods covered by Schedule I.	10. Deputy Development Commissioner (Development) Santa Cruz Bombay in so far as the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone and the suppliers of goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import replenishment licence under the import policy for registered exporters against such supplies are concerned)		For any goods covered by Schedule I
2. Additional Chief Controller of Imports & Exports.		Do.			
3. Export Commissioner.		Do.			
4. A Joint Chief Controller of Imports and Exports.		Do.	11. Assistant Development Commissioner (Imports and Exports) Santa Cruz Bombay (in so far as the Santa Cruz Electronic Exports processing Zone and the suppliers of goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import replenishment licences under the import policy for registered exporters against such supplies are concerned).		Do.
5. A Deputy Chief Controller of Imports and Exports.		Do.			
6. An Asstt. Chief Controller of Imports & Exports.		Do.	12. The Deputy Development Commissioner, FALTA Export Processing Zone, FALTA, West Bengal.		Do
7. A Controller of Imports and Exports		Do.	13. The Dy. Development Commissioner, Madras Export Processing Zone, Madras		Do
8. Any officer authorised by the Central Government for any goods as described in Schedule I.		Do.	14. The Jt. Development Commissioner/Dy. Development Commissioner, New Okhla Industrial Development Authority Export Processing Zone NOIDA, U.P.		Do
9. Asstt. Chief Controller of imports & Exports/Controller of Imports & Exports. New Kandla (in so far as Kandla Free Trade Zone is concerned).		Do.	15. The Dy. Development Commissioner, Cochin Export Processing Zone, Cochin, Kerala.		Do

SCHEDULE III

(See Clause 4)

The following fee shall be leviable in respect of the application for an import licence.

Serial No.	Particulars	Amount of Fee
1	2	3
1.	Where the value of goods specified in application does not exceed Rupees fifty thousand.	Rupees one hundred
2.	Where the value of the goods specified in the application exceeds Rupees fifty thousand but does not exceed Rs. one crore.	Rupees one and paise fifty per thousand or part thereof subject to a minimum of Rupees one hundred
3.	Where the value of the goods specified in the application exceeds Rs. one crore.	Rupees one and paise fifty per thousand or part thereof subject to maximum of Rs. one lakh.

Provided that—

(1) The amount of fee payable shall be rupees one hundred in respect of an application for import licence by a small scale actual user or a registered exporter, for the import of raw materials, components and spares where the value of the goods specified in the application does not exceed rupees two lakhs.

(2) The amount of fee payable shall be as indicated hereunder, irrespective of the value of the goods specified in the application, in respect of :—

(i) an application for grant of Subsidiary Licence.	Rupees one hundred
(ii) an application for grant of duplicate Licence.	Rupees one hundred
(iii) an application for grant of split-up Licence	Rupees five hundred per split-up licence.
(iv) an application for issue of Importer-Exporter Code Number (IEC)	Rupees five hundred

(v) an application in case Import Licence and other correspondence are required by Speed post. Rupees one hundred

(vi) (a) an application for issue of Identity Card to the Chairman/Managing Director, Director or Partner or authorised employee of the applicant firm. Rupees one hundred

(b) an application for issue of duplicate Identity Card in the event of loss of original Card. Rupees fifty

(3) Irrespective of the value of goods specified in the application, the amount of fees payable for appeal application shall be as under :—

(i) First appeal	Rupees one hundred
(ii) Second appeal	Rupees two hundred

(4) The amount of fee payable shall be rupees one hundred in respect of an application for extension of the period of shipment of an import licence irrespective of the value of the licence.

(5) The amount of fee payable shall be rupees five hundred in respect of an application for import of a vehicle including Scooter, Auto Cycle/Motor Cycle/Mopeds, irrespective of the value of goods specified in the application.

Provided further that no fee shall be payable in respect of—

(a) an application for an import licence for any goods (other than a vehicle) if the import of the goods is required by an individual for his own personal use unconnected with trade or manufacture; or

(b) an application for an import licence from a newspaper establishment for newspaper for a value exceeding a quantity of not more than 40 tonnes.

For the purpose of collection of fee, the following instructions are for general information

(i) The fee should be credited under the Head 115 Foreign Trade and Export Promotion—Minor 115.102—Import Licence application fees;

(ii) Fee should be deposited in any one of the branches of Central Bank of India which have been authorised to receive Import Trade Control deposits.

(iii) If the applicant is located in a place which does not have a branch of Central Bank of India authorised to receive Import Trade Control deposits, the facility of remittance of application fee and other Import Trade Control deposits through a bank draft will be available;

(iv) No application will be entertained which is not accompanied by such proof of payment of the fee prescribed under this order.

APPENDIX I-B (Contd.)

SCHEDULE IV

(See Clause 12)

1. Notification No. 23 ITC/43, dated the 1st July, 1943, issued by the late Department of Commerce as amended.

2. Notification No. 24 ITC/48, dated 6th March, 1948, issued by the late Department of Commerce as amended.

3. Notification No. 4-ITC/48, dated 1st May, 1948, issued by the late Ministry of Commerce.

4. Notification No. 51-ITC/50, dated 15th November, 1950 issued by the late Ministry of Commerce.

5. Order No. 4/55, dated 10th June, 1955, issued by the Ministry of Commerce and Industry.

SCHEDULE V

(See Clause 5)

CONDITIONS APPLICABLE TO IMPORT LICENCES

1. The following conditions shall apply to all export licences :—

- (1) Where an irrevocable letter of credit is opened by the holder of the licence to finance the import of any goods covered thereby, the authorised dealer in foreign exchange, through whom the credit is opened, shall be deemed to be a joint holder of the licence to the extent of the goods covered by the credit.
- (2) Payment authorised to be made against the licence shall not cover any commission, discount or like rebate(s) allowed by foreign supplier(s)/manufacturer(s) to the importer/agent(s) in India.

2. The following conditions shall apply to import licences issued to Actual Users with 'Actual User' conditions:—

- (1) Goods imported under the licence shall be used by the licensee only for the purpose for which they were imported at the factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, at the address given in the application against which the licence is granted. No portion thereof shall be transferred to any party or utilised or permitted to be utilised in any other manner; however, where necessary bonafide it may be got processed in another factory or mill to use in another establishment, so long as the Actual User condition is complied with.
- (2) The licensee shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (3) All Actual Users (Industrial units) shall submit production returns regularly to the Directorate General of Technical Development, New Delhi or the concerned sponsoring authority.
- (4) Actual Users (Industrial units) shall submit to the Directorate General of Technical Development, New Delhi or the sponsoring authorities concerned and the Department of Electronics, New Delhi as

appropriate to the item imported, half yearly returns of the items imported by them.

- (5) All research and development units shall inform Department of Science and Technology if the value of imports made by them at any one time exceeds Rs. 1 lakh within 30 days of clearance of the goods, through the customs. In case of any electronic items they should also inform Department of Electronics, New Delhi.

3 The following conditions shall apply to licences issued for import of Capital goods :—

- (1) The goods imported under the licence shall be utilised in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and that no portion thereof shall be sold to or be permitted to be utilised by another party or pledged with any financier other than banks authorised to deal in the foreign exchange and State Financial Corporations, provided that particulars of goods to be pledged are reported by the licensee in advance to the licensing authority.

- (2) A half-yearly return in the proforma given in Annexure hereto shall be furnished by the licensee to the Director of Statistics, Office of the CCI&E, New Delhi, indicating the actual imports and remittance made against the licence as on 28th February and 31st August each year. The return for each half-year shall be furnished within a period of 15 days from the close of the half-year as indicated.

4. The import licences issued for execution of Government contracts shall be subject to the condition that the goods imported shall be used or sold or disposed of in the manner as stipulated in the order placed by Directorate General of Supplies and Disposals, Railway Authorities or the Defence Authorities, as the case may be, and the imported goods shall not be utilised or disposed of in any other manner without the prior approval of the licensing authority.

5. The goods covered by the licence shall not be exported without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

ANNEXURE TO SCHEDULE V

Utilisation report for the half year ending

[illegible]

2. Importer-Exporter Code Number

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. Serial of the import licence with prefixes and suffixes.

--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

4. Date of issue of the licence

Day

Month

Year

--	--	--	--	--	--

5. Value of the licence (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--

6. Description of goods.

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

Utilisation during the half year.

A Customs Copy

Day

Month

Year

7. Date of Imports

--	--	--	--	--	--

8. Value utilised (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--

9. Port of clearance

--	--	--	--	--	--	--	--

10. Balance value utilised in the Customs Copy of the licence at the end of the half year under report (Rs.)

--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--

B. Foreign Exchange Remittances

*11. Details of remittances made against the licence during the half year under report (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--

**12. Un-utilised balance of the Exchange Control Copy of the licence during the end of the half year under report (Rs.)

--	--	--

--	--	--	--	--	--	--

C. Order placed

13. Value of orders placed during the half year (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

14. Balance value (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

D. Letters of Credit Opened.

15. Date

Day		Month		Year	

16. Value of the letters of credits opened (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

17. Balance value (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

18. Date of expiry of the validity period of the licence (including the period of revalidation, if any).

Day		Month		Year	
Date of expiry					

Month		Year	

Period of revalidation

Note 1: Please insert only one alphabet or one numeral or one punctuation mark in one box, e. g., Director of Statistics, office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi-110011 will be inserted as follows:

D	I	R	E	C	T	O	R	O	F	S	T	A	T	I	S	T	I	C	S
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

O	F	F	I	C	E	O	F	T	H	E	C	H	I	E	F	C	O	N	T	R	O	L	L	E	R
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

O	F	I	M	P	O	R	T	S	A	N	D	E	X	P	O	R	T	S
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

N	E	.	W	D	E	L	H	I	-	1	1	0	0	1	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

*For example for the return for the half year ending 28-2-90 please insert as follows:-

Day		Month		Year	
2	8	0	2	9	0

*Please indicate only the value of remittances actually made, value of Letters of Credit Opened should not be mentioned against this column;

**The value balance un-utilised after actual remittances must be mentioned against this column.

BAGGAGE RULES-1978

(Promulgated by 101-Cus. dated 16-5-78 as amended by Notification 213-Cus. dated 13-11-79, 247-Cus. dated 26-12-80, 37/83-Cus. dated 1-3-83, 166/83-Cus. dated 8-6-83, 26/85-Cus. dated 4-2-85, 20/86-Cus. dated 20-1-86, 141/86-Cus. dated 13-2-86, 467/86-Cus. dated 25-11-86, 245/87-Cus. dated 25-6-87, 1/88-Cus.-(N.T.) dated 8-1-88 and 47/89-N.T.)-Customs dated 14-8-89).

G.S.R. No. 290(E)—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Baggage Rules, 1970 and the Ceylon Baggage Rules, 1930, the Central Government hereby makes the following rules, for importing free of duty, baggage of passengers (other than tourists) who arrive from any country other than Nepal or Bhutan namely:—

1. Short Title, Commencement :

- (1) These rules may be called the Baggage Rules, 1978.
- (2) They shall come into force at once.

2. *Used Personal Effects* : The used articles of personal wear (excluding jewellery but including not more than one wrist watch of value not exceeding five hundred rupees) and articles in personal use of passengers for satisfying daily necessities of life may be passed free of duty.

3. *General Free Allowance* : In addition to the articles specified in rule 2 and subject to the provisions of rule 9, a passenger of and above the age of twelve years, may also be allowed to import free of duty articles:—

- (a) upto a value of three hundred rupees, in the case of a passenger arriving from Sri Lanka, and
- (aa) in the case of passengers arriving from Maldives—
 - (i) Upto a value of Rs. 750/- in case the period of stay outside India does not exceed three days.
 - (ii) Upto a value of Rs. 1250/- in case the period of such stay exceeds three days, and
- (b) upto a value of one thousand two hundred and fifty rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan if the proper officer is satisfied that such articles are for the use of the passenger or his family or for making gifts or souvenirs;

Provided that—

- (i) a passenger below twelve years of age may be allowed to import free of duty articles—
 - (a) upto a value of seventy five rupees, in the case of a passenger arriving from Sri Lanka,
 - (aa) In the case of passengers arriving from Maldives—
 - (i) upto a value of Rs. 200/- in case the period of stay outside India does not exceed three days;
 - (ii) upto a value of Rs. 300/- in case the period of such stay exceeds three days, and
 - (b) upto a value of three hundred rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan.
- (ii) in the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India or in Sri Lanka or Maldives or both, for less than ten days, articles

upto a value of thirty rupees in the case of such adult passenger and seven rupees fifty paise in the case of such passenger below eighteen years of age may only be allowed to be imported free of duty for each day's stay outside India;

- (iii) In the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India in a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan for less than ten days, articles upto a value of one hundred and twenty five rupees in the case of such adult passenger and thirty-rupees in the case of such passenger below eighteen years of age, may only be allowed to the imported free of duty for each day's stay outside India.

Explanation

For the purposes of this proviso, "concessional ticket" means a ticket issued after allowing a concession of seventy five per cent or more.

Provided further that subject to the conditions and limitations laid down in this rule, a passenger shall be allowed to import free of duty a Colour Television set or Video Cassette Recorders or Video Cassette Player or Video Camera only upto five hundred rupees of its value;

Provided also that nothing contained in this rule shall apply to any unaccompanied baggage.

4. Additional Allowance for used Household Articles

In the case of a passenger who was engaged in his profession abroad for over three months, articles actually used for running his household, namely linen, utensils, tableware, kitchen appliances and iron, upto an aggregate value of one thousand rupees may be imported free of duty.

4A. Additional Allowance for used Personal Effects and Household articles in respect of certain categories of passengers

(1) In the case of a passenger holding a valid passport issued under the Passports Act, 1967 (15 of 1967) and returning to India after a period of not less than one year of stay abroad, his personal effects and household articles upto an aggregate value of twenty thousands rupees, which have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of six months may be imported free of duty subject to the following conditions, namely:—

- (i) Such passenger has been working abroad for a minimum period of one year and is returning to India on termination of such work;
 - (ii) Such passenger affirms by a declaration that the goods in question have been in his or in his family's possession and use abroad for a minimum period of six months and the examination of such goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary: "provided that such passenger shall be allowed to avail himself of the provisions of this rule only once in every three years"
- (2) Nothing contained in this rule shall apply to the following articles, namely:—
- (a) motorcycles, scooters or mopeds;
 - (b) airconditioners;
 - (c) Refrigerators and deep freezers;
 - (d) fire arms;
 - (dd) cartridges of fire arms exceeding 50;
 - (e) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 grams; and

- (f) alcoholic liquor in excess of 0.95 litres.
- (g) video cameras or the combination of any such video camera with one or more of the following goods, namely:—
 - (i) television receivers;
 - (ii) sound recording or reproducing apparatus;
 - (iii) video reproducing apparatus;
- (h) computers and computer peripherals (other than calculating machines).
- (i) word processing machines.

4B. Manner of Computing the Period of Stay Abroad for the Purposes of Rule 4A in case a passenger has made short visits to India during his stay abroad

For the purpose of Rule 4-A of these rules, short visits, if any, made by the passenger concerned to India during the entire period of his stay abroad relevant for the purposes of that rule shall be ignored if the total duration of stay in India on these short visits does not exceed 45 days, subject to the condition that total period of stay abroad, excluding the period spent in India on such short visits, is not less than 365 days."

5. Allowance for Professional Equipment

A passenger who was engaged in his profession abroad for over three months may be allowed to import free of duty such portable equipments, instruments, apparatus and appliances as are ordinarily required in such profession, upto a value of five thousand rupees.

Provided that items of common use like camera, typewriter, cassette recorder and dictaphone shall not be allowed to be imported free of duty under this rule.

6. Jewellery

Jewellery in the actual use of a passenger who has been residing abroad for over one year may be allowed to be imported free of duty to the aggregate value of one thousand and five hundred rupees in the case of male passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger.

7. Unaccompanied Baggage

(1) Subject to the conditions and limitations laid down in these rules, the proper officer may allow import free of duty bona fide unaccompanied baggage arriving in India after the arrival of the passenger, if it was in his possession abroad and was shipped by sea within the one month or despatched by air within a fortnight of the passenger's arrival in India;

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied that the passenger could not ship or despatch his bona fide unaccompanied baggage within the period aforesaid, in spite of his having taken all reasonable steps for the purpose, the Assistant Collector of Customs may extend the time limit of one month to three months or of a fortnight to two months as the case may be, and the Collector of Customs may extend the time limit upto any further time.

(2) Bona fide baggage of a passenger landed at any customs Station within two months before his arrival in India may be allowed to be imported free of duty by the proper officer subject to the conditions and limitations laid down in these rules;

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied for reasons to be recorded in writing, that the passenger was prevented from arriving in India within the aforesaid period of two months due to circumstances beyond his control, such as, sudden illness of the passenger or a member of his family, or natural calamities or disturbed conditions, or disruption of the transport or travel arrangements in the country or countries concerned or any other reasons, which necessitated a change in the travel schedule of the passenger,

the time limit of two months may be extended upto a period of—

- (i) four months by the Assistant Collector of Customs; and
- (ii) one year by the Collector of Customs.

8. Application of these Rules to Members of the Crew

Rules 2, 3, 5, 6 and 9 shall apply in respect of officers and members of the crew engaged in a foreign going vessel for importation of their baggage at the time of final pay off on termination of their engagement.

Provided that the concessions under rule 5 shall not be allowed except at the time of final pay off on termination of first engagement in foreign going vessel.

9. Articles not Exempted from duty

Notwithstanding the provisions of rule 3 and 4, the following articles shall not be imported free of duty under these rules, namely:—

- (i) motorcycles, scooters or mopeds;
- (ii) fire-arms;
 - if (a) cartridge of fire arms exceeding 50;
- (iii) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 gms; and
- (iv) alcoholic liquor in excess of 0.95 litres.

10. Allowance not to be availed of both under these rules and the Transfer of Residence Rules at the same time

Notwithstanding anything contained in these rules and the Transfer of Residence Rules, 1978, made under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962); a passenger shall not be eligible to avail himself of the provisions of rule 4-A of these rules and the provisions of the said Transfer of Residence Rules, 1978, at the same time.

Sd/-

P. K. JAIN
Under Secy.

to the Govt. of India

NOTIFICATION NO. 58/83 DATED 1-3-83 AS AMENDED BY NOTIFICATION NO. 18-CUS/86 DATED 20-1-86 EFFECTIVE FROM 15-2-1986

G.S.R. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142-Cus, dated the 15th July, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts articles, falling under Heading No. 100.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) specified in column (1) of the Table hereto annexed, when imported into India by a passenger or a member of a crew as baggage from so much of the duty of customs leviable there on which is specified in the said First Schedule, as in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

Table	
Description of articles	Rate
(1)	(2)
Any article of a value in excess of the duty free allowance admissible to such passenger or member under rule 3 of the Baggage Rules 1978 :—	
(a) for the first Rs. 2,000 on the baggage other than the unaccompanied baggage	130 per cent <i>ad valorem</i>
(aa) On the unaccompanied baggage	200 per cent
(b) on the balance	200 per cent <i>ad valorem</i>

Explanation I : Where the value of any one article exceeds the duty free allowance admissible to such passenger or member under rule 3 of the Baggage Rules, 1978, the amount of duty shall be calculated only on the value in excess of the duty free allowance so admissible to the extent not availed of by such passenger or member for clearing any other article of baggage, if any.

Explanation II : Where such passenger or member avails himself of the rate under clause (a) of the said Table to the extent of Rs. 2000/- on any article, he shall not be entitled to avail the said rate on any other article to that extent.

2. Nothing contained in this notification shall apply to :—

- (i) motor cycles, scooters or mopeds;
- (ii) fire arms;
- ii (a) cartridge of fire arms exceeding 50;
- (iii) cigarettes, cigars or tobacco in excess of the quantity prescribed for importation free of duty under relevant baggage rules; and
- (iv) textile fabrics in excess of rupees five hundred in value.

Sd/-

J. SRIDHARAN
Under Secy. to the Govt. of India

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)
New Delhi, the 1st March 1986
10th Phalgun, 1907 (Saka)

NOTIFICATION

G.S.R. No. 183/86-Customs.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 194-Customs, dated the 26th September, 1980, the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all goods (other than broadcast television receiver sets) falling under Heading No. 98.03 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by a passenger or a member of the crew as baggage, from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act.

Sd/-

GAUTAM RAY
Under Secy. to the Govt. of India

TRANSFER OF RESIDENCE RULES, 1978
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)
New Delhi, the 16th May 1978
26 Vaisakha, 1900 (SAKA)

NOTIFICATION (CUSTOMS)

G.S.R. No. 292(E).—In exercise of the powers conferred by Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Transfer of Residence Rules, 1969,

the Central Government hereby makes the following rules namely :—

Short Title

1. These rules may be called the Transfer of Residence Rules, 1978.

Personal and Household Effects Exempted from duty Subject to Certain Conditions.

2. Subject to the provisions of the Baggage (Condition of Exemption) Rules, 1975 and Rule 3 of these rules the personal and household effects of a person on bona-fide transfer of residence to India, shall be exempted from duty subject to the following conditions, namely :—

- (a) Such person has been residing abroad for a minimum period of two years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year.
- (b) Such person affirms by a declaration that the goods have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of one year and the examination of the goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary.
- (c) The goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limits specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation : For the purpose of this Rule, the expression "personal and household effects" shall not include so much of gold jewellery that is to say jewellery of which the value is mainly on account of gold content, as in excess of the value of one thousand five hundred rupees in the case of male passenger and three thousand rupees in the case of female passenger and the said limits shall not, however, apply to the jewellery in respect of which the Assistant Collector of Customs is satisfied on the basis of the evidence produced that it had been taken out of India by the passenger or by a member of his or her family.

Article not Exempted from duty

3. Notwithstanding anything contained in rule 2, Motor Vehicles, Vessels, Aircrafts, Cinematograph films 35 mm and above, air-conditioner, refrigerators and deep freezers, shall not be allowed to be imported free of duty under these rules.

Allowance for Professional Equipment etc.

4. In addition to articles allowed under rule 2, and subject to the time-limit mentioned in clause (c) of the rule, a highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer, returning to India for permanent settlement after a stay abroad for a minimum period of two years, may also be allowed to import free of duty such equipment, instrument, apparatus and appliances, upto a value of fifty thousand rupees as are ordinarily required by him in his profession.

Explanation : For the purpose of this rule a "highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer" is a person who holds a post-graduate degree or its equivalent in science, technology, medicine or engineering, as the case may be, from an Indian or foreign university and has been employed or engaged abroad in his field of specialisation for at least one year.

5. For the purpose of these rules, short visits if any, made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months;

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

Condition of Short-fall in the Period of stay Abroad

6. For the purpose of these rules, short-fall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs, if he is satisfied that the person's early return to India had been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstances.

7. ALLOWANCE NOT TO BE AVAILED OF BOTH UNDER THESE RULES AND RULE 4A OF THE BAGGAGE RULES AT THE SAME TIME.

"Notwithstanding anything contained in the provisions of rule 4A of the Baggage Rules, 1978, made under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), a passenger shall not be eligible to avail himself of the provisions of these rule and the provisions of the said rule 4A of the said Baggage Rules, 1978, at the same time."

No. 103/Cus. (F. No. 497/6/78-Cus. VI).

No. 124/Cus. (F. No. 49/6/78-Cus. VI).

No. 260/Cus. (F. No. 497/4/87-Cus. VI).

No. 369/Cus. (F. No. 495/5/85-Cus. VI).

NOTIFICATION NO. 84-CUS. DATED 22-8-75 AS AMENDED BY NOTIFICATION NO. 19-CUS./86 DATED 20-1-86 AND NOTIFICATION NO. 4/88-NON-TARIFFS CUSTOMS DATED 21-1-88.

G.S.R. No. 453(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Baggage (Conditions of Exemption) Rules, 1963 (Notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 19 dated the 23rd January, 1963) the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. These rules may be called the Baggage (Conditions of Exemption) Rules, 1975.
2. Where any goods in the baggage of a passenger or a member of the crew are exempted under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) from payment of import duty leviable thereon, the exemption shall be subject to the condition that such goods shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in shop;

(a) and, in the case of fire-arm also that such fire-arm shall not be gifted, or given to a retainer or otherwise parted with, in the life time of such passenger or member of the crew, as the case may be; or

(b) and in the case of other goods, also that such other goods shall not be gifted or otherwise parted with, until they have been used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 26th September 1980

4 Asvina, 1902 (SAKA)

NOTIFICATION

CUSTOMS

G.S.R. No. 558 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 230-Customs, dated the 5th December, 1979, the Central Government, being satisfied that it is

necessary in the public interest so to do, hereby exempts each of the goods specified in column (2) of the Table annexed hereto, when imported by any person as part of his baggage, on a bona-fide transfer of residence of India, from so much of the duty of Customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as in the excess of the rates specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, subject to the following conditions, namely :—

- (i) Such person has been residing abroad for a minimum period of 2 years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year;
- (ii) Such person affirms by a declaration that the goods have been in his family's possession and use for a minimum period of one year and examination of the goods and attendant circumstances do not indicate to the contrary;
- (iii) Such goods shall not be sold, displayed or advertised or offered for sale until their market price has depreciated to less than 50 per cent of the market price when new; and
- (iv) The goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limit specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation : For the purposes of this notification—

- (a) short visits, if any made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months;
- (b) Shortfall upto period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India has been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by another special circumstances.

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

Sl. No.	Description of goods	Rate of Duty of Customs
1	2	3
1.	Domestic refrigerators capacity not exceeding 100 litres	15%
2.	Domestic refrigerators capacity exceeding 100 litres but not exceeding 165 litres.	20%
3.	Other domestic refrigerators	40%
4.	Deep Freezers	40%
5.	Air Conditioners	50%

Sd/-

(K. KUMAR)

Under Secretary

to the Govt. of India

No. 195/Cus. (F. No. 495/92/79-Cus. VI).

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 27-ITC(PN)/80

New Delhi, the 15th July 1980

Subject : Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to the Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, Notification No. 101-Cus. dated the 16th May, 1978, No. 102-Cus. dated 16th May, 1978, No. 103-Cus. dated the 16th May, 1978 and No. 105-Cus.

dated the 16th May, 1978 applicable to passengers arriving from any country other than Nepal.

2. Sub clause 11(1) (g) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended, already exempts from the operation of the said order the goods imported as passenger baggage to the extent permissible under the Baggage Rules for the time being in force.

3. A non-tourist passenger may also be allowed to import as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty any items of personal or household effects, for his own use or for use of his family :—

Provided that the import of a firearm shall be subject to the conditions that :—

- (i) The passenger has not imported or otherwise acquired a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten years;

Explanation : For this purpose, revolver and pistol will be considered as fire-arm of one category and gun and rifle as fire-arm of another category;

- (ii) In the case of revolver and pistol, they are of .32 or smaller bore; and
- (iii) The fire-arm shall not be sold, gifted or given to a retainer or otherwise parted with for a period of five years from the date of clearance.

4. A tourist of Indian origin, whether holding an Indian passport or a foreign passport, who is normally resident abroad, may be allowed to import, as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty in convertible foreign currency any items of personal or household effects for presentation as gifts or souvenirs to friends and relatives—

Provided that the import of fire-arm shall be subject to the conditions that :—

- (i) The passenger has not imported a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten years;

Explanation : For this purpose, revolver and pistol will be considered as fire-arm of one category and gun and rifle as fire-arm of another category.

- (ii) In the case of revolver and pistol, they are of .32 or smaller bore; and
- (iii) The fire-arm shall not be presented as gift to a person who has imported or acquired a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten years. (The person receiving the gift shall also ensure that he is not violating this condition).

5. The above concessions may be allowed provided the proper officer of the customs is satisfied that the items are being imported for bona-fide use of the passenger or his family or for making a gift or souvenir, as the case may be, and subject to the condition that they shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in a shop until :

- (a) in the case of fire-arm and TV, they have been used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person, or passenger or member of the crew, or
- (b) in case of other goods, when the market price is depreciated to less than 50% of their market price when new.

6. In addition, clearance of one dog and other domestic pets like cats and birds in a limited number may be allowed

without Import Trade Control restrictions on furnishing the following health certificates to the customs authorities :—

- (i) A health certificate from a veterinary officer authorised to issue a valid certificate by the Government in the country of export to the effect that the dog imported is free from Aujassky's disease, Distemper, Rabies, Leishmaniasis and Leptospirosis and in the case of cats from Rabies and Distemper.
- (ii) In the case of import of dogs and cats originating from countries where Rabies infection is known to exist, a health certificate containing a record of vaccination, vaccine used, brew of the vaccine and the name of the production laboratory and to the effect that the dog/cat was vaccinated against Rabies more than one month, but within 12 months prior to actual embarkation with nervous tissue vaccine or within 36 months with chicken embryo vaccine, both the vaccines having previously passed satisfactory potency tests.
- (iii) In the case of parrots, a certificate to the effect that the parrots were subjected to complement fixation test for psittacosis with negative results within 30 days prior to actual embarkation.

7. This Public Notice is in supersession of the earlier Public Notice of the Ministry of Commerce No. 34-ITC (PN)/78 dated 16-5-1978 as amended by Public Notice No. 58-ITC (PN)/79 dated 13-11-1979.

Explanation : In the Public Notice the term 'baggage' will have the same meaning as is assigned to it in sub-clause (3) of Section 2 of the Customs Act, 1962.

Sd/-

MANI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 44-ITC(PN)/80

New Delhi, the 17th November 1980

Subject : Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN)/80, dated the 15th July, 1980, and Public Notice No. 46-ITC(PN)/78, dated the 30th June, 1978, pertaining to Import of goods as personal baggage.

2. On reconsideration, it has been decided to delete the word "in convertible foreign currency" appearing in para 4 of the aforesaid Public Notice No. 27-ITC(PN)/80, dated the 15th July, 1980. The said para 4 shall stand amended accordingly.

3. Public Notice No. 46-ITC(PN)/78, dated the 30th June, 1978 pertaining to import as baggage by officers and members of the crew, is also hereby cancelled. Subsequently, import of goods as baggage by such persons will be governed by the provisions of Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN)/78, dated the 15th July, 1980.

Sd/-

MANI NARAYANSWAMI
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 131-ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 13th November 1986

Subject : Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN)/80 dated the 13th July, 1980 and Public Notice No. 44-ITC(PN)/80 dated the 17th November, 1980 pertaining to import of goods as personal baggage

2. Paragraphs 3, 4 and 5 of Public Notice No. 27-ITC(PN)/80 dated 15th July, 1980 as amended by Public Notice No. 44-ITC(PN)/80 dated the 17th November, 1980 shall be substituted by the following :—

"3. A non-tourist passenger may also be allowed to import as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty any items of personal or house-hold effects (except fire-arm) for his own use or for use of his family.

4. A tourist of Indian origin whether holding an Indian passport or a foreign passport who is normally a resident

abroad, may be allowed to import, as a part of his baggage without an import licence, but on payment of Customs duty any items of personal or household effects (except fire-arms) for presentation as gifts or souvenirs to friends and relatives.

5. The above concessions may be allowed provided the proper officer of the customs is satisfied that the items are being imported for bona-fide use of the passenger or his family or for making a gift or souvenir as the case may be and subject to the condition that they shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in a shop until :

"(a) in the case of TV, it has been used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person, or passenger or member of the crew, or

(b) in the case of other goods, when the market price is depreciated to less than 50% of their market price when new."

3. This amendment is made in the public interest.

Sd/-

R. L. MISRA
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER No. 98/85-88

New Delhi, the 29th February 1988

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and in supersession of the Ministry of Commerce Order No. 10/65 dated the 1st December, 1965, the Central Government hereby authorises the Joint Chief Controllers of Imports and Exports, the Deputy Chief Controllers of Imports and Exports, the Customs Collectors and the Officers of Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Development Commissioner for Iron and Steel, the Deputy Development Commissioner for Iron and Steel and the Superintendents of Police in the Economic Offences Wing of the Central Bureau of Investigation, to make complaints in writing in Courts in respect of any offence punishable under section 5 of the said Act.

Sd/-

R. L. MISRA
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 1/90—93

OPEN GENREAL LICENCE NO. 1/90

NEW DELHI : THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial) subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5 and 8 of Import & Export Policy for 1990—93 (Volume I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette.
- (2) Instruments other than those listed in Appendix 6 of the Import & Export Policy for 1990—93 (Volume-I) shall not be allowed to be imported under this Licence.
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition.
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (5) Actual User (Industrial) at the time of clearance of the goods, shall furnish to the Customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (ii) the

items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In cases where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and eligible to the import made. The Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods, a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

- (6) Import of components under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) shall be subject to List Attestation procedure in cases where the unit is under a Phased Manufacturing Programme of Indigenisation. Such units should get the list of components to be imported attested by the authority which approved the Phased Manufacturing Programme. In the case of Small Scale units the list attestation should be by the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi or by the Small Industries Development Organisation (SIDO) on behalf of DC(SSI). The Customs authorities will allow clearance of imported components under Open General Licence on the basis of list attested by the concerned authority. Where an Actual User does not receive the list of components duly attested by the concerned authority within 45 days of the date on which the list was submitted for attestation, the Customs authorities shall allow clearance of the imported consignment on the basis of a declaration by the Actual User to the effect that the list was submitted to the concerned authority and that they have not got the decision from the Phased Manufacturing

(OGL I Contd.)

Programme approving authority within the prescribed time limit. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity/value shall be intimated by the Actual User to DGTD/Textile Commissioner/DC(SSJ) within 30 day of clearance through Customs.

- (7) In the case of units which are not subject to the Phased Manufacturing Programme of Indigenisation, the Actual User shall furnish a declaration to that effect to the Customs authorities at the time of Customs clearance.
- (8) In the case of units whose Phased Manufacturing Programme of Indigenisation is over shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance of the imposed consignment a declaration to the effect that their Phased Manufacturing Programme for Indigenisation is over and that the imported items do not include those which have been scheduled to have been indigenised during the Phased Manufacturing Programme period.
- (9) The List Attestation Procedure will not be applicable for import of electronic components allowed under Open General Licence.
- (10) The Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under the Licence.
- (11) The Actual Users (Industrial) in the small scale sector having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "provisional" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a Bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the c.i.f. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material or a certificate from the Director of Industries that it has gone into production.
- (12) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (13) In respect of man made fibre, two, yarns, raw wool/greasy wool/scoured wool (not carded or combed)/angora goat hair (mohair)/greasy angora goat hair (mohair)/scoured angora goat hair (mohair) (not carded or combed), woollen rags/synthetic rags/shoddy wool in completely pre-mutilated condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commis-

sioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.

- (14) Import of man-made fibres, tow and yarn under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution, to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in condition (13) above;
- (15) In the case of Soda Ash, PVC Resin and Copper Scrap/Copper Mill Scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (condition (13), above.
- (16) In the case of 3 Formyl Rifa SV, 1-Amino 4-methyl Piperazine and Rifa-S, the concerned importer shall be required to register their contracts with the Joint Secretary and Development Commissioner (Drugs), Department of Chemicals and Petrochemicals Office of the Development Commissioner (Drugs), Shastri Bhavan, New Delhi-110001 Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the office of the Development Commissioner (Drugs), as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract should be lodged with the office of the Development Commissioner (Drugs) and they will return one copy to the importer, duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of a subsequent contract, the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the imported material in respect of contracts earlier registered for information/record of the registering authority.
- (17) (i) Import of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags will be allowed only when these are imported in completely pre-mutilated condition.
(ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :—

(OGL 1 Contd.)

- (a) 'New'—waste woollen cloth woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits,
- (b) 'Old'—Rags of woollen textiles fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair,
- (c) The mutilation must conform to the requirements specified by Customs authorities in their notifications.
- (iii) This definition shall apply mutatis mutandis to synthetic rags.
- (iv) Imports of Woollen rags/synthetic rags/Shoddy wool will be allowed through two ports only viz. Bombay and Delhi ICD.
- (18) In the case of raw cashewnuts Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to the Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (19) In the case of raw cashewnuts the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (20) In the case of non-alloy steel and alloy steel items (except those specifically mentioned in sub-para (ii) and (iii) of para 26(2) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume-I), importable under Open General Licence, all eligible importers shall be required to register their imports contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta, or with any of his regional offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration of contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel) shall be the same as in condition (13) above. In cases where the request for registration of contract is made after the stipulated period, the importer shall apply to the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta for condoning the delay in submission of the contract documents for registration. The Development Commissioner (Iron & Steel) may consider such cases on merits and, if satisfied, register the contract after condonation of delay.
- (21) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, send to the Department of Agriculture (Plant-Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- (22) In the case of Polysilicon, single crystal silicon ingots/bars/rods import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics, as an evidence of such registration.
- (23) In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 50,000 provided Indian Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate.
- (24) In respect of certain items mentioned in Appendix 6, List 8, Part I, of Import & Export Policy 1990—93 (Volume I) the names of specific categories/Industries eligible for import have been mentioned for these items; only those categories/the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under this licence.
- (25) Items covered under Appendix 6, List 8, Part-I of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) can also be imported against Additional Licences by Export Houses/Trading Houses as per policy. All the conditions applicable to import of items under Open General Licence, except the Actual User condition, will equally be applicable in respect of import of Open General Licence items against Additional licences.
- (26) Items covered under Appendix 6, List 8, Part II of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) can be imported under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (27) In the case of brass/copper pipes and tubes imported as scrap their size shall not exceed 60 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes.
- (28) Items covered under Appendix 6, List 10 of the Import & Export Policy, 1990—93 (Volume I) can be imported only by the Actual User (Industrial) holding a Manufacturing Licence/Registration Certificate for electronic items.

(OGL 1 Contd.)

- (29) Items appearing in Appendix 6, List 11, of the Import & Export Policy for 1990—93 (Volume I) can be imported by Oil & Natural Gas Commission/Oil India Limited (OIL)/Gas Authority of India Limited (GAIL) and by units receiving contracts for diving services in support of petroleum operation from ONGC/OIL/GAIL. Such Units should produce to the Customs authorities, at the time of clearance, a certificate from ONGC/OIL/GAIL to the effect that the items imported are required for execution of the contracts awarded to them.
- (30) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.
- (31) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme.
- (32) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (33) Shipment of raw materials, components and consumables under Open General Licence can be made on through consignment basis to India during the currency of the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume-I) unless the item has been shifted from the Open General Licence. However, in respect of firm orders backed by irrevocable letters of credit opened and established before the 28th February, 1993 by Actual Users (Industrial) for use in his factory, shipment can be made upto the 30th June, 1993.
- (34) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (33) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No firm commitment other than irrevocable letters of credit will be eligible for such protection.
- (35) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (36) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)/importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other law applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

ORDER NO. 2/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the, Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods of the description specified in Appendix 1, Part B of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition. The facility for import of capital goods is also available to units holding letters of intent.
- (2) The goods so imported shall be new.
- (3) (i) Capital goods listed for a particular category can be imported by the Actual Users falling under the same category. However, items appearing under the heading 'Machine tools', 'Measuring instruments'; 'Testing instruments'; 'Packaging machinery', and 'Miscellaneous items', import can be made under Open General Licence by all Actual Users. If an Actual User wants to import an item of capital goods permissible for import under Open General Licence by another category, its import shall be allowed by the Customs on the basis of a certificate from the DGTD that the item is also required for use in his industry.
- (ii) NC/CNC versions of the machine tools 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 88, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 and 135 under Entry No. 3(i) of Appendix 1, Part B will not be permitted.

- (iii) Import of "Open end spinning machines" will be allowed under OGL, only to units exporting 20% (by value or by volume) of the best year's production during the preceding two years. A certificate to this effect from Textile Commissioner may be produced before the customs authorities.
- (iv) Import of second-hand capital goods, computer/computer based systems and peripherals will not be allowed under Open General Licence.
- (v) Spares (whether permissible or restricted types) including accessories and toolings upto 15 per cent of the value of the main equipment can also be imported under Open General Licence. If such spares, accessories and toolings are required for a value more than 15 per cent, the Actual User should obtain written clearance from the DGTD, New Delhi, indicating the actual value upto which such spares/accessories/toolings may be allowed for the main equipment under Open General Licence, and produce the same to the customs authorities for clearance.
- (vi) Spares, accessories and toolings may be allowed to be imported either alongwith the main equipment or subsequent thereto, but not before the arrival of the main equipment.
- (4) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity.
- (5) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods furnish to the Customs authorities the original or a photostat copy of the currently valid Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import.

(OGL 2—Concl.)

- (6) The Actual Users (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Letter of Intent/Registration as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Letter of Intent/Registration and the end product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence/Letter of Intent/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Letter of Intent/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (8) Shipment of machinery and equipment allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the Import & Export Policy 1990—93 (Volume I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer, the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.
- (9) Notwithstanding anything provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available for contracts other than those duly registered with a foreign exchange dealer (Bank).
- (10) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (11) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or the regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported ;
- (12) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 3/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji “permissible” spares, i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April of the licensing year, by the Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The Actual Users (Industrial) will furnish to the Customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of their Industrial Licence/Registration Certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence/Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured and solemnly affirming that such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and is eligible to the import made.
- (2) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the Customs authorities, the original or a photostat copy of the Registration Certificates (Currently valid) held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.
- (3) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 per cent of the c.i.f. value of imported computers or two per cent per annum of the

purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five per cent of the cost of the photocomposing machines of which computer is an integral part. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the Customs authorities, a certificate from Chartered Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a director or an employee of the applicant firm or its associates.

- (4) The Computer Maintenance Corporation Limited (CMC) shall be eligible to import tools, consumables and technical training material, testing equipment as also second-hand and reconditioned spares within the overall value of 5 per cent of the c.i.f. value of the imported computer systems being maintained by them. At the time of clearance of the imported goods CMC should furnish to the Customs authorities a certificate from a Chartered Cost Accountant or Company Secretary (in practice) showing the c.i.f. value of the imported computer systems maintained under their own responsibility or similar systems maintained by owners who registered themselves with the CMC.
- (5) State Electricity Boards, Projects and undertakings engaged in production and distribution of electricity, Port Trusts and Irrigation Departments/Projects, Departmentally run undertakings shall be eligible to import emergency spares, both permissible and non-permissible spares, under Open General Licence subject to release of foreign exchange by the Administrative Ministry or the Ministry of Finance. Such imports will, however, require list attestation by DGTD if the value of spares exceeds Rs. 25 lakhs.

(OGL 3—Concl'd.)

- (6) Notwithstanding anything provided above import of non-permissible spares will also be allowed in the case of computer systems within the overall limits mentioned in condition (3) above subject to other conditions.
- (7) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to the Actual User condition.
- (8) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 & 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (11) Shipment of such goods allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the Import and Export Policy 1990—93 (Volume-I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.
- (12) Notwithstanding anything provided in Condition No. (11) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice or firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (13) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (14) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 4/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993 for importation of the goods specified below, (as amended from time to time by issue of Public Notice in the Official Gazette), from any country, except the Union of South Africa and Fiji :

- (1) Re-import of items (excluding consumer durables) after repairs abroad, free of charge on c.i.f. basis or on payment (c.i.f.) not exceeding 10 per cent of the c.i.f. value of the imported machinery (30 per cent of the c.i.f. value of the imported parts or sub-assemblies in the case of electronic and computer sub-assemblies) or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the customs authority that the item reimported is the same which was sent abroad for repairs.
- (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000.
- (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value.
- (4) *Bona fide* technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, ~~excepting vegetable seeds, bees and new drugs.~~
- (5) *Bona fide* technical and trade samples of tea supplied free of charge not exceeding Rs. 1,000 in c.i.f. value, in one consignment, on the recommendation of the Tea Board, Calcutta, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (6) *Bona fide* advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment.
- (7) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an Insurance (marine) or marine-cum-erection insurance

claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that :—

- (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months ;
- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance ;
- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—
 - (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements ;
 - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent Chartered Engineer (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement ;
 - (iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers of consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above ;

(OGL 4—Concl'd.)

- (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs)|Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.
- (8) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (9) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (10) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of customs authorities at the time of clearance.
- (11) Animal vaccines including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendations of the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (12) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Regulation Committee set up under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968) and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), and on the written approval of the Plant Protection-Adviser to the Government of India in respect of items not included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (13) In respect of items covered by Sl. Nos. (5) and (10) to (12) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale".
- (14) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise.
- ((15) Import of finished consumer goods as trade samples will not be allowed under this provision. However, import by actual users holding Industrial Licence|Registration|Letter of Intent for manufacture of the same will be eligible to import such items as technical samples.
- (16) This Licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)|importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC|3|5|90)

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 5/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares, required by any (i) Research and development units recognised by the Department of Science & Technology, Government of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India, (ii) Scientific or research laboratories, institutions of higher education and hospitals recognised by the Central or State Government, and (iii) Test Houses set up by the Government of India or recognised by the Bureau of Industrial Standards (B.I.S.) subject to the following conditions :—

- (1) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government or Bureau of Industrial Standards, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.
- (2) Research & Development units recognised by the Deptt. of Science & Technology, Govt. of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India shall also be eligible to import, for research and development purposes, capital goods and instruments appearing in the Restricted lists. Import of professional grade consumer goods required for research and development purposes can also be made under OGL subject to the condition that not more than one number of an item is imported in a year and the value of a single item does not exceed Rs. 5 lakhs. The head of the Research and Development institution will be required to certify that the Restricted items of Capital goods and instruments

or professional grade consumer durables sought to be imported are required for research and developments purposes.

- (3) Import of second-hand machinery will not be allowed under this provision.
- (4) Import of computer|computer sub-system| computer peripherals can also be made under OGL after obtaining prior clearance of the Department of Electronics. However, prior clearance of the Department of Electronics will not be necessary for import of computers and computer systems allowed under Open General Licence by all persons for their own use.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Import of office machines and consumer goods other than professional grade consumer durables will not be permitted.
- (7) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (8) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—
 - (i) Department of Science & Technology| Deptt. of Scientific & Industrial Research New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCT&E, New Delhi.
 - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
 - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them

(OGL 5—Concl.)

- (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March 1993 or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March 1994 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February 1993 without any grace period whatsoever.
- (11) Notwithstanding any thing provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers

before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to, under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

**ORDER NO. 6/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990**

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

- (1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.
- (2) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the Policy and Procedures laid down.
- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1994 without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March 1993..

- (5) Notwithstanding anything provided in Condition number (4) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.
- (6) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the (Control) Order, 1955.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.
- (8) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

**ORDER NO. 7/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990**

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Jigs, Fixtures, Dies and Patterns (including contour roller dies), Moulds (including moulds for diecasting), and Press Tools (other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy, 1990—93, (Volume-I) and Parts thereof, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking.
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture.
- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance a declaration giving particulars of his Industrial Licence/Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such Licence/Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities.
- (4) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March 1993 or on or before 31st March, 1994 against firm orders for which irrevocable Letters of Credit are opened on or before the last date of February 1993, without any grace period, whatsoever.
- (7) Notwithstanding anything provided in Condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (9) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Sd -
(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90).

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 8/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumables, Machinery, equipment, instruments accessories, tools and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited, Gas Authority of India Limited, M/s. Bharat Gold Mines Limited and Steel Authority of India Limited (SAIL) subject to the following conditions, namely:—

- (1) The items permitted for import by the Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., Oil and Natural Gas Commission (ONGC) shall be those cleared by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Chemicals from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (5) and (6) below. Clearance by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares and for imports under World Bank funding.

- (2) The items permitted for import by M/s. Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the DGT, New Delhi from indigenous angle. No indigenous clearance will be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares. In respect of any electronic item, including marine electronics and Communications equipment, but excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I), prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under para 7(13)

prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

- (3) The items permitted for import by the Steel Authority of India Limited shall be those required for the modernisation projects of the Steel Plants at Durgapur, Rourkela and Burnpur (Indian Iron and Steel Company) and cleared by the Empowered Committee under the chairmanship of Secretary (Steel) from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose. Clearance by the Empowered Committee will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1 Part B) and permissible spares.
- (4) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (5) and (6) below.
- (5) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission/Oil India Ltd./Gas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work except those items consumed or irretrievably lost or damaged or scrapped, duly certified to this effect by Oil and Natural Gas Commission, Oil India Limited and Gas Authority of India Limited as the case may be. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part, the import of such consumer durables shall

(OGL 8 Concl.)

be subject to ONGC/Oil India Ltd./GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.

- (6) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of Foreign Engineers/Specialists are engaged for completion of the work, and such Engineer/Specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (7) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993 without any grace period what-so-ever.
- (11) Notwithstanding anything provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public

Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw materials, components and consumables and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of capital goods, before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from any obligation or compliance with any requirement of which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

**ORDER NO. 9/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990**

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to Air India, Indian Airlines, Vayudoot Limited, Pawan Hans Limited and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 5, Part B to the Import and Export Policy, for 1990—93 (Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associated test and training equipment, subject to the following conditions, namely :—

- (1) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence.
- (2) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition.
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA.
- (4) Owners of executive/training aircrafts, whether in private or public sector, can import spares (both permissible and restricted) under Open General Licence, for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that import of the spares has been cleared by the Director General of Civil Aviation, New Delhi.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 without any grace period whatsoever.
- (7) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (6) above, in case any item

is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (8) This licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 10/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions, namely :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified.
- (2) In the case of medical instruments, etc., scientific instruments and Chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors referred to at Serial No. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer, shall, at the time of clearance, give a declaration to the Customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year.
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the Customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939. Importers of Motor Vehicle spares will be required to produce the Pass Book issued by the Chief Controller of Imports and Exports at the time of customs clearance, of motor vehicle spares.
- (4) Import of second-hand computer/computer based system shall not be allowed.
- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1993 without any grace period, whatsoever.
- (6) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (5) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (7) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

OGL 10—Contd.

Schedule to O.G.L. No. 10/90, dated the 30th March, 1990

S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1.	Drugs and medicines	<p>(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees;</p> <p>(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed ten thousand rupees; and</p> <p>(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty five thousand rupees;</p>
2.	<p>(a) Medical including Surgical, Optical and Dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.</p> <p>(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in List 5 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).</p>	<p>(i) Hospitals and Medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed four lakhs rupees, in a financial year.</p> <p>(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed ten thousand rupees, in a financial year.</p>
3.	X-ray intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees.
4.	Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the Customs authorities) provided the c.i.f. value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand in a financial year.
5.	Testing equipment, testing instruments and chemicals.	Testing Laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6.	Spare parts of motors vehicles and agricultural tractors.	<p>(i) Persons owning imported vehicles for their own use, upto a c.i.f. value of Rs. ten thousand in a financial year.</p> <p>(ii) Persons owning imported agricultural tractors for their own use, upto c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.</p>
7.	Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antennas, retarary motors, feed lines standing wave ratio bridge) instruments, spare and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations :	By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 20,000. Goods imported shall not be transferred to any individual or any party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communications, Government of India.

Schedule to OGL 10—Contd.

S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
--------	------	---

I. High Frequency Band (H.F.)

Frequency Range	Output power limit
1820-1860 KHz	150 Watts.
3500- 3700 KHz	150 Watts.
3890-3900 KHz	150 Watts.
7000—7100 KHz	150 Watts.
14000—14350 KHz	150 KHz
18068-18168 KHz	150 KHz
21000—21450 KHz	150 KHz
24890-24990 KHz	150 Watts.
28000—29700 KHz	150 Watts.

II. Very High Frequency (VHF)

Frequency Range	Output power limit
144—146 KHz	25 Watts.

III. Ultra High Frequency(UHF)/Microwave.

Frequency Range	Output power limit
1266—1300 MHz	25 Watts.
3300—3400 MHz	25 Watts.
5725—5840 MHz	25 Watts.

NOTE : The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

8. Computers and computer based systems of the following minimum configuration or above, provided import is made in one consignment : By all persons for their own use.

- (a) CPU with minimum of 32 bit word length with the operating systems software + (b) the main memory of 64 MB or above on each CPU + (c) the Disc. storage capacity of 5000 MB or above + (d) I/O Bandwidth of minimum 100 mb/Sec.

Under this facility of Open General Licence, the number of terminals will be restricted to 10 only. However, the configuration will not include any Workstation.

(Schedule to OGL 10 conclud.)

9. Bus and truck tyres of the following specifications :—

- 1000 × 20 — 16 PR
- 1000 × 20 — 14 PR
- 900 × 20 — 16 PR
- 900 × 20 — 14 PR
- 900 × 20 — 12 PR

(nylon tyres in ribbed, lug and semi-lug varieties).

- (a) Manufacturers of original chasis of vehicles and use the said tyres in the manufacture of such vehicles.
- (b) State Road Transport Undertaking referred to in Clause (b) of section 68A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).
- (c) Association of State Road Transport Undertakings, being a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), vide Registration No. S-2815 of 1965-66, dated the 2nd August, 1965.
- (d) Associations of owners of vehicles in which the said tyres are used and approved as such by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.
- (e) Officer, authority, undertaking, Department of other body under a State Government, authorised by the concerned Government to import the said tyres and approved as such also by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.

10. (i) Feature films

(ii) Video films

(iii) Video rights of foreign feature films primarily intended for children.

11. Audio-Visual News or Audio-Visual Views material including News Clippings.

12. Equipment/instrument required by Transport-Industries, namely :—

- (1) Exhaust gas analyser
- (2) Smokemeter
- (3) Brake testing machine (Brake Dynamo Meter).
- (4) Head light aim tester
- (5) Front wheel alignment tester.
- (6) Shock absorber tester
- (7) Play detector
- (8) Wheel spinner
- (9) King tester for actual test of engine performance.
- (10) Signalling equipment tester.
- (11) Speedometer tester.
- (12) Breath analyser (for measuring alcohol content in breath).
- (13) Simulator (Shadowgraphs types of simulator as an aid for training the reflection of efficient driving).
- (14) Testing equipment required for testing collapsible steering column.

Doordarshan, All India Radio, National Film Archives of India, Film and Television Institute of India and Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Doordarshan and All India Radio on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Actual Users as certified by the Union Ministry of Information and Broadcasting.

Government Departments/Garages and Workshops registered under the local law applicable to Shop & Establishment.

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

ORDER NO. 11/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—

- (1) The importer is registered with the Director General of Shipping, Bombay as a ship repairing unit;
- (2) The goods shall be imported in Customs bonded premises. The importer shall be allowed to take the imported goods outside the Customs bonded premises for the purpose of carrying out ship repairs. The items shall be brought back to the Customs bonded premises after carrying out the repairs. In respect of items consumed for the purpose of carrying out ship repairs, a periodical return shall be submitted to the Collector of Customs of the area and Director General of Shipping, Bombay. The importer shall maintain a proper account which will be open to inspection by the Chief Controller of Imports and Exports.
- (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in accordance with the provisions of Ministry of Finance, Department of Revenue, Notifications No. 211/83-CUSTOMS and 212/83-CUSTOMS both dated the 23rd July, 1983.
- (4) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the Bank, to the licensing authority concerned, and the Director General of Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the Unit concerned.
- (5) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General of Shipping.
- (6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (7) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 12/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa, and Fiji, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions, namely :—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost, in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned.
- (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the Customs authorities at the time of clearance.
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March, 1993, without any grace period whatsoever.
- (iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are to be re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4. This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

**ORDER NO. 13/90—93 -
OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990**

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery Industry appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by Actual Users as certified by Gem and Jewellery Export Promotion Council, Training Institutes and Research & Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories, Registered Exporters of Gem and Jewellery, Co-operative Societies of Goldsmiths and artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for use in the Institutes set up by the Council, and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—

(1) The Import shall be subject to "Actual User" conditions.

(2) The goods so imported shall be of new manufacture.

(3) Registered Exporters of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of their registration as exporters with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Co-operative Society of goldsmiths and artisans and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry will, likewise, furnish a declaration about registration as a co-operative Society, etc.

(4) Regional Training Institutes connected with the Gem and Jewellery Industry, Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery and Gem Testing Laboratories shall furnish a certificate indica-

ting recognition by the concerned authority to the satisfaction of the Customs authority.

(5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March 1993 without any grace period whatsoever.

(7) Notwithstanding what has been provided in condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

(8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order 1955

(9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.

(10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL**

**ORDER NO. 14/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990**

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to (a) Government Departments (Central or State), (b) Departmentally run Undertakings, (c) Railways, (d) Department of Posts, (e) Department of Telecommunications, (f) Doordarshan, (g) All India Radio, (h) State Electricity Boards/Undertaking/Projects under the public sector, and (i) Public Sector Industrial undertakings to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—

(1) Capital Goods appearing in Appendix I Part A and Instruments appearing in Appendix 8 will not be allowed for import. For import of other Capital Goods (except those appearing in Appendix I, Part B) prior clearance of DGTD will be necessary. In the case of any electronic items, including marine electronics and communication equipment, but excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990-93 (Volume-I) prior clearance from the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13), prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(2) Import of jigs, fixtures, dies and patterns (including contour roller dies) moulds (including moulds for diecasting) and press tools can also be made.

(3) In respect of raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B) and 3, prior clearance from DGTD and Department of Electronics (if the value of any electronic item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume I) exceeds Rs. 25 lakhs) will be necessary. For telecommunication equipment covered under para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.

(4) Import of canalised items will not be allowed.

(5) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) for the purpose.

(6) Doordarshan and All India Radio shall also be eligible to import exposed films, video tapes and

sound tapes on the basis of release of foreign exchange therefor.

(7) State Electricity Boards/Projects/Undertakings in the Public Sector and engaged in the production of electricity will have the facility for import of spares only against release of foreign exchange by the administrative Ministry/Central Electricity Authority/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Prior clearance from DGTD will be necessary for import of Restricted Spares appearing in Appendices 2 (Part B), 3 and 10. In respect of any electronic item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume I), prior clearance of Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceed Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunication (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. This facility will also be available to Porst Trusts, Irrigation Departments/Project Authorities, Departmentally-run Undertakings and Railways.

(8) Public Undertakings under the Ministry of Defence will be eligible to import under Open General Licence Capital Goods appearing in Appendix 1 (Para B), raw materials, components, consumables and spares other than those appearing in Appendices 2, 3, 5 and 8. The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through Customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.

(9) (1) Import of raw materials, components consumables and spares can be made under Open General Licence by Public Sector undertakings on the basis of release of foreign exchange. Prior clearance from indigenous angle will be necessary for raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B), and 3. In respect of any electronic item including marine electronics and communications equipment but excluding telecommunications equipment covered under Paragraph 7(13) of the Import-Export Policy for 1990—93 (Volume I), prior clearance from Department of Electronics will be necessary, if the value of such imports exceeds Rs. 25

OGL 14—Concl'd.

lakhs. For telecommunications equipment covered under the said paragraph 7(13) of the Import-Export Policy for 1990—93 (Volume I). Prior clearance of Department of Telecommunications (Telecom Commission) is necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. Import of Capital goods other than those appearing in Appendix 1, (Part A and Part B) of a value higher than Rs. 1.5 Crores will require the approval of Capital Goods Main Committee headed by Secretary (Industrial Development). Import will be allowed under Open General Licence on the basis of list attestation by the Directorate General of Technical Development (DGTD) and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Import of Capital goods upto a value of Rs. 1.5 Crores (other than those appearing in Appendix 1 (Para A and Part B) will be allowed under Open General Licence on the basis of indigenous clearance and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). The customs authorities shall allow clearance on the basis of evidence produced to this effect.

(2) The above facility for import of capital goods raw materials, components consumables and spares under Open General Licence on the basis of release of foreign exchange and indigenous clearance, as detailed above, will also be available to public sector undertakings under the Ministry of Defence for import of items other than those allowed for import under Open General Licence.

(10) Necessary evidence of release of foreign exchange and indigenous clearance from DGTD] Department of Electronics]Department of Telecommunications as mentioned above will be required to be produced to the customs authorities at the time of clearance.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 15/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1 all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale.
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in Research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised Chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use. Importers of films (whether scientific or video) as teaching aids, shall produce to the Custom authorities a certificate from the Central Board of Film Certification that the films imported are 'predominantly educational'.
- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the Customs authorities at the time of clearance of goods.
- (4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, (23 of 1940) wherever necessary, should be complied with.
- (5) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing.
- (6) (1) Importers of Life Saving Equipment appearing in List 2 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) shall be required to produce the valid Certificate issued by the Director General of Technical Development or by any other agency designated for the purpose by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, at the time of customs clearance.
(2) Importers of Life Saving Equipment shall be eligible to import spares of such equipment either alongwith the machines or separately.
- (7) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (9) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from Customs :

OGL 15—*Contd.*

- (i) Description of the equipment imported ;
 - (ii) Its c.i.f. value ;
 - (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment ;
 - (iv) Country from which imported.
- (10) Import of Gibberellic Acid will be allowed only by persons having valid registration under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968).
- (11) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March 1993, without any grace period, whatsoever.
- (12) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (11) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.
- (13) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (14) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (15) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

OGL 15—Contd.

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/90 DATED THE 30TH MARCH, 1990

1. Teaching Aids, namely :—
 - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature with or without readers-cum-printers; and
 - (ii) Film strips/slides of educational nature with or without audio cassettes, audio cassettes/video tapes of educational nature and video discs of educational nature.
2. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.
3. Life-saving Equipment appearing in List No. 2 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I) and their spares.
4. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely :—
 - (i) (a) Laproscope ;
 - (b) Culdscope ;
 - (c) Hysteroscope;
 - (d) Vacuum Suction apparatus ;
 - (e) Accessories and spares of the above items ;
 - (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).
 - (iii) Intrauterine contraceptive devices, T-Fraue, insertor rod, tube, flange, PE monofilament thread, copper wire and sleeves and pouch, coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by the Drugs Controller (India), New Delhi; and
 - (iv) Falope rings (silastic bands).

Finished drug preparations, life saving and anticancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I).
6. Homoeopathic medicines in finished form of Homocopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar of Milk in bulk.
7. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 of Appendix 6 of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I) (Import of jade, pearls and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
8. Purses.
9. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing vessels).
10. Rock Salt.
11. (i) X-Ray films (medical), namely :—
 - (1) Cine angiographic films.
 - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 - (3) Dental X-ray film.
 - (4) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 - (5) Personal monitoring films.
- (ii) Aerographic films.
- (iii) Photo type setting RC/Stabilisation paper.
- (iv) Thermographic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.

SCHEDULE TO OGL 15—*Contd.*

- (vii) Kidney surgery films.
12. Lubricating oils for watches, clocks, time-pieces and house service meters.
13. Fishing hooks.
14. (a) Educational and instructional films (including video films) in a gauge of 16 mm. or less certified by the Central Board of Film Certification to be "pre-dominantly educational".
- (b) Children's films including video films in 16 mm gauge or less of 800 metres or less in length certified by the Central Board of Film Certification to be "Children's films".
15. Photographic films (colour).
16. Photographic colour papers.
17. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
18. Records for learning languages.
19. Rudraksha beads.
20. Cinematographic films, not exposed, the following :—
- (i) 8mm (colour) and
- (ii) 8mm (black and white negative)
21. Dental items as per List No. 6 of Appendix 6 of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I).
22. Items of ophthalmic use as per List 9 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).
23. Ozone generating apparatus.
24. Smoke metres—Hertridge and Bosch Types—for automobile exhaust.
25. Exhaust Gas analyses for measurement of CO, HC, NOX, CO₂ one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
26. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternate Sources of Energy, namely :—
- (i) Wind driven generators.
- (ii) Wind Pumps.
- (iii) Solar energy equipment excluding photo-voltaic cells|panels|modules|systems.
- (iv) Parabolic focussing systems of the automatic electronic tracking type including photoelectric sensors.
- (v) Portable exhaust gas and combustion analysers.
- (vi) Steam trap leak detector.
- (vii) Ultrasonic leak detector.
- (viii) Solar heat control films.
- (ix) Wind measuring instruments such as anemometers, data loggers etc.
- (x) Biomass-based and Solar-based stirring engines.
- (xi) Biomass gasifiers of capacity above 50 KW.
27. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 (Part A), 8 and 10 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) of:
- (1) Printing machinery.
- (2) Machine tools for cutting forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastic including any standard or ancillary equipment; and
- (3) Cinematographic equipment including :—
- (i) Picture and sound printing lamps.
- (ii) Projection lamps—Xenon or tungsten.
- (iii) Lenses/zoom lenses including cinema-scope lenses.
- (iv) Projection volume indicators.
- (v) Studio lamps of capacity 10 KW, 5 KW, 2 KW, 1 KW and 500 watts.
- (4) Trawlers.
28. Out board Motors.
29. Laboratory and Reagent Chemicals other than those appearing in Appendices 2, 3 and 5, and in any of the Lists of Appendix 6 of the Imports and Export Policy for 1990—93 (Volume-I).
30. Gibberellic Acid.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 16/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, for import of the items of description specified in the Schedule annexed hereto as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions namely :—

(1) In the case of import of poultry vaccines :—

(i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the Customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentiality of the material (description/quantity/value) to the party concerned.

(ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from customs, send to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and c.i.f. value.

(iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

(2) In the case of Prostaglandin PGF₂ Alpha, the eligible importer shall produce to the Customs authorities, at the time of clearance an 'Essentiality Certificate' issued by the Animal Husbandry Commissioner, New Delhi.

(3) In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial Licence/Registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940). It shall also be subject to the following conditions namely :—

(i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.

(ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinders Rules, 1981.

(iii) Gas cylinders imported as containers of gas must be made of such material as is normally used for transporting such gases.

(iv) The importer shall obtain necessary permission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.

(4) In the case of CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers, the condition referred to in sub-para 3 (ii), (iii) and (iv) above shall apply.

(5) In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd. any other State agency approved by CCI&E, New Delhi. The imported material shall be salvaged by concerned agency and distributed to the eligible Actual Users.

(6) In the case of Magnetic/Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Municipal Corporations, etc), Government Departments and other Public Sector Undertakings.

(7) In the case of Grape Guard Paper, the eligible importers will be Agriculture Development/Corporation of the Central or State Government/Union Territory, Cooperative Societies of Farmers and Associations of Farmers, recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.

(8) In the case of photographic chemicals referred to in Serial No. 7 of the Schedule, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to Shops and Establishments and (ii) Film Studios, Film Processing Laboratories and Testing Laboratories certified as such by the State Director of Industries.

अनुसूची 1—अनुसूची 1.

(9) In the case of 3/4 inch U-matic and 1 inch video cassettes/tapes referred to in Serial No. 8 of the Schedule the eligible importers will be units registered with the Ministry of Information and Broadcasting for video software generation.

(10) In the case of computer software in any media referred to in Serial No. 9 of the Schedule the eligible importers will be :—

- (a) actual users, including Government Departments, and computer manufacturers for their own use;
- (b) Software Houses registered with the Department of Electronics for the purpose of stock and sale.
- (c) Department of Electronics for stock and sale.

(11) In the case of Insecticides, Fungicides, Weedicides covered by Serial number 12 in the Schedule, import will be allowed only by Indian Farmers Fertiliser Co-operatives, Krishak Bharati Co-operative, Hindustan Insecticides Limited, Horticulture Corporation of Himachal Pradesh, Horticulture Corporation of Jammu and Kashmir, MARKFED (Punjab) and State Agro-Industries Corporations, for stock and sale.

(12) In the case of Polyurethane leather, import shall be allowed to actual users (industrial) engaged in the manufacture of inflatable balls for the purpose of exports, and STC for distribution to actual users for manufacture of inflatable balls for export purposes. It shall also be subject to the following conditions namely :—

- (i) Actual Users engaged in the manufacture of inflatable balls for exports who wish to import directly or procure the item from State Trading Corporation (STC) shall be required to register their contracts with the Sports Goods Export Promotion Council (SGEPC). Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by SGEPC as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract shall be lodged with the SGEPC, and they will return one copy to the importer duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods.
- (ii) Importer shall also produce to the Customs authorities at the time of importation, a certificate from the SGEPC to the effect that the importer is a manufacturer of inflatable balls for the purpose of exports.
- (iii) At the time of registration of a subsequent contract the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the material imported against contracts registered earlier for the purpose of monitoring of manufacture and export of inflatable balls.
- (iv) It shall not be necessary for STC to register the import contracts with SGEPC.

(13) Import of Indian Flag vessels for breaking will be subject to the condition of production by the importer of a certificate authorising the scrapping of the vessel to the Customs authorities at the time of clearance as mentioned below :—

- (i) A certificate from the Director General of Shipping, Bombay, in the case of vessels registered with them.
- (ii) A certificate from the Ministry of Defence (Naval Headquarters) in respect of vessels owned by them.
- (iii) In the case of vessels belonging to Port Trusts, Coast Guard etc., a certificate from the concerned organisation.

(14) In the case of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flower and cuttings, saplings, budwood, etc. of flowers referred to in Serial number 15 of the Schedule, the eligible importers shall be—(a) Departments of Agriculture/Horticulture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR); (b) Seed producing Indian companies/firms which are registered with the National Seeds Corporation; (c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporations; (d) Food Processing Industrial Units; and (e) Growers of flowers and vegetables registered with the Director of Agriculture/Horticulture of the State Governments.

(15) (i) Import of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers by the eligible importers referred to in condition (14) above shall be regulated by the provisions of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984 (hereinafter referred to as the said Order), after satisfying such quarantine regulations, as prescribed under the said Order for the purpose of visual inspection, laboratory inspection and grow-out tests. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the importers, until quarantine/customs clearance is given. The customs clearance of vegetables, flowers/ornamental plant seeds, tubers and bulbs of flowers will be given on receipt of quarantine clearance as provided in the said Order.

(ii) In case the consignment shows the presence of manifestation of any disease or pest or nematode of exotic origin, the entire consignment shall be rejected and destroyed in the prescribed manner.

(16) (i) The eligible importers of cuttings and saplings etc., of flowers should possess post entry quarantine facilities as may be approved by the Plant Protection Adviser.

(ii) For import of cuttings, saplings, budwood etc., of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine shall be essential. The post entry quarantine facilities, as prescribed by or under the said Order shall have to be

Oct. 16 *Contd.*

established by the eligible importers referred to in condition 14.

(iii) Customs clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from the Plant Protection Adviser.

(iv) Cuttings, saplings, budwood etc., of flowers which require post entry quarantine inspection shall be grown in the post entry quarantine facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. If after quarantine customs clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during post entry quarantine inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner.

(17) In the case of fresh fruits, import will be allowed only by the National Agricultural Marketing Federation (NAFED) against release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). At the time of clearance of the imported goods NAFED will be required to produce necessary evidence to this effect to the Customs authorities.

(18) In the case of educational, scientific and technical books referred to in item under 16 of the Schedule, the persons eligible to import shall be,—

- (i) Universities, including deemed Universities and recognised educational and research institutions;
- (ii) Public, National and State Libraries;
- (iii) Institutions of higher learning;
- (iv) Booksellers having a minimum annual sales turnover of Rs. 10 lakhs;
- (v) Research and development units of industrial establishments; and
- (vi) Professionals like scientists, doctors, engineers, University professors, advocates, chartered accountants etc., for their own professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000 in a financial year.

(19) In the case of import of educational and technical books, the following conditions shall apply :—

- (a) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed.
- (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Department of Education, Government of India, New Delhi.

(c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun.

(d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.

(e) Import of records or pre-recorded audio and video cassettes or video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made subject to the condition that the supplier has certified that records or pre-recorded cassettes or video disks or pre-recorded floppy diskettes form an integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records or pre-recorded audio and video cassette, or pre-recorded floppy diskettes or video disks.

(f) Booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original currently valid registration under relevant law relating to registration of shops and establishments for the time being in force or a photo-copy of such original or evidence of membership of one of the professional associations of booksellers. A certificate from Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.

(g) The booksellers shall send quarterly returns to the concerned licensing authority in whose jurisdiction they are located about the value of books imported by them under Open General Licence giving the details of country of origin, whether the books are technical or non-technical and value in each category. Failure to send such returns may lead to cancellation of Import Export Code Number.

(h) Educational and research institutions, Institutions of Higher Learning and public libraries shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by the Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies or research projects undertaken by them.

OGL 16—Contd.

(i) Professionals shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their membership of the relevant professional body or association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.

(j) At the time of clearance through customs, the importer shall furnish a declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I).

(20) In the case of educational, scientific and technical journals, news magazines and newspapers, import under Open General Licence can be made by all persons.

(21) At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authority.

(22) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods, imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

(23) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

(24) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, and Fiji.

(25) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 without any grace period, whatsoever.

(26) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (25) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(27) This Licence shall also be subject to the Condition Nos. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(28) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(29) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importer should comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports
(Issued from File No. IPC/3/5/90)

OGL 16—Concl'd.

SCHEDULE 10 OPEN GENERAL LICENCE
NO. 16/90 DATED 30TH MARCH, 1990

- | | |
|--|--|
| 1. Poultry vaccines (all types). | (5) Malathion |
| 2. Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below. | (6) Endosulfan |
| 3. CO ₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers. | (7) Phorate |
| 4. Broken Electric Motors. | (8) Mancozeb |
| 5. Magnetic Electromagnetic water conditioning system. | (9) Zineb |
| 6. Grape Guard Paper. | (10) Thiram |
| 7. Photographic chemicals—developers, fixers, intensifiers, reducers, toners and cleaning agents. | (11) 2, 4-D |
| 8. 3/4 inch U-Matic and 1 inch video cassettes tapes. | (12) Butachlor |
| 9. Computer software in any media including software floppy diskette with average c.i.f. price of Rs. 50 or less per diskette. | (13) Benthioncarb |
| 10. Polyurethane leather. | (14) Isoproturon |
| 11. Indian Flag vessels for breaking. | 13. Fresh Fruits. |
| 12. Insecticides, Fungicides and Weedicides, namely :— | 14. Prostaglandin PGF ₂ Alpha. |
| (1) Monocrotophos | 15(i) Seeds of Vegetables flowers, seeds of ornamental plants tubers and bulbs of flowers. |
| (2) Methyl Parathion | (ii) Cuttings, Saplings, budwood etc. of flowers. |
| (3) Dimethoate | 16(a) Educational, scientific and technical books (an illustrative list of subjects is given in List 7 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) ; |
| (4) BHC | (b) Educational, scientific and technical journals; news magazines and newspapers. |

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 17/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods, subject to the following conditions namely :—

(1) The eligible importers will be :—

- (i) Coal India Limited.
- (ii) Neyveli Lignite Corporation Limited.
- (iii) Bharat Coking Coal Limited.
- (iv) Central Coalfields Limited.
- (v) Eastern Coalfields Limited.
- (vi) Western Coalfields Limited.
- (vii) Central Mine Planning and Design Institute Limited.
- (viii) Singareni Collieries Company Limited.
- (ix) South Eastern Coalfields Limited.
- (x) Northern Coalfields Limited.

(2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.

(3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 Part A and instruments appearing in Appendix 8 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix-I Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix-I, Part-B. In respect of any electronics item, including marine electronic and communications equipment but excluding telecommunications equipment covered under para 7(13) of the said policy prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13), prior clearance of Department of Telecommunication (Telecommunication Commission) will be necessary if the such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The Customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

(4) The goods so imported shall be of new manufacture.

(5) The import shall be subject to Actual user condition.

(6) This Licence shall also be subject to the Condition No. (1) and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

(8) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February 1993, without any grace period whatsoever.

(9) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts entered into and duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

(10) Nothing in this Licence shall effect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)
Chief Controller of Imports and
Exports

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 18/90-93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/90

New Delhi, the 30th March, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital goods, raw materials components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to Non-resident Indians/Persons of Indian origin in the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions :—

- (1) The eligible importers shall be Non-resident Indians (which includes Non-resident Indians who have acquired foreign nationality) and Persons of Indian origin residing abroad.
- (2) The items imported will be for setting up a new industrial unit or for expansion, diversification or modernisation of an existing unit in conformity with the industrial policy of the Government or setting up a service industry.
- (3) The entire foreign exchange involved in the import will have to be provided by the importer. The import does not involve any remittance from India.
- (4) Neither the capital invested nor the profits would be allowed to be repatriated by the importer.
- (5) Imports shall be subject to 'Actual User' condition. No permission to sell the capital goods will be allowed for a period of 5 years from the date of import. Thereafter, such sale may be made only with the prior permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (6) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that,
 - (a) The imported machinery and other materials have been purchased out of importer's earnings/resources abroad, and do not involve any remittance from India; and
 - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall send information about the import of the machinery and other materials, in question to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. In the case of electronic items the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhawan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries. Copy of such information should be sent to the concerned sponsoring authority/technical authority also.
- (7) Eligible importers can import capital goods appearing in Appendix J Part B. Import of other capital goods except those in the Restricted List, can also be made upto a value of Rs. 35 Lakhs cif for setting up an industrial unit.
- (8) Import of second hand machinery will not be allowed under this Licence.
- (9) The industry, in which the imported machinery shall be used, will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for Small Scale Industries, in paragraph 7(5) of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).
- (10) Raw materials, components, consumables and spares required during the first year will be allowed under this Licence on the basis of approval by the Special Approvals Committee (NRI), Ministry of Industry. The imported raw materials, components and consumables shall be used in the industry being set up by the importer in India.
- (11) The industrial units concerned (if they are new) will be required to get themselves registered with the sponsoring authorities concerned within a period of one year from the date of import of capital goods.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank

OGL 18- Concl'd.

of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.

- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March 1993 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever :—
 - (a) On or before the 30th 1993 in the case of raw materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February, 1993.
 - (b) On or before the 31st March 1994 in the case of capital goods where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993.
- (15) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (14) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Govern-

ment reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (16) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

TEJENDRA KHANNA, CHIEF CONTROLLER
OR IMPORTS AND EXPORTS

(Issued from File No IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 19/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 19/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the project contractors taking up projects abroad for re-import/import from any country in the world except the Union of South Africa and Fiji of (i) related equipments, (ii) machinery and related spares, (iii) related tools, and (iv) related accessories as were either taken from India or purchased abroad after taking necessary permission of the Reserve Bank of India, or Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, into the country, after completion of the projects. At the time of seeking clearance of such re-imported/imported goods, the project contractor shall, however, be required to file a declaration with the Customs Authorities concerned to the effect that these related equipments, machinery and related spares, related tools and related accessories were used for execution of the project (name of the project to be mentioned) and were either taken from India or purchased abroad for which necessary permission of the Reserve Bank of India or Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, was obtained.

2. The above permission should also be available in the case of office equipments which had been used during the course of the execution of the projects abroad for at least one year, subject to the production of satisfactory evidence to this effect to the customs authorities.

3. The re-import/import shall be subject to the conditions that,

- (1) such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March of the licensing year;

- (2) nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported or re-imported; and

- (3) the licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer would comply with the provisions of all other laws applicable to him.

4. The above permission shall also be subject to the conditions, if any, as may have been imposed by the Reserve Bank of India/Export-Import Bank of India/Industrial Development Bank of India, at the time of granting permission for purchase of the goods in question.

Note. : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", wherever appears in this Order shall have the meaning assigned to it in the Import and Export Policy (Volume I) for 1990--93.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND
EXPORTS
(Issued from file No. 1/2/74 FPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 20/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users located in the respective Free Trade Zones and Export Processing Zones for import of (1) Capital Goods (whether new or second hand), (2) raw materials, (3) components, (4) spares, (5) consumables, (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototypes and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation, (9) Diesel Generating set, into the Free Trade Zones/Export Processing Zones, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case. However, items, banned for import in Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2 Part-A of the Import and Export Policy 1990—93 (Vol. I) shall not be allowed to be imported in the Free Trade Zones and Export Processing Zones under this Open General Licence.

2. For import of second hand Capital Goods, the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a Certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the Country from which import is made in the proforma given in the Handbook of Procedures, 1990—93. The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.

3. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own use, product diversification and development or evaluation (i) prototypes and technical samples not covered in para 1, (ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films and (iii) office equipment, spares and consumables thereof.

4. Such Actual User may also import goods received (i) for repairs or reconditioning by them in the Zone and to be re-exported thereafter, or (ii) back from the overseas consignees within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the related formalities under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973)).

5. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically, as required, to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Letter of Approval or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and rules framed thereunder.

6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 19/88-91 dated the 30th March, 1988.

Sd/-
(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

(Issued from File No. 6/108/87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 21/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' manufactured by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones subject to the following conditions, namely :—

- (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
- (2) The term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defect and as such are not exportable as per declaration of the units in Free Trade Zones and Export Processing Zones. 'Rejects' shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following guidelines may be observed for determining 'Rejects', namely :—
 - (i) the unit must certify that the 'Rejects' were unavoidable on account of flaws of technology, techniques or material deployed by the unit in the manufacture of its products;
 - (ii) the 'Rejects' are also invoiced and stamped by the unit as 'Rejects' at the time of clearance into the Domestic Tariff Area;
 - (iii) the 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having

jurisdiction over such units. The Assistant Collector may decide that an item is a 'Reject' with reference to—

- (a) the quality control yard-sticks specified by the buyer;
 - (b) the report of the internal quality control department of the unit; and
 - (c) other technical opinion which he may consider necessary.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
 - (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations.
 - (5) The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-
(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 22/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 22/90
NEW DELHI, THE 20TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import goods manufactured by the units located in Free Trade Zones, and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of such goods in the Domestic Tariff Area,

(3) Nothing in this Licence shall affect the application of any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

(Issued from File No. 6/108/87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 23/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 23/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import scraps|waste|remnants generated in the course of production by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps|waste|remnants generated in the course of production by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of scraps|waste|remnants in the Domestic Tariff Area.

(3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd.-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

(Issued from File No. 6/108/87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 24/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 24/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by the Government as 100 per cent export oriented units for the import of—

- (1) Capital Goods (whether new or second-hand) including Generating sets.
- (2) Prototype and technical samples, not exceeding two in number, of each type for product diversification or development or evaluation.
- (3) Raw materials, ~~components~~, consumables and intermediates.
- (4) Spares.
- (5) Packing materials.
- (6) Materials handling equipment like Fork lifts, Overhead Cranes (for initial setting up of the unit only).
- (7) (a) One number each of the following for its own production, use or product diversification or development or evaluation :—
 - (i) Facsimile machine meeting with specifications of CCITT G2/G3 or CCITT G3.
 - (ii) Dictation tape recorder.
 - (iii) Paper shredding machine.
 - (iv) Synchronized slide projector.
 - (v) Electronic White Board with or without arrangements for taking hard copy.
 - (vi) Cam Corders.
 - (vii) Digial pager.
 - (viii) Telewriter.
 - (ix) Microfilming equipment/Reader-printer.
 - (x) Electronic diary/Memo-writer.
 - (xi) Teleconferencing equipment (on the recommendation of Ministry of Information & Broadcasting and approval of Deptt. of Telecommunications).
- (b) Spares of the machine from (i) to (xi) in 7(a) above and consumable tools required

for these machines for a value not exceeding Rupees five thousands per year.

- (8) import of spares related to finished product manufactured by 100 per cent Export oriented units will also be allowed at the rate of 1.5 per cent of the ex-factory value of its annual production or 2 per cent of the c.i.f. value of imported components whichever is higher, for the purpose of providing warranty coverage or after sale service (whether free of cost or at a price) to their customers;

Subject to the following conditions, namely :

- (a) Import shall be subject to actual user conditions,
- (b) the goods shall be imported in customs bonded factory,
- (c) the unit shall comply with all the conditions subject to which payment of Customs duty on the imported materials is exempt,
- (d) the normal procedure that is applicable for Customs bonding will be followed including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory,
- (e) the entire production and operations shall be by/under Customs bonded factory,
- (f) import of items which are banned for import in the Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2, Part A of the Imports and Exports Policy 1990—93 (Vol. I) will not be allowed.

2. For import of second hand Capital Goods the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the country from which import is made in the proforma given in the Hand Book of Procedure 1990—93 (Volume-I). The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.

3. On prior clearance of the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and

Exports, New Delhi, such units may also be allowed to import the following, namely :—

- (i) prototypes and technical samples not covered by para I above;
- (ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro films.

4. Such units will also be allowed to re-import after repairs abroad, machinery/equipments exported by them for this specific purpose. Any foreign exchange payment necessary for this will also be allowed.

5. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second hand) by industrial units exporting 100 per cent of their production already, at least during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100 per cent export oriented units, on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer shall produce at the time of clearance through customs, the certificate referred to in para 2 above, when importing second hand Capital Goods;
- (ii) at the time of clearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in accordance with the procedures laid down in the relevant import policy, as an evidence of having exported 100 per cent of its production in the previous three financial years;

(iii) the importer should also give a declaration to the effect that the import of capital goods under this provision will not result in exceeding his licensed/approved capacity;

(iv) the import shall be subject to Actual User condition.

6. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically, as required, to the Ministry of Commerce, Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports and the licensing authority concerned. The importer shall adhere to the minimum value added condition stipulated by the Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to penal action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and rules framed thereunder, without prejudice to any other action, such as cancellation or revocation of permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence.

7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 23/88-91 dated the 30th March, 1988.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

**CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS**

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 25/90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 25/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhawan, New Delhi for sale of such goods in the Domestic Tariff Area;

- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS &
EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6/108/87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 26/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 26/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' as permitted in the Letter of Approval of the 100 per cent Export Oriented Units issued to such units by the Central Government, subject to the following conditions, namely :—

- (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
- (2) the term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defects and as such are not exportable as per declaration of the 100 per cent export-oriented unit concerned and shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following parameters shall be kept in view for determining 'Rejects', namely :—
 - (i) the unit must certify that the rejects were an unavoidable feature on account of flaws of technology, techniques or material deployed by unit in the manufacture of its products;
 - (ii) 'Rejects' are also invoiced and stamped by the manufacturer as "REJECTS" at the time of clearance into the Domestic Tariff Area; and

(iii) 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having jurisdiction over such units. Assistant Collector shall decide that an item is indeed a 'Reject' with reference to quality control yardsticks prescribed by the buyer, report of the internal quality control department of the manufacturer, and other technical opinion which the Assistant Collector may consider necessary to call upon before deciding the matter.

- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, ~~exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any~~ requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6/108/87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 27/90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 27/90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, scraps|waste|remunants generated in the course of production by 100 per cent Export-Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely :—

- (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
- (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps|waste|remunants generated in the course of production by 100 per cent Export-Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Ministry of Commerce for sale of such scraps|waste|remnants in the Domestic Tariff Area;

(3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;

(4) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6/108/87-EPC)

